भारत की राजपन्न The Gazette of India

-प्राधिकार से प्रकाशित १७६८:६म६७ ६७ ४७ गम० ८० ग

सं• 32] No. 32] नई बिस्सी, शनिवार, अगस्त 10, 1985 (श्रावण 19, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 10, 1985 (SRAVANA 19, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे जि यह अलग संकलन के का में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा प्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 जूम 1985

सं० 32011/1/85-प्रशा०-1—कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के का० जा० सं० 5/8/84—सी० एस० II दिनांक 5 जनवरी, 1985 के भनुसरण में श्री एच० भ्रो० मदान, जो संघ लोक सेवा भाषोग के के० स० स्टे० से० के संवर्ग में समय-समय पर तदर्थ भाषार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड 'ख') के पव पर कार्य कर रहे हैं, उनको संघ लोक सेवा भाषोग के के० स० स्टे० से० के संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड 'ख' जो चयन सूची में 14 मई 1985 से सम्मिलत कर लिया गया है ।

एम० पी० जैंन भ्रवर सचिव (प्रशासन) संघ लोक सेवा भ्रायोग प्रशासनिक सुधार और लोकशि तायत तथा पेंशन शंत्रालय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 17 ंजुलाई 1985

सं० ए०-19021/7/82-प्रशा० 5---राष्ट्रपति ने, श्री के० के० मण्डल, भा० पु० सेवा (पश्चिम बंगाल-1968) को, दिनांक 18 जून, 1985 के पूर्वाह्म से, ग्रगले ग्रादेश होने तक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थानना में, स्थानापन्त पुलिस उप-महानिरोक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए०-19014/2/84-प्र० 5-राष्ट्रपति ने, श्री यू० एस० मिश्र, भा० पु० सेवा (उड़ीसा-1968) को, दिनौंक, 11 जून, 1985 के पूर्वाह्म से प्रगले धादेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्यापना में स्यानापनन पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियक्त करते हैं।

> के**० चक्रवर्यी** उप निदेशक (प्रशा०), केन्द्रीय अन्वेषण क्यूर्र

नई विल्ली-110003, विनांक 15 जुलाई 1985

सं० ए० 19015/27/84-प्रशा०-5—निवर्तन होने पर, सर्वेश्री फांगीलाल एवं एन० के० सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो, एस० झाई० सी०, नई दिल्ली ने दिनांक 30 जून, 1985 के अपराह्म से पुलिस उपाधीक्षक, के० अ० क्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

दिनांक 16 जुलाई 1985

सं० के०-8/70-प्रशा०-5—श्री के० जगनमोहन राव, वरिष्ठ लोक प्रभियोजक, के० घ्र० ब्यूरो की सेवाएं, दिनांक 12 जून, 1985 के पूर्वाह्स से, 3 वर्ष की प्रविध के लिए, भ्रष्टाचार-निवारण-ब्यूरो, हैदराबाव में, प्रतिनियुक्ति पर विधि सलाहकार-व-विशेष लोक भ्रभियोजक के रूप में उनकी नियुक्ति के लिए भ्रान्ध्र प्रवेश सरकार को सौंपी जाती हैं।

सं० वी-5/73-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद द्वारा ग्रान्ध्र प्रदेश के सेवा निवृत पुलिस उपाधीक्षक, श्री वी० कामराजू को, पुनर्नियुक्ति पर, दिनांक 1 जुलाई, 1985 के पूर्वाक्ष से एक वर्ष के लिए ग्रस्थाई रूप से, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाव शाखा में पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 3/27/85-प्रशा०-5—राष्ट्रपति ने, श्री भार० श्रीकुमार, भा० पु० सेवा० (कर्नाटक-1973) को दिनांक 20 जून, 1985 के पूर्वाह्म से भ्रगले श्रादेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनियुक्ति पर, पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 17 जुलाई 1985

सं० ए-31016/15/81-प्रशा०-1—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं श्रपील) नियमावली, 1965 के नियम 9(2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए निदेशक, केंद्रीय ग्रन्वेपण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतत्द्वार निम्निलिखित ग्रधिकारियों को, दिनांक 4-8-80 से कें० ग्र० ब्यूरो में मूल रूप से लोक ग्रिथिका (ग्रुप-"ख"-राजपितत) के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रम सं० प्र धिकारी का नाम	तैनाती का वर्तमान स्थान	पद जिस पर कें० भ्र० ब्यूरो में पहले से स्थाई हैं।
सर्वं श्रो		a_d_d
1. विश्वनाथ औक्षा	सा० ग्रा० स्कंध, दिल्ली	
2. एस० के० भारताज	🕯 चण्डीगढ	स० लो० घ०
 जी० पी० श्रीवास्त्व 	ल खन ऊ	 -
4. जयदेव प्रसाद	सा० ग्र० स्कंध, दिल्ली	
गोपाल सरन	भा० भ ० स्कंध, बम्ब ई	
6. विश्वनाथ	ল অ ন্ক	
7. वी॰ एस॰ प्रसाव	म्रा० म० स्कंघ, दिल्ली	स० लो० अ०
8. बीं० के० सिन्हा	सी० भ्राई ० यू०≠2	स० लो० भ्र०
9. पी॰ प्रसाद	पटना पटना	स॰ लो॰ प्र॰
10. एस० के० गुप्त	चण्डीगढ्	स० लो० भ्र०
11. एन० सी० पां डा	भूवनेश्यर	स० लो० घ०

भ्रार०एस० नागपास प्रशासनिक भ्रधिकारी (स्थापना) क्रें० भ्र० ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्य पुलिस बल नई विल्ली-110003, दिनांक 16 जुलाई 1985

सं० ग्रो० दो० 1814/83-स्थापना—श्री पी० एस० डाबर, पुलिस उप-ग्रधीक्षक, 72 वाहिनी, के० रि० पु० बल की सेवाएं दिनांक 1 जून 1985 (पूर्वाह्म) से नार्थ ईस्टर्न पुलिस श्रकादमी को सौंपी जाती हैं।

> एम० ग्रशोक राष्ट्र सहायक निदेशक (स्थापना)

श्वम तथा पुनर्वास मंत्रालय

श्रम विभाग (श्रम ब्यूरों)

शिमला-171004, विनांक 2 अगस्त 1985

सं. 23/3/85-सी.पी.आई.—जून, 1985 में औखो-गिक श्रम्कों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मई, 1985 के स्तर 600 से छः अंक बढ़ कर 606 (छः सौ छः) रहा । जून, 1985 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 737 (सात सौ सींतीस) आता है।

> जितन्त्र नाथ शर्मा निद्येशक श्रम ब्यूरो

वित्त मंत्रालय ग्राधिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय देवास, दिनांक 16 जुलाई 1985

सं ० नस्ती क ० वी एन पी/सी/5/85—इस कार्यालयं की ग्रिधसूचना में बी एन पी/सी/5/84 विनांक 4 जनवरी, 1985 के अनुक्रम में श्री एम० एन० श्रीरंगनायन, अनुभायः प्रिधकारी (प्रशासन) को प्रशासन अधिकारी के पद पर वेतनमान चपए 840-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह 'क्ट्र-रें। राजपित्रत) में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 23 दिसम्बर, 1984 (पूर्वाह्र) से अन्य आगामी आदेशों तक स्थानापन्त रूप से नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

मु० वै० चार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय, निवेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-2 नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1985

सं० प्रशासन एवं स्थापना-7—इस कार्यालय के लेखा परीक्षा ग्रियकारी श्री रघुनन्वन प्रसाव गुप्ता वार्धक्य झायु प्राप्त करने के परिणामस्यरूप 31 जुलाई 1985 झपराह्म को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

ह्र० अपठनीय

संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा (प्रा०)

कार्यालय ले**खा** परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-I नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जुलाई 85

सं प्रशा ०-1/का० आ० संख्या-189—निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य, नई विल्ली, धनुभाग प्रधिकारी श्री भूत्रकाश गुप्ता के सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी (ग्रुप "बी" राजपितत) के रूप में 5 जुलाई 1985 पूर्वाह्न से 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 रुपए के वेतनमान में प्रगले धादेशों तक नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्र०) कार्यालय महालेखाकार (अंकेक्षण-1) बिहार पटना, दिनांक जुलाई 1985

सं० प्रशासन-1 (ले० प०) — 1-20-5-1 1/2- महाखेबाकार (अंकेक्षण)-1, बिहार, पटना अनुलग्न सुनी में अंकित अनुभाग अधिकारियों को दिनाक 31-3-84 (पूर्वाह्न) या पद भार प्रहण की तिथि से, जो बाद में हो, अर्गल आदेश तक रूपर 650-30-740-35-880-द० रो०-40 के अतन मानम्में स्थाबापन्न सहायक अंकेक्ष प्रधिकारी प्रुप- 'म्ब्' प्राजप्रद्वित के पूद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

समर राय ंबरीय उप महालेखाकार (प्र०), बिहार, पटना

अनुभागः अधिकारी , सहायक लेखा परीक्षाः अधिकारीः के ह्रय में परोक्षतः सदस्यों की सूचीः :---

नाम

कम े

संख्या

सर्वश्री

- ा. रण विजय प्रसाद सिन्हा नं०-1
- मुन्द्रिजा प्रसाद
- 3. मीहनीं मोहन प्रसादे
- 4. मो० मासूम आलम
- 5. इन्द्र नाथ दास
- मवलेन्द्र प्रसाद सिंह
- 7. सिं**ज**ेनाम[्] उपाध्याव
- 8 रिशिवेब सिह^{्र}
- 9 भूप नारायण राय
- 10 दीना नाथ सिंह
- ीं. श्याम सुन्दर प्रसाद
- .2. मिथिलेश कुमार सिन्हा
- 13 राजकुमार सिंह,
- ा4. ्तकण कुमारु ्षोष
- 15. सुरेन्द्र कुमार ⊬क्की
- 16. उमेश प्रसाद सिंह
- 17. यदुनाथ सिंह
- 18. रघुनाथ प्रसाद
- 19 उदय चन्द्र सा
- 20. भवन मोहन वेमी
- 21. अब्दुल मतीन ग्रंसारी
- 22. सुधीर कुमार सिन्हा

सर्वेश्री		सर्वश्र7
25.	नर्रसिष्ठ मिश्चा वैद्यनाथ प्रसाद सिष्ठ अवधेषः धर्मा सत्य देव राय	30. मो० समीउल्लाह 31. मो० हाशिम भंसारी 32. मोस्तार सिंह 33. बृज भूषण बिहारी दुवे 34. मो० सुलेमान
	राजा राम केयारी मो० दाउद शीकत देव नाथ भगत	उदः नाण सुलमान हु० ग्रपठनीय नेखा परीक्षा अधिकारी (प्र०) बिहार, पटना

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम मन्त्रन ग्वालियर, दिनांक 17 जुलाई 1985

क्रमांकः |प्रशासन 11|समूह-1|पदोन्नित|ले०प०म०|136|282-सम्मालेखावार (ले० प०) प्रथम ने निम्नितिकित सहायकः लेखापरीक्षा अधिवारियों को स्थानापन्न ले०प०म० के पद पर वेतनमान ६० 840-40-10000व०म०-40-1200 में उनके नाम के भागे दर्शाये गये दिनांक से वार्यभार ग्रहण वरने की दिनांक से भागामी आदेश तक पदोन्नित विधा है:—

क्रमोंक नाम	स्थाई क्रमांक	वतर्यभार ग्रहण इ.स्ने वा दिलां	ग्नाबंटन स
1. श्री टी०बी० माथुर	01/337	315 85 (पूर्वाह्न)	म०ले० (ले ॰ प०) द्वितीय म०प्र०, भोपाल
2. श्री बी०पी० श्रीवास्तच	01/322	5-6-85 (धूर्वाद्ध)	11
3. श्री कें०जीं० दिषे	01/329	12-7-95	म०ले० (ले०प०) द्वितीय म०प्र० शाखा वार्यालय स्वालिय

प्राधिकार: म०ले० (ले०प०) प्रथम के झादेश धिनांक 28-5-85 एवं 5-7-85)।

कार्यालय महालेखाकार (ले॰ प॰) महाराष्ट्र बम्बई-400020, दिनांक 17 जुलाई 1985

सं प्रशासम-1लि॰ प०/सामान्य/स॰ ले॰ प॰ स०/2 (1)/4---महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखी गई तिथियों से प्रभावी, पून: आदेश जारी होने तक, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (वर्ग समूह "ब"--राजपतित) पर पर, सहर्षे नियुक्त किया है :--सले० ५० अ० कार्यालय जिस क्म नाम सं० पद पर नियुक्ति में नियुक्त हुए हैं की तिथि 1. श्रीके०एम० 24-6-85 (पूर्वाह्म) महालेखाकार चतुर्वेदी (ले० प०) बम्बई 2. श्री पी०जी० पाटील 24-6-85 ,, 3. श्री एस० कें० महाजन . 24-6-85 4. श्री ह्वी० आर० विवेधी . 29-6-85

		उपमहा	ह० भ्रह ानय लेखानार/प्रशासन
1 2		3	4
5. श्री कें० एन० चंद्रक 6. श्री टी. चन्द्र-	24-6-85	पूर्वाह्न	महालेखाकार (भै०प०) बम्बई
शेखरम .	24-6-85	11	"
	10-7-85	,,)1
8. श्रीके० डी० सिंग 9. श्री एम० बी०	24-6-85	"	"
लोखंड़े . 10. श्रीए०बी०	29-6-85	"	11
कलगृटकर . 11. श्रीडब्ल्यु० एम०	24-6-85	17	11
बुराडकर .	24-6-85	1)	"
रामयन्त्रन	24-6-85	11	11
 कुमारी जै० ह्यग्रिकन . 	1-7-85	,,	,,
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		पी॰	के० रामचन्द्रन

वरिष्ठ महालेखाकार/प्रशासन

महालेखाकार का कार्यालय उत्तर प्रवेश

इलाहाबाद, दिनांक 12 जुलाई 1985

सं० ए० जी० (ए० यू०) प्रशा०/13-7/8119— निम्नलिखित कार्यावह लेखा परीक्षा अधिकारियों को कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) उ०प्र० में 1 जून 1985 से स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है:—

- 1. श्री शिव चरण लाल सिंहल
- 2. श्री उमेश चन्द्र।

दिमांक 13 जुलाई 1985

सं० ए० जी० (ए० यू०) I/(एक्टीमन) 137/81 94---निम्न-लिखित स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी निवर्तन की आयु प्राप्त कर 30 जून (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए हैं:----सर्वेश्री/

- बलदेव राज चह्ता, कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) 1, उत्तर प्रवेश इलाहाबाद ।
- ग० प्र० मेहरोत्ना, कार्याक्य महालेखाकार (ले० प०) 1, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

 अं० एल० चौधुरी कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) 2, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद । बी० के० चहीनाध्याय, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय निदेशक **लेखा परीक्षा** रक्षा से<mark>वाएं</mark>

नई दिल्ली-110001, दिनाक 16 जुलाई 1985

सं० 1673/ए-प्रशासन/130/85—संयक्त निदेशक लेखा परीक्षा (प्रायुध फैक्टरियां) कलकत्ता, के स्थायी लेखा परीक्षा प्रशिक्षा प्रशिक्षा प्रशिक्षा प्रशिक्षा प्रशिक्षा प्रशिक्षा प्रशिक्षा प्रशिक्षा के के कार का दिनांक 28-6-1985 को स्वर्गवास हो गया है।

दिनांक 17 जुलाई 1985

सं० 1687/ए-प्रशासन/130/82-85—वार्धेश्य निवृत्ति धायु प्राप्त करने पर सर्वश्री भार० सुन्दरम भीर टी० धार० शिवरामन, स्थायी लेखा परीक्षा भधिकारी, रक्षा सेवाएं, दिनांक 30-6-1985 (भपराह्म) को सेवा निवृत्त हुए ।

> भगवान गरण तायभ संयुक्त निदेशक, लेखा परीका, रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली—110066, दिनौक 21 जून 1985

सं प्रणा/1/1424/4/जिल्द-ग्रे---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में निम्नलिखित लेखा प्रधिकारियों (जो प्रतिनियुक्ति पर हैं) को उक्त सेवा के कनिष्ठ रूमयमान (रूपए 700-1300) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नामों के रूमक दर्शाई गई तारीखों से "ग्रनुकम नियम के प्रधीन" ग्रागामी प्रादेश पर्यन्त सहुवं नियुक्त करते हैं।

०सं० अधिकारी का नाम सर्वे श्री	तारीख जिससे नियुक्ति की गई	घ म्युस्ति त
1. देश रा ज बीर	28 01 85	चरिष्ठ लेखा ग्रधिशारी, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।
2. ओम प्रकाश शर्मी	28 - 01-8 5	प्रशासनिक एवं लेखा ध्रधिकारी, इ लैक्ट्रानिक्स क्षेत्रीय जांच प्रयोगशाला (उत्तर) इ लैक्ट्रानिक्स चिमाग, नई दिल्ली ।
3. मुहम्मद मुमताज ग्रहमद	2 8- 0 1-B 5	ह लेखा ग्रधिकारी, भारतीय सङ्क निर्माण निगम लिमिटेड, नयीं दिल्ली।
4. एन० के० श्रीनिषासन	2 5-03-8 5	सी० जीं० ओ० (लेखा) रक्षा सेवाएं स्टाफ कालिज, रक्षा मंत्रालय वैलियटन ।
 नन्द विज्ञोर मल्होत्रा 	2 8 03 8 5	लेखा प्रधिकारी, सोलेशियम ५.ड भया रिटी, जहाजरानी एवं परिषहन मं कालय, नगी दिल्ली ।

विनांक 19 जुलाई 1985

सं ० प्रशा ० | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | जिल्द-I — राण्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री बी० बी० ग्रदाबी को राजस्व विभाग, वित्त मंत्रासय में स्वीकृत विसीय सलाहकार (संयुक्त सिंचव हैं को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रें ह के स्तर-I (वेंतनमान रुपए 2500—125/2—2750) में स्थाना-परन रूप से कार्य करने के लिए "ग्रनुक्रम नियम के ग्रधीन" 17 जन 1985 से ग्रागामी श्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० प्रणा०/1/1171/1/जिल्द-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के भ्रधिकारी श्री बी० जी० जोशी को उक्त सेवा के विरुठ प्रणासनिक ग्रेड के स्तर-I रुपए 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए 17 जून, 1985 पूर्वां ह्र से भ्रागामी भावेण पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं । प्रशा । 1/1424/4/1—राष्ट्रपति, मारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित लेखा प्रधिकारी (जो प्रतिनियुक्ति पर हैं) को उक्त सेवा के कनिष्ठ समयमान रुपए 700—1300) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के सामने वर्गाई गई तारीख से, "ग्रनुक्रम नियम के प्रधीन" ग्राग म ग्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

नियुक्ति की गई	
28-03-85	बरिष्ठ लेख प्रधिकारी, द्या थिक मामले का विभाग, विस् मंत्रालय, ना विल्ली।
	की गई

रक्षा मंत्राखय आर्डनेन्स फैंक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 2 जुलाई 1985

सं० 8/85/ए/एम—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी को ग्रार्डनेन्स फैक्ट या स्वास्थ सेवा में वरिष्ट चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर उनके सामने दर्शाई गई तारीख से भ्रागामी भादेश न होने तक नियुक्त करते हैं:---

क्रम नाम	सैनाती स्थान	दिनांक
सं०		
1. डा॰ घार॰ एम॰ ध्रप्रवाल	गन कैरेज	9-5-84
	फ ैंक्ट री	एफ०एन ०
	जबलपुर ।	

दिनांक 11 जुलाई 1985

सं० 09-85/ए/एम--वार्धंक्य निवृत्ति भ्रायु (भ्रयात् 58 वर्षे) प्राप्त कर निम्नलिखित प्रधान विकित्सा श्रधिकारी के सामने वर्गायी गई तारीख से सेवा निवृत हुए :---

क्रम नाम एवंपद सं०	फैक्टरी	दिनांक
1. डा० पी० जी० सरकार, प्रधान चिकित्सा म्रधिकारी	एमुनिशन फैक्टरी खड़की	28-2-85 (भ्रगराह्म)

सी० एम० मायुर एडीशनल डी० जी० छो० एफ०/सदस्य/कार्मिक

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा कलकत्ता, दिनांक 3 भुलाई 1985

सं० 25/जी/85—श्री टी० वी० रामाकृष्णन्, निदेशक (स्थायी मैनेजर/सीनियर डी० ए० डी० जी० थ्रो० एफ०— परिवर्तित पदनाम संयुक्त निदेशक/डी० जी० एम०/जी० एम० ग्रेड-2) दिनांक 22 ग्रक्तूबर, 1984 (ग्रपराह्म) से स्वैच्छा-पूर्वक सेवा निवृत हुए ।

सं० 26/जी/85—वार्धक्य निवृत्ति भ्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री के० एन० सुक्वा राव, सी० ई० (प्लानिंग), भ्राउँनेन्स फैक्टरी बोर्ड दिनांक 31 मई, 1985 (भ्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए ।

वी० के० मेहता उपमहानिदेशक/स्थापना

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1985

सं ० ए-17011/296/85/प्र-6-महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान, निवेशक निरीक्षण बम्बई के कार्यालय के भंडार परीक्षक (वस्त्र) श्री टी॰ टी॰ सुधाकरन को विनाक 28 जून 1985 के पूर्वाह्न से भगले भ्रादेश दिए जाने तक तदर्थ भाधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण भ्रधिकारी (वस्त्र) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात, खान श्रौर कोयला मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, दिनांक 16 जुलाई 1985

सं० 3380 हो/ए-19012/(पी० जी०)/84-19ए— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (डी० ग्रो०) श्री प्रभाकर घोष को कलाकार के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-४० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 रुपए वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, मागामी मधिश होने तक 15-5-85 के पूर्वाह्र से प्दोन्नति पर नियुक्त कर रहे ह ।

> मित कुमारी निदेशक (कामिक) कृते महानिदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 जुलाई 1985 सं॰ 71675-बी/ए-19012/(1-बी एम जी)/83-19 ए— महानिदेशक, श्री क्रिज मोहन गैरोला को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्राराम्भक वेतन पर 650-30-740-35-810 द०-रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए वेतनमान पर स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 11-9-84 के पूर्वाल्ल से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 17 जुलाई 1985

सं० 790 3बी/ए-19012/एस०के० बी०)/84/19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री एस० के० बनर्जी
को भण्डार श्रधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०-रो०-35-88040-1000-द०रो०-40-1200 ६० के वेतनमान के वेतन पर
भस्यायी क्षमता में, धागामी श्रावेश होने तक 6-5-85 के पूर्वाह्म
से नियक्त कर रहे हैं।

मित कुमारी, निदेशक (कार्मिक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 19 जुलाई 1985

सं० ए-19012/211/85-स्था०ए०-विभागीय पदोक्तित समिति की सिफ़ारिश पर श्री बी० बी० सिवारी तद्दर्य भाषार पर खिनज अधिकारी (श्रासूचना) को भारतीय खान क्यूरी में दिनांक 1-7-1985 के पूर्वाह्म से नियमित रूप से खिनज अधिकारी (श्रासूचना) के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है।

पी० पी० वादी प्रशासन भौधेकारी कृते महानियंक्षक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय वेहरादून, धिनांक 5 जुलाई 1984

सं० सी-8215/707---निम्तिलिखत अधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विमाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी'') के पर पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में प्रत्येदः के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है:---

क्र०सं० नाम और पदनाम	यूनिट/कार्यालय	तारी ख
1 2	3	4
1. श्री भगवान दास मेहता, ब्राफ्टसमैन डि०-1	सं० ६६ (ए०सी०सी०एम०) पार्टी (सर्वेक्षण हवाई), नई दिल्ली।	26-2-8 5
2. श्री राम गोपाल, सर्वेक्षक	सं० 45 पार्टी (म० स०), जबसपुर	2 5-2-8 5
 श्री एम०एस० परिहार, सर्वेक्षक 	सं० 48 (फोटो) पार्टी, (म०स०), जबलपुर।	5-3-8 5

1	2	3	4
4. শ্বী	दोना नाथ मनचन्दा, सर्वेक्षक	सं० 1 पार्टी (उ०स०), बेहरादून	26-2-85
5.श्री	एम०जी० रामचन्द्रत नायर सर्वेक्षक	सं॰ 41 पार्टी (द०स०) पालवाट	11235
6⊦ श्री	हरभूषण लाल नागपाल, सर्वेक्षक	सं० 20 पार्टी (फोटो), (उ० स०), दे हारदून	23-2-85
7. শ্ৰী	प्रार ० एल० भ ग्गा, सर्वे ध क	सं० 15 घारेखणकार्याज्य, (मा० प्र० नि०) देहरादून	26-2- 85
8. শ্ৰী	पूरन नार्थे, सर्वेक्षक	सं० 1 भारेखण वार्यालय, (मा० प्र० नि०), देहरावून	2 <i>6</i> →2 →8 5
9. श्री	<i>सतोश चन्द्र सरीन,</i> सर्वेक्षक	सीमा सैल (म०स०का०), नर्ष दिल्ली।	16-2-85
10. श्री	ए० के० सेन गुप्ता, सर्वेक्षक	सं० 12 पार्टी, पूर्वोत्तर संत्रुल, शिलांग	26-2-85
1.1.श्री	डी० बी० टे स्वन्दानी, सर्वेक्षक	सं॰ 83 पार्टी (सा०स०), जयपुर	27-2-85
12. श्री	टी०के० घरमन, मनु० जाति, सर्वेक्षक	सं० 1.4 धारेखण कार्यालय (पू०) सं०) कलकत्ता	11285
13. श्रीर	नी राम तिह, प्रनुसूचित जाति, सर्वेक्षक	सं० 48 (फोटो) पार्टी, (म०स०), जयलपुर	11-3-85
14. श्रीर	∵नेध्द्र दिंह, अनु० जाति सर्वेक्षक	सं० 47 पार्टी (सर्वे प्र०सं०), ह वराश्चाव ।	26-2-85
1,इ. श्री	प्रेम किशोर सरमल, भनुसूचित जाति सर्वेसक	सं० 3 पार्टी पश्चिमोत्तर (सक्तिल) ग्रम्बाला ।	25-2-85
16 श्री	सुरजान सोरेंग, प्रनुसूचित जनजाति, सर्वे ग्रसिस्टैन्ट	सं० 30 (फोटो) पार्टी, (पू०स०) कलकता ।	11-2-85

सं॰ सी-8216/707---निम्नलिखित अधिकारी, जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन रूप में पूर्णतया तदथं अनन्तिम आधार पर नियुक्त किए गए थे, अब प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किए जाते हैं:---

ऋ ०सं <i>०</i>	नाम	भ्रधिसूचना की संख्या और तारीख जिसके भन्तर्गेत तदर्थ भनेतिम भाषा पर नियुक्ति की गई थी	मूनिष्ट/कार्यालय जिसमें सैनास किए गए ग	पदोश्रति की तारी ख
1	2	3	4	5
1. श्री	सन्तोख सिंह	वि० 5-7-85 की ग्रधिसूचना सं०सी- 5837/707	सं॰ 19 पार्टी (ज्यो एवं धनु॰ शा॰), देहशदून।	621985
2. श्री	मे एस० श्रीवास्तव	थि० 12-7-82 की भाधिसूचना सं० सी-5836/707।	पश्चिमी सं≛िल कार्यालय, अथपुर	18-2-1985
3. श्री	मनोहर लाल	दि० 21-12-78 की ग्रधिसूचना सं० सी-5447/707	सं० ६९(२:ग्प्यू०) पार्टी (ज्यो०एवं भनुसंधान शाखा), वेहरादून ।	29-1-1985
4. श्री	सत्य प्रशाश गोयस	सी-583 <i>7</i> /7 <i>0</i> 7	सं० 14 पार्टी (ज्यो० एवं धनु० शा०), देहरादून।	29-1-19 85
5 . শ্রী	एम० एस० नागराजन	दि० 5-7- 78 की ग्रधिसूचना सं० स <i>ï-</i> 583 7 /707	सं॰ 16 पार्टी (सर्वे प्र०सं०), है वरा वाद ।	29-1-1985
6. श्री	यसपाल आलरा	वि० 4-11-71 की श्रधिसूचना सं० सो-5428/707	सं० 69(कम्प्यू०) पार्टी (ज्यां० एवं भनु० शा०), देहरादून	29-1-1985
7. श्री	गुरदेश सिंह	षि० 8-2-79 की भ्रधिसूचना सं० सी-546 7 /7 0 7	सं॰ 33 पार्टी (उ॰स॰), देहरादून	6-2-19 85
8. श्री	सुधोर कुमार चक्रवर्ती	वि॰ 3-9-82 की ग्रधि सूच ना सं० सी-5.859/707	सं० 12 भारेखण कार्यीलय (पूर्वोत्तर सर्किल), शिलींग	15-2-1985

1 2	3	4	5
9 श्री एम० एच० फ्रान्सि	दि० 3-5-82 को अधिसूचना सं० मीं:-5810∫707	सं० 24 पार्टी (४०५०), बंगलौर ।	29 -11985
10 श्री जै० के० दा। (श्रनुमूचित जाति)	वि० 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी-5837/707	मं० 77 धार्टी (द०पू०म०). भुवनेश्वर ।	2911985
11. श्री चमन लाल (प्रनुसूचित जाति)	दि० 5-7-78 की अधिमुचना सं० र्स/-5837/707	मं० 17 आरेखण कार्यालय (पश्चिमो- त्तर मॉक्ल), जम्मू।	29-1-1985
12 श्रो राम प्रकाश हीरा (श्रनुसुचित जाति)	दि० 17-8-78 की श्रिधिसूचना मं० भी-5403/707	भं० 25 पार्टी (पश्चिमोत्तर संक्लि), मसुरो।	29-1-1985
13 श्री इन्द्र राज	दि० 3-9-82 की घ्रधिसूचना सं० सी-5859/707	सं० 2 स्रारेखण कार्यालय (उ०स०), देहरादून ।	6-2-1985
14. श्री टी <i>श</i> ा राम जोगी	दि० 5-7-78 की श्रविसूचना नं० सीं-5837/707	मं० 19 पार्टी (ज्यो० एवं अनु० णा०) देहरादून ।	6285
15. श्री जगदीश मित्तर ,	दि० 12-7-82 की ग्रधिसूचना सं० सी-5836/707	सं० 43 पार्टी (प्रा०मा०उ०२४०), हे दराबाद ।	29-1-1985
16. श्री डी० वी० घायली	दि० 5-7-78 की श्रधिसूचना सं० सी-5837/707	सं० 3 श्रारेखण शायलिय (प०स०), जयपुर ।	2821985
17. श्री कुंबर भिंह रावत	दि० 8-2-79 की ग्रधिमूचना मं० मी-5467 _/ 707	मं० 6 श्रारेखण नार्यालय (उ०४०) · देहरादून ।	621985
18. श्री एस० के० देख राय	दि० 3-9-82 की प्रधिसूचना सं० मी-5859/707	सं० 62 पार्टी (पू०स०),ऋलश्रता ।	2911985 2911985
19. श्री एस० डी० पत्नानी	दि० । 2~7-82 की श्रधिसूचना सं० सीं-5836/707	सं० 17 पाट (दर्ा०), बंगलौर ।	
20. श्री जै० एन० श्रनेत्र।	दिनांक 17-8-78 की अधिसूचना सं० सी-5403/707	सं० 28 पार्टी (पश्चिमोत्तर सं०), देहरादून ।	29-1-1985
21. श्री एस० एन० दत्ता	दिनां	सं० 5 श्रारेखण वार्यालय (पू०स०), कलकता ।	29-1-1985
22. श्री जे० मी० श्राहूज।	देकोक 5-7-78 की अधिसूचना सं० सो-5 8 37/707	सं० 46 पार्टी (म०२४०), जबलपुर ।	14-42-1985
23. श्री एम० एम० जैन	दिनांक 5-7-78 की घश्चिमूचना मं० सी-5837/707	ए०मी० सेल (श्रनु० एवं० वि०), देहरादून ।	29-1-1985
24. श्री ए० जी० जोशी	दिनां ह 24-7-78 की श्रधिसूचना मं० मी-5395/707	सं० 53 पार्टी (प्र०मा०उ०५०), हैदााबाद ।	29-11985
25. श्री एस० एन० कुमार	दिनां 5 - 7-78 की ग्रिधिसूचना मं० मी-5837 707	ज्यो० एवं श्रमु० णाखा, देहरादून ।	29-1-1985
26. श्री राम पाल गुप्ता	<i>,</i>	सं० 83 पार्टी (प०स०), जयपुर।	4-2-1985
27. श्री टी० एन० नैयानी	े दिनों हं 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी-583 7 /707	सं० 90 पार्टी (उ०म०), देहरादून । (621985 प्रगराह्म)
28. श्री डी० ग्रार० गर्मा	दिनां	ए०सी० सेल (अनु० एवं वि०), देहरादूत ।	29 -1-1985
29. श्री जे० वी० पाजमे	दिनां	मं० 15भ्रारेखण कार्यालय (मा०प्र० नि०), देहरादून।	29-1-1985

1 2	3	4	5
30. श्री चिमन लाल	दिनां रू 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी-5837/707	मं० 71 ग्रापार्टी (ज्यो० एवं प्रमु० शा०), देहरादून ।	621985
31. श्री डी० एन० पाण्डे	विनां ह 5-7-78 की ग्रिधिसूचना सं० सी-5837/707	सं० 33 पार्टी (उ०स०), देहरादून ।	6-2-1985
32. श्री ओ० पी० गुप्ता	सं० सी-5544/707	सं० 64 पार्टी (ए०एच०ए८०), सर्वेक्षण हवाई, नई दिल्ली ।	29-1-1985
33. श्री खुणाल मनी (श्रनु० जाति)	सी-5403/707	सं० 56 पार्टी (पश्चिमोनर सं०), चन्डीगढ ।	29-1-1985
34. श्री उदय िंह (श्रनुसूचित जाति)	दिनां ३ 5-7-78 की ग्रंधिसूचना सं० सी-5837/707	जबलपुर	11-3-1985
35. श्री राजेन्द्र िह रायत (श्रनु० जनजाति)	दिनां । 17-1-84 की ग्रधिसूचना सं० सी-6038/707		18-2-1985
36. श्री कर्ता राम (भ्रनुं० जाति)	सं॰ सी-5403/707	,	29-1-1985
37. श्री तेजा निंह (ग्रनु० जाति)	सं० सी-544 7 /707	·	29-1-1985
38 श्री द्रीय चन्द्र (श्रनु० जाति)	दिनां 5 3-9-82 की श्रधिसूचना सं० सी-5859/707	सं० 46 पार्टी (म०स०), जवलपुर	14-2-1985
39. श्री एच० एस० ढिल्लन (ग्रनु० जाति)	सं० सी-5859/707	सं० 48 (फोटो) पार्टी (म०स०), ज ब लपु र ।	
40. श्री एच० ग्रार० ऐच	सं० सी-5420/707	, .	
4.1. श्री जगदीम घन्द्र	सं० सी~5438/707	ं सं० 33 पार्टी (उ०स०), देहरादून ।	22-2-1985
42. श्री सचिदानन्द जुगरान	सं० सी-5420/707	सं० 33 पार्टी (उ०स०), वेहरादून	11-2-1985
43 श्री जे॰एल॰जे॰ राव	सं० सी-5428/707	सं० 50 पार्टी (प्रा०मा०उ०स०), हैदराश्राद ।	11-2-85
44. श्री मोहन लाल छावड़ा	सं० सी-5447/707	सं० 79 (फोटो) पार्टी (पश्चिमो- त्तर सर्किल देहरादून ।	11-2-1985
45. श्री टी०एस० राना	दिनांक 19-3-7 की ग्रधिसूचना सं० सी-5414/707	सं० 33 पार्टी (उ०स०), देहरादून	11-2-1985
46. श्री गीक्षा राम	दिनांक 20-1-7 की ग्रधिसूचना सं० सी-5456 707	सं० 33 पार्टी (उ०स०) देहरादून ।	11-2-1985
47. श्री हरी ओभ प्रकाश मायुर	विनांक 12-7-82 की ग्रंघिसूचना सं० सी-5836/707	जसं० 3.2 (फोटो) पार्टी (प०स०), श्रानू ।	27-2-1985
48. श्री बी०एस० नेगी	दिनांक 12-7-82 की ग्रधिसूचना सं० सी-5836/707	सं० 3 भ्रारेखण कार्यालय (प०स०), जयपुर।	27-2-1985
49. श्री कें०सी० खेरा	दिनांक 3-9-82 की श्रधिसूचना सं० सी-5859/707।	द०पू०स० कार्यालय, भुधनेग्वर ।	11-2-1985
50. श्री ग्रार०वी० भसीन	दिनांक 3-9-82 की ग्रधिसूचना सं०सी-58 5 9/707	मध्य सकिल कार्यालय, जबलपुर।	1-3-1985

1 2	3	4	5
51. श्री बृज मोहन निह	दिनां	सं० 6 पार्टी (प०२२०), ग्रहमदाबाद	27-2-1985
52 श्री चक्रधर	दिनों ः 23-4-83 की श्रविसूत्रता सं० सी-5946/707	सं० 45 पार्टी (म०म०), जझनपुर	25-2-1985
53. श्री योगेष्ट्यर दयान	दिनाँ हे 23-5-83 की श्रविसूचना सं० सी-5956/707	सं० 39 पार्टी (सर्वे प्र०सं०), हैदराबाद।	11-2-1985
54. श्री हीरा मनी	दिनां क 23-5-83 की अधिसुचना सं० सी-5956/707	सं० 49 पार्टी (म०स०), इन्दौर	11-2-1985
55. श्री स्वपन कुमार चकवर्ती	दिनां क 13-7-83 की ग्रधिसूचना सं० सी-5977/707	सं० 77 (फोटा) पार्टी (द०पू०स०), भुवनेश्वर ।	11-2-1985
5.6. श्री टी० टी० जोर्ज	दिनांक 22-8-83 की ग्रधिसुचना सं० सी-5992/707	सं० 67 (एफ०ए∵०पी०) पार्टी, कोइम्बेटोर	2-41985
57. श्री श्रीसोम नाथ मिश्रा	दिनांक 28-9-83 की श्रधिसूचना सं० सी-6002/707	पूर्वी सिंहल कार्यालय, कलाहत्ता ।	11-2-1985
58. श्री एस० एस० नन्दी	दिनांक 22-8-83 की ग्रधिमुचना सं० सी-5992/707	सं० 8 (फोटो) पार्टी (म०स०), भोपाल ।	112-1985
59. श्री मिहिरेण भट्टाचार्जी	दिनां ह 22-8-83 वी श्रधिसूचना सं०सी-5992/707	सं० 11 ग्रारेखण वार्यालय, भुवनेक्वर (द॰पू०स०)	11-2-1985
60 श्री बिलोकी नाथ गुप्ता	दिनांक 26-4-84 की म्रधिसुचना सं० सी-6061/707	सं० 16 पार्टी (सर्वे प्र०सं०), हैदराबाद।	11-2-1985
61. श्री राम जी लाल (म्रनुसूचित जाति)	विनांक 28→9-83 की श्रधिसूचना सं० सीं-6002/	सं० 64 (ए०एच०एस०) पार्टी, नई 707 दिल्ली	2-4-1985
62. श्री ओम प्रशाम (ग्रनुसूचित जाति)	दिनों : 3-9-82 की ग्रधिसूचन। सं० सी-5859/707	मं० 60 पार्टी (म० स०), गयालियर	25-2-1985
63. श्री जी०वी० नीलामवर ग्रनुसूचित जाति	दिनांक 17-1-84 की ग्रधिसूचना मं०सी-6039/707	सं० 40 (फीटो) पार्टी (द०स०) बंगलौर	11-2-1985
64. श्री सेवा सिंह (क्रनुसूचित जाति)	दिनाँ	सं० 89 (फोटा) पार्टी (म०स०), भोषाल ।	11-2-1985
65. श्री ुष्ण लान (ग्रनुसूचित जाति)	दिनांः 17-1-84 की श्रधिसूचना सं० मी-6038/707	सं० 3 पार्टी (पश्चिमोत्तर सर्किल) श्रम्याला िटी ।	11-2-1985
66. श्री ण्याम दत्त सेनवाल (ग्रनु० जनजाति)	दिनांक 5-7-78 की ग्रह्मिसूचना सं० सी-5837/707	सं० 13 पार्टी (पश्चिमी प्रकित) मसूरी।	27-2-1985
67. श्री सुशील वरोभैया (श्रनु० जनजाति)	दिनां	सं० 18 पार्टी (पू०सं०), रांची ।	11-2-1985

दिनांक 16 जुलाई 1985

सं० सी-6220/707~-निम्निलिखित अधिशारियों को जो अधिशारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानायक रूप में पूर्णतया तदर्थ अनितम आधार पर नियुक्त िए गए थे, प्रत्येक के नाम के ामने दी गई तारीख ने इत्पर् मैन डिविजन-1 (सेलेक्णन ग्रेड)/ सर्वेक्षक (सेलेक्शन ग्रेड) के पद पर पदावकन िया जाता है:---

第 0	सं० नाम तथा पद	श्रित्यना संख्या और तारीख जिन्ही श्रन्तर्गत श्रनंतिम श्राधार पर नियुक्ति की गई थी	WS 1	पदावनत यी तारीख
1	2	3	4	5
7	श्री जान मन्दूः (श्रनुष्जन- गति) ङ्गफ्ट्यमैन डिष्-ा (स्लिक्शन ग्रेड)	श्रधिसूचना संख्या सी-5837/ 707 दि० 5-7-78	सं० 74 पार्टी (२०पू०८०), रांची ।	1-3-1985 ग्रनराह्न ।
2. :	श्री ग्रीश राम, (ग्रनुसूचित गाति) सर्वेक्ष∜ (सि० ग्रेड)	ग्रंधिसूचना संख्या संत-6039∫ 707 दिनोंः 17-1-8-	सं० 10 झारेखण बार्यानक (द०पु०५०), सुबनेधनर ।	28-2-1983 अपराह्न

जी० सी० अग्रवाल, मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक

श्राकाशव।णी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985

सं० 4(16)/84-SI—-महानिदेशक, भ्राकाशवाणी एतद्-द्वारा श्रीमती उन्वर जहान को 14-6-1985 से श्रगले श्रादेश तक 650-30-740-35-810-द०रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, श्राकाश-वाणी हैदराबाद में, श्रस्थाई रूप से कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(66)-84-S1---महानिदेणक, आकाणवाणी एतद्-द्वारा श्री रपन कुमार राये प्रधान को 23-8-84 से अगले भारेण तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में दूरदर्शन केन्द्र, कलकता में श्रस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनांक 16 जुलाई 1985

सं० 4(6)/84-S1—महानिदेशक, आकाणवाणी एतद्-द्वारा श्री आर० एल० गौखले को 5-9-84 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> इन्द्रसँन पान्धी, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1985

सं० 4/7/84-एस-2 खण्ड-II----महानिदंशक, श्राकाश-वाणी एतद्हारा निम्नलिखित ग्रिधकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीखों से ग्रगले श्रादेशों तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-40-1200 रूपये के बेतनमान में प्रत्येक के नाम के श्रागे लिखे ग्राकाशवाणी केन्द्रों पर तदर्थ ग्राधार पर हिन्दी ग्रिधकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:---

क्र०सं० नाम एवं पदनाम		केन्द्र/कार्यालय का नाम	पदभार ग्रहण करने की तिथि	
1	2	3	4	5
	ो पी०एम० ायडू,	हिर्न्द। श्रधिकारी	ग्राकाशवाणी, नागपुर	1-6-85
2. ধ	ा एस०एन० देवीज,	हिन्दी श्रधिकारी	श्राकाणवाणी, कलकत्ता	10-6-85
	ा एस०एल० वेदी	हिन्दी स्रधिकारी	स्राकाशवाणी, । श्रहमदावाद	7-6-85

उन्होंने उपयुक्त निथियों को हिन्दी ग्रिधिकारी का कार्य-भार संभाल लिया।

> मोहन फांसिस प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1985

मं० 17/31/85--एय--प्रदोक्षति होने के परिणाम स्वस्पनिम्नलिखित वरीष्ठ इंजीनियरिंग सहायकों ने प्रत्येक के नाम के श्रागे लिखी तारीख से अगले श्रादेशों तक श्राकाशवाणी और दूरदर्शन के विभिन्न केन्द्रों/कार्यालयों में अन्थाई क्षमता में सहायक इंजीनियर के पद का ार्यभार संभाग लिखा है।

म नाम	केन्द्र/शायलिय	पदभार सम्भालने की तिथि
1. श्री एफ० सैंधद लवाई	दूरदर्शन केन्द्र, मद्रान	3151985 (पूर्वीह्न)
2. श्री के० सुदरनानग पिल्लई	दूरदर्शन केन्द्र, मद्राक्ष	31~5~1985 (पूर्वाह्न)
 कु० सरिता भटनागर 	दूरदर्शनः केन्द्र, नई दिल्ली	29-5-1985 (पूर्वाह्न)
4. श्री नरेण चन्द्र शर्मा	दूरवर्णन केन्द्र, नई दिल्ली	29-5-1985 (पूर्वाह्म)
5. श्री राजेण बाषा	दूरदर्शन केन्द्र, नई विल्ली	30-5-1985 (पूर्वीह्म)
6. श्री हृदेश कुमार	दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली	29-5-1985 (पूर्वाह्न)
7. श्री जें० सीं० गुप्ता	उ० घ० प्रे०, श्रा०, खामपुर	29-5-1985 (पूर्वाह्न)
/ ৪. श्री एम ० एल० गु ष्ता	उ० श० प्रे०, भा०, खामपुर	29-5-1985 (पूर्वाह्न)
9. श्री सन्ताप कुमार	उ० ग० प्रे०, भा०, खामपुर	31-5-1985 (पूर्वाह्न)
10. श्री रवीन्द्र प्रकाण	श्राकाणवाणी, मथुरा	31-5-1985 (पूर्वाह्म)
.1. श्री वे ० मणिकम्	उ० ग० प्रे∘, श्रवाड़ीं, मदा⊣	6-6-1985 (पूर्वीह्म)
2. श्री एम० ए० दर	दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर	3-6-1985 (पूर्वाह्न)
 श्री वें ० दामे । धरन 	उ० श० प्रे०, घ्रवाड़ी, मद्राप	6-6-1985 (पूर्वीह्न)
4. श्री कें० जी० मधारे	उ० ग० प्रे०, श्रा०, मला ड, बम्बई	5-6-1985 (पूर्वीह्न)
5. श्री कें० बी० वैद्य	मुख्य इंजीनियर (पश्चिमी क्षेत्र) बम्बई	3-61985 (पूर्वाह्न)
6. श्री बी० एल० थॉमस	एल ०पी ०टी० (टी०वी०) निलोर	10-6-1985 (पूर्वीह्नु)
7. श्री डीं० भटनागर	एम० सी० दूरदर्शन, बिलासपुर)	1761985 (पूर्वाह्म)

बी० एस० जैन प्रशासन उपनिदेशक ष्टते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1985

सं० ए-22012/4/85-सी०जी०एच०एस०-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, जयपुर से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, विल्ली में तबादला हो जाने के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) सन्ध्या रे ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, जयपुर के ब्रधीन 28 जून, 1985 के श्रपराह्म से होम्यो-पैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 1 जुलाई, 1985 के श्रपील से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के ब्रधीन होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार सम्माल लिया है।

टी०एस० राव उप निदेशक प्रशासन (सी०जी०एच०एस०) कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीवाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1985

सं० ए-19025/7/85-प्र०-III—संघ लोक मेवा श्रायोग की संस्तुतियों के श्रनुसार श्री ग्रार०बी०एस० यादव को 1-7-85 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश होने तक इस निदेशालय के श्रधीन स्थानापन्न सहायक विपणन श्रधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है ।

जे० कृष्णा निदेशक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

कय भ्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 15 जुलाई 1985

सं० कभंनि/41/12/85-प्रशा०/4710—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय धौर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक, श्री पी०एल० खन्ना को इसी निदेशालय में दिनांक 18-5-85 (पूर्वाह्म) से 21-6-85 (ग्रपराह्म) तक एये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक क्रय प्रधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक क्रय ग्राधकारी, श्री बी० रामास्वामी के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त ग्रवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

सं० ऋभं नि/41/8/85-प्रशा०/4716—परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय थ्रौर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी कनिष्ठ भंडारी तथा स्थानापन्न भंडारी, श्री वहुकूट श्रीधरन को इसी निदेशालय में दिनांक 6-5-1985 (पूर्वाह्म) से 14-6-1985 (प्रपराह्म) तक रुपये 650-30-740-35=810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार श्रिधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

पी० गोपालन, प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 15 जुलाई 1985

सं० 05012/भ 5/2566—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (तलचर) के श्री ए०एस०एस० राव, वैज्ञानिक सहायक 'सी' को उसी परियोजना में पूर्वाह्म 1-2--1985 से श्रागे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रिधकारी/श्रिभयन्ता (ग्रेड एसबी) नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/भ 1/स्था० पदो०/2567—भारी पानी परियोजनाभ्रों के प्रधान कार्यकारी, परमाणु परियोजना भ्रभियान्त्रिकी प्रभाग के केन्द्रीय पूल के स्थायी उच्च श्रेणी-लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (केन्द्रीय कार्यालय) के स्थानापन्त सहायक लेखा-श्रिधकारी, श्री रजनीकांत रामचन्द्र कारखानीस, को श्री वी० हनुमन्ता राव, लेखा श्रिधकारी-II जौ छुट्टी पर हैं के स्थान पर 1 मई पूर्वाह्म, 1985 से 31 मई, 1985 (श्रपराह्म) तक के लिए भारी पानी परियोजना (मनुगुर) में श्रस्थायी रूप में, तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न लेखा श्रिधकारी-II नियुक्त करते हैं।

सं०. 05052/ग्रगस्त-84/2571—भारी पानी परियो-जनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयंत्र (बडोदा) के श्री पी०ष्ठी० रॉय, बैज्ञानिक सहायक 'सी' को इसी संयंत्र में ग्रगस्त 17 पूर्वाह्न से श्रागे श्रादेण होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रेड एस०बी०) नियुक्त करते हैं। सं० 05012/भ 4/2572--भारी पानी पिरयोजनाश्चों के प्रधान कार्यकारी, श्री ग्राइ० सवारीमुत्तु को भारी पानी संयन्त्व (तुतीकोरिन) में पूर्वाह्न 21 जून, 1985 से ग्रागे श्रादेण होने तक के लिए श्रम तथा कल्याण ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के०पी० कल्याणीकुट्टी प्रशासन श्रधिकारी

जी

जी

जी

पी

श्रंतरिक्ष विभाग विक्रम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र स्थापना श्रनुभाग

तिरुवनंतपुरम-22, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० बी०एस०एस०सी०/स्था/एफ/1(17)—निदेशक, बी० एस०एस०सी०, श्रंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र तिरुवनंतपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों को पदान्नित में वैशानिक/इंजीनियर "एस बी" के पद पर रु०-650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के श्रेड में अर्थेल 1, 1985 के पूर्वाह्न से स्थानापन रूप में श्रागामी श्रादेश तक एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं।

				٠,				,	
ऋम	सं०	नाम			7	भाग <i>,</i>	परियो	जना	
1.	श्री	के०यू० म	ात्यूस	ए	एस	एम	डी/ए	डी	डी
2.	श्री	ए०एन० ह	हरिहरन	ए	टी	टी ए	फ/ए	डी	डी
3.	श्री	एम॰म्रो०	को क्षिकुंजु	ए	टी	टी ए	फ/ए	डी	डी
4.	श्रीर	मती सी०एस	'०सुन्द री	ई	एल	एस/प	र बी	एन	
5.	श्री	वी० शिव	लगम	ग्रा	र पी	सी	सी ए	मर	(स
6.	श्री	के० शाधि	धरन				रम ई		
7.	श्री	वी०के० ज	नार्दनन	पी	० ए	फ सी	ा/पी र	ती ए	भ
8.	र्श्वा	एल० पोन्न	प्पन	भ्रा	र पी	र्पा/	नी सी	. एम	ſ
9.	श्री	के० शिवर	ामकृष्णन -	क्यू	ए	डी/एर	। श्रा	र जी	
10.	कुमा	री कें०जी) बीना	जी	एस	एस	टेर्ल्स		
11.	श्री	एन०टी० ध	व्रनंजयन	वी	एफ	टी/टे	र्ल्स		
12.	श्री	श्रार० श्री	रामचन्द्रन	एल	पी	पी			
13.	श् <u>री</u>	एन० जना	ईनन 	एफ	एल	पी	एस/ए	(त [्]	री

सं० वी०एस०एस०सी/स्था/एफ/1(17)—नियंत्रक, बी० एस०एस०सी०, श्रंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र (वी०एस०एस०सी०) में निम्नलिखित कर्मचारियों को ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960/— के वेंतन-मान में उनके नामों के सामने दिये गये ब्यारों के श्रनुसार स्थानापन्न रूप में एतद्द्वारा पदोन्नत करते हैं।

क०सं०	-	पदोन्नत पद	लागू तारीख
	ती के०जी०		
सर्त	दिवी	सहायक कथ भ्रधिकारी	10-4-85 पूर्वा०
2. श्री	के० कोच्चनिय	न	
पिल	লী	महायक लेखा श्रधिकारी	1 _. 5-4-85 पूर्वा०
3. श्री '	ई० जे० जोण	सहायक भंडार श्रधिकारी	9-5-85 पूर्वा०

सं० वी०एस०एस०सी०/स्था/एफ/1(17)—नियंत्रक, वी० एस०एस०सी०, श्रंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र (वी०एस०एम०सी०) में निम्नलिखित श्रधिकारियों को सहायक केन्टीन प्रबंधक के पद पर क्० 650-30-740-35-880-द०रो०-40-960/— के वेतनमान में उनके नामों के श्रागे दिये गये तारीखों से स्थानापन्न रूप में एतद्दारा पदोक्षत करते हैं।

ऋ०सं० नाम	लागू तारीख
 श्री पी०पी० दामोद्दरन श्री के०पी० सण्णी 	11-4-1985 पूर्वाह्न 15-4-1985 पूर्वाह्न

सं० वी०एम०एम०सी०/स्था/एफ/1(17)—नियंत्रक, वी० एम०एस०सी०, अंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र (वी०एम०एम०सी०) में श्रीमती वी०एम० कोमलकुमारी भ्रम्मा को हिन्दी श्रधिकारी के पद पर रू० 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-५० रो०-40-1200 के वेतनमान में अप्रैल 8, 1985 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में पदोन्नत करते हैं।

> जी० मुख्लीधरन नायर प्रशासन ग्रिधकारी—II (स्था०) कृते नियंत्रक, वी०एस०एस०सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1985

सं० ए-32013/11/83-ई०ए०---राष्ट्रपति, श्री श्रमीर चन्द को दिनांक 15-3-84 से, अन्य श्रादेश होने तक, वरिष्ठ विमान क्षेत्र श्रधिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> एम० भट्टाचार्जी सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1985

मं० ए-32014/1/84-ई सी (पार्ट-1)—महानिदेशक, नागर विमानन्, निम्नलिखित संचार सहायकों को वार्यभार ग्रहण करने की तारीख़ में छः मान की श्रवधि के लिये श्रथना पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, रूपये 650—1200 के वेतनमान में नागर विमानन विभाग में सहायक संचार श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं और प्रत्येक के नाम के सामने दिये गये स्टेशन पर तैनात करते हैं :---

ऋं०सं० नाम	घर्तमान तैनाती का स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किया गया	क्षार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्व/श्री			
1. ए०पी० श्रानन्द	श्रमृतसर	भोपाल	24-1-1985 (पूर्वीह्म)
2. एच०एन० िन्हा	पटना	बंगलूर	7-1-1985 (पूर्वीह्र)
 वी० सुक्रामण्यन 	मद्रास	मद्रास	11-11-1984 (पूर्वाह्न)
4. ए० के० घहादुरी	भुचनेश्यर	भुवनेश्वर	28-12-1984 (पूर्वाह्न)
 डी० सेन गुप्ता 	पटना	बंगलू र	20-12-1984 (पूर्वाह्म)
6. ए० देः० दास गुप्ता	कलकता	इम्फोल	31-1-1985 (पूर्वाह्म)
7. पी० रंगास्वामी	मद्रास	मद्रास	3-12-1984 (पूर्वाह्म)
8. पी०पी० राघ	े म्बई	सम्बद्ध	14-11-1984 (पूर्वाह्न)
9. घाई०के० तथाडे	नागपुर	नागपुर	9~11-1984 (पूर्वाह्न)
10. जी०ए० जोशी	बम्ब ई	बम्बई	16-2-1985 (पूर्वाह्न)
11. ए०के० चटर्जी-II	क लक ता	कलकता	2-12-1984 (पूर्वाह्न)
12. के०एम० सेशाद्री	मद्राम	मद्रास	7-11-1984 (पूर्वाह्न)

उपर्युक्त ग्रधिकारी, सहायक संचार प्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति हो जाने से इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति हा दावा नहीं कर सकेंगे और उनकी तदर्थ प्राधार पर की गई सेवा न तो ग्रेड में बरीयता के लिये और न ही श्रगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पानता के लिये गिनी जाएगी।

> वी० जयपन्द्रत सहायक निवेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल भौर विद्युत् श्रन्संधान भाला पुण-411024, दिनांक 18 जुलाई 1985

सं० 608/197/85-प्रशासन—निदेशक, केन्द्रीय जल श्रौर विद्युत अनुसंधान शाला, खड़कवासला, पुणे, एसद्बारा वेतन तथा लेखा अधिकारी का कार्यालय, पुणे-24 के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री सी०एम० श्रीनिवासन् की 3 साल के लिए केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे, में प्रतिमाह वेतन रु० 840/— वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 पर दिनांक 31 मई 1985 के पूर्वाह्म से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करते हैं।

श्री श्रीनिवासन की प्रतिनियुक्ति, वित्त मंद्रालय, व्यय विभाग के समय-समय पर संशोधित कार्यालय ज्ञापन संख्या 10/(24)/ई० 11/70 दिनांक 4 मई 1961 के नियमों के श्रनुसार होगी।

भा०ग० पटवर्धन प्रशासन श्रधिकारी कृते निदेशक

उद्योग और कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्रीर

कल्लाडिखोड एनजिनीयरह इंडस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड के भामले में ।

कोचीन, दिनांक 4 जुलाई 1985

सं० 2594/लिक्बि॰/5044/85—सिक्बिल स० सि० पी० 7/1984 में एरणाकुलम में स्थित उच्च न्यायालय के

तारीख 20-2-85 के आदेश द्वारा कल्लाख्यिके एनजिनी-यरह इन्डस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

> कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर ईस्टेण क्याष्यु कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 18 जुलाई 1985

सं० 2290/लिक/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपघारा (3) के श्रनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाली है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर ईस्टेण क्याप्यु कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण धाँगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर ए०के० होस्पीटल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 19 जुलाई 1985

सं० 3956/लिंक/560(3)—कम्पनी ध्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर ए०के० होस्पीटल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएंगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएंगी।

वी० ए० विजयन मेनन कम्पनीयों का रजिस्ट्रार केरल प्ररूप आई. टी. एस. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूमा

पूना, दिलांक 9 जुलाई 1985

निदेश मं० 37 ईई०/7188/84-85--अतः मुझे,

अनिल कुमार

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- 5. से अधिक हैं

और जिसकी संब प्लाट न 1 सर्वे

नं० 4 ५वंनी पूना-9 में स्छित है) ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संप**त्ति का उचित बाबार मृत्य ते कब के ध**रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय अयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविका के लिए;

अत: अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुस्रश्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षीन जिल्लाविकार साविकामों, कर्यात :-- (1) मैं० कुल हर्गो एएड कुल कर्णी 2153, सदासिवपेठ विजय नगर कालोनी पूना-30 ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम कृष्ण रघुनाथ मोदक श्रौर अन्य 1253 शुक्रवार पेठ सुभाषनगर लेन-5 पूना-2।

(अन्तरिती)

को वह तुमना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के सिध् कार्यवाहिक्स करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्को।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्ना और पर्वो का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्सूखी

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई०/7188/84-85 जो नवम्बर 1984 को सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** : 9—7—1985

मोदर :

3-186 GI/85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 ज्लाई 1985

निदेश सं० जी० आर्द्द० आर०--सं० ग्रार० 249/एक्यू०---अत: मुझे, डा० श्रीश

ज्ञायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० भूमि है तथा जो बिलारी जिलामुगदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गहुँ मौर विज्वास करने कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदास से अधिक है कौर अंतरकः (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) **बीच ए**ंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बब्देंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप से कथित ४**ह**ीं किया गया **है**ं——

- 🖚) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों क्ये जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया प्प या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🖷 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :—

(1) श्रीमती जनक दुलारी द्वारा अटार्नी श्रीमती मधुरमा देवी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री राम ग्रांतार सिंह। 2. श्री राजेंद्र सिंह।

(अन्तरिती)

का बहु त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

सकत सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में काहि भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 विन की जबीभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिव की बंदिय, जो भी बंबिंग बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

ल्लाक्टीकरणः----वृत्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्ट ब[ब[बबन, के बध्वाक 20-क में परिभावित है, बहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्स्ची

भूमि पैमाईसी 9.35 एकड़ स्थित बिलारी जिलामुरादा बाद जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में नवम्बर 1984 को कियाजा चुका है (जैसा %कार्म 37—जी संख्या 2429 में वर्णित है)।

> डा० श्रीश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखदऊ

नारीख : 15-7--1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एस० – 373 एक्यू० – अत: मुझे, डा० श्रीषा

कायक र विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्स विभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो चकरपुर, तहसील बाजपुर नैनीताल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण कर रूप संवर्णित है) रिजिस्ट्रीकवीं अधिकारी के कार्यालय बाजपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त वीधिनियम के जधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृतारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना जाहिए था, धिनाने में हिन्स के विद्य;

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निक्निविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् (--- (1) 1. श्री मुल्कराज। 2. श्री सतपाल।

(अन्तरक)

(2) मै॰ एस॰ एन॰ टी॰ प्लाईबुङ (प्रा॰) लि॰ विकरपुर द्वारा डायरेक्टर श्री विजय कुमार त्रेहन ।

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के जर्चन के सिखु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के मुर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ध---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृषारा, अभोहस्ताकरी के पास निवास में किये का सकेंगे।

स्वृद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्ति अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा वृद्धा हैं।

अनसची

भूमि पैमाईसी 61 बीघा 3 बिश्वा स्थित चकरपुर तहसील बाजपुर नैनीताल जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बाजपुर के कार्यालय में नवम्बर, 1984 को किया जा चुका है (जैसा फार्म 37-जी सं० 1469 में वर्णित है)।

> डा० श्रीम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारी**ख :** 15-7-1985 मोहर : प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एस० 374/एक्यू०— अत: मुझे, डा० श्रीश,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित वाजार मृन्य 1,00,000/- रह से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम बाराबंकी इन्टर्लल लिमिट टाऊन एरिया बाराबंकी में स्थित हैं (ग्राँग इसमें उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराबंकी में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

का पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित का उचित बाजार बुक्य, अधक करमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से मिथक है और मंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के नास्तरिक कम से किंग्स महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधिने मे सूविधा केलिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ जन्तीरती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अशोक कुमार अग्रवाल । द्वारा अटानीं श्रीमती स्वर्णलता ।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती शकुन्तला जायसवाल।

(अन्तरिती)

(3) विकेताः

(वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्जन के सिष्ट कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकींगे।

लास्टाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 8480 धर्ग फीट स्थित ग्राम बाराबंकी, इन्टरमल लिमिट टाउन एरिया परगना व तहसील नवाबगंज, जिला बाराबंकी (जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वाराबंकी के कार्यालय में नवम्बर 1984 को किया जा चुका है।) जैसा फार्म 37-जी सं० 2709 में विणित है।।

डा० श्रीम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; लखनऊ

तारीख : 15-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----- (

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन ^{ने}ज, ल**खन**ऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० जा० म्राई० म्रार० सं० वी-83/एक्यू०--म्रतः मुक्ते, डा० श्रीस,

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सकाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जितको सं० दो मंजिला मकान हैतथ। जो महिहारा, बरेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरश्च श्रिधिनियम, 1908 (1903 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्स संपरित के जीवत बाबार मूल्य से काम के स्वयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मुख्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकास के एसे स्थ्यान प्रतिकास के सम्बद्ध प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाया गया प्रति-क्षण, निम्नासिक स्थ्योस्य से उनक अंतरण विश्वित में बास्तिक क्ष्य से अध्या में किया गया है।

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ध्रेसी किसी नाम या किसी धन मा नाम जास्तियों को , खिन्हें आर्तिय नायक र विधिनयम 1922 कि 11) वा क्यल विधिनयम 1922 कि 11) वा क्यल विधिनयम, या व्य-कर ब्रियोनियम, 1957 (1957 का 27) के मुक्केबनार्थ बन्तियों ब्वारा प्रकट नहीं किया व्या या किया वाना काहिए वा, कियाने वे स्विधा के लिए;

- (1) 1. श्रीटिकाया राम ।
 - 2. श्री जसवन्त राम।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार श्रग्रवाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में द्धोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविध्य स्थितियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर जक्त स्थावट सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए का सक्ती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उन्त अध्याय में विशा नवा हैं।

अनुसूची

दो मंजिला मकान स्थित साहकारा बरेली, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, बरेली के कार्यालय में नवस्बर, 1984 को किया जा चुका है) (जैसा कार्म 37-जी सं० 8783 में वर्णित है)।

> डा० श्रीण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रेजन रेंज; लखनऊ

जतः अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख : 15-7-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 4/ रेंज-4/कल० 1985-86-श्रत मुझे, शंकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो दार्जिलिंग में स्थित है (श्रीर इससे उवाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, वलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधोन, नारीख 16-11-84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्के यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

- (1) श्रमेन्द्ररा नाथ सिरकार 36/1 एलगन रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरक)
- (2) टाटा ब्रायरन और स्टील कं० लि 43 चौरगी रोड कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—25 पील्स का साथ मकान । पता—एरास लाज, दाजिलिंग । दलील सं०—1984 का 136951

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरणः में, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख 10-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985 निदेश सं० 1815/एक्टी० ग्रार०-3/85-86--ग्रतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 439 है तथा जो रिबन्ड सरणी, कलककत्ता में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसुवी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारोख 30-11-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान विफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भवित है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्त्रविक क्य से कथित नहीं किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय अग्रय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्ता के निए:

(1) श्रीमर्ता गायला भट्टाचार्य ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गोरा चन्द बिश्वास ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस्, स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकने।

स्पब्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

> णंकर के० बनर्जी पक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजैन रेंज⊶3; कलकत्ता

जता: अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण अर्थ, और उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) के अर्थ∿, निस्तिसिंखित व्यक्तियों, जभाता डिस्स

तारीख: 17-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुडाई 1985

निदेण सं० 1816/ण्यती० श्रार०-3/85-86--- अतः मुझे शंकर के० बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्णनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं 1/ए है तथा जो वालोगज, सर्कुलर रोड कलकता में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद श्रनुसुत्रों में श्रीर पूर्ण स्य से विणत है), रिजस्ट्रेंकित श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रेंकिरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-11-84

की पूर्वीशत संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह इतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अक्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के शांवित्य में कभी करने या उक्कसे वचने में सृथिधा के मिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या कन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती वृवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिसाने में सुविधा औं लिए:

(1) श्रीमनी क्रमना वर्तिम ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० ग्रामगरी इण्डिया वि०।

(ग्रन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके वृवेंक्ति सम्मित्ति के अवन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या सत्स्त्रें भी ज्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिं व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्स किसिक मों किए जा करोंगे।

स्पष्टीकरणः—— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

> शंकर केंद्र बनर्जी सक्षम प्रतिकारी सहायक प्रायकर ग्रात्क्य (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बन्दई

बतः वन, उन्तर श्रीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उयस अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :----

नारोख: 17-7-1985

मांहर 🖫

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

प्ररूप आहे. टा. एन. एस. ---

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनौँक 17 अुलाई 1985

निवेश सं० 1817/एक्यो ०के-- 3/85-86-- मतः मुझे, शंकर के० धनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी स० बी-294 है तथा जो लोक गार्श्वेन्नस में स्थित है (श्रार इससे उपायद्ध प्रमुसुना में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1994

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के **धरयमान** प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिखत से विभिक्त है और अन्तरक (बन्तरका) औड़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे विभने में सुविधा के लिए; और/या
- हा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए:

अत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैं कम्स्लटेंट इन्जोनियसं एण्ड ग्रिस्डसं ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० गोपालन लेंकटेंग '

(म्रन्तरिती)

को धह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसे अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित र से किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जां उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यदा हैं।

अनुस्ची

बींब 920 वर्ग फुट : **डीड नं० 13783** ता० नवम्बर, 1984के अनुसार।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राथकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रार्थन रेंज-3, कलाक्सा

वारीख : 17-7-1985

मोबर 🖭

प्ररूप बाईं.टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक अायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज~3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1818/एक्की०आर०-3/85-86-श्रतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1-सी है तथा जो बालिगुंगे सर्कुलर रोड मेंस्थित है (भीर इससे उपाबछ धनुसुची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख 10-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे उदयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियक व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) लालो पुरी ।

(मन्तरक)

(2) ग्रनीता सबरवाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- . (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति. क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पल्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगसची

प्लाट नं० 112 । बीड नं० ---13414, ता० 10-11-84।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

सारीख: 17-7-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1819/एक्टी०आए०-3/85-86-श्रतः मुझे शंकर के० बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी मं० 1-ए है तथा जो वालीगंज सर्कूलर रोड में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता भें रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) में श्रधीन तारीख 12/11/84

को पूर्वेक्त सम्परित के उण्यत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आम की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निचित्रं स्पिक्तिमों, अर्थात् क्र--

(1) लीलो पूरी।

(भन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र नीजावन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

श्रनुसुची

प्लाट नं० 59। श्रीष्ठ नं० I—13000 ता० 12—11—84।

> शंकर कें० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकक्ता

तारीख: 17-7-1985

प्रकृत बार्ड हो . एन . एक ्राच्या---

भायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में विधीन बुवेना

नारत तरका

कार्यासम, सहायक नावकह बाव्यत (निर्देशको

ध्रजैन रैंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1820/एक्बी० **मार०-3/85-86--म**तः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसमें परचात् 'उक्त मधिनियम' महा नवा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसंका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रहा से मिक्क हैं

श्रौर जिसकी सं० 50/सी है तथा को सवानन्व रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिषकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण धिष्ठितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ते, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निष् तय पामा ग्या प्रतिफल निम्मीनित उन्देश्य से उच्च वामारण निवित्त को बातर नहीं किया वया है है

- (क) वंशरण से हुई किसी बाय की वायतः, उथक विभिन्य के बधीन कर देने के वंतरक के वाजित्य में कभी करने वा उड़वे वध्ये में श्रीवा के सिए; वॉट/वा
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी भन वा जन्य नास्तियों को, चिन्हों भारतीय वायकर निष्ठितवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विशिवनम, वा भनकर निर्मित्रम, वा भनकर निर्मित्रम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ वंतरिती द्वारा क्कड नहीं चिना नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से स्थिता ने जिन्हा

कतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मृतिशिवत स्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) हरि च० घटक ।

(बन्तरक)

(2) श्री एस० के० चक्रवर्ती ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

का बहु बुचना चारी करके प्यांक्त सम्मति के वर्षत् के विष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बचींच या तत्स्यन्यांची व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिंध, जो भी सबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ब) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब श्रें 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-क्ष्म किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरण र इसमें प्रयुक्त वश्यों और पदों का, वो उक्क वृधिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अभ्याय में दिया वक्ष हैं।

अनुसूची

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज-3, कलकता

ारीखा: 17-7-1985

वक्त बाइ . डी., एक . एक , क्रान्त्रकाम स्था

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

हाइत वहकाड

कार्यालय, सहायक अध्यकर वाय्क्त (निर्राक्षक)

मर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1821/एक्वी० श्रार०-3/85-86--श्रतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० 12/2 है तथा को सुईनहो स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21-11-84

की प्रविक्त सम्मिति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सभाप्रविक्त सम्मित का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितशें) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तम पामा भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्वरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्च अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था जियाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त बीधीनयम की धारा 269-म की बन्हरक को, मी. इक्त बीधीनयम की धारा 269-म की उपभारा (1) को बधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :--- (1) श्रीतपन कुमार बिश्वास।

(भ्रन्तरक)

(2) कलकत्ता नायार सर्विस सोसाइटी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त मस्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स का नायों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नुषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

क्षेत्र—1943.10 वर्ग फीट । डीड नं 0—13893, ता 0 21-11-841

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारी**ख** : 17-7-1985

त्ररूप कार्इं.टी.एम.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज**∽**3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निवेश सं० 1822/एक्बी० ग्रार०-3/85-86--- **ग्र**तः मुझे, शंकरके० बनर्जी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा** 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11 है तथा जो एलेनबरी रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को प्रवीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुभने यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यभान प्रतिफल में, एसे दृष्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही बीर अन्तरक (अन्तरकों) बीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखिए उद्देश्य से उस्त अंतरण सिबित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया बना है :--

- (क) अंतरण **धे धुर्द किसी बाद की बाबल, उक्स** अभितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाध्याय मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बॉर/बा
- (क) एसी किसी बाव या किसी भन् वा बन्य वास्तिकों क्रो, जिन्ह' भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या न्य कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गका था ना किया नाना चाहिए था, छिपाने में त्विमा ने निष्:

अस्छ अब उक्त अभिनिधम को भाग २६९-न के अनुसरण हो. र[™], इक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भ्रजय कुमार भट्टाचार्या।

(भन्तरक)

(2) श्री ग्रशोक बनर्जी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता 🐉 ।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में मं किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पन्डीकरणः ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना के त्रम अध्याय में दिया

पर्युक्ती

सम्पत्ति को एग्रीमेंट पर दिया गया है। जमीन--8 क० 4 छ० 9 वर्ग फीट । क्षेत्र---1811 म० वर्गफुट (लगभग) । डीड नं० 1 13471।

> शंकर कें वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 17-7-85

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जंन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1823/एनशी० भ्रार०-3/84-85---- श्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रास्से अधिक है

भौर जिसकी सं० 57/8 है तथा को वालीगंज, सकुँलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-11-84

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गर्द है और मुभे यह विद्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ययमान प्रतिफल से एमे द्ययमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत से अधिक है जौर जन्तरक (जन्तरकों) जौर जन्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया स्था प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चिय से उक्त अन्तरण लिचित वे बास्तिविक रूप से अधित नहीं किया हवा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-विवय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कवी करने वा उवसे वचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोक्तार्थ बन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन : निम्निलिखित व्यक्तिसर्यों , अर्थात् :---- (1) श्रीमती सुशीला भ्रार० भानशाली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्र कुमार गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्याक्तर्या गर मान है की तामील से 30 दिन की अविधि मा धी अविधि विश्व की स्वीतर प्रधारक स्थानित हों के पीतर प्रधारक स्थानित हों के पीतर प्रधारक स्थानित हों के पीतर प्रधारक स्थानित हों के दिन सी स्थानित हवारा;
- (क) इस स्थाना को राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन को भीतर उक्त स्थानर सर्पान्त में किस् के बाद्ध किसी अन्य स्थानित ब्वारा अधोहरताक्षरी को नाम जिल्ला का सकान।

स्वयक्ष्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उद्यक्ष अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अभ्याय में दिया क्या है।

अनुसुची

दो तल्ला मकान । जमीन-6 कः० 3 वः० फीट । डीड नं० I, 13672 ता० 16-11-84।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, कलकक्ता

सारी**ख** : 17-7-1985

प्रकृत बाइ', टी. एन. पुरु ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चयक मायकर मायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1824,एक्टी०-आर०-3,85-86--अतः मुझे, शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 0 107,4-ए, 107/4 बी है तथा जो मनोहर पुकुर रोड, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-84

को प्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्निलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संदुर्घ किसी जाय की वायत, उपध विधिनियम के वधीन कर दोने के विसरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भव या अस्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यंक्तियों, अर्थात 🚈 (1) श्री आभा मोष भीर भन्य

(अन्सरक)

(2) मै० भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि०।

(अन्तरिती)

करें वह सूचना बाड़ी करके वृत्रोंक्य श्रम्मीस के सर्वन के दिक्ष कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई ब्री बाक्षेप हु----

- (क) इत सूचना को प्रचपन में प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन की अनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की नविध, जो भी मनिभ वाद में समाप्त होती हो, को मीतर प्रवेचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंचे।

श्यक्तीकरण ः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया प्या हैं.

अनुसूची

जमीन --- 11 कि । घ० 28 वर्ग फीट। बीड नं० 1; 13732 ता० 17-- 11-- 84।

> शंकर के॰ बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त नरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकक्ता

तारीख: 17-7-1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1825/एम्बी० आर०-3/85-86—अतः मुझे, शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं 107,4-ए है सथा जो मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुसुची से ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक्यों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (¡) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---5—186 GI/85 (1) श्री आभा घोष श्रीर अन्य।

अन्तरक)

(2) मॅ० जे० जी० इन्जोनियर्स (प्रा०) लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाटनं० बी ग्रीरडी। जमीन की क्षेत्र--12 क० 14 छ० 17 वग फीट। डीड नं०---13809 हा० 20-11-84।

> शकर के० **बनर्जी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख — 1·7—7—1985 **मोहर**ः प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-च (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक जायकर मायुक्त (निरीक्सण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 ज्लाई 1985

निदेश सं० 1826/एक्वी० आर.०-3/85-86--अतः मुझे, शंकर के० बनर्जी

शायकर जीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के संभीन सक्तम प्राधिकारों को वह विकास करने का कारच है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17-बी है तथा मृत्र एवन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्यू० आर०-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-84

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निश्नसिवित उद्वीस्य से उक्त जन्तरण किवितों में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दान के अन्तरक के बार्यित्व में कनी करने या उनके वचने में बुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नत्य बास्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर आधित्यम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधितियम, या उत्त अधितियम, १५५७ (1957 को १८) व अयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधः के विद्वा

(अन्सरक)

(2) श्री अशोक कुमार मिश्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इत स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मम्पत्ति में हिनबक्ष किसी अन्य व्यक्ति दृगरा अर्थाहरूताक्षरी के एम निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्त है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2-- 1/2। क्षेत्र -1089 वर्ग फीट। 37 ईई० फार्म अनुसार निबन्ध हुआ।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज⊶3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्रारीख : 17-7-1985

प्ररूप आहाँ. टी, एन. एस.,-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, क्लकता

कलकता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1827/एक्वी० आर०-3/85-86--अतः मुझे, गंकर बनर्जी,

आयकार अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 2-1ई है तथा जो टाउन सेन्ड रोड, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, आ ० ए० सी० एकवी० आर०-3 कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य,, उसके छ्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—-

- (क) जन्सरण संहुई किसी भाष की क्षाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा अभिस्तर; बौद/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां केता, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रय जनाथ अविरित्ती इतिस्त प्रकृति किस्ता गय, भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

सतः नथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :=== (1) मैं स्टेट बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीरघुन(थ दे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तु सम्पृतित् के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षण ---

- (क) इस तुष्ता के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नवीथ ना तुरसम्बन्धी स्पन्तियों पर सृष्या की तासील से 30 दिन की नवीथ, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यध्दोकरणः --- इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं • — 8/4 फ्लोर। क्षेत्र — 800 वर्ग फीट। 37 ईई • फार्म अनुसार निवध हुआ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊷3, कलकक्ता

तारीख : 17-7-1985

प्रकथ साहै. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वता

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1828/एमवी० आर०-3/85-86--अतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

शायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17-बी है तथा जो मूर एवन्य् में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वी० आर०-3, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-85

को प्वांकत सम्मत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के प्रवान श्रितफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें शास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) बे अधीन, गिम्नलिकित व्यक्तियों अधीत् :--- (1) श्रीदीपक कुमार बोस ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीबलराम दास।

(अन्स रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तर सम्पत्ति के वर्णन में सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना कैं राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवैदत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1/2 क्षेत्र---519.17 वर्ग फीट । 37 ईई० फार्म के अनुसार निबंध हुआ ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 17-7-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यांत्त्व, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेण सं० 1829/एक्को॰ स्रार०-3/85-86----स्रतः मुझे, णंकर बनर्जी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अप्रण है कि स्थावर सम्पोत्त, जिसका उमित बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 38 है तथा जो लेक गार्गेन्स, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्वी० ग्रार०-3, कलकत्ता में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम : 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारी ए 18-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) वंतरण से हुए किसी जाय की वावस, उक्त बीधिन्यम के बधीन कर दोने के वंतरक के आदित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाव या फिसी धन या बन्य नास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) वे प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा सा किया जाना माहिए था, कियाने यो सुविधा के सिए;

जतः जन, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग की उपभारा /1) औं जभीन. निस्तिभिक्त व्यक्तियों, जर्मीस् ७—— (1) श्री प्रशोक कुमार सुद ग्रीर ग्रन्य।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती के० बैहार भ्रौर भ्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्मत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्य :---

- (क) इस सूचना क राजपभ मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद माँ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्तिस हवारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र म प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीछर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हिरा-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षणी के पास निवित में वियो जा सकीरी।

स्पद्धीकरण: --इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स्त अधिनियम के अध्याय 20-के मी परिभागिकत ही, बही अर्थ ब्रोकी, को उस जीवार की दिया गया है।

अनुसूची

थ्लाट नं∘ ⊢6 । क्षेत्र——834 वर्ग फीट । 37 ईई० फ़ार्मके श्रनुसार निबन्ध हुश्रा ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

नारीख : 17-7-1985

प्ररूप मार्ड . टी . पुन . एत . -----

माथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--3, अलकत्ता

कलकत्ता, विनाध 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1830/एक्वी० श्रार०-3/85-86---श्रतः मुक्को, शंकर बनर्जी

वावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 38 ह तथा जो लेक गार्गेन्स, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीवर्ता ग्राधवारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्वी० ग्रार०--3/ जलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 30--11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिस्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्हित में उस्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरफ से हुई किसी बाय की बाबत, उनत बरिय-नियम के अवीन कर दोने के अंतरक के द्यायिख में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/का
- (च) इसी किसी बाब जा किसी धन वा जन्द शास्तियों को जिन्हें भारतीय नावकर बीधनियन, 1922 (1922 का 11) वा ज्यत निधानियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिसी क्वाच्य प्रकट नहीं किया नया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने जे बुनिया के विका;

नतः नव, उक्त निविज्ञिम की भारा 269-त के बनुसरण में, में, उक्त निविज्ञम की वारा 269-व की उपभारा (1) के कार्य, निकासितिक कार्यकारों, त्रजीत :---- (1) श्री ग्रशोक कुमार सूद ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रो० पी० जोपाट भ्रौर म्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अभीधि या तत्संबंधी व्यक्तिसयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अनिध, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 किन को भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में द्वित्यवृथ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकींगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-के में परिभाषित है, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पन्तुची

ण्लाट नं० 11 भीर 12 । क्षेत्र—1560 वर्ग फ़ीट । 37 ईई० फ़ार्म के भ्रनुसार निबन्ध हुम्रा ।

> णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज'−3, कलकत्ता

तारीख: 17-7-1985

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

याग्रकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा १८९-व (1) को अभीन सकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतयें इसके प्रवान 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं।, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 17-वी है तथा जो मुर एवन्यू, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीर्क्त ग्रिधिकारों के वार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्वी० ग्रीर०-3, कलकृता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 25-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल जे ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तय पाया गया बिरफल निम्नसिचित उद्वोद्य से उच्त अन्तरण सिचित के अधिक के अस्ति के अस्ति

- (क्ल. अन्तरण मं हुई कि.मी आय का बावत, उच्चत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; क्षेत्र/वा
- भा गानी विवादी पान पा विवादी अस था जन्य जान्तिकों को, जिन्हीं भारतीय आक्कर लिबिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या भन-काद अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के पानीजनार्थ जन्तिरिती, द्वारा पक्त नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए ना, किया से निवधा की जिल्हा

जत: अब जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें', भें', जक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के बांकि विकासिक स्मितिस्यों, अर्थात् :--- (1) श्रो दोपक क्मार बोस ग्रौर श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० मुरलीधरण ।

(भ्रन्तरिती)

कौ वह सूचना जारी करने पृत्रांतित संपरित के अर्थन के जिस कार्यवाहियां करता हो।

उक्त बन्धरित के वर्षम के बन्दरभ में कोई भी बाखेब हैं---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की नविध, जो भी अविधि नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किए जा मुक्ति ;

भिक्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बीधिनियम के कथ्याम 20-क में परिभाषिक हैं, बही कर्श होना को उस कथ्याय में विका नया है।

वग्त्यौ

प्लाट नं० 2/6 । क्षेत्र—464 वर्ग फ़ीट । 37 ईंडि० फ़ार्म श्रामार ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्रधिकारी सडायक प्राप्त इंद्र श्रायुक्त (पिरीक्षण) स्रर्जन रेंजे–3, कलकत्ता

नारोख : 17-7-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बार्ड, टी एन. ्स. ---- ----

भायकर व्यधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, रुलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निषेश सं० 1832 /एक्वी० श्रार्०-3/85--86--श्रतः मुक्षे, शंकर बनर्जी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 85/9 है तथा जो चन्ही घोष रोड कलकता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर शिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) था चुर्मालाल म्बर्जी ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री देव प्रसाद हालदार ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्राह्मा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होगा जो उस अध्याय में दिया प्रयाहों।

अनुसूची

प्लाट नं० क्षेत्र--- 650 वर्ग फ़ीट । डीड नं० 5040 के फ्रानुपार निबन्ध हुफा

> शंतर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–3, कलकत्ता

नारोख : 17--7--1985

प्रोहर:

प्रम बाह' ही एवं पुख . -----

बास्कर जीभृतियत, 1961 (1961 का 43) की चाछा 269-म (1) को बभीत तुमना

श्राप्त सरकार

कार्याखन, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

ध्रजेन रेंज 3, कलकत्ता

कलकता दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1833/ एक्यू ग्राप्-3/85-86 स्मातः मुझे, शंकर बनर्जी ,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावण संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो सीलमपूर यादवपूर, 31 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्ता श्रिधिकारो के कार्यालय सलवत्तः में रिजर्द्रासरण श्रिधिनियम 1903 1908 का 16) के प्रधीन दिनाँक 22 नवम्बर 1984 क्षो पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित नाजार न्स्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से, ऐसे दश्यमान प्रतिफान का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक ही जाँर अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरितीं (मंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-कल, निम्नलिसित उद्देशिय से उक्त बंतरण लिखित में भारत-विक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की वावत, उक्त विध-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भी कामी करने या उससे दचने में बुविश्वर के लिए। और/वा
- (ख) एनेनी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना नाहिए था सिपाने में स्विधा के निष्टः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 6—186 GI/85

(1) श्राभीष गृह श्रीर श्रन्य

(अन्तरक)

(2) नन्दिनी राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्णन के विध् कार्यनाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 विन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाखन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदा का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 29-क में परिभाषित इ⁴, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया सवा है।

बन्द्या

जभीन 2 कं०टा 4 छ डीड नं० 5189 ग्रनुसार कलकत्ता में निबन्ध हुग्रा।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3, कलकत्ता

दिनांक : 17--7-1985

प्रकल बाह्यं, डी., एव., एव.,------

आवकर मीर्थनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मधीन सुखना

नारत तरकाड

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन-रेंज, 3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निवेश सं० 1834/एक्यू० श्रार-3/85-86--- अतः मुझे शंकर बनर्जी ,

आयकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त जिभीनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जमीन है तथा जो सेन्द्रल पार्क एपार्ट-मेंट यादव पुर में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूचों में और पूर्ण रूप से पणित हैं), रजिस्ट्रींकर्ती अधिकारीं के कार्यालय कलकत्ता (रजिस्ट्रींकरण अधिनियम की धारा 1908 में 1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल, से एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंत-रिती (अंतरितियार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उब्देश्य से उक्त अंतरण लिकित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) नंतरण ते हुइं किसी बाव की वाबत, अक्त जिमियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में मिवधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय की जिन्ह भारतीय आयकर जिपिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का ^7) हो भयोजनार्थ अन्तरिती उधारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, कियाने ये स्विधा वी लिए।

वतः अवः उक्त अधिनियम की भारा 269-त के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिसित, व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) सेरोज बागला ।

(भ्रन्तरक)

(2) समर तरफदार

(भ्रन्तिरतीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45 विन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पारिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में िया गया है।

मभूत्वी

एपार्टमेंट नं० 2, क्षेत्र 1011 बर्ग **फुट प**ता—गरुफ ग्रीन ग्रारवन काम फ्लैंक्स ब्लाक नं०3 कलकत्ता—45 डी० न०5267 ग्रनुसार निवन्ध हुग्रा ।

> णंकर अनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग) अर्जन ∤रेंज-3, कलकरता-16

दिनांक: 17-7-1985

मोहर 🌣

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शाह्य चेत्रकार

शर्यात्रय, बहावक यावकर यावृत्त (विरीक्ष च)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

्टलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1835/एक्बी आर-3/85-86---प्रतः मुझे, एं%र बनर्जी,

नायकर नियंतियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त नियंतियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विश्वका उचित वाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकों सं 38 है तथा जो लेक गार्डन्स, बालबन्ता में स्थित है (और दूससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय आई० ए० सी० एक्यू आर-3 में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16,) के श्रधीन दिलांक 5 नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त तत्र्यक्ति के उपित वाचार यूक्य से कम के ज्याबान शृतिफल के सिए भन्तरित की गई है जीर बुध्वे यह विकास करने का कारण है कि यभावना क्या विद्यास अधिक वाचार मूल्य, उसके ज्यामान प्रतिफल से, एसे ज्यायान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिवात से विध्य है जीर वंतरक (वंतरका) जीद वंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एके बन्तरक के क्षिय तब क्या वया प्रति-क्या निकासियां उन्तरेक्ष के उपन बन्दरम् विशिष्ण में पास्त-विकास का ने कम्बित नहीं किया क्या है क्ष्य-

- (क) जन्तरण वे हुई किसी आय की बाबस उपस विधि-विभाग में ध्वीद कड़ दोने में बच्चरक के सामित्य में सभी बड़ाने या उससे बचने में स्तिमा के विद; मंडि/या
- (क) एची किसी बाय वा किसी अब या बन्न शास्तिकों की, विष्टुं भारतीय बाव-कर अधिविषयम, 1922 (1922 का 11) वा उपक बाँचनियम, या धन कर बाँचिविष्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा त्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1) को अधीन निम्नितिवित व्यक्तियों, अधीत हम्म 1. मैसर्स डचलपमेंट (प्रा०) लि०

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमतीं जिछान्त भाद्रायत

(ग्रन्तीरतीं).

को यह तुमना पारी करकें पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के जिए कर्मनाहियां मुक करता हुं।

उनत तल्लित के नर्जन के बज्जन्थ में कोई भी जाक्षेत्र हु--

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तार्रीय है 45 दिन की अविध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों नर तृष्यों की तामीब से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकावन की बारीच हैं 45 दिन के भीषत उक्त स्थावर संपत्ति में दिव-नव्य किसी बन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के शव किसिव्य में किए था वृक्षेत्र ।

लब्ब किरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्क विकास के कथ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्यूची

पर्लेट नं० 5 क्षेत्र 729 वर्ग 37 ईई फार्म धनुसार निवध दुशा ।

> श्रीक'र बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज्*3, कलकस्ता

दिनांकः 17-7-19**85**

मोहर 🗈

प्रचन बार्च ्टी . एन . एव : ------

ज़ावकुर जोभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मंभीन सूचना

धाउद वरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ([नर्राक्षण)

ग्रर्जन रेंज्ड्3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निवेश सं० 1836 एक्यू आर--3/85--86----अतः--मृझे शंकर बनर्जी

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका उचित नायार मूल्य में,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० 25 है तथा जो वालींग सं० सरकुलर रोड में स्थित है और इससे उपाधव अनुसूचीं में और पूर्ण कार्य से विणित है), रजिस्ट्रीं जी प्रधिकारीं के कार्यालय प्राई० ए० सी० एक्यू आर- 3 कलर ता में रजिस्ट्रींकरण अधिनियम की धारा 1908 (1908) का 16 के अधीन दिनांक 16 नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की मुद्द हैं और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिस्ति से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्त्रितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्निसिस्ति उद्योदय से उस्त अन्तरण जिस्सिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्र—

- (क) बन्तरण संसूर्य किसी शाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के चित्रक में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए, बार/या
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में स्विधा की सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

1. मैंसर्स कालना इनवेस्टर्स

(श्रन्तरका)

2. मैंसर्स जालान नगर टी॰ एस्टेंट (प्रा॰) लि॰। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

बच्च सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की लारीच से 45 विन की मक्ति या तत्सम्बन्धी क्यक्ति माँ पर पूचना की वामील से 30 विन की घवति। चो ी घवति बाद में समाप्त होती हो; के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किये का सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इक्ष में प्रयुक्त शब्दों और धर्म का, को उन्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वप्युची

फ्लेट नं० 2 डी/क्षेत्र 2465 वर्ग फुट 37 ईई फार्म अनुसार निवन्ध हुआ। ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी यहायक आयक्षर आयुषत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 17-7-1985

मोहर 🙂

प्रारूप आईं.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निवेश सं० 1837/ एक्यू भ्रार-3/85-86-भ्रतः मुद्ये शंकर बनर्जी

नायकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त जिभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य

1,00,000/-रः. से अधिक हैं और जिसकी सं. श्रीर जिसकी सं. श्रीर जिसकी सं० 25 हैं तथा जो वालीगंज सार्कुलर रोड कलकता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रुप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय आई० ए सी एक्यू श्रीर—3 क लवता में रिजरट्रीवरण श्राध नियम की धारा 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 9-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उनित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास
भूतने का भार्ष हैं कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उनित बाबार
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिश्वत से बिधक हैं और जंतरक (जंतरकों) बीर जंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तथ पाया बवा
प्रतिफला, निम्निनिश्वत उद्देश्य से उन्ते अन्तर्भ कि विश्व
में वास्त्रिक कम से कम्पत नहीं किया गया हैं कम्प

- (क) अन्तरम ते हुई रिक्ती बाव को बावत उनत अधि-विश्वत के अधीय कर बने में मंतरक के बादित्य के कभी करने वा उत्तसे बचने में बुविधा के लिए; और/वा
- (क) एरेरी किसी जाय या किसी भग या जन्म आहिस्तयों की, चिन्ही भारतीय वाय-कर अधिनिव्य , 1922 (1922 का 11) वा उनद अधिनिव्य , वा भन-कर विभिन्निव्य , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए था , कियाने में व्यिश में विश्व की विश्व की विश्व में व्याश में विश्व की विश्व

बार्ध वर्ग, उन्त विधिनयम की भारा 269-न के अनुसरक में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मौससं कालता इन्वेस्टर्स

(भ्रन्सरक)

(2) दीनजय टी एष्टे प्रा० लि०

(भन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतिः के नवंत के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में शे किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-वक्क्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को वास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीकड्रम्ड---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पूर्वे का, सो उक्स अपिनवृत्र, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>ुची

पलट नं० 2 सी क्षेत्र 3025 वर्ग फ़ुट फ़ार्म झनुसार निवन्ध हुझा ।

> ्रशंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 17-7-1985

मोहर 🕄

प्रकार कार्ड. औं, हुन्, दुव .---=---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1838/एलयू आर -3/85-86 --आतः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा '269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का करने का कारण हैं कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 17 बी है तथा जो मुर एवन्यू कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्र) में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्राई० एसी० एक्यू श्रार-3 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिध नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2 सबम्बर 1985

को पूर्विकत सम्मिति के उचित बाजार मुख्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के जिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार बूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का बन्धह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बागत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के खिबल में कनी करने मा उत्तते क्यने में बुविधा के चिक्त और/बा
- (वा) एसी किसी बाग या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त वर्षिनियम की भारा 269-ग की वनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) दीपक क्मार बोस

(भ्रन्तरक)

(2) देवत्रत गुप्ता भौर भन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिल कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन की तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के द्वापण में प्रकाशन की तारीव है 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

मन्त्र्यी

फ्लेट नं॰ 1 से 4 सक क्षेत्र 1023 वर्ग फुट ईई फ़ार्म प्रनुसार निबन्ध हुआ।

> शंकर बन्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, कलकक्ता

दिनांक : 17~7~1985

माह्य 🛭

प्रकम बाह्यं हो । प्रन । एवं . -------

नापदार नोभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुचना

शाह्य चहुन्मह

कार्यां नय, तहायक वायकर भायुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन-रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1839/एक्यू/ग्रार-3/85-86--ग्र त मुझे, शंकर बनर्जी,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनयम' कहा गया है), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 17नी है तथा जो मूर एक्स्यू कलक्ता में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर 24 ए स्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याल्य श्राई० ए० सी० एक्यू श्रार-3 में रिजस्ट्रीकरण श्रीतिनियम 190_8 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9 नवम्बर 1984

(1908 को 16) क प्रधान दिनाक 9 नवस्वर 1984 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) में बीच एसे अन्तरण के लिए तम गमा प्रतिफल, निम्नीनिचित उच्चेस्म से उक्त अन्तरण जिल्लोचन में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दाबिस्य में कमी कारने या उससे बचने के स्विकार के सिए; आहु/बा
- (च) एसी किसी अब वा किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सविधा की सिंग्रु

अतः अत्रा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरा, निम्मलि**वित** व्यक्तियों, अधीत १—० (1) दीपक कुमार बोस ।

(ग्रन्तरक)

(2) 🖲 परिमल चन्द्र गुप्त

(श्रन्तररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उन्त राम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🗫

- (क) इस सूचना के एाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सबाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीक को 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्यक्ष किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त निधित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

पलेट नं॰ 1 से 3 क्षेत्र 607 वर्ग फ़ुट 37 ईई फ़ार्म अनुसार निन्वघ हुमा ।

> शंकर अनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-38 कलकत्ता

दिनांक : 18-7-198**5**

मोहर '

मूख्य कार्युं हों. एष्. एष्. अववन्यवन्त्रन्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत ब्राइक्स

कार्यालय, उद्दायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1840/एक्यू ग्रार-3/8-5-86-ग्रान मुझे शंकर धनर्जी

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (चिछे ध्सूने इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० 17 भी है तथा जो मुर एवेन्यु कलकता में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूवी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारो के कार्यालय श्राहि० ए० पी० एक्य श्रार-3 कलक्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) श्रधोन दिनांक 5 नवम्बर 1984

को पूर्वो कर संपरित के उचित बाबार भून्य से कम के स्वयं मान् प्रतिकत के सिए जन्तरित की पूर्व हैं और मुश्ने यह बिहबाइ करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाबार मून्थ, उसके क्ष्यमान प्रतिकस से, एसे व्ययमान प्रतिकस का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिकत, निम्निसिचित उद्योक्त से उक्त अन्तरण निवित के बास्तविक रूप से कवित नहीं किया नवा हैं

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियुत, के शुधीय कर दोने के बन्तरक अं दायित्व में कमी करने या अत्तसे वथने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भग या बन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्मों से ब्रिया के जिसा

भृतः भव, उन्तं अधिनियम् कर्षे पाद्या 269-म् के बन्धरभ में ,में उन्तं अधिनियमं को भारा 269-मं की उपधारा (1) के अभीन निम्नसिद्धित व्यक्तियों, कर्षात्:--- (1) दीवक कुमार बोस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० श्रार० श्रीधरण भौर भन्य

(भ्रन्तरिती)

की बृह बृचना सारी करके पूर्वोक्त इस्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

बक्त बंप्रित के बर्धन के सन्दरभ में कोई भी जाओप ---

- (क) इस स्थान के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अवृधि वा तत्त्वभ्वन्थी अविक्तमाँ पर बूचना की तामील से 30 दिन की अवृधि, को भी बंदीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु हवारा;
- (क) हुन सूचना के राज्यम् में प्रकारन की तारीन से 45 दिन के प्रीत्र करत स्थान्त कम्परित में हित्बवृध् दिन्नी मुख्य क्ष्मीनत हुनारा न्योहस्ताक्षद्वी के शब दिन्नित में किए का तन्त्री ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, जो उक्त की प्रित्नक, से क्ष्याम् 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को तस मध्यान में दिवा क्यों हैं।

मनुष्यी

फ्लर नं० 2 से 5, क्षत 559 20 वग फुट 37 **ईई** फ़ाम प्रनुसार निबन्ध हुम्रा

> र्षांकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजेन रेंज-3, कलकत्ता

विनांक : 17-7-1985

मोहर 🛭

निदेश सं०

कथित नहीं किया गया है है--

भक्य कार्ड . टी . एन् . एस . ---------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-छ (1) के अधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

7लकत्ता, दिनांक 17 जलाई 1985

1841/एवय श्रार्⊶।।।/85~86~-श्रवः मुझे, शंकर बनर्जी आयकर अधिनियम 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 2 है, तथा जो लाल बाजार स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के रायिलय आई० ए० सी० एक्यू भ्रार-3 में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 12 नवम्बर 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान के लिए अन्तरित की गई मुभ्ते यष्ट विद्वास करने का कारण कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे इच्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

लिसिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से

- (क) जन्तरण संहुइ किसी भाग की वाबस, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में यविधा बै लिए: बरि/या
- (स) एसी निकसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या उक्त अधिनियम. धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में , में , उन्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मैसर्स एम० सी० पथी

(श्रन्तरक)

(2) मैसर्भ ड्रेपस इन्डिया (लि०)

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उबत गुरुक्ति के नर्धन के सम्बद्धन में कार्य भी आक्षप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियाँ पह सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति वनारा,
- (ख) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सर्केंगे।

न्यच्दीकरणः --इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यका है।

अनुसूची

कक्षा 740 वर्ग फट, 37 ईई फ़ार्म प्रनुसार नियन्ध हम्रा ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक (निर्राक्षण) भ्रजीन रेज-3, कलकत्ता

दिनांक : 17-7-1985

मोहर:

7-186 GI/85

प्ररूप अहर् . टी . एन . एस . -----

बायकर निधित्तयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के नभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक बायकर **बायुक्त (निरीक्षण**)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1842 /एक्य श्राप-111/85-86 ---श्रनः

मुझे शंकर बनर्जी शयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 / - रह. से अधिक ह*

श्रीर जिसकी सं० 18 है तथा जो श्रार० एन० मुखर्जी रोड़ में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विस्ति है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० एक्यू श्रार-3 में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26 नवस्वर 1984 की

को पूर्वोक्स सम्पन्ति के खींचत बाजार मृत्य से कम के द्रस्यान प्रतिफल के लिए वंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्वोंक्स संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए वय जाना ग्या प्रतिफल, निक्निलिश्तित सब्देश्य से उन्तर अन्तरण सिकित में बाल्सिक क्या से करिशत नहीं किया क्या है —

- (क) तस्तरण से हुड किसी जाय की बावत, उक्त विभिन्नियम के वभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के जिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अत्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय अपनकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं तक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निकारिकान व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रशोक कुमार जैन

(अन्तरक)

2. मैसर्स प्रीमियर स्टील कारपॅरिशन।

(अन्तरिती)

की यह स्वना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में की इंभी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (थ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निर्माणत में किए का सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनि नं० सो० क्षेत्र 390 वर्ग फुट 37 ईई फार्म ब्रनुसार निबन्ध हुन्ना

> गंकर नवनर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज 3 कलक**रा**।

दिनांक : 17-7-198*5*

प्रस्य आहें.टी.,युन.,युत्त.,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याशय, सहायक आमकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1843/ एक्यू ग्रार-3/85-86—-श्रतः मृक्ष, शंकर बनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिनकी सं० 18 है तथा जो स्रार० एन० मुखर्जी रोड़ कलकत्ता में स्थित है स्रोर इसमे उपाबढ़ ध्रनुसूत्री में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० एक्यू स्रार-4 में रजिस्ट्री करण स्राधितयम की धारा 1908 (1908 का 16) के श्रवान दिनांक 26 नवम्बर 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिमात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरक के सिए तय पाना गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उच्ते रान्तरक लिखित में वास्तिक रूप से किथात महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती साथ की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में तृषिधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी नाम या किसी भने या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसते अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः त्रभ, उकत अधिनियम की धारा 269-घ के अनसरण मं, मंं. उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रशोक कुमार जैन ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स माला प्रपतिरूसि एन्ड ट्रेडर्स लि०। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास तिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

युत्रि नं० ए, 1060 वर्गे फुट 37 ईई फ़ार्में प्रनुसार निबन्ध हुन्ना

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनां : 17-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप नाहर, दी, एन, एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के जधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 10 जून 1985

निदेश सं० 1844/एक्यू स्नार-3 /85-86----स्रतः मुक्षे

शंकर बनर्जी

धायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार स्त्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० 18/71/7 है तथा जो होभार लेन कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इसने उपावड ग्रनुमून। में श्रीर पूर्ण रुप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० एक्यू० ग्रार०-3 रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक

27 नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्के यह विल्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरित्ताों) के दीच एते अन्तरण के लिए तय पाया नाम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिय एस से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्मरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो. जिन्हों भारतीय आयका अधिविद्यात (1922 का 11) या जान्त अधिविद्यात (1922 का 11) या जान्त अधिविद्यात (1957 का 27) के स्टेड्यान लेकिट राज्या प्रकृत नहीं विद्या गया सा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिह:

बतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं संस नाकोदा प्रपटिस एव फ़िनान्स (प्रा०) लि० ।

(अन्तरक)

(2) म्रानल कुमार शेठिया ।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सुचाना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्थात के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

उकत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकी।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the last

एक पलैट, क्षेत्र 1158 वर्ग फुट 37 ईई फ़ार्म ग्रनुसार निबन्ध हुन्ना ।

> णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु**क्**त (निरीक्षण) श्रज्न रेंज-3, कलकत्ता

तार^{ीस} : 10-6-1985

वक्य बाइ, टी. एन. एत.-----

आशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, 3 कलकत्ता,

कलकत्ता दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1845/एक्यू श्रार-3/85-86—स्रतः मुझे शंकर के० बनर्जी,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी मं० 180 बी हैं तथा जो हरिश मुखर्जी रोड़ कलकता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबंद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्राई ए सी एक्यू श्रार-3 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 28 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित आजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, जिन्निसिबिक उद्देश्य है उनक अन्तरण लिखित में बास्त- जिक रूप से कमित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुए किली नान की बावत क्थब वृधि-विवृद्ध में वृथीन कर दोने के मन्तद्रक के दावित्य की कर्ती करने वा अवदी वृथ्य भी वृधिका के किये; वरि वा/
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्सियों को, चिन्हों भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्योक्तार्थ जन्मितियम, विद्यार प्रकट नहीं किया गया धा ना किया जाना जाहिए जा, जियाने में सुविधा है सिए;

जतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निस्तिमिक्कर व्यक्तियों, संघात् ध⊸र (1) शशीवाला साव ग्रीर ग्रन्य

(अन्तरक)

(2) ग्रशंक कुमार सुद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करतः हूं।

उन्हा सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- विद्या किसी बन्य व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताकारी में पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्कीकरणः — इसमें प्रमुक्त कर्वों औड पदों का, को उनक अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

दो तल्ला मकान सह जमीन 6 कट्ठा 10 छ० 25 वर्ग भुट 37 ईई फार्म श्रनुसार निबन्ध हुस्रा।

> शंकर के॰ बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-3, कलकता 16

तारील : 14-6-1985

मोहर 🖫

प्रकष कार्च.टी. एव. एख. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भारकर आयुक्त (निर्देशन)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं 1846 / एक्यू श्रार-3 /85-86--श्रतः मझोः के० शंकर बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9 है तथा जो मेंफयार रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के धाई ए सी एक्य धार- 3 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिनिथम 1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 17 नवम्बर 1984

प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार सन्त-रित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फिथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम से हुई किसी बान की बाबत, मिशिनियम के मधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कर्मी करने वा उससे वचने में इविधा के सिए; जौर/वा
- (श) एरेती किसी आप या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, स्क्रियाने में सुविभा के मिए:

अक्तः अव उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) प्रदीप कुष्ण गोयल

(अन्तरक)

(2) माधु देखी अग्रवाला

(अन्तरिती)

को बड़ इचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुां।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काशने :--

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबभि भा तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर इत्यना की ताजील से 30 दिन की जबिभ, यो भी अविधि बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त महिनदानों में से मिन्दी म्युनिस दुनाराह
- (वा) इस इसना के प्राप्ता के प्रकार की रासीन है 45 विन में प्रीवार क्या उपायर क्यांत्य में दिवस्तुय प्रेमकी कृष्य अधीवत हुगाय स्थाहरतावाडी में पाय विश्वित में निष् या पर्केन 🕦

लक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त सक्यों और पद्यों का, यो उक्त विधिनियम के वध्याम 20-क में परिभाषित हैं, रही वर्ष होना को उस बध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्रफल 1521 वर्ग फुट 37 ईई प्लाट नं० 6 ए फार्म ग्रनुसार निबन्ध हुग्रा ।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहारक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज 3, कलकता-16

दिनांक : 17-7-1985

प्रकल नाहरी, द्वी , युन , युन , च ल ल लाल

भाषकर नौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-न (1) के नधीन स्वना

मार्च बहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० 1847/ एक्यू० श्रार०-3/85-76---श्रतः मुझे शंकर के० बनर्जी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त बाधिनियम' कहा गया ही, की धारा 2/69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार वृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० 16 ए/1 बी है तथा जो मनोहरसुकुर रोड़ कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाँणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्मित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे कथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ट से अधिक हैं हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (का) नग्लरण से हुइ किसी बाय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में तविधा के लिए नहि/वा
- (क) एती किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जस्तीरती द्वारे प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था किया में सिक्ट के सिक्ट;

मतः अब. उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग **कै अनुतरण** में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिरों, अर्थात् :--- (1) उमा रानी मुखर्जी

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जुबली एन्टरप्राइज

(अन्तरिती)

कों यह स्वता जारी करके प्रशंकत संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त बन्गरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वाक्तियों में से किसी स्वक्ति क्वारा
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित-बब्ध किसी जन्य क्यक्ति व्याश अधोहरताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

ल्बाका किरण — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक तल्ला मकान सह जमीन 4 कट्टा -- 15 छ० डीड नं० 5140 श्रनुसार निबन्ध हुग्रा ।

> शंकर **के०** बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3; कलकत्ता

दिनांक : 17-47-85

मुक्त वार्द्र की . एन . एस . ------

मायकर मिपिनियम्, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-च (1) के मुभीन सुचना

हारुत बहुकार

कार्यांचय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्रजंन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश मं० 1848/एक्वी श्राप-3 /85-86--श्रत: मुझे णंकर के0 बनर्जी

शायकर अधिनियम, 1961 (1991 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य

1.90,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 5. है तथा जो शान्ति रानी घोष
स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी
के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी
के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकायम 1908
(1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 28 नवम्बर 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिणत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित
में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तद्भाव के सूची किसी जाय की बामता, उपलु अधिनियम के अधीन कार दोने की अन्तरक के शायित्व में कभी कारन या उससे अधने मा मुधि के लिए; और/बा
- (क) एमी किसौ जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जन्म चरित्रण था, छिपान में प्रिया के किए:

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जथित :---

(1) ब्रज सुन्धरी देवी।

(अन्तरक)

(2) माशी भूषन दत्त श्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

का **यह स्वना बारी करके प्राॅक्ट संपरित के वर्जन के लिए** कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वंब्द्ध व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर गम्पत्ति में हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति व्यागा अधोत्स्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हैं।

अमुस्ची

श्रंशतः दो तल्ला मकान श्रौर श्रंशतः तिन तल्ला मकान सह जमीन 3 कष्ठा 6 छः डीड नं० I 14265 श्रनुसार निबन्ध हुस्रा ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 17-7-1985

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

(1) अशोक कुम।र सुद भ्रौर अन्य ।

(अन्तरक)

(2) एम के० मानौचा

(अन्तरिती)

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1985

निवेश सं० 1849/एक वी आर--3/85-86--अतः मुझे, शंकर बनर्जीं,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 38 है तथा जो लेक गार्डेन्स कर्लकत्ता में स्थित है (स्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक वी आर-3 कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 नवस्वर 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृज्य उसके स्थ्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) बन्दरण संहुद्दं किसी बाव का बाबत, उनस अभिनियम के बधीन कर दोने के बन्दरक के शायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्ट; सार/वा
- (का) एसी जिसी आय या किसी धन या अन्य अमेरियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना जीहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन नियमनिविश्वत व्यक्तियाँ अधार्ष ः—⇒ 8—186 GI/85 को यह सूचना जारी करके पृशीकत सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्शि व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उर्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिशिकरणः —- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेंड रं० 7, क्षेत्र 620 व० फुट, 37ईई फार्म अनुसार भवन्ध हुआ ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी स**ह**ायक आयकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक 19-7-1985 मोहर: प्ररूप आई.. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1985 निदेण सं० 1850 एक्वी० आर-III/85-86--अतः मुझे, शंकर बनर्जी

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पर्वात (उन्द अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सञ्चित्त, जिसका उथित वाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी मं० 25 है तथा जो बालीगंज सार्कुलार रोड़ स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्गिन है र जस्ट्रीकर्गा अधिकारी के कार्यालय आईए सी एक्वी० आर-III कलकत्ता है रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इक्षकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित काबार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरभ से हुई किसी बाय की वावत, उक्त विभिन्यम के सभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी काम या किसी भन या अस्य अस्तियों का, जिन्हों भाएतीय आय-कार अभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनयम, या भन-कर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा स्विधा के स्मार्थ,

कतः ज्ञवः, सन्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नीनियस व्यक्तियों, अपित :---

(1) मैसर्स कालन्त इनवेस्टरस ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्भ बरसंता एस्टेट (प्रा०) लि०

(अन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां बुरः करता हुं।

जनत सम्बन्धि के वर्षन के संबंध में कोई भी, बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकते।

अनुसूची

पर्लंट नं० 1ए० क्षेत्र 2836 व०फु० 37ईई फार्म अनुमार निबन्ध हुआ ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राप्तिकारी महायक आयकर आय्*व*त (जिरक्षण) अर्जन रेज-३, कलकक्षा

दिनांक : 19--,7--1985

प्रारूप आई^{*}.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुंक्त (निरीक्षण)

् अर्जन रेंज-III, कलकता कलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1985 निदेश 1851,एक्यू आर **III** _/85--86 ---अतः सुझे शंकर बनर्जी

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मुल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

घौर जिसकी सं ० 62/7/1-बी है तथा जो वाली गंज सार्कुलर रोड़ कलकत्ता म स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 1 एम एक्यू आर III में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मुक्ते, यह जिल्लाख करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया दित्रफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त म्नतरण निश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाब्स, उपल निधिनयम को अधीन कर घोने की बन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के बिए; औड़/बा
- (थ) देती किसी बाद वा किसी वन वा अन्य बाहिस्ता की, विन्दी भारतीय जाव-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 1) या उन्ता निधिनयम, या वय-कर विधिनयम, या वय-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के मुख्येवनार्थ वृत्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया तथा वा वा विका पाना वाहिए था, कियाने में स्विया के निष्या की निष्या

कर: कर:, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण भें, जों, रक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वधीन, निम्नकिक्त व्यक्तिकों, वर्षान् ६—- (1) पशुपती को धापरेटिंग हाउसिंग सोसायदी वि

(अन्तरक)

(2) किरण हामीखोअसिया

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संस्पृति के वर्षत्र के शिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप ह---

- (क) इस सूचना के जायपन में प्रकाशन की तार्तीय है 45 विन् की जनश्चिमा तरसम्बन्धी व्यक्तियों कुछ कूचना की तामीन से 30 दिन की अवधिन, जो भी क्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाराह

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के विध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया क्या हैं॥

अनुसूची

फ्लैंट नं० 3 बी क्षेत्र 1117 वर्ग फुट 37 ईई फार्म अनुसार निवन्ध हुआ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3 कलकता

विनांक : 19-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं० सी० ए० 96/85-86/एस एल 1029 माई० ए०सी०-एक्वी आर०श्राई०कल० -अतः मुझे एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित प्राजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 84 है तथा जो मुअक्फर आहमेद स्ट्रीट कलकता में स्थित है श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सि० ए० आई० पी० सी० अर्जन रेंज 1 कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 नवस्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूफ्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है केन्न

- (क) नितरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्षण अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधण के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय था किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, के धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) सुतिल बरण चौधुरी

(अन्तरक)

(2) महम्मद शामिम इराकी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

एक्ट सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (कां) इस सूचना के राजपन्न मा प्रकाशन का ताराख स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्याक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भा अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृवाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ण्डटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गण्डे हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 84 मुजफ्फर आहमेद स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित काठा 24 छिटाक जमीन एवं दो तल्ला मकान जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज 1 कलकत्ता के पास सिरियल नं० 96 के अनुसार 24 नवम्बर 1984 को रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 12-7-1985

नारत घरकार कार्याचन, सहायक नायकार नायुक्त (निद्धीकर्ण)

अर्जन रेंज 2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० मी ए 101,85−86, 1030,आई० ए० सी० ए•की० आर०-1/कल०

अतः मुझे एस० के० बनर्जी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 8 है तथा जो क्रमांक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण प्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिं० ए० आई० ए० सी० अर्जन रेंज । कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अजीत दिनांक 26 नवम्बर 1984

ते प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दूरयमार .तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास इन्हें का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार) और वितिता (अंतरितियार) के बीय एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया .तिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिलित ग्रह्मिक रूप से कवित महीं किया गया है है—

- पूंक) वस्तरण से हुर्इ किसी काथ की वाबत, उक्त विधितियम के अभीत कर दोने की अस्तरक ने दासित्य में कभी कारने वाउससे बचने में श्रीविधा के सिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की किसी किसी अपकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अधीयनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सविधा के जिए;

क्ष्यः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज के अनुसरण ॅ, में उभत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) ं अधीन, निम्नीनिवत व्यक्तियों, अर्थीत् ६—--

- (1) श्रीमती सरला देवी रामाती एवं श्रीमती करण देवी अवार (श्रन्तरक)
- (2) पाईरिण राई मेटाल ट्रीटमेन्टस लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्षन् के सिए कार्य-

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो, के भीतर पूर्वे क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुलाहर;
- (क) इस न्यान के राजपत्र में प्रकाकन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थावत द्वारा जभोहस्ताक्षरी के शास निवित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिमेकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

8 केमान स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित मकान् धान्तिनिकेसन का 5वाँ सल्ला में 589 वर्ग फिट आयतन का फ्लैंट नं० 7 जी सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज 2, कलकत्ता के पास कमाक नं० सी० ए० 101 के अनुसार 26-11-84 दिनांक में रिजस्ट्री हुआ है ।

> एस० के० बनर्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 12-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० सी० ए० 92 /85-86/1031—अतः मुझे एस० के० बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 3, है तथा जो अपर बुड स्ट्रीट कलकता-17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सि० पी० आई० ए० सी० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 नवम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्मत्ति **के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्वः नव, उक्त किंशिनयम की भारा 269-गुकै जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ३── (1) पारिख प्रापर्टीज।

(अन्तरक

(2) श्री जगदीश प्रसाद बनसल उर्फ जे० पी० बनसल ।

(अन्तुरिती

3. वही

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में समपत्ति है)

4. वही

(बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानत है कि वह यास्तविक में हितबव्ध है

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिंग कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो ... अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख . 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टांकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिए हैं, वही अर्थ होगा जो उत अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

3 अपर बुड़ स्ट्रीट कलकत्ता-17 में अवस्थित मकान का उत्तर भाग में 400 वर्ग फीट आयतन का आफिस स्पैस नं० 1.3 जो सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज 2 के पास सिरियल नं० 92 के अनुसार 12-11-1984 तारिख में रिजस्ट्री हुआ।

एस० कें बनर्जी संक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-2 कलकत्ता-16

दिनांक : 12-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० टी० आर-3/85-86/एस एल 1032/आई० ए० सी०/एक्वी० आर०-1/कल०--यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

ायकर विभिन्नमा, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके प्रकार जिस्ता विभिन्नमा कहा नया है), की भारा 269-च के अभीत सक्षम प्राथिकारी को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोरि जित्रकी रां० 32 बी है तथा जो ब्लैक वाण स्ट्रीट कलकत्ता— 13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रीर पूर्ण कर से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर०— ए० कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, दिनांक 12—11—84,

जो पृथंकित सम्मिति के उचित बाजार मून्य के कम के स्थमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास उरने का कारण है कि यथापूर्वेकित सम्मित्त का उचित बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल थे, एसे स्थमान प्रतिफल का विष्ट प्रतिकास का विष्ट प्रतिकास का विष्ट प्रतिकास के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पाना गमा प्रतिकास निम्नितितित उद्देषम से उक्त अन्तरण लिचित में बास्त- कम से कियत नहीं किया गमा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त आध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससं बचने में सविधा के लिए: बार/वा
- (क) एंबो किसी जाय या किसी भन वा अस्य आस्थित को, जिन्हें भारतीय नाय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वय-कर अधिनियम, या वय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में मुनिया के सिए;

(1) ताहेर भोज हासाम आलीएवं इक्राहिम भोज हासान आली ।

(अन्तरक)

(2) हामदार भोज हानान आली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हैं।

उक्त सम्परित के उर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौध से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास स्थिति से किस सा स्कों है।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, ओ उक्त विभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिवा नवा है।

अनुसुची

32 वी ब्लेक बार्ण स्ट्रीट, कलकत्ता-13 में अवस्थित 2 काठा 8 छिटांक 24 वर्ग फिट जमीन एवं महान जो, सब-रिजस्ट्रार अब एन्स्युरेंस के दफ्तर में जोड़ संख्या I-23468 के अनुसार 12-11-84 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० बन**र्जा** मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आय्क्स (निरिक्षण) अर्जन रेजि-2 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः
भैं, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१)
लै अधीन, निम्निलिखित काकितमों अर्थातः :---

दिनांक : 12-7-85

मांहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

क्लकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० टी० आर०-5/85-86/एस एल-1033/ आई० ए० सी०/एक्बी० आर-1/कल०---ग्रनः मुझे, एस० के० बनर्जी,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 36 है. तथा जो इलियट रोड, कलकत्ता में ! स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णकृप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आए०ए०, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतक्षक के लिए जन्तरित की गई है और

मुक्ते वह विद्यास करने का कारण है कि यथा
पृश्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मून्य, उसके द्रश्यमान प्रति-कल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और नंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसित उद्देश्य से इक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था "छपाने में स्विधा के सिष्;

बद: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री सुबोध चरण लाहा एवं प्रबोध चरण लाहा (अन्तरक)
- (2) श्री ग्रशोक कुमार बर्मण।

(अन्तरिती)

की वह भूषना चारी करके प्वॉक्त सम्मित्त के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा स्केंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसुची

36 इलियट रोड, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति का अविभिक्त एक भ्राधा हिस्सा जो रिजस्ट्रार अब एसुरेंसस के दफ्तर में डीड नं॰ I-27278 पी॰ के॰ अनुसार 29-11--84 तारीख में रिजस्ट्री हुआ ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 54, रफीअहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक: 12-7-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० टी० आर-1/85-86/एसएल-1034/ आई०ए० सी०/एक्वी० आर-/कलकत्ता--यतः मुझे, एस० के० बमर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 21 बी है तथा जो मिरजा घालिब स्ट्रीट कलकत्ता-16 में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-12-84

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उण्यति वाजार मृत्य से कम के स्वयमान वित्रक के लिए उन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उण्यत वाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिक स से, एसे राव्यमान प्रतिक का नज़ह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरक के लिए क्षय पाया गया प्रतिक निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है म—

- (क) जन्तरण ले हुए किसी आप की वावत समत लिय-विवस की वधीन कुछ दोने के अन्तुहरू के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिकित क्यक्तियों, वर्षात् ः—

9-186 GI/85

(1) कल्यान कुमार सरकार

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हुसना खातून

(अन्तरिती)

भौ यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्ण के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थाकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का में जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 21बी मिरजा घालिब स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित जिसका आयतन काठा 15 छिटांक 13 वर्ग फिट जो सब-रजिस्ट्रार अब एन्ध्युरेंसेस के दक्तर में डीड नं० I-14064 के अनुसार 24-11-84 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी भक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण क्रेजन रेज-1 54, रफी अहमद किदवई रोड, कल०-16

विनांक : 12-7-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरक्षिण)
प्रर्णन रेंज-ा, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० सी०ए० 84/85-86/एसएल 1035/ग्राई०ए०सी०/ एक्यु० श्रार 1/कलकत्ता—यतः मुझे, एस० के० वनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या 12 है तथा जो टेंगरा सेकेन्ड लेन कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इपने उपाबद्ध श्रन्भूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सी० ए० श्राई० ए० सी० ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-11-84

को पूर्वोक्त सम्बक्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रशिक्त को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-कल निम्नीसीचत स्वयंद्य से उच्छ बंतहण निम्लीसित में बास्तविक स्वयं के स्थित नहीं किया चंदा है क्ष्र

- (क) बन्धरण से हुइ किसी बाव की बाबस, जन्छ अभिवियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के दास्तिय के कभी करने या उसके वथने में सुविधा के सिए; बडि/बा
- (क) एसी किसी वाय या किसी धन या अस्य आस्तियों क्ये जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्द्ररिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः चन, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग में अनुसरण हैं, मैं. उन्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं.—

(1) श्रीमती टेरेजी किजका 🕺

(भ्रन्तरक)

(2) रेकनास लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को बह स्वना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बन्दरित के बर्चन के बम्मन्य में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस ब्याना के राजपन में प्रकाशन की तार्डील हैं
 45 दिन की जन्मि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 भूषना की तामीस से 30 दिन की बविध, जो भी
 बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 स्थितियों में से किसी व्यक्ति ब्वास ।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विद के भीतर उनत स्वावर सम्मत्ति में हितवकृथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास ि । एक में फिए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

सम्पत्ति सी० 12 टेंगरा सेंकड लेन, कलकत्ता में अब स्थित 3 बिघा 8 कट्ठा 21 वर्ग फिट आयतन जमीन तथा गेड, स्ट्राक्चर एवं घर जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुवत निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 के पास सिरियल नं० सी० ए०/84 के अनुसार 9-11-84 तारीख में रिजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज , कलकत्ता

तारीख: 12-7-85

प्र**क्ष भार्य**्टी . एव*ू* एस_{ः सन्दर्भनसम्बद्धनम्}

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकसा,तारीख 17 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ए० सी०-28/ग्रार 2/कल 9/85-86---यतः मझे शेख नईमहीन,

मायकार मीभीनवम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाबाद न्**र्**व 1,00-,000/- रत. से अभिक **है**

ग्रीर जिसकी संख्या 229/1 है तथा जो बामा चरत राय रोड, कलकत्ता-34 स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० स्रारि स्नालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-11-84

को प्रतिकृत सम्मारित को उचित बाबाद मूल्य से कम को वस्त्रमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित मल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से एसे इद्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे बन्तरण के सिंह तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विचय से उक्त अन्तरण लिबित भें वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गमा है :---

- (१६) अन्तरण से हुइ किसी नाम कर्न नामत, उच्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक अर्थ दाजिल्ल. में कभी अपरने या उत्तर वधने में सुविधा वे सिए; नौर/वा
- (ंड) ए`सी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थं जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया असा भा या किया जाना चाडिए था, छिपाने में स्पैनशः वे लिए।

लतः अव, उच्त विभिनियमं कौ भारा 269-व की, ववसरक में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अनिल कुमार घोष

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चं चल प्रसाद बासू एवं कार्तिक प्रसाद बासू (भ्रन्सरिती

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुरू।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाक्षप:---

- (क) इस स्वया के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों नह स्थना की तामील से 30 दिन की बद्धि, और 🕊 **जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीवर प्रबेरिक** व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति धुवारा:
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति ववारा अधाहस्ताक्षरी . के गास लिखित में किए जा सकीं।

रवच्चीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उच्च विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में **विधा** गया हर्ने।

2 कठा 8 छिटांक जमीन का साथ एक तस्ला मकान 229/1, बामा चरन राय रोड, थाना-बेहाला, कलकत्ता-34 में अवस्थित है।

दलिल संख्या---एस० भार० मालिपुर का 1984 का 5385

शेख नईम् द्वीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, कलकत्ता।

तारीख: 17-7-85

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 17 जुलाई 1985

निर्वेश स० एसी-26/म्नार-2/4स्त०/85-86---यतः मुझे शेख नुईमुद्दीन,

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उधित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 6 है तथा जो हेंसटीस पार्क रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-11-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह • विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कल्लस्ण लिखित में बास्वविक क्य से क्रियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की, वावत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर निधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिन्यम, मा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविधा केरेंसए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) भशोका मार्केटिंग लिभिटेड

(ग्रन्सरक)

(2) श्री इनवेस्टमेन्टस्

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितयद्भ त्रितों अक्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरों के पास जिस्ता में किस का सकरेंगे।

स्थव्यक्रियण ः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदौंका, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

2456 वर्ग फुट प्लॉट घौर 885 वर्ग फुट स्ट्रं रूम भल्ट, राजहंस, 6, हेसटिस पार्क रोड, कलकत्ता में ग्रवस्थित है।

दलिल संख्याः----भार० ए० कलकत्ताका 1984 का माइ 16112पी०।

> शेख नुईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 17-7-85

मोहर 🖫

प्रकथ कार्यः टी. एन्. एसं.,------

जायकर जॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जधीन सुचना

भारत बहुक्तेहर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनोक 17 जुलाई 1985

निर्देश सं० एसी-27/म्रार-2/कल०/85-86-यतः मुझे, शेंख नुईम्हीन,

बायकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अभिनियम', कहा गया है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी संख्या 9 है तथा जो चांपेल रोड, वलकला-22 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूषी में घौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकला में, रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-11-84

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शब्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का उन्तरका अन्तरका अन्तरका के लिए तय प्रतिक्ति (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देवय से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त सीध-नियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; सीर√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अर्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, कियाने में सूबिधा के सिय;

(1) श्रीमती बानि हाजरा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद दुवे श्रीर धन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष्टु कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के शायपण में प्रकाशन की तारीय हैं 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (म) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा-सकेंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयम्बत वन्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, बो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1000 वर्ग फुट भेजानाईन फ्लोर एवं गाराज 9, चापेल रोड कलकत्ता-22 में ग्रम स्थित है।

दिशल संख्या---एस० भार० ए० कलकसा का 1984 का भाई 13878

> (शेख नुईमुद्दीन) सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) 'अर्जन रेज-2 कलकस्ता

बतः बन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, भी, उक्त अप्रिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

सारी**ख**: 17-7-85

सहर ः

प्रकृत मार्ड . टी . एन . एव-५०००-५५००

बायकर बाँधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-न (1) के बभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज श्रमृतसर

धमृतसर, तारीख 12 जुलाई 1985

निर्देश नं० एएसम्रार/85-86/16---यतः मुझे, जे० प्रसादः, माई ० म्रार० एस०

. कावफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० एक जाएदाद है तथा जो पठानकोट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रक्रियस के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिख उद्वोद्य से उक्त अन्तरण सिचित के बास्त्रिक रूप से बन्नित पहीं किया ग्या है ु—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के जन्मरक को दायित्व में कमी करने में उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आयं शृह किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या सा आ किया जाना जाहिए सा, खिपाने में सुर्तिभा के लिए;

ज्ञतः जयः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-मं के अनुसरण में, ऑं, उपत अभिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) के अभीभा, निकासियक अभित्यमां, अभीत ८--- (1) श्री रामा रानी पत्नी चेतन देव चोपड़ा वासी पठानक्रोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निरन्त्र पाल सिंह श्रीर परमजीत सिंह पुतान तीरथ सिंह, 103-सुन्दर नगर, पठानकोट

(मन्तरिती)

(3) जैसा श्रगर नं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

सर्वे श्री

- (1) हेम राज शर्मा
 35/- महीना

 (2) ह्यिशन दास
 60/- ,,
- (3) ज्ञान चन्द 100/- "
- (3) संसार चन्द 100/- ,,
- (5) सैराज शिवा बैरिगंज 60/- "
- (6) रमेश चन्य 100/- ,,
- (7) सब-पोस्ट भ्राफिस 60/- ,, .

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचमा जारी कॅरको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उसरा सम्पर्दित को नर्पन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज़पण में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की बरीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति यो भी वर्षी याद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित में दिस-बद्द्य किसी मन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिविक्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, भी उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, नहीं कर्ष होगा, को उन्ह सध्याव में दिवा नवा है।

अनुसूची

एक जाएदाद को गुरवासपुर रोड, पठानकोट में है जैसा सील डीड नं० 2067/ 22-11-84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

> जि० प्रसाद ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज ग्रम्तसर

तारीख: 12-7-85

प्रक्ष वाद^क्टी. एन<u>.</u> एस_{...}----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्णना

प्रारतं ब्रुका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1985 निवेश नं० एएसम्रार/85 886/17—यतः मुझे, जे० प्रसाद भाई० म्रार० एस०,

वायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त वर्षिनियम' कहा गवा ही, की धाक 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, जिसका उधित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक जायवाद है तथा जो पठानकोट में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 1984 प

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूक्य से कम के क्षत्रज्ञान शितफल के लिए अंतरित की नहीं ही बीर भूओ यह विश्वास करने का कारण ही कि यजापूर्वोक्त नक्ष्यीत्त का स्वित बाजार भूक्य उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पत्रह शितकत से अभिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के जिए तक बाजा जवा शितकत, निम्नसिक्ति उद्वेक्षों से उक्त अन्तरण शिक्ति के वास्तिक क्ष्य से किथा नहीं किया नवा है है

- (क) जनसरण से हुड़ा किसी नाम का बाक्ट, उसस नीमीनमंत्र के नभीन कर दोने के जनसरक के बाबित्य को कजी करने मेर उससे ब्याने में सुनिका के सिए; और/बा
- (क) ऐसे किसी जाम या किसी भन या अन्य आरितायों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की असोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः थव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री चैतन देव चोपड़ा पुत्र हरचरण वास चोपड़ां वासी मोहल्ला साहिब जावियां, पठानकोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह, नरिन्द्र पाल सिंह पुत्रान तीर्थ सिंह, 103, सुन्दर नगर, पठानकोट

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

सर्वे श्री

हेम राज 35/- महीना

(2) बिशन दास 60/- "

(3) ज्ञान चन्द 100/- ,,

(4) संसार चन्व 60/- ,,

(5) मैराज शि**वा बैरि**गज 60/- ,,

(6) रमेश चन्द 100/- "

(7) सब-पोस्ट म्राफिस 80/- महीना

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

(अन्तरिती)

को क्यू तुषना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के बिख कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की भविध या तत्संबंधी क्यक्तियों भव स्वना की तामीस से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वं 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में दिल-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पान सिवित में किए जा सकते।

स्पाद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविश हैं. बही कर्ष होगा औ उस अध्याय में दिशा एका हैं।

अनुसूची

एक जायदाद जो गुरदासपुर रोड, पठानकोट में है जैमा सील: सेल डीड नं०: 2026/19-11-84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

के० प्रसाद ग्राई०ग्रार०एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रम्तसर

तारीख: 12व7व85

प्र**क्ष्म कार्या** की<u>.</u> एस्. एस्...

भावकार निधिनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) से नधीन कुर्या।

WILL SET I

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्तिक)

मर्जन रेंज अमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० एएसम्रार/85-86/18--यतः मुझे जै० प्रसाद म्राई० म्रार० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की चात्रा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, विसका उचित् वाकार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रीव्यमियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी

कारी पुर्वीकत सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम को प्रथमान की लिए अन्तरित मष्ट्र* प्रतिकल कै यष्ट विश्वास करने का कारण कि यथापुर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके पश्यमान प्रतिकल से; एसे क्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से क्रीथत नहीं किया गया है :---

- (कां) अन्तर्य से हुड किसी वाय की बायतः, उथतः अधिनियम के वयीत कर देने के अस्तर्य के बायित्व में कमी करने या उससे समने से सुविभा के सिए; करि/वा
- (थ) एसी किसी बाव वा किसी वन वा बन्त बास्तिकों को, किसी भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा बस्ता लिभिनियम, वा भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्यारा प्रकट वहीं किया श्या का या किया जाना बाहिए या कियाने में वृद्धिया वे किस्ता

अत: क्व, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग क अनुसरक को, नी, इक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभाग (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् हु— (1) श्री चेतन देव चोपड़ा पुत्र हरचरण दास चोपड़ा मुहला साहबजादियां, पठानकोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह, नरिन्द्र पाल सिंह पुत्रान तीरथ सिंह 103, सुन्दर नगर, पठानकोट

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार थे (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है सर्व श्री

(1) हेम राज शर्मी 35/- महीना (2) बिशन दास 60/- ,,

(3) शान चन्द 100/- "

(4) संसार पन्द 60/- "

(5) मैसरज शिवा बैरिगज 60/- ` ,,

(6) रमेश चन्द 100/- ,, (7) सब-पोस्ट भ्राफिस 60/- ,,

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह बुचना पारी कारके प्वाचित बंदरित के अर्थन के विष्

उक्त बंदर्तित के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (व) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवप्र किसी जन्म क्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिवत में किए या सकेंगे।

स्वार्धकरणः --इतमे प्रयुक्त कर्या जारु पृदां का, वा उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित इं, ब्रह्मी कर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया इंड

वपस्य

एक जायदाद जो गुरवासपुर रोड, पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं ०: 2250/15-2-85 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पठान-कोट में वर्ज है।

जै० प्रसाद श्राई० द्यार० एस० सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज ग्रमृतसर ।

तारीखाः 12-7-85

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 260 व (1) व्याक्षभार स्**वता**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आबुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज श्रमतसर

थ्रमृतसर, तारीख 12 जुलाई 1985

्र निर्देश नं० ए एस श्रार/85-86/19---यतः मझे जे० प्रसाद, श्राई० श्रार० एस०

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या एक कोठी है तथा को 34 दीमाल, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावज श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्ताण है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की भई है और मुक्ते यह किरवास करने दृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गवा प्रतिक फल निम्निसित उद्बद्य से उक्त अंतरण कि सित में वास्तिक कप में कथित नहीं किया गवा है:--

- (क) अन्तरण में हुन्दें किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनिषय की अभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविका के जिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्म जास्तियों की. जिन्हें भारतीय जान-कर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती ऊषा खन्ना विधवा नरिन्द्र चन्दं खन्ना, रघु, रकीत पुत्रान नरिन्द्र चन्द दिवन्द्र चन्द पुत्र गुज्जरमल, रविन्द्र चन्द खन्ना पुत्र ग्रमी चन्द खन्ना, श्रीमती माया पत्नी देविन्द्र चन्द, संजीव खन्ना पुत्न देविन्द्र चन्द, श्रीमती. चांद रानी पत्नी ग्रमीं चन्द द्वारा श्रीमती ऊषा खन्ना 19 रत्न चन्द रोड, श्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पूनम बाबा
पत्नी डा० दीपक बाबा,
श्रीमती भगवंत बाबा पत्नी डा० वाई एस० बाबा,
डा० दीपक बाबा पुत्र डा० बाई ० एस० बाबा
34 दी माल, श्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) भ्रौर कोई

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्व है)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उनके सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशभ की सारीय के 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अव्यक्ति बाद में समाब्द होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इक स्थान के राजपण में प्रकावन की गरीक थे 45 दिन के भीतर उत्तर स्थानर सम्पर्शित में हितनक्ष्र किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किस्तित में किस् का सकतें।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और वर्ते का, को उनक अभिनियम देशकाय 20-क में वीरमावित ही, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिना गमा ही।

अनुसूची

एक जाएदाव जो 34दी माल, श्रमृतसर में है जैसा सेल छीड नं ०. 520.4/6~11-84 र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

जे० प्रसाद ग्राई०ग्रार०एस० सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 12-7-85

मोहर:

10 -186 GI/85

प्रकर वाई. टी. एन्. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-ए (1) से सधीन स्पना

श्रापत् क्रकाट

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, तारीख 12 जुलाई 1985 निर्देश नं ० एएसग्रार/85-86/20-यतः मुझे के० प्रसाद, शाई० ग्रार० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिश्रका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक कोठी है तथा को 34 दी माल, श्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भन्नैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के कश्यभान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बंतरकों) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के मिए तब पाया गया प्रतिक्त का पिन्निविक्त कर्षक से उच्च बच्च क्या क्या क्रिक में वास्त्रिक क्या क्या है क्रिक्त में क्या वास्त्रिक

- (क) शक्तरण से हुई हिन्दी साम की बावत उथक शिक्ष नियम के अभीन अर वोने के अन्तरक जो समित्य में क्वी कहने वा उचके बचने में कृतिका के निर्दाः कीर/का
- (थ) एंची किसी शव ना किसी थन ना बन्य अगिस्थर्ग की, जिन्हों भारतीय नावकर निभिन्नियम्, 1922 (1922 का 11) या अनद नीभिनयम् या भन-कद विभिन्नम्, 1957 (1957 का 27) के प्रवादमार्थ अन्तरिती थ्यारा प्रसट उहीं किया गर्भः भारति किया नावः अरहिए था, कियाने में सुनिकः से लिए:

ं बतः ब्रथ, उक्त विभिनियम कौ भारा 269-थ के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिक्ति व्यक्तियों, वर्धातः—

(1) श्रीमती उपा खन्ना
विधवा निरन्द्र चन्द खन्ना,
रधु, रजीत पुक्षान निरन्द्र चन्द
विनद्भ चन्द पुत्न गुज्जर मल,
श्री संजीव खन्ना पुत्र दिवन्द्र चन्द,
चांद रानी पत्नी श्रमी चन्द
द्वारा ऊषा खन्ना 19रतन चन्द रोड,
श्रमृतसर श्रीर रिवन्द्र चन्द खन्ना
पुत्र अमीं चन्द खन्ना,
श्रीमती माया पत्नी दिवन्दर चन्द ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती पूनम बावा पत्नी डा० वीपक बाका, डा० वाई० एस० बावा पुत्र केसर सिंह बावा, 34-वी माल, श्रमुतसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) कैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके धारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्यं वह बुचना चारी अनुको प्वांचित् सम्परित के अर्थन के निरु कार्यवाहियां स्क करता हुं।

उक्तु सम्मात्त्व के वर्षत्र के सम्मन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दावीय से 30 दिन की नवधि, यो भी वयधि बाद में सुमान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाप्राप्त
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृद्ध किसी अन्य अविष द्वारा नभीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

रक्कां करण:---- हरामें प्रमुक्त सक्यों और पूर्वों का, जो सक्स सिंगियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुर सर्भ होना को उस अध्याम में दिया प्रमुद्धि।

वनुसूची

एक जायदाद जो 34-दी माल भ्रमृतसर में है जैसा सेल श्रीष्ठ नं σ : 727/17-4-85 रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, भ्रमृतसर में वर्ज है।

के० प्रसाद, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 12-7-85

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्" द्वी एन एस् -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

श्रमृतसर, तारीख 2 जुलाई 1985

निर्देश नं ए एस भार/85-86/13---भ्रतः मुझे, एस० सी० कपिल, भ्राई० भ्रार० एस०,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक जाएबाद है तथा को जौड़ा पीपल, श्रमृत-सर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवस्वर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाकार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई हैं और मृत्मे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के वन्द्र प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण तिचित में सास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की सावत, उपत विभिन्तिम के जभीत कर दोने के अन्तरक के बाजित्य में कमी करने या उससे नचने में सुविभा के विष्णः जरि/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की पिन्हें भारतीय जायकर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए।

क्षः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण कें, कें, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के वधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री मदन लाल पुत्र श्री बिहारी लाल ली देवी वाली, जोड़ा पीपल, श्रमतसर

(भन्तरक)

(2) श्री हरवंश लाल पुत्र श्री बिहारी लाल गली देवी वाली, जौड़ा पीपल, श्रमृतसर

(भन्तरिती

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के वर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सै 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्षित्र इतरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किमे वा सकन।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्म सामि

एक जायदाद को देवी गली, जौड़ा पीपल श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं०: 5321/12-11-84 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> एस० सी० कपिल, भ्राई० भ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 2-7-85

मोहर ह

प्रथम आहोत ब्रोप हरीत हरात बननवन्त्रास्थानक

भाग विश्वनिवन, 1961 (1961 मा 43) माँ भाग 269-न्म (1) में सभीत सुमता

WITH THE

कार्यातम, सहायक आवकार आवृक्त (विश्वविक्र)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, नारीख 2 जुलाई 1985

निर्देश नं० ए एस आर/85-86/14—यतः मुझे, एस० सी० कपिल, आई० आर० एस०

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के सधीन सभाग प्राधिकारी को, यह विश्वाध करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, विसका उजित बाबाद ब्रूच्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एक जाएदाद है तथा जो बाईट एवन्यू, अमृत-सर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्विश्व संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के कावजान प्रतिकान के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाद करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाह कृष्य, उसके क्रयमान प्रतिकान से, एसे क्षयमान प्रतिकास का क्ष्मह प्रतिश्वत ते बिशक है और बन्तरक (बन्तरका) जोर बन्तरिती (बन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरक के क्षिए सब पाग गया प्रतिकान निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरक जिवित में बास्टविक क्य से क्षिण बहुरी क्षिका बया है:---

- (का) अन्तरण से सूचि जिसी बाव की बावद सबस बहिन हिन्दू है अपीन कार दोने के बन्दरक के बनित्य में सबी करने या बससे नजने में ब्रिया के किय़; श्रीप्रमा
- को प्रेती किसी भार ना किसी पन ना कल नास्तियों को, विन्हीं भारतीय नायकर नीयनियम, 1922 (1922 का 11) ना उध्ध अधिनियम या भन कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ क्लाहिती व्याह्म मुक्ट पहीं किया यथा वा किया जाना चाहिए था जिनानें में सनिधा के विहा:

सतः कः, उत्तर स्थितियम काँ भारा 269-व के समुद्रारण मों, मों, अक्त स्थितियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीतः, निम्नविधित व्यक्तिस्थीं, स्थीतः क्राला (1) श्री शाम सुन्दर पुत्न श्री त्रलोक चन्द शर्मा वाईट एवन्यू, मकबूल रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री सत पाल अरोड़ा श्रीर श्री जोगिन्द्रपाल पुतान श्री हरवयाल सिंह, 455—बसन्त एवन्यू, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हैं।(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रारकोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध † है)

को यह कृषण पारी करको पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के सिक् कार्यगाहियों करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गाओंप 🚗

- (क) इस ब्राया के राजवन में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की अवधि मा तत्त्वम्यन्थी व्यक्तियों पर तूचमा करी ताथील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकावन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्मतित में हितनकृष किसी कमा न्यामित ब्वारा क्योहस्ताक्षरी के शाव विविध में किस वा ककेंगे।

राष्ट्रीकरणः च्यामें प्रयुक्त कव्यों बीड वर्षों का, की क्यत व्योधीनक्षय के कथान 20-क में विद्यापित ही, बही मर्थ होगा, को उस मध्यान में दिया नया ही।

अनुसूची

एक जाएदाद जो वाईट एवन्यू आफ मकबूल रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं०: 6155/7-12-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> एस० सी० कपिल, आई० आर० एस० सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

नारीख: 12-7-85

प्रकार नार्षः हो. प्रकार प्रकार स्थान

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-ए (1) के मुभीन सुचना

नारत वरकारु

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 2 जुलाई, 1985

निर्देश नं० एएसआर/85-86/15—यतः मुझें, एस० सी० कपिल, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित शाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक जाएदाद है तथा जो वाईट एवन्यू अमृत-सर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाध्य अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का वंद्र प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त जीभीन्यमं के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/स
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा १६६८ नहीं विकास साम वा वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा वी किया

वर्षक मध, उनत विधिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण को, मैं, उनत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्निश्चित व्यक्तिवा, वर्षत ह—

(1) श्री शिव कुमार शर्मा पुत्र पं० रौनक चन्द वाईट एवन्यू, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव अरोड़ा पुत्र श्री सत पाल श्रीमती ऊषा अरोड़ा पत्नी जोगिन्दर पाल 455-बसन्त एवन्यू, श्रमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदा रही (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रांर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्छ सञ्चरित के अर्चन के लिए। कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की व्यक्तियां पर स्वना की तामीन से 30 दिन की ब्रद्धि, को भी ब्रद्धि बाद में संबाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितववृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सूकोंचे।

न्यस्त्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबसः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

एक जाएदाद जो वाईट एक्न्यू आफ मकबूल रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड न० 6155/7-12-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी अमृतसर में दर्ज है ।

> एस० सी० कपिल आई० आर० एस० सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

ना**रीख**: 2-7-85

प्रक्ष मार्च औ पुत्र पुत्र ------

बायकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन सूचना

प्राप्त प्रकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निर्धाण)

अर्जम रेंज, जालन्धर

ंजालन्धर, दिनांकः . 16 जुलाई । 1985

निदेश नं /ए० पी० नं० 5823—यतः मुझे, जे० एस० अहलुवालिया,

'आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परचात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो होशिया प्पुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1984

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित काचार मूल्य से कम के द्रवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवसान प्रतिफल से, ऐसे द्रवसान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अचि एसे अन्तरक के निए त्य गया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रि

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा को निष्; और/या
- (क) एनी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में माँ, उक्त अधिनियम की भारा-269-म की उपभारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४——

 श्री रिजन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र राम प्रसाद गुप्ता, वासी फगवाड़ा रोड, होक्यारपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीता सूद परनी डा० केशव सूद श्रीर डा० केशव सूद पुत्र शिव चरन दास सूद आफ सूद नर्सिंग होम, प्रेम गढ़, होश्यारपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के ताज्यत्र में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो औ अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतूर पूर्वीवह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृष्टिम्सम के अध्याद 20-क में परिभाषिक है, बही बर्ध होगा. जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2916 दिनांक नवम्बर 84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होश्यारपुर ने लिखा।

> जे० एस० अहलबालिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**चा**ः 16-7-85 मोहर्

प्रकल बाह्य है हो , पुन , पुन , स्तापन

जागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकार बायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज, नालन्धर जालन्धर, <mark>दिनांक 8</mark> जुलाई 1985

निदेश नं ं/ए० पी० नं ० 5818 और 5819-यतः मुझे, जे० एस० श्रहलुवालिया, ी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परेशात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), कौं भारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इपसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीरुती अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकृत के निए जन्तरित की गई है और मुखे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्प्रीतित का उचित बाजार मूल्य, उसमें दरसमान प्रतिकृत से ऐसे दस्मान प्रतिकृत के पेन्स प्रतिकृत के पन्सह प्रतिकृत से जभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्वोदय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी बाब की बाबस, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्न में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/बा
- (भ) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तिवाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गंधा धा या किया जाना नाहिए था, कियाने में सविधा के बिप्टा

त्ररुं शब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:---- (1) श्री ताजन्द्र सिंह पुत्र दलजीत सिंह , बासी गांव नूरपुर, जिला लुधियासा (विलेख नं० 3514) बलवन्त सिंह पुत्र किशन सिंह, बासी रैनक बाजार जानन्धर श्रद्धारनीं श्रॉफ सोहन सिंह भुल्ला सिंह (विलेख नं० 3520)

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती नरिन्द्र कौर पत्नी जसिन्द्रसिंह पृत श्रमरींक सिंह वासीं—गांव विलगा, तहसींल--जालन्धर ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्तिस्त स्थारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किसे सा सकती।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें त्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त किशियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस कथ्याय में विमा वक्षा हैं ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3514, 3520 दिनां न नवम्बर 84 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० ए.४० श्रहतुवालिय मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्त्रर

तारीख: 8-7-85

णंद्रर :

प्ररूप आहु⁶, टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

व्यधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश मं० रोपड़/1/8 4-8 5— प्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 30 क्लाल 13 मरला है तथा जो हदबस्त नं०: 361 खाता नं०: 74/83, गांव सियायत पुर तहसील रोपड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय रोपड़ में, रजिस्ट्रीकर्रा शिवकारी के कार्यालय रोपड़ नं, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तिरत की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरिकी (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के हिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय कां वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अधित :--- (1) श्रोमती मीरा पत्नीं जस्टिस श्री मदन मोहन पूंछी निवासी कोठी नं ः 160, सैक्टर 87, चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरःः)

(2) श्री नरेन्द्र अमील सिंह पुत श्री ह्रश्रमोल सिंह निवासी 10बीं, माडल टाऊन, पटियाला (श्रव मकान नं० 113, सैक्टर 28 ए, चण्डीगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हमांगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 30 कनाल 13 मरला (हम्बस्त नं०: 361, खाता नं० 74/83) गांच नियासतपुर, तहसील रोगड़ । (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, रोगड़ के विलेख संख्या 1750 माह नवस्थर, 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-7-1985

भोहर :

रक्य नारं_ दो_न पुर_ं पुर्व_न स्वत्नारमञ्ज

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के कथीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 जुलाई, 1985

निदेश मं० रोगड़ 2/8 4-8 5---अतः मुझे जोगिन्द्र निहं जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमि 28, कनाल 16 मरेना, हदबस्त नं० 361, खाना नं० 74/83 गांत्र, भियासतपुर तहसील रोवड़ में स्थित हैं (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिवस्ट्रीटर्वा अधि एरी के एर्विल्य रोवड़ में, रिजस्ट्रेटिंग अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवींन, तारीक नवम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि वशापुर्विक सम्पत्ति का जीवत वाचार बृग्य, स्वामें द्रश्यमान प्रतिकत् से एसे अध्यमान प्रतिकत का शब्द प्रतिकृत से बीच के बीच क्षेत्र करायक (बंदरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्दरम के बिए तम नावा नथा प्रति-क्ष शिक्तिविक्त क्ष्योच्य में स्वत्य बंतरम जिल्हित में पास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) कलाइल वे हुई किसी बाब की बाबक धन्न विभिन्न नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए औद्धार्था
- (थ) होते विश्वति वाच वा विश्वती थम् ना वम्ब वास्तिक्षी को, चिन्ही भारतीन भारतस्य मिनियम, 1922 (1922 का ११) मा उनते मिनियम, या धन- अर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अवोधमार्थ नक्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया व्या था या किया वाचा चाड़िए मा, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती सीरा पत्नी जस्टित मदन महित पूंछी कोठी नंज 160, सेफ्टर 8 ए, चण्डीणढ़।

(श्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र श्रमोल िह् पुत्र श्री हर शनोत जिह् निवासी 10वीं, माडल टाऊन, पटियाला (श्रक मजान नंब, 113, सैक्टर 28, चण्डीगढ़) (श्रक्तरिसी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपरित से नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्तियम के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस बच्याय में डिया नवा हैं।

अनुसूची

भूमि 28 कलाल 16 मरला (हदबस्त नं०: 361, खाता नं०: 74/83) गांच सिया तपुर तहसीय रोपड़। (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्री क्रित अधिधारी, रोपड़ के विलेख संख्या 1749 माह नवस्थर, 1984 के तहन दर्ग है)

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिक्षारी सहायक श्रायक्षर आयुक्त (सिरीक्षण) श्रजन रोज, लुधियाना

नारीखः: 9-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के अधीन स्वना

मार्म मरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० रोगड़/3/84-85-अतः मुझे, जोगिनद्र सिंह ब्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास भारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उचित शाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 27 कमाल 4 मरला है तथा जो हर्ष्यस्त नं० 361 खाता नं० 73/92 गांव सियासतपुर, तहसील रोपड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रौपड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यमान करने का कारण है कि स्थाप्बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मृश्य, उत्तर्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम म्या गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दृश्यित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) मृत्युक्षण हो हुए निक्षी नाम की भागत, उक्त वृत्तिवृत्त के अवीत कर दोने के नृत्युरक के स्वतित्यु के कमी करने या उत्तते जनने में भूतिभा के हिए; बार/मा
- (च) एसे किसी जाब या किसी धन या अन्य आफ्तिकः को किन्हुं भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियस, या धन-कर्यु स्थिनियस, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ जन्मरिती व्याग्र मुकट महीं किया जया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जो लिए हैं।

मतः नव, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिक्त व्यक्तियों, अर्थात :---

- जस्टिम श्री मदन मोहन पूछी, पुत श्री नन्द ला मजान नं० 160, सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- 7. श्री नरेन्द्र अमोल सिंह पुत श्री हर अमोल सिंह, निवामी 10-बी०, भाडल टाउन, पटियाला अत्र मकान नं० 113, सेक्टर 28-ग्०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी रूरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया श्या है।

वन्स्ची

भूमि 27 कनाल 4 मरला, (हदबस्त नं० 361) खाता नं० 73/82, गांब मियासतपुर, तहसील रोपड़, । (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रोपड़ के विलेख संख्या 1748 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम पाधिकारी सह(यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

लारीख: 9-7-1985

प्रक्ष बाह् .दी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नाउठ चरका

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० रोपड़/4/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वाक करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीं? जिसकी सं० भूमि 32 कनाल है तथा जो हवबस्त नं० 361 खाता नं 73/82 गांव सियासतपुर तहसील रोपड़ में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय रोपड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्वादेशों से उन्त नृत्तरण निवित्त कें भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण स हुई किसी नाय की नायत, उन्त अभिनियम् को अभीन कार दोने के अन्तरक कें दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविभा के लिए। और/या
- (क) एसं किसी आय या किसी अन या जन्म आस्तिमां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वाच प्रकट-नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः गव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के जनुसर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग्र 269-ग की उपभाग (1) के जभीन; निम्नीतिश्वित स्पक्तियों, जभीत् :---

- जिस्टिल श्री मदन मोहन पूंछी, पुत्न श्री नन्द लाल, मकान नं० 160, सेक्टर 8-ए०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्री नरेन्द्र अमोल सिंह पुत्र श्री हर अमोल सिंह, 10-बी०, माङल टाउन, पटियाला, अब मकान नं० 113, सेक्टर 28-ए०, चण्डोगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीयत सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुमना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिश्व बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यथ किसी बन्य व्यक्ति स्वाय, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थरहोकः रण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भूमि 32 कनाल हदबरत नं० 361 खाता नं० 73/82 गांव सियासतपुर तहसील रोपड़ (अर्थात वह जायवाद जोक्ति रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रोपड़ के विलेख संख्या 1745 माह नयम्बर 1984 के तहत दर्ज है।)

जोगि**न्द्र** सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 9-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक बायकर शामुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० रोपड़/5/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 24 कनाल है तथा जो हदबस्त नं० 361 खाता नं० 73/82 गांव सियासतपुर तहसील रोपड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोपड़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख लबस्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाक्यिक अप से क्यित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरक से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सरि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, ख्रियामें में सुविधा के लिए।

बतः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्दरक मों, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- जिस्टिन श्री मदन मोहन पुंछी पुत्र श्री नन्द लाल निवासी मकान नं 160 मेक्टर 8-ए० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र अमोल सिंह पुत्र श्री हर अमोल सिंह 10-बी० माडल टाउन पटियाला अब मकान नं० 113 सेक्टर 28-ए० चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्यास 20-क में प्रिशाधिक हुँ, कहीं अधि होगा को उस अध्यास में दिस गवा हुँ।

अनुसूची

भूमि 24 कनाल हदबस्त नं० 361 खाता नं० 73/82 गांव सियासतपुर तहसील रोपड़। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रोपड़ के विलेख संख्या 1744 माह नवम्बर 1984 के तहत दर्ज हैं।)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 9-7~1985

प्रकप बाइ. टी. एव. एस.-----

बाषका<u>र मुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा</u> 269-म (1) को सभीन सुम्ता

भारत चहुकार

कार्याजय, बहायक नायकार नायुक्त (रिवरीक्श)

अर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेण सं० रोपड़/6/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि 26 कनाल है तथा जो हदबस्त नं० 361 खाना नं० 73/82 गांव सियासतपुर तह्सील, रोपड़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. रोपड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कारने का कारण हो कि स्थापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, होसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण चे हुई किती बाय को बायत उक्त व्याप-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी कपुने या उत्तर्ध येचने में सुविधा के जिए; और/या
- (४४) ऐसी किसी बाय या किसी धृन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बत: भग, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग की अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नीतींचत व्यक्तिप्रों, अभीत् ड—

- जिस्टिस श्री मदन मोहन पूंछी पुत्र श्री नन्द लाल, निवासी 160, सेक्टर 8-ए०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्री नरेन्द्र अमोल सिंह पुत्र श्री हर अमोल सिंह, 10-बी०, माडल टाउन, पटियाला, अब मकान नं० 113, सेक्टर 28-ए०, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप हैं---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों. पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में धिया गया है।

अनुसूची

भूमि 26 कमाल हदबस्त नं० 361 2,खाता नं०, 73/82, गांत्र सियामतपुर, तहसील रोगड़, (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रोपड़ के विलेख संख्या 1743 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 9-7-1985

प्रकृ वार्षः द्री. एवं प्रकृतन्तरन

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षक)

भ्रजीत रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांकः 9 जुलाई 1985

निदेश सं० रोपड़/7/84-85---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त बिश्नियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिस्की मं० भूमि 32 कनाल है तथा जो हदबस्त मं० 361, खाता मं० 73/82, गांच सियासतपुर तहसील रोपड़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुभूचीं में और जपूर्ण रूप से चणित हैं), रजिस्ट्रींकर्ती श्रिधकारी के वार्यालय रोपड़ में, रजिस्ट्रींकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तिद्वित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के यन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एते अंतरण के लिए तय पाया निया प्रतिफल नियम्बिचित् उड़बेश्य से उच्त बंतरण सिचिस के बास्तिबक कप से कवित नहीं किया गया है है—

- (ण) अन्तरण क्षेत्र के किसी भाग की बावत , उन्ध वीधनियम के अधीन कर कोने के अन्तरक के वासित्य में कती करने वा उत्तर्थ वजने में ब्रुडिया के लिए: बॉर/मा
- (क) एसे किसी नाम मा किसी भन या जन्म जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, वा भव-कर्दु अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रवोचनार्थ जन्दौरती च्वाद्य भूकर नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा जे लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, में, डक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ट व्यक्तियों, अर्थात् :---

- जस्टिम श्री मदन मोहन पूछी पुत्र श्री नन्द लाल, निवासी मकान नं० 160, सैक्टर, 8--ए०, चण्डीगढ़। (धन्तरक)
- 2. श्री नरेन्द्र ग्रमोल सिंह, पुत्र श्री हर श्रमोल सिंह, ा 0-बी, माडल टाउन, पटियाला, श्रव मकान नं० 113, सैक्टर 28ए, घण्डीगढ़ । (श्रन्तरिती)

को नृष्ट् सूचना चा<u>डी कर</u>ुके पूनोंच्यः स्म्मित् के वर्षन के तिन्द कार्यनाहिमां कुक करुता हुं।

उन्द हम्पति से स्वीन में तस्त्राध में कोई भी शासेष हिन्स

- (क) इस सूच्या के रावपूत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूच्या की तासील से 30 दिन की व्यक्ति था भी विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के एकपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए था सकेंगे।

स्वक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त ग्रस्वों और पदों का, भो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया वता है।

अनुसूची

जमीन 32 कनाल हदबस्त नं० 361, खाता न० 73/82, गांव सियासतपुर तहसील रोपड़ (श्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीक्ष्ती श्रधिकारी, रोपड़ के विलेख संख्या 1742 माह नवम्बर, 1984 के तहत वर्ज है।

> जांगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय∜र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीब: 9-7-1985

मोहर 🚁

प्ररूप बार्षं .टी.एन, एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० रोपड़/8/84-85--प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 18 कनाल है तथा जो हदबस्त नं० 361, खाना नं० 73/82, गांच सियासतपुर, तहसील रोगड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्कट्रीता अधिकारी के कार्यालय, रोगड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन्दं कि सी अप्रयं की बावत, उक्त अधि-विवयं के संधीत कर दोने के अंतरक को खबित्व में कभी करने वा उत्तरं वचने में बृविधा के सिए; शौद्ध/वा
- (क) ऐसी किसी वाय या किसी धन या कर्य बास्तियों को, विन्हुं भारतीय कावकार विविधित्वन, 1922 (1922 का 11) या जनत विधितियम, या धन-कर विधितियम, या धन-कर विधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसेवनार्थं कन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया वाना चाहिए था, कियाने में सिम्धा के सिक्;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ती. मीं, उक्त अधि^{ति}श्रम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीत, निस्ति**वित व्यक्तियों, अर्थात्** श—

- जस्टिस श्री मदन मोडन पूंछी पुत्रं श्री तन्द लाल निवासी 160, सेश्टर 8-ए०, चण्डीगढ़। (प्रन्तर-६)
- 2. श्री नरेन्द्र भ्रमोल सिंह पुत्र श्री हर अमोल सिंह, निवासी 10वीं०, माङल टाउन, पटियाला, श्रव मकान नं० 113, सेक्टर 28ए०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संप्रीत में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त विभिन्न के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका मना हैं।

अनुसूची

जमीन 18 कनाल, ह्यबस्त नं० 361, खाता नं० 73/82, गांव सियासतपुर तहसील रोपड़। (प्रथात् वह जायदाय जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, रोपड़ के विलेख संख्या 1747 माह नथम्बर. 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, लुधियाना

तारीज: 9-7-1985

ोहर :

त्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे नभीत स्वना

मारत तरकार

कामतिय, सहायक नायकार भावता (निद्रांकाण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० रोपड़/9/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, ब्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 31 कनाल, 14 मरला है तथा जो हदक्षस्त नं० 361, खाता नं० 72/82, गांच मियासतपुर, तहसील रोपड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, रोपड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन, तारीख, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रियमान प्रतिकल से एसे द्रियमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :--

- (७) अन्तरण से हुइ किसी नाय की नायत, उपक निमानन के संभीत कर दोने के समाहक की वासित्व में कमी करने वा संचल वयन में सुविधा के निस् नीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भून या बन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए भा छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः इक, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की. उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— जस्टिस श्री मदन मोहन पूंछी, पुत्र श्री नन्द लाल, निवासी 160, सेक्टर 8-ए०, चण्डीगढ़। (श्रन्त हर)

(अल्ला) 2. श्री नरेन्द्र श्रमोल सिंह पुत्र श्री हरि श्रमोल लिह,

् 10- बी०, माङल टाउन, पटियाला, श्रव मकान - नं० - 113, सेक्टर - 28-ए०, चण्डीगढ़ा

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्थन के निक् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीक रण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिवा नवा हैं।

बन्स्ची

भूमि 31 कनाल, 14 मरला, हदबस्त नं० 361, खाता नं० 73/82, गांव कियामतपुर, तह्सील रोपड़। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिशारी, रोपड़ के विलेख संख्या 1746 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राधकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 9 -7--1985

मोहरः

प्ररूप बार्च .टी . एन . एस ------

नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनां ३ 9 जुलाई 1985

निर्देण सं० रोपड/10/84-85---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, नायकर जाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 14 मरला 6 सरसाई है, तथा ओ हबबस्त नं० 361, खाना नं० 73/82, गांव मियामतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, रोपड़ में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमनाम प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्त दसकों दरयमान प्रतिफल से, एसे दम्मान प्रतिफल का बन्दह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के दीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया विकल, निम्नीसित उद्योग से उक्त अन्तरण दिना है स्मार्थ के वास्तिक रूप से कथित नहीं दिक्ता गया है स्मार्थ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जण्धारा (1) रूरे अधीन जिम्बलिखा श्विक्तयों, अधीत :—
12—18601/85

- श्री टह्न सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह, गरेल भंदत, तहसील तथा जिला रोपड़ (प्रन्तरः)
- 2. श्री नरेन्द्र ग्रमोत निह् पुत्र श्री हर ग्रमोत सिंह, निवासी । 0 बीं०, माइल टाउन, पटियाला ग्रव महान नं० 113, सेक्टर 28-ए०, चण्डींगढ़। (श्रन्तरिती)

वां वह वृक्षा आही कर्ज पृक्षीयत कम्मित् में वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

चनत तुम्परित के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की अविधि, जो भी विषि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त स्थितत्वों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (क) इस सूचना के राज्यक को प्रकासन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त मो हिसबव्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविश्व में किए वा बकोंगे।

स्वच्यीकरणः—इसमें प्रवृक्त खब्दों बीर नवां का, जा जबतः जिथितिवस को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ द्वोगा जो उस अध्याय में विया नवा है ॥

मन्स्यी

भूमि 14 मरला 6 सरनाई, हदबस्त नं० 361, खाता नं० 73/82, गांव नियापतपुर, तहसील रोपड़ (पथिन् वह जायदाद जो कि रिषास्ट्री ति प्रधिकारीं, रोपड़ के विलेख संख्या 1751 माह नवस्वर, 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह ाक्षम पाधिकारी सङ्ग्रह भ्रायहन भ्रायुक्त (विरीक्षण) भ्रजैन रेंज; लश्चियाना

सारीख: 9-7--1985

प्रकम नाहाँ, दी, एतः, एतः, ल्ल्याल्य

बायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश स० लुधियाना, 333, 84-85-अतः मुझे, जोगिन्त्र सिन्न

बासकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिर्च इवके इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० 19-आई का 1/3 भाग है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्यमान विकल के लिए अंतरित की गई है और मुओं यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देवयमान प्रतिफल से, ऐसे देवयमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिचत उच्चेक्य से उच्च अंतरण निम्कत में बाल्दिक रूप से कांतरित महार्थिक रूप से कांतरित महार्थिक रूप से कांतरिक महार्थिक रूप से कांतरित स्वास्थिक रूप से कांतरित महार्थिक रूप से कांतरित महार्थिक रूप से कांतरित स्वास्थिक रूप से कांतरित महार्थिक रूप से स्वास्थिक रूप से कांतरित से स्वास्थिक रूप से स्वास्थित से स्वास्थिक रूप से स्वास्थिक रूप से स्वास्थिक रूप से स्वास्थित से स्वास्थित से से स्वास्थिक रूप से से स्वास्थिक रूप से स्वास्थित से से स्वास्थिक रूप से से स्वास्थिक रूप से स्वास्थित से स्वास्थित से से से स्वास्थित से स्वास्थित से स्वास्थित से स्वास्थित से स्वास्थित से से से स्वास्थित से से स्वास्थित से स्वास्थित से स्वास्थित से से स्वास्थित से से स्वास्थित से से स्वास्थित से से स्वास्थित से से स्वास्थित से स्वास्थित से से से से से से स्वास्थि

- (क) बन्तरण वे हुई कियां बाब की बावत, उक्त निश्चित्रम के बधीन कर दोने के बन्तरक के खाबित्थ में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए: बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छियाने में स्विधा के लिए:

अबः अव उन्त अधिनियम की भारा 269-ए से बन्दरक सें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (+) वे बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधार :---

- 1. श्री प्रेम लता सूद पत्नी श्री बाल बहादुर कुमार, निवासी 49 ई०, सराभा नगर, लुधियाना। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी श्री बलवन्त सिंह, निवासी 26--डी०, सराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को बहु क्षका बारी करके प्यानित कम्पित के वर्षन के बिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्मरित के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों नहें स्थान की तामीज से 30 दिन की जबीध, वो भी संघीध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकावन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवक्क किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए वा सकतें।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक इ⁴, कही कर्ण होगा जो उक्त वध्याय में दिवा नवा द्वा

वन्युची

मकान नं० 19-आई० का 1/3 भाग, सराभा नगर, लुधियाना । (अर्थात वह जायदाव जो कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8016 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

> फोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-7-1985

त्रक्ष बाद^रः, टी. एव. एव.-----

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) को अभीन सुमना

बारत सहकान

कार्यांचन, बहायक बायकार बाव्यत (विडोबान)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जूलाई 1985

निदेश सं० लुधियाना। 322/84-85---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इवके इसके पश्चात (उक्त विधिनियन) कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाबार मुख्य 1,00000/-रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं मकान नं बी-26-385 (69-बी॰) का 1/3 भाग है तथा जो सरगोधा कालोनी, लुधियाना में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणत है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1984

को पूर्वोकः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **स्रयमान** प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदम से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावका, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के किए; बीर/या
- (थ) इसी किसी बाथ या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा से लिए;

बतः वदः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं व, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उध्धारा (1) हे अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- श्री कपूर सिंह, पुत्र श्री नगीन सिंह, निवासी चूहड़ चक्क, सहसील मोगा, जिला फरीदकोट। (अन्तरक)
- 2. सबंश्री दवेन्द्र सिंह दलजीत सिंह तथा तरणजीत सिंह पुत्नान् श्री रघबीर सिंह निवासी न्यू लाल जी टोला, पटना (बिहार)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (ण) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धध किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निविद्य में किए का सकेंगे।

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया संकाहै।

अभुसूची

मकान नं० बी०-26-385 (69-बी०) का 1/3 भाग, सरगोधा कालोनी, लुधियाना (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 7320 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

सारीख: 9-7-1985

प्रकार कार्ड . टी . एन . एव . ------

भायकर मंभितियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) में म्भीन सूचना

बारत राज्या

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्ष्य)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाँक 9 जुलाई 1985 निर्देश सं० लुधियाना, 299, 84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसने सिके पश्चात् 'उन्त निधीनयम' सहा गवा ही, की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का जारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका स्वीचत वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी०-26-385 (69-बी० का 1,3 भाग है तथा जो सरगोधा कालोनी, लुधियाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबज अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्त से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास हरन का कारण है कि अभाप्कोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा नवा प्रतिफल निम्नलिकित उद्वारम से अक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया नवा है हि—

- (क) जन्तर्य से द्वार्ट किसी जाय की वाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक वह दाजिएक में क्यी करने वा उसके वजने में सुविधा अधितए, और/भा
- (च) ऐसी किसी जाय मा भन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, वा भन-कर अधिनियस, वा भन-कर अधिनियस, वा भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा की किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-न कौ अनुसरक को मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

- 1. श्री कपूर सिंह पुत्र श्री नगीन सिंह, निवासी पृहड़ चक्क, तहसील मोगा, जिला फरीदकोट।
 - (अन्तरक)
- 2. सर्वश्री दवेन्द्र सिंह, दलजीत सिंह, तथा तरणजीत सिंह पुतान श्री रघबीर सिंह, निवासी न्यू लालजी टोला, पटना (बिहार)।

(अन्तरिती)

को बहु कुमना कारी करके पृक्तियत सम्पतित से अर्थन के निय कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उपन् बन्दित् के वर्षन् के बन्दिन में कोई ही बाक्यूक--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की नवीभ, को भी व्यक्ति वाद में स्वाप्त होती हो, के बीदर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराह
- (व) इस सुवना के राज्यक में प्रकाशन की तारीव ते 45 दिन के बीतर उक्त स्वादर सम्मारत में हिटवब्ध किसी मन्य मानित द्वारा मुभोहस्ताक्षरी के पान सिर्वित में किए का सकींचे।

लच्चिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

प्रवसी

मकान नं बी०-26-385 (69-बी०) का 1/3 भाग, सरगोधा कालोनी, लुधियाना। (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 7073 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-7-1985

त्रक्ष बाई. टी. एन. एड. -----

विभाषकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के जंबीन ब्यूचना

नाप्रत शहरकाड भावतिम्, सहायक नायका नायका (निर्दाक्तिम)

अर्जन रेंज, सुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० लुधियाना, 329, 84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह्न.

बावकर संधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को कि धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी०-26-385 (69-बी०) का 1/3 भाग है तथा जो सरगोधा कालोनी, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पृथींकत सम्मित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम शितिफल को लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींकत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तथ पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्क-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ' किसी बाब की बाबते, जनक मीपीनयम के सपीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कनी करने या उससे बचने में सविधा के जिए; बौर/बा
- (क्र) एंसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के सिए:

कतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगूतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिधित व्यक्तियों अधीत्। श्री कपूर सिंह पुत्र श्री नगीन सिंह, निवासी चूह्ड़ चक्क, तहसील मोगा, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री दवेन्द्र सिंह, दलजीत सिंह तथा तरणजीत सिंह पुत्रान श्री रघबीर सिंह, निवासी न्यू लाल जी टोला, पटना (बिहार)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लि**ष** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष पे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्च व्यक्तिश्यों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हितयद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंग ।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं पर्ध होगा, जो उस अध्याय में निका मया हैं।

अनुसूची

मकान नं० बी०-26-385 (69-बी०) का 1/3 भाग, सरगोधा कालोनी, लुधियाना (अर्थात वह जायबाद जोकि रिजस्ट्रोकर्ना अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 7810, माह नवम्बर, 1984 के तहन दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-7-1985

प्रकथ् बार्षः द्वीः एष्ः एषः -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) को अभीन सूचना

THE STATE

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० लुधियाना/252-बी०/84-85---यतः, मुझे, फोगिन्द्र सिंह,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' महा गया हैं), की भारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मकान नं० बी~26-745/13-बी का 1/3 भाग है तथा को शक्ति नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, नयम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने (जन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से स्वस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

- (क) बन्तरुण संहुई किसी बाब की बाबत उपका बिधिनियम के बधीन कर दोने के अस्तरक के विधित्व म' कमी करने या उसने बचने में स्विधा के सिए; धीर/या
- (क) एसी किसी भाव वा किसी धन वा अन्य बास्तिकों को, चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं बन्तिरिती ब्वारा मुक्ट नहीं फिका द्वा धा वा किया जाना चाहिए था, कियाने के चुनिया से सिरा;

कतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् धु--- (1) श्री हरचरण सिंह बवेजा पुत श्री हरनाम सिंह, बारा जी० पी० ए० डा० सुन्दर कौर कोहली पत्नी डा० हरभजन सिंह कोहली, निवासी १, शक्ति नगर, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जसविन्द्र सिंह कोहली पुत्र श्री हरभजन सिंह कोहली, निवासी 9, शक्ति नगर, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वों क्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रुपक्ष राम्पित के वर्षन के राम्पूर्भ में कोई भी नाक्षेत् :---

- (क) इस ब्रुपना को रायपन में प्रकारण की ताड़ीय वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- व्यक्त किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-26-745/13-बी का 1/3 भाग, ग्राक्ति नगर, लुधियाना (प्रार्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 7391 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-7-1985

मोहर 🖫

प्रकार बाहें. ही. इन. एवं. नापन-नापनामा

कायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) की अधीन मुखना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० लुधियाना/308/84-85---यतः, मुझे, जोगिन्द्र सिष्ठ,

कामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के क्रभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० बी-XXIII-203 (प्लाट नं० 113) है तथा जो इण्डस्ट्रियल एरिया-ए, चण्डीगढ़) में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्वत्र श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के सिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्था, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एमें दृश्यमान प्रतिकाल का विष्कृ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और बंदरिती (बंदरितियाँ) के बीच एसे बंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्मतिबित उद्देश्य ते उच्च बंदरण दिश्वित में बास्तिका रूप से कश्यत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बायत, उक्त बिधिवज्ञ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सृजिधा के लिए, बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दियाने में स्विधा के लिए

जत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण थें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अब अधीन, निम्निस्तिक व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- मैंसर्स भारत ज्योति मक्तेनिकल द्वारा इसके हिस्सेदार श्री दीपक पांडे पुत्र श्री जोगिन्द्र पाल पांडे, निवासी 105, इंडस्ट्रियल एरिथा-ए, लुधियाना। (ध्रान्तरक)
- 2. मैसर्स वूल इंडिया द्वारा इसके हिस्सेवार श्रीमती रूमी पांडे पत्नी श्री राकीव पांडे, 113, इंडस्ट्रियल एरिया-ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निर्णकार्यवाहियां सूरक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो अकत गिमियम में प्रथमियम के प्रथमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जायदाद नं० बी— XXIII -203 (प्लाट नं० 113), इंडस्ट्रियल एरिया-ए जिला लुधियाना (ग्रर्थाट् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 7564 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुवन (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-7-1985

ो हरः

प्रकृष बाई. टी. एन. इंड. ----

जाश्वर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जामकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० चण्डी०/80/84-85—यतः, मझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर मीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाध् 'उक्त मिथिनयम' कहा नवा हैं), की नाय 269-ज में मधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुक्य 100,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 165 है तथा को सेष्टर 33 -ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरन ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाचार मृत्य से कम के स्वयंत्रान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वात

करने को कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भ्रूष्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल से, एसे रुप्यमान प्रतिफल का बन्सह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कतिक स, निक्तिसिक्त उस्वोद्य से अवस अन्तरण विकित में बास्तिक सप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) कत्तरण से हुई किसी बाव की वावस, उपस वीधिनियम के सधीन कर दोने के बन्धरण के वाधित्य में कनी करने वा उसके वधने में बूबिया के सिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी अप वा किसी भन वा अन्य बास्सियों करे, चिन्हें भारतीय बाय-कर विभिन्नवा, 1922 (1922 का 11) या उनत विभिन्यम, बा भव-कर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट वहीं किया बवा था वा किया बाना चाहिए था, क्याने में सुविभा के सिए;

अतः अभ, उक्त जिभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के कथीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, जर्थातः :--- श्रीमती मधु हांडा विधवा स्व० ले० कर्नेल के० एन० हांडा, निवासी मकान नं० 163, सेक्टर 6, पंचकुला (जिला ग्रम्बाला)।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुदर्शन कौर पत्नी श्री कृपाल सिंह, निवासी मकान नं० 573, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह यूचना चारी करके न्वीक्त कम्परित के वर्षक के किए कार्यवाहियां करता हूं।

क्ष्म ब्रम्मति के मर्जन के बंबंध में कोई भी बार्कर :---

- (क) इत ब्रुपना के राज्यभ में प्रकाशन की गारीब वें 45 दिन की ननिभ का तत्त्वस्त्रन्थी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की स्वचित्र, वो भी नमीप बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविक व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति प्रविद्ध;
- (च) इब स्पना के रावपत में प्रकावन की बारीच वें 45 विन के भीतर उक्त स्वावर कम्पीत में क्रिय-वब्भ किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा, मभोइस्ताकरी के पास सिवित में किए जा क्केंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्र्कृत कव्यों और वयों का, यो उक्त मिन-पित्रम की सभाव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता, यो उस्त सभाव में दिवा वया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 165, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ (धर्यात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 833 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

सारीख: 10-7-1985

मोहर्

प्रक्षप नार्च. टी. एन. एस. ------नामकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० चण्डी०/75-ए०/84-85--यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 3076 है तथा जो सेक्टर 27—डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावक अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नयम्बर, 1984

को प्रोंकत सम्परित के उचित नाजार मृल्य से कम के दरयमां प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण संधूर्ण किसी बाय की वावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या जससे वचने में शुविधा के सिए; व्यरि/या
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों को उन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्हत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विभा के लिए;

- श्री तरलोचन सिंह, पुत्र श्री बुध सिंह, मकान नं० 3076, सेक्टर 27-डी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2). श्री भागवन्त सिंह, पुत्न श्री इन्दरसिंह, मकान नं० 3090, सेक्टर 27—डी, चण्डीगढ़। (भ्रन्तरिती)
- (3) (1) श्री कुलदीप सिंह, 2. श्री जगजीत सिंह, 3 श्री ग्रोंकार नाथ, 4 श्री होशियार सिंह, 5 श्री तरसेम मसीह, सभी निवासी मकान नं० 3076, सेक्टर 27-डी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सूषी

मकान नं॰ 3076, सेक्टर 27-डी, चण्डीगढ़ (ग्नर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डी-गढ़ के विलेख संख्या 803 माह नवम्बर, 1984 के सहस दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, लुधियाना

सारीख: 10-7-1985

पाहर ;

अतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक कै. मे, उक्त जोगीनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिक्त व्यक्तियों, अर्थात क्र----13---186GI/85 प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के कथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्तिण)

म्रर्जन रेंज-1, लुधियाना

लुधयाना, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० चण्डी $\circ/73$ $\sqrt{84-85}$ —यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त लिधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लाप्ट नं० 2335 है तथा जो सेक्टर 35-सीं. चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनु- सूचीं में और पूर्ण रूप से चणित हैं), रजिस्ट्रींकर्ता अधिवारी के गार्याक्य, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्ममान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यबान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक अध्य से कीशत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण शे हुई किसी आब की बावत, उक्त जिभिनियम के जधीन कर योगे के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के जिए; और/बा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नतः जन उकत अभिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपिनयों अर्थात् :--- (1) श्रीमती बलबन्त कौर, पत्नी श्री बसावा निहंद्वारा श्रष्टारनी श्री मंगल निहं पुत्र श्री गोपाल सिहं महान नं० 169, सेक्टर 21 एई चण्डीगड़

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुरचरण भिह पुत्र श्री चेत भिह दारा बैक्संज दीदार मोटर्भ स्टोर, मनी माजरा, यू० टी० चण्डोगढ़।

(अन्तरिती)

का यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वीध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी कर से 45 दिन को भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबबुध किसी जन्म व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविध्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

जन्म ची

ण्लाट नं० 2335, सेक्टर 35 सी, चण्डीगढ़ (भ्रथीत् वह जायदाव जो कि रजिस्ट्री ती अधि ारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 771 माह नथम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह त्सम प्राधिारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीखा: 10-7--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (जिरीक्षण) शर्जन रेज, लुधियाना

नुधियाना, विवाद 10 जुनाई 1985

निदेश सं० चण्डी०/72/84-85----यतः, मुझे, जीगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), को भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिल्ला सं० रिहायणी प्लीट नं० 554 है तथा जो सेक्टर 33-जी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इपसे उपाबढ़ अनुपूची में आर पूर्ण इप से चणित है), रिजस्ट्रींकर्ता अधि-लारी के ार्याच्य, चण्डींगढ़ में, रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16(के अधीन, नवम्बर, 1989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसं स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्च किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (। के के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अभीत :----

- (1) ले॰ कर्नल जबर जंग जिह (रिटायर्ड) पुत्र श्री हरबंख्श जिह द्वारा उनकी जी॰ पी॰ ए॰, श्री जगजीत जिह पुत्र स्व॰ श्री गुरबंख्य जिह निवासी मंजान नं॰ 2105, सेफ्टर 35-सी॰, चण्डागड़ (प्रस्तरक)
- (2) श्रीं कंचल मोहन सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह, मकान नं० 2105, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरितीं)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

रिहामशी प्लाट नं० 554, सेक्टर 33-बी, चण्डीगढ़ (श्रयीत् वह जायदाद जा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डींगढ़ के विलेख संख्या 762, माह नयम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखृ: 10--7-1985

मोहर 🛭

<u>್ಲಿಯಾ ಅಂಗರಿಗಳಿಗೆ ಮಾಡುವಾಗಿ ನಾಡಿದ್ದಾರೆ</u>

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) धर्जन रेंज, लुधियाना

स्धियाना, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० खरड़ |54|84--85 - यतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनको सं० मामन नं० 644 सी, है तथा जो फेज-HI,-ए, मोहाली, तहसीन खरड़ में स्थित है (और इससे उपादंद अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीयती अविमारी के वार्यीलय, धरड़ में, रिजर्ट्रीयरण अविनियम, 1908 (1908 वा 16) के अवीन नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की शावत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की चिए; और/या
- (स) ऐसे किसी बार का किसी धन या अन्य आस्तियों कर, किन्हा भारत्य अधिकर अधानवम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था वा किया जाना चाहिए था, । छणाने दें सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के बभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती पुष्य शर्मा, विद्यषा श्री अः ाम नाथ शर्मा, निवासी कोठी नं० 1298, सेक्टर 18-सी०, चण्डीगढ़।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती पद्मत कौर पत्नी श्री तरवज्ञवीर सिंह, निवासी 644--सी, फेज--111, मोहानी, तहसील खरडा

(द्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के कर्पन कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायता:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के ज्य निश्चित में किमी जा सकारी।

स्पछ्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 644-सी०, फेंज-111-ए०, मोहाली. सहसील खरड़ (प्रयीत् वह जायदाद जो कि रिजर्ट्राकर्ता प्रधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 3128 माह नवस्थर 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह संसम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुष्त (दिरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

सारीख: 10-7-1985

मोहर 🛚

बस्य बार्ड .टी . एन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनरित 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० चण्डी०/77/84-85---यतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का अधिण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिन्हीं नं महान नं 2105, है तथा जो सेफ्टर 35-सीं , चण्डीयह में स्थित है (और इनसे उपाबद अनु-सूची में और पूर्ण कर से बॉलिट है), जिस्ट्रीज़ती अधिवारी के कार्यालय, चण्डीयह में, जिल्हीं जण अधिनियम, 1908 (1908 में 16) के अधीत, नवम्बर, 1984

को प्वांक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण विश्वास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अपी जिस्सीहिसत व्यक्तियों, अर्थात् (— (1) श्री कंघन मोहन सिंह पुत्र श्री हरगणन सिंह निवासी मजान गं० 2105, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरक)

(2) सर्वंश्री श्रवनी कुमार, प्रदीप कुमार और श्रनिल कुमार पुतान् श्री तिल्ला राज, निवासी मकान नं० 1275, सेश्टर, 34-सी०, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः गया है।

वनसची

मकान नं० 2105, सेक्टर 35-सी०, चण्डीगढ़ (श्रयति भह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिशारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 822, माह नवस्त्रर, 1984 के तहत वर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, **लु**धियाना

तारीख: 10-7-1985

मोहर 🖺

अक्य जातू⁴. डो. एन. एवं,~----

बायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 जुलाई, 1985

निर्देश सं० चन्डी ०/82/84 85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

श्रीर जिलकी सं० एस० सी० श्री० नं० 8 का 1/2 भाग है तथा जो सैक्टर, 18 डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रजिस्ट्रीयती श्रीय -कारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकण्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनां ह नवस्वर, 1984

को प्यों क्स सम्पत्ति के उचित नाथार मृस्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, इसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक ही और जन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम क्षा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरण लिखित में अस्तरिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर वोनं के अस्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; बाह्र/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भग या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकण व्योपनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या भनुकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बाग था या किया बाना बाहिए था फिपाने में स्थिशं के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) बे सधीन : किस्निलिधित स्पक्तिगाँ, सर्धातः ----

 श्रीमती सुरेन्द्र जीत कौर, पत्नि श्री कीर्ति पाल सिंह नियासी मकान नं 228, सैक्टर 9 ए, चण्डागढ ।

(भन्तरक)

- 2, (1) श्री: नन्द लाल जैन, (ए**च**० यू० एफ़०),
 - (2) श्री नन्द लाल जैम पुत्र श्री तरसे राम जैन,
 - (3) श्रीमती भ्रोमवती जैन, पत्निश्री नन्दलाल जैन,

- (4) परवीन जैन,
- (5) और ग्रानिल जैन,
- (6) राजेन्द्र जैन,
- (7) राकेश जैन,
- (8) श्रो दोनक जैन, नित्रासी महान नं० 1155, सैक्टर 15 बी, चण्डागढ़ ।

(ग्रन्तरितो)

- 3. (1) मैससं जैन कादसं।
 - (2) मैसर्स एटी।लट, गारचीटैक्ट,
 - (3) मैंसर्स हरियाणा वेयर हाउस, कारपोरेशन, एस० सी० भ्रो०, नं० 8, सैक्टर 17-डी, चर्ण्डागढ ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का बहु सूचना बारी करके ्बॉफ्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ग 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगर:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गड़ा है।

नगत्र जी

एस० सी० श्रो०नं 8 का 1/2 भाग, सैक्टर 17 डी, चण्डीगढ़ (श्रयीत् वह जायदाद जोकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़, के विलेख संख्या, 853 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर धायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 10-7-1985 मोहर : प्रस्प आहें.टी.एन.एस. -----

श्रायकर अभिनियम, 196। (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर माय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंजII-, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जुलाई 1985

ानर्देश सं० लुधि०/335/84-85—-श्रतः मुद्ये जोगिन्द्र सिंह श्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उम्रत मिधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मकान नं बं VII-1108 का 1/4 भाग है, तथा जी सराय बन्सी धर, नजके क घंटाघर, लिधवान में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुसून में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रावर्ता श्रिधवारी केवायितय ल्धिवान में परिस्ट्रीय के श्रिधान में परिस्ट्रीय के श्रिधान में परिस्ट्रीय के श्रिधान स्वाधिन विनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्षत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य,, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किश्नत नहुँ किया गया है:—

- (क) वन्तरण संहुइ' किसी बाय की बाबत, सबस विकित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें ब्र्बोबनार्क सन्तरिती ब्र्बारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किसा जाना वाहिए वा किसा के लिए;

भवः तब, अक्व अविभिन्न की वारा 269-म की अन्सरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शि सुख पत राय भ्रम्भवाल, पुत श्री कुंजबिहारी लाल निवासी, कांग्रेस-माई, दफ्तर की पिछली तरफ़ जी० टी० रोड, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रणवीर कुमार गुप्ता, पुत्र श्री बेद प्रकाश निवास। 771, पटेल नगर, लिविल लाइन्ज, लुधियाना।

(भ्रन्तं रतीः)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिसां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, खो सी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाथ निविक्त में किए जा सकोंगे।

स्प्रकृतिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्**स्यी**

मकान नं बिन्पार 1108 का 1/4 भाग, सराय बन्सिन्स्यर, नजदीक घंटाघर, चीक, लुधियाना, (श्रयीत्, वह जायदाद जोकि रिजिस्ट्रा कर्ती श्रधिकारी लुधियाना, के विलेख संख्या, 8084 माह नवम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निर्दक्षण) प्रजेन रेंज, लुधियाना

दिनांक 107 1985 मोहर ह प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जुलाई, 1985

निदेश सं विधाना/336/84-85---अतः मझे जोगिन्द्र सिंह जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है भीर जिसके संवमकान नंव ब -VII, 1108का 1/4 माग है, तथा जो सराय बंसाधर, नजदाक कंटाघर लुधियाना, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्दीकर्ता प्रधिकारी। के कार्यालय लुधियाना में रिजस्दाहरण **प्र**धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांटा नवस्बर, 1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफन के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाबार न्त्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पामा गया क्रिकास. निम्नलिखित उदयोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) वतरण से हुई किसी साथ की वासत, उक्त विधिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे तचने में सृविधा के सिए; और/वा
- (ण) श्रेसी किसी शाय या किसी धन दा बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

बतः वनः उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) को कथीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अधीर श्री श्रमोत कुमार पुत्र श्री कुंच बिहारा लाख निवासी कांग्रेश-ग्राई, दफ्तर की पिछली तरफ, जीविटीव रोड, लुधियाना।

(भ्रन्तरङ्)

2. श्रां मुलतानी राम पुत्र श्रा वेद प्रकाश, निवसी 771, पटेल नगर, सिविल लाइन्स, लुबियाना

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यकाहियां कारता हु।

उक्त स्म्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ट कर स्थानित में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विश्व गया हैं।

अनुभूची

मकाल नं बी-VII-, 1108 का 1/4 भाग, मराय बन्साधर, नजदो हं घंटाघर, लुधियाला, (ग्रथित्, वह आयदाद जोकि: रजिस्ट्राहर्ता अधिहारा, लुधियाला के विलेख संख्या 8085, माह नवस्बर, 1984 के हहरा दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक 10-7-1985 मोहर:

प्रकृष मार्च हो दी, प्रमृद्ध प्रकृत -----

कायकार व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुचना

शाहर श्रीकार

कार्याक्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोंज, 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

कायकर कांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 5164-65, प्लाट नं 15-बी,/17-ए है, जो सब्जी मन्डी, दिल्लों में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुस्ति में शौर पूर्ण क्य से विषय हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लों में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्ड है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखन उच्चेश्य से अपनिम्नलिखन उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखन से अपनिम्नलिखन उच्चेश्य से अपनिम्नलिखन स्वत्य से अपनिम्नलिखन से अपनिम्नलिखन स्वत्य से अपनिम्नलिखन से अपनिम्नल

- (भ) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सावित्य में कमी करने या उत्तवे यथने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में स्थिभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्रिकेन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
14—186 GI 85

- गै० नथन दास सुपुत्र ग्याम चास, निवासी ए-2/24-ए, माडल टाउन, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमलेण कुमारी जैन पत्नो विशाल किती, जन, निवासी बी-एम/172, पश्चिमी शालोमार, बाग, दिल्लो (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन में सिद् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सक्यीत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

ल्बक्कीकरुण :---इसमें प्रयुक्त खब्कों और पद्धों का को अक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिर-भाषित है, वही वर्ष होगा थो उस अध्याव में दिया गया है।

नग्त्यी

प्रो० नं० 5164-65, प्लाट नं० 15-बी/17-बी, नार्थन पिटा, एक्सटेंभन, स्कीम नं० 1, कील्हापुर रोड, सब्जी मन्डी, दिल्ली, तादादी 165.16 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम ग्रिधि हारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रिर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 1-7-1985

मोहर 🗈

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

अवायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार्थ 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर अल्प्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2.

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू-2/एम०ग्रार-1/11-84/738 ---ग्रतः मुझे के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० XIII/7157 है, तथा जो बेरीबाला बाग, विल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीरकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उब्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री राम चन्द, निवासी XIII/7157, बेरी बाला बाग, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री गुरचरन दास, निवासी 1657-1658, हाथी खान, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन करी अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रों नं XIII/7157, बेरी बाला बाग, दिल्ली।

के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 1-7-1985

वाहर 🖫

इस्य बाह् . टी. एन् , एव . - -- -

नाव्यार निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन स्वमा

भारत हरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०-2/एसं०श्रार०- 1/11-84/ 739--श्रतः मुझे के० वासुदेवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 3/12 है, तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण से लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिस्ति में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) कलाइन संबुद्ध किसी बाव की वासद उपत विधि-नियम के अधीन कर्द को से अन्तरक के दासित्व में कमी कर्दने या उपने वजने में सुविधा के लिए; ब्लीड/वा
- (व) एरेडी किसी बाय वा किसी धन या बन्य वास्तिनों को, चिन्हें बारतीय बायक द विभिन्यन, 1922 (1922 का 11) वा उन्त विभिन्यन, वा भव-कर विधिनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

 दि सर्वदेशीक आर्य प्रतिनिधि सभा, (इन्टरनेशनल आर्यनिलग), द्वारा, प्रेसीडेन्ट श्री राम गोपाल शालवाले निवासी रामलीला ग्राउन्ड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रगोक मेहरा सुपुत्र श्री रोशन लाल मेहरा. निवासी 8, वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली। (ग्रन्तिग्ती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त स्वभारित से वर्षाद के किए कार्यवाहियां करता हों!

बक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई' भी बाखेंच:--

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, यो भी व्यक्ति बाद में स्वाप्त होती हो, में भीत्र पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-ब्युथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बभाहस्ताक्षरी के पास मिनियत में किए पा सकने।

स्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

जन्सूची

प्रो० नं० 3/12. वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-4, तादादी 200 वर्ग गज ।

कें वासुदेवन नक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2,, नई दिल्ली

भतः व्या, क्या वीधीनयम को भाडा 269-म की वप्यापन मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 1-7-1985

श्रुक्तपं बाह्_रे टी. एत. एस.-----

कायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

प्राह्म बहुकार

कार्यासन, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

श्वर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1985

निर्देश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू-2/एस०म्रार०-1 /11-84/741—म्रतः मुझे के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1658, गली मदरसा मौर है, तथा जो जुमला बाजार, लाल कुंग्रां, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजर्स्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पृदेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुद्दं किती बाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तक बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आबकर अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सविधा के निए;

श्री पंकज बक्शी मुपुत्र श्री यशपाल बक्शी;
 निवासी 1658, गली भदरसा मीर, जुमला बाजार,
 लाल कुग्रां, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री बिशम्बर दयाल सुपुत्र श्री गोपी चन्द, निवासी ए-1/152 इन्दर पुरी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबच में कोर्ड भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितजबूब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्यहर शक्र के पास निश्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पधाँ का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रभी

प्रो० नं० 1658, गली मदरना मीर, जुमला बाजार, लाल कुम्रां, बिल्ली, तादादी, 86 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

शतः शव, उद्धत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उद्धत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) वे स्थीन, निम्निमियत व्यक्तितमी, वर्षात् :---

दिनांक: 1-7-1985

मोहर् ॥

प्रकृत कार्ड . टी . एन . एस . ------

माध्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नधीन सूचना भारत सरकार

41/0 # (41/

कार्यासम, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2.

W-1-1 (-1 2)

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1985

निदेश सं ० ग्राई०ए०मी०/एक्यू-2/एस०न्नार 1/11 84/743—म्रतः मुझे के० वासुवेबन

बार्क्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्वे इसर्वे पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० डब्ल्यू जैंड 64 (प्लाट नं० एफ 18) है, तथा जो रतन पार्क, ग्राम बमई, द्वारापुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पृत्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से काथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबता, अक्षर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण णे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .-- श्रीमती श्रनारो देवी पुत्री श्री झन्डू सिंह, पत्नी श्री श्रीराम मानव, निवासी एफ-18 (डब्ल्यू जैंड 64), रतन पार्क, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री मदन लाल, निवासी डब्स्यू जैंड-26, रत्तन पार्क, दिस्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्ख्यस्थाधी स्थित्तयों पर सूचना की ताचील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त स्थित्तयों में से किसी स्थित क्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तन्यित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्त्रकाकरणः --- इकमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ववस्यो

हाऊम नं० खब्ल्यू जैंड164, (प्लाट नं० एफ+18); रतन पार्क, ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली, तादादी 146.2/2 वर्ग गज ।

कें वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनोक : 1-7-1985

प्रकार मार्च, टी, एनं , एक . चन्न्यन-----

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भा<u>रत सरक</u>ार

कार्यामय, सहायक नायकड बाबुक्स (निहास्त्र)

ग्रर्जन रेंज-2.

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1985

निर्देश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू 2/एस०श्रार० 1/11-84/ 750--श्रतः मुझे के० वासूदेवन

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269- व में वधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विसका उचित वाबार भूक्य

1,00,000/- रुक्त से अभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० ए-15/1 है, तथा जो राना प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान मितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिशत से मीधक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे जंतरण के सिए तय पाया च्या प्रतिक्त कत जिम्मिनिया उक्षेत्र से उच्छ करतरण सिचित में बास्तिविक रूप से कवित महीं किया गया है :---

- (क) बलायण वेह्न कियों बान की नामक क्या स्वित्तिका के सभीन कर विशे के सम्बद्ध दासिए वी क्यी करने वा वचने बलाये के सुविधा के किए; स्वित्वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्म बास्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर विधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनियन, या थन क्य अधिनियन, या थन क्य अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया यमा वा कि का बाता बाहिए था, कियाने में सुविधा को सिए;

बतः श्रथ, अन्त अभिनियम की भारा 269-म में अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री निरनकार सिंह भाटिया सुपुत्र स्व० सोहन सिंह, एम०श्राई०जी०-2, एम०पी० बोरड हाउसिंग सोसायटी, पोली पत्थर, जबलपुर (एम०पी०)।
- (2) श्री हरजीत सिंह सुपुत्र स्व० सोहन सिंह, रेलवे हाउस, नं० सी०एन्ड डब्ल्यू०-6, लाईन पर, मुरादाबाद,
- (3) श्री भूषिन्बरा सिंह भाटिया, सुपुत्र श्री सोहन सिंह द्वारा भारत इलैक्ट्रिकल्स. लि० रामपुर, हरिद्वार, (यू०पी०)।

(भ्रन्तरक

2 श्री बनारसी लाल कालरा सुपुत्र श्री लाल नारायन दास, निवासी ए-15/1, राना प्रताप बाग, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

्या वह बुचना पारी कारके पूर्वोक्त संपष्टि के बर्चन के सिक कार्वनाहियां करता हूं।

बन्द बन्दरिय से मर्जन के कम्पन्य में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इंड न्यान के रावपन में प्रकाशन की तारीश वें 45 दिन की बनीथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाप की समीव से 30 दिन की बन्धि, जो और नवीथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत तूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब त 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर तृम्पत्ति में हितबह्ध किश्वी वन्य व्यक्ति इवारा मधाहत्ताक्षरी के वास विकास में किए का सकेने।

स्पन्न किन्त : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभावित हैं। वहीं अर्थ होगा को उन्न सम्बाद में दिना नवा है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ ए-15/1, राना प्रताप बाग, दिल्ली, तादादी 350.32/100 वर्ग गज।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक: 1-7-1985

प्ररूप **बाइं**. टी. एन. **एव**.-----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यागम, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश मं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू० 2/एम०ग्रार 1/11-84/ 751—ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं .क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० /6299/1, 6299/2 एण्ड, 6300/1, है, तथा जो प्लाट नं० 1, सब्जी मन्डी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इममे उपायब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्थर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिफिल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त जिथित्यज्ञ के अधीन कर दोने के बंदारक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो. पी अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) धी अधीरः, निम्मीनिश्चित व्यक्तियों, अधीर ⊹∽

- 1 (1) श्री कुन्दन लाल सेठ. सुपुत्र स्व०श्री रोशन लाल सेठ निवासी सी०एग०-363, ग्रेटर कलाश-2, नर्ष दिल्ली ।
 - (2) हरीहर लाल मेठ, श्री रोशनलाल सेठ, निवासी एन-230, ग्रजटर कलाश-1, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमतो कमलेश गिरधर पत्नी श्री कश्मीरी लाख गिरधर
 - (2) शेखर, गिरधर माइनर, सुपुत्र श्री कश्मीरी लाल द्वारा, ग्रिभिशायक श्री कशमीरी लाल, निवासी 5286/87, कोल्हापुर, हाउस, सब्जी मन्डी, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप : --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यों किसी क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास गया है।

स्पथ्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उम्स्य अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय औं दिया गया है ः

अनुसूची

हाऊस नं० /6299/1, 6299/2 एन्ड 6300/1, प्लाट नं० 10-के, कोल्हापुर रोड, सब्जी मन्डी, दिल्ली, नादादी 150.6 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई क्षिल्ली

दिनांक: 1-7-1985

प्रकल् भार्दः दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई दिल्ली 2,

नई विल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

नर्देश सं० ग्राई०ए०सी० /एक्यू-2/एस०ग्रार०-1/11-84/755--श्रतः मुझे, के० वासुदेवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मार 'उसत अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जसकी सं० 86-ए, है तथा जो कमला नगर, सब्जी मन्डी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है

कि यह यभा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) ब्लारण से हुई जिसी बाब की बाबस, करच समितियम के व्यक्ति कर दोने के बल्लुक की सामित्य में कमी करने या चसने बचने में सुनिधा के सिए; बार्ट/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों क्यें जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाना थाहिए था, जिया से स्विभा के सिष्;

बतः अभ, उवल ब्रिशिवक की भारा 269-न के अनुसरभ के, के अभीन, निक्तिशिक्त व्यक्तियों, अभीत् :--- सेठ साहित्र चरन दास प्रलाइज,
 श्री णिव चरन गुप्ता सुपुत्र श्री सुमेर चन्द,
 निवासी 85, माडल बस्ती, नई टिल्ली।

(श्रन्तर∌)

- 7. (1) श्री रिवन्द्र कोहली, सुपुत स्व० श्री कुन्दनलाल कोहली
 - (2) श्रोमतो प्रेम कोहली, पत्नी श्री रिवन्द्र कोहली, निवासी ए-डी/54-बी, गालीमार बाग, दिल्ली-23
 - (3) श्री देविन्द्र कोहली, सुपुत्र स्व० श्री कुन्धनलाल कोहली, निवासी 86-ए, कमला नगर, दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्रेस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के ट्रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्युष् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा स्केंगे।

स्वाहिक एम : -- इसमें प्रधुक्त स्वाहें मृद्धि पूर्वों का, को उक्छ किशिनयस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मूर्य होगा को उस् मुख्याय में दिया मुका है।

वनुसुची

प्रो० नं० 86-ए, कमला नगर, सब्जी मन्डी, दिल्ली, तादादी 260 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 1-7-1985

मोहर 🖫

प्रकल कार्यों हो है पुत्र है पुत्र है के न न जनक

शायकर विधिनवस, 1961 (1961 का 43) की याख 269-म (1) में नभीत स्थाना

भारत बर्धकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2,

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए०सी०/एक्यू-2/एस० श्रार-1/11-84/758—श्रतः मझे के० वास्वेचन,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), नने भारा 269-क के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का जारण हैं कि स्थावर अस्पत्ति जिसका उचित् वाकार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

सी-583, गली नं 011, मजलिस पार्क, दिल्ली खसरा नं 0262/258/217/4, है, तथा जो ग्राम भड़ोला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृश्य से कम के पर्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह निद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बातार मृश्य, सबके क्रवजान प्रतिकल से एसे क्रयमान प्रतिकल का पृष्ठ प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्ति) के बीच एसे अन्तरिक के निए तय पाया गया प्रतिकल, विभागिकित उद्देश्य से उच्त अन्तर्क विश्वित्त में वास्त्रिक रूप से अधिक नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाव की वावर्त, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के सायित्य में क्रमी करने वा उत्तर्ध बच्चे में मृतिभा के लिए अदि/था
- (क) प्रेसी किसी नाय या किसी धन वा बन्स जास्तिको का जिन्हा भारतीय नायकर स्विनित्त्व, 1922 (1922 का 11) या अन्ता जीवनित्रम, या धनकर निर्मित्त्वम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए...था. कियाने में स्विधा के दिवस;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभाग (1) के अधीन , निस्नितिशिक्ष व्यक्तियों , अर्थात् ं—
15—186 GI/85

अी परस राम शर्मा सुपुत्र श्री राम चन्दर शर्मा, निवासी-216, टाईप-2, डैसु कालोनी, जनक पुरी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती उमा शर्मा पत्नी श्री लक्ष्मण दासं शर्मा, निवामी बी-13/5ए, कृष्णा नगर, दिल्ली।

(भ्रन्ति)

को वह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के फिए कार्यनाहियां करता हुं।

बक्त सम्बद्धि के कर्जन के संबंध में कोड़ भी बाह्येय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकायन की हारीय से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की ज़िमीस से 30 विन की अविधि, जो भी क्विध नाम के समान्त हांची हो, के भीतर प्रवेशिक कावितयों में से किसी काविक दवाच:
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीक है 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हित-बच्च किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पस निवित में किए का सकेंगे।

स्वक्षीकरण क्रिसमं प्रयास्त सकतों मीर पवाँ कर, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में वधा परिभाविक ही, वही अर्थ होता जो जस अध्याय में दिका मेवा है।

मम्बुची

प्रो० नं०सी-583, गली नं० 11, मजलिस पार्क, दिल्ली, खसरा नं० 262/258/217/4, ग्राम भड़ोला, मजलिस[ं] पार्क, दिल्ली, नादादी-111 वर्ग गज।

> कें वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंच-2.

दिनांक: 1-7-1985

घोहर अ

प्ररूप आहे. टी. १३. एत

नामकाह निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन भृष्टना

नारत सरकार

कार्याज्ञ , सङ्घायक भागकार जागुक्त (निर्याज्ञक)

श्चर्णन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली. दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/11-84/ 534---- श्रतः मुझ, के० वासुदेवमन,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अपीन सभाभ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाचार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 203, है तथा जो ए०-5 एण्ड 6, रनजीन नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपत्ति का उपित जिला मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल के शब्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया गितफला, जिम्निलिशत उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त जिल्लीमधम के अभीत कर दोने के बन्तरक के वायित्य में कमी ,क्दर ना उबसे क्यने भें सुविधा के सिए; जौर/धा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य ब्रास्तियों को विन्हें भारतीय नायकर नहीं किया, 1922, (1922 का 11) या उनत निधिनयम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के किए।

कतः जयः, उपना विभिनियम की धारा 269-ए को वन्सरण मो, भी, उपना अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) इ अधित, रिरामिलिकित व्यक्तियों, वर्णात् हरू 1. मैं विश्वा प्रोपर्टीज (प्रा०) लिं०, चौथी मंजिल, सीतला हाउप, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)

 मै० गगित कन्स्ट्रक्यान कम्पनी, डब्ल्यू०-49, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करकी पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त संपत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी नामांप :---

- (क) इस तूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूमना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्थितयों में से किसी स्थित बुबारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपति मेथ हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गदा हैं।

नगत्त्वी

बुकिड प्लाट नं० 203, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग-ए०-5 एस्ड 6, कम्यूनिटी सेंटर, रनजित तगर, नई दिल्ली; ताबादी--497 वर्ग फिट।

> के० वामुदेवन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-7-1985

मोहर 🤋

प्ररूप आई .'टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-व (1) की अधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (रिपरीक्रक)

भ्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गमा है), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- क से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 201, है तथा जो ए-5 एन्ड 6, रनजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख नयम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए जन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्याल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का जा जा जा आहा गुजार कृष्य , उसके दूरयमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जब्देय से जानतरण जिल्लारिक कप से अधिक नहीं किया गया है किया गया है किया नहीं किया गया है किया नहीं किया गया है किया गया गया है किया गया है

- (क) अन्तरम ते हुइ किसी बाव की आवत, उपत अधिनियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के वासित्य में कमी कारने या उससे क्याने में अधिका के हिए; और या/
- (भ) एची किसी बाव या किसी भन या बन्ध अस्तियाँ क्ये, जिल्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थल अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, जिना में त्विभा के जिल्हें;

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिखिक व्यक्तियों, वर्धीक ८──

- मैं० विश्वा प्रोपर्टीज प्रा० लिं०, भौथी मंजिल, गीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- मै० प्रगति कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, डब्स्यू०-49, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जाड़ी कड़के प्रतिभक्ष संगरित के धर्चन के विद्य कार्यग्रहियों करता हुए।

उन्त सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बृजिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दानील से 30 दिन की व्यक्ति सो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्मिन्त इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटबबूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में जिस्स वा सकांगे।

स्पाक्षीकरणः -- इसमें प्रवृक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याद 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विका नवा है।

मन्त्र पर

बुकिड प्लाट नं० 201, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग नं० ए०-5 एन्ड 6, कम्यूनिटी सेंटर, रनजीत नगर, न**ई विल्ली,** तादादी 637 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-7-1985

मोहरू 🖫

प्ररूप बार्च टी एन एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/11-84/536--ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ▲ 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 204, है तथा जो ए०-5 एन्ड 6, रनजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री- कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961, के श्रिधीन, तारीख नयम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए

असः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० विश्वा प्रोपर्टीज प्रा० लि०, चौथी मंजिल, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मै० प्रगति करूद्रमधन कम्पनी, डब्ल्यू०-49, ग्रेटर कैलाध-1, नर्ष विल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति विष्टि व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विष्टि विष्यक्ति विष्टि विष्यक्ति विष्टि विष्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्टि विष्टि विष्यक्ति विष्टि विष्यक्ति विष्यक्ति विष्टि
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 , विन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रमुसुची

प्लाट नं०-204, मल्टी सटोरी बिल्डिंग नं० ए-5 एन्ड-6, कम्पूनिटी सेंटर, रनजीत नगर, नई दिल्ली. तादादी 692 वर्ग फिट।

> के० वासुद्रेवन सक्षम अधिजारौँ सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-7-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भाषकर नेभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर वायुक्त (निरोक्कण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

निषेश सं० भ्राई० ए० सी ०/एक्यू०/2/37-ईई/11-84/ 537--भ्रतः सुक्षे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 202 है तथा जो ए०-5 एन्ड 6, रनजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित है. (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे घणित है), रजिस्ट्री-कर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर ध्रधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नमम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य में क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रमा गया प्रतिफल, निम्निस्थित उष्टेश्य से उन्तर अन्तरण जिला में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई (कती बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के बन्तरक के वासित्य में कभी करने ग़ा उससे बचने में सुविधा के सिद; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खिपाने में के सिक्ट;

अतः अब, उक्त अधिनिधम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मै० विश्वा प्रोपर्टीज प्रा० लि०, चौथी मंजिल, शीतला झाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं प्रगति इस्टेट मैंनेजमेंट कम्पनी, प्रगति टावर, 26, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्णन संबंध में कोई भी बाध्येप ह—

- (क) इस स्प्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की सामीस से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (प) इत स्थान के राष्ट्रम में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कम्ब स्थिति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकति।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और दशों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ब्ध्याय में दिया नया

नगरा जी

प्लाट नं 202, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग नं ए०-5 एन्ड 6, कम्यूनिटी सेंट्र, रनजीत नगर, नई दिल्ली, तावादी 473 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-7-1985

मोहर 🖁

प्रकृत नाइ^क, टी , एव , एस , -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ(1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्योक्तन) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/37ईई/11-89/539 यत:, मुझे, के० वास्देवन,

इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित अजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट तं० 302, ए-5, एन्ड 6 है तथा जो कम्यु-निटी सेंटर, रणजीत नगर, मई दल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन नम्बबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वक्राव शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र दाजार भूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे अव्यमान प्रतिफल का पेड्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरिण के निए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्शब्द से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप में किथल नहीं किया गया है :--

- (क) मनारण सं इत्रं निजी बाक् की बाबस, उनक्ष बाजिनक के नवीन कर दोने के ब्रुक्ट्रक को बाजिए में कभी करने वा उन्ने न्यूने में सुनिधा के सिक्श कोट/वा
- (क) एंसी किसी जाप या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन्-कर अधि-दिन्म, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिये था. कियाने में सविधा से लिए;

बर्धः भव, उक्त विधिनियम की भएरा 269-न के वन्धरण वो, भी, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) वे वभीन, निम्मसिविध व्यक्तिकारों, वर्षात् ६—— (1) मेसर्स विषवा प्रोपर्टीज, प्रा॰ लि॰, चौथो मंजिल, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती पुष्पा बाई, निवासी 190, जवाहर नगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को नह तुचना बादी करके पूर्वीक्स सम्बद्धित के बर्जन के जियु कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वेक्ट प्रक्रिता में से किसी व्यक्तित हुगारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए वा सकेंगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पृश्वों का, यो उनल अधि-नियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हो, नहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

बुक्तिख प्लाट नं० 302, मल्टी स्टोरी, बिलिडग नं० ए-5 एन्ड 6, कम्युनिटी सेंटर, रणजीत नगर, नई दिल्ली, तावादी 473 वर्गफीट।

> कें० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयर्कर आयुक्त (निर्रीक्षण) अर्जन रेंज⊶2, नई दिल्ली

दिनांक : 1-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्य टी, एन, एस. ------

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीत सूचना

बाइय करका

कार्यालय, तहायक भायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/37ईई/11-84/ 540--यत:, मुझे, के० जामुदेवम;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार भूक्व 1,00,000/~ रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 301, ए-5 एन्ड 6 है तथा जो कम्युनिटी सेंटर, रणजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुमुची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के जार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नवस्वर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्विषय से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आगमत तिभिनियस, 1322 (1922 का 11) था उक्त अभिनियस, या भनकार अभिनियस, 1057 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ अन्तिरियस, विश्वा द्वारा प्रकट नहीं किया निया का या किया काना नाहिए था, जिन्याने में पृथिका के लिए;

(1) मेसर्स विश्वा प्रोपर्टीज प्रा० लि०, चौथी मजिल, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री पदम चन्द, निवासी 180, एम० टी० क्लाथ मार्कीट, इंदौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को न्अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकरेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम, के अभ्याम 20-क में परिशासित है, वही अर्थ होगा, जो उस जध्याय में दिया प्याही।

अन्सूची

प्लाट नं० 301, मल्टीस्टोरी बिस्डिंग, नं० ए 5, एन्ड 6, कम्युनिटी सेंटर, रणजीत नगर, नई दिल्ली, तादाधी 637 वर्गफीट।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

ं जतः अवः, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

दिमांक : 1-7-1985

मोहर 🛭

प्रारूप आहु . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रम्भवाल हाऊस्, 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985 निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्मु०/2/37ईई/591/11-84/ अतः मुझे के० वासुदेवन

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके गरुवात् 'उचत् अधिनियम' कहा बना ही, की धारा 269-मू के ज्योग बनाज शिक्यादी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावद बन्नीस, जिस्का उचित् बानाइ मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० स्पेस नं० 2, है तथा जो ए०-7-8-9, कम्युनिटी सेंटर, रनजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्नोक्त संपत्ति के जीवत बाबार भूक्य से कम् के व्यवमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संस्पित्त का जीवत बाजार भूक्य उसके व्यवमान प्रतिकत ते, दोने व्यवमान प्रतिकत्त का पन्त्रह प्रतिकृत से निभक है जीर बन्तरक (बन्तरकों) जीर बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच दोने बन्तरक बन्तरकों तब बाबा जवा प्रतिकल, निम्नलिविश उद्देश्य से खन्त बन्तरक मिनिक में बाल्तविश्व क्य से ब्रिक्त नहीं विश्वा वंदा है है—

- (क) जन्तरण से हुई फिसी गांव की वावस, उक्त वृधिनियम के वशीम कह दोने के जन्तरक के शावित्व में कभी करने या उसने बचने में बृविधा के लिए; बीए/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविभा खै जिए:

(1) मै० आर० सी० सूद एन्ड कम्पनी,
 ईरोज मिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन नई
 दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एस० साहनी सुपुत्र श्री के० एल० साहनी, श्रीमती सुमन साहनी, पत्नी श्री पी० एस० साहनी, निवासी—34/10 ईस्ट पटेल नगर, नई दिस्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की ताबीब से 13 दन की जनमि या सत्त्रंबंधी व्यक्तियों पूर स्थान की सन्त्रील के 30 हिला की क्वरिय, को की कार्यि कार में स्थान्य होती हो, में भीतार पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थान

न्याक्षिकपण:—इतमें प्रवृत्ततः सन्यों गरि नवों का, को उनल श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिधानित हुँ, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में विका न्वा हुँ।

अनुसूची

स्पेस नं०-2, बेसमेंट फ्लोर, सम्राट भवन प्लाट नं० ए-7-8-9 कम्युनिटी सेंटर, रनजीन नगर, नई दिल्ली, तादादी-324 वर्गफीट।

> कें० वासु**देव**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, न**ई** दिल्ली

जतः जबः, उक्त निर्धानयम की भारा 269-ग के अनुतर्भ जो, मी जक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निय्नलिनित व्यक्तित्यों, नर्भावः :---

दिनांक : 1-7-1985

प्रकथ आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निर्दालक)

अर्जम रेंज--2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यु०/2/37ईई/11-84/ 542-अत: मुझ के० वासुदेवन

आयकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्लात 'उकत तथिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख को अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिमकी मं० स्पेस नं० 1, तथा जो ए-1/3, नाईबाला बाग, आजादपुर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इमने उपाबद्ध अनुमृची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिन्यम 1961 के अधीन नारीख़ मवस्वर 1984

को पूर्वीकत सम्मित्त को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्ति सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिमन्त्र , निम्नीनिस्तित उन्नदृश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वारगनिक रूप से किथा गुंधा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के सिए;

अत: लब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीर जिस्की प्रतिशत व्यक्तिमों, अर्थात :—— 16—186 GI/85 (1) मैं आर० सी० सुद एण्ड कम्पनी लि० ईरोज सिनेमा विल्डिंग, जंगपुरा एवसटेंशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सोभन जैन सुपुत्र श्री बुधामल जैन, नियासी 657/3, पटेल रोड, अम्बाला मिटी, हरियाणा (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य विकत द्वारा अधोहस्त्रगक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षतीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उन्त अभिनिजन, के अध्याय 20-क में पिक्सिवित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा हैं।

अ**न्सूची**

स्पेंस नं 1, बेसमेंट, फ्लोर, प्लाट नं 1/3, मानीवाला; बाग, आजादपुर, दिल्ली, नादादी 305 वर्गफिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 1-7-1985

प्रस्त्र सार्वे हो । १५ । एट । ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की यात भरित होता से हत्येत संहत

RIVE STREET

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (रिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/11-84/ 543-- श्रतः मुझे के० वासुदेवन

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा एया हैं। की भारा 269 क के लधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करते का कारण है है। स्थानर संतिल दिक्षरा नीचल गावार अस . 1,00,000/- एत. से **अधिक हैं**

ग्रीर जिसकी सं० हाउम नं० 3/16 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (शौर इससे उपावद्व अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-नियम 1961 के प्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिद बाजार माथ से कम के इश्यमान प्रतिष्ठल में लिए बलारिए " अर्थ हैं के एके एह विस्तान करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुख्य प्रस्के दश्यमात्र पतिष्क्ष्य ए एके ह्याप्पार क्रिकेट का बन्बुह प्रतिकास से अभिक के और शंतरक (अंगरक) और वंतरिती (अन्तरिक्ति) वे बीच कोर्ट अवस्था ने विष्णु का प्राया अध्य प्रतिकार विकासीय एक एक के जान कर के लिए के वार् भारतिका १७ वे विभिन्न प्रारंतिका सम्म हो 👵

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक शिक्तिय में कमी करने या उसने रकने में अविना के निमा: बीच /ता
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) टा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधितियस, 1947 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिंगी इटारा प्रयट नहीं किया गया था या फिला कर रहिए था, छिपाने में , . . . 5 Garage :

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिंग्ति व्यक्तियों, न्त् :--

- Section (as the second section of the section of th (1) श्रीपती मोहिन्दर कौर, पत्नी श्री सूजान सिंह, निवामी: - 3ईस्टरन एवेन्य, महारानी वाग, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
 - (2) 1. श्री भ्वत चन्द्र चलका, (2) श्रीमती राजकुमारी चावला, (3) श्री बहादर चन्द चावला (4) मास्टर पंकज चावला, निवासी-133, प्रसाद नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुक्त आरो करके एवें किन नग्पीन के अर्वन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क 45 विन की अभीध या तत्यं बंधी व्यक्तियों पर सुचना की शामीन से 30 दिन की नविध, जो भी कर्मां बाद में हमाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक लाजितमां में से दिसी खिला स्वारा;
- (ह) ह**द रूपमा के राक्यम में प्रकारन की तारीय** सं 45 दिन के मौतर उकत स्थावर नम्मित्त में हिस-बद्दम किसी जन्म व्यक्ति दुवारा संघोद्धस्तासरी के राह विश्वास में किए का रहेंगे ।

लाह्य कि रण:--- इराजे अयक्त अन्यः और पर्दो का, यो उन्ह विभिः नियम के अध्याब 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ हाँगा. जो उस अधाय में दिया गयः 3 t

ग्रनुसूची

हाउस नं० 3/16, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, (नार्थ) रोड़ (साउथ), सर्वीस लेंन (ईम्ट), हाउस नं० 3/17, (वेस्ट) हाउस नं० 3/15, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो, तादादी 200 वर्गगज।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 1-7-1985

क्षत्र दर्गे, दी, एत. एव. -----

वाधकर विधानसम्, 1961 (1961 का 43) की धारा २८५ र (1) के अधीन मुकला

भारत सरकार

शायालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० म्राई० ए.— सी०/एक्यु०/2/37ईई/11-84/543 म्रतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है), की भार 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2657 प्राईवेट सोप है तथा जो 21 एन्ड 55, सदर थाना बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयस 1961 के ग्रजीन नारीख नवम्बर 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि दश्यमान शितफ ल को करने का कारण है कि दश्यमान प्रतिकाल को लिए उपायक प्रतिकाल को कारण है कि दश्यमान प्रतिकाल को कन्द्र प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित का विन्तरित जिल्ला को अन्तरिक लिए तय गर्या गर्या विन्तर की विम्तरित को विन्तरित की प्रतिकाल की लिए तय गर्या गर्या विन्तर की विम्तरित की विन्तरित की किस्तरिक की विम्तरित की विम्तरित की किस्तरिक की विम्तरित की विम्तरित की किस्तरित की किस्तरिक की किस्तरिक की विम्तरित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की यावत उक्त विध-नियस के वधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व के कभी करने या उससे व्यने में मृतिधा, के लिए; बॉर/या
- (ब) एती किसी जाम या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अितनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तरियों द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के विकार

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री रमेश तुपुत्त श्री सुन्दर दास, 91 वार्डन रोड़ बाम्बे, श्री हरदयाल पुत्र श्री तोला राम, निवासी 8ए, 1 बोरीना 154 क्वीन रोड़, वाम्बे, श्री चन्दन पुत्र श्री नुन्दर दास, निवासी 31, वार्डन रोड बाम्बे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नवल किशोर बजाज, सुपुत श्री तारा चन्द सी-27, श्रानन्द निकेतन, श्री जान श्याम सुपुत श्री तोला राम, निवासी 8ए, कर्माशयल रोड़ बाम्बे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अया तिला करता हुँ।

नकत सम्पत्ति के एवंट के गव्यक्त वे कोई भी आक्रंप --

- (क) इर जुमना के शामरण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्स्वकानी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि नक में समाप्त हार्ता हो जो जीतर प्रजेकन का समाप्त कार्ता को जीतर प्रजेकन कार्यकाओं में के सिमरी कार्यक रहारान्
- (ख) इस सूचना के राजपत माँ प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संपत्ति माँ हिता। बद्ध क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया

ल्फ्डीकरण . - ्यम १८२९ शका और पर्दो का, **को उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहां नर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्या होंग

बन्सची

वैरिंग म्युनिसिपल नं० 2657 प्राईवेट सोप नं० 21, एन्ड 55, ग्राउन्ड फ्लोर, प्राईवेट प्लाट नं०—4 वार्ड नं० 14, सदर थाना रोड़, सदर बाजार, दिल्ली, तादादी 42.22 वर्गगज ।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-7-1985

मोहर 🕄

प्रकथ काही. ट्री. एस., एस., व ८ ० ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूखना

भारत सङ्ग्लार

कार्यालय, सहायक नायकर वायुक्त (निद्रीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाट्ट 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/37ईई/11-84/ 543बी---ग्रतः मुझे के० वासुदेवन

आधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन अजन आधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृस्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० बी पी०-104 है तथा जो शालीमार बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाद्ध श्रनुसुची में स्रौर पूर्ण रूप संवर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पुर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथगपूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाव की बाबतः, असक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उच्च वचने हैं हुविया के किए। सार्थित
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया जे सूर्विभा के लिए;

बतः बंब, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (1) ले वभीन, निम्नीजिखित व्यक्तियों, ार्यात् क्रिक्त (1) श्री सन्त राम ग्रानन्द द्वारा ग्रभिभावक विक्रम कपुर, एडवोकेट, 6, चन्दर लोक इन्कलेव, प्रीतम पुरा, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दर्शन कुमार श्ररोड़ा, 1/242, गली पन्जा सराफ, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🐎---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मच्याना व्यक्तियां पर सूचना की तामील रो 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र सें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्थान में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहण्याक्षरी के पास सिवित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याण को निया गया है।

पनुसूची

प्रो० नं ० बी० पी०/104, शालीमार बाग, दिल्ली।

के० वामुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक : 12-7-1985

ह्रक्ष बाह . टी.. एत ह्र इ. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाख 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3 588--ग्रत:- मुझे ग्राइ० पी राजेश,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षय प्राधि शर्श को, यह चिरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाबार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एस०-480 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित्र बाजार मूस्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित क गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्ध्यमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बाच एंच बंतरण के निए तय शया गया प्रतिक्क का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है द

- (क) बन्तरण संहुर्शिकसी बाय की बानतः, उक्त बीधिनियस के बधीन कर दोने के बन्तरक के कासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए; जीड़/बा
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

कतः तथा, उकत किंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मी उथत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) का प्रमुख्य किंग्यालिक व्यक्तियों, अभाति क्ष्र- (1) मैं इन्डियन भ्रारचीश्रोलोजीकल सोसायटी, द्वारा डा० एस० पी० गुप्ता, ट्रैजरर, पुराना किला, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं व्युनिवर्सल प्रोपर्टीज लि०, द्वारा सन्तोष कुमार कन्हाई, 24, ग्रार० एन० मुखर्जी रोड़, कलकत्ता-1 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपीत्त के वर्चन के सिध् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कें।ई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. की भीता पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रुग्यित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरतांक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे!

श्वध्योकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्श का, जो उवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होगा जा सम के एक में दिया गया है।

वन्स्ची

प्रो० नं० एस०-480 ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 550 वर्गगज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्कन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 2-7-1985

मोहर 🥫

काबकाः कर्ष्यार म 1951 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू 1/एस० आर०-3/11-84/ 592--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवने इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अबदि सम्मति, जिसका उचित बाकार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसेकी सं० सी-1/175 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थिन है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास अपने का कारण है कि अश्रमान मंपित का उचित बाजार मृत्य असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त- दिक रूप के कीश नहीं किया नवा है:---

- हैंक) मन्तरक ने हुई किसी मान की वाबत,, उक्त मिनियम के मधीन कर दोनें की जन्तरक कें दिवल में कबी करने या उत्तरे वकने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बरार, इब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के बन्बरक हो में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियमों, अर्थात् ह (1) श्री जगदीय पन्दर सुपुत स्वर्गीय श्री काला राम, निवामी—सी 1/175, लाजपत नगर, नई दिल्ली, कन्मटीटचुड स्पैशल अटारनी श्री हरीश राज, सतीश चन्द, तिलक राज।

(अन्तरक)

(2) श्री फकीर चन्द सुपुत्र स्व०श्री नारायन दास गुलाटी, नियासी आई०-1 एस० टी०/87, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द संपत्ति कं अर्जन के लंबध में कोई भी जाक्षय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गक्षा है।

कम् भ

प्रो० बैरिंग नं० सी-6/173, तादादी 100 वर्गगज, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक जाब हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 2-7-1985

मोहर 🖁

प्रकार बाह्य है। एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुवशा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृष्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिनोट 28 जुन 1985

निर्देश सं० आई० ए० नी०/एनप्०/1/एप० आर०-3/ 11→84/594→-अनः मृत्री, जार० पी० भारीण,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें** इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का **कारण है** कि स्थावर संपति, जिसका उचित दाबार मूल्य 1,00,000/-रः. से अधिक ह**ै**

श्रीर जिसकी सं० एम-58 डै तथा जो ग्रैंटर कैलाण, नई दिल्ली में स्थित हैं (भीर इतने उपानक पनुस्ची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिकिट्टी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिम्ट्रीकरण अधिशियम 1908 (1908 का 16) के अवीन वारीख पलभ्बर 1984

की पूर्वीवत सम्पत्ति के जिल्ला तालार गल्य में कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरिङ को गई है और सुके यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाण में किए संपत्ति का उचित बाबार बुल्य उमके अध्मार पंतिकात में एति द्धानान प्रतिफान का बन्दह प्रसिक्षत में अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकाँ) और बन्त-**पि**ली (राम्परिते के की की कोड़ कर्म किराग के लिए तथ पाया गरा प्रतिफल, निम्निनाक्षर **उद्दर्श**स्य से उवत अन्तरण सिधित में भारत[बन्ध रूप से फर्मित प्रशृ∏िक्या बना हैं ह—

- (क) अंतरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, उक्त निविधितम के बधीन कर दोने के जलारण क शक्तिक के कार्री रूपने या उत्तर संवयने के पुलिक्षा है नक स्थाप
- (क) एंसी किया काव गा किसी धन गा वस्य अगिन्तका को विरुष्ट भारतीय पायतार अधिनित्तम, 1522 (1922 का. 11) 'र पायट अभिनियम, या भनकार मिश्रियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती दुबारा शंकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

बत. अब, एक्त अधिभियम की धारा 269-ग के <mark>अन्</mark>यरण में. मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) 💐 क्रभीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, स्थाँस 🖘

- (1) श्री एप्यक्त में प्रत्याल सुपुत्र एवं० श्री सोटा सिंह, निजासी-जन्म, एम० डी० एम० ई०-2, नई दिल्ली इ
 - (2) श्री डी० डी० अर्पा स्तुत श्री दानन रामः नियामी डी--ा १ पंतरीय एट उलेव, पहे दिल्ली । (अारिनी)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मं ३ तकान की तपरीख से 45 दिन की अवधि भारतभ्यं भी स्वित्यों पर स्चराकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समात होती हो। को भी है। पूर्वेकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित त्वाराः
- (वा) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्हेंन स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त क्रव्दों और पर्दों का, जो उक्त मिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता जो तन अध्यास में विदा गवा है।

अनुसुची

ष्लाट नं ० एम० - 58, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली, नादादी 247 वर्गगज।

> अप्रवर्गा व राजेश नक्ष**म** पाविष्यारी सहायक आयकर आयकः (चिरीक्षण्) अर्भभ रेंज⊶1, पर्ड दिल्ली

दिनांक : 2-7-1985

ज्ञोहर ७

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1985

निदेश सं० आई० एस० सी०/एक्यू०/ 1/ए० आर०-3/ 1 1-84/ 595-अत: मुझे आर० पी ० राजेश

आयकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. ये अधिक हैं श्रीर जिन्ही सं० आई० डी०/75 है तथा जो लाजपत नगार,

ग्रौर जिन्की सं० आई० डी०/75 है तथा जो लाजपत नगार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ो विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्णय के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का उपित इस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्णत से एसे दृश्यमान प्रतिष्णत का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्णत निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एए से अविका गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) सूरज प्रकाण खन्ता, निवासी-एच-75, करमपुरा, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) असाद उल्लासाह गुनाम रसूल, मन्जूर अअमद साह, ग्राट, फारुख अहार नाइ, निवासी—आई०डी०/75 लाजपत नगर, नई दिल्सी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताबीत हो 30 दिए की अविधि, जो भी अविध बादों में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति यों मों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्रो० नं आई० डी०/75, लाजपत नगर, नई दिल्ली, तादादी 100 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली अ

अतः उक्ष, उक्त अधिनियम की धारा, 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखा व्यक्तियों, अर्थात :--

दिनांक : 28-९-15.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०~3/

11-85/596--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 16, नेशनल पार्क/एन० एच०-4 है तथा जो भाग-4, कालोनी लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख नवस्बर 1984

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से एसे छ्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
17—186G1/85

- (1) श्रीमती पत्या रानी पत्नी स्व०श्री लक्ष्मन दास. निवासी-16, नेशमल पार्क, लाजपन नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री जगदीश राज मेठी, सुपुत्र स्व० श्री मुलतानी राम, निवासी जी० आईप नं० 591, श्रीनिवासपुरी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त रुखों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

ग्रनुमूची

16 नेशनल पार्क/एन० एच०--9, कालोनी लाजपत नगर, नुई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षंण) अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली

दिनांक : 2-7-1980

प्ररूप आहें. टी. एन. एस्। -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मई पिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1985

निवेश सं० आई० ए० सीं०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/ 11-84-597-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० एम०-178 है, तथा जो ग्रैटर कैलाश-21 मह विल्ली में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) अजिल्ही कर्ना अधिकारी के कार्यालय नह विल्ली में रजिल्ही करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक नवस्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया बाया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः उ.व., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती रेनु जुनेजा, निवासी→20, बंगला रोड़, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्वर कान्ता, निवासी-ए-2/35, सफदरजंग इन्कलेव, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद से समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सम्भना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एम-178, तादादी 300 वर्गगज, ग्रैटर कैलाण. नई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 2-7-1985

्यक्य कार्यः, टी. पुन्, एस् _{अस्टनस्थनसम्बद्धाः}

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुधीन सूचना

बार्व ब्राया

कार्याजय, सहायक भायकार वायुक्त (निराक्षण)

र्जन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1985 निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/ 11-84/598--अतः मुझे, आर० पा० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एस-43 है तथा जो ग्रेटर फैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसुममें भीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकार। के कार्यालय भ्रजन रेंज नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख नवस्वर 1984

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अत्रय के लिए त्य पाया गया प्रतिक्त कम, निस्नितियों उद्दर्श्य से उस्त मृत्यरण मिलित में बास्तिविक कुप से कथित नहीं किया प्या है है--

- (क) जन्तरण संहुदं किसी नाम की नासत, उनत ज्ञितियम के सभीन कर दोने के सम्बद्ध के दानित्व में कनी करने ना उससे नज़ने में सुनिधा के जिए; आंड/ना
- (व) एंबी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य वास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय नाथ-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धवकर व्यक्तिविवन, 1957 (1957 का 27) के प्रचाबनार्थ वन्तिरित व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्ह;

बतः का, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गुरिविन्दर सिंह खुराना ग्रीर देविन्दर सिंह खुराना सुपुत श्री श्रवतार सिंह खुराना निवासी कि 21ए, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ऽ

(अन्तरक)

(2) में ० मोहित कम्स्ट्रक्शन (प्रा) लि० 38/4 ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

(अन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी वासीप ⊱

- (क) इस ब्रुवन के राज्यत्र में प्रकावन की तारीच से 45 रिवन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की नविभ, को औं नविभ वाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी कम्प न्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाक निकित में किए जा सकोगें।

स्पव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस बच्चाय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर। प्रो० नं० एस-431 ग्रैटर फैलग-2, नई दिल्लो, तादावी ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक : 28-6-1985

प्रकर् वार्'. थो. एन्. एस. :=---:=

बागकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के बधीन धुवना

STATE AND A

कार्यज्ञ , सङ्घावक जावकार जान्यत (गिर्याजा)

श्चर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०-3/ 11-84/599--श्रतः मझे, श्रार० पी० राजेश

वानकर वरिश्नितम्, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें पश्चात् 'उनत वरिश्नियम' क्ष्म् नथा हैं), की वाड़ा 269-च के नचीन समाम प्राधिकार्डी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका जीवत नानार मूल्य 1,00,000/- रह. से निधक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन तहसील महरोली नई विल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख नवस्बर 1984

को पूर्वोक्य सम्मित के उचित वाधार मूम्य से कम के स्वयमान गितफस के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाधार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिकाल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नितिसित उद्योग्य से उक्त क्लरण विचित में वास्कृषिक रूप से किन्त नहीं किया गया है है—

- (क) विचारण वे हुई फिली नाथ की वाधर, इक्ट विधिष्मत के अधीन कर की के सन्दर्ध के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी नाम या किसी भन या नन्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय नाम-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत निवियम, वा जन-कर निवियम, वा जन-कर निवियम, वा जन-कर निवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ नन्ति हिसा गया जा या किया नामा नाहिए था, क्रियाने में जीन्य। के विवा

कता वय , उपत विभिन्निक की भारा 269-म श्री अनुसरण में , में उसत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निल्सित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री होशियार सिंह एलियसहोशिरे सुपुत्र श्री कालया निवासी ग्राम बिजवासन नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

(2) मैं । घंक्ली टावर्स श्रीर इस्टेट (प्रा) लि॰ 115, श्रन्सल भवन 16, कस्तूरबा गांधा मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करको पृथीकरा स्वन्यत्ति के वर्जन की लिए कार्चशाहियां करता हूं।

बाबत संपत्ति के बार्डन के संबंध में कार्ड भी नासीय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवीं या त्रसंबंधी जिन्सा पर स्वा की धामील से 30 दिन की अविधि, जो भी संबंधि बाद में समाख होती हो, के मीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी सन्य स्थाबत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ति कित में किए जा सकींगे।

स्वत्यक्रियः — इसमें अयुक्त क्वां नीर पर्वो का, को उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

मन्सूची

कृषि भूमि, तादादी 19 बिषे और 6 बिस्वे; खसरा नं० 175 मेन (10-96) ग्राम बिजवासन, तहसील महरोली, नई दिल्ली '

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निर्मक्षण) म्रजन रेज-1 नई दिल्ली

दिनांक : 2-7-1985

मोहर 🔞

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेण सं० ग्राई० ए० सी०/एनपु०/1/एस० ग्रार०-3/

11-84/600--अतः मुझे झार० पी० राजेंश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जी-1/2, है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुन्नी में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्बर 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री धरमबीर गुप्ता, सुपुत्र श्री बाला राम, निवासो-जा-1/2, लाजपत नगर, नई दिल्लो। (भन्तरक)
- (2) (1) श्री विश्वानाथ शर्मा सुपृत्न श्री देवी दास शर्मा (2) श्रीमती कमल शर्मा, पत्नो श्री शक्ति नाथ शर्मा,

निवासी एच-1/55, लाजपत नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बने हुए सरकारी क्यार्टर नं०-जी०-1/2, तादादी 100 वर्गगज, लाजपल नगर, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्राजन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 2-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 जुन 1985

निवेश सं० भ्राई० ए० सी० /एम्यु०/1एस० भ्रार०-3/

11-84/601--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पदचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000∕- रः. से अभिकि हैं।

धीर जिसकी सं० एस-312 है तथा जो, ग्रैटर कैलाश,-2, नई विल्लो में स्थित है (भीर इससे उपाधद्ध धनुसुने। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ती धिधकारों के कार्यालय नई दिल्लो में रिजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवस्थर, 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो गुरप्रीत सिंह सुपुत श्री तिलोचन सिंह, निवासी-5/21, रूप नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार कलयानो सुपुत्र श्री सीता राम कलयामी, श्रीमती चन्द्रा मानी कलयानी, परनी स्व० श्री सीता राम, कलयानो, श्रीमती मैंजुला कलयानो पत्ना श्री शिव कुमार कलयानो, विनवासी—दीन बाजार, पोस्ट एन्ड जिला जलपागुरी, द्वारा ग्रटारनी श्री शिव कुमार कलयानी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, शो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एस-318, तादादी 300 वर्गगज, ग्रैटर कैलाश, नई दिल्ली।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 28--6-1985

मोहर 🔣

प्रकल कार्यं, दी. एत. एस. 🗩 🕞

भायकड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारत 269 में (1) के अधीन सुचना

बाइद ब्रह्मा

कार्याज्य, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जम रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—3/ 11—84/602—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

बायका है विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इक्कों इसको परवात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्वावर क्यारत. विश्वका उचित वाचार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एम-71 है तथा जो प्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भ्ल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एमें स्वयमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रति-क्ष निम्निश्चित उद्देशिय से उक्त जन्तरण में निकित नास्तिण्य अप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बलाइण वं हुइं (क्विंदी शाय की बावत उथक अधिनियम को अधीय बाद दोने के बलाइफ को अधित्य में कृती कुछने या उत्तरों वयने में तृतिथा के लिए; बीड्/या
- (व) ऐसी किसी बाव का किसी धर रा अन्त न निर्दर्श की, विक्रुं भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नर्जा किया का वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिक्य के सिक्;

बतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म को उपधार (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :---

- (1) श्री भूषन कुमार उप्पल सुपुत्र स्व० श्री मुस्क राज निवासी-ए-2/35 सफदरजंग इन्कलेब, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती अभरजीत सावनी पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह सावनी, द्वारा भाई श्रीर अटारनी श्री दमनजीत सिंह, सुपुत्र श्री राज सिंह, निवासी-ई-11, लाजपत नगर -3, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना बार्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सभ्यत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नविभ, को भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थवित ब्यक्ति;
- (क) इस सुक्रमा के राज्यम में प्रकारण की तारीय है 45 विष् के धीवर उक्त स्थायर सम्पर्ति में हित्यक्ष रिक्षी कुल मुस्ति बुवारा सभोइस्ताक्षरी से बाद रिक्षीय में किए वा सकों ने :

स्वक्कोकरनः ----इसमें प्रवृक्त बक्कों जीर पर्यों का, वो स्वस्त विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभानित हीं वहीं अर्थ होगा को सस अध्याय में दिवा मुना है।

नम्सूची

लोअर ग्रान्उड फ्लीर (बेसमेंट) ग्राउन्ड फ्लोर ग्रांट मैजनीन फ्लोर बिल्डिंग नं० एम-71, ग्रेटर कैलाश-2, वई दिल्ली, सादादी 250 वर्ग गज (208 वर्ग मीटर)

> आर०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, म**ई दिल्ली**

दिनांकः : 2-7-1985

मोहर 🖫

प्रकृत बाहु हो हो एन् एस . -----

नानकतः निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के नधीन सूत्रना

भारत तरकार

कार्यालय, सङ्कानक भागकर शाबुक्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—3/ 11—84/603——अतः मुझे आर० पी० राजेश

शास्त्रकर विशिक्षित , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें गरमार् 'उनस अधिनियम' नहां गया है), की भारा 269-व के नभीन रकान प्राधिकारी को, यह विश्वास ऋरने का कारण है कि श्थानर रक्तीय, जिसका उचित्र वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से निधक है

धौर जिसकी सं 0 197, ब्लाक 'सी' है तथा जो कालोनी ब्रेटर कैलाश−1, नई दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख नवम्बर 1984

को पृथोंकर कम्मीत के उचित नाकार मुख्य को कम के क्ष्यमाय प्रक्रिकाल के किए बंबारिस की नई है और मुख्ये यह निश्यास करने कम्मी कम कमरण है कि नयापुनींकर सम्बद्धित कम उचित बाजार मुख्य, वसके क्ष्यकान प्रतिक्रम से, इसे क्ष्यमान प्रतिक्रम का पंत्रह प्रतिक्षय से विधिक ही नीर नंतरक (नंतरकों) नीर बंबारिसी (अन्सर्तिस्कों) के बीच एते जन्तरण के सिए सब थाया नया प्रसिक्षय, निज्निन्दिस स्पृथिक वे क्ष्यस बन्धरण विधिक में नास्सरिक क्य से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वं हुए किसी बाब की बावक करत बादिल पित्रक की बावित कर वंत्रे के बन्तरक के दायित्व में कती कहने वा उन्हों बच्चने में बृतिया की किए; बीद/बा
- (ब) एसी किसी नाम वा किसी धन वा अन्य नारिस्तयों की, विन्हों भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्मीरिसी वृद्यरा प्रकट वहीं किन्ना ग्रामा वा किया जाना जानेहरू था किसने में बृधिया के जिल्हा

अतः अर्था, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अन्त अधिष्यम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के बधीन, निम्मिसिनित व्यक्तियों के अवस्ति भूक्ति (1) श्रीमती विवयावती संबरवाल पत्नी स्व० श्रीचन्व संबरवाल, निवासी-2489, नालबा स्ट्रीट, चुना मंडी, पहाड़मंज, मई दिल्ली ।

(अन्तर्क)

(2) मै॰ त्रिमूर्ति इस्टेट (प्रा) लि॰, 30/3, कम्यूनिटी सेंटर ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

कां बहु बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहिकों करता हुं।

- (क) इस ब्रंचना के प्रमापन में प्रकारण की कारीय सं 45 दिया की जन्मीय या तत्त्वस्थाप्त्री व्यक्तियों पर ब्रुच्चा की तालील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ काद में बनाप्त होती हो, जो भीतार पृथीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (थ) इस त्या के राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीय सं 45 दिन में भीकर संबंध स्थायत सम्पत्ति में हित-बहुत जिली जन्म न्यांकित क्यांक स्थीक्ताकरी में बाब जिलिस में किए जा सम्बंगे:

अनुसूची

प्लाट नं ० 197 ब्लाक 'सी' तावावी 300 वर्ग गज, रेजीडन्शल कालोनी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी स**हायक प्रायकर प्रायुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, न**र्ह** दिल्ली

विनांक : 2-7-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नाथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्थना

भारत शहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-84/ 690--अत: मुझे सुनील चोपड़ा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहे. संजाधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० बी-313 है तथा जो 5 भीका जी कामा प्लेस, मई दिल्ली में स्थित है (ग्रींग इससे उपाधद्ध अनुमुखी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख नवस्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुख, असके अस्पमान प्रतिफल से, एस अस्पमान प्रोबक्त का पन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के बिए देव पाया नया प्रतिफल, निम्निलिक्त उच्चेच्य से उचत जंतरण निवित में बास्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संबुद्ध किसी भाष की वासका, उत्तर, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कभी करने या उद्यक्ष वच्च में सुविधा के लिए; आदि/कः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बना था किया बाना वाहिए था कियाने में स्विधा के लिए,

सतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० शान्ति (इन्डिया) प्रा० लि॰, 29, 47, एवं 48, यशवन्त प्लेस चाण्यक्य पुरी, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० एम० जें० एक्सपोर्टम प्रा० लि॰, 113, जौली मेकर, चेंबर न० 2, नरीमन पाईन्ट, बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जयत सम्मतित के अर्जन के सम्बल्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अर्वाध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर रूपना की तामील से 30 विन की व्यक्ति को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा:
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से अ.९ कि के के किया के किया किया किया के हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास किसित में किया जा ककीय ।

स्पव्यक्रियण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुगुची

प्लाट नं ० बी -- 313, 5 भी का जी का मा प्लेस, मई विल्ली, तादादी 275 वर्ग फीट।

सुनी त चोपड़ा संशम प्राधिकारी सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनां कं : 3-7-1980

माहर 🖫

प्ररूप आई . टी . एन . एस . ------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यां सद्या कायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 ज्लाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-3/37ईई/11-84/691 अतः मुझे सूनील चैं।पड़ा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर स्माति, जिसका अचित बाजार सून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसेकी सं० बी-315 है तथा जो 5, भीकाजी जामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्ष्मित्राल प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्तु प्रतिकत से विश्व है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निमातिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- र्डेक) बंगाएण के हुए किसी शाय की बाबस, उपस शिंपित्यम के बंधीन कर दोने के जंतरक के दायित्य में कभी करने शा उससे बचने में स्थिधा के सिए, और/सा
- (थ) देती किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकार अधि। उस, १०१५ (1922 का 11) या उत्रत अभि। तस्य के धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 के १२) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रयास स्टूर्ण के भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृतियध विकास

मतः, मन, उन्त मधिनियम की भारा 269-ग क महिल्म में, मी उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शान्ति इंटरप्रायजेज, 24-27 एन्ड 48 यशवत्त प्लेखे, चाणक्य पुरी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं एम जो एक्सपोर्टम प्रा० लि ०, 113, जोली में कर, चेंबरम नं० 7, नारीमन पवाइन्ट, बोम्बे ।

(ग्रन्तरिती)

को बह् सूचना बारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, बो उक्क अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया तथा है।

वनुस्ची

प्ताट नं बी-315, 5, भी हाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली तादादी 275 वर्गफीट।

नूनी दक्षा

महासक आसम्बर आयुक्त अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 3-7-1985

अस्य आही. टी एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269 व (1) के दार्शान मुचला

भारत सरकार

कायांतिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य्-3/37ईई/11-84/692—असः मुझे सुनील चीपड़ा

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी मं जी-314 है तथा जो 5 भीकाजी कामा प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुमुर्ची में श्रीर पूर्ण रूप सेवर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय अधिकार अधिनयम 1961 के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्मति के उचित बाबार भूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तारत को गई है आर मुक्ते यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वद्य से उचित अन्तर्थ निबंत में गस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण शंहुदं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बने के अन्तरक के अधिरच में कमी करने या उत्तस अपने में सुविधम के लिए; बौद्ध/वा
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्सियों कर्त, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिश्म, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनिधम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम श्री धारा 269-ग के अनसरण भौ, भौ, धक्त अधिनियम की धारा 269-ी। की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिए अधिकतयों, अर्थात् :— (1) मैं० शान्ति (इन्डिया) प्रा० लि०, 24, 47 और 48 यशवन्त प्लेस, चाण्क्य पुरी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं एप एक जे एक्सपोर्ट प्रा० लि ०, 113, जींली मेकर धैम्बर नं० 2 नारीमण पवाइन्ट, बोम्बे।

(अन्तरिती)

की यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

तक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारांध के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मधा है।

श्रनुसूची

प्लाट नं० बी--314 5, भीका जी कामा प्लेस, नई विल्ली, तादादी 275 वर्गफीट।

सुनील चौपड़ा सक्षम ग्रधिकारी महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 3-7-1985

मोहर 🗈

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज - 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/3/37ईई/11-84/ 693--अतः मुझे सुनोल चौपड़ा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० बी-18 है तथा जो प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुवी में ग्रीर पूर्ण रूप से से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय अध्यकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संस्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दोश्य से उक्त जन्तरण जिल्ला में अधिक हम से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आन्य की वाबत, अक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व ये कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; वर्ष/वा
- (व) होती किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- प्रयोजनार्थ अंतरिती त्वारा प्रकट महीं किया गया या का बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तितयों, अधीत् :---

- (1) श्री सत्य देव, निवासी-डी-895 न्यू फेंडस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुगीला देवी जैन, निवासी-2088, कटरा कुगल रय, किनारी बाजार, दिल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 विन की स्वीध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्च 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए प्रा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्यक्त 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

प्लाट नं० बी-18, प्रीत विहार चिल्ली-92, तादादी 230. 11 वर्गगज । .

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 3-7-1985

प्रकल काड्रो टी एम , एस . ------

बामकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्तक) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-3/37ईई/11-84/ 694-अत: मुझे सुनील चौपड़ा

कावकार किपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्म का कारण है कि स्थावर संपरिस, जिसका निषत बाजार मूक्य 1,00,000/- राजसे अधिक हैं

भीर जिसकी सं प्लाट नं 106ए है तथा जो प्लाट नं 2 भोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाधद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उच्चेश्य के उसस अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है :---

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के जधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कनी कड़ने वा उससे वचने में सुविधा की सिए; और/या
- (स) एरेसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ जन्तिरती इवाच प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए आ कियाने में सुविधः के लिख्।

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ भी नणभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अयिक्तयों, अर्थात् ः—

(1) अलाईड कन्सटुक्शन कम्पनी, जी-592, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रो इन्दरजीत, निवासी-2/42 मोती नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरितीं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के किस् कार्यवाहियां सूक्त करता हुै।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की नविध, को भी अविध नाव में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति क्वारा;

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

प्रमुसूची

प्लाट नं० 106ए, तादादी 210 वर्गफीट, प्लाट नं० 2 घोल्ड रोष्ट्रतक रोड, दिल्ली ।

> सुनील घौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

दिनांक : 3-7-1985

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.-----

बायकर विभिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) से सबीन सुब्धा

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकार वाय्कत (निर्क्षिण) ग्रजन रेंज-3, दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 3 ज्लाई, 1985

मं० ग्राई० ए० मी०/एक्य/3/37ईई/11-84/695:---श्रत मुझे, सुनील जीवड़ा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 म की बाधीर मन्मय किया हो, या दिस्ताम करानी का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्याट नं० एम-123, है तथा जा पालम बादली इन्डस्टियल इस्टेंट दिल्ली में स्थित (और इसमें उपाबढ़ धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रक्तिस्ट्रीकर्ता अधि ारी के ार्यालय, कर्वन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीं र आया ए अधिनियम, 1961, के अधीन, तारींज अवस्थाः 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके इदयमान प्रतिफाल से, एसे इदयमान प्रतिफल के यन्त्रहप्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरुण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरम् सं हुई किसी बाय की बावतः, उनत विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक वागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कं लिए; और/भा
- (स्त) एंसे किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)चा उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या तिता जाता पाहिए था, कियाने में स्विधा के मिए;

मत: बक, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के, वनुसरण ब⁺, ख़⁺, शक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (।) हे बधीन, निस्नतिवित् व्यक्तियों, बधात् :---

া श्री इन्दरपाल स्पृत राम नाथ, प्रोपराटर पाल ट्रेडसं, 8बा/11, डब्ल्-ई-ए, करोल बाग नर्ष दिल्ली।

(अन्तरक)

2: श्री विनोद मेहरा पी/ओ अम्बाजी रेंज उद्यांग, 7699/39, धरमपर लॉज एन्ड क्लॉक टावर, विल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

की यह तुष्पा पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति से वर्षन से जिल् कार्यवाहियां शुरू करता है।

उनल सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधिः, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क नीध-दिनमम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ वर्ष होपा, वो उस ऋभ्याय में विवा गया है।

ग्रनुसूची

लाट नं एस⊷23, बादली इ॰स्डट्रीयल इस्टेट, दिर्ली, सादादी 615 वर्ग गज।

> स्नोल बांपडा. सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायक्तः (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली:

नारीख: 3-7-1985

मोहर 🏻

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ******

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांतः 4 ज्लाई, 1985

मं० ग्राई० ए० भं:०/एक्य्/3/37ईई/3~85/11-84/824:-ग्रतः मुझे, मुक्तेल चोएङ्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ल के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्पित बाजार भूल्य 1,00,000/- का से अधिक ही

ग्रौर जिनको संख्या ग्राए एस एच 412-ए, है तथा जो 3, लोक्ल अपूर्निटा सेन्टर दिलणाद गार्डन दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इपमे उपायद्ध श्रनुमुची में पूर्ण एप से वर्णित है) ग्रार्जन रोज-3, नई दिल्ला में भारतीय ग्रामकर श्रिधि नियम, 1961 के ग्रार्थन, तारीख नवस्वर, 1984

ानयम, 1961 के अधान, तार ख नवम्बर, 1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण ही कि प्रभापवानत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एर्स्यमान प्रतिक्षत का प्रवृह प्रतिद्यात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के भाष एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति- का विश्वास के उद्शोध के अधा एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-

- (क) अन्तरण से दूर्व किसी बाब की बाबत, अक्त फं प्रित्था से अभीन कर दोने के बृक्तरक के बायित्व में कभी काउने वा उससे क्वने में सृत्थि. के लिए; और/या
- (क) गुन्ता किसी नाथ ना किसी पन मा बन्य जास्तिमाँ ५.१ जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उन्त वृद्धिमनम्, ना भनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृतारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मों प्रविधा के निए;

लतः लगः, उन्नतः अभिनियमं की धारा 26.27 ६ ३३००० इ. म. उन्नतः अधिनियमं की नारा 269-व की नपभारा (1) यं वधी - निम्नतिसिंदतं व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० राजेन्द्र नाथ, एन० 52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ला।

(अन्तर्म)

 श्री पो० सा० गीड, निवासी बा-199 विवेक बिहार, नई दिल्ला।

(अन्तरिती)

सर् सू बुन्ता नारी करके पूर्वोक्त कलरित से वर्धन से कि। कार्यनाहिस्तं सुरका हूं।

बन्द कुम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा ब्यक्तियों में से कियी व्यक्ति इसाय:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्र्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पा सिखत में किए जा सकने।

अगलची

म्रार० एस० एच० 412-ए, (दूसरी मंजिल), 3 लोकल कम्पूर्तिटी सेन्टर, दिलगाद गार्डन, दिल्ली, तादादी 50 वर्ग फुट।

> सुनील चौपड़ा, पक्षम प्राधिकारी, सहायत प्रायकर प्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन, रोज-3, दिल्ली

नार**ाख**: 4—7—1985

१७ग. नार्". टी. एन. एक. उ.स. - ८ -

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 जुलाई, 1985

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/3 - 85/11 - 84/भत मुक्के, सुनील जैपड़ा,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या 71-वी है तथा जो विजय ब्लाङ, लक्ष्मी नगर दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख नवस्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं. एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय बाया गया प्रतिफल निम्नीनिचित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण विवित्त में बास्तविक क्य से अधित नहीं किया नवा है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्तः अधिनियत के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में स्पिधा के लिए. और/या
- (६) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां कार, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिश्याने में स्विध- के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— श्री सुरेश कुमार, निवासी 2164/1, खादी खानपुर, वस्ट पटेल नगर, नई दिल्ले।

(भ्रन्तरक)

श्री कियान चन्द,
 निवासी 72-ए, विवय ब्लाक, लक्ष्मी नगर,
 दिस्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

बक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्थवाकरण : —इसमे प्रयुक्त शब्दों बाद पर्वो का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा को उस अध्याय में दिया ग्वा है।

नन्त्रची

71-त्री, विजय ब्लाक, लक्ष्मी, नगर, दिल्ली-92, तादादी 255, वर्ग फिट।

> सूर्नाल वौपड़ा. सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्दाक्षण) ग्रर्जन-रेज़ 3, दिस्ली

तारीखं: 15~7~1985

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन कृषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाएक आयक्तर बाबुक्त (निस्तिवाण)

न्नर्जन ेंज-3, दिर्लि_।

नई दिल्लो, दिनांक 4 जुलाई, 1985

स॰ ग्राई॰ ए॰ सो॰/एक्यू/3/37ईई/3-85/11-84/ 837 :---श्रतः मुझे मुसील जीपड़ः

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि रथावर समाणि, शिसका उचित भाषार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका संख्या ग्रार०एम० एव० 108 है तथा जो 3 लो तल कम्यूनिटी सन्दर दिलगाद गार्डन दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूनी में पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रजीन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 के ग्रधीन तारोख वस्त्रर 1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एन स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निय तय पाया ग्वा प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया नवा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाक्त, रुक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्य में कभी करने ना उससे वचने में ख़ीबचा के निष्टुः और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयक्त विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिलित क्यितयों, अर्थात् :—— 19—186 GI/85 मै० राजेन्द्राय ए० ए-52-ए क्ष्माट प्लेस नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

 मैं० हपूर एकेन्सीप
 2379, स्टेट नं० 12 कैलाश नगर दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का बहु मुखना बारी कारके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के मिए कार्यवाहियां व्यस्ता हो।

उक्त बंगीए के अर्जन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की अविध, को भी अविध मात्र होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किंगी व्यक्ति सूचारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीत से 45 विन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष सिचित में किए का सकोंने।

स्यक्तीकरणः इसमी प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो सकत अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

बन्तु ची

म्रा२० एप० एच-108 (ग्राउड फ्लोग्रर) 3 लोकल कम्बूनिटो सेंटर दिल्लाद गार्डेन दिल्ला नादादी 100 वर्ग फिट।

> गुनीत त्रीपड़ा नक्षम प्राधिकारी पडापार आएका ऋस्का (निरीक्षण) प्रजैन रींग-3 दिल्ली,

वाणीय: ४--७-1985

हर :

प्रकार काहाँ .टी . एन . एन . ------

नायकपु निभिन्यम्, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) जे नभीन सुमना

बारत बहुधा

कार्यांसद, सहायक जायकर जायक (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-3, विल्ली

नई विल्ली, विनांक 3 जुलाई, 1985

सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37/3-85/11-84/

838,--- ग्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें प्रकार उक्त विविधम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राध्कारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्मिता, विसका उचित वाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या ग्रार० एस० एच० 319, है तथा जो 3, लोकश कम्यूनिटी मेन्टर, दिलशाद गार्डन, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ग्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रजीन रेंअ-3, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वेकिए सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एके यह दिएतास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित को बास्तिथक रूप से किथत नहीं किया गया है दे—

- (क) नम्परम् से हुई किसी नाय की नावत उक्त समितियम के नभीम कर वार्त के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; श्रीड/वा
- (क) एनी फिसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नश्री किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा वैक्रिया।

नतः नन, उनत निधितियम कौ भारा 269-ग कौ जनसरण नों, में, उनत विधितियम की धारा 269-ो की उपभारा (1) के नभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात ७ मैं० राजेन्द्रास,
 एन० 652 ए, कनाट प्लेस,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं कपूर बदर्स, बी/31, दूसरी मंजिल, कृष्णा क्लाय मार्किट, भांदनी चौक, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भं बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा को उपम अध्याय में दिया। यदा हुँ।

म्रार० एस० एस 319, (पहली मंजिल), 3 लोकल कम्यूनिटी सेंटर, दिलशाद गार्डन, दिल्ली, तादावी 57 वर्ग फिट।

> सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, दिल्ली

नारीख: 4-7-1985

प्रस्य नाह^र. टी. एव. एत_{ी. सम्बद्धकार}

बायकर बॉभनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं बाहा 269-व (1) के ब्रुवीन सुबना

बारल सुरकार

व्यवित्य, सहायक बायकारु वायुक्त (विद्धीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1985

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु/3/37ईई/11-84/3-85/846:--श्रत मुझे, सुनील चौपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन तकम प्राधिकाशी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या श्रार० एस० एच० 109 है तथा जो 3 दिलगाद गार्डन, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख नथम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के टिचित बाजार मृत्य से कम के इष्ट्रमान प्रतिफक्ष के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स मंपत्ति का लिखत बाजार मूक्य उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निसित उद्दुष्ट्य से उक्त अन्तरण मिस्ति व वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया वसा है हिन्न

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-निवम में अधीन कर दोने के अस्तरक के वादिस्थ में कनी करने या अवसे व्यूपे में सुविद्धा के किए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया स्था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरणे में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) ➡े अधीन, निम्नलिजित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— मै० राजेन्द्रास, एन० 52 ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरेक)

2. श्रीमती बन्बना चौधरी, नियासी कृ1439/v/10, बलबीर नगर, शाहदरा, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिसित में किए या सकेंगे।

स्थाकरण ह समें प्रयुक्त बन्दों और वर्षों का, को उनका विश्वीनवस् के वध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्रया हैं है

नन्स्ची

ग्रार० एस० एच 109 (ग्राउण्ड फ्लोर) 3, लोकल कम्यूनिटी सेन्टर, दिलगाद गार्डन, दिल्ली तादादी 85 वर्ग फिट।

> सुनील चौपड़ा; सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 15-7-1985

प्रकम आई. टी. एन. एस. ------

बायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1985

सं० ग्राई० ए० सी० |एक्यू|3|3|7ईई|3|85|11|84|854|3|854|4|7

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एफ 7, लक्ष्मी नगर, विजय चौक, हैं तथा जो इलाका शाहदरा, दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में पूर्ण रूप से विजत है), अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961, के श्रिधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दारियस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति । की, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर आधिनियम, या भनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

भतः अभ, उक्त अधिनियम, भी धारा 269-ए के अन्सरणी मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री किवार सिंह, निवासी 6718, अहाता किदारा, बारा हिन्दू राव दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री जसवन्त सिंह, निवासी 6716, ग्रहाता किदारा बारा हिन्दू राव, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितडक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पर्वो का, खो खब्दा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भगसूची

5 सी फ० नं० एफ 3, तादादी 106 वर्ग गज, ग्राम खुर्जी खास, एफ० ब्लाक, लक्ष्मी नगर, विजय चौक, इलाका, शाहदरा, दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 12-7-1985

मॉहर :

प्रस्य बाहाँ, टरि एन. एस. 💩 🐇

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-ग (1) से अभीन स्प्ना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई, 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस्में इस्कें प्रकार उन्त अधिनियम कहा गया हा), की भारा 269 व के अधीन अक्षम प्राप्तिकारों का, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- ए. से अधिक ही

भीर जिसकी संख्या भार० एस० एच० 101, है तथा जो 3 दिलगाद गार्डन, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), श्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961, के श्रधीन, तारीख नवस्वर, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास काने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गयः प्रतिफल, निम्नोलिसिन उद्देश्य में उसन अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) ब्लाइण सं हुई किती अप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्व में अपी करने या उक्क व्यन में सुविधा के लिए; अदि/वा
- (स) एसी किसी आय पा विस्ती धन या अन्य पारितया की, सिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम ये: धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था कियाने में सविधा के लिए:

जतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मै० राजेन्द्रास,
 एन 52 ए, कनाट पलेस,
 नई विख्ली।

(श्रन्तरक)

 डा० मदन गोपाल गुप्ता एण्ड डा० कुसुम लता, निवासी ए-17, विवेक विहार, दिल्ली-32।

(ग्रन्तरिती)

को पह सूचना भा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश्</u> कार्यवाहियां सूरु करता हुं।

उक्त सम्पोल के कर्जन के सम्बन्ध में कांड्र भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्ति प्रवास के अध्याप १० का, जो स्वक्त अधिनियम के अध्याप २०-क में पुरिभाषिष्ट हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया बुवा है ॥

वन्स्ची

म्रार० एस० एच० 101 (ग्राउण्ड फ्लोर) 3, लोकस कम्पूनिटी सेन्टर, दिलशाद गार्डन, दिल्ली, तावादी-66 वर्ग फिट

> सुनील चौपड़ा, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भर्जन रेंज-३, दिल्ली

तारीख: 4-7-1985

नोहर 🛊

त्रक्य भाइ . टी. एन. एत . ------

भावकर मिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर भागृक्त (निरक्षिण) श्रजैन-रेज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई, 1985

सं० ब्राई० ए० सीं०,एक्य्/3,3ईई ,4-85/84 11-83 881---ब्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या आर० एम० एच० 103, है तथा जो 3 लोकल, कम्युनिटीं सेल्टर, दिल्लीं में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्थ से विणित हैं), प्रर्जन रेंज 3, नई दिल्लीं, में भारतीय आया है प्रधिनियम, 1961, के अधीन, तारींख नवम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथामुनोंक्त सम्मत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल के पन्तह अतिकृत से अधिक ही और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण ते हुई किसी बाव करी बावत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक की वामित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कुछ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रभोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के सिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,:—

मै० राजेन्द्र। म,
 एन० 52 ए०, कनाष्ट पलेम,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीं किंज मोहन लाल गुण्ता एण्ड श्री विद्याभूषण गुण्ता निवासी वी--11,जीं--2, दिलशाद गार्डन, नर्ष दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिवष् कार्यवाहियां करता हुं ।

बन्दा सम्पत्ति को वर्षान को संबंध में कोई भी बाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन की मनीभ या तत्संगंभी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की संग्रीभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) 'इ' स सूचना के राजपण मा त्रकावण का तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ष कि ती कम्म स्थवित द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पात मिवित में किए जा सकाने।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नगरा ची

म्रार० एस० एच० 103 (ग्राउण्ड फ्लोर), 3, लोकल अम्यूनिटीं सेन्टर, विलंशाद गार्डेन, विल्लीं, तादादीं-20 वर्ग फिट, सुपर एरिया।

> सूनील चोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 4-7-198**5**

माहर

प्ररूप भारते, दी., एव., एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, 3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई, 1985

सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू/ 3/37ईई/4-85/11-84, 2:---श्रन: मुझे, सुनील चौपड़ा,

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ग्राटं एसंव एचं -102, है तथा जो 3, लोकल कम्यूनिटीं सन्दर, दिलणाद गार्डन, दिल्लीं में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) कार्यालय ग्रजन रेंज-3, नई दिल्लीं, में भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम 1961, के ग्रधींन, नारीख नवम्बर, 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके श्रियमान प्रतिफल सं, एमें द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तियक रूप सं कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) एमं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर प्रीधनियम, १५२२ (1922 को 11) या उदत अधिनियम, ज धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा १०३३ नहीं विकास माने सिवधा के लिए;

कतः बच्च, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— मै० राजेन्द्रास, एन०-52-ए, अताट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 डा० मदन गोपाल गुप्ता, एण्ड डा० कुसुम लता, तिवासी ए~17, विवेश विहार,
 दिल्ली।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां खुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा ;
- '(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवास में कियो था सकांगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका पदा हैं 11

अनुसूची

श्रार० एस० एच 102, (ग्राउण्ड फ्लोर) 3, लोकल कम्युनिटो संस्टर, दिलभाट गार्डन, दिल्ली, तादादी 66 वर्ग फिट सुगर एरिया,

> सुनील चौपड़ा. नक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायक्षर श्रायुक्त, निरीक्षण ृंग्रर्जन रेंज-3, विस्सी

नारीख: 4--7-1985

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्राइ० ए० सीं०,एस्यू, 3, 3 7ईई, 5-85, 1 1-84, 905--श्रत : मुझे, सुनील चौपड़ा,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसमें परकार** 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिपकी संख्या प्लाट नं० 2, है तथा जो न्यू राजधानी इन्हलेख, जिहास मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), अर्जन कार्यालय रेंज--3, नई दिल्ली में भारतीय आयात्रर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख नवस्बर, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितों, अर्थात् :---

 श्रीमतीं मोहिन्दर कीट पत्नीं श्री युद्धदेव सिंह, निवासी 12 वीं, ! , नवजीवन सीसायटीं, माहिम, बोम्बे।

(ग्रन्तर ४)

मैं० संसिधा विलाम.
 न्यू राजधानी इनालेख, विभाग मार्ग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति यों मों से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयूवस शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2. तादादी 400 पर्ग गर. न्यू राजधानी इन्क्लेब विकाश मार्ग, नई दिल्ली।

> मृतील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायस बायधर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, दिल्ली

तारीख: 3--7--- ५85

प्रस्प मार्ड . टी . एन एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुधना

ब्रारत तर्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०,एक्यू, 3, 3 ७६ई, 5-85, 1 1-84, 922:--श्रत मुझे, सुनील चौपड़ा,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

और जिसकी संख्या 207 है तथा जो पदमा टाबर, राजेन्द्र। प्लेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में पूर्ण एप से वर्णिन है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आपएर शिधनियम 1961, के श्रधीन, नारीक वर 1984

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई हैं और मुख्ये यह निवनास करने का कारण हैं कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निसिखित उच्चेत्रय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति-

- (क) अन्तरण मंह है किसी जाय की बाबत, उक्त आधि-निष्म के सभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा को सिए: और/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ता 11) या उक्ल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (157 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, डिज्याने से सिवध के लिए;

लतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-व कौ जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को जधीन, क्मिनिलिस व्यक्तियों, अर्थात् :—— 20—186 GI/85 श्री एक श्राप्त लूयमा, एवं 10, ग्रीन पार्थ, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती तीवता चन्द्र पत्ती श्री ततीण चन्द्र, निवासी डब्स्यू० 86, ग्रेटर कैलाण---1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजधन के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी क्यांनित्यों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साब में समान्त होती हो, जे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकल में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उच्कत अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

1,2 भाग. 207. भदमा टावर, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली तारादी 375 वर्ग फिट (1,2 भाग)।

> मृतील चौपड़ा, ःक्षत पाधिकारी, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेज-3, दिल्ली

तारीख: 3-7-19**85**

बोहर ३

प्रस्प आईं.टी.एन.एस. -----

अध्यकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीत स्थता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० आई० ए० सी०/ए०यू०/3/37ईई/5~85/11~84/923:---अत: मुझे, सुनील जैं।वड़ा

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त अधिनियम' कहा गरा हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्ठांस करने का कारण है कि बचाव्वेक्त तस्पीत का उचित बाजार ब्रूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या 227 है तथा जो डिफेंस है उक्वार्टर सिविलियन परसोनेल को-आपरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लि० नई दिल्ली में स्थित है मौर इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3, भई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख नवस्बर, 1984।

को पूर्वोंकत सम्मिति के उचित बाजार मून्य से कम के व्ययमाम प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है बरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति कम उचित बाधार बून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकल कम पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय वाया नया प्रति-फल, निम्निचित उच्चे देव से अक्त व्यवस्य जिन्ति से वक्तियक क्य से कमित नहीं किया नया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्व में कमी अदने वा उक्क रवने में शृविधा के बिए; आहु/बा
- (च) देखी किसी नाम ना किसी भन ना अन्य आसियों को, चिन्हें भारतीय नामकर निभिन्ननम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गड़ा था या किया बाना भाहिए था, कियाने में भावका के लिए;

अतः भव, अनत अधिनिषम की धारा 269-न के अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निजियिन व्यक्तिस्तराः, अधीतः — श्री बी० एन० तुगनायट निवासी सी-4 भगवान दास नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जे० पी० गुप्ता एण्ड अदर्स निवासी 916, गली इन्छर वाली बाजार सीता राम दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हुए।

तकत कम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस नुभाग के एकपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की मंबीध या तत्वम्बन्धी म्याबिसकों पड़ लघना की नानीस से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य अयिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रवासिक्तः - इसमें प्रयुक्त धन्मों और वसों का, को उक्त मीम्तिम्स के सभाव 20-क में वरिशाविक हैं, बहुी मर्थ होगा, को उस अभाव में दिया गवा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 127 डिफींस एच, क्यू भिवि**लि**यन **परसो**नल को-अ/4रेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लि० नई विल्ली।

> सुनील चौपड़ा मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 3-7-1985

मोहर ः

प्रकृप बार्ड की अब प्रकृतिकाल नामान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-3, दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई, 1985

सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/3/37/ईई6-85/11-84/ 933:--अन: मुझे, स्नील चौपड़ा,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क को अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या आर० एस० एच० 312, है तथा जो लोकल कम्यूनिटी मेन्टर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, तारीख नवम्बर 1984।

ां पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरवमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिकों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्ति कि

- (क) नम्बद्धम् वं हृद्दं जिल्ली भाग की बावत्, जनस् विकृतिकृत्व के व्यक्ति कर दोने के व्यक्तरक के बादिस्य में क्यी सुद्रने ना क्यूने बाहुने में बुद्रिया के जिल्हा स्रोड/बा
- (व) एवी किसी जान था किसी थन या अन्य आसित्यों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनद अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोदनाथ अन्तरियम, 1957 (1957 का या वा या किया जाना चाहिए था, विष्णान में सुनियम से जिए;

शकः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मै० राजेन्द्रास, एम०-52 ए०, कनाष्ट पलेस, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

 श्रीमती धिमला बेरीवाल, निवासी 11/3, रेलवे ालोनी, सेवा नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को बंगीय का तरतम्बन्नी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बंगीय, जो भी बंगी बंगीय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उच्य स्थावर संपत्ति में दिशवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जथोहरताक्षरी के पाम जिसित में किए वा तकोंगे।

स्वध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उच्छा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस्क नवा है।

अनुसूची

आर० एस० एच० 312; (पहली मंजिल) प्लाट नं० 3 लोकल कम्यूनिटी सेन्टर दिलशाद गार्डन, नई दिल्ली तादादी 54.5 वर्ग फुट।

> सुनील चीपड़ा सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, विस्ली

नारीख: 1-7-1985

मोहुदु 🖫

प्रस्प आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन तुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/6-85/11-84/ 934:--अत: मुझे, सुनील चेंपड़ा

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उनके अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रांप जिसकी संख्या 3 पहली मंजिल है तथा जो पाल मोहत हाउस, 66 ए/3 न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है) कार्यालय अर्जन रेज-3 नई दिल्ली में भारतीय अधिनयम 1961 के अधीन तारीख, नवम्बर 1984

करों पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, ए बे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से विधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्देवन से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिन्क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की मानत, उक्त आभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उत्तर्स नुमने मी सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना वाहिए था, कियाने में सुविधा को तिष्;

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ग्रॅं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, नर्धात् :--- मैं० रियो पूजा बिल्डर्स (प्रा० लि०)
 6/4792 चांदनी चौक
 दिल्ली-6।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पदमा बोहरा निवासी 864 जोशी पद करोल बाग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिक के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

बन्द्र संपृत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिधि, जो भी जनिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित कुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित के हित-बब्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थब्दोकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गमा है।

जन्स्ची

ण्लाट नं 3, पहली मंजिल पाल सोहन भवन 66 U/3, न्यू रोहनक रोड करोल बाग नई दिल्ली ताचावी—1557 वर्ग फिट।

सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -3 दिल्ली

नारीख: 3-7-1985

मोहर ह

प्रकम् वार्डान्टी एन एस् -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जत रेज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक० यू०-3/एस० आर-2/11-84/ 2491:--अत: मुझे, मुनील चौपड़ा

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त गिभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से मिषक है

धौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 123-124, है तथा जो बनाक-सी न्यू मुलतान नगर दिल्ली में स्थित है (ग्रॉर इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व वों कमी करने या उससे बचने को सूजिधा के सिए; बॉर/बा
- (वा) एसी किसी बाप या किसी भन या बन्य बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचिक व्यक्तियों, अर्थात् ≟— श्रीमती मानप्रीत श्रोहरी पत्नी श्री सुन्दर श्रोहरी निवासी एफ०-57, मोती नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रीतम लाल घई सुपुत श्री मलिक चन्द्र निवासी 35-बी/77, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध से बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट नं० 123, 124, ब्लाक-सी, न्यू मुलतान ने नगर, नई दिल्ली, तादादी 388.1/3, वर्ग गज, खसरा नं० 4/18, ग्राम ज्वालाहेडी, न्यू मुलतान नगर, दिल्ली।

> सुनील चौपड़ाः, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ली

तारीख: 12-7-1985

मोहर 👅

प्रारूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०, 3,एस० आर०-2, 11-84, 2592—-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचिट बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 323, 268 है तथा जो मुकुंद पुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरितं की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियमः की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राजकुमार, विनोद कुमार सुपुत श्री अतर सिंह, निवासी-प्रीतम पुरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू दत्त ग्राम-सड़ोद माजरा, बुराड़ी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग, तादादी-36 विथे, 9 विश्वे खसरा नं 323, 268, मैन (33-10) एण्ड 181(2-19) मुकुंद पुर,दिल्ली

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षणः) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 12-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्र-3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1985

सं० आई० ए० सी०,एनयू, 3,एस आ τ —2, 11—84, 2493 अतः सुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं 56, है तथा जो खसरा नं 1/16/2 न्यू मुलनान नगर, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती '(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गोकुल प्रसाद तिवारी मुपुत्त श्री. मुन्शी राम सिवारी निवासी हाउम नं० 539, पांडव रोड, विश्वाम नगर णाहदरा दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती राज रानी पत्नी श्री चरन दास, निवासी 374, गली चांदनी वाली, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरंगः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

प्लाट नं० 56. तादादी-464 वर्ग गज, खसरा नं०-1-16, 2, न्यू मुलतान नगर, दिल्ली।

सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जम रेंज3 दिल्ली

दिनांक: 15-7-1985

मोहर 🖫

प्रकथ बाह्रें. टी. एक्. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1985

सं० आई० ए० मी०/एक्यू/3/एस० आर-2/11-84/ 2494:--अत: मुझे मुनील चौपड़ा,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकीलंका ने -7 33 है तथा जो राजौरी गार्डन, ग्राम तातारपुर, दिल्ली, स्टेट, दिल्ली में स्थित में (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनुषत बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए उब पावा भवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिद्द; वार्ट/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज

्तः भवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात ह

श्रीमती राम भुमारी
पत्नी श्री सरूप चन्द ग्रीर श्री कस्तूरी लाल
सुपुत श्री सन्त राम ,
निवासी जे-372, न्यू राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती रमा शर्मा, मदन राम बांटी,
 डी० श्रो० श्री प्रभाती लांल पत्नी श्री रमेश शर्मा,
 निवासी सी०-133, विकास पुरी,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकतः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्गी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्थ सिक्षित में किए या सकीते।

स्थव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्री

प्रो० नं० जे-7/38, नादादी 160 वर्ग गज, राजोरी गार्डन, एरिया ग्राम नातरपुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> सुनील भौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली

सारीख: 12--7-85

कोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आग्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 5 ज्लाई, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

त्रीर जिसकी संख्या ई-1, है सथा जो अजय इनकलेब ग्राम, तिहाड़, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुमूची में पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर 84 की पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहास से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविवत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूए से किशा नहीं किशा गया है:—

- (कं) अन्तरण से शुर्ड किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मो, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निविष्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--21 —186 GI/85 श्रीमती सुमन एलाइज सुमन पासरिचा डी०/श्रो० श्री राम लाल अनन्द, पत्नी श्री अणोक कुमार पासरिचा निवामी जै-59, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली हारा अटारनी श्री तिलक राज सेटी।

(अन्तरक)

2. श्री राम लाल हमिजा पुत्र श्री कन्हैया लाल हसिजा, निवासी 61 ए, एम० आई० जी०, प्लाटस, राजौरी गाइन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)^र

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं॰ ई-1, तादादी 325, वर्ग गज, अजय इनकलेख, एरिया ग्राम, तिहाड़ दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> सुनील चौषड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, दिल्ली

दिनांक: 5-7-1985

प्ररूप आइं. टी. एन. एस/.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

मं० ब्राई० ए० मी०/एक्यू-3/ए५० ब्रार-2/11-84/ .2497:--अतः मुसे, मुनील चौपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. में अधिक हैं

और जिनकी संख्या हाउम नं० 13. है तथा जो रोड नं० 54, क्या : वी पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (औ इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप में घणित है), रजिस्ट्री-कर्नी अधिनारी के आर्यालय, नई िल्ली में रजिस्ट्री-व्यण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अदें लिए; और∕या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री जसवन्त सिंह, निवासी—13 रोड नं० 54, पंजाबी काग, नंड दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती निर्मल राचदेवा एण्ड श्री प्रवीन पाल, निश्रामी 13, रोड नं० 54, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---हसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिशाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस नं० 13. रोड नं० 54. क्लाण 'डीं' पंजाबी काग, नक्ष दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

दिनांक: 5-7-1985

प्ररूप आहूरे. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नर्ष पिल्ली, विनां अ 5 जुलाई, 1985

सं० श्राई० ए० सी/एक्यू-3/एस० न्नार-2/11-84/ 2498:---न्नतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या 23 है तथा जो नार्थ वेस्ट एवेन्यू रोड के जाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं(, रिजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिनारी कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रींशरण अधिनियम 1908) 1908 जा 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया भ्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित स्यिक्तयों, अर्थात् :--- श्री ए० एन० सर्मा सूपुत्र प्रेमा नन्द, निवामी 27, सान्दहारी आलोनी, श्रामरा,
 (2) एन० एन० समी सुयुत्र श्री परमानन्द, निवामी एफ०-10, बाली नगर,
 नर्ष दिल्ली।

(अन्तरक)

मैं० सूत्रर रखर इन्टरप्रोइजेज,
 16, नजफगढ़, रोड,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणं:---इसमे प्रयूपत रुख्वों और पदों का, जो जक्त अधितियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा जो जस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि तावादीं 640.74, प्लाट नं० 23, नार्थ वेस्ट एवेस्यू, रोड, पंजाबी नाग, नई दिल्ली।

> मुतील जीउड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

दिनांक: 5~7--19**85**

भोहर :

क्षण बार्च हो प्रमुद्ध प्रमुद्ध -----

भारकर निर्धाननग, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के न्यीन क्वना

शहर प्राप्त

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जनरेंग 3, दिल्ली

न**ई दिल्ली**, ∡िनांक 5 जुलाई, 1985

बावकर मिपीनयन, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निर्मानयन' नहीं ग्या है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चितका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/-क से अधिक है

और जिसकी संख्या 8/46, है नथा जो पंजाबी वाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधियारी के आर्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर, 1984।

के नुवानित नज्नित के उपित वाबार नृत्य से कन के प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मृख्य, उसके अवनान प्रतिफल से, एसे अवनान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचार से विभिन्न ही जार बन्तरक (बन्तरका) जार बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीज एमें अन्तरक के लिए तब पाया गवा निविद्य , निवनितियाँ उस्व पेय से उसते बन्तरण सिवित में स्वस्तियक क्य ने किथा नहीं किया गवा है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबस, उक्त वीधीनवज के जधीन कर दोने के अन्तरक के वीधित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) देखी किसी नाम ना किसी धन या नत्य नास्तिकों की, विकट्ट भारतीय नाम-कर निधनिनमन, 1922 की 1922 का 11) ना उनत नीधनिनमन, वा धन-कर निधनिनम, 1957 (1957 का 27) के धनोजनार्थ अन्तरिसी इनारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के विकट्ट;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंख व्यक्तियों, अधीत् क्ष्म-

 श्रीमती ऊषा जैन, निषासी 8/46, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरकः)

2: श्री सन्त लाल एण्ड श्रीमती सुनीता निवासी--457, रिशी नगर, रिस्ती।

(भन्तरिती)

को मह स्वाना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

वनत संपारित के नर्जन के संबंध में काई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना में प्राक्षण में प्रकाशन की तारिक से 45 विन् की संविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी बन्धि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तिया;
- (ब) इस तुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्याय वशोहस्ताक्षरी के पात विविध में किए वा सर्वेगी।

स्वकारेकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों शौर पर्यों का, वा उत्तर विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, कहीं वर्ष होना, वो उत्त सध्याय में विका गवा हैं।

वयुष्यां

प्रो० नं० 8/46, पंजाबी बाग, दिल्ली।

सुनी**ल चौपआ,** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेन्ज, 3 दिल्ली

नारीख: 5--7--1985

मोहर 🤋

प्रकृष बाइ .टी . एन . एक . =-----

वायकर वाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

बारत चरकार

कार्याभय, सहायक सामकर जामुक्त (निरोक्तण) मर्जन रेंज 3, विस्ती

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्धेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू 3/एस० ब्रार-2/11-84 2500--ब्रात:म्से, स्नील चौपड़ा,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्याके परचात् 'उन्त निधीनसम' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ए० दुकान नं० 16, है तथा जो डब्ल्यू० जैंड० 254, इन्दरपुरी दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाधद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कत्ती श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्री-रण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1984

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत सक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दियाल में कनी करने या उक्को बचने में मिनवा के तिए; बीह/भा
- (च) देती किसी जाव वा किसी भन या जन्म जास्तिकों की, जिन्हों भारतीय जायकर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त विधिनवम, या जनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

सदात्र विवास समितियम की भाषा 269-म में बन्धरम में, में, उक्त मीभितियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के मभीन, निम्मतिबित व्यक्तियों, स्थात्:---- श्रीमती हीरा देवी समी
पत्ती श्री तृष्ण दत्त विशष्टा,
निवासी---माफ नं०-16, इन्दर पुरी,
मई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीं कृष्ण लाल मुपुत्र स्व० श्रीं रूप लाल, निवासी-एई--571, जे० जे० कालोनी, इन्दर पुरी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह तुषना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन भें अकालन की तारीब तें 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनर की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब के बनाय्त होती हो, के भीतर प्रवित्य व्यक्तिकों के किसी व्यक्ति इतारा;
- (व) इस सूचना के राजपत को प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर तकत स्थावर संपत्ति को हित-वर्ष किसी अन्य स्थावत व्यापा स्थोहस्ताक्षरी के शह निस्तृ में किए या नकार।

(कक्कीकरण:---ह्रयेशं प्रयक्तः शब्दों और पद्रौं का, जो जक्छ अभिनियमं को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं।, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया। क्या हैं।

वनुसूची

बना हुन्ना घर, प्लाप्ट नं० ए दुकान नं० 16, सादादी-110 वर्ग गर्भ, म्युनिस्मिष्य नंः डब्ल्यू० जैंड 254, इन्दर पुरी, नई दिल्ली, एरिया ग्राम नारायना दिल्ली, स्टेट, दिल्ली।

> सुनील **चोपडा** मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, दिस्ली

तारीख: 5-7-1985

श्रक्त बाह⁴. टी. एस. एस. -------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) के मभीन स्थना

भारत सरकार

कार्याजय, महायक कामकर काम्क (निरक्तिक) द्याजन रेंज, 3 नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-ग्रार-2 /11-84/2501--श्रतः मुझे सुनील चोपड़ा,

बायवार नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं ख्रान नं 12/14, है तथा जो ग्राम नजफ़गढ़, नई दिल्ली, में ास्थत है (ग्रीर इससे उपाबक भनुसूची में पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में रोजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक नवस्वर 1984

को पूर्वों कर सम्परित को उचित बाजार मूल्य सं कम को स्थयमान प्रतिफान को लिए अन्तरित की गई है और 'मूओ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफान सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्री (बन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा जया प्रतिफान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित जों बास्तरिक रूप से किंबल नहीं किया गया है:—

- (क) करतरण से इन्हें किसी जाव की बावत अक्छ अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसते बच्च में सुविधा के लिए! बाँड/वा
- (थ) ऐसी किसी नाय या किसी भन वा अन्य कास्तियों को भिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुनिक्त में जिल्हा

बतः बव, उक्त विधितियम की भारा 269-ग के बन्तरण वी, वी, उक्त विधितियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) वी सभीत् स्टिनिजिस व्यक्तियों, स्वाद्ध क्रिक्ट (1) श्री प्रेम नाथ खन्ना
सुपुत श्री गोपाल दास खन्ना,
निवासी — सी – 49, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जय किशन सुपुत्र श्री भगवान सिंह, निवासी-ग्राम कानौन्दा, जिला रोहर्सक, हरियाणा ।

(धन्त ती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना को राजपन को प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध नाद में समाप्त क्षेती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्वांकीक एवं :--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्यी

भूमि तादादी—-2 बिघे 8 विश्वे खसरा नं० 12/14, ग्राम नजफगढ़ नई दिल्ली।

> सुनील बोपड़ा. सभाग प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3 नई दिल्ली

तारीख: 12-7-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/एवयू/3/एस-भ्रार-2/ 11-84/2502 ---भ्रतः मुझे सुनील चौपड़ा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० खसरा नं० 12~3, है तथा जो ग्राम जिमकी नई दिल्ली, में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप से विष्ति है), रिजिस्ट्रीकरण स्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में रिजिस्ट्रीकरण स्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन दिनांक नवस्वर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निक्कत में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की वाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वाँ वादित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाले में सुविधा की जिल्हा;

शत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृति ६──

(1) श्री जगताप सिंह चढ़का, सुपुत श्रो विश्वन सिंह चढ़का, निवासी-एम-36, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रघबीर सिंह सुपुत्र श्री रामसवरूप, नित्रासी-ग्रार०जेंड-1, बिजय पार्क, नजफगढ़, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्दित के अर्जन के निष् कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :--

- (क) इस भूजना के राज्यन में मुकाबन की तारींब से 45 विषय की बन्धि वा तरसम्बन्धी क्युनितमों पूर भूजना की तासील से 30 दिन की अनुधि, को भी अनुधि वास में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तितमों में से किसी क्युनित हुनारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकने।

मन्त्रची

भूमि तादादी-- 4 बिषे 16 विश्वे खसरा नं 12/ 3, ग्राम नजफगड़ नई दिल्ली।

> मुनील त्रोपड़ा, सक्षम प्राधि हारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 3, नई दिल्ली

दिनांक : 12-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/3/एस-श्रार-2/11-84/2503, —श्रतः मुझे, मुनील चोपड़ा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गह्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति जिसका उच्चित नालार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० :/83. है तथा जो कलाम
मी, पंजाबी बाग दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे
उपाबद्ध प्रमुस्ती में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं),
रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में
रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के
स्रिधीन दिनांक नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित वाजार मन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिशत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में शासाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रो डी० झार० गुलियानी २. श्री राम स्वग्प , मुपुद्र श्री राम चन्द, निवासी—डी/43, कालकाजी नई दिल्ली,

(ग्रन्तरक)

(1) 1. श्रीमती गुरबजन कौर पत्नी श्री एस॰ श्रीम सिंह तनेजा,
2. एस जसिबन्दर सिंह सुपुत्न एस० श्रीम सिंह तनेजा,
निवासी गुरू नानक मार्किट श्रास (बिहार)
(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृत्तना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उनक अभिनियम, के अभ्वाय 20-क में यथा परिभा-ही, यहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विका गया है।

अनसची

प्लाट नं० 3/83, क्लास सी, तादादी 448.26 वर्ग मीटर, पंजाबी बाग, एरीया ग्राम मादी पुर: दिस्सी

> सुनील वोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

दिनांक : 12-7-1985

मोहर 👙

प्ररूप भार्च . ट्री . एन् . एक् ुन्द्रन्तान्त्रन्त्रक्रक

भायकर ऑपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकक) श्राजन रेंज-3, नई दिल्ला

नई दिल्लों, दिनांक 12 जुलाई 1985

निद[ि]ण मं श्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस-आपर-2/11-84/ 2504,—आता, मुझे सुनील चोपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसका सं० डब्ल्यू-जीत 216, ए० का का है तथा जो जिब नगर नई दिल्ला, में स्थित है (ग्रांस इसके उपाबड़ श्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित्र है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में रिजस्ट्रीकर ⋟ श्रिधिनियम 1908 (1908 जा 16) के श्रयोन, दिलांक नयम्बर 1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिपाल से, एसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1322 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सकिए की निर्ण

श्रत: आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, सैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्रोमती नामप्यारी पत्नी स्व० श्री अन्त्री लाल महलोता, निवासी हाऊन न० उक्यू जैड- 246 णिव नगर नर्द्द दिल्ली,

(श्रन्तरक

(2) श्रीमती पुलसम देवा एन्ड श्रीमती बान्तीदेवी निवासा-वी/118. डब्लू सटांगी सीतिया खान नई दिल्ली,

(श्र∓∄रितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स् से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ६ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

वन्स्धी

हरजम दौरिंग भूनोसियल नं० डब्सू जैंड- 246, एक० स्थान, शिय स्थार, नर्ज दिल्लोक नादादा 200 वर्ग गज

> मुनील चापडा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्स (निरीक्षीण) श्रुक्त रेंज 3 नई दिल्ली

दिनास : 12-7-1915

प्रकम नाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकार जायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई०ए० ०सी/एक्यू०3,एस० श्रार०--2
11-84/1505,---श्रनः सुझे, सुर्निल बोपड़ा,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा >69-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित क∷ार मल्य

1,06,000 / - रु. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० 49 है तथा जो ब्लाक जे० 1 राजोरी गार्डन नई िल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री इता श्रीध हारी के कार्यालय नई सिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री इरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनांक नवस्वर 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मृंबह प्रतिदेत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण जिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की अध्यत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सविधा के सिए: और/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के किसी धन या अन्य आस्तियों किया (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया चामा चाहिए था, खिपाने में निषा के निष्;

अतः अतः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रंभिती उमरी देवी सेठ पतने स्व० श्रंग्राम लाल सेठ, निवासी --जे-12/49, राजोरी गाइन नर्ष दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ईष्वर चन्द कपूर, पुत्त स्व० दथाल दास कपूर, निवासी बी-ः/84 पश्चिम विहार नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह कृषना कारी करके पूर्योक्त सञ्चिति के अजन क लिए कार्यनाहियां करता हो।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी वहिंध बाद में खबापत होती हो, के भीतर पूर्वों कर ते कि तो में कि दी स्वान्त हतारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास न्यिस्त में किस वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- रसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, भा उक्त बीभनियम, के अभ्याय 20 के में परिभाषित हैं, बह्री अर्थ होना को उस सभ्याय में दिवा नदा हैं।

अनुसूची

सिगंल स्टोरो हाउल, प्यादानी० 49, ब्लाह जै-12, तादादी 200 वर्ग गज, रौजोरी गार्डन एरीया ग्राम ततारपुर दिल्ली स्टट. नई दिल्ली,

> पुत्तं ल चोपड़ा, सक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज3-, नई ादल्लो

तारीख: 5-7-1985

मोहर 🚁

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4ः३) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचल

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज' नई दिल्ली

नई ।वल्ली, विनांक 13, जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई० ए० सी०/एक्यू/एस० श्रार-2/ 11-84/2506--श्रतः मुझे मुनील चोपड़ा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट एण्ड खराता सं० 25 है थ्य जो ग्राम नंगली सारशवती, दिस्ली, स्टेट क्लिंत, में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रमुमा में और पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीवर्ता ग्राधियाची के स्थालिय गई दिल्ली में भारतीय स्थीस्ट्रीवरण स्थाधित्यम 1908 (1908) जो 16 के स्थीन नंत्रम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उधित बाजार मृत्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्ति अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया हैं :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धनं के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बधाने में सुविधा धायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का प्रनिष्ठ भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर ऑधिनियम, का धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भे उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन नियनतिस्थित, व्यक्तियों, अथित् :--- (1) श्रीमती पूजम मल्होत्र। पत्नी श्री एम० पी० मल्होत्रा, जिल्लासी सी-एफ़-25, टैगोर गार्डन, नई दिल्ला,

(ग्रन्तरक)

 (2) मैं उडायमंड पलास्टिक इन्ड ट्रोज, सो-1/44, जनग पुरी, नई दिल्लो,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के क्रिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण ~

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ध) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

ण्लाट एण्ड खसरा नं० 205, तादादी 15% वर्ग गण भावादी भाग लालडोरा, ग्राम नंगली सकरावती, दिल्ली स्टेट, (देल्ली,

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधि ारी सहायक श्राय∓र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-3, नई |दल्ली

(दनांक : 15-7+1985

प्रकल बाहा, टी. एम. एस. -----

जायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांक 15 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रर्द० ए० स.० /एक्यू०/3 एस०: ग्राप० -2/11-84/2507---श्रदः सुझे सुकील बोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खगरा नं० 205, है। तथा नंगली सकरायती, दिल्ली स्टेट् दिल्ली, में स्थित ्रह्मसे उपाबद्ध श्रन्मुची में श्रोर पूर्ण रूप (फ्रौर वर्णित है), रिकस्ट्री हर्ता क्राधिकारी के ्रार्थालय, नई दिल्ली में भारतीय राजरदी हरण श्राधानयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन (दनाक नवम्बर् 1984 को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफंत के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास **भर**ों के कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पन्ति को उचित आजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एके वश्यमान प्रतिफल का प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितौ (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्थित में गस्टविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में वृतिका के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा चै लिए;

कतः जब, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग को जनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रीमती पुनम मल्लीला परिनेत श्रा एस० पी० मल्लीला, निकास--की-एफ़--25, टैगोर गार्डन, निकास-की--एफ़--25, टैगोर गार्डन,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पीरें के हीरा मुपुत स्त्रव श्री एतव जीव हीरा, नित्रासी-सी-1/44, जनक पुरी, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त संपरित के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप---

- (क) इस सुभना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्यं व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कास किसी कर्म पिए पार मण्डा

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

्याट एण्ड खमरा तं० 205 तादादी 150 वर्ग गण, त्राबाटी श्राफ़ लालडोरा, ग्राम नंगर्ला सट्रावर्ता, दिल्ली स्टेट, दिल्ली,

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-,3 नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1985

माहर :

शक्त वार्षा हो, वर्ष_े वृष्_{यान्यसम्बद्धाः}

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत तरकाड

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रज्ञेन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिसांक 15 जुलाई 1985

निर्देश सं श्रई० ए० स्तेल्एस्यू०/2/एस० श्राए० 3/11-84/910-श्रदः मुझे, सर्नाल विपन्तः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रापये वे अधिक है

ग्रीर जिस्की सं० 6/50 है तथा जो ग्रीहड राजंद्र नगर, नई दिल्गा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची से पूर्ण क्ष मे वर्णित है), राजस्ट्रीराती ग्रिधिहारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय राजस्त्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) के ग्रिधिन दिनाक नावर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल भे, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण गे, मैं, तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिष्ट व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री ब'ल किशन सूद, निवासी 6/50, श्रील्ड राजेन्द्र नगर, नर्ड दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रात्म प्रकाश चौधरी एउड श्रीमती श्रीमता चौशरी, निदासी 46 शोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के िसए कार्यवाहियां गृरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भे अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मच्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्कत अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विश्वा गया हैं।

भन्सची

भी० नं० 6/50 भ्रोल्ड र[्]जेन्द्र नगर, नई दिल्ली,

मनील बोपड़ा राक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 15-7-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बाह्र', टी. एन. एस्.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-भ (1) के नभीन सुभना

बारत सरकार

कायां जय , सहायका आयकर जागुक्स (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 4, जुलाई 1985

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस-ग्रार-3/11-84/ 912---ग्रतः मुझे, सुनील चीपड़ा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 14-बी, ब्लाक नं०-1, है तथा जो गंगा राम हास्पिटल रोड़, नादर्न एक्सटेन्सन एरीया, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान बितिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मृत्रे मह विश्वास करने का कारण ही कि यथः पूर्वोक्त सम्परित का छोचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान बितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए ब्याय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योख से उस्त अन्तर्ण निखित में बास्तिबक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १०२४ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ४. धन-कर अधिनियम, १०३७ का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया थाना वाहिए था कियाने में स्विधा के निया।

वातः वान, जनत जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वॉ, सी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टी०के० दत एन्ड श्रीमती चेरी दत, निवासी—ई-42, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्ज ऐपरर ट्रैंबल्स एन्ड ट्रूरस प्रा० लि०, एफ-45, भगत सिंह मार्किट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

(3) दिल्ली क्लाथ एण्ड जनरल मिल्स कं० लिमिटेड, बाड़ा हिन्दु राय, दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान बारी कारके पूर्विक्त सम्पर्तत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपरित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी जन्म बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वें पास चिकित में किए वा सकरें।

स्वक्तीकरणः इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ कृष्ण जो उस अध्याम में दिया गया है।

जन्म भी

प्लाट नं० 14-बी, ब्लाक न०-1, गगा राम हास्पिटल रोड. नार्थरन एक्सटन्सन एरीया, नई दिल्ली,

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज~3, नई दिल्ली

तारीख: 4-7-1985

प्ररूप आर्धः, टी. एन. एस. -----

अधिकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्थ्य, सङ्गायक भागकर वाय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्नी, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०मी०/एक्यू०/ ३/एस-ग्रार-३/11-84/ 913--म्रातः म्झे, म्नील चोपड़ा शायकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इतने इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवाह"), की धारा 269-ख में अधीन तक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आएम हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उपिस नाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

भ्रौर जिसकी सं० 7101/16, ब्लाक 16-ई, प्लाटनं० 10 है तथा जो खमरा नं० 1538/152, डब्ल-ई-ए, रमेणवरी नेहरू नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रतुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख नवम्बर,

क्षों पूर्वेदित संस्पत्ति के उचित बाजार श्लय 📂 कर की दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करते का कारण है कि वस्त्यविक्त हम्पीस का चौचस बाबाए मध्या, असके इक्यमान प्रतिकास सी, एसे इस्यमान प्रतिकास का पन्दन प्रिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अल्लेक्ट क्यों) क्षेत्रीच रोसे अन्तरण के लिए तमा **पादा गया** प्रतिकास निकासिक उत्त्वियों से अक्त अञ्चरण निकास से शहरतिकार, मण ने अधिका न**हीं निज्या गमा है :--**-

- (क) अन्तरण में हुन्हें किसी आय की **बावस सकत वर्षि**-मियम औं श्राचीन कर वोर्ग की सम्बद्ध की दायित्व में कारी क्रजर या उपसे मचने में सुविधा की सिक्: مثل بالبارة
- (ए) तोची किसी खाय या किसी धन वा अन्य आहिलायी क्रो, जिल्हें भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (14) 2 का 11) या उदत अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पहांचराचे अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गवा था का किया जाना चाहिए था, कियाने में पविधा के **निए**;

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरः **व्या: भी, जनत अधिनियम की पारा 269 म** की अपदास (1) हो अधीन, निम्नाविधित व्यक्तियों, सर्वात् ३--

(1) श्री बी॰सी॰ मिश्रा (बीपिन चन्द्रा मिश्रा) मुपुत्र स्व० पन्डित चरंजीत लाल मिश्रा, रिटायर्ड जन श्राफ हाई कोर्ट, दिल्ली, निवासी--मिश्रा बिल्डिंग नं० 17, डिप्टी गंज, सवर बाजार, द्वारा बटारनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाबु राम गुप्ता सुपुत्र श्री के० सी० गप्ता, श्रीमती सर्वण कान्ता गुप्ता पत्नी श्री पी० डी० निवासी-70/5380, रैगरपुरा करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार माहियां करना धा।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में मोह भी आसीप :---

- (क) इस सचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की लबिंध वा तत्त्रंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की नवधि, को भी वयां वाद में समान्त हाती हो, के भौतर प्रांकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति बवाराः
- (ब) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस है 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डिल-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी 🕏 पान सिसित में किए जा सकते।

स्पष्टकेतरण:--- इतमें प्रकृतत कन्दों और पर्वों का, जो उन्त अधिनियम, को जभ्बाय 20 के में परिभाषित है, बही बर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

बीयरिंग नं० 7101/16, ब्लाक 16-बी, प्रौ∘ प्लाट नं०-10, खसरा नं०-1538/152, तादादी-247 वर्ग गज, डब्लू-इ-ए, रामेश्वरी नेहरू नगर, नई दिल्ली।

> स्तील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-7-1985

महिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस-भ्रार-3/11-84/ 916—भ्रतः मुसे, सुनील चोपड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रुम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 14, ब्लाक 'ई' है तथा जो हौज खास इनक्लेब, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीक कि ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नवम्बर 1984

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिष्ठा स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तिबक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः उत्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमती सरस्वती कुमारी मासन्द द्वारा डयूली कंटोटयूटिड जनरल ग्रटारनी, श्रीमती श्राणा मामन्द पत्नी श्री राम कुमार मासन्द, निवासी-1604, फैंज गंज, दरीया गंज, नई दिल्ली-2, 2. श्री राम कुमार मासन्द मुपुत स्व० श्री कैन्ह्या लाल मासन्द, निवासी-1604, फज गंज, दरीया गंज, नई दिल्ली,
- (2) श्री बिरेन्द्र नाथ गुप्ता सुपुत्र स्व० श्री गोपाल स्वरूप गुप्ता, निवासी-3184, लाल दरवाजा बाजार, सीता राम, दिल्ली, (श्रन्तरिती)
- (3) श्री ए०पी० गान्धी श्रौर जगमोहन गुप्ता। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्ति यो कि में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्रौ० नं० प्लाट नं०-14, तादादी-200 वर्ग गज, ब्लाक नं०-'ई' हौज खास, नई दिल्ली।

> सृनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आय्वत (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

मई दिल्ली दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस-श्रार-3/11-24/ 920---धतः मुझे, सुनील चोपड़ा ।यकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 2876/2614, है तथा जो बलाक 'ओ' गली नं० 40, बस्ती रेगर, विज्ञनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, नवम्बर, 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह रितात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्तिवक रूप से तथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त निगम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री इकबाल सिंह एन्ड श्री रिछपाल सिंह, सुपुत्र श्री बलवन्त सिंह, निवासी—टी-650, बलजीत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री योशन लाल सुपुत्र स्व० श्री मोहन लाल, निवासी-ए-8/24, राना प्रताप बाग, विल्ली, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

1/2, प्रौ० नं० 2964, वार्ड नं०-16, खसरा नं०-2876/2614, तादादी-83 वर्ग गज, ब्लाक 'घ्रो' गली नं०-40, बस्ती रैगर, बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयक्त (निर्शक्षण) मर्जन रेंज-3 दिली, नई दिल्ली

अत: अ.ख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

23-186 GI/85

तारीख: 12-7-1985

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरौक्षण)

अजंन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांन 12 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-आर-3/11-84/ 922—अत: मुझे, सुनील घोपड़ा

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० वी7-96 एक्सटेंशन, है तथा जो सफदरजंग इनक्लव, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनस्ची में पूर्ण रूप मे वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, मबबर 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रह्म, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिसी (अन्तरिशियों) के कीच एसे अन्तरण के निए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्बोदय से सकत अन्तरण निविधित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है——

- (क्न) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती कौरयला रानी अतर चन्द निवासी-एस-क्यू,-15, आनन्द पर्वंत, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रामपत इस्टेट (प्रा०) लि०, जी-56, ग्रीम पार्क, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया हैं!

अन्सूची

1-7/96/एवसटसम, सफदरजंग, इनवलेव, नई विल्ली।

सुनील चीपड़ा पसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्धाक्ष :----

तारीख: 12-7-1985

मोहर ३

प्रकल कार्यः दीः एकः एकः - ± + - ±-वायकःय विभिन्नियमः, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म् (1) के वृधीन् सूल्या

भारत सरकार

कार्याजय, बहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्तण)

अर्जम रेंज-3, मई दिल्ली मई दिल्ली, दिमांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं ० अ। १०ए०सी ०/एक्यू ०/3/एस० आर०-3/11-84/ 923—अत: मुझे, सुनील चोपड़ा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्रां० नं०-पी-5, है तथा जो मालवीय नगर, मई बिल्ली में स्थित हैं (प्रांर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकत्तो अधिकर्ता के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, नथम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मृत्रे यह विश्वास का कारण है कि सभाप्केंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पेतृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त नृषिष्ववृत्र अपितृ कर देने के बन्दरक के खुनित्र में कमी करने या उन्हें वचने में दुनिया के निद्; वृद्धि/वा
- (क) इंबी किसी भाग ना किसी भग ना अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, विन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनियम की जिन्ही

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री राम कृष्ण सुपुत श्री गणेश दास निवासी-श्री-श्री, बी० के० वत कालोनी, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री घरमपाल सुपुत्रश्री मूल चन्द, निवासी-पी-5, मालवीय नगर, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह स्थना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षमं के सम्बन्ध में करिं भी बाक्षेप १---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सकोंचे।

स्पच्चीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्ल जिमिनयम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पका है।

बनुसूची

प्रौ० नं० पी-5, तासादी-200 वर्ग गज, मालवीय मगर, मई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 5-7-1985

वस्य नार्च. डी., एन. एच.,------

मायकार निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के म्पीन सुनान

SIZE SERVE

कार्याभव, तहावक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जम रेंज-3, मई चिल्ली मई दिल्ली, दिमांक 5 जुलाई 1985 निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस-आर-3/11-84/ 924---अत: मुझे, सुनील चोपडा

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकत्ररी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिल्हा स्थित वाजाई मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 3605, गली नं०-11, 12, है तथा जो खसरा नं०, 1907, 1908, रैगरपुरा करोल बाग, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिएन के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अवह प्रतिशत का अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और असिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तब अधा गया अधिकत, निम्निलिंदित दश्योग से अवह बम्दरण अधिक को नास्तिक कप से कियत सही किया प्रा इं

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाब्द, उक्त विश्वित्तम् के अभीत् कड बचे के क्लूरफ वी क्षिक्त् में क्वी कड़ने वा अवसे कुछने वे हुिएका के बिए; कड़िं/बा
- (क) एसी किसी नाप या किसी थन या नम्ब नास्तियों को, जिन्हीं भारतीय गायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया जया वा वा किया बावा बाहिये था, कियाने में सुविधा के सिंध्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह् :--- (1) श्री जसवंत सिंह सुपुत्र स० प्रीतम दास, निवासी—हाऊस नं० 3605, गलमी नं०-11, 12, रैगर पुरा, करोल बाग, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विनोद कुमार सुपुत श्री अंतर चन्द, निवासी—वी-439, जें० जें० कालोनी इन्दरपुरी, मई दिल्ली, (2) सुन्रिद पाल सुपुत श्री अंतर चन्द, निवासी—बी-407, इन्दरपुरी, नई दिल्ली, (3) अणोक कुमार सुपुत श्री अंतर चन्द, मिवासी—3605, रंगरपुरा करोल बाग, मई दिल्ली, एण्ड इन्दर पाल सुपुत श्री अंतर चन्द, निवासी—वी-407, इन्दरपुरी, मई दिल्ली, (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी व्यक्ति बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिसा नवा हैं।

अनुसूची

प्रौ० नं०-3605, गली नं०-11-12, ब्लाक, 'एल' खसरा नं०-1907 एन्ड 1908, तादाधी-100 वर्ग गज, रैगरपुरा करोल बाग, मई दिल्ली।

सुनील चौप**डा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, नई दिल्ली

तारीखा: 5-7-1985

प्रकल बाह्र े, टी., एन , एव ., ≥ ≥ ≥ ≥

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाउ 269-व (1) के वधीन स्थान

भारत बाह्यान

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 5 जुलाई 1985 निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस आर 2/11-84/ 925---अतः मुझे, सुनील पौपडा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी सं० आर/831 है तथा जो न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससं उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उस्त बन्तरण निक्ति वे वास्तविक रूप से किंशत नहीं किया नवा है हुन्न

- (क) जन्तरण वे हुई कि की बाय की वायक, उसके विधिनवस के बधीन कर दोने के जन्तरक के बायिए में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बाह्र/वा
- (था) एसी किसी बाब वा किसी वन वा बन्व बास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए∌

कतः जवः उक्त जिभिनियमं कौ भारा 269-न कै जनस्वरूष को, सी, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिकित व्यक्तियी संघात १५(1) श्रीमती ज्ञान देवी, श्रिवासी—आर/831, न्यू राजेन्द्र नगर, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरिन्दर कौर, निवासी-आप/831, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शूरु करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :~ -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट स्थिक्तयों में से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थाधीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूचो

क्वाटर नं० आ $\sqrt{831}$, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली

सुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

सारीखा: 5-7-1985

मोहर 😗

अक्ट बार्चाः टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

भारत इरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई, 1985

मिर्वेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू 3/एस०आर 3/11-84/ 926—अत: मुझे सुनीन घोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भाग नं० 4, एस० 1 है, तथा जो ग्रीभ पार्क, एक्सर्टेशम, मई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विजित हैं) प्रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याख्य भई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्बर, 1984

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखिए में शास्तिचक रूप में किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाग की बावत उक्त निधिनियम से नधीन काए दोने के अन्तरक स्म वादित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; सौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए;

बतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ो की उपधारा (१) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अ्थिक्:--- श्री जे० बी० गोयल, डायरेक्टर आफ मै० एक्सप्रैस, प्रोपर्टीज, (प्रा०) लि०, बी 177, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० भारत ट्रेड, एण्ड जमरल इन्डस्ट्रीज, 150-151, पासोन्डा, रोड, साहिबाबाच (यू०पी०) (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृथीयत सपत्ति के अर्जन के लिए कार्जनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को नर्जन को संबंध को कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगरित में हितमक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टिमिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्यः

भाग नं० 4, प्रो० नं० एस-1, ग्रीम पार्क, एक्सटेंशन, नर्फ दिल्ली।

सुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी, सहायस श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीत रेंज, विल्ली

दिनां ह 9-8-1985 मोहर:

प्रकम बाहै । हाँ . एन . एस . ------

बायकर किभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्थाना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

मिर्देश सं० अई०ए०सी०/एक्यू 3/एस०आर० 3/11-84/ 927—अत: मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० भाग नं० 3, प्रो० नं० एस 1 है, तथा जो ग्रीम पार्क, एक्सटेंग्रन, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मवम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके बह्यमान प्रतिफल से, एसे बह्यमान प्रतिफल का पस्तृह प्रतिखत से अधिक है और बस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पावा गवा प्रतिकत निम्निविद्य उद्वोद्य से उक्त अन्तरण मिवित में बास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है है—

- हैको अन्तरभ ते हुई किसी नाय की वायत, अन्तर अभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने वा स्कस तयने में सुविधा के सिद्ध; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्मत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या फिया जाना चाहिए था. जिल्ला में मुनिश्या के सिए,

सतः जब, उसन क्षिपियम की धारा 260 म की, अनमरण कें, में, उसन अधिनियम की भाग १८० म की उपधारा (1) है सपीत रिस्मिकिन मास्तियों, स्थति:— मैं० एक्सप्रैन प्रोधरटी ज (प्रा०) लिं०,
 बी-177, प्रेटर कैलाश-1, भई दिल्ली,
 बारा, डायरेक्टर, जे० बी० गोयल ।

(अन्तरक)

 मास्टर मम्दीप फिंह, साहनी (माइनर), सुपुत श्री मभजीत सिंह, निवासी 3/23, ईस्ट, पटेल मगर, नई दिल्ली, द्वारा, अभिभावक श्री मनजीत सिंह,

(अन्तरिती)

को यह स्थान थारी करके पृशीयत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां अरता हुं।

उक्त सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविंध. जो जी अविंध बाद में समाप्त हांती हां, के भीतर पृत्रीकर अपिलता में में किसी स्पाकत बुवारा.
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नमं के अध्याय 20-क में प्रिकाणित हैं, वहीं कर्थ होगा, जो उस मध्याय में निया क्या हैं।

श्रनुसूची

भाग नं० 3, तादादी, 240, वर्ग फिट, पहली मंजिल, प्रो० नं० एस 1, ग्रीन पार्क, एक्सटेंग्रन, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अजंग रेंज-3, नर्फें दिल्ली

दिनांक: 5-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० आई०ए०सी० एक्यू 3/एस०आर० 3/11-84/ 928—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परकात् 'उवत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थान संगीत जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं 10518, बार्ड नं 16, प्लाप्ट नं 5, खसरा नं 1617/1147 है, तथा जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से दिल्ली है) रिजस्ट्री ज्ती अधि जारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्री जरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिलांक सबस्बर, 1984

को पूर्वाक्त सम्मान के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि रथापूर्वीक्त संपतित का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सो, एग्रेसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितात से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से अधिक तही किया गया है :--

- (कः) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उरासे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिल्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, जक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री राज कुमार सुपुत्र श्री ग्याम लाल, निवासी 4/23, डब्ल्यू -ई-ए, करोल बाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- 2. श्री एस० जसवन्त सिंह सुपुत एस० प्रीतम दास, निवासी प्रो०नं० 10518, वार्डनं० 16, प्लाटनं० 5, ब्लाक, नं० 18, डब्ल्यू-ई-ए, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजएत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

1/2 भाग, 2 1/2 मंजिल बिल्डिंग, पार्ट प्रो० नं० 10518, वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 5 ब्लाक नं० 18, खसरा नं० 1617/1147, भूमि तादादी, 129 वर्ग गज, वस्टनै एक्सटेंग्रन, एरिया करोल बाग, नई दिल्ली।

> सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, भई दिल्ली

दिनांक 12:7-1985 मोहर : प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)
अर्जनरेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-3/एस० आर-4/11-84/ 1402-म्रातः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० डी-52 है, तथा जो विशलशाद एक्सटेंशन नं० 1, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन नवम्बर, 1984

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से ,,ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उष्देष्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (वं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में स्विभा के लिए;

- श्री विजय कुमार जैन, निवासी पो० आ० झाड़मा, जिला गुडगांव, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री प्रमजीत सिह, ग्रीर श्री ओंगन्दर पाल, निवासी ए-21, विशाल इन्क्लैब, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जाभी नाय पुत्रीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यदिन व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पब्सीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्वा

प्लाट नं० डी-52, दिलगाद एक्सटेंगर्न, नं० 1, शाहदरा दिल्ली, तादादी 562.5 वर्ग गज, एरिया, ग्राम झिलमिल ताहिरपुर, इलांका गाहदरा दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सह।यक अव्यकर अप्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 12-7-1985 मोहर: प्रकृष् आर्द् . ही. एन्. एस. ------

नायकर मृतिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीम सूचना

THE REAL PROPERTY.

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्रण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1985

निवेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-3/ एस०आर०-3/11-84/ 1404--अतः मुझे सुनील चोपड़ा,

बायकर मिनिनन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्स मिनिनम्' बहा गया हैं), की बारा 269-ब के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास् करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित्र बाबार मृख्य

1,00 000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं 0 1/524-सी प्लाट नं 0 30, है, तथा जो ग्राम भिलिमल ताहिर पुर, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह निक्षास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके एवसान प्रतिफल से एसे एक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शबत, उपक जीवीयिय के अधीय कर दोने के बेंतरक के दादित्य में कभी करने दा उससे नचने में सुविधा के निष्ठ; कीर/वा
- (क) इसी किसी बाय या किसी थय या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुषारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं भी धारा 269-ग के अनुसरण वी, वी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-थ की उपधारी (1) के अभीन, निम्नीसीचर स्वीक्तमीं अभीत् ह—

- 1. श्रीमती कमलेश रानी, सत्नी श्री मुबोध कुमार, निवासी 489, बाड़ा ठाकुर द्वारा, शाहदरा, दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री दीपक अग्रवाल सुपुत श्री किशन सस्वरूप, निवासी 439, भोला नाथ नगर शाहदरा, दिल्ली-32

(अन्स(रती)

को यह सूचना बारी करूके दुर्वोक्त सम्मित के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना को सम्बंधक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमाँ पर सूचका की तामील से 30 दिन की सनीय को भी क्षिण बाद में समाप्त होती हो के शीतर पूर्वोक्त चारितयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यक के प्रकाशन की तारी करें 45 दिए के शीहर उनसे स्थावर सम्बद्धि के हितव्हथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्री के पाव सिविहत के किए का सकेंगे।

स्वाधिकरण :----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त वृधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाविट है, बहा कथे हारेग का उस अध्याय में दिया निया हैं।

अनुसूची

प्रो० नं० 1/524-सी प्लाट नं० 30, तादादी 259 वर्ग गज, ग्राम झिलमिल ताहिर पुर, फेंड्स कालोनी, इन्डस्ट्रीयल एरीया) गाहदरा, दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली नई दिल्ली

विनांक 15-7-1985 मोहर: प्रक्य जाइ.टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के (1) के अभीत सुकार

नारुत सहकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० अई०१०पो०/एक्यू-3/एस०आर०-2/11-84, 2495—अतः मुझे सुनील चोपड़ा

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं खसरा नं 894 है, तथा जो ग्राम अलीपुर गढ़ी, दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनु-सूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित नाचार मृत्य से कम की दृदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के बिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्त्रीकृत क्ये ही कृतिक महीं दिका प्रवाह कि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीध-विक्रम के स्थीन कड़ दोने के अन्तरक के वासित्य में अपी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के सिए ब्रीट/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों कार्, जिन्ह भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धृत कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया भाग वाहिए था, जियाने से सुविधा वे किया

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

 श्रीमती पिन्की गुप्ता, सुपुत्री श्री रचुनाथ साहनी, पत्नी श्री राज कुमार गुप्ता, निवासी 158/ई, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्सरक)

 श्री प्रेमनाथ गुण्ता सुपुत्र श्री अमर नाथ निवासी 13₁24, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतितः से अर्जन से तिहा कार्यवाही करता होतु।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारीय के 45 दिन के भीतूर उक्त स्थावर संपत्ति में दितु- क्यूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताझरी के पास निवित में किए वा सुकोंगे।

स्पव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवन के बच्चाय 20-क में परिभाविध हूँ, वहीं वर्ध होगा जो उस बच्चाय में दिया गया है।

वस सं

खसरा नं० 894, ग्राम अलीपुर गढ़ी, दिल्ली स्टेंट, विल्ली, लगभग 400 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3 नई दिल्ली-110002

दिनांक: 15-7-1985

प्ररूप बाइं, टी. एस. एस. ---------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

खार्यान्य, सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै,दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० 1,नवम्बर/84—-अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजु,

णायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (र्जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० व्लाट मं० 5 है, जो नन्तम गांव, सिवकाशी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवकाशि (डाकु० सं० 2850,84) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से क्रम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संशापवांक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण निवित में प्रास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बार/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात (4—— (1) श्री एन० करुना निधि स्रौर अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री पि० जीवानंतम ग्रौर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्संसंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसते स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सर्वोगे

स्पव्यक्तिरण : इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्स्ची

भूमि-सर्वे सं० 15/4A1 विस्वनायम गांव, सिवकासि

> के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 12-7-1985

मोहरः

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के० हनमन्सम।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स रामसन्स पाकेजिन्ग इन्डस्ट्रीस।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै दिनांक 28 जून 1985

निदेश सं० 3_l नयम्बर $_l 84$ —अतः मुझे, के० वेनुगोपाल राज्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एस०स० 80 ए-1, 80 भी-2 है, जो सिवकासी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में े र पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवकासी (सं० 2940,84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवमीं र

को प्रशंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक एए से कांधत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :.--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमी एस०सं० 80 भी-2, 80 ए-1, 2006 एकरा, सिवकासी गांव।

कें० वेनुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मसुरै ।

तारीख: 28-6-1985.

माहर:

प्र**क्त वार्ष**्ट्र<u>ो प्रतः क्षुप्रः</u> ======

मायकर बिमिनिवय, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मंकीन त्यना

MING OF MY

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, म**बु**रै मदुरै दिनांक 28 जून 1985

निदेश सं० 4,नवम्बर/84—-अतः मुझे, के० वेनुगोपाल राज्,

म्बद्धकर अविभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात (जिस्त इसमें इसके प्रमात (जिस्त इसमें महिन्द के प्रमात कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संव एसवसंव 81, है जो सिवकासी गांव

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवकासी) इ॰सं॰ 2941,84) में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1984।

को पूर्वित सम्बन्धि के लिखत बाजार मूल्य से कम के श्रममान प्रतिफल को लिए जन्तिरिक्षी की गई और मुक्ते यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, लखें द्रश्यमान प्रतिफल तो, होते क्रयमान प्रतिफल का पम्बह प्रविद्यत से अधिक हैं बीड़ क्रयमान (क्रयहर्कों) और क्रयहर्ति (क्रयतिरिक्षों) के कीच एवं क्रयहर्व के सिए एक एक प्रतिक्रय विव्यविद्या क्रयहर्व के सिए एक लिखा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है अस्त

- (क) वन्तरण से हुए निक्ती नाथ की सावस्ता विकास विकास की वासीय कर क्षेत्र के सम्बद्ध की सावस्त्र की साव
- (ब) एंसी किसी बाग या किसी बन या बन्य बास्तिबाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा जियानी में सुविधा के लिए;

नव: नव, रुवत विविधित्य की भारा 269-न को अन्करूप में, में उपन विभिन्नन की भारा 269-म की उपभारा (1) के जनीन, निकासिक्षित व्यक्तिं, नवाँत् क्र— (1) श्री के० अमृतराज

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रीनिवास इन्डस्ट्रीस।

(अन्सरिती)

को यह क्ष्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिध कार्यपाहिमां क्षता हुई ।

उक्त प्रकारिक के कर्मन के सम्मन्य में कोर्च मी भारतीय है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाच या तस्त्रस्वन्ती व्यक्तियाँ पह सूचना की ताबील से 30 दिन की सर्वाच, जो की स्वीच वात में झनान्त होती हो, के नीतर पूर्वोच्य स्यक्तियों में से किसी स्वितस ब्वायः;
- (क) इस सूचना के सम्बन में प्रकाशन की शारीका तें 45 किन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में तित्वकृष किती अन्य स्विक्त स्थाय अभोइस्ताक्षणी के पास सिचित में लिए का सकोंगे।

स्वकारिकरण :--इसमें प्रयुक्त विका नीर पकों का, को उक्क अधिनियम के खध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमी-सर्वे सं० 81 सिवकासी गांव।

के० वेनुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्राथकर धायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, म**स्**रै

तारीख: 28-6-1985

बोहर 🛭

इक्य बार्चा, ठी_ं एन. एक. ------

बायक द विधिनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के बधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यासन, तहानक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरैं, दिनांक 28 जून 1985

निदेश सं० 5 नवम्बर 184--अतः मुझे, के० वेनुगोपाल राजु,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इत्तर्ग इनके बक्कालु 'उक्त निधीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधान सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खीवत वाजाद भृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक **हैं**

म्रौर जिसकी सं० एस०सं० 81, है, जो सिवकासी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,सिवकासी (ड० सं० 2942/84) में बारतो। र जिल्लीहरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1984 ।

🛋 पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यथमान अतिफान के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि बनावुर्वोक्त बन्तति का उत्तितः बाह्यार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नल्याइ प्रतिकात से नियक है और नंतरक (नंतरका) नीर नंत-रिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नसिवत उब्देवय से उक्त बंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है ध---

- (क) नंतरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त विभिनियम के विभीत कर दोने के वंतरक के बायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा पे लिए: और/या
- (का) शोली किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्ह[े] भारतीय आय-कर अ**धिनियम**, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अत: बाब, उचन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

(1) श्री के० हरत्रै नाडार ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आर०वी० इन्डस्ट्रीस ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कडवा 👸।

उनक सम्मरित के मर्जन में सम्मन्ध में कीड़ भी मास्रेय 🖫--

- (क) इंड यूचना के हायरन में प्रकाशन की तारींच हे 45 विन की नवीथ वा तत्त्वस्थानी व्यक्तियों पट्ट लुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवीं बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त इनक्तिवों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (च) इसं सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड लिसित में किए जा सकेंगे।

ल्लाक्ष्मीकरणः—इसमें प्रमुक्त सम्यों और पदों का, जो जनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, बही वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिश्कर

अनुसूची

भूमी 2-31, एकरा सर्वे सं० 81, सिवकासी।

के० बेनुगोपाल राज् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रै

तारीख: 28-6-1985

त्रकम बाह⁴. टी. एत. एस.,--------

भागकर मीधीनगम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्थान

कार्यांस्य, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्रण)

श्वर्जन रेंज, मदुरै,

मदुरै, दिनांक 28 जुन 1985

नायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की भारा 269-क की अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० एस० सं० 220/ए० है, जो तामरैपट्टी मदुरै, में स्थित है (श्रोर इसमें उपादब अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०—I, दस्तावेज संख्या 5419/84, में भारतीय रिजट्रीकरण श्रिष्ठितयम, 1908 (1908 का 16) के ध्रिष्ठीन, तारीख नवस्थर, 1984

कों प्यों कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान बितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्यास क को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और कस्तरक (अन्तरका)ं जौर अस्तरित (अन्तरितियां) के बीच अन्तरण के सिए तय पाया भूभा प्रतिफल निम्नलिंकत उद्वरिय से उस्त अन्तरण लिखित के अस्तिक क्या से कथित नहीं क्या गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आय की वाधक उपरा श्रींच निवय से अपीन कर वीने के बन्तरक के वाजित्य में सभी सरने या अवसे वचने में पविधा के निया: सहि/या
- (थ) एसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों की, विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरियी व्यारा प्रकट नहीं किया नया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अंकिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) विकास निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री भ्रार० गृहमूर्ति

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० करुपण चेट्टियार

(ग्रन्तरिती)

की बहु सूचना चारी करके पूर्वीक्स सभ्यत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बनत बन्दरित के बर्चन के सम्बन्ध में कीई भी बाबोद ह---

- (क) इत सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीज सं
 45 दिन की जनिश्व ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामीन से 30 दिन की सनिध, को भी अविध
 नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस त्याना के राय्यन में प्रकारन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-ब्राभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के प्रभाविकाल में किए जा सकती।

स्पक्कीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्का अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^क, बही जर्थ होगा जो उस अध्याम में दिशा सवा है

अनूसूची

भूमि—10 एकरा 70 सेन्ट—-सर्वे नं० 220 तामरैपट्टी गांव, मदुरै।

के० वेन्गोपाल राजु, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, मदुरै

तारीख: 28-6-1985

प्ररूप मार्ड.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मक्रै

मदुरै, दिमांक 28 जून 1985

निदेश सं ० 10/नवम्बर/84--- ग्रतः मुझे, के ० वेनुगोपाल

राजू, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पदचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 980, होर सं० 65-ए० है, जो मन्जनकार तेर, मदुरै में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिध-कारी के कार्यालय, 1, मदुरै व० सं० 5487/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्थर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उस्त विधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--25---186 GI/85

1. श्री एम० धार० राममोहन

(मन्तरक)

2. मेसर्स सी० स्वामिनाथ मुदलियार एन्स अन्ड को०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सुमना के राजधन में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सुमना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्वी

निर्माण—ं-टी॰ एस॰ सं॰ 980 कार्पोरेशन वार्ड सं॰ 43, डोर सं॰ 65-ए॰, मन्जनकार तेरू, मदुरै।

> के० वेनुगोपाल राजुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर झायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रॅज, मद्दरी

तारीख: 28-6-1985

मोहर ;

प्रकृत नाह्". टी<u>. एवं. पुत्र स्थानका स्थ</u>ान

सायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

STEEL BEID

कार्यासय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, मदुरे मदुरै, दिनांक 28 जून 1985

निदेश सं० 13/नवम्बर/84—श्रतः मुझे, के० वेनुगोपाल राज्,

बायकर विभिन्निक, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विभिन्नियम' कहा नवा है"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार नृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 494 है, जो पून्तूर गोव, तिरुनेलवेली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद भनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भ्रार०-1, द० सं० 28/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवस्वर, 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृश्य से कम को अवस्थान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके स्वमान प्रतिफल से, एसे अवस्थान प्रतिकत्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरन के सिए तय पाया गवा प्रति-का निम्नीकित स्वारंग से स्वत बन्तरण निवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया यहा है है—

- (क) सम्परण वं हुई किसी नाग की गायत, उनस् वीपीनवृत्र के अधीय कर दोने के सम्परक के दानित्य में कनी करने ना उससे अपने में वृत्यिका के किंद; करि/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन वा कस्य वास्तिवां करे, विन्हें भारतीय वाय-कर वीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या वनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बृवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाला वाहिए था, क्रियाने में वृधिया के स्विधा के स्

जितः वन, उन्त जीभीनियम, की भारा 269-ए के वनुब्रह्म कें, में, उन्कर कीथीनियम की भारा 269-न की स्वभारा (1) के सभीन, निम्मणिकित व्यक्तियों, संजति ह---- 1. श्री सैयद उसफ सनीप

(मन्तरक)

2. श्री एम॰ पी॰ एन॰ मोहम्मद हुसैन। (भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुएं।

क्का कार्यात्व के वर्षन के ध्यमन में आई भी नाक्षेत् :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी बब्धि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तिकों में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितवह्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सर्वोत्रे।

क्वकरिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

भूमि भीर निर्माण—टी० एस० नं० 494, सर्वे वार्ड 11—डोर सं० 77, सेलबी नगर, सिन्दुपून्सुरै गांव, तिरुनेलबेंली।

के० वेनुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहाबक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, मदुरै

तारीख: 28-6-1985

प्रक्य बाह्य हो , एत् , एव , ------

नायभार निभिनियम, 1961 (1951 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीम स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नावृक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, मयुरै मदुरै, विनांक 28 जून 1985

निदेश सं० 14/नवम्बर/84--- ग्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल

राजु,

वायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित **१वर्ग** इसके परवात् 'उक्त अधिमियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, पिसका उचित वाचार बूक्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० सर्वे सं० 245 है, जो नगुनेरि गांध, तिरु-नेवेलली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जें० एस० भ्रार० ऊ०-1, तिरुनेलवेलि (द० भ्र० सं० 927/84) में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर, 1984

का पूर्वों कर सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के उदयमान श्रिक्ति के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्स्य, उसके दृश्यमान प्रतिफास से, एसे दृश्यमान प्रतिफास का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकाँ) बाँड अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उत्तर जन्तरण जिल्हित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है र---

- (क) अन्तरण से हुए किसी अाथ की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे अपने में सविधा के भिए; बीर/वा
- (च) एेसी किसी जायुया किसी भन वा अल्य जाईस्त्रयाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा ने सिए:

बतः बन, उक्त विधिनियम की भाग 269-न से वनुसारक में,, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः —

श्री एम्र० तैर्दिनादन

(भन्तरक)

2. श्री कुमार स्वामी

(मन्तरिती)

की कह बुचना चारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के वर्जन के सिए कार्ववाहियां करता हूं।

वक्त सम्मति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासेप :----

- (क) इस स्थान के समयत में प्रकाशन की तारीब 45 दिन की वदिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियाँ में हे किही व्यक्ति पुनारा;
- (व) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डिलवद्य िकसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पा**ठ** सिवित में किए वासकेंगे।

लक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यो का, वी सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है वही वर्थहाेगा, जो उस अध्याय में दिवा नवाडी :

अनुसूची

कृषि भूमि--टी० एस० सं० 245, नंगुनेरि गांव, तिक्नेलवेलि ।

> के० वेंणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 28-6-1985

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यांसरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 28 जून 1985

निदेश सं० 15/नवम्बर/84—ब्रतः मुझे, के० वेणुगोपास राजु,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 353/1-ए०, है, जो नागलनाईकनपट्टी, डिंडुगल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नागलनाइकनपट्टी डिंडुगल (द० ग्र० सं० 1872/84 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्त्विक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त निगम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः हव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मैं, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोल्डिय व्यक्तियों, अर्थात् हु---- 1. श्री पी० सेतुरामान

(मसरक)

2. डाक्टर पी० एस० राजेन्द्रन

(घन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणं:—इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि भौर निर्माण टी० एस० सं॰ 3533/1-ए०, नागलनाईकनपही गांव, विदुगल।

> के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) - झर्जन रेंज, मदुरै

्तारी**खः 28**--6--1985

प्ररूप आहे. टी. एम. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

घ म रेंज, मबुरै

मबुरै, विनांक 28 जून 1985

निर्देश सं० 23/नवम्बर/84---प्रतः मुझे, के० वेणुगोपास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 22, है, जो शिवगंगी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० ऊ०-1, सिवगंगे (द ० ग्र० सं० 1007/84 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रयीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का अजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच। ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया भया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने ये स्विधा के सिए;

नतः इत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्हीलियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती कन्नात्ताल श्राधी।

(भन्तरक)

2. श्रीमती नाषीयार श्रम्मास।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यपाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मूचि भौर निर्माण कोर सं० 22, राधाक्रेष्नन स्ट्रीट, भिष्मने

> के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सद्दायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मदुरै

तारीच: 28-6-1985

मोह्य :

वस्य बाहे हु हो , दव , दव ,------

बावकार वीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-न (1) में बधीन ब्यवा

मारत प्रस्कार

कार्यासय, सहायक शायकर शायकत (निर्दाक्तन) शर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 28 जून 1985

निक्षा सं० 29/नवस्वर/84—श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज_,

नावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उनत मिनियम' कहा गया ही, की नाम 269-म के मधीन सकाम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारम है कि स्थावर सम्मत्ति, विस्ता उचित वाचार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० सर्वे सं० 311/1 बी० है, जो भोटुनचन्नम गांव, पलनी में स्थित है (धौर इससे उपावक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओठ्ठनचन्नम द० सं० 1136/84 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान श्रीतफ स के सिए अन्तरित की गईं है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के सिए तब किया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त बंतरण जिल्ला में सत्तरिक रूप से किया नहीं किया नमा है है

- (क) बन्धरण वे हुई कि वी नाम की नामस, अन्त अधिनिक्य के जभीन कर देने के जन्मरक की खनित्म में कमी करने या उससे क्याने में सुनिभा के विक्; बार्ट/का
- (क) इसी किसी जान या किसी धन या नत्य वास्तियों को चिन्हें बारतीय वासकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा अचल निधिनयम, या नव-कर निधिनयम, या नव-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सुविधा के विद्राः

बंद: बंब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण हो, हो, बंबर अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसीयत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री वी० एन० एस० मोहम्मद कानी टाऊत्तर (मन्तरक)
- 2. श्री के० सेल्ल कुमार धौर भ्रन्यों। (भन्तरिती)

न्त्रे यह सुपता जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के क्षिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिभ या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इड ब्रावन की हाब्यून की ब्रावन की तारीब के 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिसबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्रावर अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याध में विया गया है।

नपृस्ची

भूमि--1 एकरा 10 सेन्ट सर्वे सं० 311/1-वी०, बोठ्ठनवक्म, पसनी।

> कें० वेनुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मदुरे

सारीब: 28-6-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै. दिनांक 28 जून 1985

निवंश सं० 36/नवस्थर/84—श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजु,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संव डोर संव 140 व 150, तिरुनेलवेली, है, जो में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय, जेव एसव आरव-II, तिरु-मेलवेली, दिव भव संव 480/84 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री ए० बेलायुधम

(भन्तरक)

2. भी पी० के॰ एस० घाडुभवा मोईद्दीन भौर भन्म। (भन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त गधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा ९रिभावित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

भूमि भौर निर्माण कोर सं॰ 140(1), (2). (3), (5) ए॰, 141 से 150।

कें० वेणुगोपात राजु सक्षम प्राधकारी सहायेक भायकर भायुक्त (नरीक्षण) भर्जन रेंज, सबुरी

तारीख: 28-6-1985

प्रकप आहे. टी. एन. एस.-----

1. श्री वि० स्वामिनादन

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० धदुलमाण।

(मन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यातया, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज, मद्रौ

मदुरै, दिनांक 28 जून 1985

निदेश सं० 46/नवस्बर/84---प्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल, राज् ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के गधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एम० सं० 353/7 है. जो विजय राघवन-मुष्कलियार चक्कुलम गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय, पालैयमकोटै द० घ० सं० 4340/84 में भारतीय रजिस्दीकरण ग्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह रितियत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्धा भी बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- ·(क)⊦ अन्तरण से हुई किसी जायः की वायतः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; भौर/या
- (का) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारिसायों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर शिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीनः, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को। यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करश हो।

जकत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदौ का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ध होगा जो उस वध्याय में विया गया हु ।

बन्स्यो

भूमि भौर निर्माण--सर्वे सं० 353/7, विजियरागवन मुद्दलियार, चटकुलम गांव, पालैयमकोटै।

> के० वेणुगोपाल राज् सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, मदूरै

सारीख: 28-6-1985

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री ग्राग्ठ वरदराजन

(भ्रन्तरक)

2. श्री ी० महिन्ताम

(श्रन्तरिती)

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, मदुरै

मदुरै दिनांक 2° जून 1985 निर्देश मं० 47/नवम्बर/84--श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल,

ानदश्य मे ० 47/नवम्बर/८४--श्रदः मुझ, क० वणुगापाल, राजु,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्पाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भर्वे मं० 5/2-मी० है, जो पालयमकोट्टै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचें: में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याजय, पालयमकोट्टै द० मं० 4349/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1984

को पूर्णकर अम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का एंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अन्तर्फल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/पा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह म्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मी समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मी से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उद्यत स्थादर स्म्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमो प्रयुक्त कृत्वों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मों परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण--सर्वे सं० 5/2 मी०, पालयमकोट्टे ।

के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, मद्ररै

नारीख: 28-6-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मालिक्सिल व्यक्तियों, अधीत :-- 26. -186 GI/85 प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के बभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दनांक 28 जून 1985

निर्देश सं० 48/नवम्बर/84--श्रतः मुझे वेः० वेणुगोपाल ..

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्यके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स ये अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह भिक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 19/2, एच० ए० है जो विजयरागय मुदुलियार चत्रम गांव में स्थित है (श्रीर इगसे उपाबद्ध अनुसुवी में श्रीर पूर्ग कर से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधिकारी के कार्यालय पालयमकोहैं द० स० 4414/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार म्. . ले काम के दारयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच उसे, जंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अस्ति सम्मित्वक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बुन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत उन्नत किया नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिन्ने
- (व) ऐसी किसी बाब वा किसी धन बन्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय शयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-घर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा जं नियः;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण प्रो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) हो अधीतः निम्निविक्ति व्यक्तियाँ, अर्थात क्ल 1. श्री सुब्रमन्यम

(अन्तरक)

2. एस० संलप्पन

(भ्रन्तरिती)

को पह मूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पोत्स के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

स्पच्टोकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदी का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण \rightarrow -पर्वे सं० 19/2 एच० ए० ग्रौर डोर सं० 1/177 विजयराधव मुद्दलियार चत्नम गांव पालयमकोट्टैं।

> के० बणुगोपालराजु सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजैन रेंज, मदूरै

नारोख: 28-6-1985

मोहर 🖟

प्रचल बाहै हो . एन . एस -----

बायच्छ विभिवियम, 1961 (196-1 का 43) की धारा 269-व (1) के व्यीत व्यना

भारत करकार

कार्यासय, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज भदूर

मदूरे दिनांक 28 जून 1985

निदेश सं० 53/नवम्बर/84--श्रतः मुझे के० विणुगोपाल

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कर्न भारा 269-ब के बधीन सक्त्र प्रतिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० एस० सं० 95/1, 95/2 भौर 95/3है, जो पिरियोटो गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, तुत्कड़ी दस्तावेज स० 1187/84 में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमार प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मुस्य उसके कायमान प्रतिकास सी, एसा कायमान प्रतिकास 🗪 राम्बह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया गया पतिकतः, निम्नोनिषितं उत्वेषा वे उत्त शुन्तद्व विदिष् में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 🛌

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वायतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरका को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बौर/या
- (ब) ए'सी किसी नाम या किसी भन था जन्म जास्तियां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

भत्तः अस, उक्त निमितियम की भारा 269-य की समुदारक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री फ्रार०श्रीनिवासन

(ग्रन्तरक)

2. श्री मानिक्कवासकम

(अन्तरिती)

को बहु स्थना जारी करके प्रवास्ति संपर्धित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के मध्य प कार्ड भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की लामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्कोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वार।,
- (अत) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्यव्दोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि-36 सेन्टम सर्वे सं० 95/1, 95/2 ग्रीर 95/3, प्लाट सं० 6 सन्करपेटी गांव तृतुक्डी।

> के० वेणुगोपाल राज् मक्षम प्राधिका महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, मदूरै

<u>⊨</u>ारीख: 28--6-1985

मोहरू :

प्ररूप बाइं.टी. एव . एस . ------

a (1444) - Ala Siata Albana (1556) (1566) - Albana (1566) (1666) (1666) (1666) (1666)

मै० न्यूडील प्रिटर्स

लिए कार्यवाहियां करता हुए।

(श्रन्तरक)

2. म० मलर पब्लिकेशन्स (पि०) लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुर, दिनांक 28 जून 1985

निदेश सं० 38/नवम्बर/84—श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजु

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित आधार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० डोर सं० 12 है, जो बस स्टैण्ड, मदुरै में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०—IV मदुरै द० ग्र० सं० 1373/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान धितिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विदृश्यक्ष करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रुयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में शास्तिवक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण संहुदं िकसी आय की साबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/मा
- (क) एसी किसी वाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अरोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

बत्रः अब उक्त विधिनयमं की भाषा 269-म के बन्सरण मा, मी, उक्त अधिनियम की भाष 269-म की उपभाष (१) के व्यक्ति जिस्सीतिका व्यक्तियों, समृत् ध--- उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदब्र किसी अन्य व्यक्ति इयारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए है। एकंग।

स्पर्धक्रिकरणः ----इसमे प्रयूक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रमुस्ची

भूमि ग्रौर निर्माण डोर सं० 12 बस स्टैण्ड रोड़, मदुरै।

> के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 28-6-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. श्रस . -----

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, महुरे

मदुरै, विनांक 28 जून 1985

निदेश स०६०/नवम्बर 1984-यतः मुझे, के वेंणुगोपाल

राजु:-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से जिधिक है

जिसकी सं० टी० एस० स० 3892 है तथा जो टुटीकोरिन में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जं० एस० श्रार०-1 टूटीकोरिन में श्रायकर श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1994

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्णित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिकल के जिए बन्तिरत की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्जित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिकल सं, एसे श्रवमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंबल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा से लिए:

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिवाँ, वर्षात:— 1. श्री ए० रेंगनादन

(श्रन्तरक)

2. श्री जे० एन० मिटान्डा

(श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किती अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परवीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभादित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्वी

भू,म श्रौर ,नर्माण--टि॰ एस० न० 3982 एरिया-10 चेंस, ट्रटीकोरिन।

> के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. मदरै

तारीख: 2-6-1985

प्ररूप वाहें.की.एन.एस. -----

1. श्रीमती राजम्माल ग्रीर ग्रन्य।

(ब्रन्तरक)

2. श्री रिपे रयस्वामी

(ग्रन्सरिती)

अध्यक्तर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरक्षिण) नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है') की धाय 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं. डोर मं. 69, एस. सं. 85, गांधी रास्ता, है, जो सिपगांग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-।, सिंचगांग (द. अ. सं. 1690/84 मे, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1,908 का 16) के अधीन, तारील नवस्थर, 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और मन्तरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की आबत, उक्त अभिनियम के जधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्हरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनसरण **वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)** के वधीरा निम्नलिकित व्यक्तियाँ, वर्धात् :---

को यह स्वाना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुध किसी अन्यं व्यक्ति वृकारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और दवों का, जो उक्त निधानियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया 🗗 :

धमुसूची

भूमि और निर्माण वार्ड स० 2, गांधी रास्ता, डोर सं० 69. सिवगांग टाउन।

> के० वेणुगे,पाल राज् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदूरै

तारीया: 28-6-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्रण) श्चर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै तिनांक 28 जून 1985

निर्देश स० 69/नवम्बर 84---यतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार अन्व 1.00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 16/6 श्रौर 16/2 है या जो पल्लपट्टी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत ग्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप से वर्णिन है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-2 डिडुगल (इ ० स० 2010/84 में रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 क 16) के प्रधीन तारीख नवस्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यनान प्रतिकल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितीः (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गचा प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसिन 🕏 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भेन-कर **अ**धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रिपाने में सर्वित के लिए;

अन्त: शाच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्रिन्तियों, अर्थात् ---

1. श्री एम. जयसों डानाशाम् नि

(अन्तरक)

2. श्री बी. स्बामनियम और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बग्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अवुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अमीधीनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया

वन्सचा

भूमिश्रौर निर्माण टी० एस० सं० 16/6 श्रौर 16/2 डोर स० ३६-एफ (२) तेंवडाल : म्त्तलकुपट्टी रोड पल्लपट्टी गांव डिंड्गल ।

> के० वेणुगौपास राजू सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज मद्रैं

तारीख : 28-6-1985

प्ररूपः बार्षः टी. एम. एस. - - - -

यायकार अभिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** याय 269-च (1) **के बचीन स्**चमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, मदुरै भदुरै, दिनांक 28 जून 1985

निर्देश स० 07 नवस्व र 84—यतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू नायकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन समाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 444/6 डोर सं० 19, 19-ए है, तथा जो डिंडुगल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में पूण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे०एस० ग्रार०-2 डिंडुगल (डा०स० 2038/84) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वे जित सम्पत्ति के उपित बाजार मूरूम ते कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वे कि सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का धन्सह प्रतिक्षा से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारात्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विस्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण् संहुद्र किसी आय को शवस. उक्स अभिनियम औं अभीस कर दोने के अन्तरक औ वायित्व में अभी करने या उससे अभिने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

शतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीम, निम्निसिस्त स्थितियों, अर्थात् ः— 1. श्रो एन० हरोराज।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० सोवेभुत्तु ग्रीर ग्रन्थ

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के कर्पन के श्वम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का किया, में से एकती व्यवस्था दिस्सी.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गत सिबित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

भूमि और निर्माण दो० एम० स० 444/6 डोर स० 19 19-ए कोटकुलम स्ट्रोट^र डिड्गल ।

> के० वेगुगोपाल राजू सक्षम पाबिकारो सहासक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज मदर

तारीख : 28-6-1985

मोह्नर :

प्रकृप आई . दी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज मदुरै

मद्रैं; दिनांक 28 जून 1985

निर्देश सं० 71/नवम्बर-84--यतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

1,00,000/-ं रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं०टी० एस० सं० 637हैं, तथा जो नारायणपुरम
डिड्रुगल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से विणत हैं), र अस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय
डिड्रुगल (डा० सं० 2072/85) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम
1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख न्यम्बर 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान
शितफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृभे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह
प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरफ (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखत उद्विषय से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधः के लिए;

अत: त्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 2.7—186 GI/85 1. श्रीमति पाण्पाती अम्म। ल

(भ्रन्तरक)

7. श्री के० पलनी स्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

क्यक्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हारोती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिविक्त में किए जा सकोंगे।

यनुज्यी

भूमि भ्रोर निर्माण टी० एस० सं० 637, एलांडी श्रम्मन कोइल स्ट्रीट, नारायगपुरम, डिंडुगल]।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदरे

तारीख: 28-6-1985

योहर 😲

प्रकृत नार्व _स दर्जे , एक*ु कुक*ु *स स स* स्वयूत्र

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वाना

FIRST TENTS

कार्याचय , बहायक जायकर जायुक्त (निराक्षक)

धर्जन रेंज, मदुरी

मदुरै, दिनांक 28 जून 1985

निर्वेश स॰ 73/नवम्बर 84---मतः मुझे के० वेणुगोपाल राजू.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एस० सं० 1679, 4-सी है तथा जो पालयम कोट्टै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भार०-1 (डा० सं० 4199, 84) है, में रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख पालयमकोट्टे नवम्बर, 1984

को प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमाम दितफत के लिए जन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह निश्वात करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार ज्रूच, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है जौर जन्तरक (जन्तरकों) जौर जन्तरिती (जन्तरितियों) के जीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिक्षत , निम्मीमिक्त उध्योच्य से उक्त अन्तरण जिल्लिय में बास्तविक कप से किंगत नहीं किया पना है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उजत अधिनियम के अभीन कर दोने की जन्तरक को वामित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; आद्रि/शा
- (क) एंसी किसी जाब वा किसी बन या जन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे लिए।

अतः नवः, उनतः अधिनियमं की भारा 269-ए के जनुसरण वें, में उसर अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) वे अधीन, जिम्मिनिकतं व्यक्तियों, अर्थाष्ट् :--- 6. श्री शंकर नारायण चेट्टियार और प्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती टोकियाल बीबी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्छ संपत्ति के अर्वन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

धनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखेंप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य स्थिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त क्यों जीर पथीं का, जो करत अभिनियम, के बन्धाय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अन्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि--21.15 सेन्ट पालयमकोट्टै ।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 28-6-1985

मोहर 🥹

प्रकृष् वार्ष हो , एव , एव 🚊 -- ५ -- ५ -- ५ -- ५

नायकर निभ्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के स्थीन स्वना

भारत बहुका

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, **मयुरै**

मदुरै, दिनांक 28 जून 1985

निर्देश सं० 76/मवम्बर/84—यतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० टी॰ एस॰ सं० 996 छोर सं० 32 है, तथा जो महुरे में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुडुमंडपम (डा॰ सं॰ 2725/84) में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर, 1984 को वृबोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल कम प्रमुख प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और वन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरुष से हुइ किसी बाय की बाबत, उच्त विध-नियम की बधीन कार दोने के बन्तरक के दारित्व में कमी कारने या उच्छे वचने में सुविधा के किए; बार/वा
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियी की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, क्रियाने बें स्थिया के किए;

बतः बब, उसर अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरम में, में उसर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम नियमिति व्यक्तियों, अर्थात् हम्म 1. श्री के० वेगमन्नार और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री के० वेंकटाचलम

(अन्तरिती)

भीत यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

बन्द सम्मृतिद के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्ति रणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिशाबिट हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण एस० सं० 996 डोर सं० 32, असाष्टापालैयम वेंईम रोड, मबुरै।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 28-6-1985

प्रथम बाह्र', टी. एव. एव्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-ज (1) के अधीन स्वना

भारत तरकाड

कार्यासय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीजक)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 28 जून 1985

मिर्देश सं० 80/नवस्बर/84—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राज्,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बाद्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1015/3 बी डोर सं० 21 है, तथा जो मेलापेस्नहरम मेडंत रोड में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूकी में और पूँरूप से विणत है)। र्रें रिलस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुडुमंडपम (डा० सं० 2754/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16), के अधीन नवम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्परित के अचित बाजार मूल्य से कम के दूरममान प्रतिगतन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दूरममान प्रतिफल से, एसे दूरममान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के जिए तय वादा गया प्रतिक कस निम्निसित्त उद्योग से उसत अन्तर्ण सिचित में बास्तिवक क्ष्म के की भर नहीं किया ग्या है ध—

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाय की बाबत्, अक्ट अंशिश्यक के अभीन कर दोने के बुन्तुरक के दादित्व में कभी कडने वा उच्चे बुज्जे में बुन्तिया के जिए? अर्थ/वा
- (क) ऐसी किसी अप वा किसी भन वा ब्ल्य नास्त्वी को जिन्हों भारतीय नायकर निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उनद न्यापित्वल, वा भन-कर निभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ नन्तिइती बुवाडा प्रकृष नहीं दिल्या न्या था वा किया जाना जानिय था, कियाने में बुविधा के अप;

श्रतः नव, उक्त सिंपिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के ब्रधीन, निस्तिसिंक स्योक्तयों, अर्थात् :- - 1. श्री कें रामस्वामी

(अन्तरक)

2. श्री एस० मुक्कम

(अन्तरिती)

को बह सूचना चार्ण करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप:---

- (क) इस त्याना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की नवींचे या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्याना की दामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को और नवींचे बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वांच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना की राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- िक्सी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी चे शव सिक्ति में किय वा सकेंगे।

रचव्यक्रियाः - इसमें प्रयुक्त बन्दों भीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के क्ष्याय 20-क में परिभावित है वही प्रयं होगा जो उस प्रक्याय में विधा गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण टी० एस० सं० 1015/3-बी, वार्ड सं० 5 21 मेलापोन्नहरम मेर्डन रोड, मनुरै 10।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, म**द**री

तारीख : 28-6-1985

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . -----

1. श्रीमती कुप्पम्माल (2) लक्ष्मी देवी

(अन्तरक)

2. श्री बी० एस्लम ।

(अन्तरिती)

नायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के मधीम स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज़, मबुरै

मदुरै दिनांक 28 जून 1985

निर्वेश सं० 83/नवम्बर/84--यतः, मुझे, के० वेणुगापाल

राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संव्ही व्याप्त संव 897 डोर संव 66 है तथा जो मधुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुडुमंडपम (डाव संव 2775/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मबम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगं।

स्पष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दा और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुषी

भूमि भ्रौर निर्माण टी॰एस॰ सं॰ 897 डोर सं॰ 66 उत्तर पेडमाल कोइल मेस्ट्री स्ट्रीट सेंतलतम्मान कोइल स्ट्रीट. मनुरें।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, म**दुरे**

तारीख: 28-6-1985

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. -----

नायकार जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के जभीन सुचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, विमांक 28 जून 1985

निर्देश सं० 85/नवस्थर/84-यतः मुझें के० वेणुगोपाल

नायकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी॰एस॰ सं० 1307/6 मदुरै है तथा जो मदुरै में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्णकप से वर्णित है) रजिस्ट्री हर्ती अधिकारी के कार्यालय पृष्ठमण्डपम दस्तावेज सं० 2783/84 में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मबस्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिति उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे जयने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:——

- श्रीमति पी० राजे खारी और निर्मला।
- (अन्तरक)
- 2. श्री गोविन्ध नारायण।

(अन्तरिती)

को थह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप ६---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति बुवाश;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिद ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुमूचा

भूमि ग्रीर निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 1307/6 डोर सं॰ 1

के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मबुरै

तारीख: 28 6-1985

मोहर ः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ******* (1) श्री मती पी० राजेपवरी।

(अन्सरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

(2) श्री श्याम सुन्दर शारदा।

(श्रन्त(रती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 28 जून, 1985

निर्देश सं० 86।नवम्बर। 84--अतः मुझे, के० वेणुगोपाल, राजु,

अन्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्ये 1,00,000/- रत. से अधिक ह

भौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1307/6 है सथा ओ मुनियपाल-यम, मदुरै मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिप है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुधमन्डपम (दस्तावेज सं० 2784/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के नधीन 16 नवम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, **निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त** अंतरण लि**वित** में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वितरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्ससे वचने में सुविधा के चिए; बौर/बा
- (क) एरेसी किसी आय का किसी भन या अन्य कास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहर्मे किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सविधा केलिए।

वतः वज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै बनुसरण ने, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन : निम्नलिकित व्यक्तियों , अर्थात्:---

को यह सुमना जारी करके पृत्राक्त सम्परित के अर्जन को लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ब्यन्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क्ले इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारील से 🋂 5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए का सकेंगा

स्पर्वाकरणः—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो उक्त अविधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि मौर निर्माण टी॰एस॰ सं॰ 1307/6 मूनियपालयम, मदुरै ।

> के० वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रावकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

सारीख: 28-6-1985

अस्य कार्रे . को . एन . एस . ननननननननन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्कण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै दिनांक 28 जून, 1985

निदेश सं० 87 नवम्बर/84---अतः मुझे, कें० वेणुगोपाल, राजु,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्मति, जिसका उचित साजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

मीर जिसकी सं० टी अपस्य सं० 1307,6 भग डोर सं० 1 है, तथा जो मदुरें में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विगित्र है), रिजस्ट्री कर्री अधिकारी के कार्यालय, पृधुमन्डपम, दस्त वेज सं० 2785,84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवस्थर 1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिश नहीं किया गया है ः—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनते बिजियम के अभीन कार योगे के अन्तरक के वाजिस्य में कियी कारने या उन्हरं नचने यें सुविधा विश्व स्थान की निर्मा स्थान स
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विनयं भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (194) को प्रतिस्थान, को किसी अप-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया या का किया जाना चाहिए था, खिपाने में पश्चित के किया

अत: अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए—-

(1) श्रीमित पी० राजेश्री

(अन्तरक)

(2) श्री जे० के० मुरलीधर शारदा।

(अन्तरिती)

न्त्री यह सूचना बारी करके पूज्योंक्त सम्परितः से वर्षन् के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

पक्त सम्परित के वर्षन के दश्यन्य में खोद' मी बाकरे द्र⊶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्मा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितनवृभ किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिवत में किए वा सकेंगे।

स्थलकिरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्को मरि वर्को नग्न, को क्यस्त अभिनियम के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 1307/6, द्वोर सं॰ 1, भाग सर्वे वार्ड सं॰ 5, मद्दै।

के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्दरै

सारीख: 28-6-1985

मोहर 🕸

शक्य वाड", टी. एन. एस. ------

नामकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुमना

शारत बर्काप

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मबुरेदिनांक 28 जून, 1985

निदेश सं० 8 8, नवम्बर, 8 4—अतः मुझे के० वेणुगोपाल, राज मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. विद्यका जीवत बाजार मुक्य 1,00,000/- रा. पे अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव टीव एसव संव 1307/6 है, जो मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुधुमन्डपम दस्तावेज संव 2786/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का.16) के अधीन तारीख, नवम्बर 1984

को पूर्वेक्ति संपृत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पाया गया प्रतिक कम विम्नसिवित उद्दोष्य से उनते अन्तरण निवित्त में अस्तिविक कम विम्नसिवित उद्दोष्य से उनते अन्तरण निवित्त में अस्तिविक कम विम्नसिवित उद्दोष्य से उनते अन्तरण निवित्त में अस्तिविक कम विम्नसिवित स्वाप्तिक स्व

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय का वावत, उक्त वीधनियम के अधीन कर दोने के बनारक के यानित्व में कभी करने ना उच्च वचने में चुनिया न भिन्म बाह्र/मा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी भन वा बन्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-भ के अवृत्तरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-भ की उपभाग (1) के के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--28--186GI/85

(1) श्रीमित राजेश्वरी ।

(अन्तरक)

(2) ध्रूबनारायन सिगी।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्जनिहर्म करता है।

उक्त रूप्पास के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश हैं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५५ सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुतरा.
- (च) इस स्चना के सबपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकोंचे।

ल्ब्बाकरणः --इसमें प्रयुक्त सभ्यों ज़ौर पद्यों का, जो सक्क् विभिन्त्यम, के स्थ्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ष होगा जो उस सध्यास में दिशा पद्या ही।

बन्सुची

भूमि फ्रौर निर्माण टी० एस० सं० 1307/6, डोर सं० 1, भाग सर्वे वार्ड सं० 5, मद्रै।

> के० वेणुगोपाल राज सक्षम प्राधिकार। सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, मबुरै

सारीख: 28-6-1985

मीहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांकः 28 जून, 1985

निदेश सं० 89_।नवम्बर् 84—-अतः मुझे, के० वेनुगोपाल राज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/~ रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं टी० एस० : 1307, 6, मदुरै है, तथा जो मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, मदुरै दस्सावेत सं 2787/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 नवम्बर, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मृओ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिक (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरिण के निष्ण तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरिण लिखित अम्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाक्षिय में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के निग्; और/या
- (क) एसी किसी नाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:--- (1) श्रीमति पी० राजेश्वरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० के० हरिनारायण शारदा ।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्थव्हिकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रवस्थी

भूमि और निर्माण-टी० एस० सं० 1307, 6, ओर सं० 1, भाग सर्वे वार्ड सं० 5, महुरै।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 28-6-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जीय रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनांक 28 जूम 1985

भिर्वेश सं० 90/नवम्बर/84--यतः मझे, के० वेणुगोपाल

राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-स के गधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सर्वे सं० 195 है तथा जो श्रोठनचल्लम पलनी में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय औठनचल्लम का धस्तावेज सं० 1070/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित ज्द्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वाम्लिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीर आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री एम० कन्णन ।

(अन्तरक)

2. डाक्टर जाकोब चेटियन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्या के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वतिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यावसायिक भूमि सर्वे सं० 195 ओउमचद्रम गांव पलनी ।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 28-6-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अायुक्त (निरक्षिण)

अर्जनरेंज, मदुर

मदुरै, दिनांक 28 जून, 1985

निदेश सं० 91/नवम्बर/84-अतः मुझे, के० वेनुगोपाल.

राजू

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूर्व 100,000/- रह से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 970 है तथा जो मदुरें में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुधुमडपम बस्तावेज सं० 2584/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित नाषार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाषार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिष्ठत से व्यधिक है और वन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए हम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में नास्तविक इप से कश्यित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त श्रीभ-नियम के अभीन कर दोन के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बन्: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निस्मिसिसिस, व्यक्तियों, अर्थात् ६── 1. श्रीमति एम० लक्ष्मीआयमाल ग्राँर अन्य

(अन्तरक)

2. श्रीमति एम० ऊषा।

(अन्तरिती)

को ग्रह स्वना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में काहि बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वसिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में से किए चा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्यी

भूमि और निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 970 एरिया: 418 स्के॰ फिट 203ए नाईनर न्यू स्ट्रीट, महुरै।

के० वेणुगोपाल राज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, मदुर

तारीख: 28-6-1985

भक्त्य **नाइ**र्ड ही , पुन**् एत**ः -----

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकाड

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज, मधुर

मदुरे दिनांक 28 जून 1985

निर्वेश सं० 92/नवम्बर/84--अतः मुझे, के० वेणुगोपाल

राजू

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ र. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आर० एस० सं० 110/6 है तथा जो विलान्गुडी गांव, मदुरें में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुडुमन्डपम दस्तावेज सं० 2596/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा परा प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म नास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीड/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में हैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के का निम्निशिष्ठ स्थितवार स्थाति । (1) श्रीमति सीलैकरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीपी० अन्तकोडी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निजित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदी का, जो उकत विभिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भ्रन् म् नी

भिम-टी०एस० स० 110/6, 64 सेन्ट विलान्गुडी गांव, मदुरै।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रें ज, मदुरै

तारीख: 28-6-1985

मोहर 🛭

त्रकप्रकार्वः दी. इत्. एव. ----

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत तस्कार

कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जमरेंज मदुरै

मदुरैं, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं०19/नवम्बर 84/रेंज, —अतः मुझे, श्रीमित एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० 84/22 ललायड्स रोड, ग्रव्यो शण-मुगम है, तथा जो सले मद्रास में स्थित हैं) ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 1127/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन-16 मबस्बर, 1984,

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मूस्य से कब के स्वयान प्रतिकास के निए संतरित की नई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मूस्य, उसके स्वयान प्रतिकास से, एसे स्वयमान प्रतिकास का पन्द्रहें प्रतिकास से स्थापक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के सिष् तय पाया क्या प्रतिकास है सिष् तय पाया क्या प्रतिकास है सिष् तय पाया का निक्त में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ ते हुई किसी भाव की वाव्य, वच्छ विधिनिक्ष से अधीन कह दोने के वस्तुरक के श्रीवरम् में कवी कहने या उत्तर व्यक्त में श्रीव्या के खिए; धीर/या
- (क) ऐती किटी भाग या किसी धन या बन्त जास्तियों को, जिन्हों भारतीय शायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्याग प्रकट नहीं किया गया था वा किया वामा था, स्थिमने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीपी० जयचन्द्रन ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० राधाकृष्णन ग्रौर ग्रन्य:

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (6) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिंक्तयों में से किसी क्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकींचे।

स्पक्क किरण:--- इसमें प्रयुक्त वार्थों और पर्वो का, जो उक्त विभिन्तियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया युवा हैं।

प्रतुसूची

भूमि—ललायड्स रोड, अब्बै पपामुगम सल, श्रारः एस० नं० 84/22 मदास सेंट्रन्ल लेख सं० 1127/84।

एम्० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-मद्रास-6

तारीख: 8-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600005, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश मं० 20/नवम्बर 84/रेंज — श्रतः मुझे, श्रीमती एम० मामुबेल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० 3, हुसैन श्रली खान फस्ट स्ट्रीट, रायपठ है, जो मद्रास-14 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रीधनारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 1142/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्थर 1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर वचे के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुहम्मद अज्मातुल्ला ग्रौर भ्रत्य।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती कारीमुन्तीस्सा बेगम2. श्रीमती नजीव्निस्सा बेगम ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गड्यो और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि श्रौर मकान ---13,-हुसैन श्रली खान, *+*ट्रीट, रायपेठ, मद्रास-14, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 1142/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज , मद्रास

तारीख: 8-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री वी०पी० ग्रधोरम ग्रौर भ्रन्य।

(श्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना (2) श्री एस० रामासामी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II. मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 21/नवम्बर 84/रेंज-II---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 85, पोएस गार्डन, तेयनमपेट, है, जो मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 1143/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन नवस्बर 1984

को पूर्विक्स संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथा गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बूचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौरमकान 85, पो० एस० गार्डन तेयनमपेट, महास-18, महास सेंद्रल लेख सं० 1143/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11, मद्रास

तारीख: 8-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालया, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रज्न रेंज-II, मधास मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निषेश सं० 29/नवम्बर 84/रेंज-II---श्रतः मुझे, श्रीमती एम सामुवेल,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नट्टु मुथु कुमारप्ण्या मुक्ति स्ट्रीट, मैलापुर है, जो मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 1075/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नयम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त स्मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे एश्वयमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिश में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बर्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानी चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री एल वार्थसारची और श्रन्य।

(2) श्रीमती शकुन्यलामल।

(धन्तरिती)

(म्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में 🌇 ई भी आक्षेप 🔆 —

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

भूमि और मक न-17 नट्टु मुथु कुमारप्पा मुदली स्ट्रीट, मैलापुर, मद्रास-्4, मद्रास सेन्ट्रल (लेख सं० 1075/84)।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-II, मद्रास-6

अतः उत्रतः अत्रतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
29—186GI/85

सारीख: 8-7-1985

मोहर

प्ररूप, आई . टी . एन . एस . -----

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजिन रेज-II, मद्रास

मन्नास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 45/नवम्बर 84/रेंज-II---ग्रतः, मुर्झे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर लिंधिनियम 1 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० जीवरत्नम् नगरं शास्त्री नगरं है तथा जो मद्रास-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय श्राडयार लेख सं० 3020/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिविनयम 1908(1908 का 16) के श्राधीन नवस्वर 1984

को पूर्वेक्स संम्पत्ति के जिचत बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण ही कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सो, एोसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, अ उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, िषन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम ्त्री धारा 269-घ की उपधारा (1) फें अधीन, निम्निचित्रकावितयों, अधीत् :--- (1) श्री एन. चडप्पा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वसन्त्री मुन्नह् मणियन् ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर शूपना की तार्मिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वृष्ट में समाप्त होती हो , को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों हो में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस गुचरा को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित ने किए जा सकोंगे।

स्थव्हिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-जीवरत्नम् नगर शास्त्री नगर. मद्रास-20 श्रिष्ठयार/ लेख सं० 3020/84।

> ्म० साभुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

नारीख: 8-7-1985

प्रकम कार्ड. टी. एन. एव., ≝ ≛ ≛ बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कां.

भारा 269-म (1) के अभीन सुम्ना

भारत तरकार

कार्यालय, बहायक कार्यकर बागुक्त ([नर्राक्रक)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 46/नवम्बर 84रेंज II—श्रतः मुझे, श्रीमति। एम० सामुबेल,

कावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त मांधनियम्' कहा गयर हु"), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक हु

श्रौर जिसकी सं जीवरत्तम् नगरं श्रडयार है ंजो मद्रस-20 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रडयार लेख सं 3021/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 नवम्बर 1984

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से एंसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रांतशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और मृन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्दरूग के लिए तब पावा ग्या प्रतिकत, निम्नु लिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण निष्ति में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं —

- (क) जन्तरण से शुर्क किसी जाय की वावतः, उक्त बीधनिवन के बधीन कर दोने के बन्तरक के स्वीयत्व में कमी करने या उत्तसे वज्ञने में सुविधा के सिद्ध औड़/बा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था छिपान में स्वीयधा के निए;

(1) श्रीमती न धनी।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० वलुस्वामि।

(अन्सर्दिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता है।

उनत सम्पोत्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच स 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामीश से 30 दिन की संविध, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचका जे राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हिदबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित के किए जा सकेंगे;

नन्त्र्या

भू।म-1. जीवरत्नम् नगर गास्त्री नगर मद्रास-20 श्रष्ठयार/लेख सं० 3021/84 । $\stackrel{.}{i}$

ृएम० समुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिश्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) औ को अधीन, निस्नीसिश्चित व्यक्तियों, अधीत्

तारीख : 8-7-1985

मोइर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालरः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-16, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० 47/नवस्वर 84 रेंज-11--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00-000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जीव रत्नम् नगर, शास्त्री नगर है, जो मद्रास-20 में स्थित है (श्रॉर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण, रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्राडयार लेख सं० 3024/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 नवम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्च है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके ब्रियमान प्रतिफल से एसे ब्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उब्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती चंदिनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजी श्रीनिवासन्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) क्षा सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि-1, जीवरत्नम् नगर, धार्म्स्त्री नगर, मद्रास-20 प्रान्डयार लेख सं०• 3024/84।

> ्एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर श्रायुक्त (**निरीक्षण) श्र**र्जन रेंज I**I, मद्रास

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🔞

प्ररूप आहें. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० 51/नवम्बर 84/रेंज-II---श्रतः मुझें, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा.गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3ए, परमध्वरी नगर है, जो अडयार, मद्रास में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, भ्रष्डयार-लेख यं 3081/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908(1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई है और मृझ यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंगरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखिन्न में वास्तिक 'रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अस्तिया अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थीत् ः—

(1) श्रीमती देवीबाला बाफना।

(भ्रन्तरक)

(2) डां० पी० मणिवण्णन्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुखत शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्ध हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रन् सूची

भूमि ग्रौर मकान-- 3-ए परमेम्बरी नगर, ग्रष्टयार, मृद्रास-प्रडयार-लेख सं० 3081/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

नारीखा: 8-7-1985

प्र**रूप वार्** . टॉ . एन . **ए**स . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 60/नवम्बर 84/रेंज-ध-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डोर नं० 142, श्रो०एस०न० 91, श्रार० एस० नं० 48/1, एण्ड 701/36938 हिस्सा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध शनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, थांसन्ड लैंटस्, लेख सं० 407/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नयम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित जाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसं द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) ओर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबरा, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के र्ाट के प्रतिकास के उपने में म्युविशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

हात: अब; उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्न अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्सित व्यक्तियां, अधीत :--- (1) मैसर्स काण्टिनेंन्टल बिल्डर्स मन्नास ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स यूनिवर्सल फैनान्स ट्रेडर्स लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिक अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों ,पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — शतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

प्लाट नं० 142 नुंगम्बाक्कम् है रोड मन्नाम-34 & 701/36938 हिस्मा भूमि में थौसन्डलैंड्स् लेख सं० 507/84।

एम० सामुबेल ंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज•ा, मद्रास

तारी**ख : 8**-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मन्नास मन्नास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश मं० 62/नवम्बर 84---ग्रनः मृझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी मं० टी अएम० नं० 58/21 है जो न्मस्बास्कम् में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय थीस डलैंट्स् लेख सं० 510 मे 514/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2 नवम्बर 1984 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उदित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मच्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्ति में थास्त्रीवक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और∕या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :-- (1) मैं मर्स कामाक्षी इन्टरप्राइजेज ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स इण्डियन पोटाप लिमिटेड। कषांक एण्ड कम्पनी लिमिटेड जान अजहाम्।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हे—

- (क) इस राजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तित द्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ---- इसमे प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

भूमि डी॰एस॰ न॰ 58/21 नुंगस्त्राक्ष्म्, लेख सं॰ 5-10-84 सं॰ 514/84 की पेडल में दी हुई सम्पत्ति थोसन्डलैट्म्।

एम० सामुबेल यक्षमं प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-॥ मद्रास

तारीख: 8-7-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयम्भर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूनना

मारत सरकार

क्षार्यासय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निवीकाण)

ग्रजन रेंज-II, मदासं

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 69/नवम्बर 84/रेंज II—प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्श किधीनयम' कहा गया है), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1/77 भूमि ग्रण्णा धालें-नुगम्बाक्कम् डोर नं 609 हैं जो मद्राल 34 में स्थित हैं (श्रीर इससे इससे उगावद्ध में श्रीर पूर्ग रुग से विज्ञित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय थौसन्डलैंट्स् लेख सं 473,474/84 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन नैवस्बर 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उपित नाषार मून्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते वह विष्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित नाषार मून्य, उसके दृष्यमान प्रौतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह् प्रतिकृत से अधिक है जार अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) कि नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निक्तिनिक स्क्योग से उन्त अन्तरण लिखित के वास्त्रविक स्क्य से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आब की बाबत, उक्त अभिनिषक के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अपी करने या उसने जभने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) इसी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम , 192 । (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा के सिक्;

क्त: सब, उक्त क्रिक्षिनियमं की धारा 269-स **के सन्सरण** भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपधारा (1) के अधीर, निम्हिलियत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) कुम्मूरी अन्जर्व सिंग. श्रीमती बोणा सिंग। (अन्तरक)
- (2) श्री इल्ब्रम सेहर मालिक । फादर एण्ड गाडियन ।

(श्रन्तरितो)

के बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संवति के नर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन की अविध् या तरसंबंधी व्यक्तियों पर तृषना खाँ तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों सें से सिसंसी व्यक्ति ब्वासा;
- (स) इन सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिनदे किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास स्थित में किए सा सकेंगे।

स्पृथ्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीपनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित है; यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

नन्स्यी

प्लाट 550 एरक्वायर फीट ग्रीर 1/77 हिस्सा-ग्रण्णा शाल डोर नं० 609 नुंगम्बाक्कारम् मद्रास-34 थीसन्छलैडस लेख सं० 473, 474/84।

> एम० समुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 8-7~1985

प्ररूप बार्च दी पुन एस :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ाा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० 89/नवम्बर 84/रेंज-II---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एम० नं० 2, ब्लाक नं० 92 है तथा जो कोडम्बाक्कम् गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपबाद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम् लेख सं० 30-8-84 राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाज़ार मूल्य से कम के इक्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाज़ार न्द्रस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जलारण में हुई किसी जाय की बाबत, उचल जिंधीनयम के जभीन कर दोने के जलारण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनूमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 30—186 GI/85

1. श्रीमती एस० पंकजवल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती नीलनी हरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांधत सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व व 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस-ब्यूथ किसी अन्य स्थिक्त द्वारा, अधोद्रस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पन्न किरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

प्लाट--कोडम्बाधकम् गांवटी० एस० नं० 2, ब्लाक न० 92 कोडम्बाधकम् लेख सं० 30-8-1984 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-॥, मद्राम

तारीखा: 8-7-1985

प्रकथ बाह्र टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती बेनिगल विमला बाय श्रीर श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

ज्ञायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) की अधीन स्चना

1961 का 43) की (2) श्रीमती बी०वी० लता। अधीन सचना

शाह्य करकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 97/नवम्बर 84/रेंज-II—श्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर नं० 2, श्रिभिरामि लेन, पुरणवाकक्ष्म् है, तथा जो मद्रास-84 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्सृची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुरणवास्कम् लेख सं० 1973, 1974/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह भीतफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरितौ (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाब भी बावता, सबता श्रीविषय के बधीन कर दोने के कलाहरू के श्रीवरण में कभी करने ना उत्तसे मंत्रने में सुनिधा के सिए; बीर/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रियान में सुविधा के लिए:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पछीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुने अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

and all

भूमि श्रौर मकान नं० 2, श्रभिरामि लेन, पुरशवाक्कम्, मद्रास-84, पुरशवाक्कम्, लेख सं० 1973, 1974/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जैन रेंज-II, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिषिक व्यक्तियों, वर्षाक् क्र—

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🖫

प्रकप बाड . टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 घ (1) के अधीन समाना

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक नायकर नावुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 99/नवम्बर 84/रेंज-II—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1.00.000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक है **ग्रौर** जिसकी सं० 2 कनपामुडी स्ट्रीट, कोणपेठ है, तथा जो मद्रास-112 में स्थित हैं (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)., रिजस्ट्रोकर्ता आधिकारी के कार्यालय, पुरशवाक्कम लंख सं. 1989/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सुल्य से कम के इश्यमान को गई है प्रतिफल के लिए अन्तरित विद्वास करने का यह कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से., एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रिकल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बंतरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः सम, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० पलनिनाथन् भीर दूसरे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० मारियपूपन् ग्रीर लक्ष्मी भ्रम्माल । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के बर्जन के लिए क संवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) रव सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वही अर्थ होगें जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि और मकान-2, कनपा मुदली स्ट्रीट, कोशप्पैठ-मद्रास-112, पुरशवादकम्, लेख सं० 1989/84।

> एम० सामुवैल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 8-7-1985

वृक्त वाद'्टी <u>. दृष . एक</u>

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

बारत बुरकांड

कार्यांतय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्रण)

धर्जन रेंज-ाा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 128/नवम्बर 84/रेंज-II--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ज के नभीन सक्षम प्राभिकारों को यह विश्वाद करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृख्य

1,00,000/- रत. से अधिक है^{*}

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7, डोर नं० 19, मोतीलाल स्ट्रीट हैं, जो मद्रास-17 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय टी नगर, लेख सं० 1427/84 में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण सिवित में नास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) ज्ञारण से हुइ किसी जाम की बाबत, उक्त बिधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्क में कमी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; श्रीद्र/या
- ्व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवीवनार्थ नन्दरिती द्वारा अकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती एस० लक्ष्मी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धार०एस० नारायणन्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हों।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारत की ताड़ीज़ के 45 सिंग की व्यक्तिया ने सरसम्बन्ध का ताड़ीज़ के स्वाप्त की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्विया को से किसी स्वयित हुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यक्ति

प्लाट नं० 7 **डोर** नं० 19, मोतीलाल स्ट्रीट, मद्रास-17, टी० नगर, लेख सं० 1427/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

बतः वंद, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण के, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के वधीन, विधनिविद व्यक्तियों, वर्षाद क्

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🍙

प्ररूप आहर . टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेण सं० 132/नवम्बर 84/रेंज-2—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उन्त अधिगायम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2, श्ररकाट मुदली स्ट्रीट, टी नगर है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नवम्बर 84 में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवम्बर 84

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और स्फेर यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक । (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मतिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी ए० ललिता।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती एस० रेवती।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मप्त्यी

भूमि श्रौर मकान-18, न्यू-नं० 2, श्राकाट मुदली स्ट्रीट, टी नगर मद्रास-17, टी० नगर-लेख सं० 1377/84।

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 8-7-1985

प्रस्त बाहे, टा. एन, एक.....

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में वधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-ग्र, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 137/नवम्बर 84/रेंज-II —-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धार 269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- क से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 77, पिल्लैयार कोयल स्ट्रीट है, तथा जो तिक वट देवरनपंट, मद्रास-5 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन लेख सं० 767/84 में भारतीय रजिस्ट्री-करण स्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के स्रधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उण्यत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) जौर अम्परितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा मामकिक रूप से कामिए नहीं किया गया है है—-

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाव की वावत, उन्तर अधिनियम के ब्योग कर दोने के अन्वरक कें दानित्व में क्यों करने ना उसके नमने में बृतियां के सिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा को सिए;

मतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री पी०टी० रामानुजम्।
 - 2. श्री पो० डी० पार्थसार्थी ग्रौर धन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री हाजी मुहमद ग्रमर साहिब।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त बुज्यित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुई।

उनक् सन्पत्ति के नर्बन के तंबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अमिश मा तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अमिश, जो भी अमिश भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, वा उन्तर् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा वो उस अध्याय में दिया सका है।

अमृत्यी

भूमि ग्रौर मकान-77, पिल्लैयार कोरल स्ट्रीट, तिरू-विश्वरनपेट, मद्रास-5, ट्रिप्लिकेन लेख सं० 767/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, सद्रास

तारीख: 8-7-1985

प्ररूप आर्ड्: शी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भागत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मक्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 139/नवम्बर $84/रेंज-<math>\Pi$ —-श्रतः मुधे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 171, पैकाफ्टम रोड, रायपेट्टा है, तथा जो मद्रास-14 में स्थित हैं (और इससे उणाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, द्रिष्टिलकेंन लेख सं० 769/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर,

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हो और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एंगे छ्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किकित में बास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922-(1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ई० गोविदराजुलु नायुडु ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती डी० सरोजा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंग।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान-171, पैकाफटस रोड, रायपेठ्ठा, मद्रास-14-द्रिप्लिकेन-लेख मं० 769/84।

एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख: 8-7-1985

प्ररूप आहें.दी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 ज्लाई 1985

निवेश सं० 227/नवम्बर 84/रेंज [1—-श्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 25 मिल्लर्स रोड है, तथा जो मद्रास-10 में स्थित हैं (और इसमें जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ सेख सं० 3008/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नवस्बर 1984

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्षे यह विषयास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरयमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल से प्रस्के पर्यमान प्रतिफल से कियक है और अंतरिक (अंतरिक्त) की के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आव की बाबत, उच्च जीवनियम के अधीन कर दोने से बन्तरदा के बायित्व में कजी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाब वा किसी भन मा बन्च आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भनकर विभिनियम, वा भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सृविभा के लिए;

अत: अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरन में, में, जन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित अधितयों, अधीत :--- (1) मेसर्स ट्याबल्ली रंगवाला, ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्ररमङा मेन्डेस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रीत के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसते संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संग्रित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थककिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में दिवा गवा है।

ग्रमुसूची'

1/16 हिस्सा-3 ग्रीण्डम् एण्ड 426 सकवायर फीट, ग्रार् \circ एस \circ नं \circ 92/1, 25, मिल्लर्स रोड, मद्रास-10, मद्रास नार्थ I लेख सं \circ 3008/84 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स् भ्रजीन रेज-II, मद्रास

तारीख: 8-7-1985

मोहरः

प्ररूप आईं .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास,दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० 91/नवम्बर/84-प्रतः मुझे, वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ित्त इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भौर जिसकी सं० 44/1 है, जो कोनाकोन्टापल्ली गांव होसूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, होसूर द०: सं० 3827/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर,

को प्रबंक्त सम्गत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में सास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---

(1) मै० डिन्ट सुसिकि मोटार सैकिलस, प्रा० लिमिटेड।

(प्रन्तरक)

(2) मैं हरिटा एलासटीमरस प्रैवट लिमिटेड । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से विश्ती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें शयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि धकरहारम गांव, होसूर तालूक, एस०मार० होसूर, द० सं० 3826/84।

> क्षेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 15-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक_, 15 जुलाई 1985

निर्देश सं० 91ए/नवम्बर/84—श्रतः मुझे, के० वेनुगोपाल राज्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 441 है, तथा जो केठा कोठा पर्स्ली गांव होसूर तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस०श्रार० होसूर (दस०सं० 3827/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवम्बर, 1984 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तिधिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए।

- (·1) डिन्ट सुसिकि मोटरसाईकल प्राईवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) हरिता रब्बर प्रोडक्टस प्राईवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि कोठाकोन्डा परुली गांव, होसूर तालुक, एस०भार० होसूर, वस०सं० 3827/84।

> के० वेनुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अज्ञ्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 15-7-1984

इक्स बार्ड्ड **डी**., **इन**्य एक ...-----

भायकार क्षिणिकन, 1961 (1961 मह 43) हाई भारत 269-म (1) में मणीन सूचना

RING GEORGE

श्रामांस्य, बहायक नायकर नायकत (निडीसन) ग्राजीत रेंज, हैदराबाय

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 212/85-86-श्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

बातकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके दश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के मधीन इसमे अधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं इमारत है, जो पाटामाट। विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधिन दिनांक नवस्बर 84 को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रवमान शिक्स के लिए मन्सरित की नहीं है बीर मृत्री यह विश्वास धरने का कारण ही कि वथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृद्ध, उद्धवी स्वव्यान प्रतिकत्त से, एस ध्रवमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकत से विध्व है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक कि नए तम पाया गया श्रीवक्त, निक्किमियत उत्रवेध से उक्त कन्तरण सिचित में बाल्यिक

इन्य में कथिब नहीं किया गया हुँई—-

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली जान की वाल्कु, इक्क बांधिनियम के अधीन कह क्षेत्र के अन्तहक के अनिवल में कभी करने या उधसे क्ष्यों में तृष्या के फिल्ह; बार/वा
- (क) एंथी किसी जाय या किसी धव वा जन्य जारितवाँ को, जिन्हों भारतीय आवक्तर जीविनियम, 1922 (1922 का 11) वा उचता जीविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वाय प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

कतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यान, नियमिक्स व्यक्तिकां, वर्षात् क्षान्त

- (1) श्री एम॰ प्रमीला राणीपप्ति श्रीरामूलू रामचद्रानगर, पाटामाटा. विजयवाडा- 6 (ग्रन्तरक)
- (2) एन श्रीलक्ष्मी (माइनर) पिता लक्ष्मनराव भ्रत्यवडन एन देखिका सीतारामपुरम, विजयवाडा,

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बाड़ी करुवें पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करुवा हुरे।

इस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्याप अभोहस्ताक्षरी के बाह्य सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थान्तीकरण :---इसमें त्रयुक्त कान्यों और पर्यो का, को उक्त विधितियत्र के बभ्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं वर्ध होगा जो उब बभ्याय में विधा गया हैं।

वनुसूची

दमारत, डी० नं० 16-98/2, रामखंद्रनगर, विजय-वाडा, र्राजस्ट्रोकृत विलेख नं० 7702/84, र्राजस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक : 9-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

मायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैसराबाद

हैवराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्वेश सं० आर० ये० सी० नं० 213/85-86---ध्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर शितको सं० भूती है, तथा जो नल्लापाडु गूंटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबड़ अनुसूती में ग्रीर पूर्णस्य से विणत है), रिनस्ट्रेक्ती अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भार-तीय रिनस्ट्रेकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधिन दिनांक 19 दसम्बर 1984

को पृथेंक्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापृथेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उकत नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) जी० कोंडया, पिता बसवय्या, कोरीटीपाडू, गृट्र ।

(भन्तरक)

(2) दि प्रशांतीनगर को भापरेटिव बिल्डींग सोसायद्री नि०, गृंदूर।

(मन्दरिती)

को यह स्चना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधे हस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

खूली जमीन, बल्लापाड् गूंटूर, रिजीस्ट्रीकृत बिलेख नं ० 14280/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकारी गूंटूर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायूक्त (निरक्षिण) मर्जन रेंज, हैबराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिएत व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनोक: 9-7-1985

मोहर 🖫

प्रक्ष ुक्ष कर्दा टी. एत्, एस् ु = = = =

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदर:बाध

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 214/85-86-यतः भुन्ने, एम० जगन मोहन, *भायकर अ*धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें** 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ∕- रु. से अधिक **हैं** भौर जित्ततो सं० भूमि है, जो कोरोटोपाडू गूंट्र में स्थित **है (ग्र**ीर इसने उपन्व**छ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से** वर्णित है), राजस्द्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गुंटुर र्राजस्ट्री हर व्यक्षितियम, 1908 (1908 का 16) 19 नवन्त्रर 1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नसिक्षत उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक

> (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव की बावल, संबंध नाभागियम के नभीन कार दोने के संस्तरक के दायित्व में कभी करने या ग्रससे बचने में सुविभा के निए; नार/वा

रूप के कथित नहीं किया गया है है—

(क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों नां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती यूनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, किया से स्विका से किया

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखिस व्यक्तियों, अर्थाक ए--- (1) श्री पे॰० नरसीम्हा घारीयूलू पिता भावना चारीयूलू गाँर ग्रन्थ कोरीटीपाडू।

(भ्र∙तरक)

(2) श्री सीद्दीनेनी सत्यनारायणा पिठा नागेस्वर शव, द्राडीपेट, गूंट्र ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् ते संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क्रे राजपत्र की प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान क राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्यारा, बभोहस्ताक्षरी के पास जिक्सि में किए वा सकेंगे।

स्पव्योकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

खूली जमीन विस्तीर्ण 0.50 सेंटस, कोरीटीपाडू, (गौरलावारीपालेम), श्रीनिवासनर को ग्रापरेटिय हाउस बिस्डींग सोसायटी गूंटूर के पास रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12936/84 रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी गूंटूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 9-7-1985

प्ररूप बाह् .टी..एन .एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदर।बाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

र्विरीं संब्रहारु एव सीवनंव 215/85-86--प्र∄ः, मसे, एम० जगन मोहन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रत. से अधिक है भीर जिसका सं० भामे है, जो तिरुवः, विद्यूराला,में ।स्थत है (ग्रीर इससे उपाब**ढ़ श्र**नुसूत्रो में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिजारी के कार्यालय, पिड्युराला, में र्राजस्द्रीकरण श्राधानयम, (1908 का 16) के भ्रधीन नवम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार

मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-

रिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त्रण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरक से हुई किसी आय ी बाबत, उक्त अधि-मियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

चतः। जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थातः —

(1) सीचच, वासुदेवस्या भीर भन्य पिता रामचंद्राय्या, पिल्लूट्ला गनेसकारीपालेम, पिड्रगूराला, तालूक, गूटूर जिला ।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स कन्यर्ण सेमेंटस, प्रा० लि०, मनेजिग डायरेक्टर श्री जी० वाई० किगोरकुमार, पिडूगराला. गूंट्रर जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

खूली जमीन विस्तींणी 4 एकर भौर 02 सेंटस, पिलाटला, पिडूगूराला तालूक जिला गृंटूर रजिस्ट्रीकृत विलेख मं० 2495/84 राजस्ट्रीकर्ता मधिकारी पिडुगूराला।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-7-1985

मीहर व

प्ररूप वार्इ. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० धार० ए० सी० नं० 216/85-86 यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इमारत है, जो ब्रोडीपेट, गूंटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गूंटूर में में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वा से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती के० पारवती पति के० प्रसादराव पोटीश्रीरामलूनगर, गूंटूर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती दासरी सूर्याकुमारी पति मन्नवा ग्रनकय्या, इतानगरपाडू, तेनाली, गूंटूर जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त इय्हों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्ध हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

इमारत क्रोडीपेट, गूंटर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12922/84, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी गूंटूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाड

विनांक : 9-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० धार० ए० सी० नं० 217/85~86---यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर आधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पद्मात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,009/- रा. से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो क्रांतीशिकारा पंजागुटटा हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कायिलय में हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर

को पूर्वोक्ष्य संमाति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक ध्रयमान प्रतिफल से, एमें द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिक्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त शिधिनियम की धारा 269-व की रापधारा (1) के अधीन, निम्निर्शिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैसर्स विरगो कन्स्ट्र4शन बाइ श्री बी० एन० रेड्डी, राजभवन रोड हैदराबाद ।
- (2) श्रीमती के० जगन मोहीनी पति सी० सत्यानारायणा, फ्लैंट नं० 2 जी–फ्लोग्नर, कांतीशिकारा पंजागूट्टा, हैवराबाद । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करळे पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अरता है। जयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचन के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना हे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटकीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्रलैट नं० 2 ग्राउंड फ्लोग्नर कातीशिकारा, पंजागृट्ट, हैवराबाद; रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6230/84, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिषकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज हैदराबाद

विनोक : 9-7-1985

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 218/85-86-यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षत्र पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्त जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट है जो कांतीशिकारा, पंजागट्टा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाधद्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर 1984

वा पूर्विका संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एोसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत के अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्धेदेय से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी अग्रय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिसिंखल व्यक्तियों, अर्थात् :--32-186 GI/85

र्न . एस . ----- (1) मैसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शन बाइ श्री बो० एन० रेड्डी, राजभवन रोड , हैदराबाद ।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री पी० राघवा रेड्डी फ्लैंट नं० 4 4थ फ्लोग्नर, कांतीशिकारा पंजागुद्र्टा हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मंतंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रताबन की तारीय में 45 दिन के भीतर उकत स्थावन रामाधि के हिस-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्रामा, प्रतिहस्ताक्षणी के पास विस्ति में किए जा सकेंग।

स्पच्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त बब्दों और गढ़ों हा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-ए में यथा परिभा-ही, यही अधि होगए को एम अभाग से दिया गया ही।

अनुसूची

फ्लैट चौथा मजला, कांतीशिकारा, पंजागुट्टा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5996/84 रजिस्ट्री-कर्ता **प्रधिकारी**, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 9-7-1985

प्रकम काइं. टर्डे. एन. एस.------

सायकर सिंधिनयम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के संधीत स्वता

पारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्तण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० झार० ए० सी० नं० 219/85-86--यत, मुझे, एम० जगन मोहन,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो पंजागूट्टा हैदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1984

को पूर्जीकत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान हित्कल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थापूर्जीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके व्यथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कैलिए तथ सम्वास्त में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किन्सी बाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दाजित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती दसारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा खे सिए;

जतः अजः, जक्त जीधनियम की धारा 269-ग के जनसरण णें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के जधीन, निम्निसित व्यक्तियों, जर्थात् :—— (1) मैसर्स विरगो कन्स्ट्रमणनस, बाइ श्री बी० एन रेड्डा, बंजारा होलस, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० रामकीष्णा रेड्डी , फ्लैंट नं० 77, थर्ड फ्लोग्रर कांतीशिकारा, पंजागूट्टा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित क्षारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकीन।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त नायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया नया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 77 तीसरा मजला, कांतीशिकारा, पंजा-गूंट्टा हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5995/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-7-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

अग्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 220/85-86-यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० पर्लट है, जो अरुण अपार्टभेंटम, रेड हील्म हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिख्तित में नास्तिबक हप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत∵ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स सनराध्ज बिल्डसँ, रेड श्लील्स, हैवराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बीठ सदाणिव राव, घर नंठ 45-7-11 जगन्नाइकपूरम, काकीनाडा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी काइके पूर्वोक्स सन्याहित के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाह्मेंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हन्नेगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

फ्लैंट नं० 612 श्ररूण श्रपार्टमेंट्म, रे**ड** फिल्म हिल्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृप्त विलेख नं० 5937/84 रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी हैदराबाव ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्र हो एन एस .-----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भाग्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रार0ए0सी0 नं0229/85-86→ **यतः** मुझे, एम० जगन मोहन,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ए. से अधिक है को सक्षम प्राधिकेंद्रम देख

और जिसकी रां० पलैट है जो श्ररूण श्रपार्टमेंट्स, रेड हील्म हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अबीन नवम्बर 1984 को पहेंग्यन सम्मित के शिव के शिव को पहेंग्यन के स्थाप के सिंग अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जोनकार, जिम्मिलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, का धन-क्षण अधिक्षिण्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अय अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, मैं. एका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (——

(1) मैसर्भ सनराइज बिल्डर्स, रेड हिल्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्वयम प्रभा नायर, फ्लैट नं० 312 ग्ररुण ग्रपार्टमेंट्स, रेड हिस्स, हैदराबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बग्लुकी

पलैट नं० 312 ग्ररूण ग्रपार्टमेंट्स, एम० नं० 11-5-384 रेड हिल्स, हैदराबाद, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5938/84 राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी हैदराबाद।

> ्मं जगत मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-7-1985

प्रकम बाह्र . टी . एन . एस . -----

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीत स्थाना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद , दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेण सं० भ्रार० एे० सी० नं० 222/85-86---भ्रत:, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

1,00,000/- उ. स आधिक ह और जिसकी सं० पलेंट हैं जो आस्पा अपार्डसेटस, रेंड हीलस हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणन हैं), रिजस्ट्रीकर्ना प्रक्षिकारी के कार्यालय हैदराह्माद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 नवस्बर 84 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि सथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे अध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम कमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया रूप हैं:---

- (क) मृत्यरण से हुई किती नाय की बाबता, उक्क जीभीनमन के अभीन कर दोने में जन्मरक के दामित्व में कमी करने वा उत्तरी वसने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (स) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को कभीन, नियम्बिरियम व्यक्तियों, स्थारि ३(1) मैसर्स सनराइज विरुडर्स रेड हिल्म, हैदराबाद

(मन्तरक)

(2) श्री धी० विनयकुमार गोविदराजलावारी स्ट्रीट, मोरीसपेट, गृहर ।

(मन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वद स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट अपनिसर्यों में से किसी व्यक्ति बुतारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क विधिनियम, 1961 (1961 का 43) को अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

पलैट न ग्रारूपा ग्रपार्टमेंटस, एम० न० 11-5-348 रेडहिल्म, हैदराबाद, राजस्ट्रीकृतविलेख न० 6010/84, राजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबद

तारीख: 9-7-1985

मोहर 🛚

प्रकल नाहाँ, हाँ, एन , द्ता, --------

नायकर क्षिपियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त जायुक्त (निरीकण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश स० श्रार० ऐ० सी० न० 223/85-86--श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट है जो ब्रारूण ब्रपार्टमेंटस, रेड हील्स, हैदराबाद में स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-

कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय राजस-स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19 नवम्बर 1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के जीवत बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार भूष्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित जब्देश्य से जक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त जीध-नियंत्र के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अजने में सुनिभा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

स्रतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निकालि वित स्थितमों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स सनराक्ष्ण बिल्डर्स रेड हिस्स, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० भीताराम राव, फ्लैंट २० 512, ग्ररूण अपार्टमेंटस, रेड हील्स, हैवरााव ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किती जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सर्वोगे।

स्पर्की करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उचत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा एता है।

ग्रन्सूची

फ्लैंट न० 512 ग्राप्ण ग्रपार्टमेंटस, एम० न० 11-5-348 रेड हील्स हैदराबाद रजिस्द्रीकृत विलेख न० 5936ह /84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी. हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक :- 9-7-1984 मोहर

प्रकप कार्ड, टी. एन., एक., अवनमध्य

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269 थ (1) के अभीन स्थान

भारत तरकाड

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश मं० ग्रार० ए० मी० नं० 224/85-86---यतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम पाधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है जो कांनिःशिकारा पंजागुटटा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ श्रमुम्भी में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीःत्वी श्रिधिकारी के कार्या-स्थ, हैदराबाद में रजिस्ट्रीःरण श्रोधिनयम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुद्दं किसी जाय की बाबत, उपस वीधिनियम के जधीन कर योने के जन्तर्क से वायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) धंसी किली बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों करें, खिल्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोचनार्थ अस्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

भतः अय्, उक्त विधिनियम का भारा 269-ग के अनुसारण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) भो अधीनः निम्निजित स्वित्यों, स्वाति केन्न (1) मैससं विरगो वरस्ट्रवशन्स ब।इ, श्री बो० एन० रेड्डो राजभवन, रोड, हैपराब।इ

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स भारत प्रार्थमूव्हर्स लि०, घर नं० 3-6-44, होम।यतनगर, हैदराबाद (वाई श्री ए० लास, रीजनल मनेजर

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निस्तित में किए का सकेंगे।

स्यब्दिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नवस्त्री

फ्लैट नं० 38, **वी**था मंजला, कांतीशिकारा, पंजा-गूट्टा, हैदराबाद । रजिस्ट्रीकृत जिलेख नं० 6231/84, **है** राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज हैंदरबाध

दिनांक 9-7-1985

मोहर 🖫

प्रका नाइ . टी, एन. एत. -----

भावकर जिथिनिसस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन स्वना

बारतं बुडकाड

कार्याजन, सञ्चानक बानकर बाजूनत (निद्वांबाज)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाय, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 225/85--86---यतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित वाधार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो ब्रिदावन श्रपार्टमेंट्स, रेड हिल्स में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय; श्रीरताबाव में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 (1908 क) 16) के श्रधीन नवस्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के जीज एसे अन्तरण के निए तृब् पावा जवा वितक्त निम्नितिवित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि निवित्त के बारतिक रूप से कथित नहीं किया ववा है कि

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जीभीनवस के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कभी कड़ने या उससे वभने में सुविधा से बिस; साँड/वा
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिन्यम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिया के लिए;

बतः वब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण कें, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वभीग, निस्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मैंसर्स भाग्यनगर कन्स्ट्रक्शनल को० बा**इ** श्री मुक्दलाल, 11-4-656/1, रेड हीलस, हैंदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रानिता पंचवोर, पलैट नं० 304ए, श्रिवायन श्रपार्टमट्स, रेड हिस्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के जर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी वर्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकेंगे।

स्पथ्डोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यात के दिया गया है।

जग्रुवी

फ्लैट नं० 304ए, श्रिषायन श्रपार्टमेंट्स, रेड हिल्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रंक्टन विलेख नं० 2669/84, र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधित्तरी खैतराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-7-1985

मोहर 🛚

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

मारत बर्फार

कार्यातय, सञ्चायक आयक्तर अप्यूक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० न० 226/85--86:—यतः मुद्ये, एस० जगन मोहन,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का आगएण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्स 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट है जी बिन्दावन श्रपाटमेंट्स, रेड हील्स में स्थित है (श्रीर इपले उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री तो श्रीकारी के श्रियलिय, हैदराबाद, में रिजिस्ट्री रेण श्रीधानियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, नवम्बर्र, 1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के हरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उमके स्थामान पीतफल से, गांगे रूथ्यमान परिपन्न का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिख्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन त बिधिनियम के अभीभ अप दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

सतः अव, उठ त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन. निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात—— 33—186 GI 85

- (1) मैपसं भाग्यनगर कन्स्ट्रकणन, को० बाइ श्री मुकुन्द लाल, 11-4-656/1, रेड होल्म, हैदराबाद।
- (2) श्रीमतो के० हममाप्रकाममा पात के० श्रीनिवासा राव, पलैट गं० 313, रेड होल्स, हैदराबाद।

(श्रन्तारती)

को नह स्वना चारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सब्बन्ध में काई भी बाक्से :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष निश्चित में किए जा सकों गे।

न्पस्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हीं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 316, बिदायन अगर्टमेंट्स, रेडहोल्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रोक्त त्रिलेख नं० 5700/84, रिजस्ट्री इनी अधिकारी हैदराबाद।

> एस० जगन जो इन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोज, हैंदराबाट

न(रीख: 9-7-1985

मोहर 🕆

प्रकृप बाह्र . टी. एव. एक्.

बायकर मंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन गुणना

RTAN MEANIT

कार्याचय, सहायक वायकर जायुक्त (निराक्षक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दैदराबाद, दिनां ह 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 227/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयेकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या फ्लैट है जो ब्रिद्रावन श्रापार्टमेंट्य, रेड हिल्प में स्थित है (ग्रीर इसपे उपावड श्रनुसूनी में बीर पूर्ण का निर्योग है), रिलिस्ट्री लिश्चिक री के का यिलय, हैरर बंद में रिलिस्ट्रा एण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवस्बर, 1984।

को प्रवेशित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापुर्शेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, सभक्ते का का प्रिक्त का प्रतिफल कर कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, सभक्ते का अपित की प्रतिफल कर के कि कि कि मूर्स असरक (अंतरकार) और अंतरिती अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरिण के जिए तथ पाया गया प्रतिक्रक का निम्नलिकित उद्यद्ध से उपन अंतरण लिखित में बास्तिक एक की स्थान की लिखित में बास्तिक

- (46) बन्तरण सं हुइं किसी शास की बावत, सबक्त ब्रोभिनियम के बधीन कार दोने के खंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा : (२०६) ब्रोर/शः।
- का एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य लास्तिको तो , जिल्हा भारतीय आयकार अधिनियम , 1922 । 1922 का 11) या जबत अधिनियम , या ता कर अधिनियम , या ता कर अधिनियम , 1957 (1967 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में स्विधा के निए;

बत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अमृतरक बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:— (1) मैंसर्स भाग्यनगर, कन्स्ट्रक्शन को० बाइ श्री मुकुंदलाल, 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टी० एस० प्रभाकर,
 फ्लैंट नं० 404, 4थ फ्लांग्रर,
 चर नं० 11-4-656/1, बिद्रावन श्रवार्टमेंट्स;
 रेड हिल्स, हेदराबाद।
 (श्रन्तरिती)

को यह स्थान वादी करके प्योंक्ट सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्परित के कर्बन के सम्बन्ध में आहे भी जाक्षेप थ--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों नक्ष सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविवद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाया;
- (क) इस स्थना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकेंगे।

स्पन्नीकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पदों का, को उनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य मरेगा को उस अध्याय में दिवा पदा हैं।

अनुसूची

ग्लैट नं० 404, चीथा मजला, बिदाबन अपार्टमेंट्स, रेड हिल्त, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5699/84, रजिस्ट्रीकृती ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जंगन मोह्न, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेज, हैदराबाद

तारीखा: 9-7-1985

भोहर ;

प्राच्या आहें .टी . तुन . एस . - - - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांा 9 गुलाई 1985

निर्देश सं० श्रास्० ए० सी० नं० 228/85-86-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन महास प्रतिकारों कर यह गिलावर बाजार माल का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जि की संख्या पत्रैट हैं जो भाग्य लगर विल्डिंग मुसीया वाद में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्ष में चणित हैं), रिजिस्ट्री की अधि गरी के वार्यालय, हैंदराबाद में रिजिस्ट्री एए अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1984।

कां पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान गीतफल के लिए अन्तरित जी गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित नाजार कृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से स्वत अन्तरण निम्नलिखत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं भूक् जिसी आब को नामत, उन्त शोधिकाम के गरीन कर दोने के सन्तरक के ग्राधित्य में गर्भी करते या उपने वसने में स्विया **से लिए; सर/वा**
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ धने भिन्धं आरतीय आगरण अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधिनियम अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा शिक्षः;

आत: १व, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में: उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मैं (र्स भाग्यतगर बिल्डर्स, आर० टीं० मी० रोडर, मुसीराबाद, हैदराबाद।

(अन्तर ५)

(2) श्रोमती सीयच, परोिनी रहाम, 1012थ मेन रोड, मलेस्वरम, बंगलोर।

(ग्रनरितीं)

भी बहु बुचना चारी करके प्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के क्षिश्च कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन की अविध या तत्सबधा ज्योक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वांक्ट स्थितियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थकतिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उपक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्था हैं।

अनुसूची

पत्रैष्ट भाग्यतगर बिल्डर्प, मुभीराबाद, हैदराबाद, रिनस्ट्रींकृत नं० 6280/84, रिजस्ट्रीकर्ती प्रविकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन ःक्षम प्राप्ति :ारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, हैदशासाद

तारीख: 9--7--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनां । 9 जुलाई 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 229/85 86---यतः मझे, एम० जगन मोलनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जित्तकी संख्या फरीट है जो ए० भी० मार्डस, हैरनाधाद में स्थित है (और इ.स. उपायद्ध प्रतृत्त्वा में ऑद पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्री ति अधि तरी के तम्बिन्स, हैरनाधाद में रजिस्ट्री रूण अधिनिक्षम, 1908 (1908 रा 16) के श्रद्धीन, नास्बर, 1984

को पूर्विकत संपत्ति के उचित याजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा बास्तविक रूप में कांश्रा नहीं किया गया है:——

- (क) अंगरण राँ हुई किसी आय की बावन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(3) 1 11 11 1 (V)

अत: अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नियिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) मैं तर्भ वभाग बिल्डमें बाह श्री हम्तीयान अहमद खान, गांतीत्रार, हैंदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम्० ए० एतीय, पर्लंड नं० ए (या नं० 11-4-633/4), ए० सी० आहंस, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क'के पूर्वीक्स गम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त हांती हों, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित-बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जीक्षितिसम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्सूची

पत्रैष्ट नंश ए घर नंश 11 4 633/4, ए०सी० पाईस, हैररापार, भीतक्ष्मीकृती विलेख नंश 5855/84. अजिस्ट्रीक्ती क्रियाचरी हैसराकार।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजेन रोंग, हैंदराबाद

वारीब : 9--7--1985

शहर :

प्रस्य कार्षः, टी. एन. एस्ट्र-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धररा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्नन रेंज, हैदराबाद

हैकराबाब, दिनां । 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० %ार० ए० मी० नं० 230/85-86:---यतः मुझे, एम० जयन मोडन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिस्का संख्या फ्लैट है, जो ए० सी० गाईन, हैदराबाद में स्थित है (और इस्में उपाबद अनुसूची में और पूर्ण स्प से विजित है), रिजिस्ट्री चि अधि ारी के रायिलय, हैदराबाद में राजिस्ट्री प्राथ प्रधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्राप्ति के किए अल्लाजन को गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उनुविश्य से उक्त बंहरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाप की बाबत, धक्त जीपनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बावित्व के कती कृदने वा उचने वसने में सुविधा के सिए; कौर्/वा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को लिए;

कतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित स्वविद्यों , वर्षात् ध— (1) मैं-५र्स क्सेरा बिल्डर्म, बाइ श्री इम्तीयाज श्रह्मद खान, णातीनगर, हैंदराबाद।

(अन्तर ह)

(2) श्री एम० ए० मुखीत, फ्लेट नं० सी० घर नं० 11-4-633/ए, ए० सी० गाईन, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्क सम्युक्ति के कर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वका के राजपंत्र में प्रकाधन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस्त सुचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- क्यूण किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मां परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यान में दिला गया ही।

मन् सूची

फ्लैट नं० सी० घर नं० 11-4-633/ए, ए० सी० गार्ड२, हैश्वराबाद, रिजर्स्ट्रीं कृत, विलेख नं० 5853/84 रिजर्स्ट्री क्रिंसि प्रिधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

क्षारी**ख:** 9 ∙7-1935

माहर 🖫

प्रारुप बाहुँ. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैक्साबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985 निर्देण सं० आर०ए० सी०नं० 231/85-86---यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट हैं, जो ए० मी० गार्डन, हैदराबाद स्थित हैं (और इससे उपाबड़ प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिशारी के धार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 की 16) के प्रधीन, नवस्थर, 1984।

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुंद्दै किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की दावित्य में कमी करने या उससे वयने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 मैनर्स बसेरा बिल्डर्स, बाइ श्री इम्तीयात्र श्रहमद खात, णातिनगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

एम० ए० रलीद,
 फ्लैंट नं० सी० (घर नं० 11-4-633/4),
 ए० सी० गाईस, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

ममुस्ची

पलैट नं० सी० घर नं० 11-4/633/4, ए०सी० गार्डस, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत किलेख नं० 5854/84, रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी हैदराबाद।

> एस० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैटराबाद

द्यतः अध , उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में , में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिकिंग पिकावों, अर्थात् ६——

नारीख: 9--7-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 232/85-86-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियमं. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक ही

स्रीर जिलकी संख्या पर्ले है जो मालाब टेंक हैवराबाद में स्थित है (स्रीर इसने उपाबद्ध अनसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण (अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1984

को पर्वोदन सम्पत्ति के तिवत वाजार मुल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टीकत सम्पत्ति का उचित बाजार स्व्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इन्य से कथिश नहीं कया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रीयिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अायक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्चित. व्यक्तियाँ, अर्थात् ६--- मैसर्य ऋसेंट टावर्स, बाइ डा० विजी यूजिसा पिता मीर इमदाद अली, बंजारा हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 मास्टर एम० शिवचन्दलर पिना मोहसीन तायाबजी, पलैट नं० 503, घर न० 10-1-128/1ए/प्रीर 1 बी, मासाब टैंक, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुस्ची

पलैट नं० 503, घर नं० 10-1-128/1 ए श्रीर 1 बीनासाब टैंक, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत, त्रिलेख नं० 6253/84, र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 9-7-1985

श्ररूप बार् .टी .धून .धुन .------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नधीन स्थाना भारत सरका≣

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 233/85-86-यतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैंट है, जो सोमाजीगूडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसने उपाबब श्रासुची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, (1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संशापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तविक रूप से कारतिक रूप से कारतिक रूप से सारतिक रूप से कार्या नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथिनियम के जभीन कार दोने की अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसीं नाय या किसी धन या बन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विपा के निग्रः

बस: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित :--- (1) मैसर्स लैंन्डमार्क बिल्डर्स 6-2-930, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आरीयंट लॉगमांन लि॰,
 5-9-41/1,
 बसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हा--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की
 पास निकित में किए जा सर्कोंगे।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अव्यूष्टी

पलैट नं∘ 404, घौथी मंजला, घर नं∘ 6-3-986 मे 996 कपाडीया लेन, सोमाजीगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं∘ 6235/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैद-राबाद ।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरबाद

दिनांक :- 9-7-1985

नोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस------

नायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के कभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यानय, सङ्घयक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराजाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जलाई 1985

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 234/85-86---यतः मुझे एम० जागन मोहन

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिन्नी सं॰ प्लाट है जो ताँगलगृष्ठा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिल्द्री कतो अधिकारी के कार्यालय अझमपूरा, में रजिल्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीत नवस्वर 1984
को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विक्वाव
करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाबार
मृत्य उसले दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती
(अन्तरितिमी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न लिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित महीं किया गया है ध—

- (क) मन्तरण ने हुई किसी बाय की वावत, अक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; बीर/सा
- (था) एखी किसी नाथ या किसी भन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, बा भव-कर मिथिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नन्तर किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से कविशा के लिए;

बत्त: बब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को अगृतरण वें, भैं:, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के कभीन निम्नतिविक्त व्यक्तियों, अथित र——
34—186GI/85

(1) श्रीमती हालीमूनिसा बेगम पति जाफर मोही उद्दीन,/ए/, 16-11-204 सलीमनगर, हैसराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हुमाइरा अब्दूल आजीज पति एम० ए० अजीज, 16-8-544, दाऊव मंजील न्यू मालकपूट, हैवराबाद । (अन्तरिती)

को कह क्यना चारी करके पुत्रों कर कमित्र के वर्षन के विक कार्यग्रहियां शुरू करता हुं।

बन्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- हुँक) इस स्थान के राथपन में प्रकाशन की तारीय से
 45 दिन की जनिथ या तरसंत्री व्यक्तियों पर
 स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, यो भी
 नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बाब जिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गवा है।

वनुसूची

प्लाष्ट नं० 57, बिस्तीर्ण 671 ची० गज सलीमनगर को-आपरेटिव हाउजीग सोसायटी, सलीमनगर, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत जिलेख नं० 3640/84 रिजस्ट्रीकृतो अधिकारी हैसराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,हैदराबाद

दिनोक :- 9-7-1985 मोहार :

प्रस्य नादी. डी. एत्. एद . -----

बाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन संबना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर नागृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० सं० 235/85-86—यतः, मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं घर है जो सीत/रामपुराम विजयवाड़ा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमण शितफल के लिए अन्तरित की एवं ही अर्ड मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल को एवं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और बंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के जिए तय नामा नया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिनक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी बाव की वावत, सकत अधिनियर के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीवत्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधा ने निष्; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार जिथितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधितियम, या भन-कर विधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा वी विक्रा

जतः अव, उज्जत जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक कों, कों, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निज्जितिकत स्यक्तियों, अर्थात् ∷— (1) श्री के० सीतारामय्या पिता पापय्य भौर के० रंगा प्रसाद पिता सीतारामय्या विजयवाडा ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सी० एच० कोंडलराव पिता कोंडय्या ध्रीर सी० एच० जयलक्ष्मी पति कोंडलारा विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं के 45 विन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (थ) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर अन्तर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिविक में किए या सकी।

स्पच्छिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

टाइल्ड हाऊस श्रीर गोड, सीतारामपूरम, विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 7368/84, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, हैदराबाक्ष

तारीख: 9-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बधीन त्यना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरबाद

हैदराबाद दिनां म 9 जुलाई, 1985

सं० आर० ए० सी० नं० 236/85-86:--अतः मुझें, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाख 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिन्नकी संख्या घर है, जो पैदा यरूका पांडू गुडीबाडू, में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूडीवाडा, में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, नवम्बर, 1984।

को पूर्वांक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रविवान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्वांक्त संपत्ति का उपित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह भित्रशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नानत, उक्त अधि-नौभिनियम के अभीन कर दोने के अन्यरक के श्रियल्य में कनी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; मीर/वा
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन वा कन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-गर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा अं निए।
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (१) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अधीतः :—

- (1) श्री ए० कोटस्थर राव पिता अंजय्या, पेदा परुका, गूडीवाडा, कीष्णा जिला। (अन्तरक)
- (2) श्री कोका हारनाथबाबू, पिता सूर्यप्रकाण राव, छायानगीरीपेट, मछीशीपटनम, कीष्णा जिला। (अन्तरिती) को यह सूचपा बारी करके पृथॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी बक्षि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवानतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इव स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अगृत्यी

विब्छिग, पेंद्वा युरुकापाडू, गूडीवाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 0 5182/84। रिजस्ट्रीकर्क्ता अधिकारी। गृडीवाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त निरीक्षण अ**र्ज**न रेंज, हैदराबाद

ता**रीख**: 8-7-1985

मोहर 🕄

प्रकृष काइं. टी. एन. एस

नामकर निधीनसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्रार० ये० सी० नं० 237/85-86-पातः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर निमिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ण्लाट है तथा जो पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से से विणित है) रिजस्ट्री तो प्रधिनारीं के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 प्रधीन नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जिमित्यम के जभीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

(1) मेससष्ट विरमो वनस्ट्रक्शन्स, वाद श्री वि० एन० रेपी, बंजारा हील्स, हैदरावाद।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी फातिमा करबालाइ पिता लेट मतहम्बद अली करबालाइ, पलेट नं ० 88, कोतीशिकारा, पंजागुट्टा है दराबाद ।

(भन्तिश्तिौ)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उत्तत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यिक्त या विस्तार में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाट सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाका कि रण: ---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया यया है।

धनुसुद्धी

फ्लेट नं ० डके, कार्तीशिकारा, पंजागुट्टा, हैवरावाव, रजिस्ट्रीकृत विसे नं ० ४२२१/ड४, रजिस्ट्रीकर्ती श्राधकारी, वराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज, हैवराबाद

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्मलि शित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनोक : 9-7-1985

मोहर 🛭

प्रारूप आई'.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन सूपना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तिनां रे 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 238/85 र86---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उथित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से शिधिक हैं

अरि जि.की मं० घर है तथा जो राजमुंडी में स्थित है (और धर्रके उपाबद्ध अनुसूत्री में ऑर पूर्ण कर के वर्णित है) अजिस्ट्री-कर्ती अभिजारी के आयोजिय राजमुंडी में रिअस्ट्रिअण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकि कम से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से सुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुर्विधा के लिए; आर्डिया
- (च) एसी किसी जाय या किसी चन या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कृत: कज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक्:— (1) श्री धाई० सूत्री सत्तम और धन्य, डी० नं० 29 -- 6-12, धार्यापुरम, राजमूंद्रो, इस्ट गोतावरी जिला।

(भ्रन्तरक)

(2) मेर्स कील्गा और को० वाई श्री पी० केशच राष पार्टनर, डी० नं० 29-6-12, ऑगोजिट जयश्री टाकीज, राजमुंडी।

(अन्उरिती

की यह स्वना जारो करके पूर्वोक्त अस्मरित के वर्वन के विष् कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब वें 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इत स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, वो उस् अध्याय में दिव स्या है ॥

वनुसूची

घर नं० 29-6-12, राजनुंद्री इस्ट गोतावरी जिला र्गजस्ट्री;त विलेख नं० 10404/84, रजिस्ट्रीस्तौ प्रक्षिगरी राजमुंद्री।

> एम० जगत मोहम सक्षम प्राधि ारी सहायम प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैवनाबाद

दिनोक : 11-7-1985

प्रकृष भार्ष . दी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्यीन सूचना

भारत् श्रुकाङ्ग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिलांक 11 जुलाई 1985 निर्देश सं० भार० ए० सीं०नं० 239/85 86 —यत्र

मृक्षे, एम॰ जगन मोहन, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं इमारत अगन्त है तथा जो जाकीनाडा
में स्थित है (और इ.से उनाबढ़ अनुसूत्री में और पूर्ण रूप
से बिंगत है) रिजय्द्री जी श्रविगारी के जायीनाव पाकीनाडा
में रिजयद्री उरण श्रविनियम 1908 (1908 था 16) के श्रवीन
फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरित रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कार्याच्या है है—

- हुँक) नंतरण से हुइ किसी नाम की बाबत, उक्त निधिनियम के नधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यूने में सुनिधा के निए; नौर∕या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, भा, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) वे अभीन, नियमितियत व्यक्तियों, अर्थात् अस्स (1) श्री मो आ शिषा राज पिता लावस्या. जगनाई हपुर, बाकी शक्षा ।

(भ्रत्नरम)

(2) मेलसं गोयचेम लेबोरेट्रीज प्रा० लि० गोयचेम हाउस, 294, शहीद भगतसिह रोड, फाटँबोम्बे। (धनतरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कें लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकिएक : इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

ष र नं 0 45-7-19, जगनाई इपुर, वाकीशाङ्का, रिवस्ट्रीं ृत विलेख नं 1969/84, रिवस्ट्री स्ति प्रधिः तरी वाकीनाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुषत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

वितांक : 11~7-1985

मोहर 🏻

प्रकार बाह्य देश होते . इस , ------

आप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जभीन कृतना

शारत सरका

कार्यालय, बहायक बायकार बाव्यक (निरक्षिण)

श्चर्यन रेंज, हैकाबाद हैदराबाद, दिक्तंः 21 जुलाई 1985 निर्देश सं श्रार० ए० सीं० नं० 240/85:86----मतः, मुझे, एम० जगतोष्टन

भाग तर अर्रधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जीर जिन्ही सं० भूति है तथा जो गोरमतूछी विलेग, राजमुंद्री में स्थित है (और इन्से उपाधक अनुसूचन में और पूर्ण रूप से पणित है), निल्द्रावर्ती अधिनारी के कार्यालय राजमुंद्री में रजिस्द्री रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन दिस्कार 1984

को प्रविक्त तस्परित को उचित बाजार मृश्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उनके रश्यमान प्रतिफल को धाने रश्यमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय शाया गवा प्रतिकल, निस्तिलिस उद्वेष्ट्य से उक्त बस्तरण जिल्लाह में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, १९२५ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए।

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ए० वें .टेण्वर राज पिता श्री राममूर्ति, मंगलवारपू पेट, राजमुंड्री ।

(अन्तरः)

(2) मेन्सं एन० स्टार्च और ग्लूकोल इन्डाट्रोज प्रा० लि०, 8-3-945'4, नागार्जुन नालानी अमीर पेट हैदनाबाद बाई ए० रामनाथन, मेनेजिंग डायरेफ्टर । (धनतन्ति)

को पह तुपना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कामकर्गह्या अरता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्रारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयूचेत शब्दों और पर्दों का, की उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि (कुल क्षेत्र 9 एकड़ 09 सेंट्न) मोशमपुडी, राजमुंड्री राजस्ट्रीशत विलेख नं० 10534/84, राजस्ट्री ति प्रधि गरी राजमुंड्री ।

> एम० जगन मोहत सक्षम प्राधि ारो सहायक्ष भाषकर भाषुक्त (निराक्षण) भर्जन रेंज, **है**बरा**बाद**

दिनो 🗧 : 11-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहाँ. टी, एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (मिर्द्रीक्षण)

म्रजन रेंज, हैप्रराक्षाव हैदराकाद, दिनोग 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रायः ए० सी० नं० 241/85 86--- यतः, मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

की: जि.की नं ० भूमि है तथा जो वंतात होता, हैदाबाद मे िन्स है (और इ.से उपाबक अनुसूत्र) में और पूण रूप से विजत है) रिजिस्ट्रा ति अधि । परि के पार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रा तरण अधिनियम 1908 (1908 वर्ग 16) के अधीन नवस्वर 1984

करे प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६ व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फिम्मिलिखित उद्देश्य से २०१ अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किय गया है:—

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यथने में सुविधा के लिए; वर्षर/या
- (वा) एसी किसी नाव या किसी यन वा जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा वी सिए;

क्त: भव उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनसरक भी, भी, ग्राक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रीमती फातीमा ए० पाणा, 6-3-680 पंजागृट्टा हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० गोनात रेड्डी, 19-3-20ती, रानीनुंटा रोड, तीक्पती

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थितियाँ में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा ककीं।

स्पब्द्रीकरण. --- इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि जमीन सर्वे नं 1.29/16, वंजारा हीस्य हैपराबाद रिजार्ट्रा त विजेख नं 5659/84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैपराबाद।

एम० जग्न मोहन सक्षम प्रावि∶ारी सहायक श्रामकर श्रायुक्षे (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराभाष

दिनों के : 12--8--1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर आंधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश मं० श्रार० ए० सी० नं० 245/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मेंहिन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट है तथा जो हैदरागूडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चिकडपल्ली में रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मितफल निकालिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हाइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स मालिक बिल्डर्स ल बाइ श्रीमती ग्रजिजूनिसा बेगम श्रीर श्रन्य, दोमलगूडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद श्रब्दूल हामीद श्रीर श्रीमती रीयझ, फातिमा, हारेबेस्ट, श्राइ श्रेंटबार अखरगेटा हीवाल्स, यु०के०।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उपत स्थाव किम्मित में हितजबभ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळकिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं ० ए-1, दूसरा मंजला, मालिक बिल्डर्स, हैदरगूडा, विस्तीर्ण 1318 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 0.844/84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, चिकडपल्ली ।

एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्ष**ण)** श्रर्जन रेंज, **है**दराबाद

दिनांक : 11-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

काय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्राप्० ए० सी० नं० 247/85-86--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्षास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो विठलवाडी, हैदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्री क्रित श्रिध कारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवस्वर 1984

कार पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार स्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) मौर अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के गीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के संतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बनने म स्विधा के तिए; और/या
- (च) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्रीमती श्रशरफिनिसा बेगम,3-6-69, बसीरबाग, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती पि० श्रर्जुन राव श्रौर श्रीमती पि० उमा रानी, 2-2-1105/2, श्राह ई०, तिलक नगर, हैद राबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिवत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

धर नं 3-5-548, विठलवाडी, हैदराबाद, विष्तीर्ण 700चो० गज, ग्रीरभूमि विस्तीर्ण 844चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 5661/89, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी-हैदराबाद ।

> एम० जगत मोहत सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्राय**कर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनां त 11--7-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

मानकर आधित्यन, 1961 (1961 का 43) की धरा 269 व(1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश मं० श्रार० ए० सी० नं० 248/85-86~-यत:, म्झे, एम० जगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास कारने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी मं० भूमि है तथा जी सानरामरी विलेज, राजेन्द्र-नगर, श्रार० श्रार० जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवस्वर 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से एसे स्थ्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल मिन्मिलिखत उद्वोध्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तविक स्थ्य स्थ कथित नहीं किया चवा है अ---

- (अ) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में मृविभा के लिए; और/या
- ंसं एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (195) का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा ग किया जाना चाहिए जा, छिपान से सुजिधा से लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ∝धीरः, जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) ई॰ रामा देवी पति गूरवा रेड्डी, 1-65, मध श्रमराई, जिला रंगारेड्डी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नेदारनाथ पिता लेट पन्नालाल ग्रौर ग्रन्य, 3-2-350, चणल बाजार, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर
 कार का कार्य में भाष्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 क्रिक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार
- (क्ष) इस सूचना के राज्यत्र मों प्रकाशन की हारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किभी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहम्ताक्षरी क पास निक्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पध्टिकरण: --- इसमी प्रयावत शास्त्री और पदी का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषिक ही, बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय मी विया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 4.05 एकड़, एस० नं० 2 श्रीर फार्म हाउस नं० 1-65, सतरामारी विलेज, राजेंन्द्रनगर तालुक, जिला रंगारेड्डी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6726/85, रजिस्ट्रीकृती श्रिविकारी, रंगारेड्डी।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-7-1985

प्ररूप माईं.टी.एन.एस. -----

नायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वृधीन सुचना

शास्त्र सरकार

कप्रयोगिय, सहायक जायकर जायुक्त (किरीक्षक) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1885

निर्वेश सं० आर० ए० मो० नं० 249/85-86--यतः, मुझे एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

श्रदेर जिसकी मं० घर है तथा जो रामकोट, हैं बराबाद में स्थित है (श्रीर इपसे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजिस्ट्री कर्ता श्रिधिनारों के कार्यालय, चिकडारली में रिजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16 के अधीन) नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के द्रियमान प्रतिफल में लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की गांवत, सक अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दाजिस्व में कभी करने वा उससे क्यने में सुविधा के लिए: बीद/बा
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१९०० चा ११) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्टिशा स्वे शिक्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निस्तिशित स्पृक्तियों, वर्षात् ध्र---

- (1) श्रीमतीश्रिजिजा बेगम पति नवझीलश्राहा बाहादुर, 3-5-142/इ/2, राम होट, हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स कुंधन एंटरप्रायजैस, 3~5~141/बो/1, रामकोट हैदराबाद, बाई वी एल० फडके श्रोर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राअपेत्र में प्रकाशन की तारीत सै 45 दिन की अविधि या तत्मस्बन्धी त्यिक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

वन्स्ची

इंटरप्रायसेस विस्तीर्ण 514 चौ० गज, मस्ती नं० $3-5-121/\overline{s}1/1$, से $\overline{s}1/7$, रामकोट, हैंचराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 851/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, चिकडपल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 11-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 जलाई 1985

निर्देश मं० ग्रार्० ए० मी० नं० 242/85-86--यतः सम्रे गम्० ज्यान मोदन

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो मीदम्बर बाजार, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद श्रम्यूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय दूदबावलं में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पालन का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियहें स्त्रे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था. छिपान में हविधा के निए

सत: अब, उब्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन मिम्नीलिखित ल्यन्तियों, अर्थात :----35—186 GI/85 (1) श्रीमती देवी बाई पित गंगा राम ग्रौर श्रीमती ईश्वरी बाई पित, ग्रज्नलाल, 1-2-385, गगनमहल, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राधा बाई पित सत्यनारायणा गुप्ता, 15-6-41/1, सीदम्बर बाजार, हैदरबााद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

तन्सूची

दो मंजिल की इमारत सीदम्बर वाजार, हैदराबाद, विस्तीर्ण 260 चौ० गज श्रौर भृमि 4680 चौ० फुट प्लंथ एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 926/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी दूधवावली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-7-1985

प्रकल बाही, सी. एस. एस.------

णामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन र∣ख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985 निर्देश सं० घार० ए० सी० नं० 243/85-86--घतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चाट 'उकः अधिरियम' अहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज्यर मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो आबाद रोड, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्थर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप रंक्त सम्पत्ति का लिय नाजार पत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से मिथक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मंतरितियों) के वीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया विकल, निम्नितियत उद्देश्य से उस्त अन्तरम शिवित के वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अभारण में हार्च किसी आयं की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बस्तरक के वावित्त में कमी करने वा उससे वचने से सुविधा के निष्: बीड़/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियस, १७३२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या पत-कर अधिनियम, या पत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए:

सतः सन्, उस्त सीधीनगम, की धारा २६० ध के अवध्यक्षण में भें वस्त अधिनियम की धारा २६०-ध त्यी व्यक्तपात (1) वे प्रधीत विक्रालिसित व्यक्तियों, अर्थात् १००० (1) मेरीडियन कन्सट्रक्शन को०,5-8-612, श्राबिद रोड हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० देवी पदमावती, पलेट सेंकडपलोग्नर,मेरीडियनकन्सट्रक्शनको० 5-8-612, श्रबिव रोड हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

की गह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध के कीश भी जल्ला :

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त कार्यक्षा में से किसी क्योंक्त ब्यारा;
- (ख) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्बहुध किसी मन्य स्थावत हुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास धिविस में किए जा सकींने!

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिशा गंभी है।

श्रनुसूची

फ्लेट दूसरा मंजला, 5-8-612, ग्रबिद रोड हैदराबाद, विस्तीर्ण 1153 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6228, 6202, ग्रौर 5754/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनाक : 11-7-1985

मोहर 👉

प्रकृप आहे. दी, एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 244/85-86--यतः मुझे एम० जगन मोहन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धुसके पश्चात 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट है तथा जो हीमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री⊹र्ता श्रिधि ारी के कार्यालय चिकडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवस्बर 1984

को प्वतित सपित के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएक मा कमी करने या उमसे याची में स्काधी का जिए, आर/वो
- (ख) एसं किसी अग्र या किसी धन या अन्य आस्तियाँ क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उद्देश जीक्षान्यम, या वर्ष-प्रांग अविविध्य, 1957 (1937 को 27) के प्रशेषनार्थ जीक्षिणी उपाय प्रदेश किया गया था या किया जाना बालिए था, छिषाने में स्थिया के लिए;

(1) श्री एस० भार० फडके, 134, पेंडरघस्ट रोड, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० रामन फ्लेट नं० 8, यर्ड फ्लोर, युनाइटेड हार्जिसग कारपोरेशन, हीमायतनगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्श्विति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

प्लेट नं० 8, तीसरा मंजला, युनायटेंड हाउसिंग कारपो-रेशन, हीमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण नं० 850 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 825/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चिकडपन्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा २६० म को उक्तरान में भौ अक्त अधिनियम की भारा २६०-म की उपमारा (१) के अधीत निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः :---

दिनांक : 11-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्धाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 246/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रु. से आधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो गनफाउन्डी, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हेदराबाद में रजिट्टीकरण **भ्रधिनियम** 1908 (1903 का 16) के भ्रधीन नवम्बर 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के शरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एंसे दरयमान प्रतिफल का **गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और** अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मी **पास्त**िक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बतारण से हुइ किसी आय की नाजत., उक्त मिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचन मा स्विधा के लिए; और/या
- (का) एोसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमः, या धन-कर विभिनियमः, 1957 (1957) को 27) को प्रयाजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किए। गया भागा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

and the property of the same property of the p (1) मेसर्स मायुर काम्पलेक्स गनुफाउन्ड्री, श्रबिद रोड, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रफीक शहभद पिता रसीद ग्रहमद, दुकान नं० 3, फस्ट फ्लोर, मयूर काम्पलेक्स, ग्रविद रोड, हेदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षेत्र के सबंध में काई भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोध से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आरंभी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकार!:
- (क) इस सचना के राजयत्र में प्रकाणन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याक 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को जस अध्याप में विया મથા કું

अनुसूची

बुकान नं० 3, पत्रम तल, भवूर काम्यलेदस गनफाउन्ड्री, हैदराबाद, विस्तीर्ण नं०४०० चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6289/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के क्षणीर, निम्ननितिकत व्यक्तियाँ, अथित् ६---

दिनांक : 11-7-1985

प्ररूप आर्धः जो एन एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैसराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985 निदश मं० आर० ए० सी० नं० 250/85-86—श्रातः, मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० घर है तथा जो श्रबिदम, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर पूण रूप मे र्याणत है), रिजस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नवस्वर 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचिन बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे स्व्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरक के सिए तय पाया नया प्रतिक कम, जिम्मिनिकत उद्देश्य से उक्त मन्तरण निकित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में यदिधा के लिए;

अत: अत, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में में उक्ट अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीत, निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 36—186 GI|85

(1) मोहस्मद शकील्यईन खान पिता मोहस्मद खान, 6--3-903, सोमाजीगूडा, हैदराबाद।

(श्रन्तःक)

(2) मोहम्मद शाक्यूउदीन पिना मोहम्मद शृजादीनखान, 6-3-903, सोमाजोगूडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पत्रन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् सूचना की ठामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः --- कसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अन्स्ची

घर सम्पति नं० 5--9-241, श्रविद्यस है, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6298/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद।

> ण्म० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-7-1985

में हर :

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

सायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 251/85-86--यतः, मुझो, एम० जगन मोहन, .

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं भूमि है तथा जो हायातनगर, कालन, हैयातनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हैदरावाद ईस्ट में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन नवस्वर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकान ने अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरक ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के अगुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उण्यारा () के अधीन, निम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) मेसर्स वेंकटेश्वरा पोल्ट्री फीड इन्डस्ट्रीज, बाइ मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एम० विमा रेड्डी, 16-10-682/6, श्रोल्ड मलकपेट, हैदराबाद ग्रीर श्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० नरिसम्हा पिता शिवरामूलू, ताहार बस्ती, पोचनपल्ली, तालुक, बोनगीर श्रीर श्रन्य :

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि विस्तीर्ण 1.20 एकर ग्रौर ग्रोड विस्तीर्ण 300 चौ० फुट, हायातनगर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ०11106/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद इस्ट ।

एम० जगने मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

वनांक: 11-7-1985

प्ररूप आहे. टी. एन्. एप . ------

बायकर व्यवित्यम, 1951 (1961 का 43) का स्थल 269-भ (1) के व्यक्ति पृचन

भारत सरकार

कार्बासय, सहाथक आयकर माम्बस (निरीक्न)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 182/85-86--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाल करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो बंजारा हीत्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खेरताबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान कि क्रम के दिए अवसंस्ता के यह हो। और एक रहि हि ति विश्वास के यह हो। और एक रहि हि ति विश्वास के सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्रम्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिवृत्ति से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य में उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कमित महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुउँ किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के सारिपस्त में कशी खड़में या उससे वचने में सुविभा के बिरु; सीक्र/या
- (ण) होती किसी बाप या किसी धन यां जन्म मास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर सिंधतियम, 1922 (1922 का 11) या स्वस्त अधिनियम, या धनकर सिंधिनियम, या धनकर सिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया सुविशा के शिक्ष)

असः अव, उपत विधिवयम की भारा 269-म के अनुसरण में, जैं, उक्त विधिवय की धारा 269-म की उपभारा (1) के स्पीन के जिम्मीसिय व्यक्तिस्क - व्यक्त क्रमारा

- (1) श्री श्रनिल कुमार गुप्ता जी० पी० ए०, श्री रामगोपाल घर नं० 8-2-248/बी, रोड नं० 3, बंजारा हील्स, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जी० कोंडम्मा पति जी० विरा रेड्डी, कोलाटम विलेज, ग्रांर पोस्ट कमलापुरम तालुक, जिला कड्डप्पा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थिततां एर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में स्मान हाती हो, जे भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना कं एपपत्र में प्रकाशन की टारील वे 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्मत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः — इतमें प्रश्वास करवा बीर पर्यो का, का सकस् विभिनेत्रमा, के सम्बाग 20-क यें परिमाणिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सम्माय में विसा गया है।

धनुसूची

घर नं 8-2-276, विस्तीर्ण 828 चौ गज, 180 प्लीथ एरिया, रोड नं 2 श्रौर 3, बंजारा हील्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 2846/84, रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदरण्डाद

दिसांक : 4-7-1985

माहर 🗯

प्रकृप बार्च . टी. एस. एस. ------

णायकर किंपिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

्रभ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 183/85-86--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्कात (उक्त अधिनियस कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मून्स 1,00,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो बंजारा हील्स, हैवराबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद खेरताबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित को गई है गौर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) है बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निलियिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में शास्तिक रूप में किया गया है

- (क) जन्तरण से शुष्ट किसी काय की वावत सक्त विभ-नियम के बचीन कर दोने की जन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे वचने में सुविधा में निए, श्रीक/वा
- (ख) एँसी किसी आय ण रिल्मी बन वा जन्छ आस्तियाँ की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम , 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम , 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे निए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, सर्भात ३००० (1) श्री भ्रानिल कुमार गुप्ता जी० पी० ए०, श्री रामंगोपाल घर नं० 8-2-248/बी, रोड नं० 3, बंजारा हीत्स, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जी० विजया लक्ष्मी पति जी० विरारेड्डी, कांग्रेस ग्राफिस. खम्मम पोस्ट ग्रौर टाउन । (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना नारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के जजन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी आदित दुवारत:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

नगत्त्री

घर नं० 8-2-277, विस्तीर्ण 900 चौ० गज श्रीर 200 चौ० फेट प्लींथ एरिया, रोड नं० 2 श्रीर 3, बंजारा हील्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2848/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, खैरताबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4~7~1985

प्रकप शार्षः, दी. एवः एसः,----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 184/85—86——यतः, मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं विश्व है तथा जो बंजारा हील्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उत्याह एक्ट्री में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इक्समान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूजे यह विक्थास करने का आरण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मून्य, उसके क्रयमान प्रतिफल के एरो क्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वास नवा प्रतिकत, जिन्तिकित उद्योक्य है उच्छ जन्दरण किया नवा प्रतिकत, जिन्तिकित उद्योक्य है उच्छ जन्दरण किया नवा स्था नवा स्था क्या किया नवा स्था नवा स्था

- (क) बन्तरण सं हुए किसी आव की शक्तर, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (७) एसी किसी आय या किसी घन या अप्य उपाता की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) वा उक्त अधिनियम का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जानी आहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

सत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिस व्यक्तियों, अधिक ;—— (1) श्रीमती अनिता गुप्ता जी० पी० ए०, श्री रामगोपाल घर नं० 8-2-248/बी० रोड नं० 3 बंजारा हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० लक्ष्मी देवी पति जी० प्रताप रेड्डी, 3-38ए, प्रोदटूर, जीला कडप्पा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा

अवस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सकाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाह्यसाकारों के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

वन्स् की

घर नं० 8-2-273, विस्तीर्ण 902 चौ० गज, 200 चौ० फुट, प्लींथ एरिया, रोड नं० 2 श्रौर 3, बंजारा हील्स, हैदराबाद, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2847/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, खैरताबाद ।

एम० जग नमोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-7-1985

नाहर:

प्रकृष् नार्चः टी. एन्. एसः -----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नाव्यत (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 185/85-86--- यत:, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्चौर जिसकी सं श्राफिस प्रेमीश्मेस है तथा जो रानीगंज, सिकंदराबाद में स्थित है (श्चौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्चौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवस्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकास, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निस्तित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने या उत्तसे बचने में स्विधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसता अधिनियम, था धन-. अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तौरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिस्त स्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मेसर्स बाब्खान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकंदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी सुक्रमन्यवती पति श्री वेंकटेस्वर राव, श्राफिस प्रेमीसेस नं० 534 श्रौर 535, घर नं० 5--4-86, रानीगंज, सिकंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को महसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोड़ों भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यण में प्रकाशन की ठारीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिक्तियों में से किसी स्थिक्त दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिवित मों किए जा सकीय।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विषय गया ही।

शन्त्रका

कार्यालय का परीसर नं० 534 श्रौर 535, घर नं० 5-4-86 मे 92, रानीगंज, सिकंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6256/84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एन० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 4-7-1985

प्रकथ जाइ . टी. एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदगाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश मं० ग्रार० ए० मी० नं० 186/85—86—यतः, मुझे, एस० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पित्स, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1.00,000/- रुट से अधिक है

श्रोर जिसका में घर है तथा जो वसट श्रीनिवासाननगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रोकर्ना श्रधिकार्य के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के तीन एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक हथ से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बस्तरण संहुर्च किली बात की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीव कर दोने के बलारक के श्रीनत्व को कमी करने ना उससे बचने के ब्रुविधा के सिए; और/वा
- (स) एसे किसी अब या किसी धन या बन्त आन्तियां को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनः कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवाद्य प्रकट नहीं किया गया था सिक्या जाना चाहिए चा, दिस्पाने में स्विक्षा से बिक्षा से बिक्षः

क्ल: अब ज़क्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--- (1) श्रंतमतः पुष्पः मोदः पति श्री बाबूभाई मोर्द , नं० 9, जेर्प्यास्माप्तम्ब, (अकंद्र्याबादः ।

(ग्रन्नरक)

(2) श्रीमता एक भारती पति श्री एक प्रकाण, 8-3-219/ए, वेस्ट श्रीनिवामानगर, हैंबराबाद (ग्रस्तरित)

को यह सूचना अगरी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के जिग् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कांन्री भी बाध्येप : --

- (क) इस स्वना के प्रावपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध गढ़ में समाप्त होती हो, के शैतर पर्वोकत व्यवित्यों हों स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख । 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति मों किए का सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण :---कसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा ही।

श्रनुसूधी

घर नं० 8-3-219/1 और 1ए, विस्तीर्ण 261 चौ० गज, 1419 घौ० फुट, प्लींथ एरिया, वेस्ट श्रीानवासानगर, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2938/84, रिजस्ट्रीकृती श्रीधकारी, खेताबाद।

एम० जणा मोहन नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्त स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज, हैदर,बाद

दिनां । 4--7-1985

माहर :

प्ररूप भार्द.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त 269-म (1) के अभीन सुमना

शारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर० ए० मी० न० 187/85 '6- यतः, मुझ, एम० अभन मोहन,

आभिकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अभीन सम्म प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं

घर है तथा जप्रगतिनगर, हैदराबाद में स्थित है (और घर है तथा जे प्रगतिनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)., रिजास्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1985

1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंकत सम्मिति का उचित बाजार मृत्य, उमके श्रव्यमान प्रतिफल से, एसे श्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और कस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्निजिक उच्चोस्य से उच्त अन्तरण किस्तित में बास्त्विक कप से किस्त नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की वाबल, उक्त स्थिनियम के बभीय खरू दोनें की जन्तरक की बामिरक में काभी कारने या उक्क स्थाने में बाजिया का जिस्ह और/बा
- (ब) एसी किसी नाम वा किसी थन वा नाम नास्तिनों को, बिन्हों भारतीन साम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्त जिमिनियम, 1922 का 11) वा उत्त जिमिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाननार्थ जन्मीरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, कियाने में स्थिमा के लिए;

लक्षः अत्र, उच्क जीभीनयम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, अक्त अभिनित्रम की भारा 269-ग की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री पि० सदाभित्र राव घर नं० 8-3-678/20, प्रगती नगर, बेल्लारेड्डी गूडा, हैदराबाध ।

(श्रनगर⊹०)

(2) श्री एला० दामोदरन, 8-3-678/20, प्रगतीनगर, येल्यारेड्डी, हैदनबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को नह सूचना जारी कारके पूनोंक्त संपर्शित के अर्थन के धिए कार्यनाहिया शुरू करता हो।

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप ह

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की जविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताकरी के पास मिनिय में किए वा सकति।

रुष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त सम्बाधीर वदाँका, को सक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गरा हैंं

वन्त्र्या

घर नं ० 8--3-678/20, प्रगतीनगर, येहलारची गूडा, हैदराबाद; विस्तीर्ण 300 चौ० गज. 420 बौ० फुट प्लींथ एरिया 4, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं ० 293/85, रजिस्ट्री-जर्ता अधिकार, हैदराबाद।

> एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकण श्रायुक्त (निर्रोक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

दिनां 7 : 4-7-1985

प्रस्प बाइ. टी. ५१. ए४.----

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

गारम सरकार

कार्यालय सहायक झायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रा२० ए० सी० नं० 188/85--86--- यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आग्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० घर है तथा जो अंजारा हीत्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता आधकारी के कार्यालय, खैरताबाद में राजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 के अधीन नथस्वर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- हैंको अन्यवास से हाई किसी नाम की नाबस उक्त अभिनियम के अभीन कर वाने के अन्यवास के प्रशिव्य भा कमी भारतीया उससी वाजने में कृषिक। के साए; और/मा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अञ्च आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका चाहिए था, छिपाने में सूरियभा के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 र क अन्मर्थः हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, अधीत् :---37---186 GII85 (1) श्रं भंजूला मह्ना (6339-एन० ग्रोरचड, फोस्नो कालिफोर्शनया 93710), जी० पी० ए०,
 डा० जं४० पांडुरंग, घर नं० 7-2-268/ए/4,
 बंजारा हीत्स, हैदराबाद !

(अन्तरक्र)

(2) श्रीमती पृष्पा हारीदास पति एस० हारीदास. ष्ट्राट नं० 11, घर नं० 8-3-1066, श्रीनगर कार्लानी, हैदराबाद।

(भ्रन्तारंतीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोड भी आक्षेप ----

- (क) इस स्वतः को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 कि का राजपत्र में प्रकाशन की जारीश से 45 कि का निर्माण की सामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उबत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्थादिक रण :---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं!

क्रमुखी

घर नं ० 8+2-268|v|/4, गांड नं ० 3, बंधारा हील्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण न ० 516 ची० गज, 1:62 ची० प्लीथ एपिया, प्रजिस्ही- $_{20}$ न बिलेख न० 2563/84, संस्कृति की स्रिधिकारी खैसताबाद ।

्म० जगन मोहन सक्षम प्राधि⊲ारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-7-1985

प्रकृप बार्ड . की एन . एस . -----

नामकर नांभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269'न (1) के नपीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकार आयुक्त (भिरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराजाद

हैवराबाद, दिनां क 4 जुलाई 1985

निर्देश स० श्रार० ए० सी० न० 189/85-86—यतः, मुझे एम० जगन मोहन,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' काहा गमा है), की भारा 269-क के अधीन तथाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिनका उजिल बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संब्धर है तथा जो इसामिया बाजार, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुस्टि में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्री कर्ती श्राधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री करण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास कदने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं गृंश दृश्यमान प्रतिफल स्प पढ़ह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के थीच भी अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्या निम्नीसित उद्दें है उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक स्थ्य से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) वंशरण से हुइ किसी जाव की बाबत, उक्त गिश्वनियम के अधीन केंद्र बोने के अन्तरफ के शिवित्य में कभी करने या उसमें वजने में सृतिधा के सिए; वरि/मा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भागतीय आयकार अधिनियम 19 के (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के विष्हें;

(1) श्री पीरुप्तेश पिता लक्ष्मी नरसी महा, निक्षोली अड्डा, हैदरावाद ।

(भ्रातरक)

(2) श्रीमती दोगो के० शनाबि पति एस० एम० कुरेर्ण), 4--6--470 (सी रोज केफ़े), इसामिया वाजार, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां शुरू करसा हुं।

अवस सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ते 30 दिन की व्यक्ति, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स् 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी बे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-6-470 ग्रीर 471 (पार्ट ग्रॉफ़ सीरोज केंक़े ग्रीर घर)--विस्तीर्ण 100 जी० गज 944 चार फ़ुट, प्लींच एरिया इसामिया बाजार हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6641/84, रिजस्ट्री कर्ता ग्रीधकारी हैदराबाद !

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सटाय रु आयर्ग प्रायुक्त (ानरीक्षण) प्रजन रेंज, हैदराबाद

अत: बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कं अहमार कं. में, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उपभाग (१) के अभीग, निम्नतिकित अधिनार्गे, सर्थात के

दिनां 5 : 4-7-1985

मोद्धर :

प्रकप बाई . ही . एन . एस . ------

शायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदशबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० प्रार० ए० मी० नं० 190/85-86--यतः, मुझं, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो राजश्री श्रवण्टेसेंट्स, सिकंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रिपकारी के अधिन्य, मारेड्फर्का, में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 ज 16) के श्रधीन नवस्बर, 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रहें प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्वेश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (म) एंसी किमी साय या किसी धन या अन्य अधिस्तयों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क रजाम निम्कितिका व्यक्तियों, स्वति ६--- (1) मेनर्स गण्तांजला कन्सद्रवशन्स । 225/ए. मारेडपल्ली, सिकंदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति गोता आइंगार पति आर० भाष्यम अधिंगार, 135, वेस्ट मारेष्ठपल्ली, सिकंदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

जनसंची

पलेट नं० 4, प्रथम तल, राजेशी भ्रापार्टमेंटस, सिकंदराबाद, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2918/84, राजिस्ट्रीकर्ता भ्राधिकारी, मारेश्रपल्ली ।

> एम० जगन मोहर सक्षम प्रार्थकारी सहायक **भायकर भायक्त (निरीक्षण)** भर्जन रैंज, हेदरानाद

दिनांक : 5-- 9-- 1985

प्ररूप बाई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० अ।२० ए० सी० नं० 191/85-86-यतः, मझे, एम० अगन मोहम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि पार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट हैं, जो आश्रियाना, आपर्टमेंटस, सिकंदराबा द में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रौर पूर्णरूप से विजत है), रिजट्रीकर्त्ता अधिकारी के वार्यालय, मोरेडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एएं दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्वेष्य से उक्त अनंतरण लिखित में गारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरका में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेसर्स अमृत हाटेसे प्रा० लि०, 3-6-469/1, हीमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० मंकर पिता पीं० एस० सुब्रमिनयन, 206, इस्ट मारेडपरूली, सिकवराबाद। (अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिय∓, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया **है**।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1-सी॰ आशियाना अपार्टमेंन्ट्स, सिकदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2866/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 5-7-1985

षाह्नर 🚲

प्रस्प नाई.टी.एम्.एस. - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकात

कार्याक्षयः, सङ्घाक बायकर वायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश आर० सं० ए० सी० नं० 192/85-86—यतः, मझे, एम० जगन मोहन,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो वेस्ट मारेडपल्ली, सिकदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अमूमूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली, में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1984

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया चका अतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिख के वास्तविक रूप से कांचत नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण से हुए जिसी आय की बाक्छ, उथ्छ बुधिनियम के अधीन कर दोने के श्रन्तरक के समिल्य में कमी करने या उससे वचने में सृष्यिधा के सिए; ब्युट/या
- (ख) ऐसे किसी बाद एर ेसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयम, या धनकर व्योधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में बृविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) डां० होमी रसीद महेता, 26/ए, एस० पी० रोड, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) द्यी दूर्मालाल राजक, चीरागअली लेन, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उचत सम्पत्ति के कर्मन के सम्बन्ध में कोई भी वार्शय अनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्बन्ति में हितबद्ध किसी अन्य म्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्यकिरण: — इसमें प्रयुक्त मध्यों और पवाँ का, जो उक्त अभिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-2-175, बेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 2830/84 रजीस्ट्रीकृत अधिकारी मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख 5-7-1985 मांहर 🛚

मुक्ता वार्ष ,ही ,हुद् ,दुव् ,,,,,,,,,,,,,,,,,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर०ए० सी० नं० 193/85-86——यतः, मझी, एम० जगन मोहन,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उनत अभिनियभ' कहा गया है), की भारा 269-कों के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वापार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है जो थोकाटा, सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के निए नंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बनाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) नन्तरम् संहुरं विक्री कान की बावतः छक्तः अधिनियम् के अधीन कर देवे के नन्तरक के बाविस्य में कनी करने या उत्तते वचने में सुविधा के निए; बहु/वा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में रिक्था के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिक व्यक्तियों. अधीन, निम्नितिक व्यक्तियों.

(1) श्रीमित अमीना खटून पति असादूल्ला, सिकंदराबाद श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्भ मानिकेस्वरी नगरम को-आंपरेटिव हाऊर्मिग सोसायटी लि०, सिकंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जादी करने पूजाँकत स्म्परित के वर्जन के जिल् कार्यवाष्ट्रिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की धारी के 45 विन् की जनभि या धरसम्बन्धी स्थानित यो पर स्थान की सामित से 30 विन की सम्भि, को भी सन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानित में से किसी स्थानित इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का को छक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि सर्वे नं० 265, थोकाटा विलेग, सिकंदराबाद कन्टोनमेंट, विस्तीणं 2 एकड़, ग्रीर 25 गुंटा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3035/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 5-7-1985

मोहर 🧧

प्रकप आई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदर।बाद, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्वेश म० आर्० ए० नी० नं० 194/85-86—यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है, जो लातकूटा, मिकंदराबाद में स्थित है (भौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेश्रणल्ली में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्या से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, शूसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है

अरेर अंतरकः (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित प्रति किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए:

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मा, माँ, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घ की एए एरा (।) धं अधीरा, निम्नीलिंगिया पिकायों। अर्थान् :---

- (1) सूरज गांवली जिला राजाराम, मेसर्स कल्पना इंटरप्राइजेस, तीक्मलगीरी, सिकंदरा बाद। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स दि लाक्ययता को-आंपारेटीय हाऊसिंग सोसायटी लि०, हीमायतमगर, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 फिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, सर्वे नं० 146, 147, 148 और 149, लायकुंट, सिकंदराबाद, कन्टोन्मेंट, रिजस्ट्रीकृत िष्ठलेख नं० 3045/84, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख: 5-7-1985

माहर :

प्ररूपः साहै, टी. एट एस. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा ?69-घ (1) के अभीत सुकरा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 195/85-86—यतः मुझं, एभ० जगन मोहन.

बायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १69-ख के गधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का उत्पक्त हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो तोकट्टा सिकदराबाद स्थित है (ग्रौर इसमें उपाधड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोक्तर्ना अधिकारी के कार्यालय मारेडल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रोक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11/84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ट्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ट्रियमान प्रतिफल से, ऐसे ट्रियमान प्रतिफल का ग्रंबह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोने भी जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी धन वा बन्य बार्डिसार्वों को , जिन्हों भारतीय बायकर बांधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधिनियम , या धन-कर बाधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया ज्या था वा किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री एस० कीष्णप्पा पिता शमनाक, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) डा० जी० सीताराम पिता लेंट नरसीम्हा मूर्ती, मलकपेट, हैक्सराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रश् कार्यवाहियां करना हो।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में की हां भी वाक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (व) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार निकात में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

घर, प्लाप्ट नं० 5, तोक्कटा विलेज, सिकदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3071/84, रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अत ग्रेंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ना**रीख**: 5-7-1985

माहर 🥫

प्ररूप बार्ड. टी. एव. एस.-----

नाधकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269 म (1) के मभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्तक) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 196/85-86—यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतथीं इसकी प्रवाद 'उन्त विधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. सै विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो राजम, विजयनगरम जिला, स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम 12/84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उशके इस्समान प्रतिफल से एसे इस्समान प्रतिफल का नम्बह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण में हुई किसी बाम की अलत, उच्च विधिमयंत्र के वचीन कर डॉने के अन्तरक की बायित्य में कसी कारने वा सससे बचने में सुविधा के बिए; बाँग्र/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय श्रायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया प्रया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा की विष्;

(1) डा० पि० क्रीण्णम राजू श्रौर अन्य, राजम, विजयनगरम तालूक ।

(अन्तरक)

(2) दि सेंटरल गव्हरनमेंट इम्पलायीज को-आंपरेटिव बिरुडींग सोसायटी लि० विजयनगरम बाइ प्रसीडेन्ट श्री बोलू रामश्रीण्णाराव, विजाया नगरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के. अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

बक्त बन्दित के क्वीन के संबंध में कोई आक्षेप .----

- (क) इस बुचन के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी मदिश बाद में समाप्त होती हो, के भीत प्रशिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस क्वा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींख के 45 किन के शीतर उक्त स्थावार संपरित में हितबक्थ किनी जन्म व्यक्ति क्वारा अगोहस्ताक्षण के पात सिकित में किए जा सकरेंगे।

स्थळाकि रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का गाँ गकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

भूमि विस्तीर्ण 2 एकर 0.50 सेंटस राजम, विजयनगरम तालूक, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 4183/84 रजीस्ट्रीयःर्ता अधिकारी विजयमगरम ।

> एम० जंगत मोहन यक्षम प्राधि तरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-1985

मोहर:

बत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, औ, उक्त विभिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के बर्धान नियमितीवत व्यक्तियों, वर्षात् ह—-38—186 GI/85 प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-प (1) के मधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यासय, सहामक नायकर जानुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 197/85-86---यतः भृक्षे एम० जगन मोहन

अधिकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि कात्र संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है. जो विजयनगरम स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री ज्ञी अधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 ा 16) के अधीन 11/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इस्वज्ञान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्दः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और गन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण सिखित में नास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण सं हुवं किली शाय की बाबत, उक्त ब्रिथिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अकिरिसी इकारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, जिन्नों में सुविधा के निए;
- कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा १६९-म के अन्त्रभरक भे, भी, तक्त विधिनियम की धारा १६९-म की उपधारा (1) के नभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बि० गूझा राजू अलियास गून्नप्या, पिता लेट राम मूर्ति, रंगाराजू स्ट्रीट, विजयनगरम। (अन्तरक)
- (2) एस० उ० रेलवे यम्प्लायीज को-ऑपरेटीव्ह बिल्डिंग सोसायटी लि०, बाई प्रेसीडेट, श्री एस० वेंकटकीष्णा राव, विजयनगरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हु⁺ ।

सम्ब सम्परित के वर्षन क सम्बन्ध में कोई भी नासोच्:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (त) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीज हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के प्रक निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरण र समर्गे प्रयुक्त सब्दों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गदा है।

वनुस्ची

भूमि विस्तीर्ण 7 एकर, विजयनगरम रजीस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 3987/84, रजीस्ट्रीक्तां अधिकारी विजयनगरम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-7-1985 मो**हर**् प्रकृष् भार्दः टी. एन्. एस्.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भावकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैयराबाद, दिमांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 198/85-86—यत: मुझे एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० घर है, जो बाराराम हैयरबाद स्थित है (धीर इसमें उपाबद्ध अनूसूची में धीर पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्द्रीकत्तो अधिकारी के जार्यालय चिक्राङ्यल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीस 11/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ट्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दिश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयकी बाबत, उक्त बिधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं दक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, नम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाष्ट् :— (1) श्री कें वें कटेसू पिता वें कय्या, बाकाराम, मूसीराबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० रामी रेड्डी पिता सोमू रेड्डी रीसाब गूड्डा, हैदराबाद ।

(धन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए था सकैय।

स्पाका करण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2()-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसू**ची**

घर नं० 1-4-872, बाकाराम, मूसीयबाद, हैदराबाद रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 902/84, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी विकारअल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयरक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🖫

शक्य बाह्री, टी. एन. एस. ------

आयकार वॉंपनियम, 1961 (1961 का 43) की शहा 269-व (1) के वृषीय सुव्या

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश से० आर० ए० सी० नं० 199/85-86-अतः सुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, चित्रका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्राँर जिसकी सं० फैनटरी ग्रींड है, जो दौलेस्वरम राजमुंड्री स्थित है (ग्रांर इससे उपाश्वत श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णेकप से प्रणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमुड्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11/84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जोर मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मूल्य, उनके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारोत्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिक्षान कि किन्तिविद्य उच्चेष्य से उच्च बंतरण सिक्ति में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है धन

- (%) बन्धरण वे हुइं किसी बाव की नामक क्वर अधिभियत के बचीण कर वेचे के व्यवस्थित के वाजित्य में कती करूने वा स्वयं बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (थ) ऐसी किसी नाय या किसी मृत्र या नृत्व नास्तिवों का , जिल्हों भारतीय आव-कर नृषिविषय, 1922 (1922 का 11) या उक्त निषिविषय, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने जें स्थिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिकत व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) मैसर्स पप विरम्ना ग्राँर तीन पुत्न, दौलेस्वरम, राजमुंड्री, इस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सटीलेज,
20-198, इंडस्ट्रियल डिवेल्पमेंट एरिया,
दौलेस्वरम, राजमुंड्री,
बाह बिजमोहन राठी (पार्टनर)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सब्ध किसी बन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुस्ची

फैक्टरी शैंड, विस्तीर्ण 3 एकर, दौलेस्वरम राजमुंड्री, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9140/84/रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, राजमुंड्री।

> एम० जगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, हैवराबाद

सारीख: 8-7-1985

जरूप नाइ.टी.एन.एस.-----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

नारत तरकार

कार्यासय, तहासक गायकर भावन्त (निरक्षिण) अजेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 200/85—86——अतः मुझें, एम० जगन मोहन.

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने आ कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो अशोक नगर हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11/84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापृथींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुए किसी बाव की दावत, अनत विधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अध, उक्त जीधनियम की भारा 269-ग के जनुसरक में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) कें ब्रुपीन, निकासिचित व्यक्तित्तां. अर्थात :--- (1) मैतर्स मेहना दावर्स बाइ श्री महेंद्र मेहना 2-4-65 एम० जी० रोड, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमीनी अम्मा पति कें एन एस पिल्लाइ 3-6-218 हीमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सदंध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को अर्वाभ या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्वना को तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

મનુ **સ્**પા

फ्लैट नं० 206 दूजरा मणला घर नं० 1-1-293/4 अशोक नगर हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6240/ 84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० आगम मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्ष) अर्जम रेंज, हैक्साबाय

तारीख: 8-7-1985

मोहर ः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1985

आर० ए० सी० नं० 201/85-86—अतः मुझे एम० जगन मोहन

भायकर मांधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'त्रकत मधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

म्रांत जि.की सं० फ्लैंट है जो विद्यानगर हैदराबाद स्थित है (भ्रांत इससे उप बद्ध अनुसूची में ग्रांत पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11/84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान मृतिक्तल के निए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिकृत्व सं, एसे दश्यमान प्रतिकृत्व सं, एसे दश्यमान प्रतिकृत्व सं, एसे दश्यमान प्रतिकृत्व सं, एसे दश्यमान प्रतिकृति का पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकृत्व स्व, विश्वतिद्व स्वत्व स्व स्वत् वन्तरण विविद्ध में वनस्य विक स्प से कृथित नहीं किया गया है है—

- (फ) बन्धुश्य वं हुइं किसी मान की नामसः, उपर अधिनिवस के स्पीत कर वाने के बन्धरक के साबित्य भें कभी करने या उससे नमने में सुविधा के लिए; अप्ति/गा
- (क) प्रेसी किसी बाय या किसी धन या अस्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरियों धुवारा प्रकट नहुए किया या था था वा किया जाना बाहिए जा ज्याने में सावधा के निष्

शत: अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, शवत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिसों, क्यांत् मुल्ल (1) में उर्स गायत्नी इंटरप्राइन्स, बाह श्री सतीय नायक, गवलीगूडा, नियार रामालयम, हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० कें जिम्ता देवी, पति कें एम० विद्यासागर, घर नं 1-9-968/1/2, विद्यानगर, हैदराबाद,

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिमां करता हूं।

हामत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्ष्य मू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विम् की सविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दक्ष सूचना की दामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्पन्ति व्यादा;
- (ण) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी से पास किस मा जिए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

पलैट विस्तीर्ण 1053 चौ० फुट, विद्यामगर, गायत्री फाम्प्लेक्स, घर नं० 1-9-698/1/2, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6246/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: **8-**7-1985

प्रसम्बद्धाः । त्या विकास स्वास्त्र स्वास्त्र

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 45) की धारा 269-म (1) के क्यीन सुमता

भारत सर्व्यार

कार्यालय, महायक बायकर बायक्क (निरीक्षक) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिशांक 8 जुलाई 1985

आर० ए० सी० नं० 202/85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन भागकर अधिरियम, 196 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तर्क पश्चात 'उसत प्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीम सक्षम प्रधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति , जिसका उचित आधार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिपकी सं० घर है जो विद्यानगर हैदराबाद में स्थित है (श्रार इसने उनाबद्ध अनुगुची में और पूर्ण रूप संविधान है) रजिल्द्री उर्ता अधि तरी के ार्यालय चिक्कड़पल्ली में भारतीय रजिल्द्री उरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11/84

- (का) बन्तरण से हुए जिल्ली जाय की बाबरा, उक्त विधिविषम के सभीन कर दोने के जन्मरक को बावित्य को कमी करने या उन्नस स्थान में सुविधा क लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अवस्थान्तर शिविनियम, 1922 (1922 कि 1) या अन्य अधिनियम, 1922 की धनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राप्त भा या किया जाना वाहिए भा क्रियाने में सर्विधा के सिए;

श्रहः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमुख्य हो, चें, उपन अधिनियम की धारा 269-च को उपधार (1) के अधीन किन्न

(1) श्री के० अमापितशिष बाह जी० पी० ए० श्री सी० एउ० हनूमंतराथ 8-2-703/1/ए०, पस्ट फ्लोर वंजारा हीलस्, हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री ए० रामाराव, ए० भारती, ए० सुनिल कुमार, घर नं० 1-9-295/32/ए०, विद्यानगर, हैस्राबाद,

(अन्तरिती)

ना यह स्थान अरि करके प्रविक्त मम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां कारता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्टान के राजवश में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अनिध मा तत्सम्बन्धी स्विन्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अनिध, को भी जबिश नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्वित्त दवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्थ किसी अन्य स्थित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याव में विका मना है।

वन्त्र्यो

घर विस्तीर्ग 509 ची० गज, विद्यानगर, हैदराबाद, घर नं० 1-9-295/32/ए, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत जिलेज नं० 861/84, रजिस्ट्रीनर्ता अधिकारी विकास्टरिली।

> एम० जन्न मोहर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्ष-) अर्जन रेंज. हैदराबाद

ता**रीख** : 8−7−1985

मोहर 🗓

प्रकथ बाह्र हो, एन, एस.

भाभकर लाभीतयसः, (अंधः) ((अंधः) अत्र 43) स्वी धारा 269-व (१) के सभीत स्वतः

भारत संस्थान

कार्यास्य एहाराक कार्यकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां ह 8 जुलाई 1985

निवेंश सं० आर०ए०मी०नं० 203/85⊢86—श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जितकी बंध पर्नेट हैं, जो दोमलाइडा, गगनमहल, हैदराबाद स्थित : (प्रीएडार्डा उन बढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है), रिस्ट्रीरत्ती श्रीधार रंगके कर्यालय, चीकालडपल्ली में भागतीय एकिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11/84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान बितिक्त के सिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य स्वयम स्वयम् का प्रतिकृत में, एस स्वयमान प्रतिकृत का उम्द्रह प्रतिकृति में अधिक ही और अंतरिती (जन्तिरितियों) को बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत से सम्बन्धित उन्दर्भिय में सन्त कम्तरण किवित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरक सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वाजित्य में कमी करने वा उससे बचने में बुविधा के लिए;
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम 1922 (1922 का 11) या अन्त अभिनियम 1922 वन लग्न अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भोजन के स्वाधा का किया जाना बाहिए जा, जिसा स्वाधा की निर्देश

बत: बब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-न वे बन्सरण में, में, नक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) केंअभीन, ेुनिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मैसर्स एस० के० एसोसिएटस, बाइ श्री एस० एन० कामत, घर नं० 1-2-24, दोमलगूडा, हैदराबाद।

(भ्रम्तरक)

(2) श्रीमती प्रका पाट्रीकर, पर्लंट नं० 404, घर नं० 1-2-24, दोमलगूडा, हैदराबाद।

(भन्तरिती)

को सह स्वता नारी करके प्रविक्त संपृत्ति के जर्बन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

वका सम्मति से वर्ष से सम्बन्ध में कोई ही बाधेयान

- (क) इत स्वना के रावपत्र में त्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जनिश्व या तरसंतंशी व्यक्तियों पर स्वान की तामील वे 30 दिन की नदीम वो भी क्ष्मीय कहा के समस्य होती हो, के नीतर प्राप्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत ब्रास्त;
- (व) इस ध्वन के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के मीतर उनत स्थावर संपत्ति में हित्तक्ष कियी बन्ध व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के वाल विचित्त में किए वा स्कॉन।

स्पन्नोकारण: ---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्दों का, जा उन्तर जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिआषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 404, घर नं० 1-2-24, दोमलगूडा, हैंवराबाध, रजिस्ट्रीकृत घिलेख नं० 848/84 रजिस्ट्रीकृती प्रधिकारी चीवनअपस्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीखा: 8-7-1985

प्रकृप बार्च . टी . एव . एस . ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

मारत सरकार

कार्थातव, सहस्यक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1985

श्रार० ए० मी० नं० 204/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उ'क्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो दोमलगडा, गगनमहल, हैंदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीतित्ती श्रीधकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधित, 11/84

की पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है जीर मृत्र यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार धूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) जौर अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुई कि.मी आय की बाबत, उच्छ बिधिनयम के अधीन कार दोने के बन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एमी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया न किया क्याः बाहिए था, स्थिन में सुविधा के निए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन ् नियनितिश्वत अधिकत्यों, क्याँत ः—
39—186GI/85

 (1) मैन्नर्म एपि के एमोिमएटम, बाइ श्री एस० एन० कामत, घर तं० 1-2-24, दोमलगूडा, हैदराबाद,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विष् बीष् रामा राघ, पिता विष् सितारामशास्त्री, प्लैट नं 302, विकटकुषा, घर नं 1-2-24, गगनमहल रोष, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हिसबब्ध हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ने 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-प्रदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्वक्रिकरण ;—-श्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्र्या

फ्लैंट वेंकटकुणा नं० 302, घर नं० 1-2-24, गगन महल रोड़, हैंदराबाद, रिजस्ट्रीकृत बिलेख नं० 871/84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चीक्रडफ्लिं।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रुजैन रेज, हैंदराबाद

नारोख: 8-7-1985

मोहरः

श्रुक्त आहें .टी . एन . एसु ._-----

भाषक प्रवासित्यम, 1961 (1961 का 43) की भार भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्ष, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1985

भ्रार० ए० मी० नं० 205/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रसमें ध्रसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो न्यू बाकाराम, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूचे में ग्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रिजिस्ट्रेन्त्री ग्रीधियार्च के शार्मालय, चिक्टडप्लि में भारतीय रिजिस्ट्रेन्करण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 11/84

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वामान प्रतिफल से, एमें द्वामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंधरण से हुइ किसी नाय की बायक, उपत बिधिनिवस के अभीन कर दोने के अंतरक के शामित्व में काबी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अस्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसा बाना चाहिए था, खिपाने में तिक्या के किया;

बत: सब, समर बॉथॉनवम की धारा 269-ग के बनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिहा व्यक्तियों, बर्मात:— (1) श्रः राजकुमार मालपाणः श्रौर श्रन्य, 61, स्कायलार्क श्रपार्टमेंटस, हैदराबाद.

(भ्रन्तरक)

(2) दि म्रांध्रा बैंक एम्प्लाइज वेल्फ़ेयर एसोमिएणन कोटी, हैंदराबाद, ब.इ श्रो एम० एस० रामकृष्णा राव, बाइस प्रेस डेंट, कोर्ट, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

हां वह सूचना पारी कर्क पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 बिन की जबीध, जो भी जबीध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में ड्रिटबप्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किसे या सकोंगे।

स्थळीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों नौर पदों का, जो उक्त जिल्हीनयम के अध्योग 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा को उत्त अध्याय में दिवा क्या हैं।

कार की

खूली जमीन, विस्तीर्ण 4000 चौ० गज, न्यू बाकाराम, हैंदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 822/84, रिजस्ट्रीहर्ता ग्रिधिहारी चीक्कडपल्ली।

> एम० अगन मोहन सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्अन रेंज, हैंदराबाद

नारीखा: १-7-1985

प्रक्रम आहें , दी , एन , एस ,-==--=

नायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यामय, सहायक व्ययकर वाय्यत (निर्देश्य)

म्रर्जन रेंज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 206/85-86-श्रत : मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर निर्मानसम्, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके परवास उक्त निर्मानसम् कहा गया है) की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, नह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट हैं, जो श्रमोक नगर हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11/84

को पूर्वोग्यस सम्परित के उपित वाजार मृत्य से कम के ज्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उपित बाजार मृच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे बद्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकार के निए तक मिला के सिंह के सीचत में वास्तविक क्य से किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ ते शुर्च किसी भाग भी नाग्त, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्थ के वादित्य में कती करने वा उससे गुमने में बुविधा के लिए; जीड़/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया वा बा किया बाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अस्र, उत्कत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ┌, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीर्य, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) मैसर्स मेहता टावर्स, बाद श्री महेंब्रे मेहत≀, 2-4-65, एम० जी० रोड़, सिकंदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० हरीहर प्रसाद पिता मलेट केययसान शास्त्री, 3-6-679, 10थ स्ट्रीट, हीमायस नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को बहु कुषना बारी कर्रके पुनोबित संपहित के वर्षन के जिल्ला कार्यगाहियां कारता हूं।

उन्तु सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस ब्राथन के रायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहरताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हाँ, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिशा यवा है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 207, बूसरा मंजला, घर नं० 1-1-293/ 4, ग्रणोक नगर, हैंदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6239/ 84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी हैंदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 8-7-1985

मोहरः

प्रकष मार्च. टॉ. एन. एस. -----

आयफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

काय कि प्रे, सहायक नायक र नायृक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हिंदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 207/85-86-अस: मुझे, एम० जगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाबार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० फ्लैट है जो मोगलराजपूरम विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता ं अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11/84

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बाधक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है हैं—

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की वाबस, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औड़/बा
- (त) एसी किसो आय मा किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा कियाने में सुविभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) है अभीन, निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स आरुण बिल्डर्स,
केयर आफ बी० एस० पांडूरंगराजू,
पिता बी० बी० नारायण राजू,
मैनेजिंग पार्टनर,
विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री बी॰ श्रीरामचंद्र मूर्ति बाम्बे, जी॰ पी॰ ए॰ श्री एम॰ पूर्णचंदर राव विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

कां बह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत स्वना के सवपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिप्तबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्राची

प्लैट इमारत, प्रथम तिल मोगलराजपूरम, विजय-वाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7378/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-1985

महिर 🌣

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराब।द

हेदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर०ए० सी० नं० 208/85—86——अतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग है, जो गूनदला विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष्य से वर्णित है) रातस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11/84

को पूर्वे ति सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे वित्र संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उनके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति भें वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ िकसी आय की, बावत, उक्त अधिनियप के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रित स्थितियों, अर्थातः :— (1) श्री बी० नागेस्वर राव, पिता सूब्बया, वेट्रा प्रगडा, गूडीवाला तालुक जिला ऋष्णा ।

(अन्सरक)

(2) श्री बीं॰ जान्सी रानी, पिसा नागेस्वर राव, विजयवोड़ा-3 ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

दामा इमारत गूनदला विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विस्रेख नं० 7536/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-85

प्रस्य बार्ड, टी, एन, इस्,,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत तहकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं०्र्र्अार०ए० सी० नं० 209/85-86--अतः सुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसजे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 263-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० इमारत है जो मत्यालमपाड विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2/85

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एके दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह अनिभन से अधिक हो और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्गरित्यां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में सुस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्भ ते हुई किसी शाय की वावत, उत्तः अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक खें दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिथा के लिए;

अत: अब, उश्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियाँ, अर्थात् ध— (1) श्री के० सूर्यनारायणराजू, पिता लक्ष्मीपित राजू, मूत्यालमपाडूं, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० श्रीहारी राव पिता रघूराम राव, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रगुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मुक्

इमारत मूत्यालमपाडू, विजयवाड़ा, राजिस्ट्रीकृत विलेख दं० 1023/85 राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजचवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्राबाद

तारीख: 9-7-1985

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 ज्लाई 1985

निर्देण सं० आर०ए० मी० नं० 210/85—86——अन मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके परकाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का लारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो मोगलराजपूरम विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3/85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विहवास पर्ने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं भीर अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित हों किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) हे अधीरः निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० दूर्गाप्रसद्ध, पिता पट्टाभीरामय्या, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) कूचीब हॉटला, सूदरा नागम्मा, पति जगन मोहन राव, निडमानूर, विजयवाडा ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरें भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट प्रथम भल, मोगलराजपूरम, विजयवाड़ा, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1445/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजय-वाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक अायकर आंयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

न(रीख: 9~7~1985

प्रकथ बाहाँ, ठी. एन. एव. -----

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैयरात्राद, दिनांक 9 जुलाई, 1985

निर्देश सं ग्रार० ए० सी ० नं० 211/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० इमारत है, जो पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिचस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजय-वाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 3/85

को पृषेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वांश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ले हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया 'जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीरः, निम्निनिसिक् व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती टी० वेंक्टम्मा, पति वेंकटकृष्णाय्या, पेनमाकूर, ऊयूर तालूक, जिला कृष्णा,।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० ग्रनिया मार्गरेट, पति डा० के० जे० एम० राजणेखरम, नं० 45-1-144, के० पी० रोड़, ग्रोंगोल,।

(भ्रन्तरिती)

का यह सृप्यना जारी करके पुर्वोक्स सम्पत्ति के **बर्णन के लिए** कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध से कोई भी आक्षा :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा ककेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

इमारत, दो मंजिल की श्रार० टी० सी० कालोनी, पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1229/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-1985

मो हरः

प्ररूप शाइ. टी. एन. एस.-----

माचकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-1, बम्बई
अम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० धर्च-1/37ईई/4425/84-85--- धत: मुझे, पी० एन० दुवे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० युनिट नं० 116, जो, 1ली मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए—विंग, सेनापित बापट मार्ग लोग्नर परेल, बम्बई—13 हैं तथा जो बम्बई—13 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विंगत हैं, (भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, का के भ्रधीन, तारीख 30—10—1984

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दरयमान श्रीतफल के सिए अम्तरित की गई है और मूळे वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का ब्ल्यह प्रतिदात से विभक्त है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तब वाबा गवा प्रविक्ष फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है ——

- भन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/था
- (क) एसी किसी जान वा किसी भन वा अल्य जास्ति की की, विनह जारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया वाना वाहिए था, कियाने जे स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुस्र अ। में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---40--186GI/85 প্রী প্রীষ্ট্র एल॰ रहेजा,
 (एच॰ यू॰ एफ॰)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राधिका जे० सिंह,।

(घ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करभी पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की वनीथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिम, को भी वनीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताकारी वें गास निविद्ध में किए या सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त दृद्धों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्भी

युनिट नं 116, जो 1ली मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-विंग, सेनापित बापट मार्ग, लोग्नर परेल, बम्ब ई-13 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि फ़ सं अई-1/37ईई/6457/ 84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 9/11/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-7-1985

प्रारूप आहें.टी.एन.एास.

जायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43 की भारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्याक्रम, सहायक बावकर बावक्त (विरोधक)

भर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० घई-8/37-जी/2562/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिन्नका उचित्र वाचार मूक्व 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं जमीन का हिस्सा, जो विलेज नाहुर, मुलूंड, सर्वे नं 125, एच नं 1 ग्रौर सर्वे नं 142, एच नं 1 ग्रौर सर्वे नं 142, एच नं 1, सी टी एस नं 562 ग्रौर 569, मुलूंड, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्याक्य, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, सारीख 19-12-84

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान पितफस के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जैतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे कम्बर्स के निए सब पावा ग्या प्रतिफल, निम्निशिवत उथ्वदेश से उक्त जन्तरण तिचित में बासतीयक एक से कियत गाँवी विकास स्वा है नि---

- (क) अन्तरण से हाई किसी जाब की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए और/वा
- (क) एसी किसी जांव ना किसी अन ना बन्त कोस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, मा बन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गना भा या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उक्त निभिनियम की घारा 269-ग में नन्सरण को, मी, उक्त निभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) को नभीन, निम्नतिकित न्यन्तियों, समादि ह— (1) यू स्वास्तिक लैन्ड कार्पोरेणन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रेयस लैन्ड डिवेल्पमेंट कार्पोरेशन। (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के सूर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस भूषना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ नाम में तनाया होती हो, के भीतर प्रवित्य स्वित्यों में से किसी स्वित्य द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाचन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, वो अक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया भवा हैं।

अनुसूची

ग्रनुसूची जैसािक विलेख सं० ग्रार०-3897/71 ग्रीर जो अपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 19-12-84 को रजिस्टर्ग किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :--8-7-1985

प्रक्रम नाइ. टी. एन. एस. 🗷 - -

आयक्त विधाननन, 1961 (1961 का 43) की धार भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

THE STREET

कार्यांतव, बहायक नामकर नामकर (निहासिक) धर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37-जी/2580/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00-000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 230, एच० नं० 1, सी० टी० एस० नं० 3174, विलेज मनोरी, व्हाया मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के धवसमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल सो, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निवित्त उच्चेष्ट से उक्त अंतरण कि बित में बास्तिविक रूप के किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरण है हुई कियी बाव की वाव्या, क्ष्म् वृष्टित्वन की वृष्टित कुट योगे के बुन्दुरक की कृषित्व में कमी करने वा प्रवृष्टे बुन्दे में कृष्टिया को विष्टु बॉड/वा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, किवाने में सुविधा के बिद्य;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-नं के जनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिवित व्यक्तियों, अर्थात् हे—

(1) श्री सैबेस्टीन एन्ड्रयू फनीडिस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डैनियल फिलिक्स गोम्स।

(भन्तरिती)

(3) भन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन औं किए कार्यवाहियाँ करता हूं

उनत सम्पत्ति को अर्जन की सम्बन्ध में कोई बाक्षेत्र हिन्स

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाव सिवित में किए या सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त सम्बो और पर्वो का, को समझ जिथिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित्र हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया हैं।

भनुसूची जैसाकी विलेख सं० एस० नं० 2396/82 भीर जो जनरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-85 को रजिस्टढं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, यस्बर्ध

विनांक: 8-7-1985

प्ररूप बाइ टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक नायकुर नायुक्त (निर्धाक्रण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अर्ध-3/37-जी/2579/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद.

काबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा थया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिहवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जभीन बैधरींग सर्वे नं० 4, एघ० नं० 7 धौर सिटी सर्वे नं० 1685, विलेज मनोरी, तालूका बोरिवली मालाड बम्बई में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धाधीन, तारीखा 16-1-85

का पूर्वा कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से एसे दरमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) मौर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण निम्तरिक के से विश्व नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण सं हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त जा पितियम के अभीन कर दोने की जल्करण के बायित्य में कमी करने या स्वसं बलने में सुविधा के दिनए; आर्थ/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में कृषिधा को सिए;

जतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण जे, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बांशिल पिटर गोम्स,

(मन्तरक)

(2) श्री ६० डैनियल गोम्स

(धन्तरिती)

(3) भन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त स्मिति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास शिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, कही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया

मन्त्र्या

धनुसूची जैसाकि विलेख सं० एस० नं० 2397/82 भीर जो ऊपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, वस्कई

विमांक: 8-7-1985

प्रकृषं बार्षः ही . एन . एस . -------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निर्देश सं॰ धई-3/37-जी/2584/83-84---धत: मुझे, ए॰ प्रसाध,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो विलेज मोहिली, ग्राफ कुर्ला—ग्रंधेरी रोड़, प्लाट नं० 16—बी० कुर्ला, बस्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21—1—85

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथिय नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण भे, में, उथत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीनः, मिस्नलिश्वित व्यक्तियों, शर्थात् :--

- (1) श्री रतीलाल वी० व्होरा घीर घन्य, (घन्तरक)
- (2) श्री जमनावास नायालाल पारेख श्रीर ग्रन्य, (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितीयों

(यह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति

₹)

(4) श्री रोझी होमिनिक बोर्गेस श्रीर श्रन्य (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकर्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया मया है।

प्रमुसुधी

धनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 2650/80 धौर जो ऊप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनोक 21-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, मस्बर्ध

दिनांक: 8-7-1985

प्रकथ बाहै, ही. एन. एस्.-----

सायकर साँधीनवन 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के संधीन बचना

गारक बहुकार

कार्यास्य, बहायक बाय्कर् बायुक्त (तिरक्षिण) स्वर्ह

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं॰ मई-3/37-जी/2563/83-84-मतः मुझे, ए॰ प्रसाद

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसकें प्रथात 'उक्त जिथिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट ग्राफ जमीन रिवेन्यू विलेज, मोहिली, सर्वे नं० 63, एम० नं० 2 (ग्रंष), घाटकोपर, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के रहणमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और (बन्तरिक्षियों) के बीच एसे बन्तरण के किए तब नाया नदा प्रतिफल, निम्मनिचित उद्वेष्य से उच्य अन्तरण निचिद्य वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुद्द किसी मान की वावत उक्त विध-रियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के स्वियत्व में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (क) ऐसी निक्सी नाय या निक्सी भन या अन्य बास्तियों की , विक्हें भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम , वा चन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्ति द्वी के बादा प्रकट नहीं किया पया था या नियम जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निष्कृ और/ग्रा

बद्धः बद, उक्त विधिनयमं की भाव 269-व के वनुद्धरण को, मी, उक्त विधिनयमं की भारा 269-व की उपभारा (1) को वधीन, निम्मिनियार व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ईं० सी० डिसोझा

(मन्तरक)

(2) श्री नझमुद्दीन कें निझामी

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के कर्चन के लिए कार्यनाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी मान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश है. 45 विन की नविभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबीध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पवित बुवाय;
- (व) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध व्यूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकाः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त वीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

वनुसूची

धनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-1787/77 धौर षो ऊप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-84 को रजिस्टबं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) **मर्जन रेंज**–3, **बस्बई**

विनोक: 8-7-1985

मोहर 🧸

प्रकल् बार्ड . सी . दून . प्रकृ - भं-तिपुरण्याः

कायकर विभिनिय्व, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन क्षा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, सम्बई

बम्बई, दिनोक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऋई-3/37-जी/2561/83-84-- शत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एग्रीकल्चरल जमीन का हिस्सा, जो सर्वे नं 89, 54, 53, 53, 53, 52, 51, 51, 51, एच नं 9, 6, 5, 4, 3, 3, 5, 4, 2, बांद्रा जिला, बोर्ला विलेज, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 27-12-84

की पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि सभापूर्विक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मनिच्ति उच्चेद्रस्य से उच्च बंतरण किलिंक वें बाल्यविक रूप से कथित महीं किया गया है है—

- (क) व्यव्यक्त वे हुई कियों वाय की वावस, उपस महिपीन्त्र से वृतीन कर योगे में सन्दरक से शहित्य में क्यों करने या उद्दर्श व्यव से सुन्धि। से विद्यु: संडि/ना
- (क) एसी किसी बाय वा किसी थन या अपने अंस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकार स्थितियम, नि922 (1922 का 11) या उत्तत स्थितियम, नि922 का 15 वा उत्तत स्थितियम, वा या धनकर स्थितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहियेथा, कियाने में ब्रिया के सिए;

ज़त्त अव, उन्ते जीभीनयम की भारा 269-म की जनुतरण जो, में, उन्ते जिभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्नीसिधित व्यक्तियों, जमीत हरू (1) श्री नारायण गणपत पाटील,

् (बस्तरक)

(2) मैसर्स पारीख बास एण्ड कंपनी

(भ्रम्सरिती)

(3) झन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त् संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

डबंद संस्थिति के बर्चन के सम्बन्ध में कीई भी जासीप

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारींच वें
 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह
 सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी
 जब्भि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सुकता के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवहुन किशी कन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पांच निवित्त में किए वा सकारी।

लक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्यों शीप्त पर्यों का, की उपध वीशीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक वी, बही अर्थ होता, को उस अध्याय में दिवस नया है।

मनुसूची जैसाकि विलेख सं० भार--410/64 मीर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनोक 27-12-84 को रजिस्टबं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायंक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) क्षजेंन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

क्षा ।

शक्य जार्<u>षं ही एन एस .-----</u>----

नाभकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के न्धीन सुचना

बारत बढकार

कार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, सम्बर्ड सम्बर्ड, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं॰ ग्रई-3/37-जी/2560/83-84--- अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

पीर जिसकी सं० प्लाट नं० 218-बी०, जो 11वां रास्ता, चेंबूर, बम्ब में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-12-84

का प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुभी यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कृतित वहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने था उससे कचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य ं बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकृद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए।

बतः जब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग की जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे बधीन, निम्नसिवित स्थितत्त्रों, जधीत् क्षान्त (1) श्री भतुल प्रताप मेहता

(मन्तरक)

(2) श्री भोमप्रकाश तोलाराम भौर मन्य

(मन्तरिती)

(3) पन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

खबरा सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप् :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, धो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिश्य में किए वा सकी गे।

स्पक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त वृधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विवा भवा है।

भनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-699/82 ग्रीर जो उप±रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-84 को रजिस्टर्ब किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोद्दर ४

प्रकल्प कार्या हो। एत : प्रकार कार्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

गारत सरकार

कार्यांचय, सहायक नायकर नायुक्त (निद्रोक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

सम्बर्ध, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-जी/2589/83-84--भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ता, जिसका उचित बाजार बृह्म 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, सिटी सर्वे नं० 586, 586/1 मे 7, विलेज माहूल, गवाणपाडा, चेंबूर, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त गम्पत्ति के उकित बाजार मृत्य से कम के अध्यमन श्रीतफल के तिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उकित राजार मृता, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकः (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) औ बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित कृष्वेद्य से उक्त जन्तरण सिचित्त में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उपता शीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिका के सिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृतिथा के सिए;

जत्तः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्बरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----41—186GI/05 (1) श्री महादेव पांडूरंग म्हात्रे

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्राण नाथ गोंडल

(भ्रन्तरिती)

(3) 1. श्री महादेव पांडूरंग म्हाझे श्रौर 2. श्री महादेव हिराजी पाटील

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह सूचना काकी काको पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन जी तिश् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उन्ता संपरि के नर्धन के संबंध में कोई थी लाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की वनीथ वा तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को जी अनिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सुमना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 चिन को भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितजब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा स्थोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किए वा संकेंगे।

स्वक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उपका विभिन्निया, को बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को जन अध्याय में दिवा गया है।

मनचर्ची

मनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-1179/82 श्रोर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर श्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप आहें दी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचनां

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई-3/37-जी/2586/83-84--- ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

आग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्रापर्टी, जो विलेज चेंब्र्र, सर्वे नं० 14 ए (ग्रंग), प्लाट 35, सिटी सर्वे नं० 366 (ग्रंग), चेंब्र्र बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन, तारीख 5-2-85

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि यथाप्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म्मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :— (1) ग्रपाटे ग्रमलगमेशन

(अन्तरक)

(2) मैससं ग्ररूंधती को-ग्राप० हार्जीसग सोसाइटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्फ्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-443/89 भौर जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 5-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रकल् नार्धाः दीः, युग्ः, युग्ः, १ ४ ४ ० ४०

नायकर निधनियन, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-व् (1) के न्धीन बूचना

भारत सरकार

कार्यक्षम्, स्कृत्क नाव्कर नाव्कः (विराध्य)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बायकर क्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसके इसके प्रचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-स के नभीद सभाभ प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, शिसका उपित गयार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 362, 362/1 से 13, विलेज मालाङ, टी० पी० एस० म्युनिसिपल वार्ड नं० पी-6849/115 और पी-6850/116 श्रीर पी~5852/116/1, मालाङ, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-1-85

न्त्रं पृथोंकत समपित को जीनत नाभार मृख्य से कम को स्वनान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मत्ति का उभित नामाह मृश्व उसके स्वनान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पंद्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रति-क्रम निम्न्द्रीसिकत उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्न्द्रीसिक में भारतिक्र क्रम निम्न्द्रीसिकत उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्न्द्रीसिक में भारतिक्र

- (क) बन्तरण वे हुई किया बाव की वावस्त, क्या अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के समित्व में क्यी करने वा क्या वजने में बृष्टिया में हैंबड़; शर्र/वा
- (वं) ऐसी किसी आय या किसी धन या कस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वध-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए का, किनाने में बृतिका के विक् ()

कतः जब, उक्त विधिनवन की धारा 269-ग के जन्तरण हो, मी. एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती विजयालक्ष्मी मणिलाल भाईलाल शहा,

(घन्तरक)

(2) श्री दिपककुमार सुंदरवास कंकल

(भ्रन्तरिती)

(3) भाडूत

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) धन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में सितबद्ध है)

का बहु स्थाना आरो करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप अ-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को की अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (व) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वकारिक्रण ह— इसमें प्रयुक्त शक्यों और पयों का, जो उक्क व्यक्षित्यम् के अध्याय 20-क में प्रिभाविक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा वका है।

वन्तुवा

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-2223/81 श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 19-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 🤌

प्रकप नार्च . स्तु . पुरा . एस 🐰 ------

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

ATT THE

कार्याजयः, तहायक सामकाः बाग्काः (विद्वीकाणः)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० **यर्द--3/37--जीं/2578/83-84---मत**ः **मुखे**, ए० प्रसाद,

गायकर अभिनिश्चन, 1961 (1961 का 43) (जिस्ने इसमें इसमें परणात् 'उसता अभिनिश्चम' कहा गया हैं), की भारत 269-च के अभीन सकान प्रतिभक्तारी को यह विकास अपने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो किरोल, हंसोटी लेन, एन० नं० 135, और नया एम० नं० 810, घाट-कापर बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उपित बाबार मून्य वे बाव के स्वयं मान प्रितिफल के लिए अन्तरित की नवं है बीर मूझे यह जिस्ताल करने का कारण है कि समापूर्वेक्त सम्पत्ति का जीवन बालाइ मून्य, इसके स्वयंका प्रतिफल के, एसे स्वयंका प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (बंदरकों) और बंदरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) बन्दारण वे हुन्दै किकी बाव की बन्दार, उनक बांधरियक के बचीय खुद्ध को बें बंदार के शांपरभ में कभी करने वा उसके बचने में सुविधा को निए; बीट/वा
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनसम, या धनकर विधिनसम, या धनकर विधिनसम, या धनकर विधिनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंदरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना आहिए था जिना में सुविधा के निए;

नतः नव, उक्त निधिनियम की भारा 269-न के ननुसक्त न, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिता व्यक्तियों, नर्धात् :--- (1) श्रीमतीं मलेक शौकत देवणी

(ग्रन्सरक)

- (2) मैंसर्स विद्युत को-आप० हाउसिंग सोक्षाइटी लि॰ (अन्तरिती)
- (3) श्री जयसुखलाल एस० घेलानी और 23 धन्य यह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति

₹)

(4) मैसर्स ब्रह्मब को-श्राप० हाउसिंग सोक्षाइटीं लि० (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को बहु सूचना चारी कराने पृयोंक्त सम्मत्ति के वर्षम के विष् कार्यक्राहिको करता हूं।

दब्द इंक्टिंद में नवीर के सम्बन्ध के कोई भी नामीर:----

- (क) इस सूचना के राज्यन के जाताबन की राष्ट्रीक में 45 दिन की नवित्र या उत्त्यस्थानी स्थानित्यों वर सूचना की रामील से 30 दिन की शवित्र, को औ अक्षीय बाद के समान्त होती हो, के भीतर प्रवित्त स्वित्यों के से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (व) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की शादीक से 45 दिन को भीतर उनस स्थापर सम्मत्ति में दिन-बक्तभ किसी जन्य स्थानिस द्वारा मधोहस्ताक्षरी के शास निर्देश में किस का सकरेंगे।

स्यष्टिकश्यः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, यो उपसे विश्वियम के अध्याय 20-क में परिश्वादिक है, वहीं वर्ष होगा यो उस अध्याय वे दिखा गुवा है।

नक्सची

धनुसूची जैसा कि घिलेख सं० एस-2287/83 और जो ऊपर रजिस्ट्रार, धम्बई द्वारा दिनांक 16-2-85 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, **कम्ब**र्ध

दिनांक: 8-7-1985

प्रका बाह् .टी. एन . एस . ------

बानकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के अभीन सुधना

बार्व बरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज - 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुनाई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-जीं/2590/83-84--प्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर बिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पवचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खाली एप्रींकरूचर जमीन का हिस्सा, जो विलेज मोहिली, धाफ कुली-अंधेरी रोड़, सालूका, कुली, सर्वे नं० 50, एच० नं० 2 (अंग), िनटी मर्वे नं० 835 और प्लाप्ट नं० 9सी, कुली बम्बई में स्थित है (और इससे उपाधक प्रमुस्वी में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ती प्रधिसारी के सार्यालय, धम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 21-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए त्र पाया गया प्रति-फस निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की बावत उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने था उक्क बन्तर में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन वा बन्य जास्तिओं को, विन्हें भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर जर्भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्डीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया भाना भाहिए भा, कियाने में सुविधा के बिहा;

अप्त: अवं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिता व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं तमें महिता इंडस्ट्रियन इंटरप्राइसेस (प्रन्तरक)
- (2) श्री बीं॰ हरेंद्र कुनार एष्ड कंपनीं (अन्तरिती)
- (3) अन्तरितीं

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप अ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्योजनयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास सिसित में किए या सकींगे।

स्वक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित गवा हैं।

श्रनुसूची

अनुसूची जैमा कि विलेख सं० एम 179/1980 और जो ऊपर रिक्ट्रिंग, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1985 को रिक्टिर्ड किया गया है।

> ए० प्रवाद ंक्षम प्राधि∵ारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज⊶3, **सम्बर्**ष

दिनो*रः: 8--7--*1985

त्रक्त वार्चः द्ये . एत् . एक , गाम्यवनसम्बद्धाः

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाष्ट्र 269-व (1) के जभीन सूचना

The state of the s

REST TOWNS

कार्यासक, बहारक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेंज-3, वम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक्षः 8 जुलार्ध 1985

निर्वेण सं० अई-3/37-जी/2582/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसरे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार बून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी संख्या जमीन के साथ चाल, जो प्राकंड फ्लोर, म्युनिसिपल न० पी०-3258(3)/56 बी० मी०, स्ट्रीट नं० पीं० एल० नं० 58, तुरेल पखाड़ी रोड, लियटी गार्डन स्कीम का: राड, सीं० टीं० एम० नं० 36(1 में 9) व्हिलेज माजाङ, तालूका बंगिजली, बम्बई माजाङ में िथत है (और इससे उपावज ग्रन्सूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रींकर्ता के ार्यालया बम्बर्र में रजिस्ट्रींकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 🕾 16) के श्रधीन दिनां 30-1-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई 🐉 मीर मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि वभापनी कत संपत्ति का उचित वाबार बुरुष, उसके बस्यमान प्रतिकास से, एसे असममान प्रतिकास का पंबुह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच वृत्ते अन्तर्भ के विष् तय नामा नवा प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायक, क्यक अभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कनी करने था उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी बाब वा बिजी भन वा बन्ध वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट महर्रे किया भवा वा वा किया भाना प्रतिष्ठ था, कियाने में सविधा के बिका

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, जब्द अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन . निम्नसिखित व्यक्तियमं , अधीत १---

(1) श्री धरतर हुसैन युसूफ और अन्य

(भन्तरह)

(2) श्रीं हरींग प्रनंत पितले।

(धन्तिन्तीं)

(3) भाइत ।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पति है)

क्षी बहु सूचका चारी करके पूना नित सम्पृत्ति वो वर्षन की विक् कार्यनाहिकां करता हूं।

चनव् बन्ध्रीतः के नर्बन के बन्धन्य में कोई भी बाखेदः--

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 वित्र की जनिथ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वस स्वान की रामीन से 30 विन की अविध, जो भी संबंधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इच त्यका के रावपन में प्रकाशन की बारीय से 45 दिन के भारतर उक्त स्थानर सम्पोरत में हितवपृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास विचित में भिन्न वा उकीय ।

स्वभावित्यः -- इत्तर्भे प्रयुक्त वश्यों और प्रथा का, को क्या अधिनियम, के क्याम 20-क में प्रिशावित ही, वहीं नर्थ होगा को उस क्याम में विवा नथा ही।

अन्सूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-1445/83 और जो परजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनां : 30-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधि हारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज-3, कम्बई

दिनांकः 8-7-1985 मोहारः प्रस्तपः बाहाँ हो. एक. एस. -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नावक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज=3, कम्बाई धम्बई, दिनांवः 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०-3/37-जी/2553/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

बौर जिपकी सं० ण्या आफ जमीं। बेग्रिंग गर्वे सं० 238 एच० तं० 3/1 (अंग), भीं० टीं० एम० तं० 548, मुर्ला सीं० एन० टीं० गेड, बम्बई 70 में स्थित हैं (और इपसे उपा- बढ प्रमुखीं में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता के ार्यालय, बम्बई में रिचिस्ट्रींकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 हो 16) के श्रिधीन दिनांग 21-11-1984

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचि । बाजार मृन्य से कम के क्ष्म्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृभ्ये यह निश्वास करने का कारण है कि यभ पृथोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके दृश्यमान प्रतिकल है एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत्त से सिधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम गया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्विध से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तियक अप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर जाँधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त स्यक्तियों, अर्थातः :—-

- (1) श्री नजिए मंहिम्मद नाथुजी मन्तुरी । (श्रन्तरङ्क)
- (2) श्री खामनचंद बेहरूलाल जैन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत बंपील के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की सबिध या तत्संबंधी ध्यतितयों पर स्थान की तामीन से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतमों में से किसी ध्यक्ति दवारा:
- (ण) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्वथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकी।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया पका हैं।

अन्त्वी

श्रनुसूची जैसा िः त्रिलेख सं० 1978/1981 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनौदः 21-11-1989 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, नक्षम प्राधि गरी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रोंज-3, बम्बई

विनांंंं : 8-7-1985

क्रांच्य काहें उने पुत्र एक ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारत 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०-3/37-जी/2550/83-84-- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिसे उत्तर अधिनियम कहा गया है), की धारा १६० का है ते है। सश्या प्रतिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं जिमान के साथ इमारत, जो विलेज मुलूड,तालुका कुर्ला, सर्वे नं वि 124, एचव नं वि 6, सिटी सर्वे नं वि 1130, मुलुड (पूर्व), बम्बई में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1984,

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियद के अभीन कर दोने के अंतरक के दायिक्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर क्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण ,मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गोपाल गणपत वैती ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) शाकैया विहार को०-भापरेटिव हार्जीसग े सोसाइटी, लि०। (श्रन्तरिती)

की बहु सुचना कारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपरा बुग्पत्ति को वर्षेन् को सम्बन्ध् को कोई भी बाक्षेप ८०० ।

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी जबीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थीवत इवारा?
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तालरी के नास सिहिस्त में किए का धकेंगे।

रचळाडिरण:---ध्तमें प्रमुक्त बज्जों नीर वर्षों का, को कक्क अधिनिक्स से अध्याव 20-क में परिभावित हैं, बहुरे वर्ष होना को उस अध्याय में दिया वंबा हैं॥

धनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख मं० एस-2855/84 ग्रौर जो उपरिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 20-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप **वार्ष** .टी .ऐन . एस .; =========

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निदक्षिण)

धर्जन रेंज-3, सम्बद्द सम्बद्द दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० धई-3/37-जी/2537/83-84--- धतः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे. इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर के साथ, जो, जि वती विलेज, मालाड, प्लॉट नं० बी-1, सिटी सर्वे नं० 22, श्रीर सिटी सर्वे नं० 19 (श्रंण), मालाड, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-11-1984,

ता पूर्वोकत सम्पत्ति के उजिन बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी बश्तिरितियों) के जीच ऐसे सन्तर्य के लिए तब पाया गवा प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नम्साविक रूप से किथित नहीं किया पवा है है—

- (क) बन्तरण व बुट्ट किसी बाय की वाबछ, अन्तर वाधिनियत के व्योग कार दोने के अन्तरक के दावित्य में कवी करने वा अवने वचने में त्विचा के लिए: शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्यं आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की जयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में निक्या की सिक्य;

अप कवा उक्त सीभीनयम की भारा 269-ण की जनसरण में, में, उभत्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभाग (1) के अभीन, निम्निलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) डा॰पी॰ वी॰ मंडलिक ट्रस्ट।

(ग्रम्तरक)

(2) मेसर्स सोना बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भाडूत।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति के ∖

को यह सूचना चारी करके प्राॅंक्स सम्पर्श्सि के वर्णन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में अनाप्त होती हो. के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 बिन के भीतर उक्ते स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित मों किये जा सकोंगे।

स्वक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

बनस्ची

अनुसूची जसा कि विलेख सं० एस-3093/81 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टडें किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्ष्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, सम्बर्ष

सारीखा: 8-7-1985

प्रकाप बार्च , टी., एच., एच्.,------

नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायका (निरीक्ण) प्रार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं. ग्रई-3/37 जी/2588/83-84— श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं जिमीन का हिस्सा, इमारत के साथ, इमारत नं 32-बी, "मिनीलॅन्ड" टैन्क रोड, सिटी सर्वे नं 413, भाडूप, (कांजूर), वम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्रीकरण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-2-1985,

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के एरवमान शितफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह इसने बृह्ममान प्रतिफल से, ऐसे वृह्ममान प्रतिफ ल का पण्डह प्रतिश — से प्रक्षिक है बीद बन्तरक (अग्तरकों) और बग्तरिती (बन्दरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पामा चया प्रतिक्ता कि कि बिश्व प्रकार कि लिए तम पामा चया प्रतिक्ता के कि बिश्व से कि विश्व से कि वि

- (ग) बन्तरण ते हुइं किसी शाय की बावत, उन्नत सिथिनियम के अभीन कर दोने वें बन्तरक के शियरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; शक्ति/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सविभा के किए; और/वा

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए अर्थ अनुसरण भी, भी उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की अस्भारा (1) के बक्षी , निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) श्री भ्रारविन्द मुरलीधर नवले भौर भ्रन्य। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एम० कुमारन नायर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

जनत सम्यक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष ह—

- (क) इंद स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (व) इत सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्मि किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पक्कीकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों बीहर पदों का, जो जक्त विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वैवा है।

नग्तुची

धनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-643/79 धौर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 6-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

श्रक्ष भाष[्]. टी. एन., **एस**.: ----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) के विभीन सुक्ता

शारत व्यक्तार

कार्यासय, सहायक गायकार आयुक्त (निरक्षिण) धर्जनरें ज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 8जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्राई-3/37-जी/2567/83-84— श्रतः मुझे; ए० प्रसादः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० स्ट्रक्चर के साथ जमीन, जो, मुलूंड (पूर्व), में, सी०टी०एस० नं० 1070 (श्रंश), श्रोरिजनल एस० नं० 96 (श्रंश), मुलूंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया नवा प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण कि बिठ के वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) जनतरण से हुई किसी बाद की बान्छ, उपक जिम्मिन्य के अभीन कर दोने के जनतर्क के दायित्व में कभी करने या उससे जनने में सुविधा के लिए; बाह्न/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिम्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः जब, उस्त जीभीनयमं की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उस्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निम्नसिसित स्वनित्यों, सर्भात ह— (1) श्री रामचन्द्र केशव पाटिल श्रीर अन्य। (अन्तरक)

(2) श्री स्नानन्द दत्ताराम राउत श्रौर 2 श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सृजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां कहता हुई।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के ग्जपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूजना की सामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वास अभोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए था सकेंगे।

स्वच्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पूर्वों का, वो उच्छ विभिन्यम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया ववा हैं।

धनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-1418/83 श्रीर जो उप-रजिस्द्रार, बम्बई द्वारा दिनौंक 11-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया र।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहरू 🛢

प्रक्य भाडे.टी.एन.एस.------

बावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सुवृत्र

मारत सुरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्ई

बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी/2585/83-84----अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्सि, विसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, विलेज मोहिली आंफ कुर्ला- अंधेरी रोड, सर्वे नं० 7, एँच नं० 8(श्रंश), श्रीर सर्वे नं० 51 एच नं० 19(श्रंश) प्लांट नं० 16बी, कुर्ला, बम्बई में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद अबनुचीसू में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है। रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरङ्क अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसकें दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत प्रे अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बच्चरुण हे हुई फिडी बाव की बावस , स्वरूप अभिनियम के वृथीन कर दोने के बच्चरुक के बामित्व में कमी करने वा सबसे वृजने में सुविधा के सिए; बारू/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या जन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे विष्रुः

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरका में, में अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपकरित ।) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

(1) श्री रतीलास वि० बोरा ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री अमन(द।स नाबालाल पारेख धीर अन्य। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाधन की ताराज से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बन्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए का सकों ने।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवाँका, वो उन्हें विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित है, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया यस है।

बगुलुची

अनुसूची जैसाकी विलेख सं० एस-2649'80 झीर जो ऊपरिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1985 को रजीस्टढं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बारीख: 8-7-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ, दी, एन, एक.------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के अभीन सुचना

मारत संडकाड

कार्यासय, सहायक मायकर नायुक्त (मिट्रीक्रण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985 निदेश सं० ग्रई-3,37-जी,2564,83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन संभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो मुलूंड कुर्ला तालूका सर्व नं० 279, 292 एच नं० 1 भौर 2, सर्वे नं० 279 292 292, एच नं० 1ए, 1ए 1सी मुलेंड, बम्बई में स्थित है। श्रीर इससे उपावक अवनुसूची में श्रीर पूर्ण इप से विणत है।, रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन सारीख 21-12-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हु कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः उक्त अधिनियम के अधीन काद दोने के जन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; संदु/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उधात अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निग्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री दत्तात्रथ बी० खांडे।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स टिक्रा बिरुडर्स ।

(अन्सरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह ड्यक्सि, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्तबद्ध है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुः।

चंक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत त्यान के राजपन में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्थानतायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के टाजपन में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीताड़ उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहूथ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिशिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।।

पन्सूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-2319,80 मीर जी उपराजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 21-12-84 की राजिस्टडें किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वारीख: 8-7±1985

महिन्दु 🗈

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

नायक स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्याक्षय, बहुरवक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ई-4,37-ईई,13210,84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर विधित्तवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसकें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार. 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाबार बूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० पलेट नं० 42, जो 4थी मंजिल दात्तानी अगटमेंट नं० 2, छिताभाई पटेल रोड, कांविवली (पूर्व) बम्बई-101 हू स्थित है। (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची हू भीर पूर्ण रूप से विजत है), मीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बमीई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है सारीख 1-11-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य हे का के क्यामान क्षितिक से निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके क्षरयमान प्रतिकल से, एके क्यामान प्रतिकल का पन्तह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिल्ल तब पामा गया प्रतिकल, निम्नीलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि स्व

- (क) अन्तरच से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एंडी किसी भाव या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आवकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य जिभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के जनुसरक बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, विस्निजिक्त स्यन्तिनों, जर्मात् ः— (1) श्रीमती सिताबेन सी० शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री हेमंत अमरतलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करनी पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां सुक करता हुं।

चक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में को**र्ड ही अक्षेप**ः---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र जॉ प्रकाशन की राज्यिक हो 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबधूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच तिस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टिकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधानियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वशा है अ

सन्ध्यी

पलेट नं 42, जो, 4थी मंजिल दात्तानी अपार्टमेंट नं 2, छितामाई पटेल रोड, कादिवली(पूर्व) सम्बर्ध-101 ह स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं प्रई-4,37-ईई,13210,84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाप सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख: 8-7-1985

त्ररूप बाड्ड , टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं व्यर्ड-4/37-ईई, 13494, 84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1;00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं यूनिट नं 24, जो ग्राउंड फलोअर "डी" विंग, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व) बम्बई-67 में स्थित है। (ग्नीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्नीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का il) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अवः, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री टी॰जे॰ चंदनानी ग्रीर 2 अन्य। (अन्तरक)
- (2) मास्टर अनीलकुमार नटवरलाल दोडिया **धौ**र अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) ६स सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति मों हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित. में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीफरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगुसुची

यूनिट नं० 24, जो ग्राउंड फलोभर, "डी" विंग, बोनान्झा इंडस्ट्रियल इस्टेट अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० ई-4,37 ईई, 13494,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ण किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

ता**रीख**: 8-7-1985

मोहर 🛭

प्रकथ बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (१) के अभीन स्चना

थारत सरकार

कार्यांत्रम, सहायक जावकार जामुक्त (निर्दाक्तिक)

ध्रजेन रेंज-4, धम्बद्दे धम्बद्दे, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्र**६-4/37-६६/13431/84-85---श्र**तः **मृहो**, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्यक परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 रू. से अधिक हैं

भौर ,िसकीं सं० प्लाट नं० 203, जो, इमारत नं० 2, तुराखिया पार्क, एम० जी० रोड, कांदिवली (प०), कम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाधद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन कम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्री हैं, तारील 1-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के क्ष्यमान प्रात्मकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जनतः जिथिनियम के जधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/का
- (ब) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, वा अमकार अधिनियम, वा अमकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना को हुए था खिपाने में पिक्था के सिए;

जतः अन्, उक्त अधिनियम की धार। 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) अधिक निम्नमितिक व्यक्तियाँ सर्थात्।—— (1) श्री सूरेश भिखालाल देशाओं।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री राजेश एम० खादाबाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां क<u>र</u>ता हु^ने।

उबत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित स्पारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण: ---इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्रनुसूची

प्साट नं० 203, जो, इमारत नं० 2, सुराखिया पार्क, एम०जीं० रोड, क्विंदिवलीं(प०), अम्बई-67 में रिथमे हैं।

धनुसूती जैसा कि क० सं० धर्६-4/37-ईई/13431/84-स5 और जो सक्षम प्राधिशारीं, बम्बई द्वारा दिनांकः 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4' बस्बई

तारीख: 8~7~1985

प्रक्य बार्च . ही . व्य . एस . -------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, घम्बर्ड

बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/13165/84ब85---- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तकः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधी- पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ०. से अधिक है

अ2र जिसकी सं० गाला नं० 7, जो, 2रीं मंजिल, "सी" विंग, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रायबेट लि०, प्लांट नं० 12-बीं, प्रशोक चक्रवर्ती रोड, मिरांडा टूल्म लिमिटेड के पींछे, बांदिवली (पूर्व), श्रम्बाई-101 में स्थित है। (और इंससे पाबद अनुसूचीं में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269 कुछ के अधीन बम्बाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984,

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक भू और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के उधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एरेसी किमी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसिक्ष व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1). बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रायवेट लि०। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स औडक ट्रान्सडयुसर्म । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विश् की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अंपित में हितदक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

गाला नं० 7, जो, 2रीं मंजिल, "सी" विंग, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रायवेट लि०, प्लांट नं० 12-बीं, श्रणोक चक्रवर्ती रोड, मिबांडा टूल्स लिमिटेड के पीछे, कादिवनीं (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि क्र०सं० प्रई-4/37-ईई/13165/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रभाद सक्षम प्राधि :ारीं सेहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कस्बई

तारीख: 8-7-1985

बक्य बाइं. टी. एन. एस.,------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, धम्बई

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें ध्सके परंशाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० बंगला नं० 3, जो ग्राउंड फलोग्नर, बी-िंग, जी०के० नगर-1, गंकर लेन, कांदिबली (प०), क्स्बई-67 में स्थित हैं। (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित हैं), और जिससा करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 26 वाद के अर्धान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजीस्ट्री है, तारींख 1-11-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मृन्य उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पम्बूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब्ध्यामा प्रवा प्रतिकाल, निम्निविधित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से क्षिण नहीं किया वहा है हिन्स

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत उपके और निवृद्ध के अभीत कार बीते के बन्तरक के दायित्व के कर्मी करने या उससे बचने में सुविभा के सिये; बीट/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियाँ करो, विन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नास प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा वे सिष्ट:

न्दः व्या, उपत विधिनियम, की बारा 269-न के बनुबर्ज भा, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीत, निस्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) में भी ग्राशिय तस्दुष्णन्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो प्रियक्तंत पी० पारीख और श्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के जध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

न्स्ची

बंगला नं० 3, जो प्राउष्ठ फलोर, बी-विंग, जी० के० नगर-1, शंकर लेन, कांदिचली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋषं श्रई-4/37-ईई/13616/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद भक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, **वस्ब**ई

नारीखाः 8-7-1985

प्रकृष बार्च .टी .एम .एस . ------

कासकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सुचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्विक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्र**ई**-4/37-ईई/13324/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 36, जो 3 री मंजिल, जी० वेंछ नगर इमारत नं० 2, मंक्षर लेन, कॉविचलीं(प०), बम्बई-67 में स्थित हैं। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), और जिस्ता करारनामा आवक्त अधिनियम, 1961 की धात 369 ए.ड के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधितारी के वायित्य में रजीस्ट्री हैं, तारीख़ 1-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के कृष्यमान प्रतिफल के कृष्यमान प्रतिफल के कृष्य प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और जिलिरती (अंतरितियार) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ब्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित कर्षे बास्तविक रूप से क्रिया महीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वासस, उक्स जिथितियम के जधीन कर दोने के अन्तरक से वाजित्य में कमी करने या उससे नमने में बूजिशा के सिष्ट; जारू/वा
- (व) एसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

जतः जव, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) कें अभीय, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् (1) मैसर्स जीवनव डबलपमेन्ट कार्परिणन।

(श्रन्सर्क)

(2) श्री किशोर प्रभुलाल तलाटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्थारको करणः — इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

फ्लेट नं० 35, जो 3 री मंजिल, जी०के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कोडिवलीं(प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रमुनूची जैभाकी करुमंर श्रई-4/37-ईई/13324/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, बस्बई

. तारीख: 8--7--1985

प्रकम् बार्ड्ःटी एतः प्रसः ------

भायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेज-4, बम्बई

्बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 61, जो, 6 वी मंजिल, निर्माना।धन इमारत, "श्रीजी प्लैम" प्लाट सी० टी० एम० नं० 99, व्हिलेज कांदिवली, एम० वी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),श्रीर जिसका करारनाम। श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) मैंसर्स वासानी डेबलपमेन्टस ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा जीव भाटिया (एसव युव एफ़व)

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लैंट नं० 61, जो, 6बीं मंजिल, निर्मानाधीन इसारत, "श्रीजी द्लैस", प्लाट ब्रेग्निरिंग सी० टी० एस० नं० 99, व्हिलेज कांदिवली, एस० नी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुभूची जैमा कि कि सं कि मई-4/37-ईई/13134/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बर्म्स द्वारबा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) श्रार्जन रेज-4, बस्बई ।

चिनांक : 8-7-1985

मोहर 🖫

प्रसम्ब आहे. टी. एन्. एवं ------

नेशिकर निभृतिनम्भ, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन क्षमा

TIME STATE

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4 अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/13325/84-85—यतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गयां हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बद्धि, जिसका उचित बाबार मृष्ट्

ग्रीर जियकी स० फ्लंट न० 37, जो 3रें मंजिल, जी ० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर छेन, श्रीदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं। (ग्रीर इसम उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का ने विणित है), ग्रीर जिल्हा जारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के ग्रीवित वस्वई स्थित सक्षम प्राधि हारी के जार्यालय में राजस्ट्री हैं, लारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्ट संपत्ति के उपित बाजार भूग्व है का में स्थान में राजस्ट्री हैं, लारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्ट संपत्ति के उपित बाजार भूग्व है का में स्थान में प्राथित के विषय के स्थान में स्थान के स्थान में स्थान के का जीवत बाजार मूज्य उसके स्थानान प्रविक्रण से, एसे स्थानान प्रविक्रण का पत्त्र प्रतिक्रण में ग्रीयक हैं और अंबरक (अन्तरका) कोर अन्तरित हो गोभक हैं और अंबरक विषय हैं स्थित के विषय हैं स्थान है स्थान हैं स्थान है स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान है स्थान हैं स्थान स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान स्थान

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाम की नाम्त, उक्छ जीभीन्यन के नभीन कर दोने के मृत्युरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुनिधा के निष्; नार्ट/ना
- (क) एसी किसी साव का 'काक्षा वन या अन्य यास्तिन्न का, जिन्ह भारतीय काक्कर मिर्मिन्न , 1922 (1922 का 11) या जेक्ष्ण मिर्मिन मा वनकर मिर्मिन , 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ सन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पासिस का विवार या किया की किसा निर्मा की किसा वा विवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पासिस का किया में सुविवार में किसा

बर्दा विव **डायर विधानियम की बारा 269-व के वम्**कर्थ में, में, उक्त मिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, मधीत् क्ष्म

- (1) मैसर्स जी० के० डेवलपमेन्ट, कारपोरेशन (मन्तरक)
- (2) श्रं मती ग्ररुणा किशोर तलाटे । (ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

इच्छ इन्हरित के बर्चन के सम्बन्ध यें कोई भी नाक्षर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी स्थानितयों पर सूचना की लाजील से 30 दिन की बनीथ, को धी सक्षीथ नाथ में सभाष्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स स्थानित में से किसी स्थानत ब्यानत;
- (क) इक ब्रुवना के राज्यक में प्रकावन की शारीय के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्याप किसी कन्य स्थावत द्वारा, वधोहस्ताक्षरी वे पात स्थितित वे किस् वा क्केंचे।

रक्कि रण:---इसमें प्रयुक्त कर्मा और पदों का, को उपल जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यार भे विका ्या है।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 37, जो, 3री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/13325/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई ।

दिनांक : 8-7-1985

मोहुर 😉

प्रकल भारती है है है है पूर्व पुरात - है है है

नायकर निभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर बायक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/13323/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रपाद,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विकास वाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 1, शहर लेस, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इसम उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूणे रूप से विजत हैं), श्रीर जिसार करारनामा श्रीयकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 थ, ख के श्रीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हारी के ार्यालय में रिक्टिं है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विद्यास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य,, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित खब्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तियम रूप से किंग्स नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं सुद्दं जिल्ली भाग का बावस, उक्त मधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या अससे स्थाने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) श्रेसे किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रञ्जः त्रव, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के वनुतरण वो. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷—— (1) मैंसर्स अशिष कास्ट्रक्शान्स ।

(भ्रन्सरकः)

(2) श्री गजेंद्र जमनादास संपत और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के खर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में कमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनिसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

वन्स्यी

पसैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 1, शंकर लेन, सांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है। ग्रमुसूची जैसा कि क० मं० श्रई-4/37-ईई/13323/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रस**द**ा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेज-4, बम्ब**६** ।

विनोक: 8-7-1985

प्रकल् बाद्रैं० टी० एन० एस०−

भागकार अधितियत, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रर्ड-4/37-ईई/13321/84-85--- श्रतः मुझै, ए० प्रसाद,

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ब के अधीन सक्षम प्राणिकारणे को प्रह विक्थास कारने का जाएण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 604, जो, 6वीं मंजिल, "जीं के नगर इमारत नं० 1", ग्रंगर लेन, कांदियली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिल्हा क्राण्यामा भ्रायत्र श्रिष्टिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

- (क) अभ्तरच से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अम्तरक के वायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ उन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के किए;

बत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् (1) मसर्से ग्राशिय कन्स्ट्रक्शन्स

(ग्रन्तर्यः)

(2) श्री मित्प मुरेणचन्द्र दोशी

(भ्रन्तरिती)

को बहुत्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तित के अर्थन के निष् कार्यमाहियां करता

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के ग्रामपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविभ बाद के समाप्त होती हो, के भीतर प्रवांक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति स्वाग्र;
- (ण) इत स्थान के रायपत्र में प्रवाधन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबद्ध किमी अन्य स्थाबत द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:—-इसमें प्रवृक्त कर्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

म्पापी

प्लैट नं० 604, जो, 6वीं मंजिल, "जी० के० नगर इमारत नं० 1", शंकर छेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/13321/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वःरादिनांदा 1-11-1984 की रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद राक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्र[ा]श्वत ((नरीक्षण) श्रजन रोज-४. बम्बई

दिसाँक : 8-7-1985

प्ररूप बाइं.टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, जो, जी० के० नगर धमारत नं० 1, 5दीं मंजिल, अंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है; (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनाम आयकर श्राधिनियम, 1961 कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वेक्स संबस के जिलत बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते ग्रेह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ं करा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

(1) मैसर्भ श्राणिय कन्स्द्रवगन्स ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्राप्मा० सहाऔर प्रान्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्दाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाष्टि है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

444

पलैट नं० 504, जो, 5दीं मंजिल, जी० के० नगर, ६मारत नं० 1, शंकर लेन, कांबली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ३०० सं० अई-4/37-ईई/13537/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

महेहर 🖫

श्रक्षण लाइ". टी. एन. एस -----

लायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-म (1) के लधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/13322/84-85---ग्रतः मुझे; ए॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, जी० के० नगर, इमारत नं० 1, अंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। (और इससे उपाबक अनुसूची; और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिक्षिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोंकत सम्पण्ति के उच्चित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते कह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बौच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है ।

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए अरि/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तियाँ की. जिन्हों भारतीय आय-कर स्पिश्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लालिकात क्विक्तकों, अर्थात् कि 44—186GI|85

(1) मैसर्स ग्राशिष कन्स्ट्रवशन्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हीरालाल सी० शहा और ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के टर्जन टे लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध नार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचक्श्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अन्स्ची

पलैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, जी० के० नगर, ६मारत नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। स्रमुस्ची जैसा कि क० सं० स्रई-4/37-ईई/13322/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रापुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई ।

दिनांक् : 8-7-1985

हरूप बार्च . टी . एव . एस

आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ल् (1) के अभीन स्थान

सारत सरकात

कार्बालय, ग्रहायक लायकर आयुक्त (निर्माक्षक) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/13135/84-85---श्रत: मुझे; ए० प्रसाद

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परणाल 'उक्त अधिनियम' कहा गणा हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी कें। यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 51, जो, 5थीं मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, "श्री जी पैलेस, प्लाट सी० टी० एस० नं० 99, व्हिलेज कांदिवली, एस० बी० रोड, कांदिवली (प), वम्बई-67; स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रध न बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के वार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-11-1984 को पूर्णिक्त सम्पत्ति के उपाबत बाजार मृत्य में काम के रहयजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्त) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के स्थित नम्पा प्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त जन्तरण सिमिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उल्ला जिथ-रियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) है प्रशोदनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बरः:, अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दातानी डेव्हलोपमेंटस ।

(अन्तरक)

(2) श्री लिलत कें० करानी और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वार। करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वाग के एकपण में प्रकासन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाण लिकित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो जम अध्याय में विका गया हैं।

धनसची

पलैट नं० 51, जो, 5वीं मंजिल, निर्माणाधीन ६मारत, "श्री जी पैलेस, प्लाट सी० टी० एम० नं० 99, हिलेज का - वली, एस० वी० रोड, कॉदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि के कि ऋई-4/37-हेई/13138/54-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कारा दिनांक 1-11-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

(ए० प्रसाद) सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक : 8-*7*-1985

प्रकृष वार्षः, दी, एनः एवा, अन्ययन्त्रन

नावकाः विभिन्नम् , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यात्म, शहरक वायकर बागुक्तः (विद्रीक्ष्ण)

स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देण सं० ग्रई-4/37-ईई/13217/84-85—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गना हैं), की भाउर 269-च के नधीन, तक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर इस्पत्ति, विसका उचित नावार इस्थ 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 50, जो, 4धी मंजिल, वर्धमान बुटीर, विग-बी, एकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रहिनियम, 1961 वी धारा 269 क, ख के ग्रधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पृथोंवत सम्परित के उमित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिकत के लिए अन्तरित की पृष्ट हैं और मृत्रे वह विश्वतक खरने का कारण हैं कि म्थापूर्वोंकत संपरित का जीवत बाजार बृश्य, उसके क्रममान प्रतिकत से, एसे क्षममान प्रतिकत का बंख्य प्रतिकत से बिश्वतक से बंद्ध प्रतिकत से बाजार का बंद्ध प्रतिकत से बाजार का बंद्ध प्रतिकति से बाजार का बंद्ध प्रतिकति के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तम् पामा व्या प्रतिकत , निकासिचत उद्वेषम् से स्वत् ब्राह्म व्याप्त प्रतिकत से बाजार के निल्ला का बाजार के स्वार्थ का बाजार का ब

- ि) अस्तर्भ से सुक्ष विक्रती काम को कार्या क्या क्रिक्ट के क्या कर पाने के अन्य के वासित्य में कभी करने या उससे ब्लने मी सुविधा में लिए; नौर/ए
- (स) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्या अधिनियम, का पन-कर विधिनियम, का पन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरी युवारा प्रकट नहीं जिल्ला यवा या वा किया जाना जाहिए था जिनाने में तृविधा की निह;

असः अस्य, सक्त लिथिनिश्च की धारा 269-ग के अन्तरण क्री, क्री उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्षी अधील, निश्चितिकार व्यक्तिकों, अव्यक्ति :च्या (1) मैसर्स वर्धमान बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भौतम निरंजन भगत और भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को नह सूचना वारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के अर्थन कार्यनाहियां गृक्ष करता हुई।

अक्ट बन्मरित के अञ्चन में इक्लाओं में स्टेड भी नामेंच हुन्स

- (क) इत ब्यान के राज्यम् में प्रकाशन की तारीय के 45 विश् की समीध ना करवाकारथी व्यक्तियों बंद व्यक्ति की तारीय के 30 दिन की नवधि, वो भी सन्धि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय वृत्राय;
- (क) देवं, क्यांग के द्रावयक में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के बीचर उनदे स्थानर सम्मतित में हितनस्थ किसी नम्ब स्थानस्य द्वाय नृथोहरतास्त्री के शक्ष सिक्ति में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, को उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, दहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

प्लैट नं० 50, जो, 4थी मंजिल, वर्धमान कुटीर, विग-बी, गंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अठ सं० ग्रई-4/37-ईई/13217/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11ब1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्ब**र्द**।

दिनांक : 8-7-1985

दस्य बाह् दी, १५ . एवं

The state of the s

बावकड वॉभनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-भ (1) के अभीन स्वन।

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक जावकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्नर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, जो 3री मंजिल, "जी० के० नगर इमारत नं० 2", ज्लाट मी० टी० एम० नं० 67 (ग्रंग), 68(श्रंग) श्रौर 92 (श्रंग), व्हिलेज बालनाय, नगर मालाइ, तालुका बोरिवली, गंकर लेन, कांविवली (प), बम्नई-67; स्थित हैं। (श्रौर इसमें उपादाख अनुसूची ते श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं),/श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

करे पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य स कम के रहशमान पितफल के लिए अन्तरित की गर्ट हैं और मुझे यह जिस्तास फरने का कारण हैं कि श्रधाणबंधित संगित कि बोधार मूख्य, उसके रहशमान प्रतिफल से एसे रहशमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उत्वरेष से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिबक रूप से स्ट्रीयत मही किया गया है कि

- (क) अन्तरण वं हुन्द्री निस्ती नाम की वासला, अक्स अभिनियम के लभीन कर दोने के अन्तरक की वालिएक के कभी करने या उससे दखने के सुविधा के लिए; कींद्र/का
- (क) एसी किसी नाव वा किसी भन्न ना कत्व जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जार-कर अधिनियम, 1922 (1922 का १३) ता ज्या अधिनियम, का भनकर जीधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी व्वारा प्रकट महीं किया नवा था वा विकास जाना नाहिए था कियाने में स्विता की विकास

बतः बंब, उक्त अधिनियमं की भाग २६६ स की अनुसरण बों, बीं, उक्त अधिनियमं की धारा २६५-घ की उपधारा (1) कुँ अधीन निम्नलिबित व्यक्तियों अर्थात :—— (1) श्री रतीलाल पी० सावला ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरोत्तमकुमार एन० शर्मा ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वीक्स सम्पर्तित के अर्थन के बिध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के नर्शन के सम्बन्ध के कार्य भी काक्षेत्र 🤄

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 विन की बर्मा या तत्सम्बन्धी अधिक्तसों पर
 सूचना की तासील से 30 दिन की अधिक, जो भी
 जन्म नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्थितवों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (ज) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित्रश्रृष्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निधित मों किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा छो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 32, जो 3री मंजिल, "जी० के० नगर इमारत नं० 2", प्लाट सी० टी० एस० नं० 67 (श्रंग), 68 (श्रंग), श्रौर 92 (श्रंग), व्हिलंज वालनाय, नगर नालाड, तालुका बोरियली, शंकर लेन, कांदियली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/13303/-84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ग्० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रर्**जन रेंज-4, बम्ब**ई**

दिनांक: 8-7-1985

नाय्कर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से मभीन सूचना

नारव वरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निराक्षण) म्रजैन रेंज-4, ६म्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13390/84-85----भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

- (क) भगरात्रभ सं हुए । काशी याथ की वाधवः, कावस याभाग्यकः के कशीन कर दर्भ के अन्तरक का द्यायक को कशी कारत का वसके वसल का कृष्टिका के लिए; बौड्/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किन्छ भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1)) पां लेका जीवी नियम, 1923 का 27) का प्रयासनाथ जनती राती इंगारा प्रकट नहीं किया नया था या किया बता था, कियाने में समिशा के सिद्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(भ्रन्तरक

(2) श्री प्रतापराय बकुभाई सागर फ्रौर फ्रन्य ।

(ग्रन्तरिती

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन का शारी हैं के 45 दिन की अवधि था तत्सं केशी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सर्वार ।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूची

प्लैट नं० 18, जो, ाली मंजिल, णिवम इमारत, एस० थी० रोष्ठ, फोहह्माग, कांदिवली (१), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ५० सं० ग्रई-4/37-ईई/13390/84- 85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) , भ्रजन रेंज-4, बस्बर्ध

दिनांक : 8-7-1985

अर्थ ार र्राष्ट्री, भूगे । स्थान व्यवस्था

(1) मैसर्स मानव बिल्डर्स (इंडिया)

(घन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

भागकार अभिनानगम 1981 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर भायुक्त (निर्शालक)

श्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37ईई/13378/84-85—श्रतः मुझे\$ए० प्रसाद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकार परकात 'उक्त स्थिनियम' कहा गया हैं), की बादा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० प्रिमायसेंस नं ० ए-113, जो, 1ली मंजिल सुपर शापिंग काम्प्लेक्स, बजाज कास रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति कं उचित नाजार मूल्य संकम के इक्ष्यमान अन्तरित की गद्र के लिए है कि यच्ह्र विद्वास करनं का कारण पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,, उसके रुप्यमान प्रति-फल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवास से अधिक हैं **और** अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) **के बीच ए**के अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से केथित नहीं किया गया 🐮 🖫

- (क) अन्तरण स् हुई किसी भाषकी यायत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विभा के दिख; और/या
- (था) ऐसी किसी आस वा किसी धन या अन्य जास्तियों को , धिन्ह भारतीय जामकर अधिनियम , 1922 (१९५८ के १३) वा उक्त अधिनियम , या अब-कर अधिनियम , या अब-कर अधिनियम , या अब-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान। वाहिए बा, छिपान में सुविधा स्रांतिष्

अतः अब, जबत अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण मं, मं, उत्था अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

(2) श्री के० जी० कपाडिया (एघ० यू० एफ०)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरण :—-इसमी प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो जक्त वृश्चित्वव, के ब्रुध्यास 20-क मी प्रिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो जस मध्यास मी विमा गया है।

ग्रनुमूची

श्रनुसूची नं ० ए-113, जो, 1ली मंजिल, सुपर शापिंग श्रिमयसेस, बजाज कास रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि, ऋ० सं० अई-4/37-ईई/13378/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, ह्यम्ह्यई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्ष्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

%नांक : 8-7-1985

शुक्रम **मार्च**. डी. एक. एक ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थाना

बारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/13279/84-85--- श्रतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्पित वाचार मृख्य 1,06,000/- रह. से अधिक **है**

भीर जिसकी सं० श्राफिस प्रिमायमेस नं० ए-217, जो, 2री मंजिल, सुपर शापिंग काम्पलेक्स, डा० दलवी रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। (ग्रौर इसमे उपावद्ध अनु-भूची में स्रोर पूर्ण रूप से विशाद है)/स्रोर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, **ख** के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक **है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती** (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-काल निम्नलिखित उद्दोष्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :----

- (क्र) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उवस अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मा कमा ४०ने या उससे अभन या सुविधा के सिद्ध भौर/या
- (था) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियौ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था क्षा किया अपना चाहिए था, छिपाने में सविधा फंलिय:

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269- य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स मानव बिल्डर्स (इंडिया)

(श्रन्तरक)

(2) डा० कंसारीया भरत नागिनदास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करको एको जिल सम्मातिल को अर्जन को क्रिए कार्यवाहियां भूरः करता हूं।

क्षक्य कव्यात्स के वर्षन के मध्यत्य में कोई भी नाओप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर समारा 🕶 दिन की सबिप, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त म्परिकारों में से किसा ध्यक्ति वृक्षारा;
- 🕊 🕽 इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीच 🦸 45 विम को भीतर सकत स्थावर संपरित में क्रित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्किन में जिल्ला का शंकींगे।

स्पन्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **ओ उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया थया 🗗 🧎

अनुसूची

भ्राफिस प्रिमायसेस नं० ए-217, जो, 2री मंजिल, सूपर **भापिंग काम्पलेक्स, ग० दलवी रोड, कांदिवली (प), ह्याम्ह्याई-**67 ; स्थित है ।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/13279/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड कियागयाहै।

> (ए० प्रसाद) सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक: 8-7-1985

माहर:

प्रक्य भार्चः दी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भाष 269-ध (1) के अभीन समभा

श्रीहरू सरक्षा

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जान रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4-37-ईई/13384 84ब85~अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् भावार वृज्व 1,00,000/-क. से अधिक ही

भीर जसकी सं दुक्त नं 17 जो गृष्ठ नानिक अपार्टमेंट को-आप हार्ऊसिंग सोसाइटी नि , 51, गंकर लेन कांदियली (प), बम्बई-67 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धीर पूर्ण रूप में विणित हो), श्री जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए बन्दिरित की गई है और मुखे वह विश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकाँ) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के सीच एसे जन्तरक के लिए वय बाबा थया बहिफल, निभ्नानित उक्कोंक से उक्त बन्तरक विशिष्ठ के सहस्त्रीया स्थान क्षिण्य एकी मैसला नहा है :---

- (क) अप्तारक ये शृष्टी १२४सी आय की आसत्ता, सक्ट अधिनियम को अधीम कर दोने की अन्सरक को अधिन्यम को अभी करते वा उसमें बचने में गृजिन्स को लिए; और/या
- (था) क्यों कियों बात का कियों का वा बाय आहितकों का, चिन्हों भारतीय नाव-कार विभिन्नियन, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, जा नगकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिये था. कियान में नृविभा के लिए;

अतः अब, अवत विश्वितयम को धारा 269-ग के अनुसरण इन, मी, अवस अधिनियस की धारा 269-भ की अपभारा (1) अहे अभीर विश्वितिक व्यापनियों स्पृष्टि :--- (1) श्री ए० एस० बदलानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० मेहता ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुकना बारी करकं पूर्वोक्त सम्पृत्ति के कर्चन के किए कार्यवाहियां करता हुएं।

क्यल सम्महिल के बर्धन के बारवस्थ में कोई भी बाबोप।---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाधन की तारीच है 46 जिल्ल की जनति या तत्त्वस्वन्धी स्वृतिचलीं पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवित्त स्वित्तमों में से किसी स्वित्त ब्वाराः
- (ण) इस सूचना को राध्यपत्र मं अकाशन की तारीण स 45 दिन को भीतर उकत स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षरी को बात निवित में किए था सकोंगे।

ल्ब्बाक्षरण:----इसम प्रयुक्त शब्दों और पदा का, को उनस् निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्ध होगा नो उस अध्याय में विका नवा हैं।

नगर्भ

अनुभूची जंसा कि कि० सं० ग्राई-4,37/ईई/13384,-84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 1-11-1984 की रुजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी हायकस आयकर अध्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेजि-4, बम्बई ।

दिनांक: 8-7-1995

मोहर 👉

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बद्दी

बम्बई, दिनांक 8 ज्लाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13115/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त सब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से काथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के सिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसरण** पें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

45---186GI/85

(1) मैसर्स दात्रानी कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाब शंकर भादलेकर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्फरित के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस तृष्णा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अपिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्णा की ताजीब से 30 दिन की जबीध, जो भी अबीध बाद के तमाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन करी तारीक से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध सिक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं । 110, जो 1ली मंजिल, दात्तानी पार्क, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं । ई-4/37-ईई/13115, 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बस्बर्ष

दिनांक : 8-7-1985

धरण्या सार्षे त्री (यस सम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश मं० अई-4/37-ईई/13280/84-85----अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 52, जो, 4थी संजिल, शिवम इमार्य, एस० वी० रोड, फतेहबाग गांदिवली (प), वस्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अभीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

कारे एवें किस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिक र के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार बल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रस्थातिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाध की बाबत, उन्ते बिधिनबम के बधीन कर दीने के अन्तरक औं दायित्व मो कसी करने या उनमें वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स. एसी किसी अध या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 .1 - : 11) या उपत पश्चितियम, यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) उद्याजनाय धन्नरिती काच प्रकट नहीं किया गया या ए किए। जाना चाहिए था, विवाने में

जतः अज, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरक मो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को जनीत जिम्निलिक्त व्यक्तियां, कर्णांश :--- (1) मैंसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० आर० देसाई ग्रीर श्रीमती डी० एच० देसाई ।

(अन्म(रती)

को यह स्वना भारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के रूजन क संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इक्ष सूचना के राजपंत्र में प्रकाणन की तारीच में 45 दिन की भकति या तत्त्रमंत्रीकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समापन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पत्राज्ञन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर प्रस्पत्ति में हितवब किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, अद्योश्स्ताक्षणी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण 1---इसमें प्रयुक्त अध्या कोर पथा का, जो उनत धाध-नियम े जक्ष्याव ३०-क में परिभाषित है, वही सर्य होस', जो उस ब्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 52 जो, 4थी मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमािक ऋ० मं० ग्राई-4/37-ईई/13280/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई डारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्डकिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिक री सहायक अध्यकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बर्ड

दिनांक : 8-7-1985

п'**г,**7

प्रमाद साद् . एते . एन . एसे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्मासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13280/84-85----अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 52, जो, 4थी मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस्थातिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वीं शायित्व मों कमी करने या उनमें वचने में सृविधा के जिए; और/बा
- (स्व) एसी किसी अयं या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1) 2 % 11) या उक्त प्रधिनियम, अ प्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) -अगाजनाण पन्नरिती खारा प्रकट नहीं किया गया था । किया जाना चाहिएचा, कियाने में

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं अधीन निम्नितिस्त व्यक्तियां, अर्थाक्ष :—

- (1) मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री एच० अ(र० देसाई ग्रौर श्रीमती डी० एच० देसाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किस कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के ल्जन क संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तस्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाए में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा नकेंगे।

क्ष्यक्षीकरण । --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रोर पदी का, जो उन्त श्र ह-नियम ें अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं ० 52 जो, 4थी मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग कांदिवली (प), वम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37-ईई/13280/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

महिर 🔆

शुरूप बार्चुटी, एन्, एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत चरकाड

कार्यालय, सहायक भागकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्णन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37ईई/13281/84-85—-श्रतः मुझे

ए० प्रसाद भायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'जवन आधानयम कहा गया हो), की भारा

269-व में नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाबार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

गौर जिसकी सं० पलैट नं० 54, जो, 4थी मंजिल, णिवम इमारत, एस० बी० रोड, फतेह्बाग, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है। (गौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्मान प्रतिफल के लिए बंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इस्मान प्रतिफल स, एसे इस्मान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्रत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गुस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) बलाइम् से हुई किसी बाय की बाबस, उनके समितियम के स्थीन कर दोने के बल्द्स्क के दासिला में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (क) इसी किसी अप वा किसी धन वा कम्ब नास्तिकों का विन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्लाग प्रकट नहीं किया गया था का वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिनिधा ने सिष्धा ने सिष्ध।

बक्रः बक्र, उक्त विधितियम की धारा 269-व की बक्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थत :---

- (1) मैंसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी। (अन्तरक)
- (2) श्री जे० जे० देसाई भौर श्रीमती यू० के० देसाई।

(ध्रन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके व्यक्ति सम्पत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एवप्त्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की मंगिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मंगीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को एकपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किया वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहि पर्दों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रभा हैं।

अनसूची

प्लैंट नं० 54, जो, 4थी मंजिल, णिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कर सं अई-4/37-ईई/13281/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोक्कर 🕜

श्रुक्त् बार्ड. टी. एन्, एस्,,------

बायकार जीभीनवज, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन ब्रॉबना

ETER TENTE

कार्यान्य, बहायक भावकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जलाई, 1985

निर्देश सं० भ्रर्थ-4/37-ईई/13313/84-85—श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विचे इवनें इसकें पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की वारा 269-व के वधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्वत्ति, विसका उचित वाजार मूस्य 1,00000/- रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट 5वी मंजिल पर, जो मधुबन श्रपार्टमेन्टस, मुरीन स्ट्रीट, श्राफ एस० जी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रिफल का पत्त हु दिश्यमान प्रतिफल का पत्त हु है, तारीख वन्तरित (अन्तरित्रार्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नितिचत उद्देष्यों से उक्त बन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (य) ऐसी किसी जाय रा किसी पत का खार बहिर स्वी करों जिन्हों भारतीय जाय-कर जिमिनियज, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीविनियज, वा धनकर जीधीनयज, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनामें जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्वीवधा के किस्

नतः नव, उन्त निमिनियम की भारा 269-ए के अनुसरक्ष में, में, उन्त निभिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1), हे अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैमर्ग जवंतीलाल इह्वेस्टमेंटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीए० के० मेहता।

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना भारी करके प्यान्त संपरित के नर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता हो।

उन्द तम्मीत्त से वर्षन के बन्दान्य में कोई भी वालेपः--

- (क) इक् बुजा के राज्यत्र में प्रकारत की ताड़ीय से 48 डिका पर्की क्याँग्य का करवान्त्रभी कातिवाज़ों पर बुजा की तानील से 30 दिन की अवभि, से भी वक्षि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्छ कातिवाज़ों में से किसी कानित ह्यारा;
- (क) इस श्रुपना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के पीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवबूध किती मन्य प्रावित इवारा मभोइस्ताक्षरी में वास सिवित में किए जा सकोंगे:

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्**ची**

पर्लैट 5वी मंजिल पर, जो, मधुबन श्रपार्टमेन्टस, मुरीन स्ट्रिट, श्रॉफ एम \bullet जी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/13313/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, ब्रम्बई

विनोंक : 8-7-1985

श्क्य बाहें दी. प्र. एस . -----

वायकर मीधीनयूत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के मधीन सुचना

भाषा बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रर्थ-4/37 ईई/13312/84-85——श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार न्य्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं फ्लैंट नं 201, जो. 2री मंजिल, विग-ए, मधुबन स्रपार्टमेन्टस, मुरीन स्ट्रिट, स्राफ एम० जी० रोड, कांदि-वली (प), वम्बई-67 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सन्-सूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृत्व से कम के दृश्यमान वितर्भ के लिए अन्तरीरत की गई

हैं और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके दृश्यमान प्रति-कक्क तो, दौसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से मिक हैं बौर अंतरक (मंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एंडे अंबरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नसिवित उक्केच्य से उक्त अंतरण सिवित में शस्त्रविक रूप से अधिव नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाम की बायस, उक्स अधिनिष्ण के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उद्यसे क्चने में सूविधा के लिए; और/बा
- (श) एोसा किसी आय या किसी भन या अस्य जास्तियों को फिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अवत अधिनियम, या धन-कह वीमित्रक, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ अस्तिरती कृतारा प्रकट नहीं किया क्या वा वा विका जाना करिक्स का, कियाने में सुविधा के शिक्षः

अतः अभ , उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण के , में , उक्त अधिनिक्क को आरा 269-च की उपधारा (1) ो अभीन , निकलिक्षिक व्यक्तियों , कर्नाचे क्र∽ (1) मैसर्स जयंतीलाल इन्ह्लेस्टमेन्ट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दत्ताराम गोपाल शेजवल।

(भ्रन्तरिती)

को यह दूषमा चारी करके पूर्वोचत सञ्जातित में भूषीय की विक् कार्यवाहिया करता हुं।

उपत राज्यक्ति के अर्थन के राज्यका के सार्व्ह भी वास्त्रेय :--

- (क) इस ब्यान के राजप्त में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 विश्व की अविध मा तरसम्बन्धी व्यक्तिमां पर त्यना की ठाणीय से 30 दिन की अविध, को भी तरिष वृश्वित हो, के भीतर पृथित व्यक्तियों में से किसी स्थृतिस क्वारा;
- (क) इस त्यान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उसत् स्थायर संपत्ति से द्वित-वक्ष किसी जन्म क्येंक्स क्यारा अक्षोद्दस्ताकरों के यास लिक्षित में किए था स्कोपें।

स्वयीकरण :—इसमें प्रयुक्त कथा बीर वर्ष का, को स्वयः वर्शवरित्रम् के बभ्याव 20-क में परिभावित हो, वहीं वर्ष श्रीमा से उत्त सभ्याव में दिका गया हो।

नन्स्यरे

फ्लैंट नं २ 201, जो, 2री मंजिल, विग-ए, मधुबन श्रपार्ट-मेंटस, मुरीन स्ट्रिट, श्रॉफ एम० जी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

प्रमुक्ती जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37-5ई/13312/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ^हग्रजैन **रें**ज-4) बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मां**क्टर** 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यातय, सहायक कायकर कार्यक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन गेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/13549/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो. व्हिलेज पखाडी बेल-वाडी, तालुका बोरिवली, बेग्रिरिंग एम० नं० 78, एच० नं० 3, सी० एस० नं० 172, प्लाटम नं० 1 श्रीर 3, इरानी बाडी, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इसमें उपाबढ़ ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख़ 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से शिथक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वादेश से उक्त अन्तरण निवित्त के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जुल्लुरण्डं के हुइ कियी जाद की बायत, उक्स विधितियम के अधीन कर दोने के बन्तरक ले बायित्व में जाजी करने वा उज्जये त्याने में सुधिका के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आफिता। की, फिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में प्राचा के लिए:

बत: जब, उक्त जिमिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नरमी कानजी विस्ती।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स माईनाथ कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(श्रन्तरिती)

की वह त्वना वारी करके पृशेंक्ट सञ्पत्ति के अर्धन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत अविस्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभाष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया हैं।

नमृत्यी

जमीन का हिस्सा, जो, विहलेज पखाडी, बेलवाडी, तालूका बोरिवली, बेश्वरिंग एस० नं० 78, एच० नं० 3, सी० एस० नं० 172, प्लॉटस नं० 1 श्रोर 3, इरानी वाडी, कांविवली (प), वस्तर्ह में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० मं० अई-4/37-ईई/13549/-84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा ॣदिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

दिनांक: 8-7-1985

प्रकल कार्यः दी. एन्, एस.,-----

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बर्ष

बम्बई, दिनांक 8 ज्लाई 1985

निर्देश सं० अई- 4/37 ईई/13400/84-85-अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 4.59-के अधीन गथर प्राध्वजारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, किसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से जिथिक है

1,00,000/- रु. स जाधक ह ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 601 जो श्रीराम अपार्टमेंट, एस० बी० रोड, कांदिबली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-11-1984 को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कत के व्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार भूत्या, असके स्थमान प्रतिफल से एते स्थमान प्रतिफल का जन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल, निय्नलिकत उद्वेश्य से उचत अन्तरण निचित में बास्त-। वस्त स्थ स कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (६) एसी किसी बाय या किसी वन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निवित्तयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निवित्तम, या वनकर निवित्तम, या वनकर निवित्तम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कतः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, म³, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) वे अधीन, निम्नसि**चित व्यक्तियों, अंगीत् ड**— (1) श्री बी० जी० पाडिया

(अन्तरक)

(2) श्री अर्रावन्द एन० महा (एच० यू० एफ०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त स्थाति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र 🎞

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की जन्मिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जन्म वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इस सूचना के समय में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंह बब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

प्लैंट नं० 601, जो, श्रीराम अपार्टमेंट एस० वी० रोड कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं श्रई-4/37 ईई/13400/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, बम्बई

विनांक : 8-7-1985

प्ररूप आर्धः दी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायलिब, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज- 4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई- 4/37 ईई/13500/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी मं० फ्लैंट चौथी मंजिल पर, जो मधुबन अपार्टमेंट्स मुरीन स्ट्रीट. आफ एम० जी० रोड कांदिबली (प०), वम्बई-67 में स्थित है (प्रौर इसमे उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विशित हैं), श्रौर जिसका करार-नामा अप्यक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, नारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, सैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ले तर्मार किर्नामितिक पश्चिमों संधीत :--- (1) मैमर्स जयंतीलाल इन्वेस्टमेंटस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चंदन ते**० णहा श्रीर** श्री जे० आर० णहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकश व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख १ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबकुष किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास न्यिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्क्ष अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

भन्सूची

प्लैंट चौथी मंजिल पर, जो मधुबन अपार्टमेंट्स, मुरीन स्ट्रीट आफ एम० जी० रोड कांदिवली (प०) बम्बई--67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से श्रई-4/37 ईई/13500/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टिं किया गया है।

ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक अ.सकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8--7--1985

मोश्वर ३

64---186GI/85

प्रसम् बाह्ये, द्वी. ध्व. ध्व.

काषकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चन।

भारत सरकार

कायकिय, महायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई--4/37 ईई/13576/84~85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्त निभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ए के नृभीन संस्म प्राभिष्कारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर संगीत, जिसका उन्तिय कार्यार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं पलैट नं 55, जो 5वी मंजिल, दलानी अपार्टमेंट नं 4, बी-विंग, पारेख नगर, एस० वी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के जीवत बाजार यूल्य से तक के क्रयमान प्रतिपक्त के लिए अन्तरिक की नहीं है और मुझे वह निश्वास करने का कारण है कि मधापकोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उचके क्रयमान प्रतिक्रम से, हो क्रममान प्रतिक्रम का पंक्रह प्रतिक्रत से अधिक है बौर बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बौधा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्निसिक्त उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य में कथिन नहीं किया गया हो:---

- (क) मन्तरण सं हुई किसी प्राप्त की सामत, उपका सीधितवा की अधीन कर दोने के जन्तरक को बावित्य में कामी करने मा उत्तर वक्त में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी अस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा विस्था बाना चाहिए था, कियान यें सुनिकर के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीप, निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री पी० एम० गहा ग्रीर ग्रन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० के० दोशी स्रोर अन्य।

(अन्सरिती)

को अनुसूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्तंत्रंथी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए गा सकरें।

स्पक्तिकरणः---इतमें प्रयुक्त शन्यों और पर्वों का, को शक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नया हैं!

अमस्यी

पर्लैट नं० 56 जो, 5वीं मंजिल दत्तानी अपार्टमेंट नं० 4 बी-विंग, परिख नगर एस० बी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि सं० प्रर्द $\sim 4/37$ ईई/13576/684-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांबः: 8-7-1985

श्रकप आहु .टी .एन .एस . -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के संधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालन, सहानक नायकर नायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश स० अई-4/37 ईई/13206/84-85-अतः मुझे ए० प्रसाय,

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारत 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारों की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपितः नाजार मृत्य 1,00,000/-ए. से विधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-7, जो मुन्दरम, फतेह-बाग एस० वी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कन के प्रस्मान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार सूख, उसक प्रस्मान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ट प्रतिबंध से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रिन

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबसा, उक्स वाधिनिधम के अभीज कर दाने के अन्तरक, के दाधित्व में कमी कारने या उससे बजने में सृथिभा के ∜क्षप्; बार/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन अन्य आस्तियां क्य हैवन्हें आस्तिय बावकह अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भनकद अभिनियम, या भनकद अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं हैकया गया या वा किया जाना वाहिए था जिपाने में सुविधा के सिद्ध;

अतः जब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उन्त आधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) की अधीन, निम्नालियत न्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती इलाबेन बी० ठनकर।

(अन्सरक)

(2) श्री एस० जी० पंचमातीया।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के तिक् कार्यवाहियां करता हंं

उन्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्यच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवां का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका नया है।

वनसूची

पर्लंट नं सी-7, जो सुन्दरम, फतेहबाग एस० बी० रोड, कांदिबली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं अई-4/37 ईई/13206/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, बम्बई

धिनांक : 8~7~1985

प्रकाश कार्ड की हर हत ----

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-छ (1) में सभीत सुचना

bides in cibic

कार्यासव, सहायक आगकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13257/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाव

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गा है), की बार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका जीकत बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/17, जो, 4थी मंजिल, सुमत अपार्टमेंट, शंकर लेन, कॉन्स्विली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (ऑग इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रॉग्य पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौंय जिताका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को प्वांक्त संपत्ति के उणित नाकार भून्य से कम के व्यवधान अतिफल के लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करनं का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उणित बावार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह बतिकत से अधिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बृतिकस, निम्नितियोंक रूप से कथित नहीं किया गया है हु---

- (क) बकाइन मं हुए किसी अभ की बकाद, प्रकट बिम्निन्स के बनीन कर देने के बकाइक के समितन में कमी करने ना बन्ते वचने में सुनिना के लिए; और/गा
- (क) ऐसी किसी काम वा सिसी धन वा बन्त आरेसाओं की जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती वृषारा प्रकट नहीं किया गया था वा किसा वाना चाहिए था, कियाने में सुविवा से जिन्हा;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा १६०-र के क्यूस्परण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-य की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, मुंबांत् ध— (1) श्री एल० पी० शेटीगर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० मोहिल श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को बह बुचका चारी करके पूर्वोक्य सुम्मीत के वर्षत् के विक कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त समिति के वर्षन के सम्बन्ध में नीहाँ भी नामोप र---

- (क) इस सूचना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीच धं 45 दिन की अविभि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्ट स्थावर सम्पत्ति में हितवह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास विवित् में किस् वा सकोंने।

स्वय्योकरण:---इसमें प्रयुक्त सच्यों जीड एवां का, जो उपस् विभिन्निय के सभाव 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होंगा थीं उस ब्ध्यान में विका गया है।

धनुसूची

फ्लैंट नं v/17, जो, 4थी मंजिल, सुमन अपार्ट-मेंट' शंकर लेन, कॉदिवली (पिंग्नम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं अई-4/37-ईई/13257/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 8-7-1985

प्रकृष कार्^र् टी. प्रमः प्रस_{्यसम्बद्धस}्

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्थांतय, सहायक जायकर शायकत (निर्दाक्तण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13499/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इतमें इसके प्रवात 'उक्त किविनयम' कहा गया हैं), की ध्वस 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार जून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीन जिसकी सं० फ्लैंट उरी मंजिल पर, जो, मधुबन अपार्ट-मेंट्स, माउरीन स्ट्रीट, आफ एम० जी० रोड, कांदिवली (पिष्चम), बस्वई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीट पूर्ण रूप के विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यान्लय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मृत्र यह विश्वात करने का कारण हो कि यथाप्तोंक्त सम्पत्ति का उजित पाजार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का बन्धह प्रतिवात से मिथक है और मंतरक (मंतरकों) और मंब-रिटी (अन्तरितियों) के बीच एसे मंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चेदेवों से उसत अन्तरण शिविस में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) कन्तरण सं हुई किसी आव की शबंद, उसके को की नगर के जन्म दे कर दीने की अस्तरक के देश कर में कमा करने या उससे नभाने में सुविका के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम या भगदाय आजन्यम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोचनार्थ जन्तिहासी द्वारा प्रसट नहीं किया नवा भा या किया चाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिद्ध;

जतः, अव, उन्त वींभीनियम की भारा 269-ग के बनुसरण वी, मी, उन्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बभीर निम्निक्षित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) मैसर्स जयंतीलाल इन्वेस्टमेंट्स।

(अन्तर्क)

(2) श्री जगदीश जमनादास नाथवानी।

(अन्तरिती)

को वह बुबना बारी करके पूर्वोक्य सम्मत्ति के मर्थन के लिए कार्वमहिमां करता हुई ।

चनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक सं श्रृद्ध विष की अविध सा तर्सनंभी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीत से 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूजीवत्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झवारा;
- (क) इस ब्रुथना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्मत्ति में हित-बर्थ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के गास निविक्त में किए वा सकांगे।

स्वकाकारणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्युची

फ्लैट 3री मंजिल पर, जो, मधुबन अपार्टमेंट्स, मुरीन स्ट्रीट, आफ एम० जी० रोड, गांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-4/37—ईई/13499/84—85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ण० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोधूर

प्रकार सार्वे स्ती एत एस् वन न न न

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13311/84-85--अत: मुझें, ए॰ प्रसाध,

बायकर बिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् (उक्त विधिनियम कहा गया है), की धार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्याश करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट पहली मंजिल पर, जो, मधुबन अपार्टमेंट्स, मुरीन स्ट्रीट, आफ एम० जी० रोड, कांदिबली (पिश्चम), बम्बई—67 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन बम्बई स्थित रक्षिम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1−11−1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि 4थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियां) क बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखिश में बालाबिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं श्रृष्ट्रिकाणी बाय की बाबक, उक्त अधिनियम कं अधीन कर दोनें के जन्तरक के धामित्य में कभी करने १७ उससे बचने में सुनिमा के लिए; बार/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अव्यक्ति हवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाता काहिए था, छिपाने में मृषिया के लिए;

ज्ञतः अब, उक्त शैंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स जयंतीलाल इनवेस्टमेंट्स।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एम० पंचाल।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ः--

- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जम्मीस मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में ते हैं का बी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुभ किसी मन्य व्यक्ति बुबारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिविस में किए का सकती।

स्वध्यीकरण :--इसमे प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट पहली मंजिल पर, जो, मधुमन अपार्टमेंट्स, मुरीन स्ट्रीट, ऑफ एम० जी० रोड, कांदिवली (पिरचम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-4/37-ईई/13311/84-85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिमांक: 8-7-1985

प्रकल आहें . हो . हम . मूल ुन्यारागणावावावावावावा

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-अ (1) के अभीन सुभना

MINT THE

कार्यांसय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13334/84-85--अत: मुझें, ए॰ प्रसाद

बाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) हैंबसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 51, जो, 4थी मंजिल, शिवम इसारत, एस० वी० रोड, फतेह्बाग, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 छ ख, के अधीम वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-11-84

कर पूर्वोक्त सपित्त के जिल्ल बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृभ्के यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थापनोंक्त संपित्त का उण्जित शाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनयम के जभीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- भ) गिनी किसी जाय गा किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय जायफर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्रमा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १,—— (1) मैंसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रवणन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वर्षा योगेण पारीख स्रौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में अकाकत की तारीच से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की ताबीस से 30 दिन की अविध, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लैट नं 51, जो, 4थी मंजिल, शिवम इमारत, एस० बी० रोड, फतेहबाम, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

ानुभूची जैरा कि कर संर अई-4/37—ईई/13334/84—85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई हारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद भक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

अक्न आहें दी प्रनास्त .------

जायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

गारत वरकार

कार्याक्य, शहासक आएकर आवृत्कः (निर्याक्य)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई— 1/37—ईई/13399/84—85——अतः मुझे, ए० प्रसाद

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परणास् 'उक्स अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्भावर सम्भित्त, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 4. जो, "जमुना दर्णन", प्लाट नं० ग्रो० टी० पी० एस० नं० 752, नाटकवाला लेन, आफ स्वामी विवेकानन्द रोड, बोरिवली (पिष्चम), बम्बई—92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावज्ञ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कामान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और कुओ वह जिल्लाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल तो, एति कामान प्रतिकत का पंचा प्रतिकत से जिल्लाक का पंचा प्रतिकत से जिल्लाक का पंचा प्रतिकत से जिल्लाक की साम जनतियाँ। को नीच एसे जन्तरण को सिष् तम पाया पण प्रतिक फलतियाँ। को नीच एसे जन्तरण को सिष् तम पाया पण प्रतिक फल निम्मिनिक उद्योक से उच्का मन्तरण विश्वित में पान्तिक स्था से किया नहीं विश्वा नहीं है है---

- (क) अस्तरम के श्री किसी बाय की बाबत, उक्त विधीनयंत्र के संधीन कर दोने के अस्तरक के दावित्व में कभी करने या उसने बचने में न्हेंत्रभा के लिए; बॉर/या
- (ख) एंसी फिसी नाज या किसी भी या याय नाभितयों की, जिन्हें भारतीम नायकर नौधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत नौधनियम, बा भन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनीय जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में साधिका के लिए;

शतः अव उक्त बाधनिवम की धारा 269-ग वी धानुसूक्त भो, भी, उक्त बिधनियम की भारा 269-व की धववादा (1) के बाधीन, निम्नुतिक्ति स्थित्यों, अर्थात :---

- (1) मैंसर्स जे० एम० मा० एण्ड मेघानी बिल्डर्स । (अन्तरक)
- (2) श्री मनहर अनिरुध पंडया ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त बर्म्यक्ति के भवीन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप रू—

- (क) अन्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्त्वंत्रभी व्यक्तियों पर सूचणा की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर शॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितककुष् किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए का सक्षी।

स्पक्तकरणः — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिशा नदा है।

बन सन्दो

दुकान नं० 4, जो, "जमुना दर्शन", प्लाट नं० भ्रो० टी० पी० एम० नं० 752, भाटकवाला लेन, ऑफ स्वामी विवेकानन्द रोड, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क० मं० अई-4/37–ईई/13399/84–85 और जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 1–11–1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–4, वस्बई

दिनांक: 8-7-1985

शास्य आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (विरोक्तिक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13446/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाय.

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० पलैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, "मणि भवन", पार्वची नगर, एक्सार विलेज, गांती आश्रम के पास बोरिशली (पश्चिम), बम्बई-92 में ल्यित है (मीर इससे उपाबम्र अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), मौर जिल्ला करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ज़ी है, हारीख 1-11-1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विस्वास करने जा कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्वित्तियों से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की शावत, अक्त विधिनियम के जभीन कर दोने औं अन्तरक को दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा को जिए; वर्षर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए,

जत: अस, जनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अस्त अधिमियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्मिनियम व्यक्तियों, अर्थात:—— 47—186 GI/85 (1) मैसर्स बी० पार्वथी बिल्डसी।

(अन्तरक)

(2) श्री नागेन्द्र एम० शेणॉय।

(अन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके प्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोहाँ भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दें 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबहुक किसी मन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पत्र्व सिवात में किए वा सकींगे।

स्वव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां जवत किश्वितयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस रूध्याय में विका गया है।

अनुसूची

पर्जैट नं० 203, जो, 2री मंजिय, "माण भवत", पार्वथी नगर, एक्सार विलेज, शांती आश्रम के पास, बोरि-वली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37—ईई/13446/84—85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्ट है किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बा

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप बाहुँ, दी, एन, एवा, नन-प्रनानन

गायकर विभिनियम, 1961 (1**961 था 43) को** भारा 269-न (1) **वे नभीन वसना**

बारत करकार

श्यांतय, सहायक मायकर मानुक्त (निरोक्तक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई 🖁

बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37—ईई/13451/84—85—अत: मुझे, ए० प्रसाद

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बचीन सक्षम प्राधिकारी को, वह निक्तात करने का कारण है कि स्थानर संपतित, जिसका विचत नावार मून्य 100,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 203, जो, "मातृ कृपा", 2री मंजिल, एक्सार विलेज, एक्सार रोड, बोरिवली (पिक्सि), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्तय में रजिस्टी है, तारीख 1-11-1984

को वृत्तेंकत सम्पत्ति को उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और सक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृत्तेंक्त समपतित का उचित वाजार बृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकता से विश्व है बौर जन्तरक (जन्तरकों) और वंतरिती (अन्तरितिकों) के बौच ऐसे जन्तरण के निए तय गाया गया प्रति-वस्त् विश्वतिक्षित उन्तर्क से उच्छ जन्तरण शिक्षित में मानतरिक्स में के थिए नहीं किया गया हैं——

- (क) बन्तरुष् वं दूर्व किया नाम की कायक, उपय व्यथितियम के वभीन कर वाने के बन्तरक के श्रीमत्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिक्; बीर्ट/वा
- (स) एसी किसी बार्य या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किसा वाया चाहिए था, किसार्थ में सुविधा के सिए;

कक्ष: बच उचल विधितियम की भाष 269-म की वन्तरूप भं, भं, उसत बिधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) म्हाब्रे व्रदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री जाम बाप्टीस्ट लेबिस।

(अन्तरिती)

को वह सूच्या बारी करके प्यानिक सम्माति को वर्षन् के किए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विश्व की वर्गीय ना इस्कम्बन्धी व्यक्तिकों पर कृषता की तानीं से 30 दिन को वर्गीय, वो भी वर्गीय नाव में जनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों नव व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन के मीलर उन्तर स्थावर सम्बक्ति में हितनक्ष स्थावर सम्बक्ति में हितनक्ष स्थादा सभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकीने।

राज्येकरण:---इवर्जे प्रयुक्त बच्चों बीड पर्यों का, की स्वक् वीधीनवन, के नम्याब 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस सम्याय में विका प्रवाही।

प्रमुस्ची

फ्लट नं॰ 203, घो, "मात् ऋषा", 2री मंजिल, एक्सार विलेज, एक्सार रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि अई-4/37-ईई/13451/84/85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बर्ष**

दिनांक: 8-7-1985

सोद्धर 🕸 🗀

प्रकृष बंदि . टी . एन . ऐस . -----

नावकर निर्धानवज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कार्थां नय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई--4/37-ईई/13582/84--85---अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो, पहली मंजिल, ए-विंग, निर्माणाधीन इमारत, प्लाट नं० 14 और 19, सर्वे नं० 13/15 और 13/21, देसाई एण्ड शेठ नगर, आफ एस० वी० रोड, पोईसर बस डिपो के पास, बोरियली (पिंचम), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विंगत है), भौर जिसका करार-मामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यभान प्रतिफल सं, एसे दृष्यमान प्रतिफल का बृत्य, उसके दृष्यभान प्रतिफल का बृत्य, उसके दृष्यभान प्रतिफल सं, एसे दृष्यमान प्रतिफल का बृत्य, उसके दृष्यभान प्रतिफल का बृत्य प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण सिचित वे अध्यत्व में अस्तरण सामित के अध्यत्व में अस्तरिक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायिस्य मों कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अर्ध अवीरित, जिल्लीचित क्यक्तिएके अर्थात :— (1) मैसर्स अरीहंत इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरनबेन नटवरसिंह राणा श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षण :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी अविक्तयों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सकने।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों जार क्यां का, जो उक्त जिपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया विवाह ।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० 102, जो, पहली मंजिल, ए-विंग, निर्माणा-धीन इमारत, प्लाट नं० 14 श्रीर 19, सर्वे नं० 13/15 श्रीर 13/21, देमाई एण्ड शेठ नगर, ऑफ एस० वी० रोड, पोईसर बस डिपो के पास, बोरिवली (पिंचम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/13592/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 की रोलस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/13479/84-85---ग्रतः मुझे, प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, तल माला, इमारत नं० बी, प्लाट ए, देवकी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई—92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के

बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, जक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण के, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) मैसर्स शहा बिल्डर्स।

(भन्तरक)

(2) कुमारी पुलावर्ती प्रफुल्ला।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क बत संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पटिकिरणः ---इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, जो उनत बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष द्वीगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न॰ 1, जो, तल माला, इमारत नं॰ बी, प्लाट ए, देवकी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० मई-4/37-ईई/13479/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1--11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

विनोक: 8-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर ग्रॉंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के व्योन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० श्रई-4/37-ईई/13174/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार, 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जी, "प्राकांक्षा", एस० की० पी० रोड, भगवती हास्पीटल के मामने, बोरिवली (पिक्स), बम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-मद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, हारीख 1-11-1984,

को पूर्वोपत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार ब्रन्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की नावत, उक्ट बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बारू/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिश्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: नव, स्वतः विधिनियम की भारा 269-ए के जनुतरक में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) अभीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, वर्णात् क्र---

- (1) मैंसर्स बोश्नान्सा बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्योतिनद्र के० पारीखा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी अमित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति इवारा नथाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्वी

पर्लंडि नं॰ 301, जो, "माकाक्षा", एस॰ बी॰ पी॰ रोड, भगवती हास्पीटल के सामने, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० धाई-4/37-ईई/13174/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्बई

विनोक: 8-7-1985

मोहर 🗅

प्ररूप गाईं. टी. एन. एस. - - - --

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० मर्छ-4/37-ईई/13248/84-85--मतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मुक्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भ्राफिस नं० 209, जो, 2री मंजिल, गोयल भागिंग मार्केट, बोरियली (पश्चिम), बम्बई—290092 में स्थित हैं (भ्रोर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से व्यागत है), भ्रोर जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-11-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के वल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण मिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नंतरण से हुइ किसी नाव की वावष, उक्त विभिनियम के न्थीम कर दोने के नंतरक के दायित्व में कमी करने था उससे वचने में सुविधा कोलए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गय. भा या किया बाना बाहिए था, ज्याने में सुविभा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं: उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1). को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् छ— (1) शैलेश बेनेफीट ट्रस्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं सर्स ग्रंबिका इनवेस्टमेंट्स।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना को राजपन में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अभै होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्राफित नं० 209, जो, 2री मंजिल, गोयल शापिंग मार्केट, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। श्रनुसूचो जसा की कि० सं० श्रई-4/37-ईई/13248 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एँ० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहुद्र 🗈

प्रकृष बार्ड टी. एन . एस . ------

नायकर ब्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्पीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्देशका) भर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं अर्ध-4/37-ईई/13162/84-85--- मतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंड नं० 1, जो तल माला, इमारत नं० भी, वि पी० एण्ड टी० श्राफिसियल को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, राजेश्यरी इमारत, रामनगर, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वियरच में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी धन या नन्य नास्तिवों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाजा चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के निए:

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
भी. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)
क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री देवेन्द्र हुनशिमदास रेलन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चारलता वामण मजिरेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति दवार।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंग।

स्थव्योकरणः—-इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ जन्म अधिनियम के अध्याय 20-क मी प्रिकारिक है, वहीं कर्ष होगा, जो उस सध्याय मी विका वस है।

मन्त्री

प्लैट नं० 1, जो, तल माला, इमारत नं० ही, दि पी॰ ए॰ड टी॰ झाफिसियल को-न्नापरेटिन हार्जिमम सी गयटी लिमिटेड, राजेश्वरी इमारत, रामनगर, खोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/13162/ 84-85 शोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) भजेन रेंज-4, बम्बई

विनौक: 8-7-1985

मोहर ४

प्ररूप बार्ड. टी. एत. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर गायक्त (निरीक्षण)
श्रजीनरेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० मई-4/37-ईई/13575/84-85-अतः मुझ, ए० प्रसाव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिन्नको सं० फ्लैट नं० डी-62, जो, स्रोम श्री गोकुल को-श्रानरेटिव हार्ऊनिंग सोनाइटो झाफ बाम्बे म्युनिसिपल एम्प्लाईज, एन० बी० रोड, बोरिवली (पिश्वम), सम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इन्नसे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), स्रोर जिनका करारनामा श्रामकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को प्यों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफ्तें पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्ट अंतरण जिल्लित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आप का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यारक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के सिए:

चतः जब, उन्तर जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण थंन, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जथित :— (1) श्रीमतो इंदारा रामचंद्र दाभाडे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रवीण नवीनचन्द्र ग्रोझा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वकृष् किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्यच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गमा है 100

जन्स्यी

पलैंट नं डी-62, जो, ग्रोम श्री गोकुल को-ग्रॉपरेटिव हार्कीसंग सोतायटी, ग्रॉफ बाम्बे म्युनिसिपल एम्प्लाईज, एस० बो० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि कि कं सं ऋई-4/37-ईई/13575/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विताक 1-11-1984 की रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 8-7-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाहै. टी. एन. एत.-----

शायकर शिंधिनिश्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के श्रधीन स्वना

नाएत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 8 ज्लाई 1985

निर्देश सं० ऋई-4/37-ईई/13129/84-85--मृतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'त्रक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, विलेज मालवनी, सर्वे नं० 265-ए-1 (श्रंश), श्रीर सी० टी० एस० नं० 3529, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्धे श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थिन नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्नी है, नारीख 1-11-1984

को प्रवेवित सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार स्रुव, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उपयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रयाप्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या

एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा कें लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात हैं --- 48—186 GI/85

(1) श्री दिनशॉ रुस्तम श्रीर श्रन्थ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री निरंजन एल० हिरानंदानी श्रीर अन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त शन्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकते।

स्मच्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय के दिया गया है।

अमुसूची

जमीन का हिस्सा, जो, विलेज मालवनी, तालूका बोरि-वली सर्वे नं० 265-ए-1 (श्रंश), श्रौर सी० टी० एस० नं० 3529, एस० नं० 265-ए/1 (श्रंश), सी० टी० एस० नं० 3529/1 श्रौर एस० नं० 265-बी, सी० टी० एस० न० 3828, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर मं ग्राई-4/37-ईई/13129/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनां६. 8-7-1985 मोहर:

प्रकम नाइ'. टी. एम. एव. ******

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

बहुव चर्चाह

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 ज्लाई 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/13622/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. ते अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 504, जो, रामदेव पार्क, चंदा-बरकर लेन, बोरिवली (पिश्चम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रा-धिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की वर्ष है और मुक्ते यह विश्वास करने का शारण है कि यभाप्येंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रक्रिकत से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की यानत, उक्त आधिनियम को अभीन कार दान के अलरक के दामिल्ल में कामी कारन या उससे क्याने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कूर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शासी काशिए का निर्णा का के विद्या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित काक्तियों, वर्षात्ः—

(1) मैसर्स कमला डेवलपमेन्ट्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्रकुमार धनमुखलाल गहा।

(म्रन्तरितो)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

और बहु बुक्त बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनस सम्परित के प्रजन के सम्बन्ध में की हां भी गाक्षीप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (४) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के नीतर उत्तर स्थापर सम्पान मा हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पास लिखित मों किए जा सकेगें।

स्पच्चीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाणित हों, बहा अध्याय 20-क में परिकाणित हों, बहा अध्याय का उस रामाण परिवय स्वा की

वनसर्ची

पर्नैट नं० 504, जो, रामदेव पार्क, चंदावरकर लेन, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अ० सं० श्रई-4/37—ईई/13622/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज–4, बम्बई

विनांक: 8-7-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सडकाड

क्रयांलय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13492/84-85--अत: मुसे, ए० प्रसाद

नायकर निधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, जो, मंजूल श्रपार्टमेंट, निर्माणाधीन इमारत, 1ली कस्तूरबा रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा म्रायकर म्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

क्रा पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्ड मुभते यह विश्वास करने का कारण है यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्रेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖫

- (क) बम्बर्ग से हुई किसी गाय की बासत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वार्मित्व में कमी करने या उसस बचन मा भीविधा न्होंजिए, कोर्∕या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य जास्तिया कां, विन्हुं भारतीय अगय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम,, वः धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भामा किया चाना चाहिए भा, छिपाने में सविभा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भं, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नावितीबाई नंबलाल छाष्रीया ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता ह्रा।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से कि भी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए के सकरें।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाविद्य हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा यया 🗗।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 202, जो, मंजूल श्रतार्टमेंट, निर्माणाधीन इमारत, पहली कस्तूरबा रोड, बोरिबली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

म्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-4/37-ईई/13492/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8+7-1985

मोहर 🗵

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. -------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंग-4, वस्बद्ध

वस्बर्ध, दिनांव 8 जुलाई 1985

निदेण सं० ऋहै · 4/37--ईई/13563/84--85--- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज़ित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लैंट नं० 104, जो, श्री योगेश्वरीं श्रपार्टमेंटस, सीं० टीं० एग० नं० 133 और 133/1, मंडपेश्वर, बोरिवली, धम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूचीं मे और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निनुष्ति में अस्तिक स्प से कि मुन्त महीं किया गया है दिल्ल

- (क) बन्तरुण वे हुइ क्षित्री बाव की बाब्द, उन्तर बृधिकृत्वत् के अभीत् कर दोने के बन्तरक को धावित्य को कमी करने या उन्तर्स वचने ने स्वीवधा में क्रियुत्तः
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आहित्यों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा औं किया

स्ति अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्थितियों, अधिन क्षेत्र

1. में सी चारींओट बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण नीलकंठ खांडेपारङ्

(ग्रन्निर्नी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

अन्त संपत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के पिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं. अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 104, जो श्री योगेश्वरी श्रपार्टमेंट्स, सी० टीं० एस० नं० 133 और 133/1, मंडपेश्वर, बोरिवली, अम्बई में स्थित है।

अनुसूनी जैंगा ति क० स० अई-4/37-ईई/13563/ 84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रकाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज--4ः बम्बर्ष

दिनांब: 8-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, धम्बई

बम्बई, दिनांव 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/13621/84·85---अन: मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और विक्री संव फ्लैंट नंव 410, जो, रामदेव पार्क, चंदावरा लेत, बीरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आंर जिन्ना अरापनामा स्नायकर स्रधिनियम, 1961 कीं धारा 269%, ख के अवींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के आयोलय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का ब्लारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल दश्यगान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मै० कमला डेवलपमेंट्स

(अन्तरक)

2. श्री मुदाम गंगाराथ कदम।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं कि कि अधी होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मग्स्ची

पलैट नं० 410, जो, रामदेव पार्क, चंदाबरकर क्षेत्र, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/13621/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर ≌

मुक्त बाहु ु स्रोत पुरस् पुरस्ताननसम्बद्धाः

नायकर् मीपितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ने मधीन सूचना

नाया स्टब्स्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

भम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निदेश संज ऋई--4/37--ईई/13298/84--85---अतः मुझे, ए० प्रशादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके ग्रेम्सर् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा कि के कीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 012, जो 1ली मंजिल, भूषण प्रपार्टमेंट् , टीं० पीं० एस०3, एफ० पीं० नं० 631-बीं०, सिम्पोली रोड, बोरिघली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के ार्यालय, में रिजिस्ट्री है, वारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यायान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत हे अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्दोस्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनवभ के बंधीन कर दोने के बमारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बाए: बार/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा या किया वाना चाहिए था जियाने में जुनिया में निए;

उत: अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिचित व्यक्तियों, अथित् :—

मै० भूषण वन्स्द्रकशन कम्पनीं।

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी भारती नीलकंठ राउत।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

का यह सूचना बारी करके पृशांतक सम्पत्ति की वर्षन् के जिल्ह कार्यशाहियां करता हो।

अवस्त कुम्बरित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नामोप ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं बें 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितमबुध किसी मन्य व्यक्ति बुगारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया प्या है।

अनुसूची

पलैट नं 012, जो, 1ली मंजिल, भूषण प्रपार्टमेंट्स टीं पीं एस०-3, एफ० पीं नं 631-बीं, सिम्पोलीं रोड, बोरिचली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि से ग्रं $7-4/37-\xi\xi/13298/84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्रं⊶4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रकप नाई.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्मेंई, दिनांत 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-- 4/37—ईई/13624/84--85---श्रतः मुझे ए० प्रसादः

भागकर अधिशियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिस, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी संव जमीन का हिस्ता, सर्वे नंव 21, एवव नंव 7 और 8, सींव टींव एनव नंव 303 और 311, विलेश एकतर, बोरिचलीं, बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से चर्णित है), और जिनका करारनामा आधकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 , ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के बार्यालय में रजिस्ट्रीं है, तारीख 1-11-1984

के पर्वाक्षत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल ने पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ वाया गया प्रतिफल, जिम्मिलिशत उद्वेश्य से उच्त बन्तरण निविश्व में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त निध-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/व्या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तियीं को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अ किया:

अत अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित्:——

- श्रीमती धा ःल्लीबाई मुक्टूद केण्पी और अन्य। (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स के० टी० अन्स्ट्रक्शन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उन्त तस्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की शादीज है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की अविधि, जो और अविधि बाद यें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्थ किसी अन्य व्यक्ति इवाय अभाहेस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिर ही, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिका

अनुसूची

जमींन द्या हिस्पा, सर्वे नं० 21, एच० नं० 7 और 8, सीं० टी० एउ० नं० 303, और 311, विले**ज**, एक्**सा**र, बोरियली, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुपूर्ची जैसा कि क्र० सं० ग्रई-4/37–ईई/13624/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज्-4, क्षम्बई

दिनोक: 8--7-1985

मोद्वर:

प्रकल् आर्च दी पुन पुन तुन------

नायकर जिभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के नभीन सुचना

कार्यांसय, सहायक भागकर मायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--4, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/13138/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रशाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परचात 'उनत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार नृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बीं०-103, जो, पहली संजिल, वृषभ विला, 184/6, रोकाडिया क्रास लेन, बोरिवलीं (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसमें उपाबड प्रनु-भूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसका करार-नामा प्रायक्षर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारीं के वार्यालय में रजिस्हीं हैं, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफान को सिए अंतरित की गर्ड हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और मन्तरक (मन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण को निय तय पाया ग्या प्रतिकल निम्निसित उष्दिय से उक्त बन्तरण मिचित में माम्मितक कर से स्थित नहीं कि बा नया है:--

- (क) सन्तरण सं हुई किसी बाव की वाव्य, क्यूय किपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दक्षित्व में क्यी अपने का उन्नमें अपने की वृत्तिमा थे किए; बीह्र/मा
- (स) एसी किसी जाय वा किसी धन या जन्म कास्सियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पदा था वा किया बाना वाहिए वा, कियाने में

भरः. এর, ওকর লখিনিয়ন কী भारा 269-ग के ननुसरण গ'. ন'. उक्त लिधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) दं क्रपीत, निम्मलिसित स्पन्तियों, नर्फाष्ट्र (--- 1. मैं० तोशी घिल्डर्स ।

(शन्तरक)

2. श्री पीं० ए४० ७राडिया

(श्रन्तिति)

का यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वासोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए जा सकों थे।

स्थाप्यक्रियण :— इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीराभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भेका हैं।

arrest to

फ्लैंट नं० बी-103, जो, पहली मंजिल, वृषभविता, 184/6, रोकांडिया ऋाँस लेन, बोरिजली (प०), श्रम्श्रई-92 में स्थित हैं।

श्रमुन्त्रची जैसा कि त्र० सं० श्रई-4/37-हई/13138/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1989 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶4, बम्बई

दिनांक: 8-7-198**5**

बोहर 🛭

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां र 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई--4/37--ईई/13172/84--85 -- श्रतः मुझे, ए० प्रभाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिनकी संव फ्लैंट नंव 70, जो, 2रीं मंजिल, "रनम नगर", 8-9-10, इमारन, प्रेमजी नगर और दोलत नगर के पान, एसव बीव रोड, बोखिली (पूर्व), बन्बई-66 में स्थित हैं (और इपसे उपाबद्ध यनुमूची में और पूर्ण रूप में तिंग हैं), और जिन्ना जरार प्रमा प्रावण्य अधिप्यम, 1961 की बारा 269., ख के अधीन, बण्बई ऐस्थन नक्षम प्राविश्यों के स्थापिस, में रिज्यूही हैं, तारील 1-11-1984

को प्वेंक्त संपत्ति के उपित वाजार मृत्य से कम की एक्समान इतिफस के किए बन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार ब्ल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिकल का पेक्षह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के जिए तम पाका ज्या प्रति-कत निम्निजित उपुरोस से एक्त जन्तरण जिजित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाम की बातस, उक्त बीभनियम के अभीन कर दोने के संतरक की दायित्व में कमी करने या उससे दक्तने में स्थिश के लिए; बीट√या
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किपिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिरिती बुनारा प्रकट नहीं किया स्था भाषा जिल्हा बाना चाहिए या, कियाने भी मुनिधा के निल्हा

मै० परम श्रानंद घिल्डर्स प्रायवेष्ट लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती णहेदा युसफ निद्दीकी

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यनाहियां करता हूं।

रक्त सम्पत्ति की वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी भाकोष्य---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शर्वे और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गंबा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 7, जो, 20री मंजिल, "रत्तन नगर", 8-9-10, इमारत प्रेमजी नगर और दौलत नगर के पाम, ग्न० बीं० रोड, बोरिजली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूचीं जैमा कि करु सं अई-4/37-ईई/13172/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनां ह 1-11-1989 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जं⇒ रेंज्र-4, अम्बई

दिनां सः 8 - 7 - 1985

मोहर ः

प्ररूप नाइ. टी. एच. एस.------

बाधकर वॉर्थानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

स्टर्डाक क्**रामध्यार**

क्रायसिय, सहायक सायकर सायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, अम्बई

बम्बई, दिनां : 8 जुलाई 1985 निदेश सं० भ्रई- 4/37- ईई/13339/84--85 ---अत: मुझे, ए० प्रााद,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वान करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00/- रु. से अधिक है

और जिन्हीं सं० पहेंट नं० 28, जो, 1की मंदित, ए-11, इमारत, "रता नगर", एन० बी० रोड, होरिवली (पूर्व), बम्बई 66 में स्थित है (और इस्में उपावड अनुसूची में भार को दा कि कि कि हो। हो। है) और ति का स्वाराधा आप-उन्होंकी का अपावड अनुसूची से भार की दान कि का प्राराधा आप-उन्होंकी कि समित कि समित की कार्यालय में रिजर्ड़ी है, तारीख 1-11-1984

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वाँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन दा अन्य आस्तियों को विनहीं भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारों प्रकट नहीं किया गर्म था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सर्विधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण के बैं उक्षत अधिनियम की बारा 269-व को उपभारा (१) के अभीन, निम्निलिकिक व्यक्तियों, अर्थातः :— 1. मै॰ परम श्रानन्द बिल्डमें प्रायवेट लि॰ । (श्रन्तरक)

2. श्री कानजी शिवजी पटेल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास व किस्

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रमण्त शब्दों और पदों का., जो उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया दैं।

नन्स्ची

पलैट नं० 28, जो, 1ली मंजिल, ए-11, इमारन, "रतन नगर", एव० बी० रोड, बोस्त्रिली (पूर्व), वम्बई-66 में स्थित है।

श्रतुसूनी जैया कि कि संव श्रई-4/37-ईई/13339/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, घम्बई द्वारा दिताक 1-11-1984 को रिजस्टई क्या गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. ----

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाड

फार्या**नय, सहायक आयकर आय<u>क्</u>स (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज--4, बस्कर्द

बम्धई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेण मं० अई--4/37--ईई/13222/84--85----अतः मुझे, ए० प्रताद,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है")., की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्नैंट नं० 14, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० ए-17, भर्वे नं० 222, एच० नं० 1 से 5, रत्तन नगर, प्रेमजी लगर, और दौलत नगर के पान, बोरिचली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कल से विणत है), और जिसका करारनामा आव उर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिनारी के वायलिय में रजिस्ट्री है,

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंकृह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (अंतरका) और मंतरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- [कः) जन्तरण संधुर्घ किसी नाव की वावत, सन्तर अभिनियस के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने अ सुविधा अ लिए; जरैय/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्या, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिपान में सुविधा जो लिए;

श्रतः अस, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वक व्यक्तिवां, अर्थात् क्र— 1. मेसर्स भावना कन्स्ट्रक्शन्स कंपनी।

(अन्तरह)

2. श्री ए० वीं० रविन्द्रन।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित को अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

बन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाधन की तारी हैं के 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अनिभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी अयक्ति दवारा;
- (■) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर सर्पान्त में हिनवचध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा हूँ।

नगुसूची

फ्लैंट नं० 14, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० ए-17, भर्वे नं० 222, एच० नं० 1 में 5, रत्तन नगर प्रेमजी नगर और दौजतनगर के पान, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 8-7-85

मोहर 🖫

इक्ष कार्यं हो दुवन एक :-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारो 269-भा (1) के ग्राधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-य, बम्बई

यमाई, विलोस 8 ज्लाई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/13489/84-85 - अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भावनर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21-ए०, जो, गोलाल टेरेय, कस्तूर पार्क, बोजियली (प०), बम्बई-400 092 में स्थित हैं (और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं और जिसका इरास्तामा आयर अधितियम, 1961 की धारा 269 है, ख के अवीत बम्बई स्थित नक्षम प्राधितारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 1-11-1984

को धूर्वेक्ति संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से प्रक्षिक है और भन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पावा नया प्रति- क्या निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में बाक्तिक कम से कृथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अखिनियम, या प्रत-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किल। गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुधिता के लिए)

बत: नव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के ननुबरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) चे विधीन, निम्नीसोबत क्योंक्तवर्गा, विधात क्यां

- श्रीनती पद्माभाई रामचंद्र केणी । (अन्तरक)
- 2 श्री जालजी ब्राउ० चौत्तसिया और ब्रन्य। (ब्रन्तरिती)

का यह स्चना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की ताबीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त विभिन्यम, के अध्याय 20-क में यथा परिभन्ने वस ही, अहने अर्थ होगा जो नास कथाया में जिला

अनुसुची

पर्वट नं० 21-70, जा गोताल टेरेसा, वस्तूर पार्क, बोरिजली (प०), वाबई-400092 में स्थित है।

धनुसूची जैंदा हि कर मंत अई-4/37-ईई 13489/ 84-85 अल हो अस प्रतिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टई स्थि गया है।

> ए० प्र⊣ाद रक्षम प्राधिनारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज⊶4, बम्बई

दिनों श: 8-7 · 1985

मोहर 🎉

म्रूप बार् .ठी.एन.एस.,------

झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षर सहायक आयकर बायुक्त (निराँक्रण)

ऋर्जन रेंज-4, बम्बई कम्बई, दिनांव: 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई--4/37-ईई/13366/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्रशादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार कृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अंश जिसकी संव पर्नेष्ट नंव 4, जो. 3री मंजिल, चिखल अपार्टमेंट्स, बी-विंग, 99, एलव टींव रोड, बोरिचली (पव), घर कर्र- 92 में स्थित हैं (अंश इससे उपाधड़ अनुसूची में और पूर्ण हम से विणित है), और जिसका करारनामा श्राय-कर प्रधिन्यम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त तम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ यह विकास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्बरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकं के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी फिसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिय;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, विध्नतिकाल स्यास्तियों, अर्थात :---

- 1. श्रीमती अलका नगर और श्रीमती सुनीता रामनानी (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कें एम महता और अन्य। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इतस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोह्स्ताक्षरी के पांच निविक्त में किए का सकरें।

स्पव्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही जर्थ होना चो उस अध्याय में दिया जया है।

नम्स्य

फ्लैट नं० 4, जो, 3रीं मंजिल, चिखल श्रपार्टमेंट्स, बी०-विंग, 99, एल० टी० रोड, बोरिवर्ली (प०), घम्बई~ 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि कि मं० श्रई-4/37-ईई/13366 84-85 और जो सक्षम प्रधिमारी, बम्बई द्वरा दिनांक 1-11--1989 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्राद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--4, बम्ब्रई

विनों कः 8-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप वार्ड . दी . एन . एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बर्ध

धमबद्दी, दिनोत 8 जुलाई 1985

निदेश गं० धर्ध- 4/37-ईई/13570/84--85--%त: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संज पलैट नंज 112, जो, पह्नी मंजिल, "धामुदेव टैरेम" इमारत", 34, कस्तूर पार्क, बोरिवलीं (प्रज), बम्बई-92 में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269ए, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्दी है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है कैर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निचित् में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री राजन एम० मही।

(श्रन्तरकः)

2. मेसर्स जयको प्रेस प्रायवेट लिए।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गनस्ची

पलैंट नं० 112, जो पहली मंजिल, "बासुदेव टैरेस", इमारत, 34, बस्त्र पार्क, बोरिजली (प०), बम्बई--400 092 में स्थित है।

श्रमुसूची जैना ि करु संरु श ξ -्4/37-् $\xi\xi$ /1357084--85 और जी सक्षम प्राप्ति गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> एस० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--4, अम्बई

दिनांक: 8→7--1985

मोहर 🤌

प्ररूप बार्च. टी. एत. एस. ------

🚎 1. श्रीमती रक्ष्मी रमेण नाईक।

(अन्तरःः)

2. श्री महेन्द्र एच० भट्ट।

(अन्तरिती)

नाथकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांश 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई--4/37-ईई/13169/83--84-- श्रतः मुझे, -ए० श्रनादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि त्यातर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मुल्क 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस्की संव फ्लैट तंव 17, जो, 4थीं मंजिल, ओम अवार्टमेंट कोलाएव झाउनिंग सोशायटी लिव, 3रीं वार्टर रोड: बोधियतीं (पव), बाबई 66 में स्थित हैं (और इसमें उपाबाद रामुचीं में ऑप पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिल्ला बाराप्यामा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री हैं, नारीख 1→11→1984

को पर्यापित स्थ्यित के लिएन बाजार मृस्य से कम औं क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने ग्रह विश्वात करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उथके क्रथमान प्रतिफल में, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृष निम्नीनीक उद्वोच्य से क्ष्य वंतरण विचित्त में वास्तविक क्य से क्रीक्त नहीं किया नवा है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बचीन कार दीने के खंतरक के जार की कार्य के स्थान मा उसमी क्ष्मिय के स्थित के विशास के स्थान मा उसमी क्ष्मिय के स्थान कार्य कार कार्य के स्थान कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य के स्थान कार्य कार कार्य के स्थान कार्य के स्थान कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार्य कार कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार कार्य कार्य
- (व) इंदी कियी जान ना किसी पृत्र सा अन्य जास्तिनी कां, जिन्हों भारतीय आवकर जिमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिद;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं छक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

डक्ट सम्परिए के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थि हिल्ल

- (क) इस स्थाना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की ज्विष, जो भी जबिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्स स्मित्तयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ड) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वाय, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थवाकिरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पतों का, जो उक्त जीवनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यी

फ्लैंट नं० 17, जो, 4थी मंजिल, ओम प्रपार्टमेंट को-प्राप० हाउभिग सीआइटी लि०, 3री सार्टर रोड, बोरिवली (पूर्व), वस्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई 13169 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज~4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 🛭

हरू नाह**ं दे**ं पुष्य पुष्य अवस्थान

बार्कर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाध 269-व (1) के वृधीय खुलना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिलांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई--4/37-ईई/13401/84--85--- श्रतः मुझे, ए० प्रभाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विशे इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका स्वित्त वाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 24, जो, 3री मंजिल, योगिता को-श्राप० हाउनिंग सोनायटी लि०, दौलत नगर, रोड़ नं० 6, बोरिवलीं (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं (और इससे उपाध्रद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टीं हैं, तारींख 1-11-1984

को प्याँक्त सम्मित्त में उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयंत्रभ प्रतिफान को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त सम्मित्त का उचित बाबार प्रवृत्य का स्वयं स्वयंत्रमान प्रतिफान का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिफान निम्नितिबत उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि बिब्त में शास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) बन्तरन वं हुई किकी नाम की बावत उकत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

कतः अब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत् ॥—— 1. श्री श्रणोकः एन० महाजन।

(अन्तरकः)

2. श्री मधुसूदन एस० जांशी।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन से [लए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी विषयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा स्वा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 24, जो, 3री मंजिल, योगिता को-म्रांपि० हार्जीतग सोसायटी लि०, दौलत नगर, रोड नं० 6, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/13401/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, भम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 🥄

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, अम्बर्ड अम्बर्ड, विनांक 8 जुलाई 1985

निवश सं० अई-4/37-ईई/13175/84-85--यतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ल के लधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उंचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं म्रीर जिसकी सं० पत्रैट न० 303, जो, 3रो मंजिल-ए विग, देसाई घें हे नगर, साईवाबा धाम, आफ एस० धी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-400 092 ; स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची ; और पूर्ण रूप से विषत है), और जिसका करारनामा भायकर घिक्षितयम, 1961 भी धारा 269क, द के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय ; राजस्दी है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके रहरमान प्रतिकल से एसे रहरमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित ल्युबिध्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः ब्बं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निमने लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
50—186 GI/85

- 1. श्री प्रकाणचंद्र श्री० वर्मा और ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विकोद रामधी हमाल खन्ना। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
(क) इस सम्बन्ध के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्थान की शामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त इड्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्ध कुर्वेग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

फ्लैट नं० 303, जो, 3री मंत्रिल, ए-विंग, देसाई फेठ नगर, साईबाबा धाम, श्रॉफ एस० बी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं धर्म-4/37-22/13175/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

८० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∼4, बम्बई

दर्नाक: 8-7-1985

इक्स्, बाइं. टी. एन्. एस. -----

1001 (1001 7 10) 7

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज-4, बस्बर्ध
बस्बर्ध, विनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० मई-4/37-ईई/13107/84-85---मतः मुझे, ए० प्रसाद,

गायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम् इसमें प्रवाद 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एष्टित बाजार सम्प्री 1,00,000/- कः से विधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैंट नंव सीव-1, जो, नव-विध्वजय को-प्रापि हाउसिंग सोसायटी लिव, एक्सार रोड़, बोरिवली (पव), बम्बई-92 में स्थित है। (और इससे उपाबक प्रमुख्ती में और पूर्ण रूप से विधित है), और जिसका करार-नामा भ्रायकर ग्राह्मनियम, 1961 की हारा 269क, छ के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राह्मकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के सरयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की नर्घ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयंगन प्रतिकत्त से, ऐसे स्वयंगन प्रतिफल का वस्त्व प्रविचात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और बंदरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्मितियात उद्योक्त से उन्त अंतरण लिखित म् बात्तरिक रूप से कांगत नहीं किया नथा है :---

- (क) दंउरण सं हुइ किसी नाम की बाबत, उक्त अभिमित्रम के अभीन कर दोने के अन्तरके के शायित्व में कामी कारने या उक्कम स्वान में सुविधा के लिए; मोह/वा
- (ब) एंसी किसी आम मा किसी अन पा सन्व आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, स्थिपान मा स्विका से सिस्;

कतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के क्षीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री शर्मापी० गेट्टी।

(मन्तरक)

2. श्री बी० फी० पै।

(म्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से ३६ १४२ की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवा...
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वध्यक्षि एण: — इसमें प्रयुक्त संबदों और पदों का, को उच्च विभिनियम के अध्याय 20-क में परिकालिक है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विद्या वर्षा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी०-1, जो, नव-विग्विजय को-झाप० हाउ-सिंग सोसाइटी, एक्सार रोड, बोरिवसी (प०), बम्बई-400 092 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्रई-4/37-ईई/13107/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 1-11-1984 को राजिस्टर्फ किया गया है।

> ६० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रकल भाइ. टी. ए४ एव. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नधीन क्षण

भारत सरकार

कार्यानय, सङ्गायक भागकर भागकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-4, िबई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० मई-4/37-ईई/13333/84-35--11: १९-ए० भ्रसाद,

श्रीयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परचात् 'उसत सभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. सं अभिक है

कौर जिसकी सं पलैट नं 301, जो, एक्सप्रेस टावर, एल टी रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-400092 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूकी में और पूर्ण रप से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का सिकत बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्म प्रतिफल से विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का सिकत बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्म प्रतिफल से विश्वास से विश्वास से विश्वास से विश्वास से विश्वास से विश्वास प्रतिफल का निम्नलिखित उद्ववस्य से अन्त अंतरण मिचित में वास्त- विक रूप से किथत नहीं किया वया है :--

- (क) जन्तरण सं क्ष्म किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियमं के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने ना उससे जनने में सुविधा के सिए; बार-/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भूम या बन्य जास्त्यां का, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाता काहिए था, कियाने में ब्विभा के लिए;

कतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की अपूजरण में, मैं, अक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, स्थित् :—

1 श्री दीपक जयसुखलाल गांधी।

(मन्तरक)

2. श्री केतनभाई जी० बलसारा और म्रान्य। (मन्तरिती)

को कह क्षता जारी करके प्रानित सम्मृतित को वर्षन के क्षिय कार्यनाहियां करता हो।

जनत बन्धृतित के नर्बन के तत्क्ष्य में कोई भी कार्याप:--

- (क) इत तुम्मा के राज्यम में प्रकाशन की ताइति है 45 विन की जनिभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की जनिभ, को भी जनिभ नाम में समाप्त होती हो, के और प्रवेचित व्यक्तियों में से विक्ती व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति में हितबहुध किसी जन्म स्थादित द्वारा नथाहरताकारी के पाक तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्माब्दोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उपक विभिन्नन, के न्याय 20-क में प्रिशाणिय हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया व्याह हैं।

भनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो, एक्सप्रेस टावर, एल० टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-400 092 में स्थित है।

श्रनुस्की जैसा कि कि० सं० श्रई-4/37-ईई/13333/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक. 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रथम बाहु हो पुन पुन कार्यका

1. श्री भन्धुत लक्ष्मण वातार।

(अन्तरक)

2. श्री स्थाम ६म० खंडेलवाल।

(अन्तरिती)

आयकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) से अभीन सूचका

भारत तरकार

कार्यां स्व , सहायक जायकर जाक्का (निरक्षाण)

प्रजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

নিবল নত সহ-4/37-ইছ/13464/84-85---স্ন: মুদ্দী, ৫০ সমাৰ,

वासकर अभानसम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकरी को यह निस्तास करने का भारा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सचित बाचार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

और जिसकी संव पर्कट नंव 3/8, जो, ब्ल्यू कोटटो सोसायटी एव-6/15, एनव ब्राईव सीव कालनी, जीवन बीमा नगर, बोरिवली (पव), वम्बई-400092 में स्थित हैं (और ससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, द के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीद 1-11-1984

कां प्रांक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य सं कम के शर्ममाण प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफा स्नीम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधिन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे वचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एची किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

ज्ञतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कां, जां उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखिक व्यक्तियमां, वर्षात् १---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां सूक करता हुं।

जनत संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :-

- (क) इस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीध स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्थळकिरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं नर्भ हांगा जो उस अध्याय में दिस्स गया है।

क्यूची

्रेट नं० 3/8, को, ब्ल्यू कोटटो कोसायटी, ए०-6/15, एल० प्राई० सी० कालोबी, जीवन बीमा नगर, बोरिवकी (प०), बम्बई-400092 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ७० सं० मई-4/37-ईई/13464/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 1-11-1984 को राजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनां**क**: 8-7-1985

प्रस्प आई. टी एन. एस. ----

शायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की

कार १८५५ (४) क विधीन मृचना

मेसर्स भीति इंटरकामजेस।

(मन्तरक)

2. की भालचंद्र सी० पेकोण्कर।

(भ्रम्सरित)

भारत सरकार

नार्यासय, सद्वायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

भ्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

कौर जिसकी संव पलैट नंव 203, जो, 2री मंजिल, [ध्मारत नंव ६०, एक्सार रोड़, नोरिवली (पव), वम्बई-400 092 में स्थित है (और ६ससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण स्थ से विश्त है), और जिसका करारनामा आयकर प्रदिनियम, 1961 वी दारा 269क, ख के अदीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राद्धिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से, एसे द्वरमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से विधिक है और वितरक (अंतरकों) वौर वंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल का निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससं बचने में प्रविशा के लिए; बार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा की निरंदा

अक्षः वद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्क झम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तस्मीन से 30 दिन की श्रवधि, जो औ अवधि बाद में जनाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (वा) इस सूचना के शक्रपण में प्रकारत की दारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींचे ।

प्यक्रीकरणः — इसमें प्रवृक्त कर्यों और पर्यों का, यो उक्त स्थितियात के संभाग 20 के में परिभाषित ही, कही कर्य होता को उस्त अध्याम में दिसा मना सी अ

मन्त्रची

पलः ा० 203, जो, 2री मंजिल, धमारत नं० ए०, एक्सार रोह, बोरिवली (प०), सम्बद्ध-400 092 में स्थित है अनुसूची जैसा कि कि से० संद अई-4/37-ईई/13331/84-85 और जो सकम आंधकारो, सम्बद्ध क्रारा दिसांक 1-11-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

५० फसाव सक्तम फ्राहिकारी सहायक साम्रकर साधुक्त (निरीक्षण) शर्यन रेज-4, बस्बई

विनांक: 8-7-1985

प्रस्प नाइ , टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० मई-4/37-ईई/13430/84-85-मातः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- का कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कौर जिसकी संव पर्यट नंव की 0/4/11, जो, इस्त को-आपव हाउ सिंग सोसायटी, रामनगर, कोरिवकी (पव), बम्बई – 400 092 में स्थित है (और ६ससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्त है), और क्रुजिसका करारनामा आय-कर श्राधनियम, 1961 की घारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय, में राजस्द्री है, तारीख 1-11-1984

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त संपोत्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंबरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वच्य से उच्य अन्तरण किवित में में याग्यविक रूप से कवित नहीं किया गया है :——

- हेक्त संस्थान सं हुई किसी बाद की बादत, सकत अधिनियम के अधीन: कर दोने के अन्तरक के वादित्य में कमी करने या सबसे वचने में सुविधा के सिस्ट्: और∕वा
- (क) एसी किसी नाम मा किसी भन ना नाम नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाम-कार निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिन्नम, या भग-कर निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ क्रारिती इवारा प्रकट नहीं किया गना था वा किया जाना चाडिए था. क्रियान में सुविधा है विद्या

अतः अब, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ग कै अन्धरन में, में, उक्त जांधनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निकासिवत व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. श्री मनोहर रामचंद बदलानी।

(मन्तरक)

2 की सीताराम संकष्पा रोड़ी

(धर्नारती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्षन के सम्बन्ध में कोई नी बाबोप कु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूज सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी स्थित्य बुबारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ने।

स्पव्यक्तिरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया ही।

अनुसूची

पर्लंट मं2 शै/4/11, जो ६मी को-न्नाप० हार्जिसग सोसा-इटी, रामनगर, बोरिवली (प०), बम्बई-400092 में स्थित है।

धनुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० धई-4/37-ईई/13430/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कारा दिनांक 1-11-198 को राजस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्राधुक्त (निरीकण) ग्रजैन रेजे-4, बम्बई

विनोक: 8-7-1985

प्ररूप आइं.टी.एन. एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

क्लयलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अ्लाई 1985

निर्देश सं० भई-4/37-ईई/13564/84-85--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'खकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फरैट नं० 203, जो, श्री योगेशवरी प्रपार्ट-मेंटस, सी० टी० एस० नं० 133 और 133/1, मंडपेशवर, शोरवली, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रुप से विज्ञित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्राधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को प्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शितिफाल के लिए अन्हरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने व्या कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित शाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है हृद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृषित और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित महीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या िकसी धन या अन्य आस्तिकों करें, जिन्ही भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या िकवा जाना चािहए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बच. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिया ही धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिया धाँक्तथों, अर्थात् क्ष— 1. मेसर्स चारीकोट बिस्डर्स।

(धन्तरक)

2. श्री सदीश नारायण राजाध्यकः।

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रवेक्त सम्परित के अर्जन के लिख् कार्यनाहियां सूक्त करता

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकीये।

स्थळीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियक, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा है।

जन्स्ची

पर्कट नं० 203, जो, श्री धोरेश्वरी, श्रपार्टमेंटस की० ी० एस० नं० 133 और 133/1, मंडपेश्वर, दोरिवकी, बम्बई में स्थित है।

युन्स्की जैसा कि %० सं० घई-4/37-ईई/13564/ 84-85 और जो सकम प्राध्कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को एजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांकः : 8— ⁻ 198**5**

महिर:

रका कार्य . दी . एन . क्य . प-----

बायकर विधिवयमं, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बचीन स्वमा

बारत क्रूरकार

कार्यक्रव, बहावक वायकर सम्पूचक (किरोशक) प्रजंग रेज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांश 8 कुलाई 1985

निवेश सं॰ भ्रई-4/37-ईई/13566/84-85--भ्रतः मुझे ५० ५साव,

नायकर निवानवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उपत निवानवन' कहा नवा है), की भारा 269-व के नपीन सक्तव नाधिकारों को यह निवनात करने का कारण है कि स्वावर सन्वति, विस्तका अवित वाजार मन्य 1,00,000/- क. से निधक है

और जिसकी सं पर्यट नं 401, जो, 4भी मंजिल, एपा पी नं 105, टी पी एस -3, जाम्बोली लेन, बोरिवली पि), बम्बई -92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद ब्रंस्थी में और पूर्ण रूप से विश्वत हैं), और जिसका करार-मामा ज र प्राधिमयम, 1961 भी धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, लारीक 1-11-1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के इस्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई हैं और मूझे वह निश्वास करने का कारण हैं कि वचापूर्वोक्ष्य सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दूरवाम प्रतिफल से एसे इश्वमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिबद्ध से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरक के स्पि तय पाया गया प्रतिफल, विम्निविधित उद्देश्य से उच्त अन्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं फिया गया हैं :---

- (क) जन्तरण ते हुई जिली बाय की बाबत, उक्त श्रीधनिक्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में क्षती करने या उत्तरों बचाने में तृषिधा के सिए; और/वा
- (क) क्वी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, चिन्हें भारतीय नावकर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) वा उनते निभन्नम, या धनकर निभन्नम, या धनकर निभन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ नन्तिरिती क्वाब प्रकट नहीं किया वहा या वा किया कला थाहिए था, कियाने में क्विका के निम्ह;

जतः वय, उपत विधित्यम् की गांच 269-न के धनुष्यम् ं पं तकत वीधितियम् की भाष 269-म की तमधान (1) के वधीन, निम्मीसिंचतं व्यक्तियों, वर्धात् :--- 1. मैं० जयपी ६ण्टरप्रायजेस

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमदी वासूमदी महीपतराय शहा और मन्य। (भ्रन्त(रदी)

3. ग्रन्तरको ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रहिकोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परीट संव 401, जो, 4री मंजिल, एपाव पीव संव 105, टीव पीव एसव 3, जाम्मोली लेन, मोरिवली (पव), बम्बई-92 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि २० सं० ग्रई-4/37-ईई/13566/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) गर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप आर्द.टी.्एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश मं० ग्रर्ह-4/37—ईई/13237/84-85----श्रतः मुझै, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रौर जिनकी मं० कमरा नं० 11, जो, तल माला, निमेश कुंज द्वाउसिंग मोमायटी लि०, एम० बी० पी० रोड़, बोरिवली (प०), त्रम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रौर इनमे उपाबद श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण ब्ला मे विणत हैं), श्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आपक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाधित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण में, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) में अधीर: निम्नाविध्यित व्यक्तियों, अर्थात :—

51 -186 GT/85

- 1. श्रीमती सुरिंदर सचदेव (एच० यू० एफ०)। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती बदामी बाई पुखाराज जैन ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्यी

कमरा नं० 11, जो, तल माला, निमेश कुंज हाउसिंग सोसाइटी लि०, सी० टी० एस० नं० 2412, 2412/1, 2412/2, 2412/3, 2412/5, 2412/6, एस० वी० पी० रोड़, बोरियली (प०), बस्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37—ईई/13237/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी ,बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रसन्य आर्थः टी एनः एतः - - ----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के प्रभीन मुक्ता

भाइत चर्चात्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-4, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/13578/84-85--श्रतः मृक्षे, ए० प्रसाद,

अ।थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-श के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पंक्ति जिसका उचित जालार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रोरिजनल प्लाट नं० 364, टी० पी० एस० नं० 3, शिम्पोली, बोरिबली जालुत, सिम्पोली विलेज, सिम्पोली रोड़, बोरिबली (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिनकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कीए मुझे यह विद्यालय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के प्रदेश में अपिक है और अर्थरव, (अंतरकों) और अंतरित (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा स्था प्रतिफल निम्नसिवित उद्वेष से उक्त अन्तरण निचित के बासक्षिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) न्याडण ने हुए किसी अप की गामत, अथन ार्थनियम के **न्यीन** कार दोने से बन्दा के की गोग-ने में कमी करने या तसमें स्थल के जी त्रिका के सिंग; और/मा
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हों भारतीय आयकर श्रीधीनयम, 197 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के पर्णावास असिरिती दवास अकट नहीं किया स्था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:
- मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियम प्रावित्यों, अर्थात् :---

- श्री भगवान लक्ष्मण दान्ड्लि और 4 अन्य । (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स जयदीय फाउंडेशन। (ग्रन्सिनी)
- 3. ग्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. भाष्ट्रत।

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधी-हम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सुचना जारी करके पृजीकः सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां अक्ता हो।

जबल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड भी प्राक्षण

- (क) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, अे भीतर वर्वोकत स्थितार के से किसी स्विधि खबारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर नजरा स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास जिखित में किए जा सकरेंगे

स्मच्छोकरण: -- इसमें प्रयुक्त कर्को और पर्वो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूत्ता

भोरिजिनल प्लाट नं० 364, टो० पो० एन० नं० 3, भिम्पोलो , बोरिबलो तालुका, निम्पोली बिलेज, सिम्पोको रोड, बोरिबली (प०), अम्बई में स्थित है।

श्रनुसूर्चः जैसा कि क्रः सं० श्रई-4/37-ईई/13578/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारो, बस्बई द्वारा दिनांकः 1-11-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० त्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

दिनां ह: 8-7-1985

पोहर:

प्रकृष बाही, ट. एन. एस. - - ---

श्चरवकार जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यामय, महायक गणकर भाग्यक (निरीक्षण) $abla \hat{v} = \hat{v} - 4$, बम्बर्द $abla \hat{v} = \hat{v} = 4$, बम्बर्द $abla \hat{v} = 4$

निदेश मं० प्रार्ह-4/37-हेंई/13531/84-85—-ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परभात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्य प्राधिकारी को . यह जिवसाम करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति : जिसका जीनत प्रधार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं. फलैंट नं. 2 जो मोहोर उपार्टमन्ट, प्लांट बेग्निरिंग सी० दी० एस० नं० 17 श्रीर 221 मेणकर बाडी ब भई एस० दी० रोड़ बोरिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपाद आजार मृल्य से कम के श्रयमान श्रीतफल के लिए कन्सरित की गई है और बुम्झे वह विकास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपाद बापार मृल्य, उसक अवयान श्रीतफल सं, एसे अन्तरक (अन्तरकार) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकार) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लए स्थ भागा गया प्रतिफल, निम्नीनिकत उद्देश्य से उकत अन्तरक लिए स्थ

- (क) अन्तरण सं हुन्दं किसी जाम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं अधी अपन या उपसे एचने यो सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों के जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोधनार्थ जन्तिरसी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया भाना चाहिए था, स्थिताने में स्विधा के निए;

बक्क: स्वयं, उक्त नियमित्रम की भारा 269-न के अनुसद्य में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के जभीन, निल्लिनियत स्यक्तियों, अभार :--- मैं० बिल्ड क्वीकाः

(भ्रन्तरक)

2 श्री मधुमुदन गोपाल मोंडकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्छ सम्पत्ति को वर्जन को सिए कार्यवाहियां भूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी आविष्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जविष बाद में समान्त होती हो, के मीत्तर प्रवेकित व्यक्तियों भार में किसी अपन्य स्थान
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्योंनर दुशरा अन्यक्ष्याचार के पास लिकित में किए का क्केंग

वसवर्षा

पलैंट नं० 2, जो, मोहोर, ग्रपार्टमेंट, प्लाट बेग्न्यिंग सी० टी० एस० नं० 71 ग्रीर 221, पेणकर वाडी, बाभई, एस० टी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि झुड़ गं० श्रई-4/37-**१ई**/13531/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब**ई द्वारा दिनांक** 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रकृष गाइं. टी एन. एस. -----

भागकर जीर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सहस्रार

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निहासन)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/13526/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसमें हसके परवात् 'उक्त अधिनियम' सङ्ग्र नमा ही, की धारा 269-वा की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावंद संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- का अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 303, जो, 3री मंजिल, नियोजित इसारत, "बंदना", प्लांट बेग्ररिंग सी० टी० एस० नं० 26, विलेज एक्सार, एक्सार रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय के ग्रधीन, रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निवित्त उद्देश से उक्त अन्तरण तिवित्त में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण से हुई किसी जाग की बाबत उक्त अधि-नियम को ब्रांचिन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निए बाँद/वा
- (ख) ऐसी किसी आर या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोद्यार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया क्या या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में समिधा के सिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिस्यों, अधीत् 🖫

 श्री कन्भाई जाधवजी ठक्कर, प्रोप्रायटर। विकास कन्स्टक्शन्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दिपक पुरुषोत्तम सामंत ।

(श्रन्तरिती)

को सह ब्राचना बादी करके पृथाँकत सम्परित के नुर्धन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुमान को राजवन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवींच वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमान की तामील से 30 दिन की नविध, जा भी मविध बाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रवेकता व्यक्तियों में से किनी स्वीक्त इसारा;
- (य) इस कुम्मा के रायपण के प्रकाशन की तारीत है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सब्ध किया नत्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास निवास के किए जा सकोंगे।

न्यक्टीकरण:--इतमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाँगा जो उस अध्याय में दिया एका हुँ।

अनतची

प्लैट नं० 303, जो, 3री मंजिल, नियोजित इमारत "बंदना", प्लांट बेग्नरिंग सो० टो० एस० नं० 26, विलेज एक्पार, एक्पार रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रतुसूची जैंसा कि कि नं ग्रई-4/37–ईई/13526/84–85 श्रौर जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1–11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

नोंहर 🛚

प्रकथ नार्चं टी. एन. एत. ----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) जे अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई०-4/37-ईई/13528/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृख्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, जो 4थी मंजिल, नियोजित इमारत 'वन्दना', प्लाट बेग्नरिंग सी. टी० एस० नं० 26, व्हिलेज, एक्सार, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनाक 1-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके स्वयमान प्रतिफल को एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशत उच्चक्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं धुर्ड किसी बाब की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को बायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आदितयां की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया काना काहिए था, कियाने में मृतिका की सिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभात क्ष्मान 1 श्री कन्भाई, जाधवजी, ठक्कर, (प्रोप्राइटर विकास कन्स्ट्रक्सन)।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नितीन रमनलाल शुक्ता, श्रौर श्रन्य । (भ्रन्तरिती)

को यह)स्चना जारी करके पृत्रीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी अक्षेप '---

- (क) इस स्वान के राज्यवा में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्ष किसी व्यक्ति क्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के शध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

पलैट नं० 403, जो 4 थी मंजिल, नियोजित इमारत 'बंबना', प्लाट नं० बेश्वरिंग, सी० टी० एम० नं० 26, व्हिलेज, एक्सार, एक्सार रोड, बोरियली (प०), बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि० सँ० भ्रई-4/37-ईई/13528/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बंई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किचा गया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 8-7-1985 मोहर:

प्रकृष नार्षं, टी. एवं , एसं , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत् व्हरकातु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निदेश सं० अर्द-4/37ईई/13202/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विद्रवास करने का भारण हं कि स्थावर सम्बंधि, विसका उधित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो सर्वे नं० 115, एच० नं० 1/12, 1/9, 1/8, 1/2, 1/7 ग्रौर 1/4, सी० टी० एस० नं. 936 ग्रौर 934, श्राय० सी० कालोनी, माउन्ट पोईसर, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है (ग्रौर इसरो उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) प्र्यौर जिसका करार-नामा ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कखके ग्रधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

का पृथाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास जरने का कारण है कि यदापृथित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात स पिषक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितीयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम गमा पातफल निम्नितिथित उद्योच से उच्त अंतरण मिषित में अंतरण के सिए सम से कारिक की साम से कार्य से कार्य

- (क) जन्तरण से हार्य किसी भाग की बाबस, उपसे श्रीशनियम के अभीन कार दोने के बंतरक की शामित्य में कभी करने वा उससे अपने में कृषिशा से किए; और/बा
- (था) एची किसी आय वा किसी अन या अन्य झास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार विभिनियस, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियस, या धन-कार जिभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया वाना वाहिए था, कियाने में स्थिका के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिक्ति व्यक्तिसार्गे, अर्थात् ३००० 1. मैसर्स भ्रार० एस० बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स मेघा बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरिती

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पृशेक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की संबंधि या तत्त्रज्ञान भी स्पित्यों पर स्थान की तानीज से 30 दिन की संबंधि, जो भी वर्षी बाद में स्थान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पित्यों में से किसी स्पित्त हुनारा;
- (स) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारनेस से 45 दिन को भीतर उक्क स्थानर सम्मित में हितबब्ध किसी बन्द म्यक्ति ब्नारा, नथोहस्ताकारी के पास सिवित में किये वा सकेंगे।

ल्यकरीकरण: — इसमें प्रयुक्त वृक्ती जौर पदों का, वो उक्त व्यक्तिवृक्ष के संख्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा को उस सभ्यास में विधा नवा ही।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, सर्वे नं० 115, एच० नं० 1/12, 1/9 1/8, 1/2, 1/7, श्रोर 1/4, सी० टी० एस० नं० 936 श्रोर, $\sqrt{934}$, श्राय० मी० कालोनी, माउन्ट पोईमर, चोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37ईई/13202/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक 8-7-1985 मोहर:

प्रथम काई. ही. एन. एस. ------

भाधकर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज 4, अम्बई
वम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० म्रर्ड-4/37ईई/13149/84-85—म्ब्रतः मझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित भाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 40, जो तल माला, हैपी जीव को-भ्राप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, हैपी जीवन, ए 6/7 जीवन बीमा नगर, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है (भ्रौर असमे उपाबढ अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) भ्रॉर जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियस 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान शित्कल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजा मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंकर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक क्या में अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/बा
- (स) ज़िती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ उन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

्राच्न अहं, तक्त अधिनिध्म की धारा 269-ग के अन्सरण प्राप्त के जिल्ला किलाम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीजिधित व्यक्तियों, अर्थातः :-— 1. श्रीमती दीपिका भाटिया।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जसवन्तलाल जे० गङ्जार,।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ते संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गंपिए में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमत्त्रची

फ्लैंट नं० 40, जो तल माला, हैपी जीवन को-धाप० हाउसिंग सोमायटी, लि० हैपी जीवन ए 6/7, जीवन बीमा नगर, बोरियली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-4/37ईई/13149/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-4, अम्बई

दिनांक 8-7-1985 मोहर:

मध्य बार्, टी, एव. एव. ------

बारकार अप्रिकास, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

माह्न बहुकार

कार्याजय सहायक जायकर काम्प्रक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० भ्रई-4/37ईई/13448/84-85---भ्रतः मुझे, ए० प्रसाव,

नाधनार विधिनियम, 1961 (1961 की 43) (चिसे इसमें इसमें दसमें परवात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन समन प्राधिकारी की,, यह निवनास करने का कारण हैं। फि स्थानर संपत्ति जिसका उचित नाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 311, जो तल माला, ''गोविंन्द श्रपार्टमेंट्स'', जय पाली हिल, एक्सार व्हिलेज बोखिलं। (प०), बम्बई-92में स्थित है (श्रीर इससे उपाब ब्र मुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि- नियम 1961 की धारा 269 के,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-984

का पृत्रांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिपत्त के सिए बन्तरित की गृहं हैं, और कुओ यह विश्वास करने का कारण है कि वजाप्वोंक्त संगीत्त का उचित् वासार कृरच, उसके क्रमान प्रतिपत्त से एते क्रममान प्रतिकत का पंकर प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एवं बन्तरण के सिक् तब पावा नृगा अविकत, निजनित्तियों उद्देश्य से सबत बन्तरण निविष्ठ में वास्त्रिक रूप से कथित महीं किया गया है

- (स्त) अन्तरण तं हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-रेवस्थ से स्थीन कर वाँचे की जन्तरक को शासित्य भी कभी करने या उससे अवने में तृतिभा को निष्ठः सौर/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्म नास्तिनों को, विक्तुं बारतीन भाव-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उबत अधिनियम या धनकार भीवीनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नमा था वा किसा नाता वाहिष् था, कियानं में तृषिका के सिए;

नतः नय, उसत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उसर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखन्न व्यक्तिसमें, अधीर हुन्न 1. मैं ॰ जय पाली बिल्डर्स ।

(श्रन्तरक)

2. श्री संजीव बी० मोगल।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के विषय कार्यमाहिया बुक् करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्स्विधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृश्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष।

अव्यक्तिरणः — इसमें प्रयम्त शब्दों और पूर्वों का. थो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाह ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 311, जो तल माला, "गोविन्द श्रपार्टमेन्टस", जय पाली हिल, एक्सार व्हिलेज, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-4/37-ईई/13448/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ्सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 8-7-1985

शक्य वार्^ड्टी ्एन , एस ..-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश मे**० ग्रर्ट 4/37-ईर्ट/13435/84-85--- श्र**त: मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है^{*}

श्रौर जिसकी संव फ्लैट नंव 12, जो 3री मंजिल, सौ विंग, इ.मारत नं०11/सी, इस्बी श्रपार्टमेंट, इर्म्बी, जो जय कोआप० हाउसिंग मोतायटो लि०, माई बाबा नगर, एस० वि० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबछ भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप ने वर्णित है) श्रीर जिसका करार-नामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कव के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य ' उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से एसे इक्ष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; वौर∕वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मीधीनयम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

कतः शय, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उसत अभिनियम की भारा 2.69-घ की अपभारत (1) के अधीत , निस्त**ियात व्यक्तियों, वर्षाय 🖳** 52-186 GI/85

अभिनती गोदावरी सत्येन्द्र सिंह कुशवाहा।

(श्रन्तरक)

2. श्री जोगेद्र, भपेद्र भंगाली।

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना बाद्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनक लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन हो संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो र्भ, वयीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यित्सयों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी गन्त्र व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पात **लिखित म**ंकिए जा सकींगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिशाधिक 👸, बही मध्य द्योगा, जो उस अध्यस्य में दिसः नवा हैं।

अनुसूची

फ्लॉट नं० 12, जो 3 री मंजिल, सी विंग, इमारत नं०-11/सी, इम्बी, श्रपार्टमें ट, इम्बी जीजय कोग्राप० हाउसिंग सोमायटी, ल०, साई बाबा नगर, एस० वि० रोड, बोविली (प.) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-4/37ईई/13435/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमुख मक्षम प्राधिकारी महायक्त श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-4, बम्बई

दिनांक 8-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37ईई/13256/84-85---श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलाँट नं ए/9, जो राजवीप, 2 री मंजिल कस्तूरजा; क्रास रोड, नं 1, बोविली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है। (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्धह प्रतिग्रत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक्ष रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के **खबिरण में कमी क**रने वा उसमें अपने में ग्रीक्या के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान: ——

1. श्रामती सविताबेन शांतीलाल मेहता,

(अन्तरक)

 श्री बल्लभदास हरी दास बदीयानी श्रीर अन्य । (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलॉट नं ० ए/9, जो राजदीप 2 री मंजिल, कस्तूरबा, क्रास रोड, नं ० 1, बोरिजली (पू०), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/377ईई/13256/84-8 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक ९-7ड1985 मोहर. प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निज्ञीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/13207/84~85—श्रनः मुझे ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० पस्तैट नं० सी-6, जो 1 मंजिल, रीमा रीओ अपार्टमे ट्स, एक्सार, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रीर जो पूर्व स्प ले विणत हैं) और जिसकी करारनाम। श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269

त्रख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म रिजस्क्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं क्या गवा है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयल-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवंत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः जस, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ण के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1. नारी मथाई ।

(प्रन्तरक)

2. श्री सिरील ई० परेरा, श्रौर श्राय ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख बें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्**ची**

फ्लॅंट नं० सी-6, जो 1 लिंगंजिल, रोसारीम्रो भ्रपार्टमेन्ट्स एक्सार, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रतुमूची जैमा कि ऋ० मं० श्राई-4/37ईई/13207/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4, बम्बई

।दनांक : 8-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नाथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43), कौ भारा 269-म (1) के सभीन सुनना

प्राप्ति प्रकृति

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निद्रीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/13163/84-85—स्रतः मुझे, प्रसाद ————

जायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी मं पति नं 201, जो 2 मिजिल, "वैभव" सी विग, प्लाट नं 82, टीं पि एसं 3 स्रीर कि रिं टि लिम 721, जाम्बली गल्ली, बोरिवली (प्रा), बम्बई-92 में स्थित है (स्रीर इस उपाबढ़ स्रनुभूची में स्रीर जो पूर्ण रूप से विणित) स्रीर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनयम, 1961 की धारा 269 क्ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ती है दिनाक 1-11-1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित माजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याचार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल स्वयं पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिसित उद्देष्य से उस्त अंतरण लिसित में धास्तिवक रूप से किंगत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के नधीन कर दीने के जन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में श्रीवशा के लिए; मौर√या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, धिनह भारतीय सायकर मधिनियम, 1927 (1922 का 11) ना उक्त निधिनियम, या धन- कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ जन्दिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था, सिणाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसर्ध में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (१) को अधीन, निम्नमिवित व्यक्तियों, वृश्वीत् रू—

1. मसर्स गौतम बिल्डर्स ।

(श्रन्तरक)

2. श्रौ दीपक शांतीलाल गाला।

(ग्रन्तरिती)

3. अंतरकों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को वह बूचना बारी करकं पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उसत शम्पति के बर्चन के सम्बन्ध में के ही मी बाक्षेप::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैट न० 201, जो 2 रो मंजिल, "वैभव" सौ विंग, ब्लाट न० 82, टी॰पी॰ एस॰ 3 श्रीर सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 727 जाम्बर्ला गर्ला, बोविली (प॰), बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुसूर्च जैसा कि कि से श्रई-4/37ईई/13163/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/13545/84-85---ग्रतः, मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैटनं० 908, जो 9 वीं मंजिल, इमारत, नं० 57/58, योगी नगर, एक्सार रोड, प्लाट नं० 57/58, सर्वे नं० 66, एच० नं० (श्रंश), 5, 3, 14 और 17, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण का से विणित है) श्रौर जिसका करारानामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 नी धारा 269 क, खके श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रसिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के शिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के निए;

अतः श्रा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध—- 1. मैसर्स विजय नगर कारपोरेशन,।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुरेश बी० शहा श्रीर श्रन्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

पलैट नं० 908, जो इमारत, नं० 57/58, योगी नगर एक्सार, रोड, प्लाट नं० 57/58, सर्वे नं० 66, एच० नं०, (ग्रंश), 5, 3, 4 श्रीर 17 बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैमा कि कि के संबर्ध-4/37ईई/13545/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

प्रारूप आर्ड्, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/13288/84-85---श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

वासकर वीधनियत, 1961 (1961 का 43) (तिवसे इसके इसके पश्चात् 'उसत विधिनयत' कहा नवा ही, की धास 269-स के वधीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह विस्तात करने का कारण है कि स्थान्य संपरित, विश्वका उचित वाजार मूकन 1,00,000/- स्त. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० स्टोर नं० 21, जो गोयल शापिंग स्राक्षेंड बेममेंट, एम० वि० रोड, बोरिली ('प०) (, बम्बई-92 में स्थित है स्रौर इस से उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के स्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्स संपरित का उचित बाबार सूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का क्लूड प्रतिबत से निभक है बीर बन्तरक (बंदरकों) और बंद्धिरती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाया नवा प्रतिक स निम्निचित से वास्त- विक कप से किथत मुद्दी किया है ---

- (क) वन्तरच् वं दूर्ं कियों बाध की वावत , स्वक्ष विभिनियम के भूभीन कर दोने के अन्तरक के दाक्तिच् में कमी करने वा उथसे वचने में वृधिशा के जिए; वीर/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों भ्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 विश्व 11) वा अन्य विश्वित्यम, 1922 वा 11) वा अन्य विश्वित्यम, वा चन्कर विश्वित्यम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था कियाने में स्विधा के हिस्स;

शतः अ्व, उक्त वृधिनिवध की भारा 269-व के, बनुसरण वी, मीं, उक्त विधिनियम की आस 269-व की उपधास (1) वी वर्धीन निक्तिविक्त स्थितसमें वर्धात क्ष—- 1. श्री ग्रहणकुमार छबिलदास शहा।

(ग्रन्तरक)

2. सोमेश कयाल फैमिली, ट्रस्ट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्हां बान्सीत्तु को नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि ना तत्स्र ज्वन्थी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविध नाव में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के सचनन में प्रकासन की बारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उनस अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

स्टोर नं० 21, जो गोयल शापिंग ग्रार्कोड, के बेसमोंट में, एस० बी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि लें आई-4/37ईई/13288/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्फ

दिनांक: 8-7-1985

माहर 🖫

प्रक्ष्य बाइ. टी. एन., एस.------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कायांत्रिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज 4, जम्बई अम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश मं० ग्रई 4/37ईई/13249/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० स्टोर नं० 22, जो गोयल शॉपिंग श्रार्केड के बेसमेंट में, एस० वि० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

कनं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभाम प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल कर पम्बह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिनक एप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बंत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में अभी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती हंसा प्रविणचन्द्र, रूपारेलिया और श्रन्य, मैंसर्स क्रेबल बीबी के भागीदार।

(भ्रन्तर्क)

2. श्री सोमेश क्याल दूस्ट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा स्कींगे।

स्थाकारणः--इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

स्टोर नं ०२२, जो गोयल, शाँपिंग श्रार्केड के बेसमेंट में, एस० वि० रोड्म बोरिवली (प०), बम्बई-9२ में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-4/37ईई/13249/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रसाद स**क्ष्म प्राधिका**री सहायक अग्रयकर आयुक्त (निरी**क्ष**ण) अर्जन रेंज-4, बस्ब**ई**

दिनांक 8-7-1985 मोहर ः प्रकप बाइ .टी.एन.एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश मं० श्रई-4/37ईई/13297/84-85---- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन मक्ष्म प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 81-ए-15 जो साईबाबा नगर, बोरिवली (प०), बम्बई-400 092 म स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान **थ**न्तरित गह* और लिए की प्रतिफल को विचवास करने कारण िक का सम्पत्ति का उच्ति क्षाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया 8, K---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक य वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (थ) ए'सी किसी जाय या किसी घट या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्थ के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-म्थ की उपधारा (1) क वधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. एन० जें० सुन्दरवाला भ्रौर भ्रन्य ।

(अन्सरक)

2. श्रीमती टी० एम० साईवरे।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रन्सूची

फ्लैट नं० 81-ए-15, जो साईबाबा नगर, बोरिवलो (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37ईई/13297/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 8-7-1985 माहर : प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर बॉधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बधीन सुचना

शारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायक र आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजैन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनां 🥫 8 जुलाई 1985

् निदेश सं० अई-4/37ईई/13410/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 57, जो 5वीं मंजिल, हैपीं होम अपार्टमेन्ट, प्लाट नं० 20, 21, और 22, सर्वे० नं० 13/9 13, 1 और 13,7 एस० वि० रोड. बोरियली (५०), कम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिन ा करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 एख के श्रधींन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-11-1984

को प्वांक्स सम्मांत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के कावमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मूक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल सा पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिका) के नीच एसे अन्तरण के सिए तय बागा नवा प्रतिकल पिम्नसिक्ति उक्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक एप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण मं हुए कियो नाव की नावत उक्त बिध-नियम के बधीन कार दोने के बन्तरक के धायित्व में कभी करने वा उससे यचने में शुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया समा था किया थाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्न, उक्त अधिनियम की भाग 269-म के अनुसर्भ में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन;—— 53—186GI|85

L अर्गगृब्धानिक फर्नान्डीस और अन्य ।

(श्रन्तर ⊨)

2मै. श्रीमती भ्रर्चना ने० पारेख, और ग्रन्य ।

(अन्तरिती)

नी वह सुचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त राज्यति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस मूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्क्रम्बन्धी क्यें क्रियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वें 45 विन कें भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रचकारिकारणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, को उठता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ प्रोगा, जो उस अध्याय में दिया शक्य ही।

असुर औ

ण्ताष्ट नं० 20, 21 और 22, जो प्ताट नं० 57, 5वी मंजिल' हैपी होम भ्रपार्टमेन्ट, एस० वि० रोड, बोरिजलीं (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

भ्रासुची जैसा िः क० सं० भ्रई-4/367ईई/13410/84-35 भौर जो सक्षम प्राधिशारी धम्बई द्वारा, न्तिंक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्र० प्रशद यक्षम प्राधि ारी सहायक आयक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-4, कम्बई

दिनांक 8-7-1985 मोहरः प्ररूप बाइ. टी. एन. एस., =-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के वधीन सुधना

भारत ग्रह्म

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 4, सम्बर्द अम्बर्ध, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई 13176-84-85--- यतः मुझे ए० प्रमाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269-फ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो 2री मंजिल, बी-विंग, बाहुबली, टावर्स इमारत, देशाई, शो० नगर, एस० वि० रोड, बोरियलीं (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिपका करार नामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारीं के कार्यालय से रिजस्ट्री है विनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से बिधक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया विकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबस. उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्य में कसी रूरने या उससे बचने में सृचिधा के लिए; और/या
- (ब) एँसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (१९22 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स इस्फश्रली दुस्ट।

(अन्तरक)

2. श्री अर्यंत एच० मेह्ता, और ग्रन्य (अन्तरिर्त)

की यह सूचना चारी करके प्यॉक्स सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर ब्वना की तामील से 30 दिन की बर्बीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबक्ष

 किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए वा सकोंचे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को इस अध्याय में दिका वका है।

अमृस्ची

फ्लैट नं० 204, जो 2री मंजिल, बी-त्रिंग, वेसाई शेठ नगर एस० वि० रोड, बोरिवली (५०), बम्बई-400 092 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-4/37ईई/13176 84 और 85 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एं० प्रतीद रक्षम प्राधिः⊓री सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिना: 8-7-1985

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. ------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः महायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 4, बम्बई

षम्बर्ष, दिनां≉ जुलाई, 1985

निर्वेश सं० अर्थ ∰4/37र्दर/13105/84-35---- यतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्यें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

जि की संव पर्यंट नंव 24, जो 2री मंजिल, प्रभु ,निवास जाट नंव 166, आफ फैक्टरी लेव, बोरिजली (पव),बस्बई 400092 के स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत हैं) और जि । त स्थारनामा आयस्य अधिनियम 1961 की धारा 269 सब के अधीन अस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफन, निम्निसिखत उद्देशक से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उनके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने वा उससे क्याने में सुविधा के निष्; 'बीर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अस्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाग चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. मैसर्स हिमाशू, इंटरप्राइजैस, ।

(भ्रन्तरङ)

2. श्रींमतीं सोनल गिरवान मेहता,

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ;---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अगुसूची

फ्लैंट नं 24, जो 2री मंजिल' प्रभु निवास प्लाट नं 166, प्राफ फैक्टरी लेने, बारिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है। प्रमुक्ती जैसा कि ऋं तसं प्राई-4/37ईई/13105/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद ाक्षय प्राधि गरी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-4, अम्बई

चिनांक 8-7-1985 मोहर : प्ररूप बाई.टी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ। 269-प(1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) प्रजैन रेंज-4 थम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्राई-4/37ईई/13294/84-85--श्रतः मुसे ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि संभावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूख्य और जिसकी संव जमीन का हिस्सा, जो सर्वे नंव 301/13, सीव टीव एसव नंव 93, एसव नंव 301, सीव टीव एसव नंव 84, एसव नंव 296/2, सीव टीव एसव नंव 170, व्हिलेज वही नर, कंदारपाड़ा, तालुवा, बोरिजलीं (पूर्व), वही सर (पव), बम्धई-68 में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुभूषी में और पूर्ण कृष से विश्वत हैं) और जिसका काराना आयव र अधिनियम 1961 की धारा 269 वस्त्र के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिन्यरी के वार्यालय में रिकस्ट्री हैं, दिनांवा 1-11-1984

करे पूर्वीक्त सम्मत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहस्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे सचने में सूचिथा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट महीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुनिधा के सिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखत क्यांक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री के० जे० भट्ट और भ्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० डब्स्यू० पाटील और अन्य

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके वृत्रोंक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तन्त्रीत के अर्थन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 विन की जमींचे या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अवितालों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (5) इत तुषका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गल लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसूची

जमीन का हिस्सा जो सर्वे नं० 301/13, सी॰ टो० एस० नं० 83, एम० नं० 301, सी० टी० एम० नं० 84 एस0 नं० 296/2, सी० टो० एम० नं० 170, गांव दहीसर कंदारपाडा, तालुका बोरियरली, (पूर्व), दहीसर (प०७ बम्बई-68 में स्थित हैं।

ग्रानुसुची जैला ि क० स० ग्राई७4/3काईई/13294/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ा,० प्रशाद नश्चम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, **बस्कई**

िषिनांश 8-7-1985 मोहर अ प्रकम बाहें, डी, एन, एस,,-----

आम्कन अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भाउत वरकात

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई-4, 37ईई, 13536, 84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृन्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० थ्लाट नं० एस० 49, एच० नं० 8 (ग्रंग), सी०टी० एस० नं० 1103, जय जलाराम अपार्टमेन्ट्स व्हिलेज दहीसर, वामणरा सावंस, रोड दहीसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर जइससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थिस सक्षम प्राधिकारी के का लिय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार भ्रम, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उक्त क्लरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबस, सबस विभिन्नित के स्थीन कर दोने के असरक के शियरण में कभी करने या उससे वभन में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए:

वर: वंब, उक्त वॉभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, मैं, उक्त व्यभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वं वभीन. निम्निणियत व्यक्तियों, वथीत् ऽ── 1. मैसर्स रःजदीप इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मं/जरी मोहन म्ह/इडलकर।

(अन्तरिती)

अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त नम्पनि के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आड़ांप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तर्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं जिस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भांतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये का सकर्गे।

स्वक्रीकरण .— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम की अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अध्यासी, जो उस अध्याय भा दिशासिक ही।

अमुसूची

प्लाट नं. एस० नं० 49, एच० नं० 8 (ग्रंश), सी० टी० एस० नं० 1103, जय जलाराम अपार्टमेन्टस, व्हिलेज, बहीसर, बामणरी सावंत रोड, वहीसर (पुर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37ईई/13536/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को राजस्टिंड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 8-7-1985 मोहर: प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4.

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अ।ई-4/37ईई/13534/84-85—-अतः मुझे, स० प्रसाद

बायकर विभिनियन, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-क. से अधिक है

श्रीर जिसकी स्ं रश्मी हाउस सीं सर्वे नं 1038, सर्वे नं 46, एवं नं 10, हरी शंकर जीवी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) है श्रीर जिसका कर।रनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकृत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिफल, निष्नसिक्ति उस्वरेष से उक्त अन्तरण लिबितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर शन के अन्तरक के बावित्य में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियीं का जिन्हों भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, भा वन-प्रश्चीतियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नवीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अवृत् द्व- 1. श्री रामचन्द्र लक्ष्मण चौकेकर।

(भ्रन्सरक)

वैभव डेव्हलोपर्स ।

(अन्तर्रिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभो में सम्पत्ति है)

मी वर्ष क्ष्मण प्राप्त कुड़की पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्षन के लिए कायगाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोइ भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबीध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्थव्यक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्'स्'घी

रश्मी हाउस, सी० सर्वे नं० 1038, सर्वे नं० 46, एच० नं० 10, हरीशंकर जोशी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-4/37ईई/13534/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्ब**ई

दिनांक 8-7-1985 मोहर: प्ररूप बार्ष . टी . एन . एस . -----

बायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई 4/37ईई/13371/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पष्ट विक्वास छरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाकार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4 जो, अजंठा को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, नवयुग नगर, एस० वि० रीड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूणे रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित्त बाजार बूल्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से ऐसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) कोर बंतरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया ब्रिटिफल निम्निविच स्थूबके वे स्वत्त सम्बर्ग कि विम्तिक क्ये की स्ति स्वा की बालाविक क्ये की स्ति स्वा की बालाविक क्ये की स्ति तहीं कि का मना है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय का बाबत, जनत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिए को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/वा
- (क) ऐसी किसी अह या किसी भी था अन्य जास्तिनों की, चिन्हों नारतीय बायकर किपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या चन- क्षत्र किपिनियम, या चन- क्षत्र किपिनियम, 1957 (1957 का 27) को हवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा वा किया वाना वाहिए था, किया में सुविधा की विवह:

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण हो, हो, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हो क्षार विकास स्थापित 1. श्री प्रफुल्लचन्द्र अमरीतलःल शहा।

(ग्रन्सरक)

2. श्री अणोक निवृत्ती महाजन

(अन्तिरती)

का यह सूचना कारी करके पृजाँक्त संगीता के अर्थन के निष्ट कार्यसाहियां कारता हो।

प्रमत बन्गरित के अर्चन से बन्नरूप में कोई भी बाओर :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पितियों पर स्थाना की तासील में 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्थाबसयों में से किसी स्थित बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निज्ञिन में किए वा सकोंगे

स्वाच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हुँ, वहीं वर्थ हाँगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

बन संस्थि

फ्लैंट नं० 4, जो अजंठा को-आप० हार्जीसग सोसायटी लि०. नवयुग नगर, एस० वि० रोड़, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फिल्सं० अई-4/37ईई/13371/84-84 झौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गवा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिक।री सहायक आयकर आयुख्यस (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-7-85

प्रस्प आई. टी. एन. एस. ----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (1) के अधीन संस्था

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकार वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4.

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/13226/84-85—अतः मुझे, ए ० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो सर्वे नं० 12, एव० नं० (1 अंग) दिहसर व्हिलेज (प०), ''लोटणकार वाडी'', कालसेकर परव रोड, मगेगरा सावंत रोड दिहसर, बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपन्न के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफाल में, एले ख्यमान प्रतिफाल का पन्ग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात .---

- 1. प्रभाकर गणपत्तरा गायकवाड घोर 3 अन्य । (अन्तरक)
- 2 जें जी व्होरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोंड भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनसंची

जमीन का हिस्सा जो सर्वे नं० 12, एव. नं० 1 (मंग), दिहसर विहलेज, (पिश्चम) "लोटणकर वाडी", कालसेकर परव रोड़ मंगेशरा सावंत रोड दाहसर, बम्बई: 68 में स्थित है।

अनुसूची जैया कि कि सं आई-4/37ईई/13226/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 8-7-1985 पोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13404/84-85---अनः }्रमुझ, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, जो, 1ली मंजिल, राधा कृष्ण अपार्टमेंट, सर्वे नं० 53, एच० नं० व्हिल्ड दहीतर, एस० वि० रोड़ दहीसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्री इस प्रे उपायद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), जीर जिपका आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित प्रक्षम पाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 नवस्वर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :----54—186 GI|85 1. मैशर्स ठाकर कन्स्ट्रनशन ।

(अन्तरक)

- 2 श्री रामचंद्र लक्ष्मण चौकेकर श्रौर अन्य। (अन्तरिती)
- अन्तरितियों।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त य्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्होकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

भन्स्ची

फ्लैंट नं० 106. जो, 1ली मंजिल, राधा कृष्ण अपार्टमेंट, सर्वे नं० 53, एन० नं० 2, एस० बी० रोड, दहीसर. (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु पंठ अई-4/37-ईई/13404/84-. 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्ब**र्ड**

दिमांक : 8-7-1985

प्ररूप आहु .टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, अम्बर्ध

बम्बई, दिशांक 8 जुलाई 1935

लिर्देश सं० अई-4/47-ईई/13481/84-85--अत: मुझे. ए० प्रसाद

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संव जमीन का हिस्सा, जो सर्वे नंव 111, एचव नंव 6(ग्रंश), सी० टी० एम० नं० 2820(ग्रंश), दहीयर, बोरियली तालुक, वहीसर, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अन्-सूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है)/श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 नवम्बर 1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के धरयमान लिए अन्तिरत की सद्दर्भ हुन विश्वास करने का कि यथा पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हु**र्ड**िकसी <mark>शाय की बाबत, उक्त</mark> अधिनियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (ल) एक्स फिटी बाब या किसी धन या अन्य आस्तिको को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या मनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ बन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

फ्रांच अरु, उक्क अधिनियम की धारा १६०-ग के अनुसर्ण में , में , जबत अधिनियम की भारा १६९-घ की उपधारा (1) ीन, नियासिकार स्वित्यों, अश्रीत :---

the section is a second to the second section of the second section is a second section of the section of the second section of the section of the second section of the section o 1. समय मो गायटी (नियोजित) द्वारा श्री राम नरेश, अस्र पाठ६—चेअरमैन ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

2. मैसर्स बिल्ड-वे इंटरप्राईज।

(अन्तरिती)

समर्व ।

(बह व्यक्ति, जिनेके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पल्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमीन क हिम्मा, जो पेर्नेनं० 111, एव० नं० 6 (ग्रंश), सी० टी० एप० त० 2820 (भ्रंग), दही रू, बोरिव री भालुहा, दहीसर, बम्बई- में स्थित है।

अनुमूची जैंशाकी क० मं० अई-त/37-ईई/13481/84-85 श्रोर जो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिवांक 6-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रगाद रक्षम प्राधि हारी सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

प्रकृष बाइ. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13482/84-85—अतः मुझे, ए० प्रमाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-छ से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० जमीन का हिस्सा, जो, सर्वे नं० 111, एव० 5 (ग्रंश), सी० टी० एस० नं० 2820 (ग्रंश) है दहीसर, बोरि-वली तालुका, दहीसर, बम्बई-68 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 भवम्बर 1984

को प्शांक्त संपत्ति के जिस्त काजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिस्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) व्यव्हरच से हुद्द किसी वाय की वाय्त, अवध विवृत्तिवय को अभीन कर दोने को वंतरक को वायित्व मों कबी करने या अत्यो वचने में वृत्तिया को सिए: और/या
- (क) एसी किसी बास वा किसी धम वा अस्व बास्तिको को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती ब्लार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः कवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के जनुसरण में, मेंं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधित :—— 1. श्री सुखु भगवंत यादव।

(अन्तरक)

2. मसर्स बिल्ड-वे ६टरप्राईज।

(अन्तरिती)

की यह स्वान वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम् के लिए कार्यवाहियां करता हुले।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के धजपत्र में प्रकाशन की तारीश . सं
 45 दिन की बनीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की बनीध, जो भी
 वर्षध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सर्वेति।

स्थब्दीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसुची

जमीन का हिस्पा, जो, सब नं० 111, एच० नं० 6(श्रंश), सी० टी० एस० नं० 2820 (श्रंश), दहीसर, बोरिवली तालुका, दहीसर, बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि॰ सं० अई-4/37-ईई/13482/84-85 छौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4**; बम्बर्ध**

दिनांक: 8-7-1985

प्रकृष बाद्गै टॉ. एन . एव . ------

भागफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्थान

भारत तरकाः

कार्यामय, शहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अज्न रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13402/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 139, जो, एस० नं० 2, सी० टी० एस० नं० 2754, दहीसर, (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1 भवम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) जौर जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त के बास्तीवक रूप से कीयत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त विभिनियन के अभीन कार दोने के वंतरक के दायित्व में कनी करने वा उत्तदे वच्ने में तुनिधा के तिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंबरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के जिल्हा;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-म के अनुसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्मलिखित अयिन्तियों, अथित् :---

- 1. श्री बालकृष्ण आर० नावडे ग्रांर 3 अन्य । (अन्तरक)
- 2. श्री अजय एस० धूमल (सिरी कन्स्ट्रमग्रन)। (अन्तरिती)

को वह स्थान भारी करके प्राप्तित सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिश भाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्त स्थिकतयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक थे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्याप किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधांहरताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्वाहित :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके भूषिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उसर अध्याय में दिया व्या है।

अनुसूची

सर्वे नं० 139, जो, एच० नं० 2, सी० टी० एस० नं० 2754, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ई/13402/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनोक : 8-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4. वस्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13182/84-85—अतः, मुझे, ए०प्रसाद,

बायकर मिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, "कचनार" इमारत, बापू बागवे मार्ग, दहिसर(प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है) श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 के, धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजल्ड्री है, तारीख 1 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाबार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे बहु विक्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिनत बाबार बूक्स, उसके द्रायमान प्रतिकल के एसे द्रायमान प्रतिकल के बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और बंदरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृष, निम्नसिखित उद्विषय से उक्त बंतरण निवित्त में बास्सिक कृप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंची किसी बाव या किसी धन या कभ्य जास्तियों को, ज़िल्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 वि 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोधनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया दवा था या किया बावा वाहिए वा, कियाने में स्विधा से लिए;

1. श्री सिनासू कमार लाहिरी ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कमार राधेश्याम दालमिया।

(अन्तरिती)

3. अन्तरको।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जनं के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (व) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष निवित में किए वा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस के जभ्याम 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होना यो उस सभाव में दिया नवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, "कचनार" इमारत, बापू बागवे मार्ग, दिहसर (प०), बम्बई में स्थित है। अनसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-4/37-ईई/13182/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **बम्बई**

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 8-7-1985

मांहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई, 13225, 74-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ज फ्लैट नं 502, जो, 5वों मंजिल, "कचनाए" बापू बागवे मार्ग, दहिसर (५०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विधित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित उक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गद्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तो पाया स्था प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेश्य से उस्त अन्तरण लिखित वे सस्तिमक अप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त लिध-नियम के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उसते वचने में हुविथा के सिए; स्वीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोषनार्व अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

बतः बन, उपन अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय, निम्निसित व्यक्तियां, वर्षात ४—— श्री सितांसू कुमार लाहिरी ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

श्री अर्जुन बालजी कुंधालिया।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों।

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता 👔 ।

उस्त सम्मन्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि . मो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखिए में किए जा सफीयं।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ष होगा तो उस अध्याय में दिया ववा है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 502, जो, 5वीं मंजिल, "कचनार" बापू बागवे मार्ग, दहिसर(प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-4/37-ईई/13225/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयक्त (निरीक्षणः अर्जन रेंज-4, बम्ब**ई**

दिनांक: 8-7-1985

प्रकृप आहें. टी. १२४. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13376/84-85→-अन:, मुझे, ए० प्रसाद

शायकर रूपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्वक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं")., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० धौद्योगिश यूनिट (मिशानरी और अन्य वस्तुओं के साथ सर्वे नं० 15 जो 2री मंजिल अग्रवाल इंडस्ट्रियल इस्टेट दिह्मए (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में बांगत है) और जिसका कराएन।मा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मवम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचिन बाजार मृत्य सं कम के रक्ष्यमान नितफल को लिए अन्तरित की गई है और मूभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृस्य, उसके रक्ष्यमान प्रतिकल से, ऐसे रक्ष्यमान प्रतिकल को पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन भार दाने के अग्तरक के दायिएक में कमी करने ये उमल बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था खिएाने में स्वैक्षा के लिए:

कत. अ.ब., उन्तर अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. इन्तर अधिनियम की भाग 269-घ की उपध्यम (१) के अधीन, निम्निलिखिष व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती इक्बात गुन्दाक मात्त ।

(अन्तरक)

2. श्री जमनादाय खटाव।

(अन्त्रज़िती)

3 अन्तर्क।

(वट व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना राजा नाइके पूर्वावन व्यवस्त व अर्जन की क्या कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की संबंध में की हाँ भी आक्षीप '---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस ने 45 दिन की अवधि था तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाण होनी हो, के शीतर पूर्ण पर 11 में से कियी व्यक्ति द्वारः,
- (ख) इस एक । के राज्यात की प्रकाशन की ताराल के 45 दिन की भीतर उदत स्थापन गंपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्ताक्षरी व पान निर्मादन में किन् अपनाता गंगे।

स्पष्टीकरण: ---- ६० वं । गुनः अन्दां आरं पदां का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरु है।

अनुसूची

श्रीकोगि । यूनिट (मिशनरी श्रीर अन्य वस्तुश्रों के साथ) नं 15 जो अरी मिशिल अग्रश्नल इंडस्ट्रियन उस्टेट दिसिस (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुभूची जैरा ि कर मं० अई-4/37-ईई/13376/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बस्बई द्वारा दिशांक !-11-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रजाद पक्षम प्राधि जरी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रोज-4, बस्बई

दिशांक : 8-7,1985

मोहाः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज-4, बम्बई

बस्यई, दिनांग 8 गुलाई 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13200/84-85—अतः, मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

स्रोर जिसकी सं उ दुकान नं ० 5. जो ममता अपिटमेट्स, शिवाजी रोड, दिहरूर (पूर्व), बार्बर्ड-68 में क्यित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण का से विणित है) स्रोर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मवस्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित को गई है और मभ्ने यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-लियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- ह) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं-, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैनर्स एम० वे विल्डर्स ।

(अन्तरक)

श्री राम वाणूमल मदनानी।

(अन्तरिती)

अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किस अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित र से किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक गया है।

अनुस ची

दुकाम नं० 5, जो ममता अपार्टमेंट, शिवाजी रोड, दिहमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/13200/84-85 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोंहर :

प्ररूप बाइ. टी, एन. एस.-----

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 266-प (1) के अधीत मुख्या

न्त्री न्यकार

धर्जन रेंज-4, बम्बर्द बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निदेश सं० धर्ई-4/37-ईई/13437/84-85—-ध्रतः मुझे,

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/13437/84-85——श्रतः मुझै, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका निवत आजार मृत्य 1,00,000/- रा.ं से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान न० 4, जो गोपाल इसारत नंदनवन काम्लीस, प्लॉट बेश्नरींग सी० टी० एस० नं० : 684बी (श्रंण) श्रीर 1665बी (श्रंण), एस० वी- रोट बिह्मर (पूर्व) बम्बई-68, में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्दी है, तारीख 1 नवम्बर 1984,

की पर्योक्त अम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापर्योक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल मे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति- इन, निम्नलिखित उद्योक्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-

- (क) जनगरण में हुई जिस्सी अस्य की उध्यत अक्स अधिनियम को अधीन कर दोने के शास्त्रक, को दासिस्य में कमी करने या उसमें दचने मां भूतिया। के लिए, जीर/या
- (क) एंसी किसी बार या किसी पन या जन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जिस्सारियम, 1957 (1957 का 27) के भारतीय जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

ो । मैसर्स प्रार० के० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2 श्री वसुनर्जा शीवजी धारोड।

(भ्रन्तरिती)

मैसर्ग ग्रार्के बिल्डर्स ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्मितित के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --- 🤾

- (क) इस म्बना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की जन्मि, जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (कां) इस स्थान के राजप्त में प्रकाशन की तारी सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लान में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्म औ

दुकान न० 4, जो, गोपाल इमारत, नंदनवन काम्प्लैक्स, प्लॉट वेग्नरींग सी० टी० एस० नं० 1664 बी (ग्रंग) श्रीर 1665 बी (ग्रंग), एस० वी० रोड दिह्सर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-4/37-ईई/13437/84- 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनोक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी रसहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 8-7-1985 **मोहर**ः

शक्य बार्ड, टी. एन. एस.------

भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-मं (1) के अभीन स्वमा

नारत नरकार

कार्याजय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षाण)

ग्रर्जैन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 8 जलाई 1985 निर्देश स० ग्रई-4/37-ईई/13511/84-85—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित्त बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ठीर जिसकी सं० दुकान नं० बी-8, जो, शिवणवती काम्प्लेक्स, एस० वी० रोड, दिहसर (पूर्व), अम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजिस्ट्री है, तारीख 1 नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यवान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धिय वे उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अंतरक के शिक्त्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा चे तिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे भूधीन, गिम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात ■—

- 1. श्री एम० जे० बिल्डर्स (प्रायवेट) लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुधीर बी० ढेबर।

(भ्रन्तरिती)

4. मैंसर्स रीटा इस्टेट (प्राइवेट) लिमिटेड।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि व सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिंकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुकना न० बी/८, जो, शिवशक्ती काम्प्लैक्स, एस० वी० रोड, दहिसर (पूर्व) , बम्बई 68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-4/37 ई/13511/84-85श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोद्गर :

1. मैसर्स कार्वील कार्पीरेशन। प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

2. श्री एस० एम० सोलंकी।

(भ्रन्तरक)

(श्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई वम्बई, विनांक 8 ज्लाई, 1985

निर्वेश सं० श्रई-4/37-ईई/13324/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो, तल माला, साबरमती श्रापर्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 19, 20 और 95, श्रशोक नगर, विलेज वाधवान, कांदिवली (पूर्व), वर्म्इब-4000101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रन्मूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्दी है, तारीख 1-11 नवम्बर 1984.

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरुयमान प्रतिफल ते, एते रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्दर्भ से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित** नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम अर्जे अधीन कर दोने के अन्तरक की बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, (1922 का 11) या जक्त अधिनयम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाजनार्थ जन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

को बहु सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 4.5 दिन की अवस्थि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर स्चना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकती।

ल्पच्छीकरणः—-इसमें प्रयुक्त लब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

अनुसूची

दुकान नं ० ८, जो, तल माला, साबरमती ग्रपाटमेंट, सी ० टी ०-एस० नं० 19, 20 और 95 प्रशोक नगर, विलेज वाधवन, कांषिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कल संल श्रई-4/37 ईई/13324/84-8**5** ग्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11ब1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-4, बम्बई

इन्ह: इन्द्र:, उपक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण ों, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्शत् :---

दिनांक : 8-7-1985

मोहर

प्रकृष नाहरै ही । एन । एस । ------

नाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

गारक सारकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रर्ड-4/37-ईई/13414/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ला की संव युनिट नंव 1, जो तल माला, सी-विंग, ज श्रापर्टमेंटस, सीव एसव नंव 1278 (श्रंस), एसव नंव 30, एसव नंव 3 (श्रंस), श्रांफ जंक्यन शिवाजी रोड और एनव सीव रोड (डिव्हेंशन), कांदिवली, बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा ब्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए जंतरित की नई है और मुक्ते यह निध्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्छ प्रतिक्रत से विधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिक्ती (बंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उस्त अंतरण निधित में प्रतिक्त है से अस्त अंतरण निधित में प्रतिक्त है से अस्त अंतरण निधित में प्रतिक्त है से अस्त अंतरण निधित में

- (क) नंतरक से हुई किसी भाग की बावत, उक्त बीध-नियम के अवील कर वाने के बंतरक की दायित्व में कमी करने वा उसते अपने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (च) इसी किसी बाब या किसी धन वा अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उकत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा बकट नहीं किया नवा था या किया थाना प्राहिए था, छिनान में बुन्यिश के सिंद;

बतः जब, उक्त मधिनियम की भारा 269-ण के अमृतरण मो, को, उक्त अधिनियम की गारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निक्निणिशित व्यक्तिमों, प्रभात् :--- 1. मैसर्भ जय कन्स्ट्रवशन्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती अर्चना तुकाराम परव।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के बिए कार्यगाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अमीधि में। तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अमिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए था सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरै अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्ग्यी

यूनिट नं 1, जो, तल माला, सी०-विग, जय ध्रपार्टमेंटस, सी० एस० नं 1278 (ग्रंश), एस० नं 30, एच० नं 3 (भ्रंश), जंक्शन श्राफ शिवाजी रोड और एम० सी० रोड (डिट्हेंशन) कांदिवली, बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-4/37-ईई/13414/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-11- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13296/83-84—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 23 जो वाला सिनाँर की-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी, एस० वी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई 67, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावछ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका कारानामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य में कम के दश्यमान तिफल के लिए धस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उल्ल बाजार मूह्य उसके दृश्यनान प्रतिकृत के, एउ दृश्यनान प्रतिकृत का पन्त्र है प्रतिशत से प्रविक्त के लिए अस्तरित की एउ दृश्यनान प्रतिकृत का पन्त्र है प्रतिशत से प्रविक्त के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्हलिखत उद्देश्य में उसल धन्तरण सिखित में बास्तरिक का सिखत से श्रीर सिक्त का सिखत

- (क) अन्तरण सं हुर्द्ध किसी अप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एकी किभी जाय का किसी कर या जरव वाजिएकों को जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अप-कर विधिनियम, या अप-कर विधिनियम, या अप-कर विधिनियम । 1957 (1957 को 27) के प्रशासकार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मी सुविभा के लिए)

अतः अंत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण अं्र में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) को अधिरा निम्निसिवित अयिकतयों अधारि अ— 1. श्री हरेंब्र एस० गांधी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० एम० चंदाराना **धौर** श्री रमनलाल के० चंदाराना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्यस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में को इंभी बाक्षेप है—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की कविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—--इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदौं का, जो उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लॉट नं० 22, जो, बालासिनॉर को-भ्राप०, हाउसिंग सोसाइटी, एस० वी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 से स्थित है।

म्रनसूची जैसाकी ऋ० सं० म्रई-4/37-ईई/13296/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11 1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, वस्बई

दिनांक : 8-7-1985

मोहर :

प्रकप आहाँ ही एव एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चाना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्नाई०-4/37 ईई/13480/83-84—श्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं जिपना का हिस्सा, जो महास्मा गांधी रोड, जमीन बेग्नरिंग सर्वे नं 153, एच० नं 1, एस० नं 9; एच० नं विश्व और 5, कांदिवली (प०), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), जिसका करारनामा भायकर अधिनयम, 1961 धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारिख 1-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्के यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूजाकत संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उस्त अंतरण निम्नलिखित में अस्तिक रूप से किथात नहीं किया नवा है:—

- (क) बंतरण सं कृषं किसी बाय की बावल, अबल अधिनियम के अधीय कार दाने के अन्तरक क दाधित्व को कामी कारते या उससे बचले में सृधिधा के लिए और पा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं स्थिमा के बिए;

बतः अब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जो, है, इफ्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री किशन चन्द खन्ना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बलवंत पितांबरदास दोशी

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शक्षेप --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, को भी अविधि एवं में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकान।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त जीवनियम, के मन्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्ष होगा में एम प्रथाय में दिया गया है।

त्र**म्**ची

जमीन का हिस्सा, जो महात्मा गांधी रोड जमीन बेग्नरिंग सर्वे नं ० 153, एवं ० नं ० 1, एस० नं ० 9, एवं ० नं ० बी० ग्रीर 5, कांधिवली (पं०), बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैना कि कम सं० श्रष्ट० 4/37 ईई/13480/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

रिन्म : 8**-7-**1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्नर्जन रेज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई०-4/37 ईई०जी०/73/84-85—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव प्रॉपर्टी मौजे एक्सार में, जो, सर्वे नव 63 ग्रीर 64, सीव एसव नंव सवाटा नव 2. ग्रील्ड सर्वे नंव 57 (ग्रंग) ग्रार वर्ड नंव 45 (91) ग्रीर 439 (2), बोरिवली, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5-11-1984

को प्राेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सम्पत्ति का जानित बाजार बुन्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से. एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाग की बाबन, उक्त बिधिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., स्त्रिपाने के याक्षमा के किया;

1. श्री ज्यमंद विरम्बंद शहा।

(इ. तर ह)

 बैठ ऑफ़ इण्डियाँ एम्प्ला इज सुखदा को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड

(अंतरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्य सम्पत्ति के वर्षन् के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के बंधन के सबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिंच से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये वा सकेंगे।

अन्स्ची

भ्रानुसुची जैसा कि धिलेख एस० 2254/83 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई ब्रारा दिनांक 15-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की श्राप्त 260-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित् ६——

नारीख: 8-7-19**8**5

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 ज्लाई 1985

निर्वेश सं० ग्राई०-4/37-जी०/74/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी स० जमीन का हिस्सा, बेग्नरींग सर्वे नं० 22, सिट मर्वे नं० 1354, हिसर व्हिलेज, बोरियली त.लुका, बम्बई; है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिज़स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रधीन तारीख 12-11-1984

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) जन्तरण से हुई किसीं आयं की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19?? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

स्रात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री रामचंद्र बुधाजी पाटील,
 - (2) गोपीनभ्य प्राम चन्द्र पाटील,
 - (3) हरीश राम चन्द्र पाटील,
 - (4) रिवन्द्र रामचन्द्र पाटील, श्रौर श्वाम प्रत्म्ट्रकान कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री० हिमांशू एच० पूसाई ।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारर
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसुची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 184/83 ग्रीर जो उपरजरस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-1, बम्बई ।

तारीख 8-7-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचगा

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आग्रुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बाई

बम्बई, दिनां । 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अर्द० 4/37-ती ०/76/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उकत अधिनियम'कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ब्रौर जिनकी संव जमीन का प्लांट, जो, क्हिलेश दहिए, बेब्रिंस सर्वे नंव 183,एचव नंव 4, सीव टीव एसव संव 1837, ब्रौर 1838, वम्बई हैं तथा जो बम्बई में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध ब्रमुसूची में ब्रॉर पूर्ण रूप से यणित है), रिक्टिंग्ली ब्रिधिकरी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण ब्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ब्रिधीन नारीख 9-11-1984

को पृष्टीकत संपरित के उन्तित बादार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जार मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उन्ति बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- 'क) अन्तरण हो हुई किसी आय को बानरा, उक्त अधिनियम है जधीन कर दोगे के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उसमें अभने में सुविधा के सिक्; वोतर्थय
- (क) ऐसी बिस्सी आय या किसी धन वा अन्य आहिस्सयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त ऑक्शिनयम या धन-कर विधिन्नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ बन्तिश्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाला धारिए का, कियाने में सुविधा के लिए;

1. श्री गोरखनाथ सिंह, सी० सिंह ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मादिक भ्रली वारीसम्रली ग्रांर मरीयम्बाई श्रब्दुल्ला

की यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष करमस्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बविध या तररंं तो स्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंदे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्पी

अनुसूचो जैक्षा कि विलेख सं० एस० 2666/80 झौर जो उपरिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांत 9-11-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, वस्बई ।

अतः अव, उमा अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं उबत रिधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्षेत्रित, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 6.—186 GI]85

तारीखा : 8-7-1985।

मोहर :

-----UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 26th June 1985

No. A,32011|1|85-Admn.I.—In pursuance of the Department of Personnel and Training O.M. No. 5|8|84-CS.II, dated the 5th January, 1985, Shri H. O. Madan, who has been working as Senior Personal Assistant (Grade 'B' of CSSS) from time to time on ad-hoc basis in the CSSS cadre of Union Public Services Commission has been included in the Union Public Service Commission, has been included in the Select List of Senior Personal Assistant (Grade 'B' of CSSS) in the CSSS cadre of the Union Public Service Commission with effect from the 14th May, 1985.

> M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS & PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 17th July 1985

No. A-19021/7/82-AD.V.—The President is pleased appoint Shri K K, Mandal, IPS (WB: 1968) to officiale Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation Special Police Establishment with effect from the forenoon of 18th June, 1985 and until further orders.

No. A-19014|2|84-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri U. S. Mishra, IPS (Orissa-1968) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation Special Police Fstablishment with effect from the forenoon of 11t June, 1985 and until further orders.

> K. CHAKRAVARTHI Dy. Director (Admn.)

New Delhi-110003, the 15th July 1985

No. A-19015|27|84-AD.V.-S|Shri Jangilal and Singh, Dv. Sundts, of Police, Central Bureau of Investigation, SICINew Delhi relinquished charge of the Office of Deputy Sundts, of Police, CBI with effect from the afternoon of 30th June, 1985 on superannuation,

The 16th July 1985

No. K-8 70-AD V.—The services of Sri K. Jaganmohan Rao, Sr. Public Prosecutor CBI are placed at the disposal of Government of Andhra Pradesh with effect from 12-6-85 Legal Adviser-cum-Special (forenoon) for appointment as Public Prosecutor in Anti-Corruntion Bureau of Hyderabad on deputation for a period of 3 years.

No. V|5|73|AD.V.-D'rector, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri V. Kamaraju, a retired Deputy Superintendent of Police of Andhra Pradesh, on re-employment as Denuty Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Hyderabad Branch in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st July, 1985 for one year.

No. 3/27/85-AD.V.—The President in pleased to appoint Shri R. Srikumar, IPS (KNT-1973) as Superintendent of Police on denutation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the foreroon of 20th June, 1985 and until further orders.

The 17th July 1985

No. A-31016/15/81-AD. I (DPC)—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, control & Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, SPE,

appoints the following officers substantively to the post of Public Prosecutors (Group B-Gazetted) in CBI w.e.f. 4-8-80 :-

SI, 1x. me o No.	f the offic	ers		Present place of posting	Rank in which already permt. in CBI
1	2			3	4
S/Shri					
1. Viswanat	h Ojha			GOW/Delhi	
2. S.K. Bha	radwaj			Chandigarh	Λ pp.
3. G.P. Sr'v	asta▼ .			Lucknow	
4. Jaidev P.	rasad .			GOW, Delhi	
5. Gopal Sa	ran .			EOW, Bombay	
6. Viswanat	h.			Lucknow	
7. V.S. Prast	ıd.			EOW, Delhi	App_{ullet}
8. B.K. Sinh	a .			CIU. II	App_{\bullet}
9. P. Prasad				Patna	App.
10. S.K. Gup	ta,			Chandigarh	App.
11. N.C. Pane	da .		+ .	Bhubaneswar	App.

R. S. NAGPAI Administrative (E) Officer /CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 16th July 1985

No. O.II-1814)83-Estt.—The services of Shri P. S. Daber DY SP, 72Bn CRPF are placed at the disposal of North Eastern Police Academy, on deputation basis, with effect from 1-6-85.

> ASHOK RAJ MAHEEPATH Assistant Director (Estt.)

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION DEPARTMENT OF LABOUR LABOUR BUREAU

Shimla-171004, the 2nd August 1985

No. 23/3/85-CPI.—The All-India Consumer Price Inde Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increase by Six points to reach 606 (Six hundred six) for the mont of June, 1985. Converted to Base 1949=100 the index for the month of June, 1985 works out to 737 (Seven hundre thirty seven).

> J. N. SHARM Directo Labour Bures

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 16th July 1985

F. No. BNP|C|5|85.—In continuation of this Offic Notification No. BNP|C|5|84, dated 4-1-85 Shri M. N. Shre ranganathan Section Officer (Admn.) is appointed to officia on regular basis as Administrative Officer in the scale of p. Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas w.e.f. 23-12-84 (17.N.) until furth orders.

> M. V. CHA General Mana

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

CENTRAL REVENUE TO

New Delhi, the 15th July 1985

No. Admn. & Estt O.O. No. 7.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri R. P. Gupta, an Audit Officer of this office will be retiring from the Government Service with effect from the afternoon of 31-7-1985. His date of birth is 14-7-1927.

> (Sd.) ILLEGIBLE Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUE-I New Delhi, the 17th July 1985

No. Admn.I/0.0. No. 189.-The Director of Audit, Central Revenues, is pleased to appoint Shri Bhoo Prakash Gupta, Section Officer as Assistant Audit Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the forenoon of 5th of July, 1985 until further order.

(Sd.) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I, BLHAR

Patna, the 1985

No. Admn. I(Au)-I-I-20-5-112,—The Accountant General (Audit) I Bihar, Patna has been pleased to promote the following Section Officers as detailed in the list enclosed to officiate until further orders as Assistant Audit Officers (Gr. B) gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 31-3-84 or the date of joining whichever is later.

> Sd- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Audit), Bihar, Patna

List of persons promoted as Assistant Audit Officers St. No. & Name

SShri

- 1. Ranvijay Prasad Sinha No.-I.
- Mundrika Prasad. Monani Mohan Prasad.
- Ma. Masoom Alam.
- Indra Nata Das.
- Nawalendra Prasad Singh.
- Sidh Nath Upadhyay. Rishi Deo Singh.

- 9. Bhup Narayan Roy. 10. Dina Nath Singh. 11. Shyam Sundar Prasad.
- 12. Mithilesh Kumar Singh.
- 13. Raj Kumar Singh.
- 14. Tarun Kumar Ghosh. 15. Surendra Kumar Jha.
- 16. Umesh Procad Singh. 17. Yadu Nath Singh.
- 18. Raghunath Prasad.
- 19.Uday Chandra Jha.
- 20. Madan Mohan Verma.
- 21. Abdul Matin Ansari. 22. Sudhir Kumar Sinha.

- 22. Studin Rinnal Sinna.23. Narsingh Mishra.24. Baidyanath Prasad Singh.
- Awadesh Sharma.
- 26. Satya Deo Rai.27. Raja Ram Keshari.
- 28. Md. Daud Shaukat. 29. Deo Nath Bhagat.
- 30. Md. Samiullah, 31. Md. Hashim Ansari,
- 32. Mokhtar Singh.
- 33. Brij Bhushan Behari Dubey.
- Md. Sulaiman.

(Sd.) ILLEGIBLE Audit Officer (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I,

MADHYA PRADESH

Gwalior, the 18th July 1985

No. Admn. XI/Gr. I/Promotion/AO/136/282—The Accountant General (Audit): I, Madhya Pradesh, Gwalior has pleased to promote the following Asstt. Audit Officers as Audit Officers in the officiating capacity in the ascle of Rg. 40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the dates of their taking over as noted against them.

Sl ·	No. Name	 	 					Permanent No.	Date of taking over	Allocated to	
1	2	 	 					3	4	5	
1,	S/Shri T.B. Mathur				•	•	,	01337	31-5-1985 (F.N.)	A.G. (Audit) II M.P. Bhopal.	
2.	B.P. Shrivastava		,					322	5-6-1985	A.G. (Audit) II M.P. Bhopal	
3.	K.G. Dighe			-		,	•	329	(F.N.) 12-7-1985 (F.N.)	A.G. (Audit): II M.P. Gwalior Gwalior	Branch,

[Authority: A.G. (Audit): I Orders dated 28-5-85 & 5-7-85]

M. DEENA CAYALAN Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I

MAHARASHTRA

Bombay-20, the 17th July 1985

No. Admn. I/Audit/Genl./AAO/2(1)/4-The Accountant General (Audit) J, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers to officiate as Assistant Audit

Officers (Group-B-Gazetted) with effect from the dates mentioned against their names, until further orders :-

Sl., No. Name				Date of apptt. as A.A.O.	Office to which posted
1 2				3	4
S/Shri					
1. K.N. Chaturvedi	٠	٠	•	24-6-85 F.N.	A.G.(Audit I. Bombay

1 2					
<u> </u>				3	4
S/Shri					
2. P.G. Patil .				24-6-85	A.G. (Audies
2 0 **				(F.N.)	A.G. (Audit) I, Bomb ay
3. S.K. Mahajan				24-6-85	Do.
4 37 D = 1				(F.N.)	<i>D</i> 0.
4. V.R. Trivedi .				29-6-85	Do.
5 V M Ct				(F.N.)	10.
5. K.N. Chandran				24-6-85	Dø.
6 T Cl				(F.N.)	
6. T. Chandrasekhar	an			24-6-85	Do.
7 TV 10				(F.N.)	
7. T.K. Jayarajan	•	•	•	10-7-85	Do.
8. K.D. Singh .				(F.N.)	
o. K.D. Siligh .	•	•	•	24-6-85	Do.
9. M.B. Lokhande				(F.N.)	
. M.D. Lokhande	•	٠	•	29-6-85	Do.
lo. A.B. Kalgutkar				(F.N.)	•
.o. 11.15. Kaigutkar	•	•	•	24-6-85	Do.
11. W.M. Buradkar				(F.N.)	
W.M. Duraukar	•	•	•	24-6-85	Do.
2. Smt. R. Ramachai				(F.N.)	
Z. Smr. R. Kamachar	idran	•	•	24-6-85	Do.
3. Kum. J. Hayagriva				(F.N.)	
Jim J. II ayagnva	rit	•	•	1-7-85	Do.
				(F.N.)	

P.K. RAMACHANDRAN Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL AUDIT-I, UTTAR PRADESH

Allahabad, the 12th July 1985

Audit Officers have been appointed in substantive capacity in Audit Officers Cadre in the Office of the Accountant General (Audit) U. P., Allahabad w.e.f. 1st June 1985:—

- 1. Sri Shiv Charan Lal Singhal.
- 2. Sri Umesh Chandra.

No. A-G(Au)I|Admn.|13-7|819.—Following substantive Audit Officers have retired from Government Service on attaining the age of superannuation w.e.f. 30th June 1985 (AN):—

S/Shri

- 1. Baldeo Raj Chaddha from the office of the Accountant General (Audit) I U.P., Allahabad.
- 2. G. P. Mehrotra from the office of the Accountant General (Audit) I U.P., Allahabad.
- 3. J. L. Choudhury from the office of the Accountant General (Audit) II U.P., Allahabad.

B. K. CHATTOPADHYAY Sr. Dy, Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 16th July 1985

No. 1673 A.Admn 130 82-85,—Shri P. K. Kar, Substantive Audit Officer, of the office of the Joint Director of Audit (Ordnance Factories) Calcutta, passed away on 28-6-1985.

The 17th July 1985

No. 1687 A.Admn 130 82-85.—On attaining the age of superannuation, SiShri R. Sundaram and T. R. Sivaraman, Substantive Audit Officers. retired from service, with effect from 30th June, 1985 (A.N.).

B. S. TYLE
Joint Director of Audit,
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 21st June 1985

No. AN/I/1424/4/Vol. I—The President is pleased to appoint the undermentioned Accounts Officers (who are on deputation) to the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Time Scale (Rs. 700-1300) of that Service, with effect from the dates shown against their names, until further orders, under the 'Next Below Rule':

SI. No. Name of the Officer								Date from which appointed	
1 2			,	`				3	4
S/Shri 1. Des Raj Bir		•	•	•		•		28-01-85	Senior Accounts Officer, Kendriya Sainik Board, Ministry of Defence, New Delhi.
2. Om Prakash Sharma .	•	•	•	٠		` '		28-01-85	Administrative-cum-Accounts Officer, Electronics gional Test Laboratory (North) Department of Electronics, New Delhi.
3. Mohd Mumtaz Ahmed	•	٠	•	•	•	٠	`	28-01-85	Accounts Officer, Indian Road Construction Corporation Limited, New Delhi.
4. N.K. Srinivasan .	•	•	•	•	•	•	•	25-03-85	C.G.O. (Accounts) Defence Services Staff College, Wellington, (Ministry of Defence)
5. Nand Kishore Malhotra	•	•	•	•	•	•		28-03-85	Accounts Officer Solatium Fund Authority, of Shipping and Transport, New Delhi.

The 19th July 1985

No. AN-1/11/11/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint Shri B. V. Adavi, an officer of the Indian Defence Accounts Service, on deputation as Integrated Financial Adviser (in the rank of Joint Secretary), Department of Revenue in the Ministry of Finance, New Delhi, to officiate in Level-1 of the Senior Administrative Grade (Scale Rs. 2500-125/2-2750) of the Service, with effect from 17th June, 1985 under the 'Next Below Rule', unt.1 further orders.

No. AN-J[1171]1|Vol.I.—The President is pleased to appeint Shri B. G. Joshi, an officer of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-1 of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500—125]2—2750) of that Service with effect from the forenoon of 17th June 1985 until further orders,

No. AN-I/1424/4/I.—The President is pleased to appoint the undermentioned Accounts Officer (who is on deputation) to the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Time Scale (Rs. 700-1300) of that Service, with effect from the date shown against his name, until further orders, under the 'Next Below Rule';—

Sl. No., Name of the Officer, Date from which appointed and Remarks

 Shri K. Gancsan—28-3-1985—Senior Accounts Officer, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, New Delhi.

A. K. GHOSH

Additional Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 001, the 2nd July 1985

No. 08/85/A/M—The President is pleased to appoint ment the following Asstt. Medical Officer as Senior Medical Officer in Ordnance Factories Health Service with effect from the dat mentioned against each until further orders:—

Name	Posted at	Date
2	3	4
r. R.M. Agarwal SMO .	Gun Car- riage Fy. Jabalpur	09-05-84 (F.N.
	2	2 3 Or. R.M. Agarwal SMO Gun Carriage Fy.

The 11th July 1985

No. 09-85|A|M.—On attaining the age of superannuation i.e. 58 years, the following Principle Medical Officer retired with effect from the date shown against each:—

Sl. No.		Factory	Date
1	2	3	4
1.	Dr. P.G. Sarkar, P.M.O.	. Ammunition Factory Kirkee	28-2-8 (A. N

C. M. MATHUR Addl. DGOF/Memb er(Personnel

Calcutta-1, the 3rd July 1985

No. 25|G|85.—Shri T. V. Ramakrishnan, Offg. Director (Permt Manager|Sr. DADGOI—redesignated as Jt. Director|DGM|retired) voluntarily from service with effect from 22nd October 1984|AN.

No. 26|G|85.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri K. N. Subba Rao, C.E. (Plg.), Ordnance Factory Board retired from service w.e.f. 31st May, 1985|AN.

V. K. MEHTA DDGOF|ESTT.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A6)

New Delhi-110 001, the 15th July 1985

No. A.17011[296]85]A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri T. T. Sudhakaran, Fxaminer of Stores (Textiles) in the Office of Director of Inspection, Bombay to officiate as Assistant Inspective Officer (Textiles) on t.d hoc basis from the forenoon of 28th June, 1985 until further orders.

S. L. KAPOOR

Dy. Director (Admn.)

for Director General, Supplies and Disposals

ISPAT, KHAN AUR KOILA MANTRALAYA KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 16th July 1985

No. 33801|A-19012(PG)|84-19A,—Shri Prabhakar Ghosh, Senior Technical Assistant (DO), Geological Survey of India, has been appointed as Artist on promotion by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15-5-1985 until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
for Director General

Calcutta-700 016, the 12th July 1985

No. 7167B|A-19012|(1-BMG)|83|19A,—Shri Brij Mohan Gairola is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on initial pay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11-9-1984, until further orders.

The 17th July 1985

No. 7903B|A-19012|(SKB)|84|19A.—Shri S. K. Banerjee is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Stores Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6-5-19854 until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the July 1985

No. A-19012(211) 85-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri B. B. Tiwari, Mineral Officer (Intelligence) on ad hoc basis, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Mineral Officer (Intelligence) on regular basis in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st July 1985.

P. P. WADHI Administrative Officer, for Controller General Indian Burcau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehradun, the 5th July 1985.

No. C-6215/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of In dia in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each on regular basis:—

No.	Name & Design	nation											Unit/Offic	ce			Vith effect rom
1	2													3			4
1.	S/Shri Bhagwan Das M Draftsman Div. Ram Gopal								,				Delhi.	ACCM) Pa	rty (Survey Air), Ne Jabalpur	ew.	26-2-85 25-2-8
3.	Surveyor M.S. Parihar						•						No. 48 (F	P) Party (C	C), Jabalpur		5-3-85
4.	Surveyor Dina Nath Man	chanda		•	į				į				No. 1 Par	rty (NC), I	Dehra Dun.		26-2-85
5.	Surveyor M.G. Ramachar	idran N	air .									. 1	No. 41 Pa	arty (SC), F	Palghat		11-2-85
6.	Surveyor Harbhushan Lal	Nagpal	١.		,							. 1	No. 20 (F	P) Party (N	C), Dehra Dun.		23-2-8
7.	Surveyor R.L. Bagga											.]	No. 15 D	O. (M.P. 1	Dte.) Dehra Dun.		26-2-8
8.	Surveyor Puran Nath											.]	No. 1 D.0	O. (M.P, D	te.), Dehra Dun.		26-2-8
9.	Surveyor Satish Chandra S	Sarin		-				•				. 1	Boundary	Cell (SGC), New Delhi		16-2-8
10.	Surveyor A.K. Sen Gupta												No. 12 P	Party (NEC), Shillong.		26-2-8
11.	Surveyor D. B. Tekchanda	ıni .											No. 83 P	arty (WC),	, Jaipur		27-2-8
12.	Surveyor T.K. Barman (So	C) .											No. 14	D.O. (EC)	, Calcutta		11-2-85
13.	Surveyor Rati Oam Singh	(SC) .										. 1	No. 48 (P) Party (C	C), Jabalpur.		11-3-8
14.	Surveyor Rajendra Singh ((SC) .						•				. 1	No. 47 Pa	arty (STI),	Hyderabad.		26-2-8
	Surveyor Prem Kishore Sa	ırmal (S	C) .								,	. 1	No. 3 Par	ty (NWC),	Ambala.		25-2-8
16.	Surveyor Surjan Soreng (S Surveyor Assist		•	,				•	•			. 1	No. 30 (P	P) Party (E0	C), Calcutta.		11-2-8
orov	Surjan Soreng (S Surveyor Assist	tant. 707—Ti	ne un	dermo	entio o o	oned officia	ite 	No.: of Nopointe	and other	on r	egul n der	pointe lar l	ed to offi basis with	iciate as (Officer Surveyor, om the date a; sta	ited ag	on ad-hoc
orov	Surjan Soreng (S Surveyor Assist No. C-6216/ visional basts, are No. Name	tant. 707—Ti	ne un	derma ted to	entio O o	oned officia	ite 	as s No.: of N points	and other	on r date cation un rovisi	egul n der	pointe lar l	ed to offi basis with	iciate as (n effect fr Unit/Off	Officer Surveyor, om the date a; sta	ited ag	Date of
6. s	Surjan Soreng (S Surveyor Assist No. C-6216/ visional basts, are No. Name	tant. 707—Ti	ne un ppoin	derme	entio O o	oned officia	ap	No.: of N pointe ad-h basis	and otificed or processing the proce	on r date cation un rovisi	n der iona	pointe lar which	ed to offi basis with	iciate as (n effect fr Unit/Off which po	Officer Surveyor, om the date a; sta lice to osted	ited ag	on ad-hoc ainst each :- Date of promotion
16. 11. 11.	Surjan Soreng (S Surveyor Assist No. C-6216/ visional basts, are No. Name	707—Ti now a	ne un ppoin	dermoted to	entio	nned fficia	ap	No.: of N points ad-h basis Notif da Notif	and otification of processing the state of t	on r date cation un rovisi on N 5-7-78	n der iona 3	pointellar which	ed to offi basis with	iciate as (n effect fr Unit/Off which po	Officer Surveyor, om the date a: sta	raDun	on ad-hoc ainst each :- Date of promotion 5
16. 1 51. 1 1. 1	Surjan Soreng (S Surveyor Assist No. C-6216/ visional basts, are No. Name	707—Ti	ne un ppoin	derme	entioo	nned fficia	ap	No. of N points ad-h basis Notif da Notif da Notif	icatification	on r date cation un rovisi on N 5-7-78 on N 12-7-8	n der iona 3 Io. C	pointe lar which	ed to offication of the control of t	No. 19 P Western	Officer Surveyor, om the date a; statice to osted 4 Party (G&RB), Dehr Circle Office, Jaipu	raDun	on ad-hoc ainst each :- Date of promotion 5 6-2-8
16. 1 1. 1 2. 3.	Surjan Soreng (S Surveyor Assist No. C-6216/ visional basts, are No. Name	707—Tinow a	ne un	derme ted to	entio	oned fficial	ap	No.: of N pointe ad-h basis Notif da Notif da Notif dated Notif	uch and otification oc process of the second of the second of the second occupance occ	on rovision No. 12-7-8 on N. 12-7-8 on N. 12-7-8 on N. 12-7-8 on N. 12-7-8	n der iona 3 Io. C 8 Io. C 8 Io. C	which controls to the control of the	ed to offi basis with 7/707 5/707	No. 19 P Western No. 69 (C Dehra	Officer Surveyor, om the date a; statice to osted 4 Party (G&RB), Dehr Circle Office, Jaipu	raDun	on ad-hoc ainst each :- Date of promotion 5 6-2-8 18-2-8 29-1-8
10. 11. 11. 12. 13. 14. 15. 14. 15. 16. 16. 16. 16. 16. 16. 16. 16. 16. 16	Surjan Soreng (S Surveyor Assist No. C-6216/ visional basts, are No. Name 1 2 S/Shir Santokh Singh K.S. Srivastava Manohar Lal	707—Tinow a	e un pppoin	derme	entio	oned fficial	ap	No. 1 No. 1 No. 1 No. 1 No. 1 Notifi da Notifi datec Notifi da Notifi No	uch otification and otification according to the second se	on r date cation on N on N 5-7-78 on N 12-7-8 on N 6-7-78 on N on N	n der iona 3 Io. C 8 Io. C	which controls to the control of the	ed to offi basis with 7/707 5/707	No. 19 P Western No. 14 Pa	Officer Surveyor, om the date a; statice to osted 4 Party (G&RB), Dehr Circle Office, Jaipe Comp.) Party (G&R	raDun ur B),	on ad-hoc ainst each :- Date of promotion 5 6-2-8 18-2-3 29-1-8
116. 116. 11. 11. 11. 11. 11. 11. 11. 11	Surjan Soreng (S Surveyor Assist No. C-6216/ visional basts, are No. Name 1 2 S/Shir Santokh Singh K.S. Srivastava Manohar Lal Satya Prakash G	707—Tinow a	e un ppoin	derme ted to	entio	nned fficia	ap	as s No.: of N pointe ad-h basis Notif da Notif dated Notif dated Notif dated Notif	uch and otification oc processing the state of the state	on r date date cation on N 12-7-78 on N 1-78 on N	n der iona 3 Io. C 8 Io. C 8 Io. C 8 Io. C 7 Io. C 8 Io. C	pointed which is a constant of the constant of	ed to offication with 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1.	No. 19 P Western No. 14 Pa No. 16 Pa No. 69	Officer Surveyor, om the date a; statice to osted 4 Party (G&RB), Dehr Circle Office, Jaipu Comp.) Party (G&R Dun arty (G&RB), Dher arty (GT), Hyderab (Cop.) Party (G'&R (GOp.) Party (G'&R (G)))	raDun ur B), a Dun ad.	on ad-hoc ainst each:— Date of promotion
11. 1. 1. 2 3. 4 5. 6.	Surjan Soreng (S Surveyor Assist No. C-6216/ visional basts, are No. Name 1 2 S/Shir Santokh Singh K.S. Srivastava Manohar Lal Satya Prakash G M.S. Nagarajan	707—Ti now a	ne un	derme ted to	entio	oned official	ap	as s No of N pointe ad-h basis Notif da Notif date Notif date Notif date Notif A Notif	uch and cottine do of the cottine do or process of the cottine do or proce	on r date cation un rovisi on N 12-7-8 on N 1-78 on N 1-78 on N 1-78	n der iona 3 3 5 5 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6	pointed which control which control co	ed to offication with the passis with the pass	No. 19 P Western No. 69 ((Dehra No. 16 P No. 69 Dehra	Officer Surveyor, om the date a; statice to osted 4 Party (G&RB), Dehr Circle Office, Jaipu Comp.) Party (G&R Dun arty (G&RB), Dher arty (GT), Hyderab (Cop.) Party (G'&R (GOp.) Party (G'&R (G)))	raDun ur B), a Dun ad. B),	on ad-hoc ainst each :- Date of promotion 5 6-2-8 18-2-3 29-1-8 29-1-8
116. 117. 117. 117. 117. 117. 117. 117.	Surjan Soreng (S Surveyor Assist No. C-6216/ visional basts, are No. Name 1 2 S/Shir Santokh Singh K.S. Srivastava Manohar Lal Satya Prakash G M.S. Nagarajan Yash Pal Kalra	707—Tinow a now a	ppoin	derme ted to		nned officia	ap	as s No of No pointe ad-h basis Notifi da Notifi date Notifi date Notifi date Notifi date Notifi da Notifi	uch and ottificed or occ process of the second of the seco	on r date cation on N 5-7-78 on N 12-7-78 on N 14-11-78 on N	n der iona 3 Jo. C. 88 Io. C. 80 Io.	pointed which is a second of the control of the con	ed to offication of the passis with the passis	No. 19 P Western No. 16 P No. 69 (C Dehra No. 16 P No. 69 Dehra No. 33 P	Officer Surveyor, om the date a; statice to osted 4 Party (G&RB), Dehr Circle Office, Jaipa Dun arty (G&RB), Dher arty (G&RB), Dher arty (STI), Hyderab (Cop.) Party (G&R Dun)	raDun ur B), a Dun ad. B),	7 on ad-hoc ainst each :- Date of promotion 5 6-2-8 18-2-3 29-1-8 29-1-8 29-1-8
116. prov	Surjan Soreng (S Surveyor Assist No. C-6216/ visional basts, are No. Name 1 2 S/Shir Santokh Singh K.S. Srivastava Manohar Lal Satya Prakash G M.S. Nagarajan Yash Pal Kalra Gurdev Singh	707—Tinow a now a	ppoin	dermeted to	ention of the control	ned	ap	as s No. of N pointe ad-h basis Notif da Notif date Notif da Notif Notif da Notif N	uch and ottification of process o	on r date cation on N on N in rovision N in room N i	n der iona 3 3 Io. C 8 Io. C 8 Io. C 7 8 Io. C 7 8 Io. C 7 8 Io. C	pointed which is a second of the control of the con	ed to officasis with 7/707 6/707 7/707 8/707 7/707	No. 19 P Western No. 16 P No. 69 No. 16 P No. 33 P No. 12 I	Officer Surveyor, om the date a; statice to osted 4 Party (G&RB), Dehr Circle Office, Jaipe Comp.) Party (J&R Dun arty (G&RB), Dher arty (GVR), Hyderab (Cop.) Party (GVR), Dun arty (NC), Dehra Dun arty (NC), Dehra D	raDun ur B), a Dun ad. B), bun.	on ad-hoc ainst each :- Date of promotion 5 6-2-8 18-2-3 29-1-8 29-1-8

Sisher Comment Comme	1 2	3	4	5
12. Ram Prakash Hira (SC) Noisination No. C-5403/707 No. 25 Party (NWC), Mussoorie. 29-1-45	•	National of No. C. 5027/707	No 17 DO (NUIC) I	20 1 05
13. Inder Raj Notification No. C-5859/707 No. 2 D.O. (N.C.). Debra Dun. 6-2-85	. ,	dated 5-7-78.		
Tecka Ram Joshi		dated 17-8-78.	•	
15. Jagdish Mitter	•	dated 3-9-82.		
16. D.B. Wylle	14. Teeka Ram Joshi		No. 19 Party (G&RB), Dehra Dun	6-2-85
15. D.B. Wylle	15. Jagdish Mitter		No. 43 Party (PMP), Hyderabad.	29-1-85
17. Kunwar Singh Rawat Notification No. C-5467/707 No. 6 DO. (NC), Debra Dun. 6-2-85 deted 23-79. No. fibration No. C-5859/707 No. 62 Party (EC), Calcutta. 29-1-85 deted 3-3-92. No. fibration No. C-5837/707 No. 17 Party (SC), Bangalore. 29-1-85 deted 17-8-78. No. 17 Party (SC), Dangalore. 29-1-85 deted 17-8-78. No. 17 Party (NWC), Debra Dun. 29-1-85 deted 17-8-78. No. 17 Party (NWC), Debra Dun. 29-1-85 deted 17-8-78. No. 17 Party (NWC), Debra Dun. 29-1-85 deted 17-8-78. No. 17 Party (NWC), Debra Dun. 29-1-85 deted 17-8-78. No. 18-7-78. No. 19-7-7-7. No. 46 Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 deted 24-7-78. No. 46 Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 deted 24-7-78. No. 18-7-7-8. No.	16. D.B. Wylie		No. 3 D.O. (WC), Jaipur.	28-2-85
18. S.K. Deb Roy	17. Kunwar Singh Rawat	Notification No. C-5467/707	No. 6 D.O. (NC), Dehra Dun.	6-2-85
19. S.D. Palaoi	18. S.K. Deb Roy	Notification No. C-5859/707	No. 62 Party (EC), Calcutta.	29-1-85
20. J.N. Ancha Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78. No. 28 Party (NWC), Dehra Dun. 29-1-85 21. S.N. Datta Notification No. C-5837/707 dated 57-78. No. 5 D.O. (EC), Calcutta. 29-1-85 22. J.C. Abtuja Notification No. C-5837/707 dated 57-78. No. 46 Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 23. M.M. Jain Notification No. C-5837/707 dated 57-78. A.C. Cell (R&D), Dehra Dun. 29-1-85 24. A.G. Joshi Notification No. C-5395/707 dated 57-78. No. 53 Party (PMP), Hyderabad. 29-1-85 25. S.N. Kumar Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 537/707 dated 5-7-78. No. 53 Party (PMP), Hyderabad. 29-1-85 26. Ram Pal Gupta Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 83 Party (WC), Jaipur 42-85 27. T.N. Naithani Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 90 Party (NC), Dehra Dun. 62-285 29. J.B. Pawsey Notification No. C-5837/707 dated 25-778. No. 51 D.O. (N.P. Die.) Dehra Dun. 62-85 30. Chirnan Lal Notification No. C-5837/707 dated 5-778. No. 51 D.O. (N.P. Die.) Dehra Dun. 62-85 31. D.N. Pandey Notification No. C-5837/707 dated 5-778. No. 50 Party (NC), Dehra Dun. 62-85	19. S.D. Palani	Notification No. C-5836/707	No. 17 Party (SC), Bangalore.	29-1-85
21. S.N. Datta Notification No. C-5837/707 (ated 5-7-78. No. 5 D.O. (EC), Calcutta. 29-1-85 (ated 5-7-78. 22. J.C. Ahuja Notification No. C-5837/707 (ated 5-7-78. No. 46 Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 (ated 5-7-78. 23. M.M. Jain Notification No. C-5837/707 (ated 5-7-78. A.C. Cell (R&D), Dehra Dun. 29-1-85 (ated 5-7-78. 24. A.G. Joshi Notification No. C-5397/707 (ated 5-7-78. No. 53 Party (PMP), Hyderabad. 29-1-85 (ated 5-7-78. 25. S.N. Kumar Notification No. C-5837/707 (ated 5-7-78. No. 53 Party (PMP), Hyderabad. 29-1-85 (ated 5-7-78. 26. Ram Pal Gupta Notification No. C-5837/707 (ated 5-7-78. No. 83 Party (WC), Jaipur 42-85 (A.N.) 27. T.N. Naithani Notification No. C-5837/707 (ated 5-7-78. No. 80 Party (NC), Dehra Dun. 62-285 (A.N.) 28. D.R. Sharma Notification No. C-5837/707 (ated 5-7-78. No. 15 D.O. (N.P. Dite.) Dehra Dun. 62-285 (A.N.) 30. Chiman Lal Notification No. C-5837/707 (ated 5-7-78. No. 15 D.O. (N.P. Dite.) Dehra Dun. 62-285 (A.N.) 31. D.N. Pandey Notification No. C-5837/707 (ated 5-7-78. No. 59 Party (NC), Dehra Dun. 62-285 (A.N.) 34. Udai Singh (SC) Notification No. C-5407/707 (ated 5-7-78. <	20. J.N. Ancja	Notification No. t-5403/707	No. 28 Party (NWC), Dehra Dun.	29-1-85
22. J.C., Ahuja	21. S.N. Datta	. Notification No. C-5837/707	No. 5 D.O. (EC), Calcutta.	29-1-85
23, M.M. Jain	22. J.C. Ahuja	Notification No. C-5837/707	No. 46 Party (CC), Jabalpur.	14-2-85
24. A.G. Joshi Notification No. C-5985/707 dated 24-778. No. 53 Party (PMP), Hyderabad. 29-1-85 dated 24-78. 25. S. N. Kumar Notification No. C-5837/707 dated 57-78. G&R.B., Dehra Dun. 29-1-85 dated 54-78. 26. Ram Pal Gupta Notification No. C-5837/707 dated 57-78. No. 83 Party (WC), Jaipur 4-2-85 dated 57-78. 27. T.N. Naithani Notification No. C-5837/707 dated 57-78. No. 90 Party (NC), Dehra Dun. 6-2-85 dated 57-78. 28. D.R. Sharma Notification No. C-5438/707 dated 57-78. No. 15 D.O. (N.P. Dte.) Dehra Dun. 62-85 dated 57-78. 30. Chiman Lal Notification No. C-5438/707 dated 57-78. No. 15 D.O. (N.P. Dte.) Dehra Dun. 62-85 dated 57-78. 31. D.N. Pandey Notification No. C-5837/707 dated 57-78. No. 53 Party (NC), Dehra Dun. 62-85 dated 57-78. 32. O.P. Gupta Notification No. C-5837/707 dated 57-78. No. 64 (AHS) Party (Survey Air), No. 56 Party (NC), Dehra Dun. 62-85 dated 57-78. 34. Udai Singh (SC) Notification No. C-5837/707 dated 57-78. No. 64 (AHS) Party (Survey Air), No. 56 Party (NC), Chandigarh, Party of Ated 57-78. No. 56 Party (NC), Chandigarh, No. 2-85 dated 17-8-84. 29-1-85 dated 17-8-84. 35. Shri Rajandra Singh Rawat (ST) Notification No. C-5837/707 dated 17-87. No.	23. M.M. Jain	Notification No C-5837/707	A.C. Cell (R&D), Dehra Dun.	29-1-85
2.5. S.N. Kumar Notification No. C-5837/707 dated 57-78. G&R.B., Dehra Dun. 29-1-85 dated 57-78. 26. Ram Pal Gupta Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 83 Party (WC), Jaipur 4-2-85 dated 5-7-78. 27. T.N. Naithani Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 90 Party (NC), Dehra Dun. 6-2-85 dated 5-7-78. 28. D.R. Sharma Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. A.C. Cell (R&D), Dehra Dun. 29-1-85 dated 5-7-78. 29. J.B. Pawsey Notification No. C-5837/707 dated 29-1-85 dated 28-11-78. No. 15 D.O. (N.P. Die.) Dehra Dun. 62-85 dated 28-11-78. 30. Chiman Lal Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 71 Party (G&RB), Dehra Dun. 62-85 dated 5-7-78. 31. D.N. Pandey Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 71 Party (G&RB), Dehra Dun. 62-85 dated 5-7-78. 32. O.P. Gupta Notification No. C-5847/707 dated 5-7-78. No. 64 (AHS) Party (Survey Air), New Delhi. 29-1-85 dated 5-7-78. 34. Udai Singh (SC) Notification No. C-5837/707 dated 1-7-78. No. 7 D.O. (CC), Jabalpur 11-3-85 dated 5-7-78. 35. Karia Ram (SC) Notification No. C-5403/707 dated 1-7-70 dated 1-7-70 dated 1-7-70 dated 1-7-70. No. 2 Party (WC), Mussoorie. 18-2-85 dated 17-1-8-8.	24. A.G. Joshi	. Notification No. C-5395/707	No. 53 Party (PMP), Hyderabad.	29-1-85
26. Ram Pal Gupta Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 83 Party (WC), Jaipur 4-2.85 dated 5-7-78. 27. T.N. Naithani Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 90 Party (NC), Dehra Dun. 6-2.85 dated 5-7-78. 28. D.R. Sharma Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. A.C. Cell (R&D), Dehra Dun. 29-1.85 dated 5-7-78. 29. J.B. Pawsey Notification No. C-5488/707 dated 3-770. No. 15 D.O. (N.P. Dte.) Dehra Dun. 62-85 dated 5-7-78. 30. Chiman Lai Notification No. C-5837/707 dated 3-770. No. 71 Party (G&RB), Dehra Dun. 62-85 dated 5-7-78. 31. D.N. Pandey Notification No. C-5837/707 dated 3-7-78. No. 33 Party (NC), Dehra Dun. 62-85 dated 5-7-78. 32. O.P. Gupta Notification No. C-5403/707 dated 3-7-78. No. 56 Party (Survey Air), No. 29-1-85 dated 17-8-78. 29-1-85 dated 17-8-78. 34. Udai Singh (SC) Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78. No. 7 D.O. (CC), Jabalpur 11-3-85 dated 17-8-78. 35. Shri Rajendra Singh Rawat (ST) Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78. No. 2 Party (WC), Mussoorie. 18-2-85 dated 17-8-78. 36. Karta Ram (SC) Notification No. C-5403/707 dated 3-9-82. No. 1 D.O. (M.P. Dte.) Dehra Dun. 29-1-85 dated 19-9-82. 39. H	25, S.N. Kumar	Notification No. C-5837/707	G&R.B., Dehra Dun.	29-1-85
27. T.N. Naithani Notification No. C. 5837/707 dated 5-7.78. No. 90 Party (NC), Dehra Dun. (A.N.) 62.85 (A.N.) 28. D.R. Sharma Notification No. C. 5837/707 dated 5-7.78. A.C. Cell (R&D), Dehra Dun. (29-1-85 dated 28-1)-78. 29. J.B. Pawsey Notification No. C. 5438/707 dated 28-11-78. No. 15 D.O. (N.P. Dte.) Dehra Dun. (29-1-85 dated 28-11-78. 30. Chiman Lal Notification No. C. 5837/707 No. 71 Party (G&RB), Dehra Dun. (62-85 dated 5-7-78. 31. D.N. Pandey Notification No. C. 5837/707 No. 33 Party (NC), Dehra Dun. (62-85 dated 3-8-78) 32. O.P. Gupta Notification No. C. 5403/707 dated 17-8-78. 33. Khushal Mani (SC) Notification No. C. 5403/707 dated 17-8-78. 34. Udai Singh (SC) Notification No. C. 5403/707 dated 17-8-78. 35. Shri Rajendra Singh Rawat (ST) Notification No. C. 6038/707 dated 17-8-78. 36. Karia Ram (SC) Notification No. C. 5403/707 dated 17-8-78. 37. Teja Singh (SC) Notification No. C. 5404/707 dated 3-9-82. 38. Harish Chandra (SC) Notification No. C. 5404/707 dated 3-9-82. 39. H.S. Dhillon (SC) Notification No. C. 5407/707 dated 3-9-82. 40. H. R. Alch Notification No. C. 5420/707 dated 3-9-82. 41. Jagdish Chandra Khurana Notification No. C. 5428/707 dated 3-9-82.	26. Ram Pal Gupta	Notification No. C-5837/707	No. 83 Party (WC), Jaipur	4-2-85
28. D.R. Sharma	27. T.N. Naithani	Notification No. C-5837/707	No. 90 Party (NC), Dehra Dun,	
29. J.B. Pawsey	28. D.R. Sharma	Notification No. C-5837/707	A.C. Cell (R&D), Dehra Dun.	
30. Chirman Lal Notification No. C-5837/707 dated 3-7.78. No. 71 Party (G&RB), Dehra Dun. 6-2.85 dated 3-7.78. 31. D.N. Pandey Notification No. C-5837/707 dated 5-7.78. No. 33 Party (NC), Dehra Dun. 6-2.85 dated 3-7.78. 32. O.P. Gupta Notification No. C-5403/707 dated 23-8-79 No. 64 (AHS) Party (Survey Air), New Delbi. 29-1-85 New Delbi. 33. Khushal Mani (SC) Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78. No. 56 Party (NWC), Chandigarh. 29-1-85 No. 56 Party (NWC), Chandigarh. 34. Udai Singh (SC) Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 7 D.O. (CC), Jabalpur 11-3-85 No. 7 D.O. (CC), Jabalpur 35. Shri Rajendra Singh Rawat (ST) Notification No. C-6038/707 dated 17-8-78. No. 1 D.O. (M.P. Dte.) Dehra Dun. 29-1-85 No. 1 D.O. (M.P. Dte.) Dehra Dun. 36. Karta Ram (SC) Notification No. C-5447/707 dated 17-8-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun. 29-1-85 Dun. 37. Teja Singh (SC) Notification No. C-5447/707 dated 3-9-82. No. 46 Party (CC), Jabalpur 14-2-85 Dun. 39. H.S. Dhillon (SC) Notification No. C-5859/707 dated 3-9-82. No. 48(P) Party (CC), Jabalpur 14-2-85 No. 46 Party (CC), Jabalpur 14-	29. J.B. Pawsey	Notification No. C-5438/707	No. 15 D.O. (N.P. Dte.) Dehra Dun.	29-1-85
31. D.N. Pandey	30. Chiman Lal	Notification No. C-5837/707	No. 71 Party (G&RB), Dehra Dun.	6-2-85
32. O.P. Gupta Notification No. C-5544/707 dated .23-8-79 33. Khushal Mani (SC) Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78. 34. Udai Singh (SC) Notification No. C-5877/707 dated 57-78. 35. Shri Rajendra Singh Rawat (ST) Notification No. C-6038/707 dated 57-78. 36. Karta Ram (SC) Notification No. C-6038/707 dated 17-1-84. 37. Teja Singh (SC) Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78. 38. Harish Chandra (SC) Notification No. C-5403/707 dated 21-12-78. 39. H.S. Dhillon (SC) Notification No. C-5859/707 dated 39-82. 40. H. R. Alch Notification No. C-5402/707 dated 19-978. 41. Jagdish Chandra Khurana Notification No. C-5420/707 dated 19-978. 42. Sachida Nand Jugran Notification No. C-5420/707 dated 19-978. 43. J. L. Rao Notification No. C-5447/707 dated 19-37-8. 44. Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 19-37-8. 45. T. S. Rana Notification No. C-5447/707 dated 19-37-8. 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 21-12-78. 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5456/707 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 21-12-78. 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5456/707 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 20-1-79 Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5456/707 No. 32 (P) Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 20-1-79 Notification No. C-5456/707 No. 32 (P) Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 20-1-79 Notification No. C-5456/707 No. 32 (P) Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 20-1-79 Notification No. C-5456/707 No. 32 (P) Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 20-1-79 Notification No. C-5456/707 No. 32 (P) Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 20-1-79 Notification No. C-5456/707 No. 32 (P) Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 20-1-79 Notification No. C-5866/707 No. 32 (P) Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 20-1-79 Notification No. C-5866/707 Notification	31. D.N. Pandey	Notification No. C-5837/707	No. 33 Party (NC), Dehra Dun.	6-2-85
33. Khushal Mani (SC) Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78. No. 56 Party (NWC), Chandigarh, dated 17-8-78. 29-1-85 dated 17-8-78. 34. Udai Singh (SC) Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. No. 7 D.O. (CC), Jabalpur 11-3-85 no. 2 Party (WC), Mussoorie. 18-2-85 no. 2 Party (WC), Dehra Dun. 29-1-85 no. 2 Party (WC), Dehra Dun. 29-1-85 no. 2 Party (WC), Dehra Dun. 14-2-85 no. 2 Party (WC), Dehra Dun. 14-2-85 no. 2 Party (WC), Dehra Dun. 14-2-85 no. 2 Party (WC), Dehra Dun. 12-2-85 no. 2 Party (WC), Dehra Dun. 12-2-85 no. 2 Party (WC), Dehra Dun. 11-2-85 no. 2 Party (WC), Dehra Dun. 11-2-85 no. 2 Party (WC), Dehra Dun.	32. O.P. Gupta	Notification No. C-5544/707		29-1-85
34. Udai Singh (SC) Notification No. C. 5837/707 dated 5-7-78. No. 7 D.O. (CC), Jabalpur 11-3-85 dated 5-7-78. 35. Shri Rajendra Singh Rawat (ST) Notification No. C-6038/707 dated 17-1-84. No. 2 Party (WC), Mussoorie. 18-2-85 dated 17-1-84. 36. Karta Ram (SC) Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78. No. 1 D.O. (M.P. Dte.) Dehra Dun. 29-1-85 dated 17-8-78. 37. Teja Singh (SC) Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun. 29-1-85 db. 38. Harlsh Chandra (SC) Notification No. C-5859/707 dated 3-9-82. No. 46 Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 db. 39. H.S. Dhillon (SC) Notification No. 3C-5859/707 dated 3-9-82. No. 48(P) Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 db. 40. H. R. Aich Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 11 D.O. (SEC), Bhubaneswar dated 12-85 db. 1-2-85 db. 41. Jagdish Chandra Khurana Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 33 Party (NC), Dehra Dun 22-2-85 db. 43. J. L. Rao Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 50 Party (PMP), Hyderabad db. 11-2-85 db. 44. Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 19-3-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 db. 45. T. S. Rana Notification No. C-5456/707 dated 19-3-79 No. 33 Party (N	33. Khushal Mani (SC)	Notification No. C-5403/707		29-1-85
35. Shrì Rajendra Singh Rawat (ST) Notification No. C-6038/707 dated 17-1-84. No. 2 Party (WC), Mussoorie. 18-2-85 dated 17-1-84. 36. Karta Ram (SC) Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78. No. 1 D.O. (M.P. Dtc.) Dehra Dun. 29-1-85 dated 17-8-78. 37. Teja Singh (SC) Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun. 29-1-85 dated 21-12-78. 38. Harish Chandra (SC) Notification No. C-5859/707 dated 3-9-82. No. 46 Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 dated 3-9-82. 40. H. R. Aich Notification No. C-5420/707 dated 3-9-82. No. 11 D.O. (SEC), Bhubaneswar dated 19-9-78. 1-2-85 dated 3-9-82. 41. Jagdish Chandra Khurana Notification No. C-5438/707 dated 28-11-78 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 22-2-85 dated 19-9-78. 42. Sachida Nand Jugran Notification No. C-5420/707 dated 29-17-8 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 19-9-78. 43. J. L. Rao Notification No. C-5428/707 dated 21-12-78. No. 50 Party (PMP), Hyderabad 11-2-85 dated 21-12-78. 44. Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun 11-2-85 dated 20-1-79 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 dated 20-1-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 dated 20-1-79 47. Hari Om Prakash Mathur	34. Udai Singh (SC)	Notification No. C-5837/707	No. 7 D.O. (CC), Jabalpur	11-3-85
36. Karla Ram (SC) Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78. No. 1 D.O. (M.P. Dte.) Dehra Dun. 29-1-85 37. Teja Singh (SC) Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun. 29-1-85 38. Harlsh Chandra (SC) Notification No. C-5859/707 dated 3-9-82. No. 46 Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 39. H.S. Dhillon (SC) Notification No. 3C-5859/707 dated 3-9-82. No. 48(P) Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 40. H. R. Alch Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 11 D.O. (SEC), Bhubaneswar dated 19-9-78. 1-2-85 41. Jagdish Chandra Khurana Notification No. C-5438/707 dated 28-11-78 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 22-2-85 42. Sachida Nand Jugran Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 33 Party (PMP), Hyderabad 11-2-85 43. J. L. Rao Notification No. C-5428/707 ated 4-11-78. No. 50 Party (PMP), Hyderabad 11-2-85 44. Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 45. T. S. Rana Notification No. C-5456/707 dated 20-1-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 dated 20-1-79 No. 32 (P) Party (WC), Dehra Dun 11-2-85 47. Hari Om Prak	35, Shri Rajendra Singh Rawat (ST)	Notification No. C-6038/707	No. 2 Party (WC), Mussoorie.	18-2-85
37. Teja Singh (SC) Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78, No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun. 29-1-85 Dun. 38. Harish Chandra (SC) Notification No. C-5859/707 dated 3-9-82. No. 46 Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 Dun. 39. H.S. Dhillon (SC) Notification No. 3C-5859/707 dated 3-9-82. No. 48(P) Party (CC), Jabalpur 14-2-85 Dun. 40. H. R. Alch Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 11 D.O. (SEC), Bhubaneswar dated 19-9-78. 1-2-85 Dun. 41. Jagdish Chandra Khurana Notification No. C-5420/707 dated 28-11-78 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 22-2-85 Dun. 42. Sachida Nand Jugran Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 50 Party (PMP), Hyderabad 11-2-85 Dehra Dun. 43. J. L. Rao Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun. 11-2-85 Dehra Dun. 45. T. S. Rana Notification No. C-5474/707 dated 19-3-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun. 11-2-85 Dehra Dun. 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 dated 29-1-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun. 11-2-85 Dehra Dun. 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5836/707 No. 32 (P) Party (WC), 27-2-85	36, Karia Ram (SC)	Notification No. C-5403/707	No. 1 D.O. (M.P. Dtc.) Dehra Dun.	29-1-85
38. Harish Chandra (SC) Notification No. C-5859/707 dated 3-9-82. No. 46 Party (CC), Jabalpur. 14-2-85 39. H.S. Dhillon (SC) Notification No. 3C-5859/707 dated 3-9-82. No. 48(P) Party (CC), Jabalpur 14-2-85 40. H. R. Alch Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 11 D.O. (SEC), Bhubaneswar 1-2-85 41. Jagdish Chandra Khurana Notification No. C-5438/707 dated 28-11-78 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 22-2-85 42. Sachida Nand Jugran Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 43. J. L. Rao Notification No. C-5428/707 ated 4-11-78. No. 50 Party (PMP), Hyderabad 11-2-85 44 Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun 11-2-85 45. T. S. Rana Notification No. C-5474/707 dated 19-3-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 dated 20-1-79 No. 32 (P) Party (WC), Dehra Dun 11-2-85 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5836/707 No. 32 (P) Party (WC), 27-2-85	37. Teja Singh (SC)	Notification No. C-5447/707		29-1-85
39. H.S. Dhillon (SC) Notification No. 3C-5859/707 dated 3-9-82. No. 48(P) Party (CC), Jabalpur 14-2-85 40. H. R. Aich Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 11 D.O. (SEC), Bhubaneswar 1-2-85 41. Jagdish Chandra Khurana Notification No. C-5438/707 dated 28-11-78 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 22-2-85 42. Sachida Nand Jugran Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 43. J. L. Rao Notification No. C-5428/707 ated 4-11-78. No. 50 Party (PMP), Hyderabad 11-2-85 44 Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun 11-2-85 45. T. S. Rana Notification No. C-5474/707 dated 19-3-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 dated 20-1-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5836/707 No. 32 (P) Party (WC), 27-2-85	38. Harish Chandra (SC)	Notification No. C-5859/707		14-2-85
40. H. R. Aich Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 11 D.O. (SEC), Bhubaneswar dated 19-9-78. 1-2-85 41. Jagdish Chandra Khurana Notification No. C-5438/707 dated 28-11-78 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 22-2-85 42. Sachida Nand Jugran Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 43. J. L. Rao Notification No. C-5428/707 ated 4-11-78. No. 50 Party (PMP), Hyderabad 11-2-85 44 Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun 11-2-85 45. T. S. Rana Notification No. C-5474/707 dated 19-3-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 dated 20-1-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5836/707 No. 32 (P) Party (WC), 27-2-85	39. H.S. Dhillon (SC)	Notification No. 3C-5859/707	No. 48(P) Party (CC), Jabalpur	14-2-85
41. Jagdish Chandra Khurana Notification No. C-5438/707 dated 28-11-78 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 22-2-85 42. Sachida Nand Jugran Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 43. J. L. Rao Notification No. C-5428/707 ated 4-11-78. No. 50 Party (PMP), Hyderabad 11-2-85 44 Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun 11-2-85 45. T. S. Rana Notification No. C-5474/707 dated 19-3-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 dated 20-1-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5836/707 No. 32 (P) Party (WC), 27-2-85	40. H. R. Aich	Notification No. C-5420/707	No. 11 D.O. (SEC), Bhubaneswar	1-2-85
42.Sachida Nand Jugran Notification No. C-5420/707 dated 19-9-78. No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 43. J. L. Rao Notification No. C-5428/707 ated 4-11-78. No. 50 Party (PMP), Hyderabad ated 4-11-78. 11-2-85 44 Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun. 11-2-85 45. T. S. Rana Notification No. C-5474/707 dated 19-3-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 dated 20-1-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5836/707 No. 32 (P) Party (WC), 27-2-85	41. Jagdish Chandra Khurana	Notification No. C-5438/707	No. 33 Party (NC), Dehra Dun	22-2-85
43. J. L. Rao Notification No. C-5428/707 ated 4-11-78. No 50 Party (PMP), Hyderabad 11-2-85 44 Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun, Dehra Dun, Notification No. C-5474/707 dated 19-3-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 dated 20-1-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5836/707 No. 32 (P) Party (WC), 27-2-85	42.Sachida Nand Jugran	Notification No. C-5420/707	No. 33 Party (NC), Dehra Dun	11-2-85
44 Mohan Lal Chhabra Notification No. C-5447/707 dated 21-12-78. No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun. 11-2-85 45. T. S. Rana Notification No. C-5474/707 dated 19-3-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 46. Gita Ram Notification No. C-5456/707 dated 20-1-79 No. 33 Party (NC), Dehra Dun 11-2-85 47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5836/707 No. 32 (P) Party (WC), 27-2-85	43. J. L. Rao	Notification No. C-5428/707	No 50 Party (PMP), Hydorabad	11-2-85
45. T. S. Rana	44 Mohan Lal Chhabra	Notification No. C-5447/707	No. 79 (P) Party (NWC), Dehra Dun.	11-2-85
46. Gita Ram	45. T. S. Rana	Notification No. C-5474/707		11-2-85
47. Hari Om Prakash Mathur Notification No. C-5836/707 No. 32 (P) Party (WC), 27-2-85	46. Gita Ram	Notification No. C-5456/707	No. 33 Party (NC), Dehra Dun	11-2-85
	47. Hari Om Prakash Mathur	Notification No. C-5836/707		27-2-85

1	2				3	4	5
S/Shri							
48. B. S. Neg	;i ,	•		•	Notification No. C-5836/707 dated 12-7-82.	No. 3 D. O. (WC), Jaipur.	27-2-85
49. K. C. Kh	era				Notification No. C-5859/707 dated 3-9-82	S.E. C. Office, Bhubanesw r	11-2-85
50, R. B. Bha	ısin				Notification No. C-5859/707 dated 3-9-82	Central Circle, Offico, Jaba Ipur	1-3-85
51. Brij Moh	an Singh				Notification No. C-6060/707 dated 26-4-84	No. 6 Party (WC), Ahmedabad	27-2-85
52. Chakradi	nar	•			Notification No. C-5946/707 dated 23-4-83	No. 45 Party (CC), Jabalpur	2 5-2-85
53. Yogeshwa	ar Dayal		•		Notification No. C-5956/707 dated 23-5-83.	No. 39 Party (STI), Hyderabad	11-2- 85
54. Hira Mar	i			-	Notification No. C-5956/707 dated 23-5-83.	No. 44 Party (CC), Indore.	11-2-85
55. Swapan K	lumar Chakravarty				Notification No. C-5977/707	No. 77 (P) Party (SEC),	11-2-85
56, T. T. Goo	г g о	,	٠		dated 13-7-83 Notification No. C-5992/707 dated 22-8-83.	Bhubaneswar, No. 67 (FSP) Party (Survey Air), Coimbatore.	2-4-85
57. Som Nati	n Mitra		•	i	Notification No. C-6002/707 Dated 28-9-83	E.C.O., Calcutta	11-2- 85
58. S. S. Nano	d i	•		•	Notification No. C-5992/707 dated 22-8-83i	No. 89 (P) Party (CC), Bhopal	11-2-85
59 Mihiresh	Bhattacharjee				Notification No. C-5992/707 dated 22-8-83.	No. 11 D. O. (SEC), Bhubaneswar,	11-2-85
60. Triloki Na	eth Gupta				Notification No. C-6061/707 dated 26-4-84	No. 16 Party (STI), Hyperabad.	11-2-85
61. Ramji Lal	(SC) . ,		·	•	Notification No. C-6002/707 dated 28-9-83.	No. 64 (AHS) Party, New Delhi	2-4-85
62. Om Praka	sh (SC)	•		•	Notification No. C-5859/707 dated 3-9-82.	No. 60 Party (CC), Gwalior.	25-2-85
63. G·B. Nec	lammanavar (SC)	•	ı		Notification No. C-6039/707 dated 17-1-84.	No. 40 (P) Party (SC), Bangalore.	11-2-85
64. Sewa Sing	h (SC)	-	•		Notification No. C-5992/707 dated 22-8-83	No. 89 (P) Party (CC), Bhopal	11-2-85
65. Krishan L	al (SC)	•	-		Notification No. C-6038/707 dated 17-1-84	No. 3 Party (NWC), Ambala City.	11-2-85
66. Shyam Du	tt Scmwal (SF) .	-		٠	Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78.	No. 13 Party (WC), Mussoorie 1	27-2-85
67. Sushil Bar	obhaiya		•	•	Notification No. C-5544/707 dated 23-8-79.	No. 18 Party (EC), Ranchi	11-2-85

The 16th July 1985

No. C-6220/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purity od ad-ho provisional basis, are reverted to the posts of Draftsman Div. I (Sel. Gde.)/Surveyor (Sel. Gde.) from the date as indicated c against each:—

Sl. Name & No.	Deisgnation		No. & date of Notification under which appointed on ad-hoc provisional basis	Unit/ Office to which posted	Date of reversion
1	2	·	3	4	5
S/Shri		· ····		***	
1 John Mu	ndu, aftsman Div. I (Sol. Gde.)		Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78.	No. 74 Party (SEC) Ranchi,	1-3-85 (A/N)]
2. Shish Rai		- •	Notification No. C-6039/707 dated 17-1-84.	No. 10 D.O. (SEC) Bhubaneswar,	28-2-85 (A/N)

G. C. AGARWAL, Major General Surveyor General of Indja.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 12th July 1985

No. 4(16)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Anwar Jahan as Programme Executive at All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 14th June 1985, and until further orders, in the

scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(66)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Tapan Kumar Roy Pradhan as Programme Executive at DDK, Calcutta in a temporary capacity with offect from 23rd August 1984 and until further orders,

in the sca	le of	pay	of	Rs.	650-30-740-35-810-EB-880-40-100-
EB-1200.					

The 16th July 1985

No. 4(6)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. L. Gokhale as Programme Executive EB-1200.

> I. S. PANDHI Dy. Director of Administration for Director General

New Delhi, the 15th July 1985

No. 4/7/84-SII-Vol. II—The Director General. All India Radio is pleased to appoint the following officers to the post of Hindi Officers at the Office/Station and from the dates shown against each on deputation on an d-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200, further orders :-

Sl. No.	Name of	Designatio	n	Name of Office/ Station	Date of Joining		
1	2			3	4 .		
Him 2. S.N Hind 3 .S.L.	nri I. Naidu di Officer I. Daivajna di Officer Dwivedi di Officer		popular (a.2)	SD. Air, Nagpur SD. Air, Calcutta SD. Air, Ahmedaba	1-6-85 10-6-85 ad 17-6-85		

They assumed charge as Hindi Officers on dates indicated above.

> MOHAN FRANCIS Dy. Director of Admnistration For Director General

New Delhi, the 15th July 1985

No. 17/31/85-S IV—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assume charge of the post of Assistant Engineer at different station offices of All India Radio and Doordarshan in a tempora eapacity from date shown against each till furbher orders:-

Sl. No. Name	Station/Office	Date of Joining	
1 2	3	4	
S/Shri 1. F. Syed Lavai	DDK, Madras	31-5-8 (F.N.)	
2. K. Sudarsanaon Pillai	. DDK, Madras	31-5 8 (F.N.)	
3. Miss Sarita Bhatnagar	. DDK New Delhi	29-5-85 (F.N.	
4. Naresh Chandra Sharm	a DDK, New Delhi	29-5585 (F.N.)	
5. Rajesh Bawa	. DDK, New Delhi	30-5-85 (F.N.)	
6. Hradesh Kumar .	150K, Now De hi	29-5-85 (F.N.)	

1 2	3 4
7. Sh, J.C. Gupta	. HPT, Air, Khampur 29-5-85
	(F.N.)
8. Sh. M.L. Crupta .	HPT, Air, Khampur 29-5-85
	(F.N.)
9. Sh. Santosh Kumar .	. HPT, Air, Khampur 31-5-85
	(F.N.)
0 Sh. Ravindra Prakash	. Air, Mathura 31-5-85
•	(F.N.)
11. Sh. K. Manickam .	. HPT, Avadi, Madras 6-6-85
	(F.N.)
12. Sh. M.A Dar	DDK, Srinagar 3-6-85
	(F.N.)
13. Sh. K. Dhamodharan	. HPT, Avadi, Madras 6-6-85
	(F,N)
14. Sh. K.G. Mandhare .	HPT, Air, Malad, 5-6 85
	Bombay (F.N.)
15. Sh. K.B. Vaidya .	. CE(WZ), Bombay 3-6-85
	(F.N.
16. Sh. B.L. Thomas	. LPT(-V), Nellore 10-6-85
	(F.N.)
17. Sh. D. Bhatnagar	NIC, Doordarshan 17-6-85
·	Bilaspur (F.N.)

B. S. JAIN.

Dy. Director of Administration For Director Genera

SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA

New Delhi, the 17th July 1985

No. A.22012 4 85-CGHS.I.—Consequent upon from C.G.H.S. Jaipur to Centual Govt. Health Scheme, Delhi, Dr. (Smt.) Sandhya Ray relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Jaipur with effect from the afternoon of the 28th June 1985 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 1st July 1985.

> T. S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 19th July 1985

No. A.19025|7|85-A.III.—On the recommendation of U.P.S.C. Shri R. B. S. Yadav has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Gr. I) in this Directorate v. e.f. 1-7-1985 (F.N.) until further orders.

> J. KRISHNA Director of Administration for Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 15th July 1985

Ref. No. DPS|41|12|85-Adm.|4710.—The Director, torate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. L. Khanna, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis

in the scale of play of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 18-5-1985 (FN) to 21-6-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri V. Ramaswamy, APO, granted leave.

The 15th July 1985

No. DPS|41|8|85-Adm.|4716.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Fnergy appoints Shri Vadukoot Sreedharan a permanent Ir. Storekeeper and officiating Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-ER-40-1200 Dm 6-5-1985 (FN) to 14-6-1985 (AN) in the same Directorate.

P. GOPATAN Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 15th July 1985

No. 05012|R5|2566.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri A. S. S. Rao, a Scientific Assistant 'C' Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Scientific Officer|Engineer (Grade SB) in the same project w.e.f. the forenoon of 1-2-1985 until further orders.

No. 05012|R1|OP|2567.—Chief Freculive, Heavy Water Projects, appoints Shri Rajanikant Ramchandra Karkhanis, a permanent Upper Division Clerk in the Central Pool of power Projects Engineering Division and officiating Asstt. Accounts Officer, Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Accounts Officer-II in Heavy Water Project (Manuguru) in a temporary capacity, on ad hoc basis from the forenoon of May 1, 1985 to May 31, 1985 (AN) vice Shri V. Hanumantha Rno Accounts Officer-II, granted leave,

No. 05052|Aug.84|2571.—Chief Executive. Heavy Water Projects, appoints Shri P. D. Roy, Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer|Engineer (Gr. SB) in the same plant w.e.f. forenoon of August 17, 1984 until further orders.

No. 05012|R4|2572.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri I. Savarimuthu to officiate as Labour-cum-Welfare Officer in Heavy Water Plant (Tuticorin) we.f. the forenoon of June 21, 1985 until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE ESTABLISHMENT SECTION

Trivandrum-695022, the 1st July 1985

No. VSSC EST/F/1/(17)—The Director, VSSC hereby appoints on promotion the undermentioned officials in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Scientist/Fngineer 'SP' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of April 1, 1985 and until further orders:

Sl. No.	11-41110	 Division/Project
1	2	 3
1. 2.	S/Shri K.U. Mathews . A.N. Hariharan M.O. Koshykunju	 . ASMD/ADDG . ATTF/ADDG . ATT DDG

1	2				3
S/Shri			 		
4. Smt. C.S. S	undari .				ELS/AVN
5. V. Sivaling	am				RPC/CMS
6. K. Sasidha	run .				CMF/MEG
7. V.K. Janan	danan .				PFC/PCM
8. L. Poonnap	ւթգո .				RPP/PCM
9. K. Siyaran	akrishnen				QAD/SRG
Kum K.G.	Beena .				GSS/TERLS
11. N.T. Dhan	anjayan				VI/T/TERLS
 R. Srcc Ra 	ımachandra	ın			LPP
13. N. Janardi	naman			•	FLPS/LPP

No. VSSC/EST/F/1 (17)—The Controller, VSSC hereby promotes the undermentioned officials in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960/- in an officiating capacity as per the detail shown against their names:

SI, Name No.		Promoted bost	with effect from
j	2	3	4
S/Shr	i		-
1. K.G. Sathee Dovi .		. Assistant	10-4-1985
		purchase	(F.N.)
		Officer	
2. K. K	echaniyan Pillai	Assistant	5-4-1985
		Accounts	(F.N.)
		Officei	
3. E.J.	John .	Assistant	9-5-1985
		Stores	(F.N.)
		Officer	

No. VSSC/EST/F/1 (17,- the Controller, VSSC hereby promotes the undermentioned efficials in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Asstt. Canteen Manager in an officieting capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960/- with effect from the date shown against each:

Sl. Nam No.	e					With effect from
1	2	-				 3
S/Shr	i					
1. P.P. <u>I</u>	Damodaran					11-4-7985 (F.N.)
2. H.P.	Sunny ,		-	•	•	15-4-8195 (F.N.)

No. VSSC|EST|F|1(17).—The Controller, VSSC hereby promotes Smt. V. S. Komalakumari Amma as Hindi Officer in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space in the scale of pay of Rs. 650-30-740 35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 8, 1985

G. MURALIDHARAN NAIR Administrative Officer-II (Est.) for Controller-VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

Officer on regular basis with effect from 15-3-1984, and until further orders.

New Delhi, the 26th June 1985

No. A,32013 11 83-EA.—The President is pleased to appoint Shri Amir Chand to the Grade of Senior Aerodrome

M. BHATTACHARJEE
Assit. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 10th July 1985

No. A. 32014/1/84- EC(rt-1) (.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants in the Civil Aviation Expartment in the grace of Assistant Communication Officer in the Scale of Rs. 650-1200/- on ad-hoc basis for a period of six months with effect, from the date of taking over charge or till the posts are tilled up on regular basis, whichever is earlier and to post them to the Station indicated against each :—

SI. Name No.									Present station of	Station to which posted	Date of taking over	
									posting	waten posted		
1 2						-			3	4	5	
S/Shri	·								1 10	Dlama	D4.4.05 (EDI)	
1. A.P. Anand					•			•	Amritsar Patna	Bhopal Bangalore	24-1-85 (F.N.) 7-1-85 (F.N.)	
2. H.N. Sinha				•		•		•	Madras	Madras	11-11-84 (F.N.)	
3. V. Sabra remain.	-						•	•				
4. A.K. Bahaduri .				-			•	•	Bhubaneswar	Bhubaneswai	28-12-84 (F.N.)	
D. Sengupta .									Patna	Bangalore	20-12-84 (F.N.)	
6, A.K. Das Gupta	,			-	•				Calcutta	Imphal	31-1-85 (F.N.)	
7. P. Rangaswamy									Madras	Madras	3-12-84 (F.N.)	
8, P.P Rho									Bombay	Bombay	14-11-84 (F.N.)	
9. Y.K. Tawade .							•		Nagpur	Nagpur	9-11-84 (F.N.)	
10. G.A. Joshi .									Bombay	Bombay	16-2-85 (F.N.)	
IJ. A.K. Chatterjee-II									Calcutta	Calcutta	2-12-84 (F.N.)	
12. K.S. Seshadi i					-				Madras	Niadras	7-11-84 (F.N.)	

2. The ad-hoc appointment of the above officers in the grade of Assistant Communication Officer will not bestov on them any claim for regular appointment in the same grade and the service rendered on ad-hoc basis will not count fo seniority in the grade or for eligibility for prenocion to the next higher grade.

V. JAYACHANDRAN

Assistant Director of Administration

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 18th July 1985

No. 608/197/85-Adm.—The Director Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune, hereby appoints on deputation, for three years, Shri C. M. Sreenivasan, Junior Accounts Officer of the office of Pay and Accounts Officer CWPRS as Accounts Officer in the Central Water and Power Research Station, Pune on a pay of Rs. 840/- per month in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 31st May 1985.

His deputation will be governed by the terms of Ministry of Finance (Department of Expenditure)'s Office Memorandum No. 10(24)|E.HI|70 dated 4th May 1961 as amended from time to time.

B. G. PATWARDHAN Administrative Officer for Director

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and In the matter of the Kalladikode Engineering Industries Private Limited

Cochin, the 4th July 1985

No. 2514 |Liq|5044 |85.—By an order dated 20-2-1985 in C.P. No. 7 |1984 of the High Court of judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up the Kalladikode Engineering Industries Private Limited,

V. A. VIJAYAN MENON Registrar of Companies, Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Eastern Cashew Company Private Limited

Cochin-502 011, the 18th July 1985

No. 2290|Liq|560(3)|2313|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Eastern Cashew Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of A. K. Hospital Private Limited

Cochin-502 011, the 19th July 1985

No. 3956|Liq|560(3)|2318|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of A. K. Hospital Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd]- ILLEGIBLE Registrar of Companies, Kerala

FORM IINS ...

(1) Smt. Janak Dulari, Through Attorney, Smt. Madhurma Devi, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Ram Autra Singh, 2. Shri Rajendra Singh

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Lucknow, the 15th July 1985

G. I. R. No. R-249[Acq.--Whereas, 1, DR. SHRISH,

bring the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have teason to believe that the immev-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Land situated at Bilari, Distt. Moradabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration General Sub-Paristrate of Registrar at

Moradabad in November, 1984

Moradabad in November, 1984
for an apparent consideration which is less that he fair
market alue of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property at
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than infleen per sent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfers to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Land measuring 9.35 acres situated at Bilari, Distt. Moradabad, registered by Registering Authority, Moradabad on November, 1984 (as mentioned in 37G Form No. 2429).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> DR. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-7-1985.

FORM ITNS-

(1) 1. Shri Mulkhraj. 2. Shri Satpal.

(Transferor)

(fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th July 1985

G. I. R. No. S-373 Acq. -- Whereas, 1 DR. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Land situated at Chakarpur, Tehsil-Bajpur, Naimtal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Cincer[Registrar|Sub-

Bajpur in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unasfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections it any to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(2) S.N.T. Piywood Industrie: (P) Ltd., Chakarpur

Through Director, Shri Vijai Kumar Trehan.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 61 Bighas, 3 Biswa situated at Chakarpur, Tehsil-Bajpur, Naantal, registered by the Registering Authority, Bajpur in November 1983 (as mentioned in 37G Form No. 1469).

> DR. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1985.

Scal:

FORM ITNS-

S (1) Shri Ashok Kumar Agarwal, Through Attorney, Smt. Swarnlata.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Shakuntala Jaiswal.

(Transferec)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Lucknow, the 15th July 1985

•

G. I. R. No. 6-374|Acq.—Whereas, I, DR. SHRISH,

being the Competent Authority uder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

Land situated at Vill. Barabanki Internal Limit Town Area, Barabanki

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Barabanki in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 8480 sq.ft. situated at village-Barabanki Internal Limit Town Area, Pargana & Tehsil-Nawabganj, Distt. Barabanki registered by the Registering Authority, Barabanki on November, 1984 (as mentioned in 37G Form No. 2709).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DR. SHRISH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1985.

FORM I.T.N.S.---

(1) I. Shri Tikaya Ram, 2. Shri Jaswant Ram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijai Kumar Agarwal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th July 1985

G. I. R. No. V-83 Acq.—Whereas. I, DR. SHRISH,

being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fan market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
A double storeged house situated at Sahukara, Bareilly
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Bareilly in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it. that Chapter

THE SCHEDULE

A double storeged beuse situated at Sahukara, Bareilly, registered by the Registering Authority, Bareilly on November, 1984 (as mentioned in 37G Form No. 8783).

DR. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1985.

FORM ITNS

(1) Amarendra Nath Sircar, 36 1, Eigin Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Tata Iron & Steel Co. Ltd., 43 Chowringhes Road, Calcutta.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th July 1985

Fef Mr. AC MACCRAN Cal. 85-86.—Whereas, I SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refrered to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

situated at Darjeeling
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has heen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. A. (Cal.) on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said Instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said Ammovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 25 poles with building. Address: "Eres Lodge" in the Darjeeling Town. Deed No.: 13695 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 015

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:

Date: 10-7-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Gayatri Bhattacharjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Gora Ch. Biswas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th July 1985

Ref. No. 1815 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANEŔJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 439 situated at Rabindra Surani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto),

has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta under registration with rule 48DD(4) of

Income-tax Rules, 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

All that building measuring 1000 sq. ft. together with land of 2 K-4 Ch situated at 439, Rabindra Sarani, and was registered with R.A. Calcutta vide Deed No. 1 14399 on 30-11-1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: 58-186 GI/85

Date: 17-7-1985

FORM ITNS-

(1) Mrs. Kamala Verghese.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Angoorie India Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th July 1985

Ref. No. 1816 Acq.R-III 85-86 .-- Whereas, I.

SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. 1-A situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer

at Calcutta under registration with rule 48DD(4) of Income-

tax Rules, 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

All that property stated in the Deed No. I 14237 which was registered with SRA, Calcutta on 28-11-1984 in the premises of 1|A Ballygunge Circular Road, Calcutta.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957): (b) facilitating the concealment of any income or any

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 17-7-1985

FORM ITNS-

(1) Consultants Engineers & Builders.

(2) Gopalan Venkatesh.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th July 1985

Ref. No. 1817 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having Rs. 1,00,000 and bearing having a fair market value

No. B-294 situated at Late Gardens Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer

at Calcutta under registration with rule 48DD(4) of Incometax Rules, 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that building with area of 920 sq. ft, as stated in the Deed No. 13783 dated Nov. '84 was registered with RA, Calcutta. The property is situated at B-294 (2nd floor) North, Lake Gardens, Calcutta.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-700 016

Date: 17-7-1985

FORM ITNS

(1) Mrs. Lalo Puri.

(Transferor)

(2) Mrs. Anita Subberwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta the 17th July 1985

Rcf. No. 1818 Acq.R-III | Cal | 85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000 and bearing No. IC, Tivoli Court situated at Ballygunge Circular Road,

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta under registration with rule 48DD(4) of

Officer at Calcutta under registration with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any c? the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 112 on the 5th floor of Tivoll Court situated at 1C, Ballygunge Circular Road, Calcutta was registered vide Deed No. I 13414 dated 10-11-1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 17-7-1985

Scal:

FORM ITNS--

(1) Mrs. Lalo Puri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jagdish Ch. Nijhawar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th July 1985

Ref. No. 1819[Acq.R-HI]Cal]85-86.—Where23, I. SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 1A, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta, Flat No. 59

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Rog tration Act, 1908 (16 cf 1908) on the office of the Registering Officer at

Calcutta on 12-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Flat No. 59 situated in the premises of Tivoli Court at 1A, Ballygunge Circular Road, Calcutta was registered vide Deed No. I 13000 dated 12-11-1984.

SANKAR K. BANERJEE Inspecting assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Competent Authority Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-7-1985 Seal:

FORM I.T.N.S.--

(1) Hari Ch. Ghatak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. K. Chakraborty & Other,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th July 1985

Ref. No. 1820 Acqn.R-III 85-86.-Whereas, I. SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-able property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

No. 50 C situated at Sadananda Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the Registration, has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire 1st and 2nd floor and a Terrace, Garrage in the premises of 50 C sadananda Road, Calcutta was registered with SRA, Calcutta vide Deed No. I 14350 dated 30-11-1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 17-7-1985

FORM ITNS-

(1) Tapan Kumar Biswas

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Calcutta Nair Service Society

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

> > Calcutta-16, the 17th July

Ref. No. 1821 Acq. R.III Cal 85-86. - Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 12|2 situated at Swinhol Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 21-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the vaid instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) (activating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that area measuring 1943.10 sq. ft. situated at 12/2 Swinhoe St. Calcutta was registered vide deed No. 13893 dated 21-11-84 at SRA., Calcutta.

> SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date : 17-7-1985

Scal :

FORM 1TNS---

(1) Ajoy Kumar Bhattacharjee

(Transferor)

(2) Ashok Bannerjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III.
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1822 Acqn. R-III Cal 85-86. Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 11 situated at Allenby Road, Cal.-20
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registering Officer at

Culcutta in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property mentioned in the Deed No. I 13471 dt. Nov. '84 was registered at SRA, Cal. The property situated at 11, Allenby Road, Cal.

> SANKAR BANNERJEE Competent Authori y Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III,
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 17-7-1985

Sal :

CORY

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Sushila R. Bhansali

(Transferor)

(2) Indra Kumar Gupta

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFÎ AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1823 Acqn. R-III Cal 85-86.--Whereas, 1,

Ref. No. 1823 Acqn. R-III Call 85-86.—Whereas, 1, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Informe-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 1,00,000|- anguearing
No. 57|8 situated at Ballygunge Circular Road, Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at

Calcutta on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamient of any income or any insobility. Or sidder assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 og 1937);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Canette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two storied building together with land 6 k and 3 sq. ft. situated at 57/8 Ballygunge Circular Road, Cal. was registered at SRA, Cal. vide Deed No. I 13672 dt. 16-11-84.

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date: 17-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

59 --- 186 GI/85

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Ava Ghosh & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Bharat Heavy Electrical Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta-16, the 17th July 1985

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1824 Acon. R-III Cal 85-86.—Whereas, I. SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 107|4A, 107|4B and 108W situated at Manoharpugur

Read Culcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that property measuring 11k—1 ch—28 sq. ft. situated at 107/4A, 107/4B and 108W Monoharpukur Road, Cal. was registered vide Deed No. I 13732 dated 17-11-184.

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 17-7-1985

FORM ITNS

(1) Smt. Ava Ghosh & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. I. G. Engineers (P) Ltd.

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16 the 17th July 1985

Ref. No. 1825 Acqn. R-III Cal 85-86.--Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 107|4A & 4B and 108WM situated at Monoharpukur

Road, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRA, Calcuated on 20-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that property 12k—14ch and 17 sq. ft, situated at 104A, 104B and 108WN Monoharpukur Road, Cal. registered at SRA, Cal. vide Deed No. I 13809 date 20-11-84.

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 17-7-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Mr. Dipak Kr. Bose & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Kr. Misra

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1826 Acq. R-III 85-86,—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 17B situated at Moore Avenue, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta under registration No. 37EE Acq. R-III 454 dated 5-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the apquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evanion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of: 1922); or the said Act, or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1987);

All that undivided proportionate shade of land 7k-1ch-5 sq. ft, and flat No. 2—1|2 on 2nd floor measuring 1089 sq. tt. at 17B Moore Avenue.

> SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 17-7-1985

(1) Mis. State Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Raghunath Dey

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1827 Acq. R-III 85-86.—
Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]—and bearing

No 2|1É situated at Townshend Road, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta under registration No. 37EE Acq. R-III 500 dated

17-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transferand/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

All that flat No. 8 on the 4th floor covering 800 sq. ft, in the premises of 2|1E ownshend Road, Cal.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 17-7-1985

Scal:

(1) Mr. Dipak Kr. Bose & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Balaram Das

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1828[Acq. R-III]85-86.—
Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]—and bearing
No. 17B situated at Moore Avenue, Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent Authority u|s of the said Act read of the Registering
Officer at

Calcutta under registration No. 37EE|Acq. R-III|446 dated 5-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later?
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided proportionate share of land 7 k—1 ch—5 sq. ft. and flat No. 1|2 at 1st floor covering 519.17 sq. ft. at 17B Moore Avenue, Cal.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 17-7-1985

ITNS (1) Sri Ashok Kr. Sood & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. K. Baihan & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1829 Acq. R-III 85-86.— Wherens, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 38 situated at Lake Gardens. Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta under registration No. 37EE]503 and 505|Acq. R-III dated 18-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to now tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the toresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following across namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided proportionate share of land and flat No. 6 pressuring 8341 sq. fif.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 17-7-1985

FORM TINS-

(1) Sri Ashok Kr. Sood & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) O. P. Jopat & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Calcutta-16, the 17th July 1985

- Ref. No. 1830|Acq. R-III|85-86.—
 Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred
 to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000|- and bearing
 No. 38 situated at Lake Gardens, Cal.
 (and more fully described in the schedule annexed hereto)
- (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta under registration No. 37EE Acq. R-III 447 and 450 dated 30-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that undivided proportionate share in land and flat No. 12 and 11 in the 2nd floor measuring 1560 sq. ft.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 17-7-1985

(1) Mr. Dipak Kr. Bose

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. S. Murlidharan

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1831|Acq. R-III|85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 17B situated at Moore Avenue, Cal. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta under registration No. 37EE|Acq. R-III|508 dated 25-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforecald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): All that undivided proportionate share in land and a flat . No. 2!6 measuring 464 sq. ft.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutts-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:—60—186 GI/85

Date: 17-7-1985

(1) Sri Chunilal Mukherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Deba Prasad Halder

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1832 Acq. R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 85/9 situated at Chandi Ghosh Road, Cal. (and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferes to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-laz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that flat in the 2nd floor measuring 650 sq. ft. was registered vide deed No. 5014 dt. 15-11-84 at Calcutta.

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date: 17-7-1985

FORM ITNS---

(1) Ashish Kr. Gupta & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Nandini Raj

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1833|Acq. R-III|85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

situated at Salimpur, P. S. Jadarpur, Cal.-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Calcutta dated 22-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

All that vacant plot at land measuring 2K-4ca was registered vide deed No. 5189 dt. 22-11-84 at Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1985

Scal ·

- (1) Sri Saraj Bagla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Samar Tarafder

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1834|Acq. R-III|85-86.—
Whereas, I, SANKAR K. BANNERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marke value
exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No situated at Golf Green Urban Complex.

No. situated at Golf Green Urban Complex, Calcutta-45

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office with the Competent Authority u|s 269AB of the said Act read of the Registering Officer at

Calcutta under registration No.

dated

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattices has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that apartment No. 2 measuring 1011 sq. ft. in Block No. 3 W (R)1 was registered vide deed No. 5267 dt. 27-11-84 Jadarpur, Central Park. Road, Cal.

SANKAR K. BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1985

Scal :

(1) M/s, A. A. Development (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vidyantha Vedambal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1835 Acq. R-III 85-86.—
Whereas, I, SANKAR K. BANNERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
No. 38 situated at Lake Garden, Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read of the Registering

Calcutta under registration No. 37EE[Acq. R-III]452 and

453 dated 5-11-84

453 dated 5-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of transfer. the said instrument of transfer with the objects of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

The second secon

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

All that flat No. 5, Area—724 sq. ft.

facilitating the conseniment of any income or any moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the communication which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR K. BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persone, namely :---

Date: 17-7-1985

(1) Mjs. Kalra Investors (P) Ltd.

(2) M[s. Jalannagore Tea Estates (P) Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1836 Acq. R-III 85-86.— Whereas, I, SANKAR K. BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 25 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office with the Competent
Authority u|s 269AB of the said Act read of the Registering

Calcutta under registration No. 37EE Acq. R-III 498 dated for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided share in land and a flat No. 2D in 2nd floor measuring 2465 sq. ft,

SANKAR K. BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcuttz-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) M|s. Kalra Investors (P) Ltd.

(Transferor)

(2) M|s Dinjoye Tea Estate (P) Ltd.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1837 Acq. R-III 85-86.— Whereas, I, SANKAR K. BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

No. 25, situated at Ballygunge Circular Road, Cal. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read of the Registering Officer at

Calcutta under Registration No. 37EE Acq. R-III 458 dated 9-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that undivided share in land and & flat No. 2C in the 7th floor measuring 3025 sq. ft.

> SANKAR K. BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 17-7-1985

(1) Mr. Dipak Kr. Bose

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Debabrata Gupta & others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1838|Acq. R-III|85-86.— Whereas, I, SANKAR K. BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Rs. 1,00,000|- andbearing

No. 17-B situated at Moore Avenue, Cal. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read of the Registering Officer at Calcutta under registration No. 37EE|Acq. R-111|445 dated 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 1 to 4 on the 1st floor measuring 1023, sq. ft,

SANKAR K. BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 17-7-1985

The control of the co

FORM TINS----

(1) Mr. Dipak Kr. Bose

(Transferor)

(2) Dr. Parimal Ch. Gupta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1839|Acq. R-III|85-86.— Whereas, 3, SANKAR K. BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 4,00,000|- and bearing

No. 17B situated at Moore Avenue, Cal.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office with the Competent Authority vis 239 \B of the said Act read of the Registering Officer at

Calculfa under registration No. 37EE Acq. R-III 463 dated 9.11.84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any muceys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tay. Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 1 to 3 on the 1st floor measuring 607 $\,$ sq. ft

SANKAR K. BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16.

New, incidence in reasonance of Section 269C of the said Net. I hereby in the a proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following property and act.

Date : 17-7-1985

Seal:

61 135 GI/85

FORM ITNS----

(1) Sri Dipak Kr. Bose

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. R. Sridharan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ret. No. 1840 Acq. R-JII 85-86.—
Whereus, I, SANKAR K. BANNERIFE,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
No. 178 cituated at Moore Avanue. Cel

No. 17B situated at Moore Avenue, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read of the Registering Officer at

Calcutta under registration No. 37EE/Acg. R-III/455 dated 5-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 2 to 5 on the 2nd floor measuring 559,20 sq. ft.

SANKAR K. BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16,

Date: 17-7-1985

(1) M[s. S. C. Padhee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Drapes India Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1841 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 2, situated at Lalbazar Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read under registration with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962.

No. 37EE|Acq.R-III|531 on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not's in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that office space measuring 740 sq. ft.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1985

(1) Shri Ashok Kumar Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M|s. Premier Steel Corpn.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1842|Acq.R-III|85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing

No. 18 situated at R. N. Mukherjee Road, Calcutta (and more tully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Calcutta
No 37EE|Acq.R-III|511 dated 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habilitation of the transferor to pay tax xunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which caught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Unit 'C' divided portion light from Area-350 sq. ft.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-lil 54, Aafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-7-1985

(1) Shri Ashok Kumar Jain.

(Transferor)

(2) Ms. Tirumala Properties & Traders Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NUTICE DINDLK SECTION 2690(1) OF THE INCUME-18X AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION KANSE-III 54, RALL ARMED KILWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcula-16, the 17-a July 1985

Ref. No. 1843 Acq.R-III 85-86. Whereas, I.

SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the same Act), have recom to believe that the man property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

No. 18, 8 that is the N. Mukherjee Road, Calcutta (and more sunly described in the Schedule annexed he do), has been intracted and registered under section 269Ab of Income-take etc., 1961, in the Office of the Computer Admirity at Calcuta. No. 57d of Seq. Refugit 2 dated 26-11-1984

for a repared consideration which is less than the feir musual value of the office old concerty and I have reason to believe that the four means in a consporty as aforesaid execeds the as we me consideration the for by the confateen per eer or such acres on some and rest tr consideration for such transfer as agreed to been a parties has not been truly stated in the said instrument at transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the less on a course of their best said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for too propers of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sc Act. I needs initiate noncedings for the acquisition of the aforess I property by the result of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said. Act, to the this namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 'A' divided portion of 8th floor 1060 sq. ft.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-7-1985

Scal :

(1) M|s. Nakoda Properties & Finance (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anil Kumar Sethia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1844|Acq.R-III|85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]- and bearing No. 17/71/7 situated at Dover Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Calcutta No. 37EE/Acq.R-III/513 dated 27-11-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in regpect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other agests which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reads in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat on 3rd floor measuring 1158 sq. ft.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ill 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 17-7-1985

FORM 1.T.N.S.—

(1) Sashibala Shaw & Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashok Kumar Sood.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1845 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 180B situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authorty at Calcutta
No. 37EE/Acq.R-III/514 dated 28-11 84, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Lodon Income tax Act. 19.22 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two storeyed brick built building with land $\,6K\text{-}\,10$ Ch.-25 sq. ft.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Pradip Krishna Go-l.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Madbu D.vi Agarwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

> > Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1846 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 9, situated at Mayfair Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under section 269A3 of

the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Calcutta
No. 37EE Acq.R-III 502 dated 17-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, iz respect of any income arising from the transfer; and los
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ?-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given : that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 6A Area-1521 sq. ft.

SANKAR BANERITE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tra-Acquisition Range-Hi 54, Rafi Ahmed Kidwei Read, Calcufta-16

Date: 17-7-1985

Seal .

27519

FORM ITNS-

(1) Smt. Uma Rani Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) M|s. Jublee Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. 1847 Aca.R-III 85-86. Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 16A 1B situated at Manohar Kumar Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

at Calcut'a on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration' and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 4K-15 Ch. of land with one storied building with structure[shed was registered vide deed No. 5140 dated 21-11-84.

> SHANKAR K. BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ~con≰ pamelv:-62-186 GI/85

Date: 17-7-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Broja Sunderi Debi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sashi Bhusan Dutta & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD. CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th Tuly 1985

Ref. No. 1848 Acq.R-III 85-86.—Wheeras, I. SANKAR BANNERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

No. 5, situated at Shanti Rani Ghosh Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Calcutta on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that partly two storied and partly three storied building on 3K—8Ch. of land was registered at Calcutta vide Deed No. I 14265 dated 28-11-84.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-7-1985

Scal:

(1) Ashok Kumar Sood & Ors.

(Transferor)

(2) M. K. Manocha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 19th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 1849 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to te the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. 38 situated at Lake Garden, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; rand/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that undivided proportionate share in land and Flat measuring 620 sq. ft.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-113 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-7-1985

(1) M|s. Kalra Investors (P) Ltd. & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Brobheta Estate (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIEWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 19th July 1985

Ref. No. 850|Acq.R.-III.85-86.--Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. 25 situated at Bally gunge Circular Road, Calculta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the Office of

Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authorty at Calcutta No. 37EE Acq.R-II 499 dated 16-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); All that undivided proportionate share in land and Flat No. 1A in the 1st Floor measuring 2836 sq ft.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons agency:—

Date :19-7-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Pashupati Co-op, Housing Society Ltd.
(Iransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kiran Hamirwasia.

142142 TO 1,074

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 19th July 1985

Ref. No. 1851|Acq.R-III|85-S6.--Whereas, I, SANKAR K. BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value No. exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 62|7-1-B situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authorty at Calcutta under registration No. 37EE|Acq.R-III|448 dated 3-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) Incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

2 rooms flat measuring 1117 sq. ft. Flat No. 3B.

SHANKAR K. BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-7-1985

aliante raceas amelia FORM ITNS-

(1) Shri Sunil Baran Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Md. Shamim Iraqui.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUITA

Calcutta, the 12th July 1985

No. C.A.96|85-86|St.1029|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.--Ref. Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. No. 84, situated at Muzasfar Ahmed Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 96 dated 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that two storled brick built house together with land measuring 7 Cottahs and 24 sq. ft. being premises No. 84, Muzaffar Ahmed Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 96 dated 24-11-84.

> SHANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1985

Scal:

- (1) Smt. Sarala Devi Damani & Smt. Kiran Devi Jhwar. (Transferor)
- (2) Pyrene Rai Metal Treatment Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1985

C.A.101|85-86|\$1.1030|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.-Rcf. No. Whereas, I,

SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-18x Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

8, situated at Camac Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) No. C.A. 101 dated 26-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person. within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No.7 on the 5th Floor measuring about 589 sft. in Shantiniketan, 8, Camac Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 101 dt. 26-11-84.

SHANKAR K. BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely: --

Date: 12-7-1985

Seal ·

(1) Parckh Properties.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Jagdish Prasad Bansal alias J. P. Bansal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta-16, the 12th July 1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. C.A.92|85-86|Sl.1031|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 3, situated at Upper Wood Street, Calcutta-700017
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and regisered with the Comp.tent
Authority u|s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)

of income-tax Rules, 1962 No. C.A. 92 dated 12-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The office space No. 1.3 measuring 400 sft. more or less built up area on the Northern side of the First Floor at premises No. 3, Upper Wood Street, Calcutta-700017. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide No. C.A. 92 dated 12-11-84.

SHANKAR K. BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th July 1985

Ref. No. TR-3|85-86|SI,1032|f.A,C.|Acq.R-I|Cal.-Whereas, I,

S. K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0000]- and bearing No. 32-B, situated at Black Burn Street, Calcutta-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent, Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962

S.R.A., Calcutta under registration No. I-13468 dated 12-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-63 —186 GI/85

(1) Shri Taher Bhoj Hassanally & Shri Ibrahim Bhoj Hassanally.

(Transferor)

(2) Shri Hyder Bhri Hassanelly.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land measuring 1 K-8Ch.-14 Sft together with a building thereon at 32-R. Black Burn Street, Calcutta-13. Registered before the Sub-Registrat of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-13468 dated 12-11-84.

> S. K. BANFRJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-7-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1985

being the Conwetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 36, situated at Elliot Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta under registration R.A., Cal. under registration No. 1-17178 P dated 29-11-84

R.A., Cal. under registration No. 1-17178 P dated 29-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or;

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1967 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Subodh Churn J.aw & Probodh Churn Law.
 (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar Barman.

(Transferee)

- (3) Mr. W. R. Thompson & Occ. (Person in Occupation of the property)
- (4) Smt. Sudhina Sundari Dasai.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period set 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided equal one half share in dwelling house at 36, Elliot Road, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-17178 P dated 29-11-84.

SHANKAR K. BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th July 1985

Ref. No. 1R-185-86[S1]1034[I.A.C.]Acq.R-I]Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 21-B situated at Mirza Ghalib Street, Calcutta-16 has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at S.R.A., Calcutta under registration for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reas, n to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the east instrument of industry with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mahdlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and our
- (b) facilitating the concealment of any insome or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Kalyan Kumar Sarkar

(Transferor)

(2) Mst. Husna Khatoon

(Transferec)

(3) Tenant.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Tenant.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that hapte.

THE SCHEDULE

All that property at 21B, Mirza Ghalib Street, Calcutta-16. Area 1 Cottah 15 Chittack 13 Sq. ft. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-14064 dated 24-11-1984.

SHANKAR K. BANNERS)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-1

Dato : 12-7-1985

FORM ITNS ---

(1) Mrs. Terezio Krizka

(Transferor)

Reknas Limited.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFL AHMED KIDWAI ROAD, CALCUT1 A-16

Calcutta-16, the 12th July 1985

Ref. No. C.A 84|85-86|S1.1035|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I. S. K. BANERJEE, of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

No. 12 situated at Tangra Second Lane, Calcutta

fand more rully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and regisered with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Ruces, 1962 under registration C.A. 84 on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

All that piece or parcel of land by measurement 3 bighas 8 Cottabs 21 Sft. together with structures, shed and house being premises No. 12, Tangra Second Lane, Calcutta. Registered before the Competent Authority. I.A.C., Acquisition Range-1, Calcutta vide Serial No. C.A. 84 dated 9-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act. 1957 (27 of 1957);

SHANKAR K. BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. 54, Raft Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :--

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Anil Kumar Ghosh R|o 229|1, Bama Charan Roy Road, Calcutta-34,

(Transferor)

(2) 1. Shri Chanchal Prasad Basu, 2. Shri Kartick Prasad Basu, both of 4. Kamar Para Road, Calcutta-34.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED_KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. AC-28|R-II|Cal|85-86.--Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 229 1 situated at Bama Charan Roy Road. Calcutta-34 (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Sub Registrar, Aliporo on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stand in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of -957). THE SCHEDULE

2 cottahs 8 Chittaks land with one storied building situated at 229 1. Bama Charan Roy Road, P. S. Behala, Calcutta-34. More particularly described in Deed No. 4385 of S. R. Alipore of 1984.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 17-7-1985

Scal ;

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (4) OF 1961)

(1) Ashoka Marketing Ltd. R|o 5, Parliament Street. New Delhi,

(2) Shice Investments R|o 38-B, Garcha 1st Lane, Calcutta-19. (Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. AC-26|R-II|Cal|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 6 situated at Hastings Park Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances on 10-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2456 Sft. flat together with 885 Sft. Strong Room Vault situated at Rajhans, 6, Hastings Park Road, Calcutta, More particularly described in Deed No. I 16112-P of R.A. Cal. of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.---

!OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th July 1985

Ref. No. AC-27|R-II|Cal|85-86.—Whereas, I, IAIKH NAIMUDDIN,

eing the Competent Authority under Section 269-B of the acome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable operty having a fair market value exceeding

s. 1,00,000|- and bearing No.

5. 9 situated at Chapel Road, Calcutta-22

and more fully described in the Schedule samexed hereto) is been transferred and rogistered under the Registration ct. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering fficer at

ib Registrar of Assurances on 9-11-1084

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforesaid ceeds the apparent consideration therefor by more than leen per cent of such apparent consideration and that the nsideration for such transfer as agreed to between the uriles has not been truly stated in the said instrument of nasfer with the object of:— (1) Smt. Bani Hazra R|o 9, Chapel Road, Calcutta-22.

(Transferor)

- 2. Shri Manindra Prasad Dubey
- 2. Shri Manidra Prasad Dubey 3. Virendra Prasad Dubey and
- 4. Puppy Dubey all are minors being represented by Shri Hanshila Prasad Dubey R|o 9, Chapel Road,

Calcutta-22.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovables property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to say tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act to the following

sons, namely :---

THE SCHEDULE

Mezzaine floor and a garage measuring area 1000 Sft. situated at 9, Chapel Road, Calcutta-22. More particularly described in Deed No. 1-13378 of S.R.A. Cal. of 1984.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 17-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE M-1|C, GREEN AVENUE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1985

Ref. No. ASR|85-86|16.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. One property situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Pathankot on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 769D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rama Rani woo Shri Chetan Dev Chopra, ro Pathankot.

(Transferor

- (2) Shri Narinder Pal Singh & Sh. Paramjit Singh Salo Sh. Trath Singh, 103, Sunder Nagar, Pathankot.
- (1) As per Ser. No. 2 overleaf & tenants as under:—

 1. Hem Raj Sharma Rs. 35; 2. Sh. Bishan Dass Rs. 60; 3. Gian Chand Rs. 100|-; 4. Sh. Sansa Chand Rs. 60|-; 5. M|s. Shiva Bearings: Rs. 60|-6. Sh. Romesh Chand Rs. 100|-; 7. Sub Pos Office Rs. 80|-.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o
 45 days from the date of publication of this notic
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Gurdaspur Road, Pathankot, mentioned in sale deed No. 2067 dt. 22-11-84 of registeri authority, Pathankot.

J. PRASAD I. Competent Authors
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t
Acquisition Range, Amrits

Date: 12-7-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE M-1/C, GREEN AVENUE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1985

Ref. No. ASR|85-86|17.-Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and

PART III- SEC. 1]

No. One property situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot on Nov. 1984

Pathankot on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or usy moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid procerty by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 64-186 GI/85

- (1) Sh. Chetan Dev Chopra Slo Sh. Harcharan Dasa Chopra, ro Mohalla Sahibzadian, Pathanko.
- (Transferor) (2) S|Sh. Paramjit Singh, Narinderpal Singh Ss|o Sh. Tirath Singh, 103, Sunder Nagar, Pathankot.

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants as under :-Rs. 60|-; 3. Gian Chand Rs. 100|-; 4. Sh. Sansar Chand Rs. 60|-; 5. M|s. Shiva Bearings Rs. 60|-; 6. Sh. Romesh Chand Rs. 100|-; 7. Sub Post Office Rs. 80|-
 - (Person in occupation of the property)

be interested in the property)

(4) Any other (Person whom the undersigned knows to

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Gurdaspur Road, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 2026 dt. 19-11-84 of registering authority, Pathankot.

> J. PRASAD IRS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE M-1|C, GREEN AVENUE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1985

Ref. No. ASR|85-86|18.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1361 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. One property situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Pathankot on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Chetan Dev Chopra Slo Sh. Harcharan Dass Chopra, r o Mohalla Sahibzadian, Pathankot. (Transferor)
- (2) SSh. Paramjit Singh, Narinderpal Singh Selo Sh. Tirath Singh, 103, Sunder Nagar, Pathnakot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants as under:—

 1. Hem Raj Sharma Rs. 35|-; 2. Sh. Bishan Dass
 Rs. 60|-; 3. |Gian Chand Rs. 100|-; 4. Sh. Sansar
 Chand Rs. 60|-; 5. M|s. Shiva Bearings Rs. 60|-;
 6. Sh Romesh Chand Rs. 100|-; 7. Sub Post Office: Rs. 80]-.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Gurdaspur Road, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 2250 dt. 15-2-85, of registering authority, Pathankot.

> J. PRASAD IRS Competent Authority
> Inspecting Asart. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-7-1985

Scal:

FORM LINA-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE M-1 GREEN AVENUE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1985

Ref. No. ASR|85-86.-Whereas, I J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000]- and bearing No. One Kothi situated at 34, The Mall, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at S.R. Amritsar on Nov., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Usha Khanna wd. o Shri Narinder Chand Smt. Usha Khanna wd. o Shri Narinder Chand Khanna, S|Sh. Raghu, Rajit Ss|o Sh. Narinder Chand, Sh. Devinder Chand s|o Sh. Gujjar Mal, Sh. Ravinder Chand Khanna s|o Amin Chand Khanna, Smt Maya w|o Devinder Chand, Sh. Sanjeev Khanna S|o Sh. Devinder Chand, Smt. Chand Rani w|o Amin Chand through Smt. Usha Khanna r|o 19, Rattan Chand Road, Amritsar.
- (2) Smt. Punam Bawa wo Dr. Deepak Bawa, Smt. Bhagwant Bawa wo Dr. Y. S. Bawa, Dr. Deepak Bawa so Dr. Y. S. Bawa 34, The Mall, Amr.tsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at 34, The Mall, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5204 dt. 6-11-84 of registering authority, Amritsar.

> J. PRASAD IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE M-1/C,

GREEN AVENUE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1985

Ref. No. ASR|85-86|20,—Whereas, I J PRASAD IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

One Kothi situated at 34, The Mall, Amritsar

fond more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other ances which have not been es which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Usha Khanna Wd. o Shri Narinder Chand Khanna, S|Sh. Raghu, Rajit ss|o Sh. Narinder Chand, Sh. Devinder Chand s|o Sh. Gujjar Mal, Sh. Sanjeev Khanna s|o Devinder Chand, Smt. Chand Rani w|o Amin Chand, through Smt. Usha Khanna r|o 19, Rattan Chand Road, Amritsar. and Sh. Ravinder Chand Khanna Sh. Amin Chand Khanna, Smt. Maya w|o Sh. Devinder Chand. (Transferor)
- (2) Smt. Punam Bawa w|o Dr. Deepak Bawa, Dr. Y. S. Bawa s|o Sh. Kesar Singh Bawa, r|o 34, The Mall, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

Exphanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One property situated at 34, The Mall, Amritsar as per sale deed No. 727 dt. 17-4-1985, of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE M-1/C, GREEN AVENUE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1985

Ref. No. ASR|85-86|13.—Whereas, I, S. C. KAPIL, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. One property situated at Jora Pipal, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1>2, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Madan Lal so Shri Bihari Lal, Gali Devi Wali, Jaura Pippal, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal soo Shri Bihari Lal, Gali Dev. Wali, Jaura Pippal, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
- (Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Devi Wali Gali, Jaura Pippal, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5321 dt, 12-11-84 of registering authority, Amritsar.

S. C. KAPIL, IRS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE M-1|C, GREEN AVENUE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1985

Ref. No. ASR|85-86|14.—Whereas, I S. C. KAPIL, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. One property situated at White Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Dec., 1984 for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Sham Sunder So Shri Tarlok Chand Sharma, White Avenue, Maqbool Road, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Shri Sat Pal Arora and Sh. Joginderpal Se o Sh. Hardyal, 455, Basant Avenue, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at White Avenue, Off Maqbool Road Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6156 dt. 7-12-1984 of registering authority, Amritsar.

S. C. KAPIL IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, M-1/C GREEN AVENUE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1985

Ref. No. ASR|85-86|15.-Whereas, I S. C. KAPIL, 1RS heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. One property situated at White Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to hattman the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Sh.v Kumar Sharma, Soo Pandit Raunak Chand, White Avenue, Maqbool Road, Amritsar.
- (2) Shri Rajiv Arora s|o Shri Sat Pal, Smt. Usha Arora w|o Shri Joginder Pal, 455 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the nature of potter on the property and the property of potter on the property and the property of potter on the property of potter or the property of the potter the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berom as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at White Avenue, Off Maqbool Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 6155 dt. 7-12-84 of registering authority, Amritsar.

> S. C. KAPIL, IRS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 2-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th July 1985

Ref. No. A.P. No. 5823.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. as per Schedule situated at Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties I as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Rajinder Kumar Gupta S|o Ram Parshad Gupta R|o Phagwara Road, Hoshiarpur.

(2) Shrimati Neeta Sood wo Dr. Keshav Sood, and Dr. Keshav Sood So Shiv Charan Dass Sood, of Sood Nursing Home, Premgarh, Hoshiarpur.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 2916 on November, 1984 of the Registering authority of Hoshiarpur.

> J. S. AHLUWALIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now: therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1985

Ref. No. AP. No. 5818 and 5819.—Whereas, I J. S. AHLUWALIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and hearing No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jalandhar on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objecti of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no; been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Tajinder S.ngh So Baljit Singh rovillage Noorpur Distt. (Ludhiana) (R.D. No. 3514) and Balwant Singh so Kishan Singh ro Rainak Bazar, Jalandhar Attorney of Sohan Singh Bhulla Singh (RD No. 3520).

() Shrimati Natinder Kaur Wo Jaswinder Singh so Amrik Singh ro V. Bilgan Teh. Jalandhar.

(3) Any other person interested in the property and (Person in occupation of the property)

(4) S. No. 2 above.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 3514 and 3520 of Nov. 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. S. AHLUWALIA Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 65—186 GI /85

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. RPR 1 84-85.—Whereas 1, JOGINDER SINGH,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Land measuring 30K 13M Hadbast No. 361, Khata No. 74|83 situated at V. Siasit Pur. Teh. Ropar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roper in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Meeran Wo Justice Mr. Madan Mohan Punchhi, Ro Kothi No. 160, Sector 8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shil Narinder Amol Singh So Shri Har Amol Singh, Ro 10B, Model Town, Patiala. (Now at H. No. 113, Sector 28A, Chandigarh).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30K 13M (Hadbast No. 361, Khata No. 74|83) situated at Village Siasit Pur, Teh. Ropar. (The property as mentioned in the sale deed No. 1750 of November, 1984 of the Registering Authority, Ropar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-7-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. RPR|2|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land 28 Kanals 16 Marlas, Hadbast No. 361 Khata No. 74|83 situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ropar in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Meeran Wo Justice Mr. Madan Mohan Punchhi, Ro Kothi No. 160, Sector 8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Amol Singh Slo Shri Har Amol Singh, Rlo 10B, Model Town, Patiala. (Now at H. No. 113, Sector 28A, Chandigarh).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 28 Kanals 16 Marlas (Hadbast No. 361, Khata No. 74|83) situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar, (The Property as mentioned in the sale deed No. 1749 of November, 1984 of the Registering Authority, Ropar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 9-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. RPR|3|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaiter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land 27 Kanals 4 Marlas, Hadbast No. 361 Khata No. 73|82, situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roper in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the reporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Justice Mr. Madan Mohan Punchi Slo Shri Nand Lal Rlo H. No. 160, Sector 8A, Chandigath.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Amol Singh Slo Shri Har Amol Singh, Rlo 10B, Model Town, Patiala. (Now at H. No. 113, Sector 28A, Chandigarh).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land 27 Kanals 4 Marlas (Hadbast No. 361) Khata No. 73 82, situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar. (The property as mentioned in the sale deed No. 1748 of November, 1984 of the Registering Authority, Ropar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 9-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. RPR|4|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land 32 Kanals, Hadbast No. 361 Khata No. 73|82, situated at V. Siasit Fur. Teh. Ropar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ropar in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evazion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and fer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acqualition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Justice Mr. Madan Mohan Punchi Slo Shri Nand Lal Rlo H. No. 160, Sector 8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Amol Singh Slo Shri Har Amol Singh, Rlo 10B, Model Town, Patiala. (Now at H. No. 113, Sector 28A, Chandigarh).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 32 Kanals, Hadbast No. 361, Khata No. 73[82, situated at V. Siasit Pur, Teh. Roapar. (The property as mentioned in the sale deed No. 1745 of November, 1984 of the Registering Authority, Ropar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. RPR]5|84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Land 24 Kanals, Hadbast No. 361, Khata No. 73|82, situated at V. Siesit Pur. Teh. Roper

situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ropar in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Justice Mr. Madan Mohan Punchhi Slo Shri Nand Lal R|O H. No. 160, Sector 8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Amol Singh So Shri Har Amol Singh, Ro 10B, Model Town, Patiala, (Now at H. No. 113, Sector 28A, Chandigarh).

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 24 Kanals, Hadbast No. 361, Khata No. 73 82 situated at Village Slasit Pur, Teh. Ropar. (The property as mentioned in the sale deed No. 1744 of November, 1984 of the Registering Authority, Ropar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. RPR|6|84-85.-Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1. and 26 Kanals, Hadbast No. 361, Khata No. 73|82, situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ropar in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Justice Mr. Madan Mohan Punchi So Shri Nand Lal Rlo H. No. 160, Sector 8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Amol Singh So Shri Har Amol Singh, Rlo 10B, Model Town, Patiala. (Now at H. No. 113, Sector 28A, Chandigarh).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 26 Kanals, Hadbast No. 361, Khata No. 73/82, situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar. (The property as mentioned in the sale deed No. 1743 of November, 1984 of the Registering Authority, Ropar.).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Justice Mr. Madan Mohan Punchhi S/o Shri Nand Lal R/o H. No. 160, Sector 8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Amol Singh S/o Shri Har Amol Singh R/o 10B, Medel Town, Patiala now at H. No. 113, Sector 28A, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. RPR 7]84-85.-Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land measuring 32 Kanals, Hadbast No. 361, Khata

No. 73/82, situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ropar in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land measuring 32 Kanals, Hadbast No. 361, Khata No. 73/82, situated at Village Siasit Pur, Teh. Ropar. (The property is mentioned in the sale deed No. 1742 of November, 1984 of the Registering Authority, Ropar).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. RPR|8|84-85.---Whereas I, JOGINDER SINGH,

of transfer with object of --

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000 and bearing

Rs. 1,60,000]—and bearing
No. 1 and measuring 18 Kanals, Hadbase No. 361, Khata
No. 73/82, situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority, at

Ropar in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-66-186 GI/85

(1) Justice Mr. Madan Mohan Punchhi, 5/0 Shri Nand L.J. Rlo 160, Sector 8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Amol Singh, S/o Shri Har Amol Singh, R/o 10B, Model Town, Patiala, now at H. No. 113, Sector 23A. Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land mensuring 18 Kanals, Hadbast No. 361, Khata No. 73/82, situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar (The proprty as mentioned in the sale leed No. 1747 of November, 1984 of the Registering Authority, Ropar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-7-1985

FORM ITNO--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. RPR|9|84-85.-Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reduced to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Land measuring 31 Kanals 14 Marlas, Hadbast No. 361, Khata, No. 73/82, situated at V. Siassit Pur, Teh.

Ropar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Ropar in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income strong from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Justice Mr. Madan Mohan Punchhi, S/o Shri Nand Lal, R/o 160, Sector 8A, Chandigorh.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Amol Singh, S/o Shri Har Amol Singh, R/o 10B, Model Town, Patiala, now at H. No. 113, Sector 28A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 Kanals 14 Marlas, Hadbast No. 361, Khata No. 73/82, situated at V. Sinsitpur, Teh. Ropar. (The property as mentioned in the sale deed No. 1746 of November, 1984 of the Registering Authority, Ropar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-7-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. RPR|10|84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!—and bearing No.
Land measuring 14 Marlas 6 Sarashi, Hadbast No. 361, Khata No. 83|82, situated at Village Siasit Pur Tch. Ropar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer of Ropar in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeside property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said increment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tehal Singh S/o Sh. Bhagwan Singh, R/o V. Bhadal, Teh. & Distt. Ropar.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Amol Singh, S/o Shri Har Amol Singh, R/o 10B, Model Town, Patiala, now at H. No. 113, Sector 28A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the anguisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 Marlas 6 Sarsahi, Hadbast No. 361, Khata No. 73/82, situated at V. Siasit Pur, Teh. Ropar. (The property as mentioned in sale deed No. 1751 of November, 1984 of the Registering Authority, Ropar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER **OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. LDH;333|84-85. Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. No. 1/3rd share in House No. 19-I, situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Ludhiana in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerauon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any Income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acc. tion (1) of Section 269D of the and Act to the following persons, namely ;-

(1) Smt. Prem Lata Sood,

W/o Sh. Bal Bahadur Kumar, R/o 49-E, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Knur,W/o S. Balwant Singh,R/o 26D, Sarabha Nagar, Ludhiana

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in House No. 19-I, Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8016 of November, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

> IOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. LDH|322|84-85.--Whereas I, IOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1/3rd share of H. No. B. 26, 285 (69-B) situated at Sargodha Colony, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Ludhiana in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kappor Singh S|o Sh. Nagin Singh, R/o Chuhar Chak, Teshil Moga, Distt Faridkot.

(Transferor)

 (2) S/Shri Devinder Singh, Duljit Singh,
 & Sh. Taranjit Singh sons of Sh. Raghbir Singh,
 R/o New Lal Ii Tola, Palna (Bihar). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncorsigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of House No. B. 26, 385 (69B) Sargodha Colony, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 7320 of Nov., 1984 of the Registering Authority. Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiena

Date: 9-7-1985

FORM I.T.N.S,---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. LDH|299|84-85. — Whereas 1. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 1/3rd share in House No. B 26, 385 (69-B) situated at Sargodha Colony, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Ludhiana in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kapoor Singh S/o Sh. Nagin Singh, R/o Chuhar Chak, Tehsil Moga, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) S/Shri Devinder Singh, Daljit Singh, & Taranjit Singh sons of Sh. Raghvir Singh, R|o New Lal Ji Tola, Patna (Bihar).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Geneta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in H. No. B. 26, 385 (69B) Sargodha Colony, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 7073 of 11/84 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-7-1985

FOR MARKET DESCRIPTION OF THE PARTY OF THE P

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. .. 1: x5 ---

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No. LDH|329 84-85.-Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
No. 1/3rd share of H. No. B. 26. 385 (69-B) situated at
Sargodha Colony, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority, at

section 269AB or the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Ludhi na in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

the facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Kapoor Singh S/o Sh. Nagin Singh, R/o Chuhar Chak, Tehsil Moga, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) S/Shri Devinder Singh, Daljit Singh, & Taranjit Singh, sons of Sh. Raghvir Singh, & Taranjit Singn sons of on Kassilla (Bihar).

R/o New Lal Jj Tola, Patua (Bihar).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in H. No. B, 26, 385 (69B) Sargodha Colony, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 7810 of November, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th July 1985

Ref. No LDH|252B|84-85.--

Ref. No EDH/252B/84-85.—
Whereas I. IOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 1/3rd share of H. No. B. 26. 745/13B, situated at Staltit Name I without the content of the left of the stalt of the said Act.

Shakti Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

the Competent Authority
Ludhiana in November, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of suc/ apparent consideration and that
the consideration for suc/ transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of transfer. of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. and for
- moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Harcharan Singh Baweja S/o Sh. Harnam Singh, through General Power of Attorney Dr. Sunder Kaur Kohli W/o Dr. Hatbhajan Singh Kohli R/o 9, Shakti Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh Kohli, S/o Shri Hatbhajan Singh Kohli, R/o 9, Shakti Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 rd share of H. No. B. 26.745[13B, Shakti Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 7391 of Nov., 1984 of the Registering Authority, I udhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely :-

Date: 9-7-1985

Scal :

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Bharat Jyoti Mechanicals through its partner Sh. Deepak Candey, S/o Sh. Jogiader Pal Pandey, R/o 105, Industrial Area-A, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Wool India through its partner Smt. Roomi Pandey W/o Sh. Rajiv Pandey, C/o 113, Industrial Area-A, Ludhiana.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. LDH|303|84-85,—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/property bearing No. 8. XXIII. 203 (Plot No. 113) situated at Industrial Area-A, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ludhiana in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B. XXIII. 203 (Plot No. 113), Industrial Area-A, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 7564 of November, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—67—186 GI/85

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. CHD|80|84-85.---

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing
No. Plot No. 165, situated at Sector 33-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

No. Plot No. 165, situated at Sector 33-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Chandigarh in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 26%; of the ania Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Madhu Handa W/o Late Lt. Col. K. N. Handa, R/o House No. 163, Sector 6, Panchkula Distt. Ambala.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudarshan Kaur W/o Sh. Kitpal Singh, Ro House No. 573, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 165, Sector 33A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale Jeed No. 833 of November, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. CHD|75A|84-85.— Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. House No. 3076, situated at Sector 27D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Chandigarh in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Trilozhan Singh S/o Sh. Budh Singh, R/o House No. 3076, Sector 27D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Bhagwant Singh S/o S. Inder Singh, R/o House No. 3090, Sector 27D, Chandigarh. (Transferce)
- (3) 1. Shri Kuldip Singh,
 2. Shri Jagjit Sehgal,
 3. Sh. Onkar Neth,
 4. Sh. Hoshiar Singh,

 - 5. Sh. Tarsem Masih,
 - all r/o House No. 3076, Sector 27D, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3076, Sector 27 D, Chandigath. (The property as mentioned in the sale deed No. 803 of November, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. CHD|73|84-85. —
Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 2335, situated at Sector 35C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Chandigarh in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ltability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Balwant Kaur W/o S. Wasawa Singh through actorney Sh. Mangal Singh S/o S. Gopal Singh, House No. 169, Sector 21A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh S/o S. Chet Singh, C/o M/s. Didar Motors Store, Mani Majra, UT Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2335, Sector 35C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 771 of November, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lt. Col. Jabar Jang Singh (Retd.) Sh. Harbaksh Singh through his G.P.A. Shri Jagjit Singh Sol. Late Shri Gurbax Singh, Rolo H. No. 2105, Sector 35C, Chandigarh.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. CHD|72|84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000; and bearing

No. Residential Plot No. 554, situated at Sector 33B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Kanwal Mohan Singh So. S. Harbhajan Singh, House No. 2105, Sector 35C, Chandigarh.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:--

(b) facilitating the consealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential Plot No. 554, Sector 33B, Chandigarh. (The property as mentioned in the tale deed No. 762 of November, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rango
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985.

Seal

 Smt. Pushap Sharma Wdlo. Shri Balram Nath Sharma, Rlo Kothi No. 1298, Sector 18C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Pawan Kaur Wo. Shri Tarbalbir Singh, Rlo 644-C. Phase III-A, Mohali, Tch. Kharar.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1361)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. KHR|54|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. House No. 644C, situated at Phase III-A, Mohali, Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by ary other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 644C, Phase III-A, Mohali, Teh. Kharar. (The Property as mentioned in the sale deed No. 3128 of November, 1984 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. CHD|77|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House No. 2105, situated at Sector 35C. Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kanwal Mohan Singh S|o. Shri Harbhajan Singh, R|o 2105, Sector 35C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S|Shri Ashwani Kumar, Pradeep Kumar & Anil Kumar sons of Shri Tilak Raj R|o House No. 1275, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2105, Sector 35C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 822 of November, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 10-7-1985.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. CHD|82|84-85.-Whereas, I.

JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Half share of S.C.O. No. 8, situated at Sector 17D,

Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the chieft of the said instrument. if transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intitate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Surinderjit Kaur Wlo. Shri Kirti Pal Singh, Rlo House No. 228, Sector 9A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Nand Lal Jani (HUF) (ii) Shri Nand Lal Jani So. Shri Taras Ram Jain (iii) Smt. Om Wati Jain Sio. Shri Taras Ram Jain (iii) Smt. Om Wati Jain Wo. Shri Nand Lal (iv) Parveen Jain (v) Shri Anil Jain (vi) Rajinder Jain (vii) Rakesh Jain & (viii) Shri Deepak Jain Ro House No. 1155. Sector 15B, Chandigarh.

(Transferec)

(3) 1. M|s. Jain Brothers.

2. Mis. Atelit Architect,
3. Mis. Haryana Warehouse Corporation,
Clo. SCO No. 8, Sector 17D, Chandigarh.

(Persons in occupation in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1 share of S.C.O. No. 8, Sector 17D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 853 of November, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 10-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. LDH|335|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and beging

No. 1 share in House No. B. VII. 1108 situated at Sarai Bansi Dhar, Near Ghanta Ghar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Sukhpat Rai Aggarwal Sio. Shri Kunj Behari Lal Rlo Back side of Congress-I Office, G.T. Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ranbir Kumar Gupta Slo. Shri Vcd Parkash Rlo 771, Patel Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share of H. No. B. VII. 1108, Sarai Bansi Dhar, near Ghanta Ghar Chowk, Ludhiana

Ghanta Ghar Chowk, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 8084 of November, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the rold Act to the following persons, namely.—
68—186 GI/85

Date: 10-7-1985.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 10th July 1985

Ref. No. LDH 336 84-85.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. I share in H. No. B. VII. 1108, situated at Sarai Bansi Dhar, near Ghanta Ghar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ashok Kumar Soo. Shri Kunj Behari Lal Ro Back side Congress-I Office, G. T. Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Sultani Ram Sjo. Shri Ved Parkash, Rlo 771, Patel Nagar, Civil Lines,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 share in H. No. B. VII. 1108, Sarai Bansi Dhar, near Ghanta Ghar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8085 of November, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 10-7-1985.

Seal

(1) Ch. Notan Dass Soo Sh. Sham Dass, A-2/24-A, Model Town Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 @F 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kamlesh Kumar Jain Wo Vishal Kirti Jain, No. BM 177, Paschimi Shalimar Bagh, Delhi, (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|11-84|737.—Whereas, I, SII. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 5164-65, Plot No. 15-B|17-A, situated at Northern City Ext. Scheme No. I Kohlapur Rd., Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here(a) has been transferred under the income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Nov. 1984. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 5164-65 Plot No. 15-B|17-A, Northern City Ext. Scheme No. 1 Kohlapur Road, Subzi Mandi, Delhi. Mg. 165.16 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4 14A Assa Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1985

Scal:

FURM ITNS-

(1) Shri Ram Chand, XIII|7157, Beri Wula Bagh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurcharan Dass, 1657-1658 Hathi Khana, Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|11-84|738.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. XIII/7157, Beriwala Bagh, Delhi situated at Delhi has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 says from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The trems and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

P. No. XIII/7157, Beriwala Bagh, Delhi Mg.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-II Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delia

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 1-7-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HUUSE 4[14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq,II|SR-1|11-84|739.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. 3/12, West Patel Nagar, situated at New Delbi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the

Office of the registering Officer at Delhi on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (3) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) The Sarvadeshik Arya Pratinidhi, Sabba (International Arya League) through its President Sh. Ram Gopal Shal Wale, Ramlila Ground, New Delhi-2,

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Mehra So Sh. Roshan Lal Mehra, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 3|12, West Patel Nagar, New Delhi Mg. 200 sq.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4 14A Asaf All Road, New Delhi.

Date: 1-7-1985

FORM ITNS...

(1) Sh. Pankaj Buxi So Sh. Yashpal Buxi, 1658 Gali Madarsa Mir Jumla Bazar, Lal Kuan, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Bishambhar Dayal, So Sh. Gopi Chand, A-1 152, Indrapuri, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|11-84|741,---Whereas, I. SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 1658, Gali Madarasa Mir Jumla Bazar, situated at Lal Kuan, Delhi-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Nov. 1984 office of the registering Officer at Delin on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tally setted in the said intercent to parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

P. No. 1658, Gali Madarsa Mir Jumla Bazar, Lal Quan, Delhi-6 Mg. 86 sq. yds.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Anroo Devi do Sh. Ihandu Singh, Wo Sh. Siri Ram Menao F-18 (WZ-64), Raitan Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi Wlo Sh. Madan Lal, WZ-26, Rattan Park, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|AcqTI|SR-1|11-84|743.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. WZ-64 (Plot No. F-18), Rattan Park, situated at Vill.

Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957). Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. WZ-64 (Plot No. F-18), Rattan Park, Vill. Bassal Darapur, Delhi Mg. 146.2|3 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforeaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC Acq. 11 | SR-1 | 11-84 | \$\mathcal{I}\$ 50,—Whereas, I, SH. K. VASUDEVÁN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

No. A-15[1, Rana Pratap Bagh, situated at Delhi (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or anv moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) I. Sh. Nirankar Singh Bhatia, So Late Sh. Sohan Singh,
 MiG-2, M. P. Board Housing Society, Poly
 Pather, Jabalpur (M.P.)

 2. Sh. Harjit Singh So Late Sohan Singh,
 Rly. H. No. C&W-6, Line Par Moradabad

 3. Bhupinder Singh Bhatia
 So Sohan Singh,
 Co. Bhurt Electricals (Add. Barraya Hariba

 - Clo Bharat Electricals Ltd., Rampur Haridwar.
- (2) Shri Banrsi Lal Kaira So Lal Narain Dass, A-15|1, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. A-15|1, Rana Pratap Bagh, Delhi Mg. 350,32|100 sq. yds.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|11-84|751.—Whereas, I, VASUDEVAN,

cing the Competent Authority under Section 269B of the reduction Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act') have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding s. 1,00,000|- and bearing Jo. XII|6299|1, 6299|2 & 6900|1, Plot No. 10-K, Kohlapur load, situated at Subzi Mandi, Delhi and more fully described in the schedule annexed hereto), as been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1984 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by sore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

etween the parties has not been truly stated in the said

nstrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act to the following

risons, namely :----186 GI/85

(1) I. Smi Kundon Lai Seth Sio Late Sh. Roshan Lal Seth, S-363, Greater Kailush-II, New Delhi & 2. Harihar Lal Seth Sio Sh. Roshan Lal Seth, N-230, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor) (2) I. Smt. Kamlesh Girdhar Wio Sh. Kashmeri Fal Girdhar and

2. Sh. Shekhar Girdhar minor Slo Sh. Kashmeri Lal through his father & Natural Guardian Sh. Kashmeri Lal, 5286/87, Kohlapur House Subzi Mandi, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the same annovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. XII[6299]1, 6299]2 & 6300]1, Plot No. 10-K, Kohlapur Road, Subzi Mandi Delhi Mg. 150.6 sq. yds.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal Hous. 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|11-84|755.—Whereas, J, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

86-A, Kamla Nagar, Subzi Mandi, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Seth Shib Charan Dass alias Shiv Charan Gupta Slo Summer Chand 85 Model Basti, New Delhi.

(Transferot)

(2) 1. Ravinder Kohli Slo Late Sh. Kundan Lal Kohli, (2) Smt. Prem Kohli Wlo Sh. Ravinder Kohli AD|54-B, Shalimar Bagh, Dclhi-23, (3) Devinder Kohli Slo Kundan Lal. 86-A, Kamla Nagar, Dclhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 86-A, Kamla Nagar, Subzi Mandi, Delhi Mg. 260 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4 14A Assf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4|14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|11-84|758.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. C-583, Gali No. 11, Majlis Park Delhi Khasra No. 262|258|217|4 situated at Village Bharola, Majlis Park, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Sh. Paras Ram Sharma
 Sh. Ram Chander Sharma
 Type II, DESU Colony, Janakpuri, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Smt. Uma Sharma Wo Sh. Lachman Dass Sharma, B-13 5-A Krishna Nagar, Delhi-51. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. C-583, Gali No. 11, Majlis Park, Delhi Khasra No. 262|258|217|4, Vill. Bharola Majlis Park, Delhi. Mg. 111sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4 14A Asaf Ali Road, New Delbi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subcetion (1) of Section 269D of the mid Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 1-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Vishwa Preperties (P) Ltd., 4th Floor, Sheetla House 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

 Pragati Construction Co., W-49, Greater Kailagh-1, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ

AGGARWAL HOUSE

4/14A ASAF ALI ROAD

NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.H|37EE|11-84|534.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|— and bearing No. Flat No. 203. Multistoreyed Bldg., A-5 & 6. Community Centre, situated at Ranjit Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of i---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any incomo or any moneys or other assets which have not been or which englit to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ! hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immov able preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booked flat No. 203, Multistoreyed Bldg. A-5 & A-6, Conmunity Centre, Ranjit Nagar, New Delhi. Mg. 497 sq. ft.

K. VASUDEVA
Competent AuthoriInspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition RangeAggarwal Hou4/14A Asaf Ali Road, New Deli-

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Viswa Properties (P) Ltd., 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Dolhi.

(Transferor)

Pragati Construction Co., W-49, Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-84|535.--Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]— and hearing No. Flat No. 201. Multistorcyed Bldg., A-5 & A-6, Community Centre, situated at Ranjit Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the Resistant Delhi and New 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 201, Multistoreyed Bldg. A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi. Mg. 637 sq.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-7-1985

Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Viswa Propertics (P) Ltd., 4th Floor, Shectla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pragati Construction Co., W-49, Greater Kailash-J, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Dolhi, the 1st July 1985

Ref. No.IAC|Acq.II|37EE|11-84|536.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

and bearing No. Flat No. 204, A-5 & A-6 Community Centre, situated at Renjit Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the mid Act or the Weslin-tran Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

andlor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204 in multistoreyed building at A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi. Mg. 692 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4 14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|11-84|537.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 202 at A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

Delhi on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or thesaid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis. Vishwa Properties (P.) Ltd., 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

 Mis. Pragati Estate Management, Co. Pragati Tower, 26 Rajindera Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gametts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 in Multi storeyed building at A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi Mg. 473 Sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF.TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Vishwa Properties (P.) Ltd., 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Pushpa Bai, 190 Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq II|37-EE|11-84|539.-Whereas I, VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. 302, A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

Delhi on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Sozette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Booked flat No. 302 multi storeyed building A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi. Mg. 473 sq. ft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 4|14A Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 1-7-1985

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq II|37-FE|11-84|540.—Whereas I, VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 301, multi storeyed Bldg., A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

Office of the Registering Officer at

Delhi on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely 70 -- 186 GI/85

(1) M/s. Vishwa Properties (P.) Ltd., 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Padam Chand, 18 M.T. Cloth Market, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 in multi storeyed Building A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi, Mg. 637 sq. ft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-1985 Seal :

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq II|37-EE|11-84|541,—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000- and bearing
Space No. 2 on Basement floor in Samrat Bhawan, Plot A-7-8-9, Ranjit Nagar, Community Centre, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fair market property as a foresting the second of the property of the second of the property of the second o than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly clated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following

persons, namely :-

(1) M[s. R. C. Sood & Co. Limited, Eros Cinema Building, Jangpura Ext., New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. P. S. Sawhney so Sh. K. L. Sawhney & Mrs. Suman Sawhney wo Sh. P. S. Sawhney, 34|10, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Space No. 2 on Basement floor in Samrat Bhawan Plot A-7-8-9, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi. Mg. 324 sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-1985

FORM ITN9-

 M|s. R. C. Sood & Co. Limited, Eros Cinema Building, Jangpura Ext., New Delhi-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|11-84|542.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Space No. 1 on Basement Floor situated at in the Building at plot No. A-1|3, Naniwala Bangh, Azadpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the l. T. Act, 1961 in the office of registering officer at

Delhi on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mix Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Shoban Jain s|o Sh. Budha Mal Jain, 657|3, Patel Road, Ambala City, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 1 on Basement floor in the Building at Plot A 1|3, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi. Mg. 305 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4 | 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. 1AC|Acq. II|37-EE|11-84|543.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.
H. No. 3[16, East Patel Nagar, New Delhi North Road (South) Service Lane, (East) H. No. 3[17 (West) H. No. 3[15, East Patel Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of registering officer at

of registering officer at

Delhi on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Mohinder Kaur wjo Sh. Sujan Singh, 8 Eastern Avenue, Maharani Bagh, New Delhi.

('Transferor)

(2) 1. Sh. Bhushan Chand, Chawla

2. Smt. Raj Kumari Chawla 3. Sh. Bahadur Chand Chawla

4. Master Pankaj Chawla

133, Parshad Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3|16 East Patel Nagar, New Delhi (North) Road (South) Service Lane (East) H. No. 3|17, (West) H. No. 3|15, East Patel Nagar, New Delhi. Mg. 200 sq. yds.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ophich of the Markethad Assistant Commissioghic on Incomistan

ACCOSINON ICNOSER ACCOMMANAL LOUSE 4,444 ALLI AMI LOUSE KAN DANN

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|11-84|543-A,-Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00]- and bearing No. Municipal No. 2657, Private Shop No. 21 & 55 Plot No. 4 Ward No. XIV, Sadar Thana Road, Sadar Bazar, situated at

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of registering officer at Delhi on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition if the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

(1) Sh. Ramesh s|o Sh. Sunder Dass, 91 Warden Road, Bombay. Sh. Har Dayal s|o Sh. Tola Ram, B-A, Ivorina, 154, Queens Road, Bombay. Sh. Chanddan s|o Sh. Sunder Das, 91, Warden Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Sh. Ghan Shyam so Sh. Tola Ram 8-A, Commercia Road, Bombay. Sh. Nwal Kishore Bajaj so late Sh. Tara Chand, C-27, Anand Niketan (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 2657, Private Shop No. 21 & 55 in the ground floor, private plot No. 4 Ward No. XIV, Sadar Thana Road, Sadar Bazar, Delhi. Mg.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Read, New Delhi

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Sant Ram Anand co Vikram Kapoor, Advocate 6 Chander Lok Enclave, Pitam Pura, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Darshan KumarArora, 1|242, Gali Panja Shariff, Kshmere Gate, Dehi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 1st July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|11-84|543-B,-Whereas 1, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
No. BP-104, Shalimar Bagh, Dehi-110033 situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of registering officer at

Delhi on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter.

THE SCHEDULE

P. No. BP-104, Shalimar Bagh, Delhi-110033. Mg.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AĞĞARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi,, the 2nd July 1985

Ref. No. IAC Acq I SR-III 11-84 588.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Property No. S-480, Greater Kailash-II, mg. 550 sq. yds.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi at November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Indian Archaeological Society through Dr. S. P. Gupta, Treasurer, Purana Quila,

(Transferor)

(2) M|s. Universal Properties Ltd., through Santosh Kumar Kanoi, 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-480, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 550 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :--

Date : 2-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi,, the 2nd July 1985

Ref. No. IAC|Acq. J|SR-III|11-84|592.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. C-I/175, mg. 100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons. namely:—

- (1) Sh. Jagdish Chander Slo Late Sh. Kala Ram rlo C-Il175, Lajpat Nagar, New Delhi, for self and duly constituted special attorney of Sh. Harish Rai. Satish Chander, Tilak Raj. (Transferor)
- (2) Sh. Fakir Chand soo late Shri Narain Dass Gulari, roo I-1st 87, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dats of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. C-I[175, measuring 100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 2-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Gurvax Singh Pabla so Late Mota Singh, rlo K-9, NDSE Part-II, New Dehli.

(2) Sh. D. D. Sharma so Daulat Ram

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I ağgarwal house 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th June 1985

Ref. No. IA.C.Acq. ISR-III 11-84 594.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Rs. 100,000]- and bearing No. Plot No. M-58, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 247 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Now Delhi on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

rlo D-64, Panchsheel Enclave, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-58, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 247 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 71-186GI|85

Date: 28-6-1985

(1) Sh. Suraj Parkash Khanna, H-75, Karampura, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Asad Ullah Shah, Gulam Rasool, Manzorr Ahman Shah and Farooq Ahmad Shah rlo I-D|67, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4[14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th June 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|SR-IJI|11-84|595.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing

Rs. 1,00,000] and bearing No. I-D, Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 1A) racinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saud Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) hy any of the aforesaid persons within a ceriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I-D|75, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. vds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 28-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1985

Ref.No. IAC|Acq.I|SR-III|11-84|596.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 |43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. 16-National Park NH-VI Part-IV, Lajpat Nagar,

situated at New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Satya Ranii Wo Late Shii Lachhman Dass, Ro 16-National Park, Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Ram Sethi, Slo Late Sh. Multani Ram, Rlo G Type No. 591, Sriniwaspuri, New Delhi.

(Transferee')

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

16-National Park|NH-IV, Part-IV, Colony, Lajpat Nagar, New Delhi, 3 bed-rooms, drawing room on ground floor 2, bed-rooms, drawing-dining on first floor

R. P. RAJESH Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 2-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Renu Juneja, 20, Bangaloo Road, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Chander Kanta, A-2 35, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 2nd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-84|597.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Plot No. M-178, mg. 300 sq. yds. in G. K.-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; THE SCHEDULE

Plot No. M-178, mg. 300 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 2-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 14-A, ASAF ALI ROAD 4 14-A, NEW DELHI

New Delhi, the 28th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-84|598.--Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. G. F. Properity No. S-431, G.K.-II, New Delhi, mg. 294 \$q.

ft. situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Sh. Gurvinder Singh Khurana and Sh. Davinder Singh Khurana SS|o Avtar Singh Khurana, E-21A, East of Kailesh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Mohit Construction (P) Ltd., 38|4, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of Property No. S-431, Greater Kallash-II New Delhi, measuring 294 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-6-1985

FORM NO. ITNS

 Sh. Hoshiar Singh alias Hoshiarey Slo Sh. Kalia, Rlo Vill. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-84|599.—Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Agr. land in village Bijwasan, New Delhi situated at New

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chan er XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land admeasuring 10 Bighas and 6 Biswas comprised in Kh. No. 174 min. (10.06), in village Bijsawan, New Delhi.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-84|600.-Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Government Built Quarter No. G-12, mg. 100 sq. yds. situated No.

at Lajpat Nagar, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Dharam Vir Gupta Slo Sh. Bala Ram, Rlo G1|2, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vishwa Nath Sharma Slo Sh. Devi Dass Sharma.
2. Smt. Kamal Sharma
Wlo Sh. Shakti Nath Sharma,
Rlo H-1|55, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Government built quarter No. G-1/2, measuring 100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 2-7-1985

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th June 1985 -

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-84|601.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

K. F. KAJESH, using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Property No. S-318, Greater Kailash-II, mg. 300 sq. yds.

situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

in November, 1984.
for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any meomo or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Gurpreet Singh So Shri Trilochan Singh, Rlo 5|1, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Krishna Kumar Kalyani Wo Sh. Sita Ram Kalyani, Mrs. Chandra Mani Kalyani Wo Late Sita Rom Kalyani, Mrs. Manjula Kalyani Wo Sh. Shib Kumar Kalyani, Ro Din Bazar, Post & Distt. Jalpaiguri, through attorney Shib Kumar Kalyani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-318, measuring 300 sq. yds., Kallash-II, New Delhi. Greator

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-T Aggarwal House 4 14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 28-6-1985

The state of the second property and the second sec

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1985

Ref. No. IAC Acq. I SR-III 11-84 602.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. M-71, Greater Kailash-II, New Delhi situated at New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this refice under subsection (1) of Section 269D of the said Aci, to the following persons, namely ;---72-186GI|85

(1) Sh. Bushan Kumar Uppal Slo Late Sh. Mulk Raj, Rlo A-2|35, Safdarjang Enclave, New Delhi.

New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjeet Sawhney Wlo Sh. Narinder Singh Sawhney, through her bother & attorney Sh. Damnjit Singh, Rlo E-11 | Lajpat Nagar-III,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lower Ground floor (Basement), Ground floor & Mez. floor in building No. M-71. Greater Kailash-II, New Delhi with 60% share in the plot of final measuring 250 sq. yds. (208 sq. mts.).

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 2-7-1985

<u>an market y siament, in the children</u>

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4]14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-84|603.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Plot No. 197, Block C, mg. 300 sq. yds. in G. K.-I situated at

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 agd/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Vidyawanti Sabharwal Wo Late Sh. Chand Prakash Sabharwal, Ro 2489, Nalwa Street, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi.

(Transferor

(2) M|s. Trimurti Estates (P) Ltd.,
 30|3 Community Centre East of Kailash.
 New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as river; in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 197 Block C, measuring 300 sq. yds. with super structure of building, free hold residential colony, Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4[14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 2-7-1985

 M|s. Shanti (India) P. Ltd., 24, 47, & 48, Vashwant Place, Chanakya Puri, New Delhi.

Transseror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. M. J. Exports P. Ltd., 113-Jelly Maker Chambers No. 2, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4]14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-84|690.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. B-313 at 5, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed here), has been transferred under the I. T. Act 1961 43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ar:

Flat No. B-313, at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 275 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, .957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4|14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mls. Shanti (India) P. Ltd., 24, 47, & 48, Vashwant Place, Chanakya Puri, New Delhi.

(2) M|s. M. J. Exports P. Ltd., 113-Jelly Maker Chambers No. 2, Nariman Point,

Bombay-400 021.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of

pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

30 days from the service of notice on the res-

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-84|691.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. B-313 at 5, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A C. ΔCQ.III, New Delhi in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly said to the said instrument of transfer with the object of:—

- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. B-313, at 5. Bhlkaji Cama Place, New Delhi. Area 275 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Compeent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-84|692.-- Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authorny under Section 2691; of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have (eason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,0000]- and bearing
No. B-313 at 5, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the 1, 1. Act 1901 (43 of 1961) in

the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Dahi in November, 1984.

for an apparent consideration, which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Realth-nax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:— (1) M|s. Shanti (India) P. Ltd., 24, 47, & 48, Vashwant Place, Chanakya Puri, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. M. J. Exports P. Ltd., 113-Jelly Maker Chambers No. 2, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-313, at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi, Area 275 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

անչ : 3-7-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37FE|11-84|693.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 m) 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. B-18, Preet Vihar, Delhi situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the LAC. ACC.III, New Deihi in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the felt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed is between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of

- (a) racilitating the reduction or avassors of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following occsons, namely :--

(1) Sh. Satya Dev, Rlo D-895, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Susheela Devi ain, 2088, Katra Khushal Rai, Kinari Bazar, Delhi-06.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Vacant Plot B-18, Prcet Vihar, Delhi-98. Area 230.11 sq.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4 14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-7-1985

(1) Allied Construction Company, G-5|92, Nehru Place, New Delhi 19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Inderjit, Rlo. 8|42, Moti Nagar, New Delhi-15.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-III AGGARWAL HOUSE 4¦14-A, ASAF ALI ROAD NEW DFLHI

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-84|694,—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and benefit No.

Flat No. 106A, Plot No. 2, Old Rohtak Road, situated at Delhi

has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

in the Office of the 1. A C. ACQ. III, New Delhi, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assert reinch there is because which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notin the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106A of 210 sq. ft. on Plot No. 2, (Flatted factories) Old Robtak Road, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range-III
4/14, Asaf Ali Road
Aggarwal House
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforeta'il property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-84|695.—
Whereas, I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rg. 1,00,000/-Rs. 1,00,000 and bearing No. S-23, Badli Indl. Estate situated at Delhi

has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the I. A. C. ACQ. -III, New Delhi, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Inder Pal slo Sh. kam Nath, Proprietor Pal Traders, 8C|11, W.F.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Vohra Plo Ambajee Rang Udyog, 7699|39, Dharampur Lodge Clock Tower. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day. from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-23, Badli Industrial Estate, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assissant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 414. A af Ali Road Aggarwal House New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

RAJENDRAS' N-52-A. Connaught Place. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. P. C. Gaur, B-199, Vivek Vihar, New Delhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AĞĞARWAL HOUSE 1114-A, ASAF ALI ROAD 4|14-A, NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1985

Ref. No. IAC Acq. III 37EE 3-85 11-84 824,—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immuovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. RSH-412A (S.F.) 3, Local Community Centre, Dilshad

Gadren situated at Delhi and morefully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

in cht Office of the J. A. C. ACQ. -III, New Delhi, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

RSH-412-A (S.F.) 3, Local Community Centre, Dilshad Garden, Delhi, Super area 50 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4|14, Aggarwal House, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 4ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 73---186GY|85

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-85|11-84|925-A.—
Whereas, I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Municipal No. 71-B, Vijay Block Laxmi Nagar situated at Delhi

(and more folly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I. A. C. ACQ. -III, New Delhi. on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Mr. Suresh Kumar. 2164 1. Shadi Khanpur, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand, 72-A, Vijay Block, Laxmi Nagar, Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

71-B, Vijay Block, Laxmi Nagar, Delhi-92. Area 255 aq. ft. on each floor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4|14, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-7-1985

(1) RAJENDRAS'

N-52-A. Connaught Place. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s Kapoor Agencies, 2379, State No. 12, Kailash Nagar, Delhi-31.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4]14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-85|11-84|837.—Whereas, I, SUNJL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing RSH-108. (G.F.) 3, Local Community Centre, Dilshad Gadren situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the I. A. C. ACQ.-III, New Delhi. on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RSH-108, (G.F.) 3, Local Community Centre, Dilahad Garden. Delhi-2. (Super Area 100 sq. ft.).

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4|14, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 4-7-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) RAJENDRAS' N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Kapoor Brother, B|31. IInd Floor, Krishna Cloth Mkt., Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1985

Ret. No. IAC|Acq.III|37EE|3-85-11-84|838.— Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
RSH-319 (F.F.) 3, Local Community Centre, Dilshad Gadren situated at Delhi

Gadren situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I. A. C. ACQ.-III, New Delhi, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sall immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RSH-319, (First Floor) 3, Local Community Centre, Dilshad Garden, Delhi-6. Super area 57 sq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|3-85|11-84|846.— Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing Rs. 1,00,000 and bearing

RSH-109, (G.F.) 3, Local Community Centre. Dilshad Gadren situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi. on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecald property and I have represented market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) RAJENDRAS' N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Vandana Chaudhary, 1439 A 10, Balbir Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIFN:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RSH-109 (G.F.) 3, Local Community Centre, Dilshad Garden, Delhi. (Area 85 sq. ft. Super Area).

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4|14, Asaf Ali Road Delhi|New Delhi

Date: 15-7-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Kidar Singh, Rlo 6718, Ahata Kidara, Bara Hindu Rae, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jaswant Singh, Ro 6716, Ahata Kidara, Bara Hindu Rao. Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, 12th July 1985

Ref., No. 1AC|Acq.III|37EE|3-85|11-84|854.--Whereas, J. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs. 1,00,000|- and bearing No. F-7, Luxmi Nagar, Vijay Chowk, Illega Shahdara situated

at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I. A. C. ACQ. -111, New Delhi, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ?-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

5 shops with open court-yard being part property bearing Municipal No. F-7, 106 sq. yards situated at Vill. Khureji Khas, F-Block, Luxmi Nagar, Vijay Chowk, Illaga Shahdra,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4 14, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.|II|4-85|11-84|880,—Whereas, I. SUNJL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. RSH-104 (G. F.) 3, Local Community Centre, Dilshad Gadren situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the 1. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ.-III, New Delhi, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

No. Increrore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the accuracy and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) RAJENDRAS' N-52-A, Connaught Place, New Delhi,

(Transferor)

 Dr. Madan Gopal Gupta & Dr. Kusam Lata, A17, Vivek Vihar, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RSH-101 (G.F.) 3, Local Community Centre, Dilshad Garden, Delhi. Area 66 sq. ft. Super Area,

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Rajendras N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Mohan Lal Gupta & Sh. Vidya Bhushan Gupta, B-11 G-II, Dilshad Garden, Delhi-32.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14A, ASAF ALI ROAD NEW DEILHI

New Delhi, the 4th July 1985

whereas, i. SUNIL CHOPKA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No. RSH-103, (G F.) 3, Local Community Centre,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the

I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the afortsald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

RSH-103, (G.F.) 3, Local Community Centre, Dilshad Garden, Delhi, Area 80 sq. ft, Super Area.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4|14, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 4-7-1985

FORM ITNS-

(1) RAJENDRAS' N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Madan Gopal Gupta & Dr. Kusam Lata Gupta, A-17, Vivek Vihar, Delhi-32.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1985

Ref. No. IAC|Acq,III|37EE|4-85|11-84|882.---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable scoperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

RSH-102, (G.F.) 3, Local Community Centre, Dilshad

Garden situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the preparation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RSH-102, (G.F.) 3, Local Community Centre, Dilshad Garden, Delhi-32. Super Area 66 sq. ft.

> SUIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4|14, A:af Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

74---186GI|85

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.HI|37EE|5-85|11-84|905.-

Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 2. New Rajdhani Enclave, Vikas Marg, situated at

(and more fully described in the Schedule annexered hereto) has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the I. A. C. ACQ. -III, New Delhi, on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for each other than the consideration for such apparent consideration and the consideration and the consideration and the consideration for such a parent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Mohinder Kaur, Wo Shri Sukhdev Singh, Ro 12B/1, Navjcevan Society Mahim, Bombay.

(Transferor)

(2) M|s. Sincere Builders,2. New Rajdhani Enclave, Vikash Marg. New Delhi-92,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant residential plot No. 2, measuring 400 syd. in New Rajdhani Enclave, Vikas Marg, New Delhi-92.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
Aggarwal House
4|14, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-7-1985

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) L. P. Luthra, A-10, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savita Chand, Wo Shri Satish Chand, A-86, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|5-85|11-84|922.-Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing share of 207 Padam Tower, Rajindera Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as affresnid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

1 share in 207, Padma Tower, Rajindera Delhi. Area IInd floor, 375 sq. ft. (1 Share). Place, New

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 'hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

Shri V. N. Tugnait, C-4, Bhagwan Dass Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri J. P. Gupta & Others, 916, Gall Inderwali, Bazar Sita Ram, Delhi-86.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC|Atq.III|37-EE-5-85|11-84|923.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

127, Defence HQ. Civilian Personal Co-op. House Bldg. Society Ltd situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant residential plot No. 127 (180 sq. yds.) Defence HQ Civilian Personnel Co-op House Bldg. Society Ltd., New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 3-7-1985

(1) Rajendras', N-52-A, Connaught Place, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs.Bimla Beriwal, 11|3, Railway Colony, Sewa Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|6-85|11-84|933.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'mamovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. RSH-312, (1st floor) 3, Local Community Centre situated at balls.

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi

in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) ow the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RSH-312 (1st floor) Plot No. 3, Local Community Centre, Dilsnad Garden, Delhi. Area 54.5 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|6-85|11-84|934.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

3, 1st floor, Pal Mohan Bhavan, 663A/3, New Rohtak Road, situated at Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the roperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Rishi Pooja Builders (P) Ltd. 6|4792, Chandani Chawk, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Padma Vohra, 864, Joshi Path, Karol Bagh, New Delhi-11005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, First Floor, Pal Mohan Bhavan, 663|3, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi. Area 1557 sq. ft. (Super area).

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|11-84|2491.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Plot No. 123-124 in Block-C, in New Multan situated

at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Manpreet Ohri, Wo Shii Suringal Ohri, R|d F-57, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pritam Lal Ghai, S|o Shri Malik Chand, R|o 35-B35-B|77, Runjabi Bagh, New Delhi.

i Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 123-124, in Block-C, situated in New Multan Nagar, Delhi, area 388.1|3 sq yds. out of Kh. No. 4|18, area of vill. Jawalaheri, New Multan Nagar, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Dethi|New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

See al:

FORM ITNS (1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Raj Kr. Vinod Kr., S|o Shri Attar Singh, R|o Pitam Pura, New Delhi.

(Transferor)

(2) Bahu Dutt, R|o Vill. Jharode Majra Burari, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|11-84|2492.—Whereas, I_SUNIL_CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Kh. No. 323/268, Mukand Pur situated at Delhi

Kh. No. 323 268, Mukand Pur situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the J.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) factlitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of measuring 36 Bighs, 9 Biswa, Kh. Nos. 323 268 Min (33-10) and 181 (2-19) Mukand Pur, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1, of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAB ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.[II]SR-II|11-84|2493.-Whereas, [. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Plot No. 56, Block A, Kh. No. A[16, New Multan Nagar, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

, by facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Gokal Prasad Tiwari. Slo Shri Musai Ram Tiwari, Rlo. H. No. 558, Pandar Road, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-32. (Transefror)

(2) Smt. Rai Rani. Wo Shri Charan Dass, Ro 374, Gali Chadi Wali, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 56 in Block A, measuring 464, sq. yds. Khasra No. 1|16, sltuated in the colony known as New Multan Nagar, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, transly does not be secretary. 75-186GI 85

Date: 15-7-1985

Seal ·

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1985

Ref. No. IAC Acq.III SR-11-84 2494.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent. Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. D 7|38, Rajouri Garden Vill. Tatarpur situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Raj Kumari Wlo Shri Saroop Chand, Shri Kasturi Lal So Shri Hant Raj, Rlo J-372, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transefror)
- (2) Smt. Rama Sharma Madan Ram Vati, Do Shri Parbhati Lal Wo Shri Ramesh Sharma, Ro C-133, Vikas Puri, New Delhi.

||Transferce|

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1-7|38, measuring 160 sq. yds. situated at Reipuri Garden, area of vill. Tatarpur Delhi State, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 12-7-1985

(Transefror)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|11-84|2496.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, hvaing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

E-1. Ajay Enclave, area of vill. Tihar situated at Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Suman alias Suman Paerioha, Do Shri Ram Lal Anend Wo Shri Ashok Pasricha, Ro J-59, Rajouri Garden, New Delhi, through her attorney Shri Tilak Raj Sethi.
- (2) Shri Ram Laly Hasija, Slo Shri Kanaya Lal Hasija, Rlo 61-A, MIG Flats, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-1, mg. 325 sq: yds. situated at Ajay Enclave, area of vill. Tihar Delhi Sate, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Date: 5-7-1985

Sear

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4[14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|11-84|2497. Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

H. No. 13. Road No. 54, Class 'D' Punjabi Bagh, situated at No. 13. Road No. 54, Class 'D' Punjabi Bagh, situated at No. 13. Road No. 54, Class 'D' Punjabi Bagh, situated at No. 13. Road No. 54, Class 'D' Punjabi Bagh, situated at No. 13. Road No. 54, Class 'D' Punjabi Bagh, situated at No. 13. Road No. 54, Class 'D' Punjabi Bagh, situated at No. 13. Road No. 54, Class 'D' Punjabi Bagh, situated at No. 14. Road No. 54, Class 'D' Punjabi Bagh, situated at No. 15. Road No. 54, Class 'D' Punjabi Bagh, situated at No.

New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaswant Singh, Rlo 13, Road No. 54, Punjabi Bagh, Delhi.

The state of the s

(Transefror)

(2) Smt. Nirmal Sachdeva and Shri Parveen Paul, 13, Road No. 54, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 13, Road No. 54, Class 'D', Punjabi Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 5-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|11-84|2498,---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immayable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

23, North West Avenue Road, Punjabi Bagh, situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) theritaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri A. N. Sharma slo Perma Nand, 27. Kandhari Colony, Agra, 2. Shri S. N. Sharma Slo Perma Nand,

F-18, Bali Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Ms. Super Rubber Enterprises, 16, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 640.74 sq. mtrs. Plot No. 23 on North West Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|11-84|2499.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

8|46, Punjabi Bagh, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Usha Jain, r|o 8|46, Punjabi Bagh, Delhi.

(2) Shri Sant Lal & Smt. Sunita.
rlo 457, Rishi Nagar,
Delhi.

(Transefror)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8|46, Punjabi Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Hira Devi Sharma wo Sh. Krishan Datta Vashishta Ro A|Shop-16, Inderpuri, New Delhi. (Transferor)

Sh. Krishna Lai so Late Sh. Roop Lai Roo F-572,
 J. Colony. Inderpuri, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|11-84|2500.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immercial property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. A|Shop No. 16, WZ-254, Inderpuri, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for auch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, built on Plot No. A|Shop-16, measuring 110 sq. yds. bearing Municipal No. WZ-254, situated at Inderpuri, area of vill. Naraina Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under, sub-acction (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date : 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI **ROAD,** NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|11-84|2501.---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preserty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00]- and bearing

Kh. No. 12|14, Vill. Najafgarh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Prem Nath Khanna soo Sh. Gopal Dass Khanna Ro C-49, Rajourl Garden, New Delhi.

(2) Shri Jai Kishan soo Sh. Bhagwan Singh Ro Vill. Kanaunda, Distt. Rohtak. Haryana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 8 biswas, Kh. No. 12|14, Vill. Najafgarh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second secon (1) Shri Jagtar Singh Chadha, soo Sh. Vishan Singh Chadha, ro M-36, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Raghbir Singh, slo Sh. Ram Sarun, Rlo RZ-1, Vijay Park, Najafgarh, New Delhi-43.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|11-84|2502.--wnercas, 1, SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000]- and bearing Kh. No. 12|3, Vill. Najafgarh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trnsfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas 16 biswas, Kh. No. 12[3, Vill. Najafgarh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-76---186GI|85

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-LII AGGARWAL HOUSE, 4(14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dolhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|11-84|2503.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

and bearing.
Plot No. 3[83 Class-C, Punjabi Bagh, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Dolhi on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sh. D. R. Gulliani & 2. Sh. Ram Sarup both sons of Sh. Ram Chand R o D-43, Kalkaji, New Delhi.
- 1. Smt. Gurbachan Kaur wo Sh. Om Singh Yaneja
 2. S. Jasbinder Singh so S. Om Singh Fenaje both
 ro Guru Nanak Market, Arrah (Bihar).

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3/83 Class-C, area 448.26 sq. mtrs. situated at Punjabi Bagh area of Villago Madiour, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 12-7-1985

FORM TINS-

(1) Smt. Ram Piari woo Late Sh. Bansi Lal Malhotra, Koo II. No. WZ-246, Shiv Nagar, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Tulsan Devi & Smt. Banti Devi Rlo B[118, Double Storey Motia Khan, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Deihi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC]Acq.III|SR-II|11-84|2504.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. WZ-246, F Block, Shiv Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 👞 given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. WZ-246, F. Block, situated in Shiv Nagar, New Delhi, with the land mg. 200 sq. yds. under the said House

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 11-7-1985

(1) Smt. Umri Devi Seth wo Sh. (Late) Ram Lal Seth Ro J-12/49, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Ishwar Chandra Kapoor soo Late Sh. Dayal Dass Kapoor Ro B-5/84, Paschim Vihar, New Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-JU
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|SR-II|11-84|2505.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. 49, Block J-12, Rajouri Garden, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house, bearing Plot No. 49, in Block I-12, measuring 200 sq. yds. situated at Rajouri Garden area of vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 5-7-1985

(1) Smt. Poonam Malhotra wlo Sh. S. P. Malhotra, R. BF 25, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III WAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI NEW DELHI AGGARWAL ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 15th July 1985

Rcf. No. IAC|Acq.-III|SR-II|11-84|2506.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot & Kh. No. 205, Vill. Nangli Sakrawati, situated at Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforecaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(2) M/s. Diamond Plastic Industries, C-1|44, Japak Puri, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot & Khasra No. 205 measuring about 150 sq. yds. situated in the abadi of Laldora of Village, Nangli Sakrawati, Delhi State, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 15-7-1985

FORM ITNS -- -

(1) Smt. Poonam Malhotra wlo Sh. S. P. Malhotra, Rlo BF-25, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD; NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|SR-II|11-84|2507.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing Kh. No. 205, vill. Nangli Sakrawati, situated at Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sh. P. K. Hora slo Late Sh. N. G. Hora, R[e C-1]44, Janak Puri, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957, (27 of 1957); Plot & Khasra No. 205, measuring about 150 sq. yds.

THE SCHEDULE

uated in the abadi of Laldora of village Nangli Sakrawati, Dilhi Najafgarh, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

avow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said gact, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-7-1985

FORM ITNS—— (1) Sh. Bal Krishan Sood,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-HI|SR-III|11-84|910.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'raid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 6|50, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the presaid property by the issue of this notice under substion (1) of Section 269D of the said Act, to the follower, persons, namely ---

 Sh. Bal Krishan Sood, Rlo 6|50, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 8h. Atam Parkosh Chaudhary & Smt. Amita Chaudhary, 4/6, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6|50, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 15-7-1985

FORM NO. ITNS-

(1) Shri T. K. Dutt & Mrs. Cherry Dutt, (HUF) E-42, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Mls. Emperor Travels & Toars, (P) Ltd. F-45, Bhagat Singh Market, New Delhi-1.

(Transferee)

(3) M/s. Delhi Clock, 2, Genl. Mills Ltd., Bara Hindu Rao, Delhi.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1985

Ref. No. IAC|Acq,HI|SR-JII|11-84|912.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter the red to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. 14-B, Block No. 1, Ganga Ram Hospital Road. Northern Extn. Area situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property - may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14-B, Block No. 1, Ganga Ram Hospital Road, Northern Extension Area, New Delhi alongwith complete super structure built therein.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date . 4-7-1985

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|SR-III|11-84|913.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Income-tax able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Municipal No. 7010|16, Block 16-B, Plot No. 10, Kh. No. 1538|152 situated at W.E.A. Rameshwari Nehru Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transformed under the Registration Act. 1908, (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the storesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducteion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property & the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons ramely:-77-186G1|85

(1) Sh. B. C. Misra (Bipin Chandra Misra) so late Pandit Chiranjit Lal Misra Retired Judge of High Court, Delhi Ro Misra Bldg., 17, Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi-6, through attorney.

(Transferor)
(2) Shri Babu Ram Gupta soo Sh. K. C. Gupta and Mrs. Swaran Kanta Gupta woo Sh. P. D. Gupta Ro 70/5380, Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days frees the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 7101|16, Block 16-B, Plot No. 10, Kh. No. 1538|152, measuring 247 sq. yds. situated at W.F.A. Rameshwari Nehru Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority papecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 15-7-1985

FORM I'MS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|11-84|916.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'scid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Plot No. 14, Block 'E', Hauz Khas

Enclave, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November 1984

Now Delni on November 1984

for an appearent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen rar cent of such apparent consideration and that be consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferant to the said Act, in the transferant to the said Act, in the said
- ,(b) facilitating the noncealment of any income or any morecys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act. or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

- (1) Smt. Saraswati K. Masand through her duly constituted General Attorney Smt. Asha Masand wo Sh. Ram K. Masand Ro 1604, Faiz Ganj, Darya Ganj, N. D.-2. (2) Sh. Ram K. Masand so late Sh. Kanhiya Lal Masand Ro 104, Faiz Ganj, Darya Ganj, N. D.
- (2) Shri Virendra Nath Gupta s|o late Sh. Gopal Swarup Ji Singhal R|o 3184, Lal Darusja Bazar Sita Ram, Delhi-6. (Transferee)
- (3) Sh. A. P. Gandhi and Sh. Jagmohan Gupta.
 (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 14, measuring 200 sq. vards in Block No 'E', situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 12-7-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second of th

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|SR-III|11-84|929.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority made, Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing Kh. No. 2876|2614, Biock O' gali No. 48,

situated at Basti Rehgar, Beadenpura, Karol Bagh, New Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

tor an apparent consideration which is less that the fair market value of the aformal property and that the fair of the relation the mapped a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties has not been only stat for the and insomment of a water with the consideration and insomment of a water with the consideration.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceanment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Igbal Singh & Richpal Sagh sous of Balwant Singa, Rlo T-650, Baljit Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Roshan Lal Slo Late Mohan Lal Rlo A-8|24, Rana Pattap Bagh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official C 2 of A

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|2 undivided share of property No. 2964, Ward No. XVI, Kb. No. 2876|2614, measuring 83 sq. yds. Block 'O', gali No. 40. Basti Reghar, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 13-7-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 17th July 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|SR-III|11-84|922.-Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. B-7|96 Ext. Saidarjung Enclave, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November, 1984

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaden of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-ax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kaushalya Rani Wlo Attar Chand, Rlo S. Q. 15, Anand Parbat, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Remp4t Estates (P) Ltd., G-56, Green Park, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-7]96|Ext. Safdarjung Enclave, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subscript (1) of Section 269D of the self Act, to the followne persons, namely :---

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|SR-III|11-84|923.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Property No. P-5, measuring 200 sq. yds. situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November, 1934 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Krishan Slo Ganesh Dass, Rlo F-99, B. K. Dutt Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dharam Pal Slo Mool Chand, Rlo P-5, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. P-5, measuring 200 sq. vds. Malviva Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 5-7-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETEX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The same terrename approximation is at a second of the same and the sa

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASA: ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC | Acq-III | SQ-III | 11-84 | 924.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1900 (60) and benefit. Ht No. 3605, Gif No. 11, 12 lin. No. 1907 and 1908 Rehearpura, situated at Karol Kish. New Dehi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been aren to have the Sechedule annexed hereto) has been aren to have the Sechedule annexed hereto) has been aren to have a separation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifetime as a confidential of such apparent consider the between the market way are leven trait stated in the said instrument of transfer with the effect of the

- (a) maintaining the readmines on everyon or the passility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) racilitating he concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Jaswan: Singh Slo S. Pritam Dass Rlo H. No. 3605, Gali No. 11-12, Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi-110005.

(Transferor

(2) S|Sh. Vinod Kumar
S|O Attar Chand
R|O B-439, J. J. Colony, Inderpuri, Delhi.
2. Surinder Pal
S|O Attar Chand
R|O B-407, Inderpuri, Delhi.
3. Ashok Kumar
S|O Attar Chand
R|O 3605, Rehgarpura Karol Bagh, New Delhi.
4. Inder Pal
S|O Attar Chand
R|O B-407, Inderpuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. 3605, Gali No. 11-12, in Block L, on Khasra No. 1907 & 1908, measuring 100 sq. yds. at Regarpura, Karol Bagh, N. Delhi.

SUNII. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 5-7-1985 Seal:

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. IAC|Acq-III|SR-II|11-84|925.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Qr. No. R 831, New Rajinder Nagar,
situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at New
Delhi on November, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
halieve that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nove, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely

(1) Smt. Gian Devi Rlo Rl831, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gurinder Kaur, Rlo R/831, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. R|831, New Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th July 1985

Ref. No. IAC|Acq !II|SR-III|11-84|926.-Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Coracetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

4, of property bearing No. S-I, Green Park Extn., situated at New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) J. B. Goel, Director of M/s. Express Properties (P) Ltd., B-177, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ms. Bharat Thread & General Industries, 150-551, Pasonda Road, Sahibadbad (U.P.) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 4 of Property bearing No. S-I, Green Park Extn., New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-iax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

in a Propination <u>and the second of the se</u>

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|SR-III|11-84|927.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Portion No. 3, (F.F.) Prop. No. S-1, Green Park Extn., situated at New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than apparent of such apparent consideration therefor by more than apparent of such apparent consideration. said exceeds the apparent consideration instance by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

78-186GI|85

(1) M/s., Express Properties (P) Ltd., B-177, Greater Kailash-I, New Delhi. Through its Director J. B. Goel.

(Transferor)

(2) Master Mandeep Singh Sawhney (Minor) S|o S Manjit Singh, R|o 3|23, East Patel Nagar, New Delhi through his father and natural guardian, Manjit Singn.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 3, measuring 240 sq. ft. First bloor, property No. S-1, Green Park Extn., New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|SR-III|11-84|928.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No.

10518, Ward No. 16, Plot No. 5, Block-18, Kh. No. 1617

situated at Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New

Delhi on November. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- in) facilitating the recinction or evenion of the lightlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Raj Kumar Slo Sh. Sham Lal Rio 4|23, W.E.A, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Jaswant Singh Slo S. Pritam Dass Rlo Property No. 10518, Ward No. 16, Plot No. 5, Block No. 18, .W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION: - The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|2 undivided share in 2} storeyed building, part property No. 10518, Ward No. 16, Plot No. 5, Block No. 18, Khasra No. 1617 1147 undivided lease hold rights into the land measuring 129 sq. yds. situated at Western Extn., Area, Karol Bagh, N. Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 12-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|11-84|SR-IV|1402,-Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. D-52, Dilshad Ext No. I, Shahdara

situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;

- (a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Vijay Kumar Jain Ro P. O. Jharsa Distt. Gurgaon. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Paramject Singh and Sh. Joginder Pal, Rlo A-21, Vishal Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-52, dilshad Ext. No. I. Shahdara Delhi area 562.5 sq. yd. in the area of village Jhilmil tahirpur Illaga Shahdara Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Kamlesh Rani Wo'Sh, Subodh Kumar Ro 489, Bara Thakur Dawara, Shahdara, Delhi-32.

(Transferor)

(2) Sh. Deepak Aggarwal Slo Sh. Kishan Sawrup Rlo 439, Bhola Nath Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4]14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn-III|SR-IV|11-84|1404.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1|524-C. Plot No. 30, Vill. Jhilmila Tahirpur, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersianed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No. 1/524-C, Part of plot No. 30 measuring 259 sq. yds. situated in the area of Village Jhilmila Tahirpur, Known as Friends Colony Industrial Area, Shahdara, Delhi-32.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Pinki Guyra Djo Sh. Roghunath Sahai, Wo Sh. Raj Kumar Gapta Ro 158 E. Kamla Nagai, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Shri Prem Nath Gupta Slo Sh. Amarnath Rlo 13|24, Shakti Nagar. Delhi-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1985

Ref. No. IAC Acq-JΠ SR-II 11-84 2495.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 bearing Khasra No. 894, Vill. Alipur Garhi, situated at Delhi State, Delhi, (and more fully described in the Schedule appayage hereta)

(and more fully described in the Schedule annexure hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New

Delhi on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the presentive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Khasra No. 394, situated in Village Alipur Garhi, Delhi State, Delhi, Area app. 400 sq. yards.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-7-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri N. Karunanidhi & Others 19 Mothilal Street, Thirunelvelli Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri P. Jeevanantham & Others, S|o Shri T. M. Periyasamy Nadar, 48G Chowdry Street, Sivakasi Town...

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002,

Madurai, the 12th July 1985

Ref. No. F. No. 1|Nov.|84.—Whereas, I. K. VENUGOFALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 5

situated at Natham Village, Sivakasi (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Sivakashi (Doc. No. 2850/84) on Nov. 84

of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Sivakushi (Doc. No. 2850/84) on Nov. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land. Cent 284. Survey No. 15/4A1. Viswanatham Village, Sivakasi.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1985

FORM I.T.N.S.~

(1) Shei K. Hanumanthan, Slo Kalimu hunadar, Rajapet, Madras.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Ramsous Packaging Industries, Sivakasi.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Madurai-625 002, the 12th July 1985

Ref. No. F. No. 3|Nov|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, k. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing S. Nc. 80A-1, 80B-2 situated at Sivakasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pagistration Act 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sivakasi (Doc. No. 2940/84) on Nov. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the postice has not been truly stated in the said instance. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land, S. No. 80B-2, 80A-1, Acres 2-06, Sivakasi Village,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-7-1985

FORM I.T.N.S.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri K. Amirtharal, Slo Shri Kalimuthu Nadar Rayapet, Madras.

(Transferor)

(2) M|s. Srinivas Industries, Sivakasi.

may be made in writing to the undereigned :-

(Transferee)

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADURAI-625 002

Madurai-625 002, 28th June 1985

Rcf. No. F. No. 4|Nov|84.—Whereas, I K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. S. No. 81 situated at Sivakasi Village (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office at SRO. Sivakasi (Doc. No. 2941|84) on Nov. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as iforesaid expecteds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

.(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

. Objections, if any to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaslette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money, or either a tets which have not been or which might be to the fransferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land, Survey No. 81, Sivakasi Village.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madural-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 28-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 289D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADURAI-625 002

Madurai-625 002, 28th June 1985

Ref. No. F. No. 5|Nov.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,00/- and bearing
S. No. 81 situated at Sivakasi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office at SEO. Sivakasi (Doc. No. 2942/84) on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- 79-186GI|85

(1) Shri K. Hurthurai Nadar, So Shri Kalimuthu Nadar, Rayapet, Madras,

(Transferor)

(2) Mls. ORRV-EE Industries, Sivakasi.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, 2-31 Acre in Survey No. 81, Sivakasi.

K, VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-625 002

Date: 28-6-1985

316434 THE

FORM I.T.N.S.

 Sri R. Gurumurthy, 16 Eluthanikara Street, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D/I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri A. Karuppanchettlar, 1|3 Thelji Manson, Vinayakar Nagar, Madurai-20,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADURAI-625 002

Madurai-625 002, 28th June 1985

Ref. No. F. No. 8|Nov,|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing S. No. 220|A situated at Thamarai patti, Madural (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registerering Office at JSR-I, Madurai (Doc. No. 5479|84) on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of sotice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land, Acre 10 Cent 70 in Survey No. 220, thamarai patti Village, Madurai.

K, VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Madursi-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADURAI-625 002

Madurai-625 002, 28th June 1985

Ref. No. F. No. 10|Nov.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

T. S. No. 980 Door No. 65A situated at Manjanakara Street,

Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at JSR I, Madurai (Doc. No. 5487/84) on Nev. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri N. R. Rammohan, Oppula Subbiyer Street, South Masi Street. Madurai.

(Transferor)

(2) M/s. C. Swaminathamudaliar Sons & Co. 1 Nalla thaneer Kinarru Street, South Masi Street, Madurai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building, T. S. No. 980, Corporation Ward 43, Loor No. 65A, Manjanakkara Street Madural.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madural-625 002

Date : 28-6-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Madurai-625 002, 28th June 1985

Ref. No. F. No. 13 Nov. 84.—Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

T. S. No. 494 situated at Punthurar Village, Tirunelveli (and more fully described in the Schodule annexed hereto) has been transferred, under the Ponigrature Act, 1009 (16 of

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
T. S. No. 494 situated at Puntheral Village, Tirunelveli (and more fully described in the Schodule annual hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at JSR-I. Tirunelveli (Doc. No. 28|34) in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly ested in the said instrument of transfer with the object of:

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Syed Usap Saheep Slo Shri Syed Sikander Saheep, 77 Selvi Nagar, Pundurai Village, Tirunelveli.

(Transferor)

(2) Shri M. P. N. Mohamed Husan, Slo Shri M. P. Noor Mohamed, 62 Selvinagar Sindhu, Pundujai Village Tirunelyeli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the atcressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building, T. S. No. 494 Survey Ward 11—1496 S. ft. Door No. 77 Selvi Nagar, Sindupundurai Village, Tirundugli

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fallowing persons, namely:—

Date: 28-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAT-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Rof. No. F. No. 14|Nov.|84.—Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Survey No. 245 situated at Nanguneri Village, Tirunclyeli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSRO-1, Tirunclyeli (Doc. No. 927|84) on Nov. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1: of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri S, Theireyanathan, S|o Shri Samuvel Nadar, 167A, Punchayat Union Street, Valliyoor, Radhapuyam,

(Transferor)

(2) Shri Kumarasamy, Slo Shri K. Neelakanda Dheva, 21A B. V. K. Road, Meenakkshipuram, Tirunclycli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid rersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land, T. S. No. 245, Nanguneri Village, Tirunelveli

K, VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Date . 28-6-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 15|Nov.|84.—Whereas. I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

and bearing No.
T. S. No. 353 1A situated at Nagalnaickenpatti, Dindigut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registerering Office at SRO, Nagalnaickenpatti, Dindigul Doc No. 1872 84 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquicition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. Sethuraman, S|o Shri Chidamabaram Chettiar, 68 Nettu Street, Dindigul.

(Transferor)

(2) Dr. P. S. Rajendran,S| P. S. P. Subban Chettiar,1A R. V. Nagar, Dindigul.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building, T.S. No. 353 B[1A, Nagalnaickenpatti Village, Dindigul.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Date : 28-6-1985

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Madurai-625 002, 28th June 1985

Ref. No. F. No. 23|Nov.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Door No. 22 situated at Sivagangai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratio Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registerering Office at

1908) in the Office of the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registercring Office at JSRO-I, Sivigang (Doc. No. 1007(84) in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kannathal Achi, Wo Shri S. S. Somasundaram Chettiar, Okoor Post.

(Transferor)

 Smt. Nachiar Ammal, Wlo Shri Krishnan,
 Radhakrishnan Street, Sivagangai,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this actice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building, Door No. 22, Radhakrishnan Street, Sivagangai,

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-6-1985

HOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAJ-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ret. No. F. No. 29|Nov.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALARAJU, K. VENUGOPALARAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Survey No. 311|1B situated at Oddanchatram Village; Palant 'and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at SRO, Oddanchatram (Doc, No. 1136|84) on Nov. 1984 for an appearant consideration which is less than the fair for an apparem consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri V. N. S. Mohamed Khani Rowther, Slo Shri V. N. Sikanther Rowther, Palakarai, Trichy.

(Transferor)

(2) Shri K. Sellakumar & others, So Shri Kaliapa Gowder, Oddanchatram Village, Palani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date eff. the publication of this notice in the Official Guzene.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, 1 acre 10 cents in Survey No. 311/1B, Oddanchetram,

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Maduzzi-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anidal Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 36|Nov.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALARAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable 'property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Door Nos. 140 to 150 situated at Tirunelycli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

1908) in the Office of the registering Officer at JSR-II, Tirunelveli (Doc. No. 480/84) on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fulr market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or svasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—80—186GI[85]

 Shri A. Velayudham, Slo Shri K. Arunachalam, 11 Jublice Road, Tenkasi.

(Transferor)

(2) Shri P. K. S. Khadubava Mohibeen & others, 18 New Ammankoil Street, Singhpukarai, Tirunelveli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House Buildings. Area: In T. S. No. 971 part 981 full, 972 to 976 full, 977 to 980 full, Door Nos. 140(1), (2), (3)(5), (A) 141 to 150.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-625 002

Date: 28-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri V. Swaminathan, Slo Shri Bhavathinathapillai, 7/54 Thiagaraja Nagar, Maharaja Nagar, Tirunelveli.

(Transferor)

(2) Shri M. Arulmani, S|o Shri Matan, 1|10, St. Thomas Street, Palayamkottai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai, the 28th July 1985

Ref. No. F. No. 46 Nov. 84.—Whereas, I, K. VENUGAPALARAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

S. No. 353 7 situated at Vijayaraghavamdaliar Chatukam village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at

SRO, Palayamkottai (Doc. No. 4340/84) on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the nadersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

· Land and Building, Area: Acre 5 cents 33 in Survey No. 353|7 Vijayaraghvamdaliar Chatukam Village Palayamkottai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-6-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 47|Nov.|84,—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the izamovable property having a fair market value exceeding

Rs. I,00,000-and bearing No.
Survey No. 5/2C situated at Palayamkottai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registration Officer at
SRO, Palayamkott ai Doc. No. 4349/84 in Nov., 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Shri R. Varadharajan,
 Shri Veeralur (late) V. Ramachandrayer,
 A.V.K. Road, Varadharajapuram.

(Transferor)

(2) Shri P. Mehalingam, Slo Shri D. Pandian Pillai, 13D. Natutheru, Sindhupoondhurai Village, Tirunelveli Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 dipu from the date of the publication of this potice in the Official Gaussie.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. Survey No. 5|2C. Palayamkottai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madural-625 002

Date: 28-6-1985.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I. MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 48 Nov. 84.—Whereas, I,

K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

S. No. 19 2HA situated at Vijayaraghavamudaliar Chatiram Village.

Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO, Palayamkottai Doc. No. 4414 84 in Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to hothers the profites has not been truly stated, in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Subramaniam, So Shri S. S. Lakshmana Pillai, 9, Vasika Vinayakar Koil Street, Tirunelveli,

(Transferor)

(2) Shri S. Sailappan, Slo Shri A. R. Shanmugham Pillai, 75A, Trivandapuram Road, Palayamkottai Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or A5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building, Area: 2 acres and 75 cents in Survey No. 19/2HA & Door Nos 1/177. Vijayaraghavamudaliar Chatiram Village, Palyamkottai.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

3.

Shri R. Srinivasan, So Shri Ramanuja Naidu, Nagampatti.

(Transferor)

Shri Manikavasakam
 So Shri Dharmaraja Nadar,
 Toovipuram, Main Road,
 Tuticorin,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 53|Nov.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing S. No. 95|1, 95|2 & 95|3 situated at Sankaraperi Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-II, Tuticorin Doc. No. 1187|84 in Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land.

Acar: 35 cents in Survey Nos. 95|1, 95|2 & 95|3, Plot No. 6, Sankaraperi Village, Tuticorin.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June, 1985

Ref. No. F. No. 58 Nov. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No. Door No. 12 situated at Bus stand Road, Madurai (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR-IV, Madurai Doc. No. 1373 84 in Nov., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Newdeal Printers, No, 12, Bus Stand Road, Madurai

(Transferor)

(2) M|s. Malar Publications (P) Ltd., 1091, Poonamallee High Road, Madras-600 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building.

Area: 3 grounds and 100 s.f.t.

No. 12, Bus Stand Road, Madurai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Date: . 28-6-1985. Seal: - ---

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri A. Renganathan, So Shri, Ramakrishna Rao, 73A, Gopuram, 10th Street, Tuticorin.

(Transferor)

 Shri J. N. Miranda, S|o Shri Joseph Alens Miranda, 30, Teppakulam Street, Tuticorin.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 60|Nov.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No.

T. S. No. 3892 situated at Tuticorin

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR-I, Tuticorin Doc. No. 594|84 in Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fait market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building.
T. S. No. 3982—Area 10 cents.
Tuticorin.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 61 Nov. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00]—and Door No. 69, S. No. 85 situated at Gandhi Rastha, Sivaganga (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR-I, Sivaganga Doc. No. 1090 84 in Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rajammal & others, Wo late Lakshmanan Chettiar, 17, East Street, West C.I.T. Nagar, Madras-35.

(Transferor)

(2) Shri Periyasamy, Slo Shri Manickkam Pillai, 11-1-83, Khandramanickam Road, Thirupathur Town, Ramanathapuram District.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building, Ward No. 2, Gandhi Rastha, Door No. 69, Sivagangai Town.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madural-625 002

Date: 28-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Jaikhondanathamuni, So Shri B. Sivasamy Thenkondar, 116, Kulimanickam, Manaarkudi.

(Transferor)

(2) Shri B. Subramaniam & others, So Shri Pappu Pillai, 403, Naicker New, 1st Street, Dindigul.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th Time 1985

Ref. No. F. No. 69]Nov.]84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 16/6 & 16/2 situated at Pallapatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

in the office of the Competent JSR-II, Dindigul Doc. No. 2010 84 in Nov., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective person,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immoable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein & are defined in Chapter XXA of the sal. Act, shall have the same meaning as give: la that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with motor pumps. T. S. No. 16]6 & 16|2, Door Nos. 36F(2) Thenvadal Muthulakhupatti Road, Pallapatti Village, Dindigul.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

81-186GI|85

Date: 28-6-1985,

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 70 Nov. 84.—Whereas, I, VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing T. S. No. 444[6, Door No. 19, 19A, situated at Dindigul (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 16 of

in the office of the Competent JSR-II, Dindigul Doc. 2038|84 in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as award to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri N. Harirai, Sjo Shri S. Narayana Chettiar, 23, Kotaikulam, Road, Dindigul.

(2) Shri M. Sonaimuthu & Others. So Shri Mariappa Pillai, Addalur Malai Villago,

Dindigul.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. T. S. No. 444[6, Door No. 19, 19A, Kotaikulam Street, Dindigul,

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:-

Date: 28-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 71 Nov. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

T. S. No. 637 situated at Narayanapuram, Dindigul (and more fully described in the schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908)

of the Registering Officer at JSR-II, Dindigul Doc. No. 2072 84 in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1912 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pappathiammal, Wo Shri Palaniappan, Nettu Street, Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri K. Palanisamy, S|o Shri Karuppanna Gowder, Selandiamman Koil Street West, Narayanapuram, Dindigul.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. T. S. No. 637. Selandiamman Koil Street, Narayanapuram, Dindigul.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Date: 28-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 73 Nov. 84.—Whereas, I.
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
S. No. 1679 C situated at Palayamkottai
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908)
of the Registering Officer at
JSR-I, Palayamkottai Doc. No. 4199 4 in Nov., 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated by the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sankaranarayan Chettiar & others, S|o Shri Subba Reddiar, North Street, Kolinkulam, Thavakar kulam Village, Radhapuram.

(Transferor)

(2) Smt. A. Rokaial Bibi, Wlo Shri S. Abdhul Khadar. Pallivasal Street, Parkitmanaharam, Palayamkottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land, Area: 21-15 cents. Palayamkottai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Unte : 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 76 Nov. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000]- and bearing No. T. S. No. 996, Door No. 32 situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908)

of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam Doc No. 2725 84 & 2726 84 in Nov., 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bitween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri K. Rengamannar & others, So Shri Kamalanath Naidu, 32, Main Road, Aarapalayam, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri K. Venkatachalam So Shri Karuppannapillai, Mandayan Achari Street, Town Hall Road, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. T. S. No. 996. Door No. 32, Aarapalayam Main Road, Madurai.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Date: 28-6-1985.

THE STREET STREET

FORM ITNS-

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri K. Ramaswamy,
 Slo late Karuppiah Pillai,
 Melaponaharam Main Road,
 Madurai.

(Transferor)

(2) Shri S. Mookan,S|o Shri Sivaghanakonar,50 Mexlaponaharam, 5th Street,Madurai-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 80. Nov. 84. Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU,

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. T. S. No. 1015 B, Door No. 21 situated at Melaponnaharam Main Road Madurai

Main Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam Doc. No. 2754|84 in Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. T. S. No. 1015|3B, Ward No. 5. 21, Melaponaharam Main Road, Madurai-10

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Date: 28-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madural-625002, the 28th June 1985

Ref. No. F.No.83 Nov. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. T. S. No. 897 Door No. 66 situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed heroto', has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at SRO. Pudumandapam Doc. No. 2775 84 on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-and Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kuppammal (ā Lakshmidevi, 138 North Aavanimoola Street, Madurai

(Transferor)

(2) Shri C. Sellam,S|o Shri Chaidambaram,11, 283 Mahal Cross Street,Madurai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the vaid immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. T.S. No. 897

Door No. 66 North Perumal Koli Mestri Street, Selluthamman Koil Street, Madurai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang-I
Madurai-625002

Date: 28-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. P. Rajeswari & Nirmala, 115 Nandhikoil Cross Street, Bangalore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

(2) Shri Govindu Narayan, Gobi Sellapa Street, Bellari, Karnataka.

(Transferee)

Madurai-625002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 85|Nov.|84.—Whereas, I, K, VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. T. S. No. 1307|6

situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at SRO Pudumandapam Doc. No. 2783|84

on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); House Building. T.S. No. 1307/6 Door No. part of 1. Madurai.

> K, VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang-I Madurai-625002

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

Date: 28-6-1985.

Seal ;

FORM I.T.N.S.-

Smt. P. Rajeswari, Wo Shri A. P. Kanı, 115 Nandhi Koil Cross Street, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Syamsundar Sarda, Slo Shri Narayanadas Sarda, 11-6-96 Bresnpawarpeth, Street, Pinjavardi, Raichur.

(Transferee)

GÓVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION BANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-000002, the 28th June 1985

Ref. No. F.No. 86|Nov.|84.—Whereas, 1,

VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/-Rs. 1,00,00|- and bearing No. T. S. No. 1307|6

situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

in the office of the Registering Officer at SRO. Pudumandapam Doc. No. 2784|84

on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the consesiment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :-- 82-186 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gamette.

Explanation: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building, T. S. No. 1307/6 Muniapalayam, Madurai

K, VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Rang-I Madurai-625002

Date: 28-6-1985.

(1) Smt. P. Rajeswari. 115 Nandhikoil Cross Street, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. K. Muralidhar Sarda, 65/2 Gobi Sennapa Street, Bellari, Karnataka,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

Madurai-625002 the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 87|Nov.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. T. S. No. 1307 Part of Door No. 1

situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at SRO, Podumandapam Doc. No. 2785 84.

on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:~

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. T. S. 1307 6 Part of Door No. 1 Survey ward No.5, Madurai,

> K, VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang-I Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 28-6-1985.

persons, namely :-

(1) M|s Rajeswari, 115 Nandhikoil Street, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhruvannarayan Singi, Kampli Bazaar, Bellari, Karnataka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

Madurai-625002 the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 88|Nov.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the second-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. T. S. No. 1307|6 situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at SRO, (Madurai) Pudumanadapam Doc. No. 2786 84 on November 1984

on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Buidling. T. S. No. 1307/6 Part Door No. 1 Survey ward No. 5 Madurai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang-1
Madurai-625002

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-6-1985.

HULL MAKOT

(1) M/s. P. Rajeswari, 115 Nandhíkoil Street, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. K. Harinarayan Sarda, 15 Gobi Chennapa Road, Bellari, Karnataka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

Madurai-625002 the 28th June 1985

Ref. No. F.No. 89 Nov. 84. - Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinufter, referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. bearing No. T. S. No. 1307/6 situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at SRO, Madurai Doc. No. 2787 84 on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income OT say moneys or other essets net which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- or person interested in the said evable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in at Chapter.

THE SCHEDULE

House Building, T. S. No. 1307/6 Part of Door No. Survey Waro, No. 5 Madurai.

> K. VENUGOPALA RAJ Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Rang Madurai-6250

Date: 28-6-1985.

NOTICE UNDER TECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

Madurai-625002 the 28th June 1985

Ref. No. F:No. 90|Nov.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Survey No. 195 situated at Madurei

situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at SRO, oddanchatram Doc. No. 1070|84

on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri M. Kannan, Slo late A. S. Manickam Pillai, Oddandhatram, Palani.

(Transferor)

(2) Dr. Jacobchandra, slo Shri Jacobchendra, Ámbarikai. Palani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Survey No. 195 Area: (4 Acres 49 cents) 2-25 conts. Oddanchatrim Village, Palani.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang-I Madurai-625002

Date: 28-6-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. M. Lakshmiammal & others Wlo Shri Subramniamdaliar, 66 KK. Nagar, Madurai 20

(Transferor)

(2) Smt. M. Usha, Wo Shri Mohauram, 17 Lakshmipuram 8th Street, Madurai.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE MADURAI-625002

Madurai-625002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 91|Nov.|84.—Whereas, I, VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe than the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. T. S. No. 970 situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at SRO, Pudumandabam Doc. No. 2584 84

on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which cught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House Building T. S. No. 970 Area. 418 sft. 203A Naicker New Street, Madurai.

K, VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang-1 Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 28-6-1985.

(1) Smt. Seelaikari, Wo Shri D. Chainnuservai, 2/144 Nethaji Main Road, Vilangudi, Madurai,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Shri P. Annakodi,
 Sho Shri Periamayadevar,
 12 Molaponkaram 4th Street,
 Madurai,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE MADURAI-625002

Madurai-625002, the 28th June 1985

Ref. No. F. No. 92 Nov. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. situated at Villangudi Village, Madurai

situated at Villangudi Village, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at SRO, Pudumandapam Doc. No. 2596 84 on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land T. S. No. 110/6 Area : 64 cents. Villangudi Village, Madurai

K. VENUGOPALA RAIU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang-I
Madurai-625002

Date: 28-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE MADURAI-625002 Madurai-625002, the 28th June 1985

Ref. No. 19|Nov.84|R.II.-Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and hearing No. R. S. 84|22, Lloyds Road, Avvai situated at 1,00,000 Shanmugam Salai, Madras.

situated at 1,00,000 Shanmugam Satar, Madras, situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the.

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1127/84.

on November 1984

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri P. Jayachandran. Co Sri P. Radhakrishnan, 162, Lloyds Road, Royapstiah, Madras.

(Transferor)

(2) Shri P. Radhakrishnan and others, 162, Lloyds Road, Royapettah,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: at Lloyds Road, Avvai Shanmugam Salai, R. S. 84|22, Madras Central|Doc. No. 1127|84.

K, VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang I Madurai-625002

Date: 28-6-1985.

Scal :

27687

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th July 1985

Ref. No. 20|Nov.84|R.II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000l- and bearing No. 3. Hussain All Khan First St., situated at Royapettah, Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer Madras Central Doc. No. 1142 84.

on November 1984 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen rer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-secon (1) of Section 269D of the said Act, to the followor nersous namely :---3-186 GI|85

 Md. Azmathullah, and others, 12, Kuppusamy St. Chandni Chowk Road, Cross, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Smt. Karsemunnisa Begum @Shahida Begum, 10, Yusuf Labbai St., Madras-5. 2. Smt Najeebunissa Begum @Sajida Begum, 137, Lloyds Road, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 3, Hussain Ali Khan, I St., Royapettah, Madras-14 Madras Central Doc. No. 1142/84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-7-1985

 Sri V. P. Aghoram and others, No. 136/B, Rash Behariavenue, Calcutta-700029

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri S. Ramasamy,
 College Road,
 Madras-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 21 Nov.84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 85, Poes Garden, Teynampet, situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras Central Doc, No. 1143 84 on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 85, Poas Garden, Teyna mpet, Madras-18. Madras Central Doc. No. 1143 84.

MRS. M. SAMUH:
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range-1
Madras-600 00

Date: 8-7-1985. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shi L. Parthasarathy and others 17, N. M. K. Mudali St., Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II.

MADRAS--600 006 Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 29 Nov. 84 R.II. - Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 17, Na.tu Muthu Kumarappa Mudali St. situated at Mylapore, Madras-600 004

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer Madras, Central Doc. No. 1075 84

transfer with the object of .--

on Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Smt. Sakunthalammal 9, Pudupalli St., Mylapore, Madras-4.

(Transferce.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Land and Building No. 17, Nattu Puthu Kumarappa Mudali St., Mylapore, Madras-600 004.

Madras Central Doc. No. 1075 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri N. Chandappa 20, Brunton Road, Bangalore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

(2) Mrs. Vasanthi Subramanian 146, Luz Church Road, Madras-4.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

Madras-600 006, the 8th July 1985

MADRAS-600 006

Ref. No. 45|Nov. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

No. 1, Jeevarathnam Nagar, Shastri Nagar situated at Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 3020 84 on Nov., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) by of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land: 1 Jeevarathnam Nagar, Shastri Nagar, Madras-20. Adayar Doc. No. 3020 84.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS--600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref No. 46|Nov.84|R.II.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the no competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing

No. 1, Jeevarathnam Nagar Advar situatted at Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ayayar Doc. No. 3021 84

on Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 10\ DUM
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Pct, (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Let I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Nandini 20, Brunton Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri N. Velusami Chindathripet, Madras-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land: 1, Jeevarathnam Nagar, Shasiri Nagar, Madras-20. Adayar | Doc. No. 2021 | 84.

> MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-7-1985

Scal:

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS--600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 47|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 1, Jeevarathnam Nagar, Shastri Nagar situated at Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Adyar Doc. No. 3024 84 on Nov., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the somaideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sction 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs, Chandini 580, South Fornwood St., APT 8.5, Westcovrna (A), 91791, California, USA.

(Transferor)

(2) Shri Rajee Srinivasan 43, 1st Main Road, R. K. Nagar, Madras-28.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at No. 1, Jeevarathnam Nagar, Shastri Nagar, Madras-20.

Adayar Doc. No. 3024 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-II
Madras-600 006

Date: 8-7-1985 Seal:

(1) Smi. Dev Bala Bafna Wo Adjit Kumar Bafna 3-A, Palameswarinagar, Uiur, Adayar, Madras-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. P. Manivannan 2 Dr. Peongothai 33, Lrulappan St., Madras-79.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS--600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 51|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MPS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Acr. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. 3-A, Parameswari Nagar situated at Adayar, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Adayar Doc. No. 3081|84 for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affirm a cost of such apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 3-A, Parameswarl Nagar, Adayar, Madras. Adayar Doc. No. 3081 84.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuistion Range-II Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

FORM TINS----

 Ms. Continental Builders (Madras) 142, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Universal Finance Traders Ltd. 157, Linghi Chetty St., Madras-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS--600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 60|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Door No. 142, O.S. No. 91, R.S. No. 48|1, and 701|36938th

Door No. 142, O.S. No. 91, R.S. No. 48|1, and 701|369381h undivided share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Thousandlights Doc. 507/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any means arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other cases which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: at No. 142, Nungambakkam High Road, Madras-34 and 701|36938th undivided share of land Thousandlight|Doc. No. 507|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D()* OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 62| Nov.84]R-II.-Whereas, I,

Ref. No. 62 | Nov.84 | R-11.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing T.S. No. 58 | 21 of Nungambakkam situated at Nungambakkam

kam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 510 to 514 84 on Nov., 1984

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income ro any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---84--186 GI|85

((1) M|s. Kamakshi Enterprises 21, Kamakshi Amman Koil St., Cuddalore.

(Transferor)

- (2) 1. M/s. Indian Potash 1.td. 727, Pathari Road, Madras-6,
 - 2. Cruickshank & Co. Ltd. 4. Bank Shall St., Calcutta-1.
 - 3. John Abraham Khathi House, Bethany Church Road, Triuvalla, Kerala,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: T.S. No. 58|21 of Nungambakkam Village property as specified in schedule to Doc. No. 510|84 to 514|84. Thousandlights

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-7-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Miss Anjalai Singh Mrs. Veena Singh B|123, Shastri Nagar, Madras-20.

(2) Shri Ilham Sehar Malick

Neelamangai Nagar.

Madras-88.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

a minor rep. by her father and natural guardian Dr. Malick Md. Aleem 6, Bharati Dasan St.,

Ref. No. 69|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

and bearing No.

Land at 1/77 Anna Salai, Nungambakkam bearing
Door No. 609, Madras 34, and flat measuring 550 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 473, 474 84 on Nov., 1984

for an apparent consideration which is less can the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Flan: of 55 sq. ft. and 1-77 undivided share of land situated in Anna Salai, Nungambakkam, Madras-34. Door No. 609

Thousandlights Doc. No. 473, 474 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Madras-600 006

Date: 8-7-1985

Seal:

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 89|Nov.84|R-II.---Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
T.S. No. 2, Block No. 92 situated at Kodambakkam village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kodambakkam Doc. No. 3018 84 on Nov., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, massely:--

(1) Mrs. S. Pankajavalli LIG, Block No. 9214. Ashok Nagar Phase-II Colony, Madras-83,

(Transferor)

(2) Mrs. Nalini Hari 6, Palat Madhavan Road, Mahalingapuram, Madras-34,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immos-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said AC shall have the same meaning as given us that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat at Kodambakkam Village T.S. No. 2, Block No. 92, Kodambakkam|Doc, No. 3018/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 97|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

1 to 3, New D. No. 2, Abhirami Lane situated at
Purasawalkam, Madras84
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawaklkam, Madras-84

on Nov., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Bengal Vimala Bai and others, No. 37, VIth Main Road, 12th Cross, Malleswaram, Bangalore-560003.

(Transferor)

(2) Mrs. B. V. Latha No. 147, Coral Merchant St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 1 to 3, and New D. No. 2, Abirami Lane, Purasawalkam, Madras-84. Purasawalkam Doc. No. 1973, 1974 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Sri S. Palaninathan and anothers, 4, Somu Mudali St., Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

(2) Sri P. Mariappan, and Lakshmi Ammal 3. Subba Naidu, 86, Choolai, Madras-112.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 99 Nov.84 R.II.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 2, Kannappa Mudali St., situated at Kosapet, Madras-112 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Purasawalkam|Doc. No. 1989|84

on Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has been truly stated in the min infrusions transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the th of the transferor to pay tax under the said Act in income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Land and Building: 2, Kannappa Mudali St., Kosapet, Madras-112.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 128 Nov.84 R.H.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 7, in 19, Motilal St., Madras-17 situated at Madras--17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1427 84 on Nov., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mod/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferces for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of *957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. S. Lakshmi 4, Anandan St., Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri R. S. Narayanan 300, Lloyds Road, Madras-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: No. 7, No. 19, Motilal St., Madras-17. T. Nagar[Doc. 1427]84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-7-1985

Scal:

(2) Smt. S. Ravathi,

(Transferee)

FORM ITNS-

(1) Miss A. Lalitha, daughter of Sri S. Appaswamy, No. 3, Mangesh St., T. Nagar, Madras-17.

No. 15. Mangesh St., T. Nagar, Madras-17,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 132 Nov.84 R.U.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. New No. 2, Arcot Mudali St., T. Nagar

situated at Madras-17

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1377 84 in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian theometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building No. 18 New No. 2, Arcot Mudali St., T. Nagar, Madras-17. T. Nagar Doc. No. 1377 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 137|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

No. 77, Pillaiyar Koil St., situated at Tiruvateeswaranpet. Madras-5,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane Doc. No. 767 84 in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri P. T. Ramanujam and others, 26/4, Car St., Triplicane, Madras.
 Sri P. T. Parthasarathy, 5/584, Srirangarajapuram, S.H. Pet, Nellore.

(Transferor)

Sri Hajee Mohd, Ammer Sahib,
 Balaji Nagar, II St., Royapettah,
 Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovalbe property,, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—77, Pillaiyar Koil St., Tiruvateeswaranpet, Madras-5.
Triplicane Doc. No. 767/84.

(MRS.) M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-7-1985

Seal

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri E. Govindasajulu Naidu, slo Sri Kuppusamy Naidu, No. 1, Yadaval St., Poondamallee, Madras-56.

(Transferor)

(2) Smt. D. Saroja, woo M. Thiagarajan, No. 44, South Koovam Salai, Madras-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 139|Nov.84|R.II.-Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 171, Pycrofts Road, Royapettah, situated at Madras-14. (and mura fully described in the Schedule annayed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane Doc. No. 769 84 in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personowhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building: 171, Pycrofts Road, Royapettah, Madras-14. Triplicane Doc. No. 769/84.

> (MRS.) M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—85—186GL/85

Date: 8-7-1985

FORM ITNS

(1) M/s. Tyabally Rangwala and 4 others, No. 119, Thambu Chetty St., Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Armeda Mendez, 60, Thandavaraya Gramani St., Tondiarpet, Madras-21.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1985

Ref. No. 227 Nov. 84 R.H .- Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing

No. 25, Millers Road, Madras-10 situated at Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North|Doc. No. 3008|84 in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in vriting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/16th undivided share in 3 grounds and 426 sq. ft. R.S. No. 92/1, 25, Millers Road, Madras-10. Madras North I Doc. No. 3008 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madray-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ind-Suziki Motorcycles Ltd., 5th Floor No. 8, Haddows Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Harita Elastomers (P) Ltd., 106, IV Street, Abiramapuram, Madras-18.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th July 1985

Ref. No. 91|Nov|84.-Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 44|1 etc. situated at Agraharam village, Hosur Taluk.

Dharmapuri Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Hosur (Doc. No. 3826 & 84) in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lands at Agraharam village, Hosur Paluk, Dharmapuri Dist. S.R. Hosur. Doc. No. 3826 84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-7-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th July 1985

Ref. No. 91A|Nov|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

No. 44|1 etc. situated at Kotha konda palli village, Hosur Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Hosur (Doc. No. 3827/84) in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Ind-Suziki Motorcycles Ltd., 5th Floor No. 8, Huddows Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Harita Rubber Products (P) Ltd., 106, Forth Street, Abhiramapuram, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Kotha konda palli village, Hosur Taluk S.R. Hosur, Doc. No. 3827/84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 15-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 212 85-86.—Whereas, I,

Ref. No. RAC. No. 212/85-00.—vinciens, i.,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Publisher situated at Patamata. Viiavawada.

No. Building situated at Patamata, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Atluri Prameela Rani, Wo Sreeramulu, Ramachandra Nagar, Patamata, Vijayawada-6.

(Transferor).

(2) Kumari Nimmagadda Sreelaxmi, (minor) do Lakshman Rao. M|G. Nimmagadda Devika Rani. Sitaramapuram, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Building D. No. 16-98|2, situated at Ramachandra Nagar, Patamata, Vijayawada registered with SRO, Vijayawada vide Document No. 7702 84 in the month of November 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

g<mark>arangang garangangan kalawan</mark> kang barangan kang barangan kang barangan kang barangan kang barangan kang barangan

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 213|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Land situated at Nallapadu, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Guntur in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gattineni Kondiah, Slo Basavaiah, Koritipadu, Guntur.

(Transferer)

(2) The Prasanthi Nagar Co-operative Building Society Ltd., Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land situated at Nallapadu, Guntur registered with SRO, Guntur in the month of December 1984 vide Document No. 14280|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC 214|85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Land situated at Koritipadu, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Peddanti Narasimha Charyulu, S|o Bhavana Charyulu & Others, Koritipadu, Guntur.

(Transferor)

 Sri Siddineni Satyanarayana, S|o Nageswara Rao, Brodiepet, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 0.50 Cents situated at Koritipadu (Gorlavaripalem), near: Srinivasanagar Co-op. House Bldg., Society, Guntur registered with SRO, Guntur vide Document No. 12936|84 in the month of November 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Challagundla Vasudevaiah & Others, Slo Ramachandraiah, Pillutla, Ganeswaripalem, Piduguralla Tq. Guntur Dist.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

RAC. No. 215|85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Land situated at Pillutla, Piduguralla,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Piduguralla in November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforested property and I have respect to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) M|s Kalyani Cements (Pvt.) Ltd. Mg. Director: Sri G. Kishorekumar, Piduguralla, Guntur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring Acres 4 and 92 Cents situated at Pillutla, Piduguralla Tq., Guntur Dist., registered with SRO, Piduguralla vide Document No. 3495 84 in the month of November 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. 216|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

No. Building situated at Brodiepet, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of x-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kataru Parvathi, Wo K. Prasada Rao, Potti Sriramula Nagar Tenall, Guntur Dist. Guntur.

(Transferor)

(2) Smt. Dasari Surya Kumari, Wlo Mannava Ankayya, Ilhanegarebadu, Tenali, Guntur Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at Brodiepet, Guntur registered with SRO Guntur vide Document No. 12922|84 in the month of November 1384.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
aspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
86—186GI/85

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis Virgo Constructions, Rep: by Sri B. N. Reddy, Rajbhavan Road, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. K. Jagan Mohini, Wlo C. Satyanarayana, Flat No. 2, G-Floor, "Kanti Sikharam", Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. 217|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat situated at Kanti Sikharam Punjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, G-Floor in "Kantl Sikharam" Punjagutta, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6230 84 in the month of November 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 9-7-1985

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ū

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. 218|85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value axceeding.

Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat situated at Kantisikharam Punjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferorandior
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Virgo Constructions, Rep. by Sri B. N. Reddy, Rajbhavan Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Raghava Reddy, Flat No.4, 4th Floor, "Kanti Sikharam", Panjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 4th Floor, "Kanti Sikharam", Panjagutta, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5996/84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad .P.)

Date: 9-7-1985

Scal:

 M/s. Virgo Constructions, Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. Ramakrishna Reddy, Flat No. 77, 3rd Floor, "Kanti Sikharam", Panjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. 219 85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, beaing the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat situated at Punjagutta, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. #

THE SCHEDULE

Flat No. 77, 3rd Floor, "Kanti Sikharam", Punjagutta, Hyderabad, registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5995/84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, samely:—

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 220/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat situated at Arun Apartments Red Hills, Hydersbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hydeabad on 11/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sunrise Builders, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Sadisiva Rao, H. No. 45-7-11, Jagannaikpuram, Kakinada, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 612, Arun Apartments, Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5937/84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Sunrise Builders, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Swayam Prabha Nair, Flat No. 312, Arun Apartments, Red Hills, Hyderabad.

(Transferce)

• UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 221/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat situated at Arun Apartments Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hydeabad on 11/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period course 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 312, Arun Apartments, M. No. 11-5-348, at Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5938/84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 222/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat situated at Arun Apartments Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reseem to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sunrise Builders, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri T. Vinaya Kumar, Govindarryajulavari Street, Morispet, Guntur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Arun Apartments, M. No. 11-5-348, Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6010/84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985

(1) M/s. Sunrise Builders, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 223/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value, exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat situated at Arun Apartments Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transferand/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the trail Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri B. Sitarama Rao, Flat No. 512, Arun Apartments, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 512 in Arun Apartments M. No. 11-5-348, Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5936/84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985

FORM NO. ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 224/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and

Flat situated at Kantisikharam, Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—87—186GI/85

(4) M/s. Virgo Constructions, Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Bharat Earthmovers Ltd.,
 H. No. 3-6-44, Himayatnagar,
 Hyderabad,
 (Rep. by Sri A, Lal, Regional Manager).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 38 in 4th Floor in "Kanti Sikharam", Punjagutta, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6231/84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985

 M/s. Bhagyanagar Construction Co., Rep. by Sri Mukundlal, 11-4-656/1,Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Anita Panchdor, Flat No. 304A, "Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITON RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Rcf. No. RAC. 225[85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.

Flat situated at Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304A, in Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 2669 84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-85

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s, Bhagyanagar Construction Co., Rep. by Sri Mukund Ial, 11-4-656/1,Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Hymavathamma, W/o K. Srinivasa Rao, Flat No. 313, Red Hills, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 226/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,80,009/-and bearing No.

Flat situated at Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 316, Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad, registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5700/84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. 227|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat situated at Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer.

1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., 11-4-565 1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri T. S. Prabhakar, Flat No. 404, 4th Floor, H. No. 11-4-656/1, "Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 404, 4th Floor, "Brindavan Apartments" Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5699/84 in the month of November, 1984.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M|s. Bhagyanagar Builders, RTC-X-Roads, Musheerabad, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(2) Smt. Chaluvadi Sarojini Ratnam, 10 12th Main Road, Malleshwaram. Bangalore.

(Transferce)

Hyderabad, the 9th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. RAC, 228|85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat situated at Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degred in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat in Bhagyanagar builders at Mushecrabad, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6280/84 in the month of November, 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isr of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Basera Builders, Rep. by Sri Imtiaz Ahmed Khan, Shanti Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. A. Rashced, Flat No. A (H. No. 41-4-633/4), A. C. Guards, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 229/85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000 and bearing Flat situated at A.C. Guards, Hyderabad

Flat situated at A.C. Guards, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Flat No. A at H. No. 11-4-633/4, A.C. Guards, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5855/84 in the month of November, 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mls. Basera Builders, Rep. by Sri Imtiaz Ahmed Khan Shanti Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. A. Muqceth, Flat No. C in H. No. 11-4-633|A, A. C. Guards, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hydrabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC, 230|85-86,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat situated at A.C. Guards, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C in H. No. 11-4-633 A, A. C. Guards, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5853 84 in the month of November, 1984

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range.
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 9-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

VFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hydrabad, the 9th July 1985

RAC No. 231|85-86.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat situated at A.C. Guards, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mls. Basera Builders Rep: by Sri Imtiaz Ahmed Khan Shanti Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferor)

 (2) Sri M. A. Rasheed Flat No. C., H. No. 11-4-633|4, A. C. Guards, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C in H. No. 11-4-633|4, A. C. Guards, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5854|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985

 M|s Crescent Towers Rep: by Dr. Vajidunnisa D|o Mir Imdad Ali Banjara Hills, Hyderabad.

> S|o Mohsin Tayabji Flat No. 503 in H. No. 10-1-128|1A & 1B|, Masab Tank,

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Master M. Shipchandlar

Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hydrabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC No. 232 85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 2

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Flat situated at Masub Tank, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent possideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 in H. No. 10-1-128 1A & 1B, Masab Tankk, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6253 84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Imspecting 'Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985

Seal:

88--186 GI]85

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 233|85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat situated at Somajiguda, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad in November, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Landmark Builders. 6-2-930, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Orient Longman Ltd. 5-9-41/1, Basheer Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 in 4th Floor H. No. 6-3-986 to 996, Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6235|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985

Seal ;

PORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hydrabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC No. 234/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Plot situated at Teegalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Azampura in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any messays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Smt. Haleemunnisa Begum W|o Zafar Mohiuddin 16-11-20|4|A, Saleem Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Humaira Abdul Aziz Wo M. A. Aziz 16-8-544, Dawood Manzil, New Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 57 admeasuring 671 s. yds. at Saleemnagar Co-op., Housing Society, Saleemanagr, Hyderabad registered with SRO, Azampura, Hyd'bad vide Document No. 3640|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hydrabad, the 9th July 1985

kef. No. RAC No. 235|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing

House situated at Sitaramapuram, Vijawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Vijayawada on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the Act, to the following persons namely:—

 Shri Kolluru Seetharamayya Slo Papaiah and Kolluru Ranga Prasad Slo Sitaramaiah Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri Challakolu Kondala Rao Sjo Kondiah and Smt. Challakolu Jayalaxmi Wlo Kondala Rao Vijayawada.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable protectly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tiled house and shed situated at Seetharamapuram, Vijayawada registered with SRO, Vijayawada vide Document No. 7368|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AF)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC. No. 236|85-86,—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

House situated at Peda Erukapadu, Gudwada (and more fuly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Gudivada in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Slo Anjaiah, Peoda Erukapadu, Gudiyada. Krishna Dist. (2) Shri Koka Haranatha Babu,

(1) Sri Avutapalli Koteswara Rao,

So Suraprakasa Rao, Chayyanagiri pet, Machilipatnam, Krishna Dist.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building sit ualed at Peda Erukapadu, Gudivada registered with SRO, Gudivada vide Document No. 5182|84 in the month of November, 1984,

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Datc: 8-7-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. No. 237|85-86.—Whereas, f, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mark t value exceeding Re 100 000ll, and bearing No.

Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat situated at Kanti Sikharam, Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at at Hyderabad in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferencial property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Virgo Constructions, Rep: by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss Fatima Karbalai, D|o late Md. Ali Karabalai, Flat No. 88, "Kanti Sikharam" Panjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 88, "Kanti Sikharam", Panjagutta, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6229} 84 in the month of November, 1984.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-7-1985

, armining si di repandan andan a

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. No. 238|85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authrity under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing House situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Rajahmundry in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Sri Isukapalli Surya Satyam & Others D. No. 29-6-12, Arya Puram, Rajahmundry, E. G. Dist.

(Transferor)

(2) M's, Krishna & Co. Rep ; by Sri P, Kesava Rao partner D. No. 29-6-12, Opp : Jayasri Talkies, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House D. No. 20-6-12, Rajahmundry, E. G. Dist., registered with SRO, Rajahmundry vide Document No. 10404[84 in the month of December, 1984.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. No. 239[85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Building situated at Jagannaicpur, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Building situated at Jagannaicpur, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on February. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) incilitating the reduction or evident of the itshifting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and her

(b) facilitating the consequent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Moka Siva Rao Sjo Lavayya, Jagannaick Pur, Kakinada.

(Transferor)

(2) M/s. Geo-Chem Laboratories (P) Ltd., Geo Chem House, 294, Shahid Bhagat Singh Road, Fort. Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used needs as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House D.No.45-7-19, Jagannaicpur, Kakinada registered with SRO, Kakinada vide Document No. 1969|85 in the month of February, 1985.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. No. 240|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

land situated Morampudi, Village, Rajahmundiy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby minute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—89—186 GI|85

 Sri Arlapalli Venkateswara Rao, Slo Sri Ramamurthy, Mangalavarapu Pet, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) M/s. Nalli Starch & Glucose Industries (P) Ltd., 6-3-945/4, Nagarjuna Colony, Ameerpet, Hyderabad.
Rep.: by Nalli K. Ramanadhan, Managing Director.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, ahall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (Total area: Acres 9 and Cents 04) situated at Morampudi, near: Rajahmundry registered with SRO, Rajahmundry in the month of December, 1984, vide Document No. 10534 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1985

Ref. No. RAC. No. 241|85-86.--Whereas, I, Ref. No. RAC. No. 241[83-86.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing land situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexal hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer.

1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 11/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which could be a lead to lead by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Fatima A. Pasha 6-3-680, Panjagutta, Hyderabad.

(2) Sri S. Gopal Reddy 19-3-20C, Renigunta Road, Tirupathi.

(Transferce)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this acide in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in Survey No. 129/16, situated at Banjara Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 5658/84 in the month of November, 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1985

FORM ITNS----

TO SECTION OF THE LINE ASSESSMENT OF THE PARTY THE

(1) Smt. Devi Bai, woo Ganga Ram and Smt. Iswari Bai, woo Arjunlal, 1-2-385, Gaganmathal, Hyderabad.

('Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Radha Bai, w|o Satyanarayana Gupta, 15-6-41|1, Siddiambar Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. 242|85-86.—Whereas, J. M. BFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 483, 1,00,000], and bearing

No. House satuated at Siddiamber Bazar, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodhbowli in November 1984

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per ment of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesa'd persons within a period of forty live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the conceanitest of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storied building situated at Siddiambar Bazar, Hyderabad admeasuring 260 sq. yds. of land area and 4680 sit., plinth area registered by the S.R.O., Doodhbowli vide document No. 926 84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

(1) Meridian Construction Co., 5-8-612, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. M. Padmavathi Devi, Flat on 2nd floor of Meridian Construction Co., 5-8-612, Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabud, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. 243|85-86.—Whereas, I,
M. HIGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat situated at Abid Road Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hat on 2nd floor of 5-8-612, Abid Road, Hyderabad admensuring 1153 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 6228/84, 6202/84 and 5754/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (Λ.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderatud, the 11th July 1985

Ref. No. RAC, 244|85-86.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chikkadpally in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. R. Phadke, 134, Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

 Sri S. Raman, Flat No. 8 on 3rd floor of United Housing Corporation, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazotte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 in III floor of United Housing Corporation situated at Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 850 sft., registered by the S.R.O. Chikkadpally vide document No. 825 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-7-1985

FORM 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. 245 85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat situated at Hyderguda, Hyderabad, (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Mallik Builders, Rep. by Smt. Azizunnisa Begum and Otners, Domalguda, Hyderabad. (Transferor)

(2) Dr. Md. Abdul Hameed, and Smt. Riaz Fathima, Harvest I Bryntwar Abergeta, Hiwales, U.L. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ulat No. A-1 in 2nd floor of Malik Builders, Hyderguda, Hyderabad admeasuring 1318 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 844/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderbord (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1985

(1) M/s Mayur Complex, Gunfoundry, Ab. 1 Road Hyderabad.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Pofeeq Ahmed, Slo Rasheed Ahmed, Shop No. III, First Floor, Mayur Complex, Abid Road, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabud, the 11th July 1985

Rcf. No. RAC. 246[85-86.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, being the Commetent Authority under Section 269B of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Shop rituated at Gunfoundry, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), his been transfer ed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Hyderebad in Movember 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtion per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tran he with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of my income arising from the transfer; and for

the purpo'es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. III in First floor of Mayur complex situated at Gunfoundry Abid Road, Hyderabad admeasuring 40 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6289|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, heretore in pursuance of Section 269C of the said Act, I necessity in these proceedings for the acquestion of the aforestaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. 247|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. House situated at Vittalvadi Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Ashrafunnisa Begum, 3-6-69, Basheerbagh, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri P. Arjun Rao and Smt. P. Uma Rani, 2-2-1105[2]IE, Tilaknagar, Hyderabad.

(Trunsferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3-5-548 at Vithal Vadi, Hyderabad admeasuring 700 sq. yds. of land area and 844 sft., plinth area registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5661/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-7-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderatud, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. 248|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

shuster with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nerematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000;—and bearing

No. land situated at Satramarri VIII. Rajendranagar, RR Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred unser the Registration Act, 1908 (16 of 1908). In the Office of the Besitering Office at 1908) in the Office of the Registering Officer at R.R. Dist. in November 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---90-186 GI|85

(1) Rama Devi Wlo Gurva Reddy, 1-65, Sath Amrai. Rangareddy Dt.

(Transferor)

(2) Sri Kedurnath So late Pannalal & Others, 3-2-350, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land admeasuring 4.05 Acres in S. No. 2 and Farm House No. 1-65 situated at Satramarri Village, Rajendranagar Tq., R.R. Dist registered with SROs Office, R.R. Dist vide document No. 6726|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-7-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Aziza Begum Wo Nawazish Shuh ahadur, 3-5-142|E|2, Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Kundan Enterprises, 3-5-141[B]1, Ramkote, Hyderabad Rep. by V.L. Pahade & others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. 249|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House situated at Ramkote Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chikkadpally in November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partler has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor te pay tax under the said act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Entire space right in respect of 514 sq. vds. on which Mulgiess No. 3-5-121|D|1 to D|7 situated at Ramkote, Hyderabad, registered with SRO's Office. Chikkadpally, Hyderabad, vide document No. 851|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydenebad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby instate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons accurately is

Date: 11-7-1985

The state of the s FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. 250|85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing
No. House situated at Abids. Hyderabad

No. House situated at Abids, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Hyderabad in November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the cold between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Md. Shafauddin Khan S|o Md. Sharfuddin Khan, 6-3-903, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Md. Sulman Saifuddin So Md. Shajamadin Khan, 6-3-903, Somajiguda, Hyderabad.

(Titansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 5-9-241, situated at Abids, Hyderabad, registered with SRO's Office, Hyderabad, vide document No. 6298|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-7-1985

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. 251|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- an bearing

No. Land situated at Hayathnagar Kalan, Hayathnagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad-East in November 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:——

- M|s Sri Venkateswara oultry Feed Industries, Rep. by Managing Parner Sri M. Vema Reddy, 16-10-682|6, Old Malakpet, Hyderabad and others. (Transferor)
- (2) Sri K. Narasimha Slo Shiva Ramulu, Tahar Basti, Pochampally Tq., Bongir Tq and others.

 (Tunnferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLONATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1.20 acres and shed admeasuring 300 sq. ft. situated at Hayathnagar, registered with SRO's Office, Hyderabad East, Hyderabad, vide document No. 11106|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydriubad (A.P.)

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderablid, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. 182|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MONAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. House situated at Eunjara Hills, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh Khairatabad in December 1984 tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (77 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Anii Kumar Gupta, GPA: Sri Ram Gopal, H. No. 8-2-248|B, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. G. Kondamma, W|o G. Veera Reddy, Kollutam Village & P.O., Kamalapuram Tq., Cuddapah Dist. Kamalapuram Tq., Cuddapah Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-276 admeasuring 828 sq. yds. with 180 sq. ft. plinth area situated at Road No. 2 & 3 Bunjara Hills, Hyderabad registered with SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 2846|84 in the month of December 1984,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydonabad (A.P.)

Date: 11-7-1985

FORM LT.N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

156151 ANT OFFICE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th July 1985

Ref. No. RAC. 1983|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000l- and bearing No. No. House situated at Banjara Hills, Hyderabud,

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in December 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Sunil Kumar Gupta, GPA: Sri Ramgo, al, H. No. 8-2-248 B, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. G. Bijayara Laxmi, Wlo Sri G. Veera Reddy, Congress Office, Khammam (Post & Town).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-277 admeasuring 900 sq. yds. with 200 s. ft. plinth area situated at Road No. 2 & 3, Banjara Hills, Hyderabad registered with SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 2848|84 in the month of December 1984.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydertabad (A.P.)

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following nersons, namely ---

Date: 11-7-1985

FURM JINS----

NOTE E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMEfAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.),

Hyderabad (A.P.), the 4th July 1985

Ref. No. RAC. 184/85-86.Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Avt. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

House situated at Banjara hills, Hyderabad (and more lofty described in the Schedule annexed hereto), has been user ferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at 1 Officer at

Hyderabad in December 1984

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as afore-said exerces the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfigor (s) and the transferce (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of-

- of the transferor to pay tax under the said in respect of any income arising from the transfer, MINT / CH
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Anita Gupta. GPA: Sri Ramgopal, 8-2-248|B, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

27749

(2) Smt. G. Laxmi Devi, Wo G. Pratap Reddy, 3-38A, PRODDATUR, Cuddapah Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-273 admeasuring 902 sq. yds. with 200 sq. ft. plinth area, situated at Rold No. 2 & 3 Banjara Hills. Hyderabad registered with SRO, Khairatabad, Hydebad vide Document No. 2847/84 in the month of December, 1984.

> M. JEGAN MONAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tak Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate p occedings for the acquistion of the foresaid property by the issue of this money under subjection (1) of Section 26015 of the said Act, to the following pe ans, namely

Date: 4-7-1985

Sen! :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M|s Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Subrahmanyavathi, Wlo Sti Venkateswara Rao, Office premises Nos. 534 & 535, in H. No. 5-4-86, Raniguni, Secunderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.),

Hyderabad (A.P.), the 4th July 1985

Ref. No. RAC. 185/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

Office premises situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Office premises No. 534 & 535 in H. No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6256 84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MONAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-7-1985

FORM INS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.),

Hyderabad (A.P.), the 4th July 1985

Ref. No. RAC. 186|85-86.Whereas, I, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the commetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing House situated at West Srinivasa Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income srising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

wow, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-91-186 GI 85

(1) Smt. Pushpa Mody, Wo Sri Babubhai Mody, No. 9, Jeera Compound, Secunderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Samudrala Bharati, Wlo Sri S. Prakash, 8-3-219/1A, West Srinivasa Nagar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

House No. 8-3-219|1 & 1A admeasuring 261 sq. yds. with 1419 s. ft. plinth area situated atWest Srinivasa Nagar. Hyderabad registered with SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 2938|84 in the month of December.

M. JEGAN MONAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-7-1985

The state of the s FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. P. Sada Sivarao, H. No. 8-3-678|20, Pragati Nagar, Yellareddi Guda, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. I. Damodaran,H. No. 8-3-678|20, Pragati Nagar,Yellareddi Guda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad (A.P.), the 4th July 1985

Ref. No. RAC. 187/85-86.Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'mmov-able property having a fair market value Rs. 1,00,000- and bearing

House situated at Pragatinagar, Hyderabad (and more fully described in the Schoolide annuald horeto), has been transferred as per deed registered ander the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the fully of the Registering Officer at

Hyderabad in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is alorsonid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- ENTIANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /ec.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

8-3-678 20, Pragati Nagar, Yelloreddi Guda, House No. Hyderabad admeasuring 300 sq. yds, with 420 s. ft. plinth area registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 293 85 in the month of January, 1985.

> M. JEGAN MONAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4-7-1985

FORM JTNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM! -TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.),

Hyderahad (A.P.), the 4th July 1985

Ref. No. RAC. 188 85-86. Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

House situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Souther 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followinging persons, namely:—

 Mir. Grangula Mahanty, (6339-N. Orchard, Frensno, California 93710), GPA: Dr. G. Pandurang, H. No. 8-2-268|A|4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

 (2) Mrs. Pushpa Haridas, Wlo S. Haridas, Plot No. 11, H. No. 8-3-1066, Srinagar Colony, Hyderabad.
 (Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2 768|A|4 at Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 516 sq. vds. with 1162 s. ft. plinth area registered with SRO, Khairatabad Hydbad vide Document No. 2563|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MONAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A.P.)

Date : 4.7-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.),

Hyderabad (A.P.), the 4th July 1985

Ref. No. RAC 189|85-86.Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-and bearing

House situated at Esamia Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys of other tissets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Ramesh, Slo Laxmi Narasimha, Nimboli Adda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Doro K. Shanabee Wlo S. M. Quireshi, 4-6-470 (Sea Rose Cafe), Esamia Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-6-470 & 471, (Part of Sea Rose Cafe & House) admeasuring 100 sq. yds. with 944 s. ft. at Esamia Bazar, Hyderabad registered with SRO, Hyd'bad vide Document No. 6641 84 in the month of December, 1984.

M. JEGAN MONAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.),

Hyderabad (A.P.), the 5th July 1985

Rcf. No. RAC. 190|85-86.Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

Flat situated at Rajasri Apartments, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at
Marredpaly in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any means or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s, Gitanjali Constructions, 225/A, Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

 Mrs. Geetha Iyengar,
 Wo R. Bhasyam Iyengar,
 135, West Marredpally, Secunderabad-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4. First floor, Rajeshree Apartments, Secunderabud registered with the SRO, Marredpally, Secunderabad vide Document No. 2918/84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MONAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-7-1985

Scal:

(1) Mis. Amrutha Hotels Pvt. Ltd. 3-6-469 1, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. Shankar, Slo P. S. Subramanian, 206, East Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.),

Hyderabad (A.P.), the 5th July 1985

Ref. No. RAC No. 191|85-86.—Wheeras, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the introvable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat situated at Ashiana Apartments, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Marredpally in November 1984

Marredpally in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property wihtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1-C in Ashiana Apartments, Secunderabad registered with SRO, Marredpally, Secunderabad vide Document No. 2866|84 in the month of Nevember, 1984.

M. JEGAN MONAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 5-7-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. Homi Rashid Mehta, 26|A, S. P. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Durgalal Rajak, Chirag Ali Lanc, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad (A.P.), the 5th July 1985

Ret. No. RAC No. 192|85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. House situated at West Marredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

House situated at West Marredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at

Marredgally in November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
paties has not been truly stated in the said instrument
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 10-2-175, West Marredpally. Secunderabad registered with SRO, Marredpally. Secunderabad vide document No. 2830|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MONAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.),

Hyderabad (A.P.), the 5th July 1985

Rcf. No. RAC 193 85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No.

Land situated at Thokatta, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Marredpally in November

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Smt. Amina Khatoon, Wio Asadullah and others. Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mls. Manikeshwari Nagaram Co-op, Housing Society Ltd.. Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 265 at Thokatta Village, Secunderabad Cantonment (Arca: 2 Acres & 25 Guntas) registered with SRO. Marredpally, Secunderabad vide Document No. 3035 84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Suraj Gouli, Sjo. Rajaram,
2. M|s. Kalpana Enterprises, Trimulgherry, Secunderabad.

(Transferor)

 Mls. The Lokayatha Co-operative Housing Society Ltd., Himayath Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.),

Hyderabad (A.P.), the 5th July 1985

Ref. No. RAC No. 194|85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Land situated at Lothukunta, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Marredpally in November

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

namely :—
92—186 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey Nos. 146, 147, 148 & 149 at Lothukunta, Secunderabad Cantonment registered with SRO, Marredpally, Secunderabad vide Document No. 3045|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MONAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hvderabad (A.P.)

Date : 5-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri S. Krishnappa, So. Shamanak, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. G. Seetharam. Slo. Late Narasimha Murthy, Malakpet. Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad, the 5th July 1985

Ref. No. RAC No. 195|85-86.— Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Plot situated at Fhokkatta, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Marredpally on 11/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income asising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 ed 1957)] may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Plot No. 5 at Thokkatta Village, Secunderabad registered with SRO. Marredpally, Secunderabad vide Document No. 3071|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MONAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-7-1985

Scal:

- 14 Til

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC 196/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No

land situated at Rajam, Vizianagaram Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram in December

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: between the

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Dr. P. Krishnam Raju & Others, Rajam, Vizianagaram To., Andhra Pradesh.

(Transferor)

(2) The Central Government Employees Co-operative Building Society Ltd., Vizianagaram, rep : by President Sri Bollu Ramakrishna Rao,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Character.

THE SCHEDULE

Land total area: Acres 2 and Cents 0.50 at RAJAM, Vizianagaram Tq., A.P. registered with SRO, Vizianagaram vide Document No. 4183|84 in the month of December, 1984.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC, 197/85-86,—Whereas, 1,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Land situated at Vizianagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Vizinnagaram in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. nad/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or an, sacresys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Bandaru Gunnaraju, alias: Gunnaiah, So ate Ramamurthy, Rangaraju Street, Vizianagaram,

(Transferor)

Ltd. Rep. : by President Sri S. Venkatakrishna Rao. Rep : by President Sri S. Venkatakrishna Rao, Vizianagaram,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land total area: Acres 7.00 situated at Vizianagaram re-istered with SRO, Vizianagaram in the month of November, 1984 vide document No. 3987|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellewing persons namely:—

Date: 8-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri K. Venkatesu Slo Shri Venkaiah, Bakaram. Mushcerabad. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Ramireddy, S|o Somu Reddy, Risab Gadda, Hyderabad,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABΛD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC 198[85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing House situated at Bakaram, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in November

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1-4-872, Bakaram, Musheerabad, Hyderabad registered with SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 902|84 in the month November, 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC. No. 199|85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Factory shed at Dowlaiswaram, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry in 11]1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreet to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Ms. Pappu Veeranna & his three sons, Dowleswaram, Rajahmundry, E. G. Dist.

(Transferor)

 Mls. Steelage, Rep. by Brij Monan Rathi (Partner) Dowlaiswaram, Rajahmundry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Explanation :- The terms and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed total area: Acres 4.00 situated at Dowlaiswaram, Rajahmundry registered with SRO, Rajahmundry vide Document No. 9140|84 in the month of November, 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. Mehta Towers, rcp.: by Sri Mahendra Mehta, 2-4-65, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ammini Amma, Wo KNS, Pillai, 3-6-218, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC. No. 200|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat situated at Ashoknagar, Hyderabad. (and more fully Jescribed in the Schedule annexed hereto), 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad in 11]1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which englit to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd Floor in H. No. 1-1-293|4, at Ashok nagar, Hyderabad registered with SRO. Hyderabad vide Document No. 6240|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. Gayatri Enterprises, rep.: by Sri Satish Naik, Gowliguda, near: Ramalayam, Hyderaba;

(Transferor)

(2) Smt. A. K. Jamuna Devi, Wo Shri K. N. Vidyasagar, D. No. 1-9-968|1|2, Vidyanagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC 201|85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat situated at Vidya Nagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering Act,
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad in November, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforeasid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admeasuring 1053 s. ft, situated at Vidyanagar in the premises of Gayatri Complex Door No. 1-9-698|1|2 registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6246|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC. 202|85-86.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No. House situated at Vidyanagar, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in 11|1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more sa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) Sri K. Umapathi Rao, Rep.: by GPA Sri Ch. Hanumantha Rao, 8-2-703|1|A I Floor, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Rama Rao, Shri A. Bharati, Sri A. Sunil Kumar, H. No. 1-9-295/32/A, Vidyanagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House admeasuring 509 sq. yds. situated at Vidyanagar, H. No. 1-9-295|32|A, Hyderabad registered with SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 861 84 in the month of November, 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1985

Seal :

93-186 GI[85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC. 203|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the folic market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this wotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Eskay Associates, Rep.: by Partner Mr. S. N. Kamat, H. No. 1-2-24, Domalguda, Hyderabad.

Tranfseror)

(2) Smt. Aruna Pathruker. Flat No. 404,H. No. 1-2-24, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, H. No. 1-2-24, Domalguda, Hyderabad registered with SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 848|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1985

(1) M|s. Eskay Associates, Hyderabad-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri V. B. Rama Rao, S|o V. Sitarama Sastry, Flat No. 302, "Venkatakrupa", H. No. 1-2-24, Gaganmahal Road,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC 204[85-86.-Whereas, L,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat situated at Gaganmahal, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Chikkadapply in November, 1984
Sikandarabad under registration No. 3112 on 20-11-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabio property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in "Venkatakrupa" No. 302 at H. No. 1-2-24, Gagan-Hyderabad vide Document No. 871 84 in the month of Novcmber, 1984.

> M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC. 205|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Plot situated at New Bakaram, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Chikkadpally in 11/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(1) Sri Rajkumar Malpani & Others, 61, Skylark Apartments, Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Andhra Bank Employees Welfare Association, Koti, Hyderabad, Rep. : by Shri M. S. Ramakrishna Row, Vice-President, Koti, Hyderabad.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official the Gazotto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot consisting of 4000 sq. yds, at New Bakaram, Hyderabad registered with SRO, Chikkadpally, Hyderabad Document No. 822|84 in the month of November, 1984.

THE SCHEDULE

M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

Date: 8-7-1985

FORM CINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1985

Ref. No. RAC. 206|85-86.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat situated at Ashoknagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at

Hyderabad in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. Of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Mehta Towers, Rep: by Sri Mehendra Mehta, 2-4-65, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Haribara Prasad, S|o Late KSN Sastry, 3-6-679, 10th Street, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd Floor, H. No. 1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6239 84 in the month of November, 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderahad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Rcf. No. RAC. 207/85-86.---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat situated at Mogalrajapuram, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between Dec parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M|s. Arun Builders,
 C|o V. S. Panduranga raju,
 S|o V. V. Narayana Raju,

Mg. Partner, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Bhattiprole Sriramachandra Murthy, Bombay; GPA: Sri M. Poornachandra Rao, Vijayawada,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat building in the First Floor situated at Mogalrajapuram, Vijayawada registered with SRO, Vijayawada vide document No. 7378 84 in the month of November, 1984.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 9-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC 208|85-86.--Whereas, I. M. JEGAN MOHASI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Building situated at Gunadala, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

registering Omeer at Vijayawada in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exerces the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with she object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the outposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Vemulapalli Nageswara Rao, Sio Subbajah, Ventra Pragada, Gudiyada 1q., Krishna Dist.

(Transferør)

(2) Vemulapalli Jhansi Rani, D|o Negeswara Rao, Vipayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of posterior factors respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Daba building situated at Gunadala, Vijayawada registered with SRO, Vijayawada vide Document No. 7536|84 in the month of November, 1984.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 9-7-1985

FORM HINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAV

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC 209[85-86,-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00|- and bearing No.

Ruilding situated at Mutvahimpadu, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed here(0), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 2 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Pothuri Suryanarayama Raju, Sio Lakshniipathi Raju, Mutyalampadu, Vijayawada,

(2) Ganjam Srihari Rao, So Raghurama Rao, Vijayawada,

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at Mutyalampadu, Vijayawada registered with SRO, Vijayawada vide Document No. 1023/85 in the month of February, 1985.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 9-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Sri Kommareddy Durga Prasad, So Pattabhi Ramaiah, Viiavawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kuchib-hotla Sundara Nagamam Woo Jaganmohan Rao, Nidamanur. Vijavawada

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC 211|85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat situated at Mogalrajapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Vijayawada on 3|1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ransferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immaov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1912 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat in the First Floor situated at Mogalrajapuram, Vijayawada registered with SRO, Vijayawada vide Document No. 1445/85 in the mouth of March, 1985.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons namely :-94---186 GI[85

Date : 9-7-1985 Seal :

FORM ITNS----

(1) Smt. Thalasila Venkamma, Wo Venkata Krishnaiah, Penamakur Vuyyur Tq., Krishna Dist.

(Transferor)

(2) Smt. P. Annie Margaret, Wło Dr. KJS. Rajasekharam, No. 45-1-144, K. P. Road, Ongole,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said lumnev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th July 1985

Ref. No. RAC. 211/85-86.--Whereas, I,

M, JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immersable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]—and bearing No.
Building situated at Patamata, Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer at

Vijayawada on 3 1985

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susceion (1) of Section 269D of the said Act, to the following

THE SCHEDULE

Building consisting of two floors situated at RTC Colony, Patamata, Vijayawada registered with SRO, Vijayawada vide Document No. 1229|85 in the month of March 1985.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tag Acquisition Range. Hyderabad (A. P.)

Date: 9-7-1985

27**77**7

FORM ITNS---

(1) Shri Shrichand L. Raheja (H. U. F.).

(2) Smt. Radhika J. Singh.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISTION RANGET, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4425/84-85---Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Unit No. 136, 1st floor, Kewal Ind. Estate, 'A' Wing, Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-13

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- cb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 136, 1st floor, Kewal Ind. Estate, 'A' Wing. Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-13

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6457/84-85 on 9-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1985

(1) New Swastik Land Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shreyas Land Development Corporation. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|37G.|2562|84-85.—Whoreas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000/aud bearing

Piece or parcel of land Village Nahur Mulund S. No. 125, H. No. 1, and S. No 142, H. No. 1, CTS No. 562 & 569 Mulund, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer 19-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer Bombay under No. R-3897|84-85 dated 19-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Subastin A. Fernandes.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Daniel F. Gomes.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Rcf. No. AR.III|37G.2580|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. S. No. 230 H. No. 1, CTS No. 3174 Village Manori, Via

Malad (W), Bombay-64. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Bombay on 16-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer Bombay under No. S. No. 2396[84-85 dated 16-1-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Shri Bazil Peter Gomes.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Frrol Daniel Gomes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGUAII, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 37G 2579 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing No.

Piece of land S. No. 4, H. No. 7, and CTS No. 1685, Villarge Manori Tatuka Boriveli, Malad Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 16-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax ender the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the come or among to given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S. No. 2397/82 dated 16-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Ratilal V. Volira & Ors.

(Transferor)

(2) Jamuadas Nathlal Parekh & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Bozy Domnie Bootes & Ois, (Person whom the undersigned known to be interested in property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37G]2584[84-85,--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Siad Act'), here reason to believe that the immov-

able property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Piece of land Village Mohli, Off. Kurla Andheri Rd. Plot

No. 16-B. Kurla, Boo bay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Bornbay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) focilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S-2650/84-85 dated 21-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Shri I. C. Disouza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Namuddin K. Nizomi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.G. 3565 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No.

Piece of land Revenue Village, Mobili, S. No. 63, H. No. 2

(P), Ghatkopar Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. 2787 77 84-85 dated 28-12-1984.

THE SCEHDULE

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Narayan Gaupat Patil.

(Transferor)

(2) Parikh Bros. & Co.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARJJI[37G]2561]84-85.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Agricultural piece of land S. No. 89, 54, 53, 53, 53, 52, 51, 51, H. No. 9, 6, 5, 4, 3, 3, 5, 4, 2, Dist. Bandra Borla Village, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in, the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. R-410|84 dated 27-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

95—186 GI|85

Date: 8-7-1985

(1) Atul Pratap Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Omprakash Tolaram & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37G|2560|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Piece of Land Plot No. 218-B, 11th Rd. Chembur, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been invariant and the agreement in territored under

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 12-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. 2560|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mahadev Pandurang Mahtre.

(Transferor)

(2) Pran Nath Gondal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mahadeo P. Mahtre & M. H. Patil. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Ref. No. AR.III 37.EE 37.G.2589 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Piece of Land City S. No. 586|1 to 7, Village Mahul, Gavan-

pada, Chembur, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay, under No. 2589 84-85 dated 1-2-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 8-7-1985

(1) Apate Amalgation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arundati Co-op. Hsg. Set.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|37.G.2586|84-85,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. property at Village Chembur, S. No. 14-A(p) Plot No. 35,

CTS No. 386 Chembur, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and registered under the registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S. 443|89|84-85 dated 5-2-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985 Scal:

FORM ITNS

(1) Smt. Vijaylaxmi Widow of Manilal B. Shah. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deepak Kumar S. Kanka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 37.G.2581 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. CTS No. 362|1 to 13, Village Malad T.P.S. Municipal Ward No. P-6849|115 and P-6850|116 and P-5852|116 Malad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S-2223 84-85 dated 19-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Actt to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

FURM ITNS-

(1) Smt. Male S. Devji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vidyut Co-op, Hsg. Sct.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.G.2578|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Piece of land at Kirol in Dst. registered under S. No. 135, and New S. No. 810, Ghatkopar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bombay on 16-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any measys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. 37.G.2578[84-85 dated 16-2-1985.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Samhita Indursrial Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.G.2590|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000)—and bearing No.
Piece of land at Village Mohili, Off Kurla Andheri Road,

Piece of land at Village Mohili, Off Kurla Andheri Road, Taluka Kural, S. No. 50 H. No. 2(p), City survey No. 835 plot No. 9C, Kurla, Bombay

(and wore fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-1-1985

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) C. V. Harendra Kumar & Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer under No. S. 179|84-85 dated 21-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Akhtar Husein Yusuf & Ors.

(Transferor)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. A. Pitale.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.,\G.2582|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Picce of land with chawl at Mun. Ass. No. P-3285(3) | 56BC of St. No. PL. No. 58, Turel Pakhadi Road Liberty Garden Scheme Cross Road, CTS No. 36 (1 to 9) Village Malad (S), Taluka, Borivli, B.S.D., Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Pacistration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1942 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S. 1445 83 dated 30-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 8-7-1985

persons, namely:

(1) Nazir Mohomed N. Mansuri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. B. Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.G.2553[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaue exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Piece of land S. No. 238 H. No. 3 (p), CTS No. 548, Kurla,

Piece of land S. No. 236 H. No. 3 (p), C13 No. 346, Kella, CST Road, Bombay-70. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 21-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Agt, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressiom used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under 1978 1981 84-85 dated 21-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

96-186 GI[85

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Shri Gopal Ganpat Vaity & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shakya Vihar Co-op. Hsg. Sct. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR, III 37-LE 2250 84-85,—Whereas, I, A. PRASAD. the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No.
Land with Bldg. Village Muluad, Taluka Kurla, S. No. 124, H. No. 6. C.S. No. 1130, Muluad (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Respect on 2011 1084 of the Registering Officer at Bombay on 20-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S2855[84-85, dated 20-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bomboy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Systion 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) Dr. P. V. Mandlik Trust,

(Transferor)

(2) M|s. Sona Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III|37-FE|2537|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Piece of land with structure Chincholi village, Malad, Plot No. B-1, STS No. 22 and 19(p) Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S.3093|84-85, dated 12-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

- (1) Arvind Murlidhar Navle & Ors.
- (Transferor)
- (2) Shri M. Kumaran Nair.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III 37-EE 25888 84-85 .-- Whoreas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing No.

Piece of land with Bldg. No. 32-B, Mini Land, Tank Road, C18 S. No. 413, Ehandup Kanjur, Bombay

fund more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at Bombay on 6-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S.643 79, dated 6-2-1985.

> A. PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS ---

- (1) Ramchandra Keshav Patil & Ors.
- (Transferor)
- (2) Anand Dattaram Raut & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III 37G 2567 84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

obeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land with structure CTS No. 1070 (p), Original

S. No. 96(p) Mulund (E). Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S.1418|83, dated 11-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, manuely :---

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Shri Ratilal V. Vora & Ors.

وورائه التجويم بوليد وييزان بالمعط يعسندان المهام والعا

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jamnadas N. Parekh & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION: RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III|37G.2585|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Piece of land Village Mehili, Off Kurla Andheri Road,

Piece of land Village Mohili, Off Kurla Andheri Road, S. No. 7, II, No. 8(p) and S. No. 51, H. No. 19(p), Plot No. 19-B, Kurla, Bonibay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traby stated in the and instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S.2649|80, dated 21-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Datatraya B. Khade,

(Transfecoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Tibra Builders.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, ВОМВАҮ

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37G|2564|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.
Picce of land Mulund, Taluka Kurla, S. No. 279, 292 H.
No. 1 & 2, Survey No. 279, 292, 292, H. No. 1-A, 1-A,
1-C, Mulund, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and register I under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 21-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. S.2319 84-85 dated 21-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona namely ---

Date . 8-7-1985

FORM ITNS

(1) Mrs. Sitaben C. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Hemant Amratlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|13210|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flet No. 42, 4th floor, Dattani Apartment No. 2, Chhitabhai
Paiel Rd., Kandivii (E), Bombay-101

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor, Datani Apartment No. 2 at Chhitabhai Patel Rd., Kandivli (E), Bombay-101,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|13210|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date . 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. T. J. Chandnani & 2 Ors.

(Transferor)

(2) Master Anilkumar N. Dodia & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-LU, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|13494|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

Competent being the Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Unit No. 23, ground floor D-Wing, Bonaza Industrial Estate Ashok Chakravarty Rd., Kaadivii (E) Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Unit No. 24, ground floor D-Wing, Bonaza Industrial Estate, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesad property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said trustrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 24, ground floor, D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakarvarty Rd., Kandivli (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 13494 84-85 on 1-11-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--97-186GI[85

Date: 8-7-1985

(1) Shri Suresh Bhikhalal Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh M. Khadawala,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|13431|84-85.--Whereas, I, Λ. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing Flat No. 203, Bldg. No. 2, of Turakhia Park at M. G. Road, Kandiyli (W) Roembay 67.

Kandivli (W) Bombay-67.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 203, Bldg., No. 2 of Turakhia Park, M.G. Rd., Kandi /li (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Conff Authority, Bombay under No. AR IV]13431[84-85] on Date . 8-7-1985 Connetent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

- (1) Bonaza Industrial Estate P. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Ms. Audad Transducers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCoME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.IV[37EE]13165[84-85.--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Gala No. 7, second floor, C-Wing Bonaza Industrial Estate, Pvt. Ltd. Plot No.12-B, Ashok Chakravarthi Rd., Behind

Miranda Tool Ltd. Kandivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed herete), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aftersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid praperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 7, second floor, C-Wing, Bonaza Industrial Estate Pvt. Ltd., Plot No. 12-B, Ashok Chakravarty Road, Behind Miranda Tools Ltd., Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|13165|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date . 8-7-1985

(1) M|s. Asbish Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. P. Parikh & Mrs. H. P. Parikh (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. o. AR.IV|37EE|13616|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000] and bearing
Bunglow No. 3, Gokaldas Khimji Nagar-I, Shankar Lane,
Kandivli (W), Bombay-67.
(and more fully described in the schedule below)

has cen transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 3, Gokaldas Khimji Nagar-I, Shankar Lane, Kandivli (W). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 13616 84-85 on 1-11-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date . 8-7-1985

FORM ITNS—

(1) M/s. G. K. Development Corporation,

(Transferor)

27803

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kishor P. Talati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.IV[37EE]13324]84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 36, 3rd floor, G. K. Nagar, Building No. 2, Shankar Lane, Kandiyli (W), Bombay-67.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 36, 3rd floor, G. K. Nagar, Building No. 2, Shankar Lane. Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.IV 13324 84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 8-7-1985

(1) M/s. Dattani Development.

(Transferor)

(2) Smt. P. G. Bhatia (HUF).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|13134|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 61, 6th floor, Shreeji Palace, C.T.S. No. 99, Village Kandiyli S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this action in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, Shreeji Palacc, C.T.S. No. 99, Village Kandivli, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|13134|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.IV[37EE]13325[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 37, 3rd floor, G. K. Nagar, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. Building No. 2,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

Ghoziabad under registration No. 337 date 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the faoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

- (1) M/s. G. K. Development Corporation,
- (2) Smt. Aruna K. Talati,

(Transferee)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 37, 3rd floor, G. K. Nagar, Building No. 2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV 13325 on 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM (TNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ashish Construction.

(Transferor)

(2) Mr. G. J. Sampat. Mrs. G. J. Sampat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|13323|84-85.—Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 304, 3rd floor, G. K. Nagar Bldg, No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

apparent consideration which is less than for an the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|13323|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Ashish Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Manish S. Doshi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.IV[37EE]13321[84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 604, 6th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar

Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons namely:-98-186GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, G. K. Nagar Bldg, No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV[13321]84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s, Ashish Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. C. M. Shah, Mr. K. S. Shah & Shri H. S. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR, IV | 37EE | 13537 | 84-85.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 504, 5th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computant Authority. the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

at Bombay on I-11-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504., 5th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, IV | 13537 | 84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-TV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) M|s. Ashish Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Hiralal Chhatrabhuj Shah & Mrs. M. H. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13322|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 301, 3rd floor, G. K. Nagar, Bldg. No. I, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully describedin the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivli, (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13322|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 8-7-1985

Sear

FORM ITNS----

(1) Dattani Developments

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I alit K. Karani & Mrs. R. L. Karani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Rcf. No. ARIV|37-EE|13135|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the Sala Act), have least to believe that the liminovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Flat No. 51, 5th floor, Shreji Palace, plot bearing CTS No. 99 of village Kandivli, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51, 5th floor, Shreeji Palace, C.T.S. No. 99 of Village Kandivi, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 13135 84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

(1) M|s. Vardhman Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri G. N. Bhagat & Shri Gaurang Niranjan Bhagat

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13217|84-85 --- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 50, 4th floor, Vardhman Kutir, Wing-B Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 50, 4th floor, Vardhman Kutir, B-Wing, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13217|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

Scal:

(1) Mr. Ratilal P. Savla

(2) Mr. Narottamkumar N. Sharma

Mr. Nareshkumar N. Sharma

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13303|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinætter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000] and bearing
Flat No. 32, 3rd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2 plot bearing
C.T.S. No. 67 (pt) 68 (pt) & 92 (pt) of Village Valnai
Nagar Malad, Tal, Borivli Shankar Lane, Kandivli, (W),
Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2 C.T.S. No. 67 (pt) 68 (pt) and 92 (pt) of Village Valnai Nagar Malad, Tal, Borivli, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13303|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 8-7-1985

(1) M|s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. B. Sagar & Shri Y. P. Sagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. AR-IV[37-FE]13390[84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 2691 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immercable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 18, 1st floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the estwice of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 1st floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|13390|84-85 on 1-11-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 8-7-85.

(1) K. G. Kapadia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Manay Builders (India).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Rombay, the 8th July 1985

Ref. AR-IV|37EE|13378|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. A-113, 1st floor, Super shopping complex, Bajaj Cross Rd., Kandjuji (W). Bombay 67

Kandivli (W), Bombay-67,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rithe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. A 113, 1st floor, Super Shopping Complex Bajaj Cross Rd., Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|13378|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bonibay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Ast to the following persons summiy:-

Date: 8-7-85.

FORM TINS-

(1) M/s. Manay Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

and the second s

(2) Dr. Kansaria Bharat Nagindas.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. AR-IV[37-EE]13279[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
A-217, 2nd floor, Super shopping Complex Dr. Dalvi Road, Kandivli (W), Bombay-67,

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed heroio)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax A.t, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

reew, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lane of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 99---186GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

The second secon

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ..ct. shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

A-217, 2nd floor, Super Shopping Complex Dr. Dulvi Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|13279|84-85 on 1-11-84.

> A. PRASAD Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rouge-197 Fomb ty

Date: 8-7-85.

Scal :

FORM TINS-

(1) Shri A. S. Badlani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. J. Mehta & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. AR-JV|37-EE|13384|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

shop No. 17, Guiu Nanik Apartment C.H.S. Ltd. 51, Shan-kar Lane, Kandivli (W), Bombay-67,

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984,

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 17, Guru Nanik Apartment, C.H.S. Ltd. 51, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|13384|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-85.

---FORM ITNS-

(1) M|s. Dattani Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr., Gulab Shankar Bhadalekar,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. AR-JV|37-EE|13115|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing Flat No. 110, 1st floor Dattani Park, at Western Express Highway, Kandivli (E), Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair natket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been are which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein ar) defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 110, 1st floor, Dattani Park at Western Express Highway, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|13115|84-85 on 1-11-84.

> A. PRASAD Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-7-85.

Scal:

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri H. R. Desai & Smt. D. H. Desai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. AR-IV|37-EE|13280|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 52, 4th floor, Shivam Bldg. S. V. Road, Fatehbaug, 1, andivit (W). Bombay-67, situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair resider value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

ta racentating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(a) Instituting the convenients of any mount or any meneys or other nates which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax dect, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 52, 4th floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/13280/84 85 on 1-11-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 8-7-85.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. AR-IV|37-EE|13625|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing

Flat No. 13, 1st floor, Shivam Bldg. S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Sax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mis. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Shei Jay Prakash J. Damani & Smt. P. J. Damani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the afcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor, Shivim Bldg. S. V. Road, Farehbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|13625|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 8-7-85.

(1) Ms. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. J. Desai & Smt. U. J. Desai.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. AR-IV|37-EE|13281|84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 54, 4th floor, Shivam Bldg, S. V. Poad, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54, 4th floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IV|1328|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 8-7-85.

FORM 115% --

(1) M/s. Jayantilal Investments

(Transferor)

(2) Shri A. K. Mehta

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 GF 1)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION PANGE-IV, BUMBAY

Bombay the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13313|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Madhuban Apartments, Mourin Stret, off M. G. Road, Kandivli (W) Bombay-67. (and more fully described in the schedule annexed herto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at 20 abay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2500 of the said Act, to the follow-¹вя регвоюв, пашобу:---

Objections, if any, to the acquisition of 'he said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Madhuban Apartments, Murin Street, off M. G. Road, Kandivil (W) Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV 13313 84-85 on 1-11-84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge IV Bombay,

Dated: 8-7-1985.

Scal:

(1) M|s. Jayantilal Investments

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dattaram G. Sejwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RAPIGELY, COMBAY

Bombay the 8th July 1985

Ref. ARIV|37-EE|13312|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 -43 of 1961) (herdinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Madhuban Apartments, Murin Street, off M.G.

Road, Kandivli (W) Bombay-57

situated at New Leading (air, more funly described in the schedule annexed hureto:

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the losur of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Madhuban Apartments, Murin Street, off M. G. Road, Khandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Computhority, Bombay under No. AR.IV 13312 84-85 Authority, 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Bombay.

Dated: 8-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Narsi Kanji Mitsry

(Transferor)

(2) M|s Sainath Construction Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay the 8th July 1985

Ref. ARIV|37-EF|13549|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Piece & Parcel of land at village Pakhadi Belwadi, S. No. 78, H. No. 3, C. S. No. 172, plot No. 1 & 3 at Irani Wadi, Kandivli (W),

situated at Thane (and more fully described in the schedule

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 100-186GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Piece & parcel of land at village Pakhadi Belwadi Taluka Borivli bearing S. No. 78, H. No. 3, C. S. No. 172, Plots No.1 & 3 at Irani Wadi, Kandivli (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|13549|84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Bombay.

Date: 8-7:1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER*SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1935

Ref. No. ARIV|37-EF|13400|84-85.—
Whereas I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Shriram Apartment Flat No. 601, S. V. Road, Kandivli (West), Bombay-67

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compelent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsign (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri V. G. Padia.

(Transferor)

(2) Shri Arvind N. Shah (H. U. F.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shriram Apartment, flat No. 601, S. V. Road, Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay under No. ARIV;13400|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS ----

(1) M/s. Jayantilal Investments.

(Transferor)

(2) Smt. Chandan J. Shah and Shii J. R. Shab.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13500|84-85.--Whereas I, A. PKASAD,
being the Competent Authority under Section 269AB(i)(b)
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'gaid Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Madhuban Apartments, Murin Street, Off M. G. Road,
Kandivli (W), Bombay-67
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax t, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the problection of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Madhuban Apartments, Murin Street, Off M. G. Road, Kandivli (W). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13500|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Date : 8-7-1985

(1) Mr. P. M. Shah & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. H. K. Doshi & Ors.

be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13576|84-85.---

Ref. No. ARIV|37-EE|15576|84-35.-Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 56, 5th floor, Dattani Apartment No. 4, B-Wing,
Farekh Navar, S. V. Rd., Bombay-67
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of said property may

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 56, 5th floor, Dattani Apartment No. 4, B-Wing, Parekh Nagar, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 13576 84-85 on 1-11-84.

 PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dato: 8-7-1985

(1) Smt. Ilaben. B. Thakkar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. G. Panchmatia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13206|84-85.-

Whereas I, A. PRASAD, order the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

No. C-7, Sundram, Fateh Bang, S. V. Road, Kandivli (W),

Bombay-67

situated at Bombay (and prore fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-7, Sundram, Fatehbaug, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13206|34-85 on 1-11-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Shri L. P. Shetigar.

(Transferor)

(2) Shri N. K. Gohil & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13257|84-85.--

Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Suman Apartments, A-17, 4th floor, Shankar Lane, Kandivli (W). Bombay-67

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid poreptry and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Suman Apartment, A[17, 4th floor, Shankar Lane, Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 13257 84-85 on 1-11-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) M|s. Javantilal Investments.

(Transferor)

(2) Mr. Jagdish Jamuadas Nathvani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EL|13499|84-85.--

Whereas J., A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Madhuban Apartments, Mourin Street, Off M. G. Road,

Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and co-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazutte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Madhuban Apartments, Meurin Street, Off M. G. Road, Kandivli (W). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJV[13499]84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD Competent Authority
JEFFECTING Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

(1) M/s. Jayantilal Investments.

(Transferor)

(2) Shri A. M. Panchal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13311|84-85.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Madhu Apartments, Murin Street, Off M. G. Road Kandivli (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Madhuban Apartments, Murin Street, Off M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV[13311]84-85 on 1-J1-84,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

rlow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaind property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

The same of the sa

FORM ITNS----

(1) Ms. Railaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. V. Y. Parikh & Shri Y. Ochhavalal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13334|84-85.-Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 51, 4th floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fateh-baug, Kandivli (W), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /ac

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 4th floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13334|84-85 on 1-11-84.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--101-186GI 85

Date: 8-7-1985

(1) M/s. J. M. C. & Meghani Builders. (2) Manhar Anirudh Pandya & Ors.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13399|84-85.-Whereas I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Shop No. 4, 'Jamuna Darshan', Plot No. OTPS No. 752, Natakwala Lane, Off: Swami Vivekanand Road, Borivli (W), Rombay-92, situated at Bombay

on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, 'Jamuna Darshan', Plot No. OTPS No. 752, Natakwala Lane, Off: Swami Vivekanand Road, Borivil (West), Bombey-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37-EE|13399|84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) M/s. Sri Parvathi Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Nagendra M. Shenoy.

may be made in writing to the undersigned;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13446|84-85 --- Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 f- and bearing No.

No. Flat No. 203, 2nd floor, 'Mani Bhavan', Parvathi Nagar, Eksar Village, Near Shanti Ashram, Borrvli (West), Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acr or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, 'Mani Bhavan', Parvathi Nagar, Eksar Village, Near Shanti Ashram, Borivli (West), Bombay -92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV|37-EE|13446|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Mhatre Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. John Baptist Lewis.

(3) Transferors.

(Transferee) (Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13451|84-85.--

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act') have reason to believe that the immovable in the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Flat No. 203, 'Matru Kripra', 2nd floor, Eksar Village, Eksar Road, Borivali (West), Bombay-92

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the registering Officer at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of magster with the object of :- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 'Matru Kripa', 2nd floor, Eksar Village, Eksar Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37-FE|13451|84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) M/s. Arihant Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kiranben Natvarsinh Rane & Ors.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the publication of this notice in the Official

Bombay, the 8th July 1985

Gazette.

Ref. No. ARIV|37-EE|13592|84-85.-Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Scation 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the control of the said Act') and the said Act's th immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 102, 1st floor, A-Wing, Under Construction, Plot No. 14 & 19, Desai & Sheth Nagar, Near Poisar Bus Depot., Borivli (W), Survey No. 13 15 & 21, Off S. V. Road, Bombay

situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on I-11-1984

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 102, 1st floor, A-Wing, Under Construction, Plot No. 14 & 19 Survey No. 13|15 & 13|21, Desai & Sheth Nagar, Off. S. V. Road, Near Poisar Bus Depot, Borivali (West, Bombay.

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV[37-EE[13592[84-85 on 1-11-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitino Range-IV, Bombay

Scal:

Date: 8-7-1985

(1) M|s, Shah Builders,

(Transferor)

(2) Miss Pulavarty Prafulla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13479|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000] and bearing
Shop No. 1, Gr. floor, Bldg. No. B, Plot A, Devki Nagar,
Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedult annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tag Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Bldg. No. B, Plot A, Devkl Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 1-11-1984. under No. AR-IV 13479 84-85 on Bombay

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Bonanza Builders Pvt. Led

Tranfseror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jyotindra K. Parikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13174|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 301, 'Aakanksha', S.V.P. Road, Opp. Bhagvati Hospital, Borivali (West), Bombay-103.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has beent ransferred and the agrement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of master of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the paid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever midd expures later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

rlat No. 301, 'Aakanksha', S.V.P. Road, Opp. Bhogvatt Hospital, Borivali (West), Bembay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13174|84-85 on

A. PRASAD
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shailesh Benefit Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ambica Investments.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13248|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ps. 100 0001, and heaving

Rs. 1,00.000|- and bearing
Office No. 209, 2nd floor, Goyal Shopping Arcade, Borivli
(Wast) Rombay 93

(West), Bombay-92.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- no) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquistion of the said property

(b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 209, 2nd floor, Goyal Shopping Arcade, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13248|84-85 on_1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

(1) Devendra Narshimdas Relan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Charulata Vamon Manjrekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13162|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 1, Gr. floor, Bldg. No. B, The P & T Official Co-op. Hsg. Soc. 1 td., Rajeshwari Bldg., Ramnagar, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:— 102—186GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other person interested in the said immovare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. floor, Bldg. No. B, The P & T Official Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Rajeshwari Bldg., Ramnagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13162|84-85 on 1-11-

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Smt. Indira Eurochandra Dabhade.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pravina Navinchandra Oza,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR-IV|37FF|13575|84-85.-Whereas, I, Λ. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Ac', 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. D-62. Om Shree Gokul Co-op. Hsg. Society of Bombay Municipal Employees, S. V. Road, Borivli (West), Pombays 92

Bombay-92.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. D-62, Om Shree Gokul Co-op, Hsg. Society of Bombay Municipal Employees, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13575|84-85 on 1-11-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following varsons, namely :-

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Dinshaw Rustom & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nıranjan L. Hiranandani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13129|84-85.—Whereas, f,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing

All those pieces or parcels of Lands, at Village Malvani, Survey No. 265-A-1 (Part) & C.T.S. No. 2529, Bombay, Borivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has beent ransferred and the agrement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforcsaid persons with a period of forty-live days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of lands, at Village Malvani, Taluka Borivli, Survey No. 265-A/1 (Part), C.T.S. No. 3529, Survey No. 265A/1 (Part), C.T.S. No. 3529/1 S. No. 265B, C.T.S. No. 3828, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13129|84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Kamla Developments.

(Transferor)

(2) Jitendrakumar Dhansukhlal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13622|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 504, Ramdeo Park, Chandavarkar Lane, Borivli (W), Bombay-92,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13622|84-85 on I-11-

The agreement has been registered by the Competent Aut-Bombay-92.

THE SCHEDULE

(b) fairlitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :

Date: 8-7-1985

(1) Kavita Enterprise

(Transferor)

(2) Mrs. Savitribai Nandlal Chhabrai & Ors.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV[37EE]13492[84-85.--Whereas, I.

A. PRASAD, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing No. Flat No. 202, Manjul Agartment, (Under Construction) 1st Rasturba Road, Borivli (Fast), Bombay-400 066. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Manjul Apartment, (Under Construction) 1st Kasturba Road, Borivli (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13492|84-85 on 1-11-

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13563|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 100 000l- and bearing

Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 104, Shree Yogeshwari Apartments, CTS, No. 133

and 133|1, Mandapeshwar, Borivli, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the omce of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru ween the parties has not been truly stated in the said instru ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) M|s. Chariot Builders.
- (2) Laxman Nilkanth Khandeparkar.

(Transferot)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Shree Yogeshwari Apartments, CTS. No. 133 and 133 1, Mandapeshwar, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13563|84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM I,T.N.S.-

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13621|84-85.--Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. [,00,00]- and bearing
Flat No. 410, Ramdeo Park, Chandavarkar Lanc, Borivli

(West), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manufer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) tacintating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Kamla Developments.
- (Transferor)
- (2) Shri Sudam Gangaram Kadam.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410, Ramdeo Park, Chandavarkar Lane, Boriyli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authirty, Bombay under No. AR-IV|37EE|13621|84-85 on 1-11-

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13298|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 012, 1st floor, Bhushan Apts., TPS. No. III, F. P. No. 631-B, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-92, (and more fully described in the Scheduse annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) M/s. Bhushan Construction Company.
- (2) Miss. Bharati Nikanth Raut.

(Transferor)

(3) Transferors.

(Transfee)

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 012, 1st floor, Bhushan Apts., TPS. No. III, F. P. No. 631-B, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13298|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Dhakllibai Mukund Keni & Others.

(Transferor)

(2) M|s, K. T. Constructions,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-JV|37EE|13624|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Piece or parcel of land, Survey No. 21, Hissa No. 7 & 8, C.T.S. No. 303 & 311, Village Eksar, Borivli, Bombay. (and more fully described in the Schedule aunexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
103—186 G1185

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land, Survey No. 21, Hissa No. 7 & 8, C.T.S. No. 303 & 311, Village 1 ksar, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37FE|13624|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) M|s. Toshe Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pradyumn Suraimal Karadia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13138|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

Flat No. B-103, 1st floor, Vrishabhavilla, 1984 6, Rokadia Cross Lane, Borivli (West), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability off the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-103. 1st floor, Vrishabhavilla, 184|6, Rokadia Cross Lane, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13138|84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Shaheda Yusuf Siddiqui.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13172|84-85.--Whereas, I, PRASAD.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 70, 2nd floor, 'Rattan Nagar, 8-9-10 Bldg., Near Premji Nagar & Daulat Nagar, S. V. Road Borivali (East), Bombay-66.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I fereby initiate proceedings for the acquisition of the afores 1 property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 70, 2nd floor, 8-9-10 Bldg., Rattan Nagar, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, S. V. Road, Borivali (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37-EE|13172|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Rombay

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kanji Shivji Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|1339|84-85.--Whereas,I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 28, 1st floor, A-11, Bldg., 'Rattan Nagar' S. V. Road, Borivali, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 1st floor, Λ-11 Bldg., 'Rattan Nagar', S. V. Rd. Borivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37-EE|13339|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 8-7-1985

(1) M|s. Bhayana Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. A. V. Ravindran.

(Transferée)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13222|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000]- and bearing No. Flat No. 14, 2nd floor, Bldg. A·17, Survey No. 222, H. No. 1 to 5, Rattan Nagar, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, Borivali (East), Bombay-66.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 2nd floor, Bldg. A-17, Survey No. 222, H. No. 1 to 5, Rattan Nagar, Near Premii Nagar & Daulat Nagar, Borivali (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 37-EE 13222 84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Smt. Padmabhai Ramchandra Kani.

(Transferor)

(2) Mr. Lalji R. Chaurasia & Others.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13489|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000[- and bearing No.

Flat No. 21-A, Gopal Terrace, Kastur Park. Borivali (W), Bombay-400 092.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less thahn the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. **Samely:---

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2-A, Gopal Terrace, Kastur Park, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37-EE|13489|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Alka Nagar & & Mrs. Sunita Ramnani.

(Trausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. K. M. Mehta & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, вомвлу

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EF|13366|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

exceeding Rs 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 4, 3rd Floor, Chichal Apts. B Wing, 99 f. T. Road, Borivli (West), Bombay-400 92. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 3rd Floor, Chichal Apts. B Wing, L. T. Road, Borivli (We 1), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 37-EE 13366 84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Shri Rajan M. Shah.

(Transferor)

(2) Mis. Jaico Press Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, HOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref No. ARIV[37-EE]13570[84-85.---Whereas, I,

A. PF ASAD, A. PFASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Vasudev Terrace, 34, Kastur Park, Borivli (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

situated at Bombuy

has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Auhority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vasudev Terrace, 34, Kastur Park, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV 37-FE 13570 84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13169|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Om Apartment Co-Op Housing Soc. Ltd., 3rd Carter Road, Flat No. 17, 4th Floor, Borivli (East), Bombay-400 006. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1934 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

104--186 GI 85

(1) Smt. Rashmi Ramesh Naik.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra H. Bhatt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4th Floor, Om Apartments Co-Op Hos. Soc. Ltd., 3rd Carter Road, Borivli (East), Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13169|84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Mr. Ashok Ni Mahajan.

(Transferee)

(2) Madnusudan S. Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13401|34-85.--Whereas, I, Λ. PRASAD,

A. PRASAD, veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,001- and bearing No. Flat No. 24, 3rd Floor, Yogita Co-Op Hos. Soc. Ltd., Daulat Nagar Road No 6, Borivii (East), Bombay-66, situated at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper'y by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 3rd Floor, Yogita Co-op Hos. Soc. Daulat Nagar Road No. 6, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 37EE 13401 84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

1. Mr. Prakashchandra D. Verma & Others,

(2) Mr. Vinod Ramdi rlamal Khanna.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV.

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|13175|84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 303, 3rd Floor, A Wing, Babubali Towers Desi Seth Nagar, S. V. Road, Borivli West), Bombay-400 092 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fift en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd Floor, A Wing Desai Seth Nagar, Saibaba D am, Off S. V. Road, Borivli (West), Bombay)

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13175|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following nersons, namely:—

Date: 8-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref: AIV/37-EE-13107/84/-85—Whereas, I A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C-1 Nav Digvijay Co-Op Hos Soc. Eksar Rad, Borivli (West), Bombay 400 992 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 196! in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. Sharma P. Shetty.
- (Transferor)

(2) Mr. V. G. Pai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-1, Nav Digvijay Co-op. Hos. Society Ekstar Road, Borivil (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. ARIV|37EE|13107|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 8-7-1985.

(1) Mr. Deepak Jaysukhlal Gandhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Ketanbhai G. Balsarar & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said propertmay be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. ARIV|37-EE|13333|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 30!, Express Tower, L.T.R. Road, Borivli (West), Bombay-4000 092 situated at Bombay

(and more fully Jescribed in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used betein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 301, Express Tower, L. T. Road, Borivii (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV;37EE;13333|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unue. sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 8-7-1985.

PORM ITNS-

(1) Ehri Achut Laxman Datar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Shyam M. Khandelwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|13464|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Flat No. 3/8, Blue Crotto Socoty, A6/15, LIC Colony, Jeewan Bima Nagar, Borivil (West), Bombay-400 092, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the C ompetent Authority

at Bombay on 1-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3/8, Blue Crotto Society-LIC Colony, Je an Bima Nagar, Borivli (West) Bombay -400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay ubder No. ARIV/37EE/13464/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition. Range-IV. Bombay

_Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Preeti Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Balchandra C. Pednekar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th, July 1985

Ref. No. AR-IV|1331|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. 203. 2nd floor, Bldg. No. A, Eksar Road, Borivli (West), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered unde ion ABS = he income. Tax Act, 1961 in the Office of the mp t A rity at Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and and a property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, witnin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) ractitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Bldg. No. A, Eks Borivli (W) Bombay-400092.

The Agreement has been registered by the Competent A ho i B bay under No. ARIV/37EE/13331/84-85 on 1-11-84).

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-

(1) Mr. Manohar Ramchand Badlani.

(Transferor)

(2) Mr. Sitaram Sankappa Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1985

No. ARIV/37EE/13430/84-85—Whereas, I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Co-Op Housing Society, Ltd., Ram-Nagar Borivli (West) Bombay-400092, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the In e-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incomic arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/4/11, Irma Co-Op. Hos. Soc. Ram Nagar, Borivli (W), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/13430/84-85 on 1-11-1984.

A, PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 8-7-1985

(1) M/s Charjot Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Satish Narayan Rajyadhyaksha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE -IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

No. ARIV/37EE/13564/84-85— Whereas I, A. Prasad, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 203, Shree Yogeshwari Apartments, CTS No. 133 & 133/1, Mandapeshwar, Borivli, Bombay situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reegistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly valued in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any issues arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
105.—186GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official?

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Shree Yogeshwari Apartments, CTS. No. 133 & 133/1. Mandapeshwar, Borivili, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/13564/84-85 on 1-11-195.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Jaypee Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Vasumati Mahipatrai Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- V, BOMBAY Bombay, the 8th July 1985

No. ARIV/37EE/13566/84-85—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 401, 4th Floor, F.P. No. 105, TPS III, Jambli Lane, Borivli (West), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said proptrty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, F.P. No. 105, TPS III, Jambli Lane, Borivili (West), Bombay-92.

The agreement has been tregistered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/13566/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rage-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

Surender Pal Sach)(1dev (HUF).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Badami Bai Pukhraj Jain & Anr.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

ACQUISITION RANGE- \$V, 30 (1) \Y

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 8th July 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/13237/84-85—Whereas I, A. PRASA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable importy having a fair market value exceeding its. 1,00,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

Room No. 11, Ground floor, Nimesh kuni Hsg. Society Lt CTS. No. 2412, 2412/1, 2412/2, 2413/3, 2412/5, 2412/6 S.V Road, Borvili (West), Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at wombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe with the object of:—

 facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Rom No. 11, Ground floor, Nimesh kunj Housing Society Ltd. C.T.S. Nos. 2412, 2412/1, 2412/2, 2412/3, 2412/5, 2412/6 S.V.P. Road Borivili (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No, ARIV/37EE/13237/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bomba y

Now, therefore, in cursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following section, namely:—

Dated: 8-7-1985

1. Bhagwan Laxman Dandulia & 4 others

(Transferor)

2. M/s Jaydeep Foundation.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

3. Transferees

(Person in occupation of the

property)

4. Tonants

(Person whom the undersigned knows to be interested

in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July, 1985

Rof. No. ARFV/37EE/13578/84-85—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,0,00,000|- and bearing

No. Original Plot No. 364 of T.P.S. II. Borivii Taluka, Shimpoli, Village, Shimpoli Road, Boriv (West) Bombay situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1st. Nov. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer, andler.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

THE SCHEDULE

Original Polt No. 364 of T.P.S. III, Shimpoli, Borivli, Taluka-Shimpoli Village, Shimpoli Road, Borivli (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay No. ARIV/37EE/13578/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-IV, Bombay

dated : 8-7-1985

Swal :

FORM PINS

1. Build Quick

2. Madhusudan Gopal Mondkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

WY VOT' that (40 At thes)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV/37/EE/1353/84-85—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. Mohor Apartment, plot bearing CTS. No. 71, & 221 Pankar Wadi, Babhai. L.T. Road, Borivli (West) Bombay-92, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said, Act, is suspect of easy income arising from the transfers and /or
- (b) Incilitating the concentration of any income or any incomes or other excets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre-for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1928) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 209°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Physicanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Mohor Apartment, Plot Bearing CTS No. 71 & 221, Penkar Wadi, Babhai, L.T. Road, Borivli (West) Bombay-92,

The agreement has been registered by the Cometent Authority, Bombay under ARIV/37-EE/13531/84-85on 1-11-1984

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquistion, Range IV, Bombay

Date : 8-7-1985

Stal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Mr. Kanubhai Jadhavji Thakkar, (Prop: Vikas Constructions)

(Transferor)

2. Mr. Doopak Purushottam Samant

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV/37/EE/13526/84-85-Whereas, I, A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fall market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Flat No. 303, 3rd floor, proposed Bldg, 'Vandana Plot bearing CTS. No. 26, Village Eksar, Eksar Road, Borivali (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Proposed Bldg., 'Vandana', Plot Bearing CTS No. 26, Village Eksar, Eksar Road, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/13526/84-85 on 1-11-1984.

A PRASAD. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

1. Mr. Kanubhai Jadhavji Thakkar, (Prop : Vikas Constructions)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Mr. Nitin Ramanlal Shukla & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13528/84-85—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 403, 4th floor, 'Vandana' plot Bearing CTS No. 26, Village Eksar, Eksar Road, Borivali (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor Proposed Bidg. 'Vandana', Plot Bearing CTS. No. 26, Village Eksar, Eksar Road, Borivali (W), Bombay.

The aggreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13528/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

1. M/s R.S, Builders

(Transferor)

2. M/s Mohga Builders

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 3. Transferees ()

(Person in occupation of the property

GOVERNMENT OF INDIA

OI FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Rof. No. ARIV/37-EE/13202/84-85-Whoreas I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. A Piece of Land, Survey Nos. 115, Hissa Nos. 1|12, 1|9, 1|8, 1|2, 1|7, 1|4, CTS. No. 936, 934 I. C. Colony, Mount Poisur Borivii (W), Bombay-10 situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereta)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unde section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office Compe

tent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given, in that, Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957:

THE SCHEDULE

A Piece of Land, Survey Nos. 115, Hissa Nos 1/12, 1/9 1/8, 1/7, & 1/14, C.T.S. No. 936 & 934, I.C. Colony, Moun Poisur, Borivli (West), Bombay-103

The agreement has been registered by the Competent hority, Bombay under No. ARIV/37-EE/13202/81-85 A uthority. on 1-11-1984.

> A PRAS AD, Competent Authority, Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax [Acquisition Range IV, Bomby

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 8-7-1985

Seel :

FORM ITNS-

1. Smt. Deepika Bhatia.

(Transferor)

2. Shri Jaswantlal J. Gajjar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

3. Transferce

(person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/13149/84-85-Where as I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 40 Ground floor Happy Jeevan Co-op Housing Society Ltd., Happy Jeevan, A 6/7, Jeevan Vima Nagar, Borivali (W), Bombay-400103 situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under s tion 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of a court with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

106-186 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 40, Ground floor Happy Jeevan Co-op. Housing Society Ltd., Happy Jeevan, A6/7 Jeevan Vima Nagar, Borivali (Wost), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/13149/84-85 on J-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority.
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

பate: 8-7-1985 Scal (

FORM ITNS--

(1) M/s. Jay Pali Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sanjeev B. Mogal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-b.F/13448/84-85.—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 311, Ground Floor, 'Govind Apartments', Jay Pali Hill, Eksar Village, Borivli' (West), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the schodule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Acr 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 311, Ground Floor, 'Govind Apartments', Jay Pali Hill, Eksar Village, Borivli (West), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authoity, Bombay under No.AR-IV/37-EE/13448/84-85 on 1-11-84.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV, B y

I t t: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Godavari Satyendra Singh Kashwaha Trisf e ror

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jogendra Bhupendra Bhansali

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13435/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 12, 3rd Floor, C-Wing, Building No. 11/C, Embee Apartment, Embee Geejay Co-operating Housing Societ Ltd., Sai Baba Nagor, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-9y situated at Bombay (and more fully described in the schedul2 annexed hereto), has been transforred and the agreement it registered under Section 269 A, B of the Income-tax Act, 196 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, C-Wing, Building No. 11/C, Embee Apartment, Embee Geejay Co-operative Housing Society Ltd Sai Baba Nagar, S. V. Roud, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13435/84-85on 1-11-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Smt. Savitaben Shantilal Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vallabhdas Haridas Badiani &2 Others.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Rof. No. AR-IV/37-EE/13256/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. A/9, Rejdeep, 2nd Floor, Kasturba Cross Road No 1, Borivli (East), Bombay-66 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tran ferred and the agreement is registered under Section 269 As of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A/9, Rajdeep, 2nd Floor, Kas turba Cross Road No. 1, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13256/84-85 on 1-11-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mattate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:—

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Nari Motai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV,

Bombay, the 8th July 1985

BOMBAY

Ref. No. AR-IV/37-EE/13207/84-85.—Whorens, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No

Flat No. C-6, 1st Floor, Rosario Apartments, Eksar, Borivli (West), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Cyril Eugene Pereira and Others

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-6, 1st Floor, Rosario Apartments, Eksar, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13207/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13163/8-85—Where s, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 201, 2nd Floor, 'Vaibhav', C-Wing, Plot No. 82-TPS III & CTS 727, Jambly Gully, Borivli (West), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Gautam Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Dipak Shantilal Gala.

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, 'Vajbhav', C-Wing, Plot No. 82, TPS III & CTS 727, Jambly Gully, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37—EE/13163/84-85 on 1-11-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

Scal:

FORM ITNE

(1) M/s. Vijay Nagar Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Suresh B. Shah & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13545/84-85.—Whereas, I, A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 908, Building No. 57/58 Yogi Nagar, Eksar Road, Plot No. 57/58, Survey No. 66, Hissa No. (Part) 5, 3, 14 & 17, Borivali (West), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transformed and the agreement is registered under Section 269 ABS of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 908, Building No. 57/58, Yoginagar, Eksar Road Plot No. 57/58, Survey No. 66, Hissa No. (Pari) 5, 3, 14 & 17 Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13545/84-85/on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 8-7-1985

Scal:

(1) Shri Arunkumar Chhabildas Sheh

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

whichever period expires later;

notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Somesh Kyal Family Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13288/84-85.---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Store No 21, Basement in Goyal Shopping Arcade, S. V Road, Borivali (West), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has bee transferred and the agreement is registered under Section 26 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compotent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Store No. 21, Basement in Goy'l Shopping Arcade, S. V. Road, Borivali (West), Bombay-92.

Tihe agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13288/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Ronge-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Dated: 8-7-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 8th July 1985

BOMBAY

Ref. No. AR-IV/37-EE/13249/84-85,---Whereas I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing

Store No. 22, Basement in Goyst Shoot: Areade, S. V.Ro Borivli (West), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the parties has not been truly stated in the said instrument of spheet of:

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

107-186 GI/85

 Smt. Hansa Pravinchandra Ruarelia & Others, Partners' of M/s. Double BB

(Transferor)

(2) Somesh Kyal Family Trust

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Store No. 22, Basement in Goyal Shopping Areade, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37- EE/13249/84-85 on 1-11-1331.

A. PRASA U

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

(1) Shri N. J. Sunderawala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs T. M. Saighare

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13297/84-85.—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market Flat No. 81A-15, Saibaba Nagar, Borivli (West), Bombay-400092 situated at Bombay (and more fully described in thee Value exceeding Rs. 100,000and bearing

scheduled annexed hereto), has been transferred and the agrax ment is registered under Section 269 A B of the Income-tay Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income science from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the soquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 81-A-15, Saibaba Nagar, Borivli (West), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE 13297/84-75 on 1-11-1984.

(Transferor)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 8-7-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. A. C. Fernandes & Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Archana J. Parekh & Others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13410/84-85. - Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No.

Plot No. 20, 21 and 22, City Survey No. 13/9, 13/10 and 13/7 S. V. Road, Borivli (West), Happy Home Apartment, S. V. Road, Bombay-400092 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act 1961 in the office of the competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 20, 21 and 22, Flat No. 57, 5th Floor, Happy Home Apartment, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13410/84-85 on 1-11-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV/37EE/13176/1984-85— Whereps, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No 204, 2nd Floor, B Wing, Babubhali Towers, Desai Seth Nagar, S V. Road, Borivli (West). Bombay-400092 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 209 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Esoofali Trust

(Transferor)

(2) Shri Jayant H. Mehta & Others.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd Floor, B Wing, Desai Seth Nagar, S.V. Road, Borivli (West), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/13176/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

FORM TINS

(1) M/s. Himanshu Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sonal Girwan Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 8th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

· Ref. No. ARIV|37-EE|13105|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD,
the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. Flat No. 24, 2nd Floor, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off:

Factory Lane, Borivli (West), Bombay-92,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerd under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 24, 2nd Floor, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off: Factory Lane, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV 37EE 13105 84-85 on 1-11-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated • 8-7-1985

(1) Shri K. J. Bhatt & Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. W. Patil & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July, 1985

Ref. No. AR-1V/37-EE/13294/84-85 -Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or parcel of land, Survey No. 301/13, C.T.S. No. 83, S. No. 301, C.T.S. No 84, S. No. 296/2, C.T.S. No. 170, Village Dahisar, Taluka Borivali (East), Kandarpada, Dahisar (West-), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269 A B of the Incom tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bo m bay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a)) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land, Survey No. 301/13, C.T.S. No. 83 S. No. 301, C.T.S. No. 84, S. No. 296/2, C.T.S. No. 170, Village Dahisar, Kandar Pada, Taluka Borivli (East), Dahisar (West), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13294/84-85 on 1-11-1984

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Rajdeep Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Manjiri Mohan Mhaddalkar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13536/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. S. No. 49, H. No. 8 (Part), C.T.S. No. 1103, Jai Jalaram Apartments, Village Dahisar, Wamanrao Sawant Road Dahisar (East), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as oforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot S. No. 49, H. No. 8 (Part), C.T.S. No. 1103, Jai Jalaram Apartments, Village Dahisar, Wamanrao Sawant Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13536/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 8-7-1985

Seal ·

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13534/84-85.—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and behaving No.

Rashmi House, C. Survey No. 1038, Survey No. 46, Hissa No. 10, Hari Shankar Joshi Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramchandra Laxman Chowkekar

(Transferor)

(2) M/s. Vaibhav Developers

(Transferce)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rashmi House, C Survey No. 1038, Survey No. 46, Hissa No. 10, Hari Shankar Joshi Road, Dahisar (East), Bombay-68

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13534/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, it survance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 8-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Pratulchandra Amritlal Shah

(Transferor)

(2) Shri Ashok Nivritti Mahajan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-1V/37-FE/13371/84-85.---Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Serial 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Anjanta Co-operative Housing Society Ltd., Navyug Nagar, S. V. Rad, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—
108—186 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ajanta Co-operative Housing Society Ltd., Navyug Nagar, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13371/84-85 on 1-11-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombuy

Dated: 8-7-1985

(1) Shri Prabhakar Ganpatrao Gaikwad & 3 Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. G. Vora

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13226/84-85.—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

All that piece or parcel of land, S. No. 12, Hissa No. 1 (Part) Dahisar Village (W), Lotankar Wadi, Kalsekar Parab Road, Mangeshrao Sawant Road, Dahisar, Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Inocome-tax Act, 1961 in t upoffice of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land, S. No. 12, Hissa No. 1 (Part), Dahisar Village (West), 'Lotankar Wadi', Kalseka Prab Road, Mangeshkar Sawant Road, Dahisar, Bombay-68

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13226/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13404/84-85.—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 106, 1st floor, Radha Krishna Apartment, Survey No. 53, Hissa No. 2, Village Dahisar, S.V. Road, Dahisar (East). Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax, Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s. Thakar Construction

(Transferor)

 Shri Ramchandra Chowkekar and Anothers,

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st Floor, Radha Krishan Apartment, Survey No. 53, Hissa No. 2, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay 68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13404/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 8-7-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985 Ref. No. AR-IV|37EE|1348|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No.

All that piece or parcel of land or ground, Survey No. 111, Hissa No. 6 (P), C. T. S. No. 2820 (P), Dahisar, Borivali Taluk a Dahisar, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of th Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bom bay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Samarth Society (Prop.), through its Chairman
 Shri Ramnaresh R. Pathak & Anothers.

(Transferor)

(2) M/s. Build-Way Enterprise

(Transferee)

(3) Favourable

(Persn in occupation of property)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground, Survey No. 111, Hissa No. 6 (P), C. T. S. No. 2820 (P), Dahisar, Borivali Taluka, Dahisar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent thority, Bombay under No. AR-IV[37-EE]13481[84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|13482|84-85.--Whereas, I, A-PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing

All that piece or parcel of land, Survey No. 111, Hissa No. 6 (P), C. T. S. No. 2820 (P), Dahisar, Borivali Taluka, Dahisar, Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely:—

(0) Shri Sukhu Bhagwant Yadav

(Transferor)

(2) M/s. Build-Way Enterprise.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land, Survey No. 111, Hissa No. 6 (P), C. T. S. No. 2820 (P), Dahisar, Borivali Taluka, Dahisar, wombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13482/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Balkrishna R. Tawde and 3 others

(Transferor)

(2) Shri Ajay S. Dhumal (Sirl Construction)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|13402|84-85 Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Survey No. 139, Hissa No. 2, C.T.S. o. 2754, Dasisar (East), Bombay-400068 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 139, Hissa No. 2. C. T. S. No. 2754, Dahis (East), wombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Au thority, Bombay under No. AR-IV|37-EE|13402|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

er subollowing Dated: 8-7-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|13182|84-85.—Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 501, 5th Floor, "Kachnar" Building, Bapu Bagwe Marg, Dahisar (West), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Sitansu Kuma Lahiri & Others

(Transfer)

(2) Mr. Rajendrakumar Radheshyam Dalmia.

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, "Kachnar" Buuiding, Bapu Bagwe Marg, Dahisar (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13182/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Contract to the second second

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV|37-ΕΕ|13225|84-85.—Whereas, I, Λ. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 502, 5th Floor, "Kachnar", Bapu Bagwe Marg, Dahi sar (West) Bombay situated at Bombay (and more fully des cribed in the schedule annexed hereto), has been transferr d and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Sitansu Kumar Lahiri and Others

(Transferor)

(2) Mr. Arjun Valji Kundhaliya

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th Floor, "Kachnar", Bapu Bagwe Marg. Dahisar (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37-EE|13225|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Be abay

Date: 8-7 1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13376/84-85.—Whereas, 1. APRASAD,

seeing the Competent Authority under Section 269 B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Industrial Unit (togetherwith Machinery and Stock-in-trade lying therein) at Unit No. 15 2nd floor, Agarwal Industrial Estate, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Atting the reduction or evasion of the liability at the transferor to pay tax under the said Act, a respect of any income arising from the transfer; ad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

109-186 GI/85

(1) Mrs. Iqbal Gurupal Mann.

(Transferor)

(2) Shri Jamanadas Khatau

(Transferee

(3) Transferor

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit (together with Machinery & Stock-in-trade lying therein) at Unit No. 15, 2nd Floor, Industrial Estate Estate, Dahlsar (Fast), Bombay-400068.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombny under No AR-IV]37-EE|13376|84-85 on I-11-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s, M. K. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ram Vishumal Madnani

(Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Mr. Ram Vashumal Madnani

(Person in occupation of property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JV,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Bombay, the 3th July 1935

Ref. No. AR-IV|37-EE|13200|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Shop No. 5, Mamta Apartment, Shivaji Road, Dahisar (East) Bombay-68 situated at Bombay (and mole fully delscirbed in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of th Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 5, Mamta Apartment, Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-BE/13200/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1985

Ref. No. ARIV/37-ELJ/13437/84-85,--Whereas, A, PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 4, Gopal Building, Nandanvan Complex, Plot bearing C.T.S. No 1664 B (Pt) & 1665B (pt), SV Road, Dahistr (E), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on I-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(0) M/s. Arkay Builders.

(Transferor)

(2) Sri Vasanji Shivaji Dharod

(Transferee)

(3) M/s. Arkay Builders.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gopal Building, Nandanvan Complex, Plot bearing C. T. S. No. 1654B (Part) & 1655B (Part), S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/13437/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetat
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13511/84-85.—Whereas, 1 A. PRASAD

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. B/8, Shivshakti Complex, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M. J. Builders (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Sudhir B. Dhebar

(Transferoe)

(4) Rita Estate (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. B/8, Shivshakti Complex, S. V Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-E-1/13511/84-85 on I-11-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) M/s. Karwill Corporation

(Transferor)

(2) Shri S. M. Solanki

(Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMETAN ACI, 1901 (45 OI 1901)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/13324/64-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 8, ground floor, Sabarmati Apart nent,

C. T. S. No. 19, 20, 95, Ashok Nagar, Village Vadhwan, Kandivli (East), Bombay-101 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—
110 —186 GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Ground Floor, Sabar nati Apartment, C. T. S. No. 19, 20 & 96 Ashok Nagar, Village Vadhwan, Kandivli (East), Bombay-101.

The agree next has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EB/13324/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bomba y

Date: 8-7-1985

Seal :

(0) Jay Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Archana Tukaram Parab

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/13414/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Jay Apartments, C. S. No. 1278 Part S. No. 30 H. No. 3, Part of Junction of Shivaji Road, & M. C. Road (Division), Kandivli (West), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B, of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fachiltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jay Apartments, C. S. No. 1278, Part S. No. 30, H. No. 3, Part of Junction of Shivaji Road & M. C. Road (Diversion), Kandivil, Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/13414/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Dated: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

· ·

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/13296/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 22, Balasinor Cooperative Housing Society, S. V. Road, Kandivli (West), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Ast, or the Wealth-ing Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harendra S. Gandhi

(Transferee)

(2) Shri K. M. Chandarana & Shri Ramanlal K. Chandarama

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22, Balasinor Co-operative Housing Society, S. V Road, Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/13296/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
A quisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

Seal:

(1) Kishanchand Khanna

(2) Shri Balwant Pitambardas Dashl

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AK-IV/37-EE/13480/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No.

Piece and parcel of land at Mahatma Gandhi Road, Survey No. 153, H. No. 1, S. No. 9, H. No. B and 5, Kandivli (West), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Incom Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece & parcel of land lying at Mahatma Gandhi Road, land bearing survey No. 153, H. No. 1,S. No. 9 H. No. B 85 Kandivil (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/13480/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 8-7-1985

FORM TINS

(1) Shri Jaichand Virchand Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Bank of India Employees, Sukhada C. H. S. Ltd.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Rof. No. AR-IV/37 G/73/84-85.— Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Property at Mauje, Eksar, S. No. 63 & 64, C. S. Chabata No. 2, Old S. No. 57 (Part), R-Ward No. 45 (91) and 4390 (2) Borivli situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-2254/83 and registered on 15-11-1984 with the sub-registrar, Bombay,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 8th July 1985

ARIV/74/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD Ref. No. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, ha fair market value exceeding Rs. 1,00,000 bearing No. having Piece or parcel or land bearing S. No 22, City Survey No. 1354 in Dahisar Village, Borlvli situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri R. B. Patil,
 - 2. Shrl G. R. Patil,
 - 3. Shri H. R. Patil
 - 4. Shri R. R. Patil
 - 5. M/s. Shyam Construction Co.

(Transteree)

(2) Dr. H. H. Desai

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-184/83 and registered on 12-11-1984 with the sub-registrar, Bombay.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

Seal .

NOTICE ONDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Gorakhnath Singh, Shri C. Singh and Others.

(Transferor)

(2) Shri Sadiqali Ravisali Mariambai Abdulla

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-IV/37-G/76/34-85.— Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Incometex Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No.

A plot If land at village Dahlsar bearing. No. 183 H. No. 5, C. S. No. 1837 & 1838 situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred unde the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the leg istering Officer at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair madet value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as afore sair exceeds the apparent consideration therefor by more thin fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly stated in the said instrument of tunsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the !ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said \(\text{Act}\), or the Wealth-tax \(\text{Act}\), 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the excessid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-2666/80 and registered on 9-11-1984 with the sub-registrar, Bombay.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS ____

(1) M[3, Ku'karni & Kulkarni, 2153, Sadashiv Peth, Vijaynagar Cdony, Pune-30.

(Transferor,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|7188|1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 1 on ground floor, S. No. 82|1B, Plot No. 4, Parvati,
Punc-9 cituated at Punc
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has heen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the pair market value of the property. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Ramkrishne Raghunati Maria Smt. Rohini Ramkrishna Mc., 1253, Shukrawar Peth, Subb Sand Line of

. Canuferee

Objections, if any, to the acquisition of the most phint may be made in writing to the undershaded —

- (a) by any of the aforesaid persons with a person to the days from the date of publication of his in the Official Gazette or a period of 30 tag the service of notice on the respective period expires later;
- (b) by any other persons interested in the middle arms able property within 45 days from the dail of the publication of this notice in the Official G. due.

Explanation :- The terms and express that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDU 3

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

32/11/1 Mot No Flat No. 1 on ground floor, S. N Parvati, Punc-9.

(Property as described in the agreement to the registere in the office of the I.A.C., Acquisited Range of the underdocument No. 7188 [1984-85] in the results of the control of the contro unde:

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax
> Acquisitati Pange, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 9-7-1985

Seal: